

राजस्थान पुरातन ग्रन्थमाला

राजस्थान-राज्य द्वारा प्रकाशित

सामान्यतः अखिल भारतीय तथा विशेषतः राजस्थान प्रदेशीय पुरातनकालीन
संस्कृत, प्राकृत, अपभ्रंश, हिन्दी, राजस्थानी आदि भाषानिबद्ध
विविधवाङ्मयप्रकाशिनी विशिष्ट ग्रन्थावली

प्रबन्ध सम्पादक

जितेन्द्रकुमार जैन, एम. ए.

निदेशक—राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर

ग्रन्थाङ्क १२१

मुंहता नैणसी री लिखी

मारवाड़ रा परगनां री विगत तृतीय भाग

प्रकाशक

राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान,

जोधपुर (राजस्थान)

१९७४

मुद्रक

अजन्ता प्रिण्टर्स, जनगण प्रेस, शुभदा प्रिण्टर्स एवं श्रीसुमेर प्रिण्टिङ्ग प्रेस, जोधपुर

वि. सं. २०३१

भारतराष्ट्रीय शकाब्द १८६६

प्रकाशकीय

“मारवाड़ रा परगना री विगत” ग्रंथ-सम्पादन की योजना इस भाग के साथ पूर्ण हो जाती है। विद्वान् सम्पादक डॉ० नारायण-सिंह भाटी ने इस ग्रंथ का सूक्ष्म विवेचन प्रथम भाग में किया है। ग्रंथ में मारवाड़ के चप्पे-चप्पे का वर्णन मिलता है।

फारसी से इतर भाषाओं में लिखे गये ग्रंथों में ऐसे सर्वाङ्गीण ग्रंथ कम ही मिलेंगे। इस भाग की एक यह विशेषता भी है कि इसमें मारवाड़ के गाँवों के जागीरदारों से सम्बन्धित ऐसी समस्त उपयोगी सामग्री जोड़ दी गई है जो ग्रंथ का भाग न होकर भी उस रहे-सहे अभाव की पूर्ति के साथ-साथ शोधार्थियों के लिए भी अत्यन्त उपयोगी है, शायद जिसको संकलित करने के लिए यत्र-तत्र भ्रमण करना पड़ता।

“विगत” की चर्चा तो होती ही रहती थी, परन्तु इसको पूर्णतया प्रकाश में लाने की आवश्यकता थी जिसको प्रतिष्ठान ने पूरा किया। मुझे पूर्ण विश्वास है—इसका सम्मान विद्वज्जगत् में होगा तथा इस ग्रंथ से अनेक शोध-प्रबन्ध लिखे जाने में सहायता मिलेगी।

इस ग्रंथ को तैयार करने में विद्वान् सम्पादक ने जिस धैर्य और सूझ-बूझ का परिचय दिया है, वह प्रशंसनीय है।

जितेन्द्रकुमार जैन
निदेशक

“मारवाड़ रा परगनां री विगत” के प्रथम और द्वितीय भागों में विगत के मूल पाठ के अतिरिक्त परिशिष्टों में विगत को पूर्णता देने हेतु तत्सम्बन्धी अन्य स्फुट जानकारी समाहित की गई थी। इस तृतीय भाग में राजस्थानी भाषा से अनभिज्ञ पाठकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए हिन्दी में शोध-सूत्र प्रस्तुत किया गया है, तथा विशिष्ट शब्दों के अर्थ विविध नामानुक्रमिकाएं, महत्वपूर्ण पुरुषों की जन्म-कुण्डलियां भी दी गई हैं।

इस विशाल ग्रंथ में ऐसे अनेक महत्वपूर्ण व्यक्तियों का उल्लेख आया है जिनका उल्लेख ओझा, रेऊ, गहलोत तथा टाड आदि इतिहासकारों ने नहीं किया है, पर विगत और ख्यातों से पता चलता है कि यहाँ के इतिहास-निर्माण में उन व्यक्तियों ने महती भूमिका निभाई है। उपर्युक्त इतिहासकारों का दृष्टिकोण प्रायः राजवंश के व्यक्तियों तक ही सीमित रहा है, जिससे यह इतिहास एकांगी है। विगत में इस प्रकार के अनेक वीरों का भी उल्लेख है जिनका प्रभाव उस समय के जनमानस में लम्बे समय तक रहा, उन से सम्बन्धित काव्य, गीत, कहावतें आज भी जनता में प्रचलित हैं। अनेक ख्यातों और हस्तलिखित ऐतिहासिक ग्रंथों का अध्ययन कर मैंने ऐसे पुरुषों तथा विशिष्ट स्थानों आदि पर इस भाग में ६४ पृष्ठों में टिप्पणियाँ दी हैं, आशा है ये इतिहासकारों के लिये उपयोगी होंगी और जब भी समाज सापेक्ष तथ्यों का आधार लेकर इतिहास लिखे जायेंगे तो इस प्रकार की सामग्री से तथ्यान्वेषकों का मार्ग-दर्शन हो सकेगा।

तीसरे भाग को तैयार करने के दौरान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान की उदयपुर शाखा में मुझे एक महत्वपूर्ण ग्रंथ-ग्रंथांक २७१७ (६०८) की प्रति देखने को मिली, जिसमें मारवाड़ के राठौड़ जागीरदारों की पीढ़ियाँ तथा गाँवों के पट्टों की विगत व्यवस्थित रूप में दी हुई थी। मैंने उस ग्रंथ को जोधपुर मंगवाकर उसकी प्रतिलिपि करवाई और अध्ययन करने पर पता लगा कि सामग्री इतिहास की दृष्टि से बड़ी महत्वपूर्ण है। नैणसी ने अपनी विगत में गाँवों के भौगोलिक तथ्य तथा फसल व बसने वाली प्रमुख जातियों आदि का उल्लेख तो किया है, पर जागीरदारों का उल्लेख नहीं किया, यह कमी मुझे प्रारम्भ से ही अखर रही थी। इस सामग्री के समायोजन से न केवल गाँवों के ऐतिहासिक महत्व को उजागर करने में सहायता मिलेगी अपितु प्राचीन राजस्थानी में जो अपार स्फुट साहित्य बिखरा

पड़ा है उसकी ऐतिहासिकता को समझने में भी इससे सहायता मिलेगी। इस प्रकार की सामग्री के अभाव में, बहुत सा स्फुट साहित्य जो यहाँ के वीरों, दातारों और साहित्य की कद्र करने वालों की प्रशंसा में लिखा गया है उसका कई बार अर्थ लगाना कठिन हो जाता है और इतिहास में एक ही नाम के कई व्यक्ति होने के कारण कई भ्रान्तियाँ पैदा हो जाती हैं। उदाहरण के लिए डिंगल गीतों को लिया जा सकता है। गीतों में प्रायः नायक का नाम, जाति, पिता या पूर्वजों का नाम आदि देने की परिपाटी है, परन्तु जब तक उस व्यक्ति के गाँव और खाँप आदि से सम्बन्ध नहीं जोड़ा जाता तब तक जिस घटना-प्रसंग को लेकर जिस नायक पर काव्य-रचना की गई है, उस तक पहुँचना बड़ा कठिन होता है। पीढ़ियों की सूची से यह कार्य काफी सरल हो जाता है, और इस प्रकार इतिहास की अनेक आंतरिक उलझनों को सुलझाया जा सकता है। शोध-कर्त्ताओं की सुविधा के लिए मैंने पाद-टिप्पणी में यह भी संकेत दे दिया है कि कौनसा जागीरदार किस गाँव की पीढ़ियों में से फंटकर उस गाँव का जागीरदार बना। कुछ व्यक्तियों के बारे में प्राप्त ऐतिहासिक जानकारी भी फुटनोट में रखी गई है, आशा है वह शोधकों के लिए उपयोगी सिद्ध होगी।

विगत के प्रत्येक परगने के अन्त में नैणसी ने सांसण के गाँवों का विवरण दिया है जिनमें चारणों, भाटों, ब्राह्मणों आदि को दिये गये गाँवों का वृत्तान्त है। इनमें खास तौर से चारणों को दिये गये गाँवों का वर्णन राजस्थानी-साहित्य के शोधकर्त्ताओं के लिए बड़ा उपयोगी है। शोधकर्त्ताओं की सुविधा के लिये इस भाग के अन्त में उन गाँवों की सामग्री के आधार पर विस्तृत सारणियाँ भी दे दी गई हैं।

विगत के महत्व और सम्पादन-पद्धति आदि पर प्रथम भाग की भूमिका में विस्तृत प्रकाश डाल दिया गया है। अतः यहाँ केवल इतना कहना पर्याप्त होगा कि न केवल इतिहास परन्तु भूगोल, समाज-शास्त्र, नृत्व-शास्त्र, राज्य-प्रशासन आदि अनेक दृष्टियों में विगत का महत्व है और इस तीसरे भाग के प्रकाशन से इसके अध्ययन में शोधार्थियों को विशेष सुविधा होगी, ऐसी आशा है।

इस ग्रंथ का सम्पादन-कार्य श्रद्धेय पुरातत्वाचार्य मुनि जिनविजयी के आदेश से आज से कोई १० वर्ष पूर्व मैंने प्रारम्भ किया था। इसके दो भाग तो यथासमय प्रकाशित हो गये थे, पर तीसरे भाग के प्रकाशन में अनेक

अप्रत्याशित व्यवधान आ खड़े हुए । प्रतिष्ठान में लम्बे समय तक स्थायी निदेशक के अभाव में प्रशासनिक कठिनाइयों के कारण अवरोध आता रहा और साथ ही प्रेसों की असुविधा के कारण भी बड़ी परेशानी उठानी पड़ी । इस भाग ने चार प्रेसों की यात्रा की, तब कहीं जाकर इसकी छपाई का कार्य पूर्ण हो पाया है । पर इन सब कठिनाइयों के बावजूद मुझे इस बात की प्रसन्नता है कि इस ग्रंथ के महत्व को इस दौरान में इतिहासकारों ने समझ लिया और देश और विदेश के अनेक शोधार्थी इस ग्रंथ की सामग्री का आधार लेकर अपना शोध-कार्य कर रहे हैं, इस प्रकार राजस्थान के इतिहास की नवीन शोध-दृष्टि को फलीभूत करने में इस ग्रंथ द्वारा जो योगदान मिल रहा है उसमें मुझे विशेष सतोष है ।

इस भाग में दी गई ऐतिहासिक व्यक्तियों की जन्म-कुण्डलियों^१ को प्रसिद्ध इतिहासविद् डॉ० रघुवीरसिंहजी (सीतामऊ) ने देख-परख कर ईस्वी सन् व तारीख भी प्रत्येक कुण्डली के साथ लगा देने की कृपा की है जिसके लिए मैं उनका अत्यन्त आभारी हूँ ।

मेरे अनुज हुकमसिंह भाटी एम० ए० ने ग्रंथ के अन्त में दी गई सारि-गियों को तैयार करने में पूरी सहायता की जिसके लिए उसे आशीर्वाद देता हूँ । इस भाग का लगभग आधा भाग सुमेर प्रिण्टिङ्ग प्रेस के संचालक श्री सरदारमलजी थानवी ने सुव्यवस्था पूर्वक छापा है, जिसके लिये मैं इनका आभारी हूँ ।

अन्त में मैं प्रतिष्ठान के वर्तमान निदेशक श्री जैन व उनके प्रकाशन विभाग के अधिकारियों का भी आभार व्यक्त करना अपना कर्तव्य समझता हूँ कि जिन्होंने अनेक कठिनाइयों के बावजूद इस भाग के प्रकाशन में रुचि लेकर कार्य को सम्पन्न करने में वांछित योग दिया ।

चीपासनी, जोधपुर

रक्षाबंधन ३-८-७४

नारायणसिंह भाटी

१. ये कुण्डलियाँ मुझे वारहठ देवकरणजी इन्दोकली के सौजन्य से प्राप्त हुई हैं ।

—: विषयानुक्रम :—

क्रमाङ्क	विषय	पृष्ठाङ्क
१.	विगत की विस्तृत सूची (तीनों भागों की)	१—१२
२.	शोधसूत्र (विगत का हिन्दी-सारांश)	१—६३
३.	महत्वपूर्ण व्यक्तियों तथा स्थानों आदि पर टिप्पणियाँ	६४—१२८
४.	विगत में प्रयुक्त विशिष्ट शब्दों के अर्थ	१२९—१३८
५.	नामानुक्रमणिकाएँ	१३९—
	(१) पुरुष व स्त्री-नामानुक्रमणिकाएँ	१३९—१९६
	(२) ग्राम, नगर, देश आदि नामानुक्रमणिकाएँ	१९७—२७०
६.	परिशिष्टों की नामानुक्रमणिकाएँ	२७१—
	(१) पुरुष व स्त्री-नामानुक्रमणिकाएँ	२७१—३०१
	(२) ग्राम, नगर, देश आदि नामानुक्रमणिकाएँ	३०२—३२२
७.	विविध नामानुक्रमणिकाएँ (मूल ग्रंथ की)	३२३—३२६
८.	" " (परिशिष्टों की)	३२७—३२९
९.	विशिष्ट पुरुषों की जन्मकुण्डलियाँ	३३०—३६०
१०.	गाँवों के पट्टों व जागीरदारों की पीढ़ियों की विगत	३६१—
	खाँप करमसोत—३६१ मांडणोत—३६७. भादावत—३६८	
	वालावत—३६८. ऊदावत—३७४. मेड़तिया—३६८ रायमलोत—	
	३८६. जगमालोत—३८८ ईसरदासोत—३९०. चाँदावत—३९१.	
	गोयनदासोत—३९८. माधोदासोत—४१९. सुरताणोत—४२४.	
	केसोदासोत—४२७. विट्ठलदासोत—४३४. विसनदासोत—४३५.	
	गोपीनाथोत मेड़तिया—४३८. चाँपावत—४४१. सगतसिंघोत—४४१.	

रामसिंघोत—४४२. जगमालोत—४४३. गोयनदासोत—४४४.
 द्वारकादासोत—४४५. हरभाणोत—४४५. केसोदासोत—४४५.
 रायसिंघोत—४४६. रायमलोत—४४६. विट्ठलदासोत—४४६.
 वलोत—४५५. भोपतोत—४५६. खेतसिंघोत—४५६. हरिदासोत—
 ४५६. आईदानोत—४५६. किलाणदासोत—४६४. करणोत—
 ४६५. रूपावत—४६८. पुनावत—४६६. भीयोत—४७०.
 देवराजोत—४७०. चाड़दे—४७१. गोगादे—४७२. महेचा—४७३.
 जुंजाणिया—४७४. मंडला—४७४. पातावत—४७६. कूपावत—
 ४८३. मांडणोत—४८३. महेसदासोत—४८८. रदैसिंघोत—४९०.
 ईसरदासोत—४९१. तिलोकदासोत—४९२. नरावत—४९३.
 नारणोत—४९४. काघलोत—४९४. वीदावत—४९४.
 ऊदावत बेडवासिया—४९४. जैतावत—४९६. पिरथीराजोत—४९६.
 आसकरणोत—४९७. भोपतोत—४९८. कलावत—४९९.
 खाँप जोधा—४९९ से— गोयनदासोत—४९९. गोपालदासोत—५०१.
 जगनाथोत—५०२. रतनोत—५०२. किलाणदासोत—५०५.
 अमरसिंघोत—५०६. किसोरसिंघोत—५०७. खगारोत—५०७.
 बाघावत—५०८. गांगावत—५०९. रामोत—५१०. चद्रसेणोत—
 ५१०. रतनसिंघोत—५११. महेसदासोत—५१५. भोजराजोत—
 ५१८. अभैराजोत—५१८. केसरीसिंघोत—५२०. विहारीदासोत—५२८.

११. विगत में आये हुए चारण, भाट व ब्राह्मणों के सासण

आदि की सारिणी

५२९—५५४

१२. शुद्धि पत्र

५५२ वं



विगत की विस्तृत सूची

[मारवाड़ के ७ परगनों (तीनों भागों) की विस्तृत सूची]

विषय	पृष्ठ अनुच्छेद सारांश,		
	सं.	सं.	भा० ३ में
१. मंडोर की विगत, वात परगने जोधपुर री	१	१	१
२. नाहड़राव का वृत्तांत	४	६	१
३. सीहाजी का वृत्तांत	५	६	२
४. आसथान सोनग, अज का वृत्तांत	६	१३	२
५. वीरम व राव चूडा का वृत्तांत	२१	३२	४
६. राव रिङ्गमल का वृत्तांत	२६	४३	६
७. राव जोधा का वृत्तांत	३१	५२	७
८. राव जोधा ने अपने भाइयों व लड़कों में जमीन बांटी	३८	६२	८
९. राव सातल का वृत्तांत	४०	६४	८
१०. नरा सूजावत का हाल	४०	६५	८
११. कुवर बाधा सूजावत का हाल	४१	६६	८
१२. राव गांगा की उपलब्धिया	४१	६८	८
१३. राव मालदे का हाल	४२	७१	१०
१४. राव मालदे की लड़कियों की विगत	५२	८२	११
१५. राव मालदे की पत्नियों की विगत	५५	८८	१२
१६. शेरशाह से युद्ध हुआ जिसका हाल तथा काम आने वालों की सूची	५६	८९	१२
१७. राव जैमल पर मालदे की चढ़ाई	५९	९०	१२
१८. हरमाड़े में राणा उदयसिंह तथा हाजीरा का युद्ध	६०	९२	१२
१९. मालदे ने जैसलमेर पर फौज भेजी	६४	९५	१३
२०. राव मालदे के समय की फुटकर बातें	६५	९६	१३
२१. राव चन्द्रसेन के समय की बातें	६७	१०६	१३
२२. चन्द्रसेन का जोधपुर छोड़ना	६८	१०७	१४
२३. चन्द्रसेन का अकबर बादशाह से मिलना	६९	१११	१४
२४. चन्द्रसेन का मेवाड़ जाना	७०	११५	१५
२५. राव राम व कला का वृत्तांत	७१	११६	१५
२६. राव चन्द्रसेन का हूँगरपुर से आना व मुगलों से युद्ध	७२	११८	
२७. मोटाराजा (उदयसिंह) की बात	७५	१२०	१६

२८. कल्याणदास रायमलोत पर उदयसिंह की चढाई	७५	१२०	१६
२९. राव चन्द्रसेन व मोटाराजा का फलोदी में युद्ध	८०	१२९	१७
३०. मोटाराजा ने चारणों आदि के गांव जब्त किये, सूची	८१	१३१	
३१. मोटाराजा की जैसलमेर से खटपट	८४	१३४	१७
३२. अकबर ने फलोदी भाखरसी हरराजोत को दी	८८	१३८	१८
३३. मोटाराजा का गुजरात को प्रस्थान तथा आसकरन देवीदासोत को जागीर का पट्टा	९०	१४५	१९
३४. राजा सूरसिंह की बात	९२	१४६	१९
३५. सूरसिंह को तेरवाडा मेरवाडा का परगना मिलना	९४	१५०	२०
३६. कुंवर सबलसिंह को फलोदी मिलना	९५	१५२	२०
३७. दक्षिण में अम्बर चम्पू और सूरसिंह का युद्ध	९६	१५६	२१
३८. सूरसिंह का मारवाड़ को लौटना	९७	१५७	२१
३९. सूरसिंह की मांडवे पर चढाई	९७	१५८	२१
४०. प्रधान भाटी गोयंददास तथा राठीड़ किशनसिंह का मारा जाना	९९	१६१	२२
४१. सूरसिंह का पुनः दक्षिण में जाना	१०१	१६२	२२
४२. कुंवर गजसिंह की जालोर पर विजय	१०२	१६६	२२
४३. सूरसिंह की जगह दक्षिण में गोयंददास भाटी रहा	१०३	१६८	२३
४४. राणा की फौज से गोयंददास का युद्ध	१०३	१७०	२३
४५. महाराजा गजसिंह की गद्दी नशीनी तथा मनसब	१०५	१७१	२३
४६. गजसिंह का दक्षिण में युद्ध	१०६	१७२	२४
४७. शाहजादा खुर्रम का विद्रोह	१०७	१७३	२४
४८. गजसिंह को मेड़ता मिलना	१०८	१७४	२५
४९. जांहुगीर की मृत्यु पर गजसिंह का मारवाड़ आजाना और बादशाह द्वारा मनाया जाना	११०	१७९	२५
५०. गजसिंह के समय की अन्य फुटकर बातें	१११	१८२	२६
५१. महाराजा जसवंतसिंह का वृत्तांत	१२३	१९९	२८
५२. जसवंतसिंह के मनसब का हिसाब	१२३	१९९	२८
५३. राठीड़ महेस सूरजमलोत को प्रधान बनाना	१२५	२०३	२८
५४. परगना ऊर्देही जागीर में मिलना	१२६	२०५	२९
५५. परगना मलारणा जागीर में मिला	१२७	२०६	२९
५६. परगना बघनोर जागीर में मिला	१२८	२०७	२९
५७. परगना रोहतक जागीर में मिला	१२८	२०७	२९
५८. रतलाम की जगह जालोर का परगना मिला	१२९	२०८	२९
५९. नागौर की ७ पट्टी जागीर में मिली	१३०	२०९	२९

६०. जसवंतसिंह का उज्जैन के युद्ध के लिये प्रस्थान करते समय सात हजारों मनसब का हिसाब	१३०		२६
६१. महाराजा का आगरे से प्रस्थान और जागीर का हिसाब	१३३	२११	३०
६२. महाराजा का जहानाबाद को प्रस्थान	१३४	२१२	३०
६३. शाहजादा शुजा से युद्ध	१३५	२१३	३०
६४. राजा जयसिंह से जसवंतसिंह का रास्ते में मिलना	१३५	२१५	३०
६५. औरंगजेब से आशवासन मिलना तथा गुजरात को प्रस्थान	१३७	२१७	३०
६६. नैणसी आदि को पोकरण पर सबलसिंह की सहायता के लिये भेजना	१३८	२१६	३१
६७. अहमदाबाद में डेरे के समय मनसब की विगत	१४४	२२८	
६८. स. १७१८ में गुजरात जागीर, प्रस्थान	१४६	२३०	३१
६९. महाराजा को पूना का सूबा मिलना	१५०	२३१	३१
७०. गुजरात से विदा होते समय जागीर का हिसाब	१५०	२३४	३१
७१. पं. मनोहरदास ने १७२० की खरीफ से हिसाब लिखा	१५३		
७२. कुंवर को दिल्ली दरबार में भेजना	१५६	२३६	३२
७३. संवत् १७२१ (आसोज) में प. मनोहरदास ने जागीर का हिसाब किया	१५८	२३७	३२
७४. परगने जोधपुर का तफावर हिसाब	१६३	२३६	३३
७५. परगने जोधपुर का सालीना हिसाब	१६६		३३
७६. उज्जैन की लड़ाई व शामिल होने वाले शाही मनसबदार आदि	१७०	२४२	३३
७७. जोधपुर शहर की विगत	१८६	२४६	३४
७८. गांवों की विगत	१८६	२४७	३५

वात परगने सोभत री

१. सोभत का प्राचीन नाम तथा पंवारों का राज्य	३८३	१	३७
२. सोभत पर हुलो तथा सोनगरों का राज्य	३८४	३	३७
३. राणा द्वारा सोभत रिडमल को मिली	३८७	७	३७
४. राव रिडमल का चित्तौड़ में मारा जाना	३८७	८	३७
५. सोभत पर राज्य करने वालों की सूची	३८८	९	३७
६. सोभत शहर की विगत	३९०	१०	३८
७. कसबे सोभत की बस्ती	३९१	११	३८
८. खेतों की विगत	३९४	१७	३९
९. कसबे सोभत का हासल	३९५	१९	३९
१०. परगने सोभत के हासल आदि की विगत	४००	२२	३९

११. परगने सोझत के गांवों की विगत	४२५	४४	३६
१२. सांसण की विगत	४८६	४६	३६

वात परगने जैतारण की

जैता गण रा नामकरण तथा न उद मीधन की वात	४६३	१	३६
उदावन्तो व जोधपुर के राजाओं को जैतारण रही	४६५	१	४०
३. मध्ये जैतारण की वस्ती की विगत	४६७	१	४०
४. सांसण के गांवों की विगत	४६८	१	४०
५. जैतारण से कुल गांवों के हासल की विगत	५००	२	४०
६. परगने के गांवों की विगत	५०६	१२	४०
७. सांसण की गांव वार विगत	५४३	२३	४०
८. सीमा के गांवों की सूची	५५५	२४	४०

द्वितीय भाग

वात परगने फलोदी की

१. फलोदी का नामकरण व प्राचीनता	१	१	४१
२. राव नरा द्वारा फलोदी को बसाना	२	२	४१
३. नरा का काम आना और गोयद की गद्दी नशीनी	३	२	४१-२
४. राव झंगरसी से मालदे ने फलोदी छीनी	४	५	४२
५. राठौड़ पृथ्वीराज जैतावत का कुंवर हरराज से युद्ध	४	५	४२
६. उदयसिंह को फलोदी का अधिकार मिलना	५	६	४२
७. लोहावट से उदयसिंह और चन्द्रसेन का युद्ध	६	७	४२
८. भाटी भाखरसी हरराजोत को फलोदी मिली	६	८	४३
९. राजा रायसिंह (बीकानेर) को फलोदी मिली	७	८	४३
१०. राजा सूरसिंह (जोधपुर) को फलोदी मिली	८	९	४३
११. संवत् १७१५ में भाटियों की फलोदी पर चढ़ाई	८	१५	
१२. फलोदी के कोट व वस्ती की विगत	८	१६	४३
१३. फलोदी की सीमा	९	१७	४३
१४. फलोदी की सालाना आमदनी	१०	१८	४४
१५. फलोदी के गांवों का आबादी के अनुसार वर्गीकरण	१०	२१	४४
१६. परगने के गांवों की विगत	१२	२८	४४
१७. सांसण में दिये हुए गांवों की विगत	२८	२९	४४
१८. सीमा के गांवों की सूची	३२	३२	४४
१९. मारवाड़ के वे गांव जहाँ नमक की खानें हैं	३४	३४	४४

बात परगने मेड़ते री

१. मेड़ते की प्राचीनता	३७	१	४४
२. राव जोधा द्वारा बरसिघ और दूदा को मेड़ता दिया जाना	३७	२	४४
३. दूदा और बरसिघ द्वारा वर्तमान मेड़ता बसाना	३८	४	४४
४. डांगा जाटों को मेड़ता की सीमा में बसाना	३९	५	४५
५. बरसिघ व दूदा में अनवन तथा बरसिघ का साभर लूटना	४१	११	४५
६. बरसिघ व सातल में अनवन व अजमेर के सूबेदार के पास जाना	४२	१२	४५
७. मलूखा की मारवाड़ पर चढ़ाई	४३	१३	४५
८. बरसिघ का कैद किया जाना तथा दूदा की अजमेर पर चढ़ाई	४५	१७	४६
९. सीहा बरसिघोत को गद्दी से हटाकर दूदा का अधिकार होना	४६	१९	४६
१०. वीरम् की गद्दी नशीनी और सीहा के लडकों का विरोध	४७	२१	४६
११. मालदे द्वारा मेड़ता हस्तगत करने की साजिश	४८	२२	४७
१२. वीरमदे का अजमेर पर कब्जा	५१	२५	४८
१३. वीरमदे द्वारा सहसा को मारने के लिये रीया पर चढ़ाई	५२	२६	४८
१४. मालदे की अजमेर पर चढ़ाई और वीरम का भागना	५४	२७	४८
१५. वीरम का रणथंभोर के सूबेदार की मारफत शेरशाह से मिलना	५४	२८	४८
१६. शेरशाह की मारवाड़ पर चढ़ाई	५६	३०	४९
१७. बादशाह का वीरमदे सहित जोधपुर आना	५७	३३	४९
१८. वीरम का मेड़ते पर पुनः अधिकार	५८	३४	५०
१९. जयमल वीरमदेवोत का मेड़ते की गद्दी पर बैठना	५८	३६	५०
२०. कुडल में राव मालदे और जयमल का युद्ध	५८	३८	५०
२१. हाजीखां और राणा के युद्ध में मालदे का भाग लेना	५९	४०	५०
२२. जयमल का मेड़ता छोड़कर मेवाड़ जाना	६०	४१	५०
२३. आधा मेड़ता जयमल वीरमदेवोत को मिलना	६१	४२	५०
२४. जयमल को बादशाह की ओर से पुनः मेड़ता मिलना	६३	४५	५०
२५. बादशाह का सरफदीन से नाराज होना और जयमल का मेड़ता लूटना	६७	४८	५१
२६. सुरताण व केसोदास जयमलोत का हाल	६९	५४	५२
२७. नवाब खानखाना के साथ गुजरात में सुरताण की चाकरी	७०	५७	५२
२८. सुरताण को पुनः मेड़ता मिलना	७२	५९	५२

२९. गोपालदास सुरतांगोत को मेड़ता (आधा) मिलना	७२	६०	५३
३०. पूरा मेड़ता राजा सूरसिंह को बादशाह की ओर से मिला	७३	६२	५३
३१. गजसिंह की गद्दी नशीनी और मेड़ता तागीर	७३	६३	५३
३२. २०४ गांवों से मेड़ता भीम अमरावत शीशोदिया को दिया गया	७३	६४	५३
३३. परवेज की ओर से मेड़ता गजसिंह को मिलना	७५	६७	५३
३४. मेड़ते की रेख पर वृद्धि	७६	६८	५४
३५. जसवंतसिंह की गद्दी नशीनी और मेड़ता की रेख में फिर वृद्धि	७७	७०	५४
३६. मेड़ते की धरती की नपाई	७७	७१	५४
३७. परगने मेड़ते की सालाना आमदानी सं० १७०१-१७२०	७८	७३	५४
३८. परगने मेड़ते की वस्ती सं० १७२० मे	८३	७६	५४
३९. परगने मेड़ते का अमल दस्तूर (कर)	८८	७९	५५
४०. परगने के सीमावर्ती गांव	९८	८६	५५
४१. सासण के गांवों की विगत	१०६	८९	५५
४२. श्री फलोधी माताजी के देहुरे (मंदिर) की हकीकत	११५	९१	५५
४३. परगने के गांवों की विगत	११६	९२	५६
४४. तफावार रेख, सांसण, आदि की तालिका	२१३	१११	

वात परगने सीवारणे री

१. सिवाने गढ की हकीकत	२१५	१	५६
२. सिवाने का प्राचीन इतिहास	२१५	२	५६
३. राव जोधा का सिवाने पर अधिकार	२१६	४	५७
४. सिवराज से राणा देवीदास का सिवाना छीनना	२१८	५	५७
५. राव मालदे द्वारा सिवाने पर अधिकार	२१९	७	५७
६. बादशाह की ओर से कल्याणदास रायमलोत को सिवाना मिला	२१९	९	५७
७. उदयसिंह (जोधपुर) द्वारा सिवाने पर अधिकार	२२०	९	५७
८. परगने के गांवों की रेख की सूची	२२१	१२	५८
९. सिवाने की वस्ती सं० १७२१ मे	२२३	१३	५८
१०. सूने गांवों की सूची	२२८	१५	५८
११. सासण के गांवों की सूची	२३०	१७	५८
१२. परगने के गांवों की विगत	२३२	१९	५८
१३. सासण दिये हुए गांवों की विगत	२६६	२३	५८

१४. परगने के सीमावर्ती गांव	२७८	२५	५८
१५. सूकडी नदी के बहाव का वृत्तांत	२८१	२८	५८

वात परगने पोहकरण री

१. पोहरण की आदि कथा	२८६	१	५८
२. रामदे पीर द्वारा पोहरण को बसाना	२८१	५	५६
३. बीवा से नरा द्वारा पोहरण छीनना	२८२	६	५६
४. गोयद द्वारा नरा का बैर लेना	२८३	७	५६
५. राव मालदे का जैतमाल से पोहरण छीनना	२८४	८	६०
६. मानसिंह ठूँडाड़ा की पोहरण पर चढाई	२८५	११	६०
७. चद्रसेन द्वारा जैसलमेर को पोहरण अढाणी देना	२८६	१२	६०
८. राजा जसवतसिंह का पोहरण पर अधिकार	२८८	१५	६०
९. पोहरण के कोट का वृत्तांत	३०८	१६	६१
१०. पोहरण शहर की बस्ती व मंदिर, जलाशय आदि	३१०	२०	६१
११. पोहरण की धरती की हकीकत	३१६	२६	६२
१२. पोहरण परगने के सीमावर्ती गांव	३२०	३०	६२
१३. परगने का दस्तूर अमल	३२३	३४, ३७	६२
१४. परगने के गावों की विगत	३४८	४२	६३
१५. परगने के सासण के गावों की विगत	३२७	३६	६३

भाग १ व २ के परिशिष्टों की विस्तृत सूची

भाग १

परिशिष्ट १ (क) कुमठां री विगत

पृष्ठ

१. राव जोवाजी के समय के गढ़, स्मारक व भवन-निर्माण कार्य		५५६
२. राव सातलजी	" "	५६०
३. राव सुजाजी	" "	५६०
४. कवर बागाजी	" "	५६०
५. राव गागाजी	" "	५६०
६. राव मालदेजी	" "	५६०
७. राव चद्रसेणुजी	" "	५६२
८. महाराजा श्री सूरसिंघजी	" "	५६२
९. महाराजा श्री गजसिंघजी	" "	५६४
१०. महाराजा श्री जसवतसिंघजी	" "	५६५
११. महाराजा श्री अजीतसिंघजी	" "	५६५
१२. महाराजा श्री अमृतसिंघजी	" "	५६७
१३. महाराजा श्री बखतसिंघजी	" "	५६६

१४. महाराजा श्री विजयसिंघजी के समय के गढ़, स्मारक व भवन-निर्माण कार्य	५७०
१५. महाराजा श्री भीरुसिंघजी	५७२
१६. महाराजा श्री मानसिंघजी	५७३
१७. महाराजा श्री तखतसिंघजी	५७५

नीवाणों की विगत (ख)

१. नीवाण (जलाशयो) की विगत	५७६
२. कसबे जोधपुर में बागां की विगत	५६५

गढ़ जोधपुर नीवाण छे जिकी की याददास्त (ग)

१. गढ़ ऊपर के नीवाण (जलाशयों) की याददास्त	५६९
२. शहर के नीवाण पहाड़ पर बनेहुए	५६६
३. शहर के अन्दर नीवाण हैं उनकी विगत	५६६
४. शहर के शहरपना के नीवाणों की विगत	५६६

भाग-२

परिशिष्ट-१

(क) बात परगने सांचोर की

१. सांचोर का प्राचीन इतिहास	३५६
२. परगने सांचोर की रेख	३६०
३. सं. १७२० से परगने की आमदनी	३६४
४. जह्नुवान सूरचंद के राज्य की विगत	३६६
५. राणा सिवराज के गांवों की विगत	३७०
६. परगने के गांवों का हाल स. १६६२ की बही से	३७३
७. परगने के गांवों की फहरिस्त स० १७७७ में	३८६
८. सांसण के गांवों की विगत	४०७
९. गांवों की रेख व चाकरी के घोड़ों की विगत	४०८

(ख) परगने जालोर की हाल

१. जालोर गढ़ की स्थापना तथा इतिहास	४१३
२. कुंवर गजसिंह की जालोर पर चढ़ाई	४१४
३. महेसदास रतनसिंहों की जालोर की जागीर	४१५
४. महाराजा जसवंतसिंह के राज्य में जालोर शामिल	४१५
५. राव श्री सुजानसिंह जी की जालोर मिली	४१५

६. दीवाण फतैखाजी कमालखांजी को	"	"	४१५
७. राज श्री रामसिंहजी को	"	"	४१५
८. पठाण दलेलखांजी को	"	"	४१५
९. दीवाण फतैखांजी को	"	"	४१५
१०. महाराजा श्री अजीतसिंहजी को	"	"	४१५
११. महाराज श्री अभैयसिंहजी को	"	"	४१५
१२. महाराज श्री बखतसिंहजी को	"	"	४१६
१३. महाराज श्री विजयसिंहजी को	"	"	४१६
१४. पासवान व गुलाबराय जी को	"	"	४१६
१५. महाराजा मानसिंहजी जालोर पधारिया	"	"	४१६

(ग) परगने भीनमाल रौ हाल

१. भीनमाल की स्थापना	४१७
२. भीनमाल का प्राचीन इतिहास	४१७
३. कुँवर गजसिंह का भीनमाल पर कब्जा	४१८
४. महाराजा अजीतसिंह की भीनमाल पर चढ़ाई	४१९
५. फतेहखान की राठौड़ों से मुठभेड़	४२०
६. राठौड़ भगवानदास जोगीदासों के पट्टे भीनमाल	४२०
७. संवत् १८१० में भंडारी पोमसीजी के पट्टे	४२०

(घ) परगने नागौर रौ हाल

१. नागौर गढ़ की स्थापना	४२१
२. चहुवानों का नागौर पर राज्य	४२१
३. खानजादों को नागौर का पट्टा	४२१
४. समसुखों को नागौर की जागीर मिलना	४२१
५. राव चूँडा का नागौर पर अधिकार	४२१
६. राव मालदे	४२१
७. हुमायूँ तथा अकबर के सूवेदारों का अधिकार	४२१
८. बीकानेर के राजा रायसिंह को अकबर की ओर से नागौर दी गई	४२२
९. राणा सगर को जहागीर की ओर से मिली	४२२
१०. पठान जावदी को नागौर मिली	४२२
११. राठौड़ अमरसिंह को दी गई	४२२
१२. महाराजा जसवतसिंह तथा रायसिंह के बट मे	४२२
१३. महाराजा अजीतसिंह को मिली	४२२
१४. सवाई जयसिंह को मिली	४२२
१५. महाराजा अभयसिंहजी को मिली	४२२
१६. बखतसिंहजी को मिली	४२३
१७. नागौर के आस पास के अन्य इलाके	४२३

१८. नागोर के किले का हाल	४२३
१९. नागोर के गाँवों की संख्या तथा फसल	४२३
२०. परगने की जमीन का हाल	४२३
२१. जमीन सेर घास व लकड़ी की पैदावार	४२४
२२. परगने में लगने वाले मेले	४२४
२३. परगने की रेख का संक्षिप्त विवरण	४२४
२४. परगने में बनने वाली प्रसिद्ध चीजें (उद्योग)	४२४
२५. परगने में दर्शनीय स्थान	४२४

(ङ) परगने मारोठ री हाल

१. मारोठ की स्थापना	४२५
२. मारोठ के कस्बे व जमीन की विगत	४२५
३. औरंगजेब की ओर से रघुनाथसिंह को मारोठ मिली	४२५
४. गौड़ों से रघुनाथसिंह का सघर्ष	४२६
५. परगने की आमदनी की विगत	४२६

परिशिष्ट २

[कुछ परगनो सम्बन्धी अतिरिक्त ज्ञातव्य]

१. परगने जोधपुर के गावों की संख्या, तफावार । मुहता नैणसी प. नरसिंहदास द्वारा शुद्ध कर लिखी गई—आवादान, बीरांन	४२८
२. गाव १४४० का वर्गीकरण	४२९
३. परगने की तनखाह (शाही) तफावार	४३०
४. मोटे राजा के समय परगने २ तलब	४३०
५. परगने के कुछ गाँवों के हासल की विगत	४३१
६. सरकार जोधपुर में कुओ की याददास्त	४३२
७. रतनसी खीवावत के योद्धा अकबर की फौज से लड़कर काम आये उनकी सूची	४३२
८. राव राम का वाका	४३३
९. मोटे राजा का सीरोही सम्बन्धी वाका	४३४

(ख) परगना मेड़ता

१. भवन-निर्माण व जलाशय	४३६
------------------------	-----

(ग) परगने सीवाने री हाल

१. सीवाने गढा की स्थापना	४३८
२. जैतमाल सलखावत के वंशजों का अधिकार	४३८
३. मालदे का सिवाने में विधे के समय रहना	४३८
४. चन्द्रसेन का सिवाने पर अधिकार	४३८
५. राव चन्द्रसेन ने सिवाने की सीमा निश्चित की	४३९
६. कला रायमल्लोत का विस्तृत विवरण	४४०

७. महाराजा उदयसिंह का अधिकार	४४३
८. महाराजा सूरसिंहजी ने जलाशय बनवाये, विगत	४४४
९. महाराजा अजीतसिंह की वार्ता	४४४
१०. महाराजा सुजानसिंह पर बनी छतरी का हान	४४५

परिशिष्ट ३

[महाराजा जसवंतसिंह रै समै रा रीत किरियावर]

१. रांणी प्रतापदे को राणीपदा दिया गया उसकी विगत	४४६
२. महाराज कुमार पृथ्वीसिंह के जन्मोत्सव पर खर्च	४४७
३. कुंवरजी को कुंवर पदा दिया गया उसकी विगत	४५१
४. कुवर जगतसिंह के जन्मोत्सव पर खर्च	४५२
५. बाई रतनकुंवर के जन्मोत्सव पर खर्च	४६०
६. हाडी जसवतदे को राणीपदा दिया उसकी विगत	४६२

परिशिष्ट-४

[डावी नै जीवणी मिसला री विगत]

१. खाप चाँपावतो के ठिकानों की विगत	४६५
२. खाँप कूँपावतो के ठिकानो की विगत	४६७
३. खाँप जैतावतो के ठिकानों की विगत	४६८
४. खाँप करणोतो के ठिकानो की विगत	४६९

मिसल डावी

१. खाँप जोधों के ठिकानो की विगत	४६९
२. खाप मेडतियों के ठिकानों की विगत	४७१

[मिसलारो खापां फटी जिणारी विगत]

१. उदैसिंधजी मे जोधो की इतनी खापें मिलती है	४७३
२. मालदेजी मे जोधो की खापें मिलती है उनकी विगत	४७४
३. मेडतियों के खापो की विगत	४७४
४. रिडमलजी से खापें मिलती है उनकी विगत	४७५
५. रायपालजी मे खापें मिलती है उनकी विगत	४७६
६. चापाजी मे खापे मिलती है उनकी विगत	४७७

परिशिष्ट ५

[जोधपुर रा चाकरा री विगत]

१. भडारियों की विगत	४७८
२. भूता समदड़िया	४७९
३. भूता भडसाली	४७९
४. भूता कोचर	४७९
५. भूता बागेरेचा	४७९

६. मूता वछावत	४७६
७. मूता दफ्तरी	४८०
८. मूता वेद	४८०
९. सिघवी	४८०
१०. ब्राह्मण पोहकरणा	४८०
११. पोहकरणा कोलाणी	४८०
१२. पोहकरणा व्यास नाथावत	४८०
१३. पोहकरणा विरामण जोसी, पिरोयत	४८०
१४. विरामण सिरमाली	४८१

परिशिष्ट-६

जोधपुर रा ओदादारां (८६) री याददास्त	४८२
-------------------------------------	-----

परिशिष्ट-७

श्री हज़ूर उमरावां ने कुरव इनायत करै सो याददास्त	४८४
--	-----

परिशिष्ट-८

मिरजा राजा जैसिध रे मनसब रौ नावों सं. १७२१	४८६
१. कुंवर रामसिध " " " "	४८६
२. कुंवर कीरतसिध " " " "	४८६

परिशिष्ट-९

हिन्दू उमरावां री विगत

१. अकबर बादशाह के हिन्दू उमरावों की विगत	४९१
२. जहाँगीर बादशाह " " " "	४९२
३. शाहजहाँ बादशाह " " " "	४९३
४. औरंगजेब बादशाह " " " "	४९६

परिशिष्ट-१०

याददास्त नव कोटां री

१. बाड़मेर — —	५००
२. आबू — —	५००
३. पारकर — —	५००
४. पूंगल — —	५००
५. जालोर — —	५००
६. ऊमरकोट — —	५०१
७. लौद्वो — —	५०१
८. अजमेर — —	५०१
९. गढ मंडोर — —	५०१

मारवाड़ रा परगनां री विगत

शोध-सूत्र : प्रथम भाग

परगना जोधपुर

जोधपुर की-प्राचीन राजधानी मण्डोर थी। यह स्थान अति प्राचीन है। पद्मपुराण में इसका उल्लेख मिलता है। यहाँ का भोगिशैल पर्वत सुमेरु का पुत्र माना जाता है। यहाँ मण्डलेश्वर महादेव आदि पवित्र स्थानों का बड़ा माहात्म्य है। मण्डोर की स्थापना मन्दोदर दैत्य की की हुई मानी जाती है। यही उसकी लड़की मन्दोदरी का विवाह लंकापति रावण से हुआ था।

(पृ० १/अनु० १-२)

मण्डोर काफी समय तक पँवारों की राजधानी रहा। धरणीवाराह ने अपने भाइयों को नौ किलों का मालिक बनाया था, उनमें से यह किला सांवत को प्रदान किया। (१/२)

पँवारों के पश्चात् यहाँ पड़िहारों का राज्य कायम हुआ। इनमें नागराजन का पुत्र नाहड़राव बड़ा प्रसिद्ध शासक हुआ। उसने यहाँ अनेक निर्माण-कार्य करवाये। नाहड़राव ने अपनी पुत्री की सगाई सोमेश्वर के पुत्र पृथ्वीराज से की थी, पर बाद में पृथ्वीराज में अनेक खामियाँ बताकर उसके साथ लड़की व्याहने से इन्कार कर दिया, जिसके फलस्वरूप पृथ्वीराज ने चढ़ाई कर दी। नाहड़राव हार गया। पृथ्वीराज की कंचनमाला से शादी हुई। पाटण के भीमदे के साथ युद्ध कर धवलेहर में नाहड़राव मारा गया। (२-३/३-५)

चहुवान पृथ्वीराज ने मण्डोर महारासी अल्ह को दिया। जब पृथ्वीराज साहबुद्दीन गौरी द्वारा पकड़ा गया तब मण्डोर भी उसके हाथ से निकल गया। सवत् ११७३ के लगभग यहाँ मुगलों का राज्य हुआ। (४/५)

सेतराम का पुत्र राठौड़ सीहा कन्नौज से द्वारिका जा रहा था । उस समय अनिहलवाड़ा पत्तन में मूलराज सोलंकी राज्य कर रहा था । वह लाखा फूलाणी से अपने वाप का बैर लेने को बहुत उत्सुक था । उसने इसके लिए पाटण की देवी भद्रकाली की बड़ी उपासना की । देवी ने आदेश दिया कि लाखा की मृत्यु सीहा के हाथ से ही सम्भव है । सीहा कन्नौज से द्वारिका को चला है, अतः उससे मिलकर यह काम करो । मूलराज ने ऐसा ही किया । उसने सीहा की बड़ी आवभगत की तथा अपनी पुत्री का विवाह उससे कर देने की इच्छा प्रकट की । सीहा ने द्वारिका से लौटते समय यह कार्य करने का वायदा किया । लौटते समय दीपावली के दिन उन्होंने लाखा पर हमला किया । लाखा खुले मैदान में युद्ध कर काम आया । मेहद भाले ने इस अवसर पर अच्छा काम दिया, अतः उसे सीहा ने हलवद जागीर में दी । (५-८/६-१३)

मूलराज ने अपनी बहन राजां का विवाह सीहा से किया । सीहा कन्नौज लौटा । उसके पहले की रानी से चार पुत्र थे । इस रानी से तीन पुत्र हुए—आसथान, सोनग और अज । सीहा का स्वर्गवास होने पर दोनों रानियों में बनी नहीं, तब वह अपने पुत्रों सहित पाटण को रवाना हुई । (८-६/१२-१३)

रास्ते में ये लोग पाली में ठहरे जहाँ राणा के गुरु पालीवाल ब्राह्मण रहते थे । वहाँ मेर आदि जातियों के लुटेरों का बड़ा भय था । पाली वालों ने इन्हें खानदानी व वीर समझकर अपनी रक्षार्थ वही रहने का आग्रह किया । इनकी मांगे भी उन्होंने स्वीकार की । वहाँ इन्होंने अपना अच्छा प्रभुत्व कायम कर लिया । जनता की सुरक्षा का इन्होंने बहुत अच्छा प्रवन्ध किया । (६-११/१४-१७)

फिर ये तीनों भाई वहाँ से अन्य स्थान को जाने के लिए तैयार हुए । तब जनता ने बड़े भाई आसथान को अनुनय-विनय कर वहीं रख लिया । ५८-६० गाव उसकी जागीर के लिए निश्चित कर दिये गये । (११-१२/१८-१६)

उस समय प्रतापसिंह गोहिल का अधिकार खेड़ पर था । उसने अपनी लड़की की शादी आसथान से करदी । वह आसथान की खूब आवभगत किया करता था । डाभी जेहली प्रतापसिंह का प्रधान था । उससे मिल कर कुछ दिनों पश्चात् खेड़ से आसथान ने गोहिलों का सफाया कर दिया । अपना पूर्ण अधिकार कायम करने के लिए उसने डाभियों को भी धोखे से मरवा दिया । इस प्रकार

निम्नलिखित गांव उसके अधिकार में आ गये—

गांव १४० 'खेड़ के

गांव १४० कोढणो के

गांव १४० (देवराज गोगादे चाहड़दे आदि के)

४२० कुल गांव तबसे राठौड़ों के अधिकार में आये ।

(१२-१४/२०-२१)

आसथान के पश्चात् उसका पुत्र धुहड़ गद्दी पर बैठा । वह नागाणा नामक गांव मे गायों की बाहर करते हुए मारा गया । उसके पश्चात् रायपाल गद्दी पर बैठा । वह बड़ा दातार जूँभार हुआ तथा 'महिरेलण' कहलाया । उसने अपना अधिकार ५६० गांवों तक बढ़ाया । (१५/२२)

रायपाल के बाद कान्हड़राव, और उसके बाद जल्हण गद्दी पर बैठा । वह मुगलों से लड़ाई कर मारा गया । उसके बाद राव छाड़ा गद्दी पर बैठने का अधिकारी हुआ । सोनगरों से उसने कई युद्ध कर वीरगति प्राप्त की । तत्पश्चात् राव टीडा अधिकारी हुआ । उसने अनेक युद्ध लड़े । सोनगरों से अपने बाप का बैर लिया । अलाउद्दीन बादशाह से सिवाने में युद्ध कर उसने वीरगति प्राप्त की । (१५/२४)

गद्दी पर कान्हड़दे छाड़ावत बैठा । सलखा को टीका नहीं दिया गया । सलखा के ४ बड़े वीर पुत्र हुए । उनमें माला बड़ा दूरदर्शी था । उसने जालोर के खान की सहायता से कान्हड़दे को मरवा कर बाड़मेर पर अधिकार कायम किया । उसके भाई जैतमाल को सिवाना दिलवाया । वीरम सलखावत बड़ा वीर और अनेक युद्धों में विजयश्री का वरण करनेवाला हुआ । इसे बाड़मेर के केवल ५-७ गांव मिले । (१५-१६/२४-२७)

उन दिनों सोहण में अकाल पड़ा तब देपाल लूण जोया अपने मवेशी सहित उस ओर आये थे । माला जगमाल ने उन्हें लूटने का विचार किया । जोयों ने वीरम की शरण ली । इस पर वे वीरम से बहुत रुष्ट हुए । फिर जोयों के आग्रह पर वीरम ने उन्हें बीकानेर की सीमा तक सुरक्षित पहुँचा दिया । माला अन्दर ही अन्दर कुढ़ता रहा । (१६-१८/२७-२८)

इन परिस्थितियों के बीच ही गुजरात से एक घोड़ों की कतार आ रही थी

उसे वीरम ने अपने अधिकार में कर लिया । इसका पता लगने पर गुजरात के वादशाह ने महाबलीखान को १२००० सैनिक देकर महेवा पर विदा किया । जालोर आने पर उसने माला को कहलवाया कि या तो वीरम को निकाल दो वरना हम उसे पकड़ कर मारेगे । इस पर वीरम अपने साथियो सहित जांगलू के साँखला ऊदा सूजावत के पास चला गया । महाबलीखान ने पीछा किया । साँखला ने वीरम को सवारी देकर आगे निकाल दिया । तब खान वहाँ तक जाकर वापस लौट गया । (१८-१९/२६)

वीरम सोहरण में देपाल के पास पहुँच गया । देपाल ने उसे भाई की तरह आमदनी का हकदार बना कर रखा । कुछ समय में उसके पास अच्छे राजपूत सैनिक शामिल हो गये, तब उसने जोयों से वहाँ की धरती छीन लेने का विचार किया । (१९-२०/२६-३१)

जोयों ने वीरम का बड़ा लिहाज किया, परन्तु वीरम माना नहीं । वह अपनी शक्ति बढ़ाता गया और एक दिन उनके पूज्य वृक्ष (फरास) को कटवा दिया । इस पर दला जोया ने आकर वीरम की गायें घेर लीं । युद्ध हुआ, जिसके परिणामस्वरूप वीरम मारा गया और जोयों की जीत हुई । वीरम की पत्नी मांगलियाणी को चार आदमी देवराजों के थल तक पहुँचा आये जहाँ कलाऊ ग्राम में अपना परिचय छिपाकर वह मजदूरी करने लगी । उसका पुत्र चूड़ा बछड़े चराता था । (२१/३१)

एक दिन जब टोघड़े चराते-चराते चूड़ा सो गया, तो एक काले सर्प ने आकर अपना फन उसके सिर पर कर दिया । आल्हा चारण उधर से आ रहा था । उसने जब यह देखा तो शकुन के आधार पर जाना कि यह कभी न कभी छत्रधारी राजा बनेगा । आल्हा ने बच्चे को जगाकर उसका परिचय पूछा । वह परिचय नहीं दे सका और अपनी माँ के पास ले गया । माँ ने बड़ी कठिनाई से अपना परिचय दिया, तब आल्हा ने बड़ा अफसोस किया और उनके रहने आदि की व्यवस्था की । (२१/३२)

चूड़ा को ठीक कपड़े पहनाकर व शस्त्र बंधवाकर वह महेवे के स्वामी रावण माला के पास ले गया, परन्तु माला को वीरम का दुर्व्यवहार याद था । इसलिए उसको कोई आबभगत नहीं की और साधारण रूप से उसे रखा ।

रावळ माला का प्रधान भोपा था । उसे चूँडा ने प्रसन्न किया, तब उसने रावळ से कह-सुन कर बड़ी मुश्किल से मण्डोर के पास सालोड़ी थाने पर उसे भेजा । (२१/३३)

चूँडा ने सालोड़ी आकर अपनी व्यवस्था जमाई और चामुण्डादेवी की खूब सेवा की । दिनों-दिन उसका प्रभुत्व बढ़ने लगा । लोग अच्छी सख्या में उसके यहाँ आने-जाने लगे । एक दिन देवी ने प्रसन्न होकर उसे बताया कि अमुक दिन सोने से भरी एक कतार आयेगी उसे तू हस्तगत कर लेना, फिर तुझे मैं गढ़पति बनाऊँगी । चूँडा ने ऐसा ही किया । सोना हाथ लगते ही उसने अपनी सैनिक-शक्ति बढ़ा ली । (२३/३५)

उन दिनों मण्डोर में बादशाही थाना था । उसका अधिकारी मुगल ऐबक था । चारों ओर विशेष आबादी नहीं थी । ईंदा, सीधल, सांखला, कोटेचा, आसायच आदि राजपूतों की चौरासियाँ थी । मुगल ऐबक ने इन सबको बेगार में घास की गाड़ियाँ लाने का आदेश दिया । इनमें ईंदा टोहा बुजुर्ग आदमी था, उसने ऐबक से प्रार्थना की कि यह बेगार उचित नहीं है । परन्तु जब सुनवाई होती नहीं दिखाई दी तब वे घास की गाड़ियों के बहाने गाड़ियाँ सैनिकों से भर कर मण्डोर पहुँचे और जब ऐबक निरीक्षण के लिए आया, तो उस पर हमला कर उसे मार डाला । फिर तो साधारण से संघर्ष के बाद ही मण्डोर का गढ़ कब्जे में कर लिया । (२४-२५/३६-३७)

तत्पश्चात् ईंदों ने देखा कि इधर नागोर में मुगलों का थाना नजदीक पड़ता है और उधर राणा का प्रभाव भी है ऐसी स्थिति में गढ़ को कब्जे में रखना कठिन है, अतः चूँडा जैसे सुयोग्य व्यक्ति के अधिकार में गढ़ दे देना चाहिए, जिससे हम सब की सुरक्षा का प्रबन्ध भी हो जायेगा । चूँडा की स्वीकृति मिलने पर गढ़ उसे सौंप दिया गया तथा ईंदा गांवदेव ऊगड़ावत की पुत्री का विवाह उसके साथ कर उससे बायदा करवाया कि वह तथा उसके वंशज ईंदों के अधिकार की भूमि में दखल नहीं देंगे । चूँडा ने धीरे-धीरे अपनी व्यवस्था कायम की तथा सैनिक-शक्ति भी बढ़ाई । (२५-२६/३८-३९)

राव चूँडा का राज्य मण्डोर पर खूब जमा । उसने नागोर तथा डीडवाना पर भी अपना अधिकार जमा लिया । वृद्धावस्था में मोहिलाणी से शादी की । फिर भाटियों से चूँडा का बर बंधा । फलस्वरूप राव केलण मुल्तान से सलेम

खान को उस पर चढ़ा लाया । संवत् १४२८ में नागोर में चूँडा १२ योद्धाओं सहित काम आया और अपने कुँवरों को वहाँ से सुरक्षित निकाल दिया । मरते समय चूँडा ने रिणमल से ववन मागा कि मण्डोर का टोका मेहिलाणी के पुत्र कान्हा को दिया जाय । रिणमल ने ऐसा ही किया और सलेमखान को मार कर वाप का बैर लिया । (२५-२६/४०-४१)

रिणमल मेवाड़ में जाकर अपने भानजे राणा कुम्भा व मोकल के पास रहने लगा । कान्हा बड़ा निर्बल शासक हुआ । राव रिणधीर चूँडावत ने उससे राज्य छीन लिया । सता को शासक बनाया और रिणधीर सारा काम-काज देखने लगा । सता का लडका नरवद बुद्धिहीन व्यक्ति था । वह रिणधीर को मारने के प्रयत्न लगातार करने लगा । तब रिणधीर धराले में रिणमल के पास गया और उसे समझा-बुझा कर राणा मोकल की सहायता से मण्डोर पर चढ़ाई की । सता भाग गया, नरवद ने मुकावला किया पर घायल होकर गिरा । रिणमल ने सीसोदियों की फौज को वही से विदा कर दिया । वे नरवद को उठाकर चित्तौड़ लौट गये । नरवद राणा का चाकर हुआ । (२६-२७/४२-४४)

इसी समय के आस-पास मेवाड़ के राणा मोकल के पासवानिये भाइयों चाचा और मेरा ने पही के पहाड़ों पर अपने सुरक्षित मकान बनवाये थे, उन रिणमल की सहायता से मोकल ने गिरवा दिया था, इससे वे द्वेष रखने लगे । रिणमल ने राणा को उनसे सतर्क रहने को कहा था, पर ऐसा अवसर आया कि इधर राणा मोकल के दामाद गागुरण के अचलदास खीची पर मांडव का बादशाह चढ़ आया, उसकी सहायतार्थ जाने के लिए राणा ने भी रिणमल को मण्डोर से अपनी फौज ले आने को कहा । उधर रिणमल गया और पीछे मौका देख कर चाचा और मेरा ने मोकल को मार डाला । कुम्भा ने रिणमल को सूचना देकर फीरन सहायतार्थ आने को कहा । रिणमल बिना कुछ खाये-पिये ४००० घुड़सवार लेकर मेवाड़ आया । चाचा और मेरा पही के पहाड़ों में छिप गये, परन्तु अन्त में मारे गये । (२७-२८/४५-४८)

अब चित्तौड़ का शासक राणा कुम्भा है, पर आज्ञा रिणमल की ही चलती है । चूँडा सीसोदिया जैसे वुजुर्ग मांडवे जा बैठ रहे, बाकी के चुपचाप सहन करते गये । अन्त में राठोड़ों का वर्चस्व समाप्त करने के उद्देश्य से महपा पँवार ने चूँडा लखावत को बुलवाया और रात में सोते हुए रिणमल की हत्या करवा

दी । जोधा तलहटी में घोड़ों के पास सोया था, जहाँ उसे छोकरी ने आवाज देकर सूचित किया तब वह अपने सवारों सहित वहाँ से भाग निकला । रिणमल पर आक्रमण होते समय भाटी सता, लूणकरण हमोर का, रिणधीर सूरारवत तथा बीजा विक्रमादित्य काम आये । (२६-३०/४६-५०)

जब जोधा वहाँ से निकला तो भीव चूँडावत को वही छोड़ना पड़ा, क्योंकि वह शराब के अत्यधिक नशे में था । चित्तौड़ से ८-१० कोस पर राणा की फौज ने जोधा पर आक्रमण किया, जिसमें जोधा के २०० सवार मारे गये । कोस ३० पर फिर युद्ध हुआ, जिसमें कितने ही लोग काम आये । यों करते-करते सोमेस्वर के घाटे पर जब जोधा पहुँचा तो उसके पास केवल २००-२५० आदमी रह गये थे । उन्होंने बड़ी वीरता से राणा की फौज का मुकाबला किया और केवल ७ सवारों से जोधा को घाटे के पार उतारा । इस युद्ध में बरजाग भीवोत घायल होकर गिरा । उसे उठाकर राणा की फौज लौट गई । जोधा मण्डोर पहुँचा । वहाँ से अपना साज-सामान लेकर नापा सांखला के पास जांगलू चला गया । नापा सांखला की लड़की नोरगदे जोधा को व्याही हुई थी । (३१/५१)

अब जहाँ कोड़मदेसर तालाब है वहाँ रिणमल के बारह दिनों की रश्म अदा की । राणा ने मण्डोर पर अधिकार करने के लिए राव राघवदे सिंहमलोत आदि को भेजा । सहेसमल चूँडावत को अपना चाकर रखकर सोजत का पट्टा दिया । आका सीसोदिया, हीगोला आहाड़ा, नरबद सतावत, सता चूँडावत आदि जोधा को मार डालने के लिए प्रयत्नशील हुए । अलग-अलग थानों पर भी समुचित व्यवस्था की गई । जोधा विपत्ति के मारे इधर-उधर भागता रहा । १२ वर्ष तक हिम्मत रख कर उसने कष्ट सहे । दो बार नरबद ने जोधा पर चढाई की और उसका सामान लूट लिया । (३२-३३/५२-५५)

इसी दौरान राव जोधा ने अपने भाई-बन्धों को शामिल किया और संगठित रूप में प्रयास करके घरती पर अधिकार करने का विचार किया । उस वर्ष अकाल पड़ा था, अनाज की बड़ी कमी थी । जब वे सोढी मूलवणी के यहाँ पहुँचे, तो मजीष्ठ डाल कर उसने उन्हें लपसी खिलाई । वहाँ से वे फलोदी कस्बे में हरभू के पास पहुँचे, जो बड़ा करामाती व्यक्ति था । उसने उनके आने से पहले ही भोजन की व्यवस्था करवा दी और उनके आते ही सर्वप्रथम भोजन की मनुहार की तथा

बहुत अच्छा भोजन करवाया । सभी लोग दंग रह गये । फिर जोधा ने हरभू से पूछा— आप मे वड़ा चमत्कार है, आप भविष्य की बात जानते है, आप बताएँ कि हमारे दिन कब अनुकूल होंगे । हरभू ने कहा—आज से ही अनुकूल है, तुम अपना राज्य लेने का प्रयत्न करो । वही से जोधा अविलम्ब सेत्रावे गया और वहाँ से रावत लूणा की स्त्री के सहयोग से उसके १४० घोड़े लेकर मण्डोर पर चढ़ाई की । आका सीसोदिया और हीगोला आहाड़ मारे गये । मण्डोर पर अधिकार कर चौकड़ी तथा कौसारो के थानों पर अधिकार किया । फिर सोजत, धणाला आदि भी ले लिये । वहीं सोजत में अपने साथियों को बुलाकर विजयोत्सव मनाया । दो वर्ष तक सोजत में रहने के बाद मण्डोर में अपना स्थाई थाना रखा । (३३-३५/५६-५७)

फिर राणा कुम्भा उस पर चढ़ आया । जोधा के पास घोड़े बहुत थोड़े थे । वह १०,००० राठीड़ों को लेकर गाड़ियों में बैठ उसका सामना करने गया । राणा कुम्भा इस प्रकार मर मिटने के लिए उद्यत राठीड़ों को देख भाग खड़ा हुआ । जोधा ने गोडवाड़ का इलाका लूटा और जाकर पीछोला तालाब पर अपने घोड़ो को पानी पिलाया । चित्तौड़ को लूटा । समझौता करवाने वालों के बीच-वचाव से बबूलों वाली धरती जोधा के रही और आंवल वाली धरती कुम्भा के । जोधा ने रिणमल के बैर में सोजत व जैतारण दबा कर रख लिये । (३५-३६/५८)

राव रिणमल को मारने के बाद कुम्भा ने उसकी लाश उठाने नहीं दी । तत्र चाँदण खिड़िया ने बड़ी जोखिम उठाकर रिणमल का दाह-संस्कार किया और फूल गगाजी में प्रवेश किये । जोधा तथा उसके वंशजों ने अनेक ग्राम इस उपकार के बदले में चाँदण तथा उसके बेटे पोतों को दिये । (३७/५९)

राव जोधा

राव जोधा पड़िहारों का भानजा था । पड़िहार जेसल राणा की पुत्री हंसाबाई का पुत्र था । सवत् १४७२ वैसाख सुद ४ बुधवार को इसका जन्म हुआ । सवत् १५१२ के करीब धरती पुनः प्राप्त की और सवत् १५१५ में चिडिया टूक पर किले की नींव दी । जोधा के पास ये परगने थे—जोधपुर, मेडता, सोजत, जैतारण, जांगलू । यह भी कहा जाता है कि पूंगल के स्वामी राणागदे की पुत्री कोडमर्दे चूँडा के बैर में रिणमल को व्याही थी, उसका पुत्र जोधा था । (३८/६०-६१)

राव जोधा २६ वर्ष राज्य भोगकर संवत् १५४१ में स्वर्गवासी हुए। अपने भाइयों को इस प्रकार धरती बांटकर बसाया—

१. अखैराज रिणमलोत को सोजत की बगड़ी।
२. डूंगरसी रिणमलोत को भाद्राजून।
३. राठौड़ वाला भाखर के को खेरला।
४. राठौड़ रूप रिणमलोत को चाडी।
५. राठौड़ मंडला रिणमलोत को बीकानेर का सांदूड़ा।
६. राठौड़ करना रिणमलोत को लूणावास।
७. राठौड़ पाता रिणमलोत को करणू।
८. राठौड़ वैरा रिणमलोत को सोजत का दुधवड़।
९. राठौड़ जगमाल रिणमलोत के पुत्र खेतसी को नेतड़ां। (३८-३९/६२)

राव जोधा ने अपने पुत्रों को धरती इस प्रकार बांटकर दी—

१. सातल को जोधपुर।
२. नीवा कंवरपदे में मर गया।
३. भारमल व जोगा को कोढणा ऊहड़ों वाला।
४. सिवराज को पहले सिवाना दिया था फिर दूनाड़ा।
५. करमसी तथा रायपाल को नाहड़सरा दिया। सलेहखान ने इन्हें आसोप व खींवसर दिये। (३९-४०/६३)

राव सातल

राव सातल जोधावत संवत् १५४१ में गद्दी पर बैठा। ४ वर्ष राज्य करके १५४५ में देवलोक सिधारा। इसने मलूखां से कुसांणे में युद्ध किया था। वरसिंघ ने सांभर लूटी तब मलूखां चढ़ आया था। इस युद्ध में बरजांग भींवोत ने बड़ा काम दिया। सूजा घायल होकर गिरा। सातल की विजय हुई। सातल के कोई पुत्र न था, नरा सूजावत गोद था। नरा ने पोकरण पर खींवा लूंका को हटाकर अधिकार कर लिया था। फिर गोइंद नरावत पोकरण का अधिकारी हुआ।

(४०-४१/६४-६५)

राव गांगा

कुँवर बाधा सूजावत मांगलियों का भानजा था, परन्तु कंवरपदे में ही कालकलवित हुआ। राव गांगा बाधावत चहुवानों का भानजा था। इसे ईंडर

से लाकर सरदारों ने संवत् १५७२ में गद्दी पर बैठाया। संवत् १५८८ में इसका स्वर्गवास हुआ। इसने स्वयं सेवकी में नागौर की फौज से युद्ध किया था। अनेक योद्धा इसमें मारे गये। ईडर को जब गुजरात के बादशाह ने दवा लिया, तो इसने राणा सांगा और वीरमदे मेड़तिया की सहायता से उसे मुक्त करवाया।

(४१-४२/६६-६६)

राव मालदे

राव मालदे गांगावत देवड़ों का भानजा था। संवत् १५८८ जेठ सुदि ४ बुधवार को गद्दी पर बैठा। संवत् १६१६ काती सुदि १२ को इसकी मृत्यु हुई। यह राव बड़ा प्रतापी व भाग्यशाली हुआ। इसने जोधपुर का गढ़ संवरवाया तथा खूब धरती जीती। इसने मेड़ता, नागौर, सांभर, बांवल, मालपुरा, साचोर, सिवाना, डीडवाना, जालोर, फलोदी, पोकरण, खाटू, जाजपुर, वधनोर, गोडवाड़, कोटड़ा, राधणपुर, वाहतखड़, बीकानेर, रायपुर, बाड़मेर, सलेमाबाद, भाद्राजून आदि स्थानों पर अपना अधिकार किया। अनेक किलों को गिरवाया और कई नये किले बनवाये तथा उनकी मरम्मत करवाई। (४२-४५/७०-७१)

इसने जैता पंचायणोत्त को टाकों की लड़की ब्याही तथा राव को हरसोळाव १२ गांव सहित देकर समझौता किया। १६१७ में देवीदास से समझौता कर जोधपुर में बसाया। संवत् १५९३ में सीरवी गोयंद को पकड़ा। १५९३ में जैसलमेर ऊमादे भटियाणी से शादी की और उसका रूठना १५९५ में हुआ। ऊमादे मेवाड़ के केलवे में रही तथा १६१६ में जब राव के स्वर्गवास का समाचार सुना तो सती हुई। मालदे का विवाह भाला जैत की लड़की सरूपदे से हुआ था। उसकी छोटी बहन भी बड़ी सुन्दर थी, उससे भी विवाह करने का प्रस्ताव मालदे ने किया। भाला माना नहीं, उसने चुपके से उसकी शादी राणा उदयसिंह से कर दी। इससे मालदे और उदयसिंह में वैर-भाव बढ़ा। राव ने गोडवाड़ में अपने थाने बैठाये तथा कुम्भलमेर पर भी चढ़ाई की, परन्तु सफलता न मिली। (४७-४८/७३-७६)

बालीसा सूजा सांवतोत एक बार राणा उदयसिंह से रूठकर जोधपुर आ बसा। मालदे ने उसका बड़ा स्वागत किया। राणा से मालदे का विरोध था ही, उसने राणा पर जब फौज बिदा की तो सूजा को उसके साथ जाने को कहा। सूजा ने मना कर दिया, परन्तु अधिक दवाने पर आगे के प्रबन्ध की

जिम्मेदारी के वहाने वह रवाना हुआ और राणा से जा मिला । राणा ने आदर सहित उसे नाडूल की जागीर १२ गांवों से दी । अब तो मालदे सूजा से बड़ा रुष्ट हुआ । उसने अपने प्रसिद्ध सरदार बीजा, नगा, धना आदि को बुलाकर सूजा से बैर लेने को कहा । ये ५०० सवारों से नाडूल गये और कुछ सिपाहियों को गांव की गायें घेर लाने को भेजा । सूजा को खबर मिलते ही वह समझ गया कि यह कोई चाल है । उसने अपने सभी लोगों को शामिल कर पीछा किया । बीजा, धना काम आये । नगा को लोगों ने वहाँ से निकाला । उसने भी बड़ा पराक्रम दिखाया था । (४८-५१/७७-८०)

संवत् १६१३ में जब राणा उदयसिंह और हाजीखां के बीच युद्ध हुआ तब राठौड़ देवीदास ने सूजा को बीजा, धना का बैर याद दिलाते हुए ललकार कर उसे मारा । (५२/८१)

राव मालदे के कुल ८ लड़कियाँ हुई थीं । उनका विवाह इस प्रकार किया—सजना जैसलमेर के रावळ हरराज को, कनकावती (नोरंगदे) गुजरात के बादशाह महमद को, पोहपावती हलवद के राणा आसकराण को, हंसाबाई लूनकराण सेखावत को, रतनावती बाई हाजीखां को, बालहाबाई अमरकोट के सोढा वरसिध को, राजकुंवर वूंदी के हाडा सुरताण को, एक लड़की बाघव के वाघेले सरदार को । (५२-५३/८२-८३)

मालदे का प्रताप सुनकर बाहरठ आसा दीतावत आया था । उसने कुँवर चंद्रसेन की प्रशंसा में गुण चौरासी रूपक लिखा । उन्ही दिनों राव ने नागोर पर अधिकार किया था । खान के दिये दो गांव नागोर परगने के आसा के पास थे । मालदे ने कहा कि खान के दिये हुए सांसण नही माने जायेंगे, इनके बदले या तो दूसरे गांव ले लो या उनको हमारी तरफ से दान-स्वरूप स्वीकार करो । तब आसा ने घरणा दिया और अपने गले पर कटारी से धाव किये । ऊमादे भटियाणी ने अपने पास रख कर इनका इलाज करवाया और स्वस्थ होने पर सीख दी । ऊमादे सती हुई तब आसा ने कवित्त कहे । (५३-५४/८३-८४)

मालदे ने पचोली अभा को २ गांव नदवाण, नहेड़वा दिये थे । रावळ मेधराज को महेवा के अतिरिक्त जोधपुर के तीन गांव भवर, वावळली, आगोळाई दिये गये थे । भाटी राव जेसा पूगलिया चढ़ आया, उस युद्ध में ५ बड़े सरदार राव के काम आये । राठौड़ अचला पंचायणोत ने नागोर को प्रोल के लोहे के

दरवाजे लाकर जोधपुर के किले में चढ़ाये । फिर अचला नागोर में ही काम आया । नागोर में भाटी दुरजण जोधावत तथा राव जोगा सदावत भी काम आये थे । (५४-५५/८६-८७)

राव मालदे के इतनी रानियाँ थीं—सरूपदे भाली, ऊमादे भटियाणी, अरघां भाली, हीरां भाली, रंभावती हाडो, लाछलदे कछवाही, जमन टांकणी, लाछ आहाड़ी, जामवाली, सोनगरी, धारबाई भटियाणी, भांण, चहुवाण, जादम, सोढी, जसड़ । (५५-५६/८८)

संवत् १६०० में वीरमदे तथा राव कल्याणमल वीकानेरिया सहसराम के मारफत शेरशाह के पास फरियादी होकर गये । राव को खबर लगी तो वह भी ससैन्य मुकाबला करने चला । गिरटरी और समेल दो पहाड़ियों के बीच युद्ध हुआ, जिसमें जैता कूपा आदि १६ सरदार काम आये । जोधपुर शेरशाह की फौज आई तब अचला सिवराजोत, तिलोकसी वरजांगोत ऊदावत, भाटी मालो जोधावत (समेल में घायल हो चुक था) राव पती दुरजणसालोत, चरड़ो अरकमल चूंडा रौ, भा. सांकर सूरवत (गढ़ पर छतरीहै) आदि काम आये । बादशाह सूरशाह ने किले पर मस्जिद बनवाई । (५६-५८/८८-८९)

संवत् १६१० में वैसाख वदि २ को मालदे ने मेड़ता पर चढ़ाई की । जैमल मेड़तिया ने बाहर आकर जवरदस्त युद्ध किया । राव को लौटना पड़ा । राठौड़ पृथ्वीराज जैतावत आदि १४ सरदार काम आये । राठौड़ जैमल के अखैराज भादावत आदि ६ सरदार काम आये । (५९-६०/९०-९१)

हरमाड़ा के युद्ध में राव ने १५०० सैनिकों की सहायता हाजीखां को दी थी । उधर राणा उदयसिंह के साथ कल्याणमल वीकानेरिया ईडर, वॉसवाड़ा, देवलिया, डूंगरपुर आदि के शासक तथा मेड़तिया जैमल थे । हाजीखां जीत गया । जैमल के आदमी मेड़ता खाली कर वधनोर चले गये । मालदे ने जैमल की कोटड़ी गिरवायी तथा आधा मेड़ता जगमाल वीरमदेओत को दिया । जयमल फिर बादशाह से सहायता प्राप्त करने गया । सफरदीन मुगल फौज लेकर आया । मालकोट में रहकर देवीदास ने मुकाबला करने का दृढ़ निश्चय किया । मालदे ने उसे गढ़ खाली कर देने को कहा और चंद्रसेन आदि को भेज कर बुलवाया । पर उसने गढ़ खाली नहीं किया और युद्ध किया । वुर्ज उड़ जाने पर किले से

निकला तब सफरदीन ने पीछा किया । गांव सातलवास के पास युद्ध हुआ । राव देवीदास ४० योद्धाओं सहित काम आया । (६०-६३/६२)

बादशाह सूर का थानायत हाजी अली फतेखान पीपलण के पहाड़ों में मालदे पर ५००० पठानों से चढ़ आया । मालदे के २००० योद्धा थे । मालदे ने युद्ध जीता । आदमी ४०० काम आये । अनेक सरदार भी काम आये तथा घायल हुए । (६३/६३)

संवत् १६०४ में डूंगरसी से मालदे ने फलोदी ली । १६०७ में पोकरण सातलमेर राव जैतमाल से ली । बाड़मेर कोटड़ा लिया । तब रावत भीवा जैसलमेर से हरराज को मदद के लिये लाया । बाड़मेर के थाने से रतनसिंघ खीवावत आदि को सामान छोड़कर भागना पड़ा । (६३-६४/६४)

तब कंवर रायमल तथा पृथ्वीराज जैतावत आदि को मण्डोर से फौज देकर मालदे ने जैसलमेर पर विदा किया । उन्होंने जैसलमेर के बगीचों का नुकसान किया और शहर में लूट-पाट की । रावळ ने गढ़ का आश्रय लिया । राव का चाकर भाटी मूळा नीबावत वहाँ काम आया । (६४/६४)

संवत् १६१६ में आसोज वदि ७ को रावजी की ओर से देवीदास जैतावत, राठीड़ पता, बाला नेतावत ने जालोर का गढ़ लिया । मालक वृद्धन निकल भागा । चंद्रसेन गढ़ पर चढ़ा । राव जेसा पूगलिया जब फलोदी पर आया तब राव की सेना के भाटी किसना नीबावत आदि ६ योद्धा काम आये । (६४/६५)

(६५/६७-१०१) पूर्वोक्त वृत्तांत ही यहाँ संक्षेप में दिया गया है ।

राव चंद्रसेन

राव चंद्रसेन मालदेवोत भालों का भानजा था । संवत् १५६८ सांवण सुद ८ को जन्म हुआ । संवत् १६१६ में गद्दी पर बैठा और संवत् १६३७ को स्वर्गवास हुआ । मालदे का जब स्वर्गवास हुआ तब चंद्रसेन सिवाने में था । वहाँ से जोधपुर आया । उसकी माता भाली उदयसिंह को फलोदी दिलवाकर फिर सती हुई ।

(६५-६६/१०२-१०३)

गद्दी पर बैठते समय इतनी धरती चंद्रसेन के पास थी—जोधपुर, सोजत पोकरण, सिवाना, जालोर । जोधपुर संवत् १६२२ में उससे छूटा और फिर सभी परगने हाथ से निकलते गये । (६६-६७/१०४-१०५)

संवत् १६२० जेठ सुदि १२ को हसनकुलीखां को राव राम चढ़ाई के लिये लाया । तब उसे सोजत देने का वायदा चंद्रसेन ने किया । संवत् १६२१ चंत-सुदि १२ को फिर मुगल चढ़ आये । चंद्रसेन ने जोधपुर का किला सजाया । ६ महीने तक किसनदास गांगावत, करनोत आदि ने गढ़ में मुकावला किया । मुगल-सेना अधिक होने से चंद्रमेन-वातचीत करके संवत् १६२२ मगसर सुदि १० को गढ़ खाली करके भाद्राजून चला गया । सो० मानसिंघ, राव पतो नगावत, रा० तिलोकसी कूपावत साथ में गये । (६७-६८/१०६-७) .

एक बार वीकानेर के राजा रायसिंघ को बादशाह ने-संवत् १६३१ से डेढ़-दो वर्ष के लिये जोधपुर दिया । कुंवर दलपत यहाँ काँच के महल से गिर पड़ा था, परन्तु बच गया । (६८/१०८)

संवत् १६२४ माह सुदि १० को गढ़ जोजावर के पास-इसमाइलकुली को राव लखमण भदावत ने लूटा । खूब माल-असबाब हाथ लगा । कई मुगल मारे गये । हाथी ४ हाल थगे । (६८/१०९)

संवत् १६२५ में चंद्रसेन ने सुरज हाड़ा की पुत्री के साथ रणथम्भोर में शादी की । संवत् १६२७ में बादशाह अकबर अजमेर के ख्वाजा की मनीती के लिये आया । राव चंद्रसेन ५०० सवारों से बादशाह से मिलने को भाद्राजून से खाना होकर नागौर आया । इसी समय उदयसिंह भी आया । कुंवर उग्रसेन व रायसिंघ बादशाह के पास रहे । (६९/११०-१११)

संवत् १६२६ में जब राणा उदयसिंह को जैसलमेर वालों ने अपनी लड़की नहीं दी, तो भाद्राजून में चंद्रसेन ने अपनी लड़की करमेती की उससे शादी की ।

(६९/११२)

संवत् १६२७ में चंद्रसेन भाद्राजून छोड़कर सिवाना में पीपलण के पहाड़ों में आ बसा । उस समय कलाखान ने चढ़ाई की तब रा० देस पातलोत ने राव के हुक्म से युद्ध किया । लूनी नदी तक सीमा निश्चित हुई । (६९/११३)

संवत् १६२९ में चंद्रसेन अपने आदमियों सहित कारगूजे आकर रहा । रतनसी खीवावत के लड़के उन दिनों मुगलों से संधी करके आसरलाई रह रहे थे । इन्हें चंद्रसेन ने अपने पास बसने के लिये कहा । उन्होंने स्वीकार नहीं किया । राव ने उन पर चढ़ाई की । ऊदावत बड़े नाराज हुए । उधर जोधपुर के बनियों

से रावजी ने कुछ सहायता मांगी थी वह उन्होंने नहीं दी और लूंकड़, संखलेचा, भंडसाली मुगलों को राव पर चढा लाये। इस समय रावत पचायण ने खूब सेवा की। (६६-७०/११४)

संवत् १६३१ के लगभग राव मेवाड़ के मुडाड़े ग्राम में जा रहा। उदयसिंह की कन्या चांदा सीसोदणी से राव की शादी हुई थी, उसके पट्टे में यह गांव था। फिर सिरौही के कोरटा ग्राम में डेढ़ वर्ष तक रहा। १६३२ में पोंकरण का कोट राव के आदमियों ने भाटियों को सौंपा। संवत् १६३२ में पता के सिवाने गढ में गोली लगी। राव के आदमी मुगलों को गढ सौंप कर उसके पास मुडाड़ा आ गये। (७०-११५)

संवत् १६२६ में सोजत के मालिक राव राम की मृत्यु हुई। उसका लड़का करन बड़े-बूढ़ों की सलाह की परवाह नहीं करता था। तब राम के छोटे लड़के कला का पक्ष आसकरण तथा महेश कूपावत ने लिया तथा वे बादशाही चाकर पृथ्वीराज कूपावत के पास कला को टीका दिलवाने की सिफारिश लेकर गये। पृथ्वीराज ने उन्हें आश्वस्त किया और बादशाह अकबर को कहकर सोजत कला को दिलवाई और ६० गांवों से सुराइता करन को दिलवाया। पृथ्वीराज की वसी के लिये उसे खैरवा देने का वायदा उन्होंने किया था, पर वे आते समय पृथ्वीराज से मिले ही नहीं। तब अवसर देखकर पृथ्वीराज ने खैरवा जोधपुर परगने के अधीन करवा दिया। (७१/११६)

एक बार कला बादशाह के दरबार में गया। वहाँ एक हुंरम से उसका प्रेम हो गया। जब बादशाह को मालूम हुआ तो उसे मारने का हुक्म बादशाह ने दिया। वह सोजत से भाग कर डीघोड़ आया। शेख इभराइम ने उसे फुसला कर नाडुल बुलाया और वही घोखे से मार डाला। इस प्रकार सोजत का स्थान रिक्त देख सादूल महसोत तथा आसकरण आदि ने डूगरपुर से चंद्रसेन को बुलवाया। (७२-७३/११७)

राव चंद्रसेन ने सिवराड़ में जब मुगलों से युद्ध किया था तो संवत् १६३५ में ऊहड़, जैमल नैतसियोत अदि १२ प्रसिद्ध योद्धा काम आये। (७२/११८)

मोटा राजा के अधिकार में जैतारण के ६५ गांव थे। जब उसकी मृत्यु हुई तो बादशाह ने उसके लड़कों में उनका बँटवारा इस प्रकार कर दिया—

२८॥ सगत्तसिंघ उदैसिंघोत को, १८॥ राव दलपत उदैसिंघोत को, ११ राव भोपत उदैसिंघोत को, ३ राव माधोसिंघ उदैसिंघोत को, ३ राव मोहणदास उदैसिंघोत को । (७३-७५/११६)

राव कल्याणदास रायमलोत पर, कुंवर भोपतसिंघ के साथ मोटा राजा ने जब फौज भेजी तो उसने संवत् १६४६ मंगसर वदी ७ को गढ़ के घेरा दिया । मंगसर वदि ७ को गढ़ ले लिया । इस युद्ध में ७ उदयसिंह के सरदार और ११ कल्याणदास के सरदार काम आये । उदयसिंह स्वयं भी वहाँ आया । संवत् १६४० में अकबर ने उदयसिंह को जोधपुर दिया था । (७५-७६/१२०-१२१)

मोटा राजा उदयसिंह

उदयसिंह मालदेवोत तथा चंद्रसेन सगे भाई थे । संवत् १५८४ माघ सुदि १३ का जन्म, तथा १६४० में जोधपुर की गद्दी पर बैठा । संवत् १६५१ आसाढ़ वदि १ को लाहोर में इसकी मृत्यु हुई । प्ररम्भ में इसका मनसब ८०० सवारों का था । जोधपुर से दो तफे अलग थे— १ आसोप भांग कूपावत को था, २ वीलाड़ा बाघ पृथ्वीराजोत को । १६४६ में नवाब खानखाना मुदफर पर चढ़ाई को जा रहा था, तब इसे सोजत दिलवाई । (७६-७७/१२२-१२३)

सिवाना कल्याणदास से लिया था । कोटा १६५० में गोपालदास मांड-णोत फौजदार से लिया । समावली वादशाह ने दी थी, वह ग्वालियर से नजदीक है । सातलमेर—पोकरण भी वादशाह की ओर से जागीर में लिखी गई थी, परन्तु वहाँ अमल-दस्तूर नहीं हुआ । (७७/१२४)

कुंवर सूरजसिंघ भाटी गोयददास पर बड़ा कृपालु था । तुंवरों की वासणी उसके पट्टे में थी । आसोप का एक काम देकर उदयसिंह ने उसकी परीक्षा ली । आखिर वह काम करके आया । (७७-७८/१२५)

रायसिंघ ने चन्द्रसेनोत का वैर लेने को सिरौही पर चढ़ाई की । पता तेगा सुरावत को धोखे से मारा । संवत् १६४४ में वरसल पृथ्वीराजोत के कहने से देवड़े आये, उन्हें भी समाप्त किया । तब वरसल गुजरात में नवाब खानखाना के पास चला गया । (७८/१२६)

राव राम व कला के समय में चारणों तथा ब्राह्मणों ने बहुत से गांव दान में ले लिये थे । संवत् १६४३ में जोधपुर परगने के १५ गांव तथा परगने

सोजत के ३५ मीव उदयसिंघ ने जन्त किये । दुरसा-अढा अखा बारहठ के पास आया, अखा ने उसको सहयोग दिया । मोटाराजा उस समय गुजरात को जाते समय सोजत ठहरा, वहाँ चारणों ने काजेसर महादेव पर तागा (आत्महत्या करने के लिये प्रयास) किया । बारहठ अखा ने आत्महत्या की तथा दुरसा अढा ने भी घाव खाये पर बच गया । (७८-७९/१२७ तथा १३१)

संवत् १६४४ में मोटाराजा सिरोही गया तब जामबेग साथ था । देवड़ों को छल से मारा । फिर जामबेग को बीजा को मारने के लिये भेजा, वहाँ जामबेग का भाई घायल हुआ । (७९-८०/१२८)

फलोदी परगने के लोहावट ग्राम में एक लड़ाई चंद्रसेन और उदयसिंघ के बीच हुई । उदयसिंघ का चाकर गोपालदास पृथ्वीराजोत इसमें घायल हुआ । मोटाराजा के हाथ की बरछी चन्द्रसेन के लगी थी और रावळ मेघराज के हाथ की बरछी मोटाराजा के लगी । राव जसवंत डूंगरोत, राव जैतमल जसवंतोत, तिलोकसी कूपावत, रावळ मेघराज, राठौड़ पृथ्वीराज कूपावत, सो. मानसिंघ, राव पतौ नगावत आदि चन्द्रसेन की ओर थे । यहाँ युद्ध में कोई १२ योद्धा काम आये । (८०-८१/१२९-१३०)

मोटाराजा ने परगना जोधपुर, सिवाना और सोजत पाये थे । जैतारण के गांव ६६५ मोटाराजा को थे और गांव ७२ गोपालदास को । मालदे की मृत्यु होने पर भाली स्वरूपदे ने मोटाराजा को फलोदी दिलवाई थी । फलोदी में दोनों भाई मोटाराजा और चंद्रसेन के लड़ाई, कहते हैं गंधाणी के हासल के प्रश्न को लेकर हुई थी (युद्ध का वृत्तांत पहले आ चुका है) । (८३/१३२-१३३)

केलण भाटियों और मोटाराजा के बीच एक लड़ाई घोड़ों की कतार को लेकर हुई । उन दिनों मोटाराजा के फलोदी थी और बीकूपुर का मालिक राव डूंगरसी था । डूंगरसी ने अपने भाई भा० भानीदास को बीकानेर के पास ठहराई हुई घोड़ों की कतार को अपनी सीमा में से निकलने के लिये इधर ले आने को भेजा जिससे उसे आमदनी हो, उधर मोटाराजा ने भी अपने सरदारों को १०० सवारों के साथ उन्हें बुलाने को भेजा । भानीदास ने पहले ही पहुँचकर उन्हें अपने साथ रवाने कर लिया था । इस पर माडणसर नामक स्थान पर भा० भानीदास को उदयसिंह के आदमियों ने घेरकर मार डाला । इस पर

बैर-भाव बढ़ा। भाटियों ने उदयसिंह को मालदे का पुत्र समझकर काफी लिहाज किया। आखिर भा० किसनसिंह के प्रयत्न से समझौते को बोरनाडी के पास दोनों पक्ष आये। परन्तु उदयसिंह के मन में भाटियों के कम आदमी देखकर कपट आया, डूंगरसिंह का घोड़ा लेने की जिद्द की तथा नरा की जाल के पास परगने की सीमा निश्चित करने को कहा। भाटियों ने अवसर देखकर स्वीकार कर लिया और लिखावट के लिये भी तैयार हो गये। जैसे तैसे लिखावट कर दी। राजा दिनोदिन जोर पकड़ता गया। भाटियों ने अपने प्रधान को भेज कर उसे बहुत समझाया कि वह उनके गांव लेने की जिद्द न करे। परन्तु भाटियों को दवा हुआ देखकर उसने उन पर चढ़ाई कर दी। डूंगरसी सामना करने को कटिबद्ध हुआ। जोधपुर थाने के थानेदार नासीरदी ने, ६०-८० तोपची मोटाराजा की सहायतार्थ भेजे। मोटाराजा ने ५००-७०० आदमियों से चढ़ाई की पर युद्ध में भाटी जीते। मोटाराजा के २१ आदमी काम आये और भाटियों के ४ प्रसिद्ध योद्धा काम आये जिनमें भाटी, काना किसनावत भी था। मोटाराजा भागकर फलोदी आया, भाटी कुण्डल में ही ठहरे और घरती लूटी। (८४-८८/१३४-१३७)

संवत् १६३१ में मोटाराजा से हटाकर अकबर ने फलोदी भाटी भाखरसी हरराजोत को दी। फलोदी जते समय उदयसिंह बीकूँकोहर डूंगरसी के पास ठहरा तब डूंगरसी ने अपनी लड़की उसके पुत्र अखैराज को व्याही।

(८८/१३८)

मोटाराजा ने जोधपुर पर ११ वर्ष राज्य किया परन्तु जीतेजी भाटियों के इस बैर का नाम न लिया। मोने-हरराजिये ने, संवत् १६४१ में मोटाराजा के १६ आदमी मारे थे तब सूरजमल खीवावत भी घायल हुआ था। समावली की लड़ाई में मोटाराजा की पुत्री घनावाई ने, जो नागोर के चिरमखान को व्याही थी, इसकी सहायता की थी। वहाँ गहलोत अचला घरमावत पूरविया जामणी आदि काम आये थे। १६४० में राजपीपले की लड़ाई में भाटी गोयंददास मानावत का सगा भाई सादूल सोर से जलने के कारण मारा गया।

(८९/१३९-१४३)

रायसिंह चद्रसेनोत संवत् १६४० में कातो सुदि ११ को सिरौही में मारा गया था। तत्पश्चात् नवाब ने उदैसिंह को सोजत दी। उसने परिवार को जोधपुर ही रखने की व्यवस्था की। (८९/१४४)

मोटाराजा जब गुजरात को रवाना होने लगा तब आसकरन देवीदासोत को काम सौपने के लिये कई अधिकारी भेजकर बुलाया पर वह आया नहीं, तब कुवर सूरजसिंह खुद बुलाकर लाया और अपने पट्टे के लिये उसने खाली पन्ने पर दस्तखत करवाकर मंगवाये तथा उसे पट्टे में निम्न गाँव दिये गये—३४ गाँव परगने जोधपुर के, ३१ गाँव परगने सोजत के। इस प्रकार कुल ६५ गाँव ११४६०० की रेंट के दिये। (६०/१४५)

राजा सूरजसिंह

यह कछवाहों का भानजा था। संवत् १६२७ बैसाख वदि ६ मंगलवार को जन्म हुआ। संवत् १६५१ आषाढ वदि १३ बुधवार को बादशाह से मिला और संवत् १६७६ भादवा सुदि ६ को मेहकर मे स्वर्ग सिधारा। १६५२ में जोधपुर आकर गद्दी पर बैठा। ८ दिन जोधपुर रहकर गुजरात की ओर चला, रास्ते में सुरताण से दण्ड वसूल किया। (६०/१४६)

बादशाह एक बार जब काश्मीर में था तब अन्य कोई उमराव पहुँचा नहीं। तब भाटी गोयंददास के साथ कुवर सूरजसिंह एक प्रहर रात गये वहाँ पहुँचा। बादशाह से मुँजरा किया। वहाँ बहुत प्रसन्न हुआ और उसे खासी ड्योढी का चौकी पर रहने का अवसर दिया। इस प्रकार बादशाह उससे खुश था, अतः उदयसिंह के मरते ही उसे टीका दिया। मोटाराजा की मृत्यु हुई उस समय उसने ४ उमरावों को निकाल दिये थे तब राजा सूरजसिंह से कहकर भाटी गोयंददास ने उन्हें रखवाया, ये सरदार थे—राव रामदास उदावत, जसवंत मानसिंघोत सौनीगरो, राठौड़ नराराणदास पोंतावत। (६२/१४७)

संवत् १६७४ भादवा सुदि ६ जालोर का गढ़ बादशाह की ओर से राजा सूरजसिंह को मिला। कई बिहारी काम आये तथा उदैसिंह के तीन योद्धा-साहणी रायसिंह, मांगळियौ सरणावत, नायक खान मेहमद मारे गये। सांचोर संवत् १६७४ में लिया। (६४/१४८)

परगना फलोदी संवत् १६२७ मे राजा को मिला। सूरजसिंह की मृत्यु पर सलकसिंह सूरजसिंघोत को दी गई। पोरण सातलमेर बादशाह की ओर से ५७५०००) में जागीर में लिखा जाता था, पर वहाँ इनका अमल नहीं हुआ। (६४/१४९)

एक बार राजा ने जोशी देवदत्त, राव चांदो वीरमोत, तेरवाड़ा-मेरवाड़ा के बारे में अर्ज करने को बादशाह के दरबार में भेजा । वहाँ उनका अमल नहीं हुआ था, इसलिए फैसला करवाना था, परन्तु बात बनी नहीं । यह परगना ६३,०००) में इनके नाम लिखा हुआ था । लूणा दासावत उसके थाने पर था, वह वही काम आया । संवत् १६७४ में मु० राम के हवाले सांचोर के शामिल हुआ । गुजरात के बड़नगर में मु० जैमल जेसावत था । खेरालू गुजरात का पहले भा० जैमल मानावत को था फिर संवत् १६७२ में मु० रामा को सौपा । गाव ११० का मुकाता रु० ४०,०००) । रतलाम भाटी ईसरदास हरदासोत को रु० १,००,०००) । पीसागण सांवळदास किलाणदासोत के पटे २०,०००) । रजणी गुजरात की भैरवदास हाकिम । दक्षिण में बौरगा तथा राजौरो की जागीर थी ।

(६४-६५/१५०)

राजा सूरजसिंघ पूरा पंचहजारी नहीं हुआ । संवत् १६७५ काती सुदि १५ को जब वह वीमार हुआ तो ५०० सवारों के ईजाफे का हुक्म फरमान में आया था, पर जागीर नहीं पाई । (६५/१५१)

१६७६ भादवा सुदि ६ को जब सूरजसिंघ का स्वर्गवास महकर के थाने पर हुआ तब उसकी रानी अहाड़ी और कुंवर सबळसिंघ वहाँ थे । श्री गजसिंह को मनसब में बादशाह ने जोधपुर, जैतारण, सोजत, सिवाना दिये थे । सबळसिंघ को दाम २,७०,००० में फलोदी दी गई । राजा गजसिंघ जब बुरहानपुर आया तो उसने रानी अहाड़ी को समझाया कि मोटाराजा की मृत्यु पर सूरजसिंघजी ने किसनसिंघ को जो बट दिया था उतना बंट मैं सबळसिंघ को दे रहा हूँ तुम लोग व्यर्थ में दिल्ली क्यों जाते हो, पर वह सबळसिंघ को लेकर दिल्ली गई । राजा भीव से बादशाह ने इस वाबत राय ली तो उसने और कुछ हक नहीं बताया, तब बादशाह ने रु० २०,००० दिलवाये । (६५-१५२/१५३)

सोजत संवत् १६५६ में सकतसिंघ उदैसिंघोत को हुई । एक साल रही । फिर राणे अमरसिंघ ने मालपुरा लूटकर गांव सेखावास डेरा किया तब उतरी । जैतमालोत को सोजत हुई तब वह छापले आया । भा० मान ने राजाजी के बिना आदेश ही अमल दे दिया (अधिकार करवा दिया) तब राजाजी ने भण्डारी माना के साथ फौज भेजी । रा० भाण ने ६०० सवारों से रात को हमला किया था ।

फिर राठौड़ सघतसिंघ आया। संवत् १६६४ में सोजत करमसेण उग्रसेनोत को हुई। संवत् १६६५ में फिर सूरजसिंघ को हुई तब भा० गोयददास मानावत छापले आया। करमसेन को सोजत मोहबत खान ने इसलिये दिलवाई थी कि राणा पर चढ़ाई करने को जब उसे भेजा, तो राणा के बहुत से लोगों को मारवाड़ में शरण मिल गई थी। जब सूबा अब्दुलाखान को हुआ तब भाटी गोयददास ने उससे मिलकर ११ थानों पर अधिकार किया व सोजत ली।

(१५-१६/१५४-१५६)

संवत् १६५८ में जेठ वदि ७ को दक्षिण में अंबरचंपू और राजाजी के युद्ध हुआ तब राजाजी की विजय हुई। इसमें उनके मुख्य सरदार भा० बैरसी रायमलोत, राव भाण संसारचंदोत आदि काम आये। इस विजय के उपलक्ष में बादशाह ने आधा मेड़ता दिया। संवत् १६६३ राव भोपत उदैसिंघोत को पवार सादूळ मालदेवोत ने मारा। संवत् १६६८ में पंवारों का बैर समाप्त हुआ। (१६/१५६)

जब महाराजा सूरसिंह दक्षिण की चढ़ाई पर था तब भा० गोयंददास ने बादशाह से अर्ज करके उसे दरबार में बुलवाया। बादशाह ने राजाजी को अपने देश जाने की स्वीकृति दी। उन दिनों गोयंददास मेहकर थाने पर रहता था। सूरजसिंह ने बादशाह से निवेदन किया कि मैं अपने राज्यकार्य की पूरी जानकारी नहीं रखता। भाटी गोयंददास के बिना मैं अपने राज्य को जाकर क्या करूँ, क्योंकि वही मेरे सब प्रशासन का आधार स्तम्भ है। इस पर बादशाह ने गोयंददास को भी दरबार में बुलाया और आधा मेड़ता तथा जैतारण के परगने जागीर में और दिये। संवत् १६६१ आषाढ़ वदि ८ को ये जोधपुर आये। (१७-१५७)

संवत् १६६२ बादशाह जहांगीर ने राजाजी को गुजरात का सूबा दिया। ये रवाना होकर मांडवा के पास पहुँचे, वहाँ अपनी फौज को दो भागों में विभक्त कर मांडवा पर चढ़ाई की। एक अणी (टुकड़ी) का सेनानायक गोयंददास था और एक का सूरजमल जैतमालोत। वहाँ इन्होंने गांव लूटे और दुश्मन भाग खड़े हुए। अनजान जगह होने पर भी इन्होंने पीछा किया, फिर झाड़ा के तू पर मुकाबला हुआ। राजाजी के सूरजमल जैतमालोत चांपावत सहित २३ योद्धा काम आये। (१७-१८/१५८)

जोसी चंडू दामोदर के टीपणे में भी इन प्रमुख घटनाओं की संक्षिप्त विंगत है। (६६/१५६)

संवत् १६६६ में भाटी सुरताण मानावत को राठौड़ सुंदरदास, सूरसिंघ रामदासोत, नरसिंघदास कल्याणदासोत, राठौड़ गोपालदास भगवानदासोत ने मिलकर मार डाला। उसने मरते-मरते सुंदरदास और सूरसिंघ को मार डाला। गोपालदास घायल होकर निकला, जिसे भा० गोंयंददास और कुंवर गजसिंघ ने मारा। (६६/१६०)

संवत् १६७१ जेठ सुदि ६ को अजमेर में किसनसिंघ उदैसिंघोत राठौड़ करन सूरजसिंघ के डेरे पर आये और भाटी गोंयंददास को मारा। राठौड़ किसनसिंघ और करन भी वहीं मारे गये। राजाजी के १६ लोग मारे गये, कई घायल हुए, २६ आदमियों सहित किसनसिंघ मारा गया। (६६-१०१/१६१)

यह घटना होने के पश्चात् एक बार बादशाह ने राजाजी को देश जाने की छुट्टी दी। दो महीने रहने के बाद उन्हें बुला भेजा। अजमेर पहुँचने पर बादशाह ने उन्हें आश्वस्त कर दक्षिण की चढ़ाई पर भेजा। उनके डेरे पीसांगण हुए। कुंवर गजसिंघ तथा राजसिंघ खीवावत को वापस देश भेजा। काम का जिम्मा लूणा को दिया। (१०१/१६२)

भण्डारी माना रायसिंघ चंद्रसेनोत के पास सोजत में था। १६४० में जब जोधपुर आया, तो इसे देश का काम सौंपा गया था। १६५१ के लगभग बलूदे होता हुआ वीकानेर गया, फिर चांवड जाकर राणा से मिला। १६५२ में जब सूरसिंघ गद्दी पर बैठा, तो उसने भण्डारी लूणा को भेजकर उसे सादर बुलाया और देश का काम सौंपा। (१०१-१०२/१६३-१६४)

संवत् १६७२ में नागोर परगने के तीन गांव दवा लिये गये थे। फिर नागोर आसपखान को हुआ तब भण्डारी लूणा नागोर जाकर गजसिंघपुरा सालाना ३,१०० के मुकाते पर ले आया तथा आसोप के तफे के शामिल कर लिया। (१०२/१६५)

संवत् १६७४ को भादवा सुदि ६ कंवर गजसिंघ ने जालोर का गढ़ जीता। राव दयालदास गोपालदासोत, भा० गोपालदास आंसावत को वहाँ का फौजदार किया। सिरोही के राव राजसिंघ सुरताणोत ने इनसे बात की कि देवड़ा

पृथ्वीराज देवल के पहाड़ों में घुसा बैठा है, इसे निकालने में सहायता दे तो राजाजी को कोरटा १४ गांवों से दे देगे । इन्होंने पृथ्वीराज को निकाल दिया । वार्षिक आय १३,०००) आई । अगले वर्ष आय नहीं दी । १६७५ में १४ गांव कोरटा सहित दिये । (१०२-१०३/१६६)

भाटी गोयंददास के मारे जाने के पश्चात् सूरजसिंह ने रावळ तेजसी दूदावत से ३ गांव, हाथी १ तथा रु० ५००० लिये थे । भाटी गोयंददास मानावत राजाजी के बदले दक्षिण में रहा और राजाजी दिल्ली रहे । उस समय गोल-कुंडा का बादशाह अपनी बेटी का डोला शाहजादा दानशाह के लिये भेजना चाहता था, पर बीजापुर दौलताबाद के बादशाह ने रोक रखा था तब गोयंददास जाकर डोला ले आया । १६५८ के लगभग वह मुजरे का अधिकारी हुआ ।

(१०३/१६७-१६८)

जोशी देवदत्त पोकरणा बड़ा आदमी था । सूरसिंघ ने उसे देश की दिवानगी १६७२-७३ में दी थी । वह रु० ६-७ हजार की तनखाह पाता था । दो वर्ष तक गजसिंह के समय में भी रहा । (१०३/१६६)

संवत् १६६६ में कुवर गजसिंघ जोधपुर था, गोयंददास नाडुल के थाने पर था । राणा अमरसिंघ अमराई के पहाड़ों में था । राणा ने २००० सवार भेजकर अहमदाबाद से आगरे जाती हुई कतार को लूटने का प्रयास किया, परन्तु कतार को खबर हो जाने से वह निकल गई । फौज दूनाड़े के पास आकर लौटने लगी तब भाटी गोयंददास ४०० सवारों से आउवा के पास उन पर चढ़ आया । राणा के २००० आदमी भाग गये । (१०३-१०५/१७०)

राजा गजसिंघ

राजा गजसिंघ कछवाहों का भानजा था । संवत् १६५२ काती सुदि ८ गुरुवार का जन्म । संवत् १६७६ आसोज सुदि-६ गुरुवार को मेहकर में गद्दी का अधिकारी हुआ । संवत् १६६४ जेठ सुदि ३ को आगरे में स्वर्गवास हुआ । प्रारम्भ में मनसब ३ हजारी जात २००० सवार का पाया ।

१. गढ़ जोधपुर तफा १६ से रु० १,६६,१२५) में ।

२. सोजत का परगना रु० १,२५,०००) में ।

३. जैतारण का परगना रु० ६८,५०८) में ।

४. सिवाने का परगना रु० ३७,५००) में ।
५. सातलमेर पोकरणा लिखी गई पर अमल न हुआ रु० १५,०००) में ।
६. तेरवाड़ा मेरवाड़ा गुजरात का रु० ६३,२८६) में ।

तत्पश्चात् समय-समय पर ये परगने और हुए—

१. जालोर संवत् १६७७ में ।
२. सांचोर संवत् १६७६ में ।
३. फलोदी १६७६ में ।
४. मेड़ता संवत् १६८० में ।
५. जलगाव बैराड़ का १६८१ में ।

सूरजसिंघ की मृत्यु पर इतने परगने तागीर हुए थे— फलोदी, जालोर, सांचोर व मेड़ता । (१०५-१०६/१७१)

दक्षिण के सूबे के लोग ३०,००० फौज से एक बार चढ़ आए तब सब लोग कोट में घुस गये । गजसिंह ने बाहर आकर जवरदस्त युद्ध किया । दुश्मन भाग गये । उस समय उसकी मदद को कोई नहीं आये यद्यपि नवाब खानखाना आदि सभी वही थे । प्रहर २ तक युद्ध चला । बाद में सभी उमरावों ने आकर उसे दलथंभन की उपाधि दी । १६७७ में शाहजादा खुरम दक्षिण में आया, इसने उसकी आवभगत की तब प्रसन्न होकर इसे जालोर का परगना दिया । गोपालदास आसावत व मु० जैमल को जालोर का हाकिम बनाया गया । जब शाहजादे ने इन्हें देश जाने की छुट्टी दी तो इसने जालोर के उचित प्रबंध के लिये सांचोर भी मागी तब सांचोर उसे १६७६ में प्राप्त हो गई । संवत् १६७६ में वैसाख में वह जहांगीर से चाटसू के पास मिला । (१०६-१०७/१७२)

संवत् १६७६ में शाहजादा खुरम बादशाह से विमुख होकर उस पर चढ़ आया । महावत खान ने बादशाह का पक्ष खूब मजबूत किया । महावत खान के साथ गजसिंघ जब चढ़ाई पर जाने लगा, तो उसने सिफारिश करके फलोदी इसे दिलवाई । (१०७-१०८/१७३)

संवत् १६८० में अजमेर सूबे के सभी परगने परवेज की जागीर में थे और गजसिंघ उसकी अधीनता में था । इस समय मेड़ता सैयदों को जागीर में दिया

जाने को था परन्तु राजसिंघ के मारफत कहासुनी होने पर मेड़ता शाहजादे की तरफ से गजसिंघ को जागीर में दे दिया गया । शाही मनसब में नहीं लिखा गया । कान्हू खीवावत तथा भंडारी लूणा ने आकर मेड़ते में राज्य-दस्तूर किया । (१०८/१७४)

संवत् १६८१ में दूध नदी पर शाहजादे परवेज और खुरम के बीच युद्ध हुआ । गजसिंघ हरोल में था उसने भोम सीसोदिये को मारा और विजय पाई । हजार सवार इस समय इजाफा होने पर यह पंचहजारी हुआ । दक्षिण में जलगांव जागीर में पाया । भा० सिंघ रूपसीवोत वहां फौजदार नियुक्त हुआ । (१०८/१७५)

संवत् १६८२ में खुरासानियों के सिखाने से बिरहानपुर महाबतखान से तागीर कर लिया गया और उसे दरबार में बुलाया तथा परवेज आदि सब सरदारों को आदेश भेजा कि कोई इसके साथ न आवे । सभी लोग बड़े पसोपेश में पड़ गये । गजसिंघ अपनी हवेली में ही रहा । फिदाईखान जो इस कार्य को अमल में ला रहा था जब गजसिंघ से मिला तो उसने कहा कि मैं यहीं रह रहा हूँ पर महाबतखान हमारा नुकसान करवायेगा । तब फिदाईखान ने उसे आश्वासन कर रा० राजसिंघ को अपने साथ लिया और बादशाह के सामने गजसिंघ की बफादारी की बड़ी तारीफ की । दीवान खोजा अवलहुसेन ने बताया कि महाबतखान ने हिमायत करके गजसिंघ को मेड़ता दिलवाया था, शाही मनसब में वह नहीं है इसलिये जव्त कर लिया जाय, परन्तु फिदाईखान ने कहा-सुनी करके २,५०,०००) में मेड़ता राजा को दिलवा दिया । राजसिंघ यह काम करवा कर जोधपुर लौटा । (१०९/१७६)

संवत् १६८३ में परवेज मर गया । महाबतखां और बादशाह में वैमनस्य बढ़ा । महाबतखान बागी हुआ । उस पर फौज चढ़ी तब उसमें कुंवर अमरसिंघ और राजसिंघ भी साथ थे । पर बाद में जोधपुर आ गये, तब नागौर की छ पटी सूरधसिंघ बीकानेर वाले को हुई । (११०/१७७)

संवत् १६८४ कार्तिक वदि १३ को जहांगीर का स्वर्गवास हुआ । जूनेर से महाबतखा और शाहजहान अजमेर आये तब महाबतखान ने गजसिंघ से नागौर उसे दिलवाने को अर्ज की । नागौर उसे देदी गई । शाहजहां जूनेर से उदयपुर आया, राणा करन मिला और जगतसिंघ को साथ भेजा । शाहजहां

दो दिन अजमेर रहा फिर रणथम्भोर के पास से होता हुआ आगरे आया । तखत पर बैठा । (११०-१११/१७६-१८०)

जहांगीर की मृत्यु होने पर गजसिंघ तथा अन्य हिन्दू नवाब आदि विदा लेकर अपने-अपने घर चले आये । रा० सकतसिंघ की लड़की लीलावती वाई शाहजहां के साथ थी । उसे उसने राजा गजसिंघ को आश्वस्त करने को भेजा । लीलावती जोधपुर आई और राजा को आश्वस्त किया तथा बादशाह की ओर से दी हुई वस्तुएँ उसे प्रदान कीं । ८ दिन बाद गजसिंघ ने आगरे के लिए अपने सरदारों सहित कूच किया । दरबार में पहुँचने पर बादशाह ने उसका बड़ा सम्मान किया । (१११/१८१)

शाहजादा खुरम दक्षिण को जा रहा था तब चांदा की घाटी के पास माल से भरे शाही ऊँट लूट लिये गये थे । शाहजादे ने मुहमद मुराद को इसकी तलाश के लिए बदनोर भेजा । उसने लगभग ४००० आदमियों को शामिल किया तथा पूछ-ताछ प्रारम्भ की, परन्तु पता नहीं लगा । फिर अबू को जहाजदे ने इस काम के लिए भेजा । उसने पंवार सादूळ तथा राठौड़ नरसिंघदास का विश्वास अर्जित कर कुछ सुनारों आदि को पकड़ा तथा मेड़ता में आकर डेरा किया । भा० माना से बातचीत करके रु० २०,०००) मानपुरा के वित्त आदि की वसूली के निश्चय किये थे, परन्तु अनेक प्रयत्न करने पर भी अबू के रुपये हाथ नहीं लगे । फिर उसने नीबोल के बोहरों को पकड़ा । रा० किशनसिंह खीवावत को जब यह खबर मिली तो वह तुरन्त जैतारण से चढ़ा । मुगदड़े के पास अबू से युद्ध हुआ, संवत् १६७८ जेठ सुदि ६ को । रा० किशनसिंह सहित ७ सरदार और ८ चाकर काम आये, कुछ घायल हुए । अबू के १५-२० आदमी काम आये । वह ८ दिन मेड़ते में रहा फिर अजमेर होता हुआ अपने घर मेरठ की ओर चला गया । अबू के लड़के को भी जाने दिया ।

(११२-११५/१८२-१८३)

जब बादशाह गद्दी पर बैठा और गजसिंह वहाँ उपस्थित हुआ उस समय आगरे के आस-पास के पवार भूमिये बड़ा नुकसान करते थे । उन्हें दवाने के लिए मुगल सरदार की फौज ने चढ़ाई की तब रा० भगवानदास वाघोत को काफी सवार देकर उसके साथ भेजा । १६८४ आषाढ़ सुदि ८ को गढ़ घेर लिया गया । आग लगा दी गई । जलती हुई आग में एकाएक हमला करने से

अनेक लोग भगवानदास बाघोत सहित काम आये । हाडे साथ थे उनके भी ६०—८० आदमी काम आये । गढ़ योंही रहा तब पा० बलू ने चढ़ाई करके पंवारों को मारा । (११५-११६/१८४-१८६)

संवत् १६६३ काती सुदि १५ जालोर के परगने में रा० किशनसिंह जसवंतोत काम आया था । उसे भा० जगनाथ लूणावत के साथ देवल वणवीर धारावत को परास्त करने भेजा था । वणवीर के पास अच्छी फौज थी, उसने पहाड़ों की ओट ली । एक दिन संध्या समय जब राठौड़ों की फौज पहाड़ से उतर रही थी तब भगड़ा हुआ उसमें किसनसिंह और ३ अन्य आदमी मारे गये, कई घायल हुए । कई दिन युद्ध चलता रहा । घेरा मजबूत हो गया तब सिरोही वालों ने आदमी भेजकर वणवीर को सुलह करने की राय दी । वह १५ आदमियों से राठौड़ जसवत के डेरे मिलने आया, वहाँ वणवीर को मार डाला और गढ़ पर कब्जा किया । (११६-११८/१८७-१९०)

संवत् १६६० में बलोच मुगलखान, समायलखान के लोगों ने फलोदी के दो गांव कोटड़ा के पास लूटे । मु० रूपसिंह बाहर चढ़ा, आसा के तालाब के पास भगड़ा हुआ, भा० सकतसिंह खेतसिधोत आदि काम आये ।

(११८-११९/१९१)

संवत् १६६३ आसोज वदि ६ बलोच हैदरअली फतैअली फलोदी पर चढ़ आये । कुडल को लूटकर खूब मवेशी ले गये । सोना रुपया आदि भी ले गये । इन्होंने घटियाला आदि ग्राम भी लूटे, वहाँ अनेक लोग काम आये ।

(११९/१९२-१९३)

संवत् १६६४ काती वदि १२ मुदफरखान मदा का लड़का फलोदी पर चढ़ आया, वहाँ भा० जसवंत सूजमलोत आदि मारे गये । उस समय मु० जगनाथ फलोदी का हाकिम था । संवत् १६६४ में नैणसी को फलोदी का हाकिम राजा ने बनाया और वह स्वयं शाही दरबार को चला । नैणसी फलोदी को गया और वाप के राव की सहायता से बलोचों का खूब पीछा किया । वीकूपुर के राव ने भी सहायता की । आखिर मुगलखान को मार डाला, बलोच ३०० मारे गये । युद्ध-भूमि में खोज की गई तो मुगलखान की लाश मिली । वह ३०-४० वर्ष का सुन्दर जवान था । (११९-१२३/१९४-१९८)

महाराजा जसवतसिंह

महाराजाधिराज जसवतसिंह सीसोदियो का भानजा था । संवत् १६८३ माह वदि ४ का जन्म । संवत् १६९४ आषाढ़ वदि शुक्र को बादशाह शाहजहां ने आगरे में टीका दिया । प्रारम्भ में मनसब चार हजारी चार हजार सवारों का दिया । जागीर के परगने—जोधपुर, सिवाना, मेड़ता, सोजत, फलोदी, सातलमेर मिले । जालोर और सांचोर तागीर हुए । जेतारण को प्राप्त करने का प्रयत्न भीव कल्याणमलोत ने इस समय किया था, परन्तु राजसिंघ खीवावत ने प्रयत्न करके राजा जसवंतसिंघ को ही दिलवा दी । (१२४/१६६-२००)

संवत् १७०२ में हजार सवारों की वृद्धि हुई तब मनसब पंच-हजारी जात, पाँच हजार सवार उनमें एक हजार दो अस्पह हुआ । देश के परगनों के अतिरिक्त रेवाड़ी और मिला । १७०३ में ५०० सवारों की वृद्धि हुई और गजसिंहपुरा की जागीर भी प्राप्त हुई । (१२४-१२५/२०१)

संवत् १६९६ को जब बादशाह काश्मीर को जा रहा था तो जसवंतसिंह को देश जाने की इजाजत दी और हजार सवारों की मनसब में और वृद्धि हुई । जेतारण रुपये २,५०,०००) में राजाजी को दी । संवत् १६९७ पोष वदि ५ राजसिंघ खीवावत का देहान्त हुआ । (१२५/२०२)

संवत् १६९७ चैत्र में महेसदास सूरजमलोत को प्रधान बनाया । यह लाहोर में २७०० सवारों से बादशाह को सम्मान देने उपस्थित हुआ, तब १००० सवारों की मनसब में और वृद्धि कर दी गई, जिसके पेटे नकद रकम राजाजी को मिलती रही । (१२५-१२६/२०३)

संवत् १७०१ में बादशाह ने राजाजी को रेवाड़ी का परगना दिया रु० २,६२,६२५) में । यह संवत् १७१५ में तागीर होकर राजा जैसिंघ को दिया गया था । सि० पृथ्वीमल वहाँ हाकिम था । (१२६/२०४)

संवत् १७०५ में हजार सवारों का इजाफा हुआ जिसमें सूवे आगरे का परगना हीडवाणा मिला । संवत् १७१४ में यह परगना तागीर हुआ ।

संवत् १७०७ में अकाल पड़ा तब कर के रूप में केवल पाताल-भोग लिया गया । संवत् १७०६ में हजार सवारों का इजाफा हुआ, तब पंचहजारी जात पाँच हजार सवार दो अस्पह हुए । (१२६/२०५)

संवत् १७०६ में राजाजी को जागीर में और वृद्धि हुई। सूबा अजमेर सरकार रणथम्भोर का परगना मलारणा उन्हें दिया गया। मुहता नैणसी को फरमाना देकर वहाँ भेजा गया। संवत् १७१२ में जब जालोर दी तब मलारणा तागीर कर दिया गया। (१२६/२०६)

संवत् १७११ में हजार सवारों का इजाफा हुआ। तब मनसब ६ हजार जात ६ हजार सवारों का हुआ। राणा राजसिंघ से उसी समय ४ परगने तागीर किये, तब बदनोर राजाजी को दी। राव नाहरखान राजसिंघोत वहाँ राज्याधिकार का दस्तूर करने को गया। संवत् १७१४ में राणा के परगने पुनः लौटाये गये तब बदनोर तागीर हुई। संवत् १७११ भोरूँदा तथा संवत् १७१२ में रोहतक जागीर में शामिल हुए। रोहतक में हरीदास राघवदासोत को हाकिम बनाकर भेजा गया था। यह जगह अशान्तिपूर्ण थी। अतः संवत् १७१४ में जब हजार सवारों का इजाफा हुआ, तो यह जगह छोड़कर मालवा का परगना देपालपुर लिया। संवत् १७१३ में मलारणा के एवजाने में जालोर पाई। जालोर रतन महेशदासोत के पट्टे में थी, परन्तु उसे इससे अच्छा आर्थिक लाभ नहीं हो रहा था। इसलिए जब उसने बादशाह से अर्ज की तो बादशाह ने राजाजी के मना करने पर भी मलारणा हटाकर जालोर लिखदी। मुं० सुन्दर को रेवाड़ी से हटाकर जालोर हाकिम बनाया। उसने सीधलों को यहाँ कब्जे में किया। नागौर परगने के १० गांवों की पट्टियाँ भी राजाजी के अधिकार में आईं। संवत् १७१५ में यह इनसे तागीर कर बीकानेर वालों को औरंगजेब ने दी। संवत् १७१५ में जब इनका मनसब शाहजहाँ ने सप्त-हजारी किया और उज्जैन को विदा हुए तब उज्जैन, देपालपुर तथा नागौर की दो पट्टी जागीर में और जोड़ी गयी।

(१२७-१३२/२०७-२०६)

संवत् १७१४ भादवा सुदि १० को जहानाबाद में शाहजहाँ बीमार हुआ। मृगशिर वदि ५ आगरे पहुँचे। संवत् १७१५ पोष वदि ७ को राजाजी को बादशाह ने उज्जैन विदा किया तब हजार सवार इजाफे करके इनका मनसब सात हजारी जात सात हजार सवारों का किया। ५ हजार सवार दुअस्पह और २ हजार सवार इक अस्पह। इनके दाम ११,००,००,००० हुए।

(१३३-१३४ / २११)

संवत् १७१५ को भादवा सुदि २ बादशाह लाहोर गया, राजाजी को

जहानाबाद विदा किया । एक महीने बाद सुल्तान महमूद आगरा से जहानाबाद आया । कुछ दिन बाद जब बादशाह जहानाबाद के कोट में दाखिल हुआ तो राजाजी ने उसका मुजरा किया । फिर किसी ने गुप्त सूचना राजाजी को दी कि उनके साथ धोखा होने वाला है तब वे बीमारी का बहाना कर अपने डेरे पर ही रहे । (१३४-१३५ / २१२-२१३)

फिर यह खबर आई कि सूजा चढ़ाई कर रहा है । तब बादशाह पूर्व की ओर चला । पोष वदि ७ को राजाजी भी पूर्व को चले । माह, वदि ४ शाहजादा सूजा से लड़ाई हुई । राजाजी फौज को दाहिनी ओर रखे गये । हाडा भोवसिंघ राजाजी की दाहिनी ओर कुछ दूरी पर था । सुल्तान मुहमद ७००० फौज से हरोल में था । माघ वदि ५ को एक प्रहर रात बाकी थी तब जसवंतसिंहजी वहाँ से जबरदस्ती करके निकले और लूटपाट की । अदेही जायल मौजाबाद होते हुए भोरुंदा पहुँचे । वहाँ राठौड़ रुघनाथ सुंदरदासोत ने उनकी मेहमानी की । लांपोळाई में नाहरखान व नैणसी पांवों लगे । नैणसी को मेड़ता खाने किया और स्वयं जोधपुर आये ।

(१३५-१३६ / २१३-२१५)

फागुन वदि ६ को रावड़ियाक के लिए खाना हुआ । जब बीलाड़े पहुँचे तो दाराशिकोह का पुत्र सपरशकोह राजाजी से आकर मिला । राजाजी उसके साथ नहीं गये और उसे विदा दी । चैत्र वदि १२ को आगोळिया आसा औरंगजेब से दिलासा का फरमान ले आया । राजा जैसिंघ का भी कागज लाया । राजाजी ने आगे कूच किया । दाराशाह का संदेश आया कि वह राजाजी से आकर मेड़ते में मिलेगा, पर मियां फरासत को भेजकर राजाजी ने उसे मना करवा दिया । इसी समय बादशाह का फरमान आया कि तुम्हें गुजरात का सूबा दिया जाता है, दाराशिकोह की सहायता न करे । राजाजी जोधपुर लौटकर २॥ घड़ी ठहरे और फिर गुजरात को खाना हुआ । (१३६ / २१६)

राजा जैसिंघ की मेहमानी के लिए राव महेशदास तथा मुंहता नैणसी को भेजा । बहादुरखान को रु. १०,००० मेहमानी के जैसिंघ ने दिलवाये । जैसिंघ तथा बहादुरखान से राजाजी सैरो में मिले । इसी समय जोधपुर से सूचना आई कि २०००० भाटियों ने पोरण घेर ली है । (१३७/२१८)

संवत् १७१५ वैशाख वदि ३ को राजाजी विवाह करने को सिरौही गये

और राव राजसिंघ तथा मु० नैणसी आदि को पोकरण की सहायताार्थ भेजा। नैणसी जोधपुर लौटकर आया, ४ दिन ठहरकर युद्ध-सामग्री की तैयारी की तथा जागीरदारों को ससैन्य रास्ते में मिलने को लिखा। अनेक सरदार अपने सैनिक लेकर उपस्थित होते रहे। ४००० आदमी पोकरण पहुँच गये। आसणीकोट आदि जैसलमेर के गांव भी लूटे। इस प्रकार लम्बा संघर्ष चला। इतने में राजा करन बीकानेर वाला जैसलमेर शादी करने को जा रहा था, उसका डेरा कीरडे ग्राम में हुआ। उसने नैणसी आदि को बुलवाया तब ये राव राजसिंह सूरजमलोत सहित वहाँ उपस्थित हुए तथा (१०००) मेहमानी के नजर किये। फिर करन ने बातचीत करके इन्हें विदा कर दिया। जैसलमेर से लौटते समय भाटियों के प्रमुख व्यक्तियों को बुलाकर रामदेवर में दोनों पक्षों में समझौता करवा दिया और उन्हें भोजन साथ करवाया। (१३८-१४४/२१६-२२६)

संवत् १७१५ में शाही दरबार के वकील मनोहरदास ने मनसब का विस्तृत हिसाब पेश किया। (१४४-१४७/२२७-२२८)

संवत् १७१७ भादवा सुदि ४ को एक करोड़ दामों का इजाफा हुआ उसका विस्तृत हिसाब। (१४७-१४८/२२६)

संवत् १७१८ को मृगशिर वदि ८ गुजरात का सूबा तागीर हुआ। राजाजी १७१८ को पोष वदि ३ गुजरात से रवाना होकर भड़ोच, सूरत होते हुए औरंगाबाद में राजा जैसिंघ की हवेली में ठहरे। संवत् १७१६ में छावणी नयी हवेली जाकर अमील उमराव पर हमला किया। उसका लड़का अवलफतै काम आया। नवाब से सूबा तागीर होकर राजाजी को दिया गया। १७२० आषाढ सुदि १५ को सूबे का दीवान किया गया। कार्तिक वदि ११ को पूना से कुडाणा रवाने हुए। गढ़ के दो बार सुरंग लगाई, परन्तु सफलता नहीं मिली। (१४६-१५०/२३०-२३२)

राजाजी ने जब गुजरात का सूबा तागीर हुआ और दौलताबाद का हुक्म हुआ तब सावरण फसल की आमदनी राजाजी को ही मिली; तब पं० गंगादास आदि आमदनी वसूल करने को रखे गये। उस समय जागीर की आमदनी का विस्तृत हिसाब शाही दरबार में हुआ।

(१५०-१५६/२३४-२३५)

संवत् १७१६, जब राजाजी गुजरात के सूबे में थे तब कुवर को दिल्ली दरबार में भेजने का विचार किया। राव भीव गोपाळदासोत, मु० सुंदरदास आदि को इस कार्य के लिए जोधपुर को विदा किया। कुवरजी पोष में जोधपुर से रवाना हुए। सोरभ में जाकर कुवरजी बादशाह के पांवों लगे। संवत् १७१७ में कुवरजी को बादशाह ने हाथी, सिरपाव, किलंगी आदि देकर जहानाबाद से विदा किया। मृगशिर सुदि १० को गढ़ जोधपुर पहुँचे।

संवत् १७१६ में वकील मनोहरदास ने शाही दरबार में राजाजी के नाम से निकलने वाली रकम का विस्तृत हिसाब भेजा। (१५६-१५८/२३६)

संवत् १७२१ में फिर मुतालवे का विस्तृत हिसाब वकील मनोहरदास ने शाही बहियों के आधार पर पेश किया। उसमें सभी प्रकार की आमदनी बताई गई। (१५८-१६२/२३७)

राजाओं ने जोधपुर पर राज्य किया उसका हिसाब—

	वर्ष	मास	दिन
राव जोधा	३०	—	—
सातल	३	—	—
सूजा	२४	—	—
राव गांगा	१६	५	१३
राव मालदे	३०	५	८
राव चद्रसेन	१८	१	०
(बीच में मुगल अधिकार)			
राजा उदयसिंघ	११	११	०
राजा सूरजसिंघ	२५	२	११
राजा गजसिंघ	१८	७	२३

राजा जसवंतसिंह १६६४ आषाढ़ वदि ७ को गद्दी पर बैठा। अलग-अलग राजाओं के समय परगनों की शाही रकम का हिसाब। (१६२-१६४/२३८-२३९)

परगना जोधपुर के १४ तफों के गावों की संख्या १७१६, मु० नरसिंघ तथा पं० नरसिंघदास ने कानूनगो महेशदास को तफावार लिखवाई।

(१६४/२४०)

कुछ तफे देशी फहरिश्तों में है परन्तु शाही दरबार में नहीं लिखे जाते । तफे संवत् १७१८ में हवेली में लिखवा दिये गये । परगने जोधपुर के खालसे की आमदनी का हिसाब संवत् १६६२ से १७२० तक का प्रतिवर्ष के अनुसार । फिर संवत् १७११ से १७२० तक का सालीना विस्तृत हिसाब । तत्पश्चात् तफा वार हिसाब । (१६०-१७०/२४१)

संवत् १७१४ भाद्रपद सुदि ७ बादशाह शाहजहां बीमार हुआ तब साम्राज्य का सारा कार्यभार दाराशिकोह पर था । राजा जैसिध को हजार सवारों का इजाफा देकर पूर्व की ओर शाहजादा सूजा पर भेजा । पोष वदि ७ को जसवंतसिंह को उज्जैन की तरफ औरंगजेब और मुराद के विरुद्ध भेजा । जसवंतसिंह के सवार २३,२४७ तथा मनसबदार २६६ बादशाही थे । मनसबदार व सवारों का विस्तृत व्यौरा । (१७०-१७६/२४२-२४४)

संवत् १७१४ वैशाख वदि ७ खबर आई कि मुरादबक्स बढ़ा चला आ रहा है, तब महाराजा जसवंतसिंह ने उज्जैन से चलकर क्षिप्रा नदी के उस पार डेरे डाले । ३ दिन रुककर वहाँ से १० कोस खाचरोद तक गये । वैशाख वदि ८ को चोरनाराइण गांव गंभीर नदी पर डेरा किया । उज्जैन से १॥ कोस पर घरमतपुरा स्थान पर वैशाख वदि ९ को डेढ़ घड़ी दिन चढ़ने पर औरंगजेब से युद्ध हुआ । बादशाही फौज हारी । महाराजा के जितने आदमी काम आये उनकी सूची—९ चांपावत, ६ कूंपावत, ६ ऊदावत, ४ जैतावत, ५ करमसोत, ६ मेड़तिया, ५ जोधा, ४ भदावत, २ ऊहड़, ४ पातावत, १ रूपावत, १ पुरबिया, १ महेचा, १ भूभणिया, ४ भीवोत, १ बालावत, २१ भाटी, ३ सोनगरा, ६ चहुवान, ६ ईंदा, २ भायल, १ मुहता, १० सुजानसिंह केसरीसिंघोत के चाकर, १८ खवास पासवान [३ साहणी, ४ चौहाण आबदार, ४ पंवार चीतीवान, १ वेस, २ सोलंकी हीड़ागर] ४ दफतरो, ४ ब्राह्मण, १० दूसरे हीड़ागर ।

अन्य उमरावों के आदमी काम आये—

राठीड़ करन सुजानसिंघोत के राजपूत ६, उदैमाण भगवानदासोत के ६, राव जगराज कुंभकरनोत का १, बछराज दलपतोत के २, राठीड़ राजसिंघ भगवानदासोत का १, पृथ्वीराज दलपतोत के ७ । (१७६-१८६/२४५)

संवत् १७२१ में जोधपुर शहर में जो दूकानें हैं, वे पं० हरकिसन को आदेश देकर लिखवाई गई—

- २१ दूकाने नागौरी दरवाजे पर ।
 २६५ नागौरी दरवाजे के अन्दर आडे चौहटे तक ।
 [१३६ दरवाजे के अन्दर आते समय दाहिनी ओर ।
 १२६ दरवाजे के अन्दर आते समय बायी ओर ।]
 २३ जालोरी दरवाजे के बाहर दूकानें हैं ।
 ४०५ जालोरी दरवाजे के अन्दर पदमसर तालब तक ।
 १८ मढी में ।
 ४ रातानाडा के दरवाजे के बाहर ।
 ३६ दरवाजे के अन्दर गागादास की प्रोल तक ।
 ६ महावीरजी के मन्दिर के पीछे ।
 ३ सिलावटों की गली में ।
 ४ मूलनायकजी के मन्दिर के नीचे ।
 १५ गधियों की गली में दरवाजे तक ।
 १५ दरजियों की दूकाने हैं ।

८१५ कुल दूकानें ।

संवत् १७२१ में श्री कुवरजी के हुक्म से पं० हरकिसन ने शहर की धरती नापी—

डोरी	पांवड़ा	
६५	१३००	बाग कागा नागौरी दरवाजे से कुंज तक ।
८५	१७००	वहूजी सरूपदे का तालाब नागौरी दरवाजे से ।
१००	२०००	साहणियों वाली तलाई, शेखावतजी के तालाब तक ।
५७	११४०	राईको हाडीजी का बाग नागौरी दरवाजे से ।
७४	१४८०	रातानाडो सोजती दरवाजा से ।
८०	१६००	मसूरिया पहाड़ जालोरी दरवाजे से ।
४२	८४०	सूरसागर फूलेळाव दरवाजे से ।
१००	२०००	बालसमंद केवड़ा सहित । (१६८-१८६/२४६)

संवत् १७२१ में परगने जोधपुर के ११६७ गांवों का मेल—

आसामी	गांव	तफा	बसता	वीरान	सांसण
तफा १६	१०३६	१६	७३५।	१७७।।।	१२७
महेवो	१२८	१	६७	४३	१८
योग	११६७	२०	८०२।	२२०।।।	१४४

जातियों की प्रमुखता के अनुसार तफावार गांवों की विगत ।

(१८६-२०३/२४७-२४८)

परगने जोधपुर के गांवों का तफावार मेल—बसे हुए, वीरान तथा सांसण । (२०३-२०४/२४६)

परगने जोधपुर के गांवों का विवरण—तफा हवेलो कुल २७७ । बसे हुए २०७, वीरान ३६।।, सांसण ३३ । (२०४-२४२/२४६-२५३)

तफा पीपाड़—कुल ७६ । आबाद ६६, वीरान २, सांसण ८ ।

(२४४-२५६/२५४-२५५)

तफा बीलाड़ा—कुल १५ । आबाद ६।, वीरान २, सांसण ३।।। ।

(२५६-२५६/२५६-२५७)

तफा बाहला कुल ८ । आबाद ७, वीरान ०, सांसण १ ।

(२५६-२६०/२५८)

तालका खेरवा—कुल ११ । आबाद ७, वीरान २, सांसण २ ।

(२६०/२५६)

तालका पाली—कुल ४४ । आबाद २८, वीरान ६, सांसण १० ।

(२६२-२६८/२६०-२६२)

तफा रोहठ—कुल २० । आबाद १६, सांसण १ । (२६६-२७२/२६३)

तफा गूदोच—कुल १० । आबाद ५, वीरान ५ । (२७२-२७३/२६४)

तफा भाद्राजण—कुल ६५ । आबाद ५६, वीरान ३०, सांसण ६ ।

(२७३-२८७/२६५-२६६)

तफा दूनाड़ा—कुल ४४ । आबाद ३३, वीरान ६, सांसण ५ ।

(२८७-२९३/२६६-२७२)

तफा कोढण—कुल ८४ । आबाद ५२, वीरान १४, सांसण १८ ।

(२९३-३०५/२७३-२७७)

तफा बहेळवा—कुल ६२ । आबाद ३५, वीरान १५, सांसण १२ ।

(३०५-३१२/२७८-२८१)

तफा सेतरावा—कुल २८ । आबाद २१, वीरान ७ ।

(३१२-३१५/२८२-२८३)

तफा केतू—कुल २३ । आबाद १५, वीरान ७, सांसण १ ।

(३१५-३१८/२८४-२८६)

तफा देछू—कुल १० । आबाद ७, वीरान २, सांसण १ ।

(३१८-३१९/२८७-२८८)

तफा ओसियां—कुल ११२ । आबाद ७६, वीरान २०, सांसण १३ ।

(२१६-३३६/२८९-२९०)

तफा खींवसर—कुल ३५ । आबाद १६, वीरान १४, सांसण २ ।

(३३६-३४१/२९१-२९२)

तफा लवेरा—कुल ६६ । आबाद ५१, वीरान ६, सांसण ६ ।

(३४१-३५०/२९३-२९४)

तफा आसोप—कुल १६ । आबाद १६ । (३५०-३५३/२९५)

तफा मेहवा—कुल १२८ । आबाद ६७, वीरान ४३, सांसण १८ ।

(३५३-३७२/२९६-३०३)

परगने जोधपुर के गांवों की सीमा, जो अन्य परगनों के गांवों से लगती है, की तालिका । (३७२-३८२/३०४-३१३)

परगना सोजत

शास्त्रों में इसका नाम शुद्धदंती मिलता है। प्राचीन काल में त्रंबावती नगरी कही जाती थी। यहाँ त्रबसेन राजा राज्य करता था, यह जाति से पंवार होना चाहिए। इस राजा के सोभत नामक एक लड़की थी जिसमें दैविक शक्ति थी। एक बार राजा ने अपने प्रधान वानरा हुल को आज्ञा दी कि राजकुमारी रात पड़ने पर कहाँ जाती है इसका वह पता करे। प्रधान ने पता लगाया तो वह योगनियों के साथ खेलने जाती थी। सोभत को जब इस चौकसी का पता चला तो उसने राजा को श्राप दिया, जिससे उसका राज्य नष्ट हो गया और वानरा हुल शासक बना। कई पीढ़ियों तक हुलों का राज्य रहा। कई दिनों तक सोजत सोनगरों के रही फिर राणा की तरफ से सींधलों को हुई। (३८३-३८४/१-३)

चूँडा ने मरते समय रिडमल से वचन मांगा था कि मारवाड़ का टीका कान्हा को दिया जाय अतः रिडमल ने ऐसा ही किया और स्वयं राणा मोकल के पास चला गया। मोकल ने उसे बसने के लिए सोजत का गांव धिगला कई गांवों सहित दिया। कान्हा के बाद सत्ता को राज्य करने का अवसर मिला और फिर जब सत्ता के लड़के नरबद की मूर्खता से उसका प्रधान रिराधीर अप्रसन्न हुआ तो मोकल की सहायता से रिरामल ने मंडोर पर अधिकार कर लिया तब भी सोजत इसे राणा की ओर से दी हुई थी। जब रिडमल चित्तौड़ में धोखे से मारा गया, तो जोधा को भी मंडोर में टिकने नहीं दिया। सोजत रा० राघवदास सहसमलोत को राणा की तरफ से देदी गई।

(३८३-३८८/३-६)

जोधा ने जब मंडोर पर पुनः अधिकार किया, तो सोजत पर भी कब्जा कर लिया। जोधा के बाद शासकों का अधिकार इस प्रकार रहा—

१. राव सूजा, सैयदों को बादशाह ने दी।
२. राव वीरमदे बाघावत को भाई-बंटे में हुई।
३. राव गांगा ने वीरमदे से १५८८ में लेली।
४. राव मालदे के पास सोजत रही।
५. टीके बैठते समय चंद्रसेन के पास भी थी।
६. राव राम को संवत् १६२१ में अकबर ने चंद्रसेन से दिलवाई।

७. राव कला रांमोत को एक बार हुई ।
 ८. संवत् १६३४ सुरतांग जयमलोत मेड़तिया को अकबर ने दी ।
 ९. राजा सूरजसिंह को पुनः १६६५ में दी ।
 १०. राजा गजसिंह को टीके के साथ संवत् १६७६ में हुई, तबसे जीवन-पर्यन्त रही ।
 ११. राजा जसवंतसिंह के यथावत जीवन भर रही—१६९४ तक ।

अस्थायी तौर पर इन लोगों के पास भी रही—

१. राव चंद्रसेन डूंगरपुर से लौटकर आया तब एक बार सोजत ली ।
२. रायसिंघ चंद्रसेनोत को अकबर ने संवत् १६४० में दी ।
३. मोटाराजा को नवाब खानखाना ने १६४१ में दी थी ।
४. राजा सूरजसिंघ को १६५१ में ।
५. मकतसिंह उदैसिंघोत को अकबर ने १६५६ में दी, १ वर्ष रही ।
६. राव करमसेन उग्रसेनोत को संवत् १६६४ में जहांगीर ने दी थी ।

(३८८-३९०/९)

सोजत का कोट छोटी-सी पहाड़ी पर बना हुआ है । थोड़े-से ही घर उसमें है । राजा गजसिंह ने एक घर यहाँ बनवाया था । वीरमदे जाघावत का यहाँ देवस्थान है । पूजा होती है । घरो के आगे दरवार लगाने का चौतरा है । एक ही प्रोल है । परकोटे की प्रोल है उस पर दीवानखाना है । परकोटे में एक मन्दिर चत्रभुजजी का है । गौतमगिरी सन्यासी का तकिया है । घर २,२०० के करीब बस्ती है । (२९०-२९१/१०)

संवत् १७१६ में कस्बे की बस्ती का अनुमान इस प्रकार है -

७३८ महाजनो के घर, ८ पंचोली, ३०५ करसा, १४२ राजपूत, ७२ मुसलमान, ३६४ ब्राह्मण । ६५२ अन्य निम्न कौम के घर । कुल २,२५४ घर ।

(३९१/११)

शहर में ८ के लगभग देवस्थान हैं, १० के करीब तालाब हैं । इस समय सोजत की सीमा में ५ गांव नये बसे हैं । शहर में एक रहट है, चारों तरफ भी रहट हैं । सूकड़ी और गीलड़ी नदियां शहर के आगे आकर शामिल होती हैं । नदी के दूसरी तरफ २५-३० बड़े रहट हैं । वाग, वाड़ी आदि हैं । बड़ा जोड़ भी है । घांची, माली, सीरवी राजपूत आदि खेत बोते हैं । (३९२-९४/१२-१६)

कस्बे के खेतों की विगत । (३६२-६५/१७)

सोजत की सीमा इतने गांवों से लगती है । (३६५/१८)

कस्बे सोजत के हासल व लगान आदि की विगत । (३६४-४००/१६-२०)

वादशाह की तरफ से राजाओं को सोजत दी गई उसकी तनखाह के दाम । (४००/२१)

परगने सोजत के खालसे के हासल की पैदावार—संवत् १६६२ से १७१७ तक की । जागीरदार तथा सांसण आदि की आमदनी की कुल विगत संवत् १७११-२१ तक की । (४००-४०२/२२)

परगने के गांवों के हासल की विगत किस्म के अनुसार—

४६ गांव अवल आमदनी, ४५ दोयम आमदनी, ३४ सहेल ऊनाली, २४ सेवज तथा ढीबड़े आदि होते हैं । (४०२-४०५/२३-२६)

३२ गांव सूने है, वे मांजरे की सूची में लिखे जाते हैं । २७ गांव मेरों के अधिकार में हैं । ३३ सांसण के गांव है । (४०५-४०८/२७-३१)

कुल गांव १५२ ऐसे हैं जिनका हासल आता है । इनकी आमदनी आदि की सूचियाँ वर्गीकरण के अनुसार । (४०८-४१६/३२-३७)

सांसण तथा सूने गांवों की संक्षिप्त विगत । (४१६-४२४/३८-४३)

परगने सोजत के गांवों का विवरण—

सोजत से दूरी, आबादी, जमीन की किस्म, जलाशय आदि । पांच वर्षों की आमदनी १७१५ से १७१६ । (४२५-४७७/४४-४५)

सांसण के गांवों की विस्तृत विगत, ब्राह्मण, चारण, जोगी आदि को ।
(४७७-४८२/४६-४९)

परगना जैतारण

यह परगना जोधपुर से २७ कोस की दूरी पर पूर्व के दाहिनी ओर को है । संवत् १५२५ में यहाँ नया शहर बसा । पहले अग्गेवा के स्थान पर था । यहाँ पहले जैतू गुजर रहती थी, इसीलिए जैतारण नाम पड़ा । जोधा ने यह स्थान बसाया । पहले यह सीधलो के अधिकार में राणा की ओर से थी ।

नरसिंघ की पत्नी सुपियारी को नरवर ले आया था । उसका वर लेने की घटना इस परगने से सम्बन्ध रखती है । जब सूजा गद्दी पर बैठा, तो उसने सभी सींधलों को निकाल दिया । ऊदा सूजावत को जैतारण में बसाया जिससे ऊदावतों का अधिकार यहाँ खूब जमा । राव मालदे ने रतनसी खीवावत को जैतारण दी थी । संवत् १६१४ में बादशाह की फौज से लड़कर वह काम आया । रतनसी के लड़के कल्याणसिंह आदि ने मुगलों से मिलकर इस पर अधिकार रखा, इस पर चंद्रसेन ने उन पर चढ़ाई की थी ।

मोटाराजा को अकबर ने इसका आधा हिस्सा ६५ गांवों से दिया था । संवत् १६५१ में उसकी मृत्यु होने पर उसके लड़कों में गांव बाँट दिये । आधी जैतारण ऊदावतों को थी । संवत् १६६१ में पूरी जैतारण सूरसिंघ को अकबर ने दी । सूरसिंघ के बाद १६ साल तक गर्जसिंह के ही पास रही । गर्जसिंह की मृत्यु पर एक बार जैतारण तागीर हुई । जसवंतसिंह को संवत् १६६६ में मिली । (४६३-४६६/१)

कस्बे की बस्ती संवत् १७१६ में लिखी गई तब सभी जातियों के घर १८३६ थे । सांसण के गांवों की विगत शासकों के अनुसार । (४६८-५००/१)

जैतारण के खालसा के गांवों की आमदनी संवत् १६६२ से १७१७ । परगने के खालसा, जागीर, सांसण आदि सभी प्रकार के गांवों की आमदनी संवत् १६११ से १७२० । गांवों का वर्गीकरण मय आमदनी के । सूने गांव तथा सांसण के गांवों की भी सूची । (५००-५०६/२-११)

परगने जैतारण के गांवों का विस्तृत वृत्तान्त जोधपुर से दूरी, आबादी, जमीन की किस्म, पैदावार, जलाशय तथा ५ वर्ष की आय संवत् १७१५ से संवत् १७१६ तक की । (५०६-५४२/१२-२२)

सांसण के गांवों का विस्तृत विवरण, ब्राह्मणों, चारणों व जोगियों को दिये हुए । (५४३-५५४/२३-२४)

परगने जैतारण के गांवों की सीमा जिन अन्य परगनों के गांवों से लगती है, उनकी तालिका । (५५५-५५७/२४)

शोध-सूत्र : द्वितीय भाग

परगना फलोदी

इसका आदि नाम विजैनगरी है। यहां पंवार राजा राज्य करता था। उस काल में बने कल्याणरायजी के मंदिर के स्तम्भ पर इस आशय का एक लेख सवत् ११४५ का है। पंवारो से जब बाहड़मेर छूटा तब यह धरती भी छूट गई। यह शहर उजड़ गया, केवल एक मंदिर ही बचा। तत्पश्चात् जब मडोर पर राठौड़ों का राज्य हुआ तो चूंडा, रिड़मल और जोधा के समय तक यह कस्बा आबाद नहीं हुआ। जब सूजा जोधपुर की गद्दी दर बैठा, तो उसने अपने पुत्र नरा को बसने के लिए इस ओर भेजा। यहां पहले फलू पालीवाल ब्राह्मण की बेटी फळोधी आकर रही थी और यह स्थान फळूधी का वास कहलाता था। सीधू फला जैसलमेर के गांव आसणीकोट रहता था। रावळ से उसकी अनबन हो गई तब वह अपने १४० गाड़े लेकर यहां आकर रहा। नरा ने प्रयत्न करके इसे आबाद किया। (पृ० १/अ० १-२)

उन दिनों पोकरण जगमाल मालावत के पोत रावत खीवा बरजांगोत के अधिकार में थी। नरा ने उसे अपने अधिकार में करने का विचार किया। उसने अपने जासूस लगा रखे थे उन्होंने एक दिन खबर दी कि खीवा उधारस गांव गया हुआ है। अवसर देख कर नरा २०० सवारों से पोकरण पर चढ़ा और गढ पर अधिकार कर लिया। खीवा बाहड़मेर चला गया। नरा राव सातल के गोद था इसलिये उसने सातल के नाम से वहां सातलमेर गढ बनाया। (२/२)

फिर खीवा लूंका पोकरण पर चढ आया और वहां की गायों को घेर कर ले गया। नरा ने उसका पीछा कर नांदणहाई नामक स्थान पर उसे पकड़ा परन्तु युद्ध में नरा मारा गया। सूजा को खबर मिलते ही वह ससैन्य आया और खीवा के गांव लूटता हुआ पोकरण पहुँचा। नरा के पुत्र गोयंद को गद्दी

पर बैठाया। यह गोयंद वड़ा युद्धनिपुण वीर हुआ। इसने हमीर को फलोदी दी। वह राव कहलाया। हमीर ने संवत् १५५५ में कोट के लोहे के दरवाजे करवाये तथा अनेक जलाशय आदि बनवाये। एक बार पोकरण और फलोदी की सीमा के सम्बन्ध में गोयंद से इसकी खटपट हुई तब इसकी दादी लक्ष्मीवाई ने आकर घोड़ाकधी के पास सीमा निश्चित कर दी। (२-३/३)

हमीर के पश्चात् उसका पुत्र राम गद्दी पर बैठा। राम ने यहां राम तालाब खुदवाया। ये जोधपुर के शासक को अपना स्वामी मानते रहे हैं परन्तु मालदे और शेरशाह ने संवत् १६०० में जब युद्ध हुआ तो राम ने सहयोग नहीं दिया, जिससे मालदे नाराज हो गया। राम के प्रधान जगहथ के द्वारा विप दिये जाने के कारण राम की मृत्यु हुई। (३/४)

राम के स्थान पर उसका भाई डूंगरसी गद्दी पर बैठा। उधर पोकरण में गोयंद की मृत्यु संवत् १५८२ में हुई तब उसके स्थान पर जैतमाल गोयंद का लड़का गद्दी पर बैठा। मालदे ने ये दोनों परगने लेने के विचार से षड़यंत्र रचा और डूंगरसी को होली खेलने के वहाने से गांव चवां में बुलाया और आंखों में गुलाल डाल कर बंदी बना लिया। फलोदी पर घेरा डाला गया। जगहथ देपावत ने किले की रक्षा का बीड़ा उठाया। पोकरण का स्वामी जैतमाल जैसलमेर के रावल मालदे का दामाद था। उसने जैसलमेर वालों से सहायता के लिये निवेदन किया तो रावल ने कुवर हरराज के साथ पोकरण को फौज भेजी। उन्होंने जाकर फलोदी पर भी दखल किया तब राव मालदे की फौज से युद्ध हुआ जिसमें भाटियों का बड़ा नुकसान हुआ। पृथ्वीराज के हाथ से राव भी मारा गया। डूंगरसी ने रावजी से कहा कि मुझे मुक्त करे तो मैं आपको फलोदी का गढ़ सौंप दूंगा। राव ने ऐसा ही किया तब डूंगरसी के कहने से जगहथ देपावत ने गढ़ मालदे को सौंपा। १५ वर्ष तक वहां मालदे का अधिकार रहा। (३-५/५)

संवत् १६१६ में जब मालदे की मृत्यु हुई तो झाली सरूपदे ने उदयसिंह को फलोदी दिलवाई। उदयसिंह फलोदी में रहने लगा। गांधाणी के हासल के प्रश्न को लेकर लोहावट के पास उदयसिंह और चंद्रसेन में यहां जवरदस्त युद्ध हुआ था। संवत् १६२७ में घोड़ों की कतार के प्रश्न को लेकर राव

थिरराज डांगा इनके पास आया । डांगा को आश्वस्त कर, उसके साथियों सहित डांगावास नामक स्थान पर देशमुख चौधरी बनाकर बसाया ।

(३८ ३९/४-५)

फलोधी पारसनाथजी का मन्दिर संवत् ११९१ में साहू श्रीमल ने बनवाया । संवत् १५५५ में देवराज के पुत्र राणा हेमराज ने उसका जीर्णोद्धार करवाया । राव बरसिंघ तथा दूदा ने कोसाणा, मादलिया तथा चौकड़ी के अनेक सांखलों का सफाया किया । (३९/६-७)

नागौर के जिन-जिन गांवों से आकर जाट मेड़ता के गांवों में बसे उनकी सूची । (३९-४१/८)

डांगा जाट प्रारम्भ में चहुवान राजपूत थे । इनका पूर्वज जगसी, छाजू का पुत्र, जाट हुआ । डांगा जाटों की पीढ़ी । (४१/९)

श्री फलोदी माता का मन्दिर मूलतः राजा मानधाता का बनवाया हुआ है । संवत् १०८३ का लेख स्तंभ पर है । एक स्तंभ पर १०७६ का भी लेख है । संवत् १५५५ में बरसिंघ और दूदा के आदेश से देवराज के पुत्र हेमराज ने उसका जीर्णोद्धार करवाया । (४१/१०)

कुछ दिनों बाद बरसिंघ और दूदा में अनबन हो गई । राव दूदा बीकानेर चला गया । पीछे अकाल पड़ा । बरसिंघ के चाकर भूखो मरने लगे तब उसने सांभर पर हमला किया और खूब धन लूट लाया । उन दिनों अजमेर माडव के बादशाह के अधीन था । वहाँ मलूखों सूबेदार था । वह इस घटना से बड़ा कुपित हुआ परन्तु चुपचाप बैठा रहा । (४२/११)

कुछ समय बाद बरसिंघ और सातल के बीच भी अनबन हो गई बरसिंघ ने सातल से जोधपुर की सीमा में से कुछ भूमि मांगी । समझौते के लिये दोनों ही अजमेर मलूखों के पास पहुँचे । इस समस्या का कोई हल नहीं निकला । इतने में बरसिंघ से मलूखों नाराज था ही वह कुछ बहाना बनाकर उस पर चढ़ आया । बरसिंघ सातल के पास जोधपुर गया । पीछे मलूखों ने मेड़ता और जोधपुर की धरती में काफी नुकसान किया । ये लोग जोधपुर से तैयारी करके ससैन्य बीसलपुर आकर ठहरे । उस समय युद्ध-संचालन का सारा कार्य-भार वरजाग भीवीत पर था । परन्तु वह युद्ध से उदासीनता प्रकट करने लगा ।

तब प्रधानो ने परामर्श दिया कि यह कभी का भावी की जागीर मांगता है सो इसे भावी का पट्टा देकर भी जसे तैसे राजी करो । तब भावी का पट्टा उसे लिख दिया गया । वह बड़ा अनुभवी योद्धा था । उसने गुप्त वेश में जाकर पहले विरोधियों की फौज की स्थिति का अध्ययन किया और फिर रात में फौज की तीन टुकड़ियाँ बनाकर अचानक हमला किया । इस युद्ध में राव सूजा बुरी तरह घायल हुआ । मुगल बहुत-से मारे गये । सातल की विजय हुई । बरसिंघ आकर मेड़ता में बसा । (४२-४४/१२-१५)

मलूखों ने मांडव के बादशाह से सहायतार्थ सेना मांगी । सेना आजाने पर बरसिंघ से मलूखों ने फिर बात-चीत प्रारम्भ की । सरदारों ने बरसिंघ को सम्पर्क न करने के लिये बहुत समझाया पर वह नहीं माना । अन्त में मुगलों से वचन लेकर बरसिंघ अजमेर जाकर मिला । पहले उसका बड़ा स्वागत किया गया और फिर विश्वास में लाकर कैद कर लिया । जब दूदा को बीकानेर में यह घटना मालूम हुई तो उसने बीका से सीख मांगी । बीका भी सहायतार्थ रवाने हुआ । दूदा ने मेड़ता में फौज शामिल की । दोनों ने जब अजमेर पर चढ़ाई की तो मलूखों ने बातचीत करके फौरन बरसिंघ को छोड़ दिया । ये तीनों मेड़ते आये । (४४-४६/१६-१७)

६ महीने बाद बरसिंघ मर गया क्योंकि मलूखों ने उसे मयादी जहर दे दिया था । उसके लड़के सीहा को टीका दिया गया । सीहा अयोग्य था जिससे अवसर देखकर सातल और सूजा ने इस ओर दखल देना प्रारंभ किया । अपने अधिकारी तक कुछ स्थानों पर भेज दिये । ऐसी स्थिति देखकर सीहा की मां ने पंचो से राय ली और उसी के अनुसार राव दूदा को आधे मेड़ते का हकदार स्वीकार करके बीकानेर से बुलाया । उसने आकर सारी व्यवस्था जमा ली ।

(४६-४७/१८-१९)

दो वर्ष तक तो सीहा और दूदा ने मेड़ता की आमदनी आधी-आधी बांटकर ली । परन्तु सीहा किसी काम के योग्य नहीं था । अतः दूदा ने उसे राहण की जागीर देदी और मेड़ते को गद्दी पर स्वयं बैठा । संवत् १५५४ में दूदा का स्वर्गवास हो गया । टीका उसके पुत्र वीरम को मिला । सीहा के तीन लड़के थे र, वे बड़े तेजस्वी निकले । मेड़ते का अधिकार प्राप्त करने को वे राव मालदे से जा मिले । मालदे यह चाहता ही था । अतः सीहा के पुत्रों और

वीरम के बीच तनाव बढ़ा और कुसाणा के पास युद्ध हुआ, उसमें अनेक आदमी मारे गये। वीरमदे का प्रमुख योद्धा रा० खंगार जोधावत घायल हुआ। वे तीनों भाई घायल हुए। वीरमदे विजयी हुआ। (४७-४८/२१)

संवत् १५८८ में गांगा की मृत्यु होने पर मालदे गद्दी पर बैठा। मेड़ते पर वीरमदे का अधिकार उसे सदा खलता था। मालदे उसे प्राप्त करने के खूब मन्सूबे बाधता था पर जैत कूपा आदि की इसमें सहमति नहीं थी। जब मालदे ने सीधलों पर चढ़ाई की तो वीरमदे भी उसकी सहायतार्थ अपने योद्धाओं सहित उसके शामिल था। उसने अवसर देखकर नागौर के दौलतखान को कहलवाया कि यह ही उचित अवसर है तुम मेड़ते पर चढ़ाई करदो, तुम्हारा जो हाथी वीरम ने रख लिया है उसको भी प्राप्त करलो। उधर उसने पंचायण को भी कहलवाया कि मेड़ते पर चढ़ाई करके अखा का बैर लेने का यह उपयुक्त समय है। इसी प्रकार गांगा सीहावत को भी चुपके से चढ़ाई करने का संदेश भेजा। वीरम को संदेह होने पर इस षड़यंत्र का कुछ अभ्यास भी उसे हो गया। उसने फौरन मेड़ते सूचना भेजी। वहां अखैराज भादावत था, उसने सुरक्षा की व्यवस्था जैसे तैसे की। दौलतखान ने जब आकर घेरा डाला तो केवल १५-२० आदमियों से वह उन पर पिल पड़ा, वे भाग खड़े हुए। पंचायण लोहियावाम नामक स्थान पर रायसल के सामने न टिक सका। गांगा सीहावत ५०० सवारों से चढ़ाई के लिये आ रहा था परन्तु जब बांभांकूड़ी की नदी के पास आया तो क्या देखता है कि अनेक लोग उसका साथ छोड़ चुके हैं, तब वह निराश होकर वही से लौट गया। (४८-५०/२२-२४)

वीरम को इन घटनाओं की सूचना मिलते ही वह अपने आदमियों को समझा-बुझाकर वहाँ से मेड़ते के लिये रवाना हुआ और दूसरे दिन उसकी सेना के लोग भी मालदे से विदा लेकर मेड़ते आये। मालदे जैता कूपा के सामने लज्जित हुआ। (५०-५१/२४)

इन्ही दिनों में माडव का बादशाह मर गया तब सूबेदार अजमेर का गढ़ खाली कर चला गया। वीरम को जब पता लगा तो उसने गढ़ पर अधिकार कर लिया। मालदे ने जब यह सुना तो वह ईर्ष्या से जल-भुन गया। उसने वीरम को कहलाया कि अजमेर तुम्हारे अधिकार में खट नहीं सकेगा और राठौड़ों

के घर में टीकायत मै हूं सो गढ मुझे सौपो । वीरम ने इसकी परवाह नही की । मालदे ने मेड़ते पर चढ़ाई की । वीरमदे ने मेड़ता पहले ही खाली कर दिया और अजमेर आ रहा । संवत १५६५ में मालदे ने मेड़ते में अपना अमल किया और अजमेर की ओर के बड़े-बड़े गांव अपने उमरावों को बाँट दिये । रा० सहसा तेजसियोत को अनेक गांव पट्टे में दिये । वीरम इस बात से बड़ा अप्रसन्न हुआ और सहसा को मारने को कटिवद्ध हुआ, यद्यपि सरदारों ने उसे समझाने का बहुत प्रयास किया । (५१-५२/२५)

वीरमदे ने अपने जासूस भेजे । उन्होंने सूचना दी कि सहसा रीयां में रहता है । एक घड़ी रात निकलने पर वीरम रीयां पर चुपके से चढ़ा । सहसा के जासूसों ने उसे भी खबर दी । उसने कूपा भी के पास सदेश भिजवाया कि हमारी सहायता करो तो यह समय है । सहसा ५०० आदमियों के साथ केसरिया करके गांव के बाहर आकर बैठा और वीरम का इन्तजार करने लगा । अब भी रात कुछ शेष थी । उधर से कूपा भी अपने साथियों सहित आ रहा था । ठेट सहसा के पास पहुँचने के पहले ही गांव के समीप कूपा के साथियों और वीरम में मुठभेड़ हो गई । बड़ा जवरदस्त युद्ध हुआ । वीरमदे और राठौड़ भदा ने बड़ा पराक्रम दिखया । भदा कूपा ने फिर भी लिहाज किया । जालोर के एक विहारी सरदार ने वीरमदे को बड़ी कठिनाई से युद्ध-भूमि में से निकाला । वीरमदे अपने घायलो को लेकर लौट गया । मालदे का मेड़ते पर अधिकार इस घटना से जम गया । (५२-५४/२६)

एक वर्ष के बाद मालदे ने वीरमदे से अजमेर भी छीन लिया । वह वहाँ से कुछ समय के लिये कछवाहों के यहाँ नरायणो जा रहा । मालदे ने डीडवाना और सांभर पर भी अपना अधिकार कर लिया । वीरमदे चाटसू गया । राव की फौज ने उसका पीछा किया तब वह लालसोट गया । वहाँ भी उसे टिकने नहीं दिया तब बावली जाकर डेरे किये । (५४/२७)

फिर वीरमदे ने अपने प्रधान राठौड़ अखैराज तथा मु० खीवा को रणथंभोर के सूवेदार के पास भेजा । वह कोई नवाब था जो प्रायः भीतर ही रहता था इसलिये उससे मुलाकात होना बड़ा कठिन काम था । तब उन्होंने युक्ति से काम किया और नवाब के लड़के की सगाई करने के बहाने से वहाँ के

अधिकारियों को राजी किया। खीवा ने यह सब कार्यवाही की। नवाब बड़ा प्रसन्न हुआ। वीरमदे को मिलने का अवसर दिया गया। वह ४०० सवारों सहित आकर मिला। वीरमदे ने सारी परिस्थिति उसके सामने स्पष्ट की। तब उसने बादशाह को सारी स्थिति लिख कर अवगत कराया। बादशाह ने वीरम को दिल्ली भेजने को लिखा। वीरम ने वहां पहुँच कर दोबान आदि अधिकारियों को अपनी चतुराई से प्रसन्न किया। बादशाह भी खुश हुआ। वह मालदे से अप्रसन्न था ही। उधर बोकानेर से भीव जैतसियोत मु० नगा भी अपनी फरियाद मालदे के विरुद्ध लेकर आये थे। बादशाह ने चढाई की तैयारी कर आगरे में डेरा किया। (५४-५६/२८-३०)

यह सूचना मालदे को भी मिली तब उसने भी युद्ध की तैयारी की। वह ८०,००० सवारों से चढ़कर मेड़ते पहुँचा। बादशाह मौजाबाद के पास आया। मालदे अजमेर पहुँचा। वीरमदे और मालदे के बीच सदेशवाहक फिरने लगे, पर बात बनो नहीं। जैता कूपा के पास भी आदमी आये, जिससे मालदे को संदेह हो गया। मालदे ने अपना डेरा पीछे हटाया। फिर एक डेरा और पीछे हटाने को कहा, तब जैता कूपा ने ऐसा करना अनुचित समझ, राव की आज्ञा नहीं मानी। मालदे के दिल में संशय पैदा हो गया। वह थोड़ी रात गये जैता कूपा से बिना सलाह किये वहाँ से रवाना हो गया। जैता कूपा, खीवा, जैतसी, सो० अखैरात्र रिणधीरोत आदि सरदार २०,००० आदमियों सहित वहीं रुके, बाकी के लोग राव के साथ चले गये। सुबह समेल की नदी के उस ओर युद्ध हुआ। राव के ५००० से ऊपर आदमी काम आये। (५६-५७/३१)

रा० वीरमदे बादशाह को लेकर जोधपुर आया। यहाँ रा० अचलो सिंहराजोत, रा० तिलोकसी सिंहराजोत, भा० संकर सूरारवत आदि गढ़ के रक्षार्थ काम आये। कुछ दिन बादशाह यहाँ रहा, फिर यहाँ का प्रबन्ध संयद हासिम कासिम को सौंपकर प्रस्थान किया। मेड़ता वीरमदे को मिला। बोकानेर कल्याणमल को प्राप्त हो गया। (५७-५८/३२-३४)

राठौड़ वीरमदे का जन्म संवत् १५३४ में हुआ और मृत्यु १६०० के पोष माह में हुई। उसके पीछे उसके पुत्र जैमल को मेड़तियों ने टीका दिया और बादशाह की ओर से मेड़ता उसे जागीर में मिला। १० वर्ष तक उसने शान्ति से राज्य किया। (५८/३५-३६)

संवत् १६०३ में शेरशाह की मृत्यु होने पर मालदे ३ वर्ष का समय पीपलण के पहाड़ों में काटकर जोधपुर के खाली गढ़ में आ रहा, क्योंकि बादशाह के अधिकारी यहाँ से चले गये थे। फिर संवत् १६१० में मालदे ने जैमल पर चढ़ाई की। जयमल इस युद्ध में विजयी हुआ। मालदे के प्रथीराज जैतावत, धनो भारमलोत आदि वीर काम आये। जैमल के रा० अखैराज भदावत आदि काम आये। (५८-५९/३७-३९)

संवत् १६१३ में हाजीखाँ और राणा उदैसिंघ के बीच जो युद्ध हुआ उसमें मालदे ने हाजीखाँ की सहायतार्थ १५०० आदमी देकर राठौड़ देवीदास जैतावत को भेजा था। राणा उदैसिंघ की तरफ जैमल सहित अनेक हिन्दू राजा थे। यह युद्ध अजमेर से कोस १२ हरमाड़े नामक स्थान पर हुआ। यहाँ रा० देवीदास जैतावत के हाथ से वालीसा सूजा मारा गया। हाजीखाँ की विजय हुई। विपरीत परिस्थितियाँ देख कर जैमल मेड़ता खाली कर राणा के देश चला गया। मालदे ने मेड़ते पर अधिकार कर लिया और मकान ध्वस्त करवाये। (५९-६०/४०-४१)

राव ने आधा मेड़ता संवत् १६१६ में जगमाल वीरमदेओत को ७१ गाँवों से दिया। फलोदो महामाया के मंदिर में कँवर चंद्रसेन और जगमाल के बीच मुख्य सरदारों की उपस्थिति में कुछ शर्तों को दोनों ओर से निभाने की शपथ ली गई। शहर के अनेक मकान ध्वस्त किये गये और उसका नाम बदल कर नयानगर रखा गया। (६१-६३/४२-४४)

संवत् १६१८ में जैमल बादशाह के पास गया। बादशाह ने मेड़ते पर जैमल का अधिकार करवा देने के लिये ७००० घोड़ों से सरफदी को भेजा। राव को ओर से देवीदास जैतावत मेड़ते के मालकोट में थानेदार की हैसियत से रहता था। मालदे को चढ़ाई की सूचना मिलने पर चंद्रसेन और पृथ्वीराज कूपावत आदि को २००० सवारों सहित यह आदेश देकर भेजा कि युद्ध करने का ठोक अवसर देखें तो युद्ध करें, वरना देवीदास को लेकर लौट आवें। इन लोगों ने जाकर मालकोट के पास डेरे किये। रा० साँवलदास ने एक हमला किया, जिसमें १०० मुगल मारे गये। (६३-६४/४५)

मालकोट के मुगलों का घेरा लग जाने पर निरंतर हमले पर हमले होने लगे। मालदे का यह संदेश बार-बार आने लगा कि मुगलों की फौज अधिक है अतः

देवीदास किला खाली करके निकल जाय, व्यर्थ में क्यों वीरता का प्रदर्शन करता है। किले की एक बुर्ज सुरंग से उड़ गई तब देवीदास मुगलों से बातचीत कर किले से निकलने लगा। कुछ ही दूर निकला होगा कि जैमल ने सरफदीन को कहा कि देवीदास प्राणों की भिक्षा माँगकर किले से निकले ऐसा सरदार नहीं है। वह निकला इसीलिये है कि मालदे को लेकर रातों-रात अपने ऊपर आएगा। अतः इसे मार डालना ही उचित है। बात ही बात में उन्होंने देवीदास का पीछा किया। सातलवस के पास युद्ध हुआ, उसमें देवीदास सहित ३३ योद्धा मारे गये। (६४-६६/४६-४७)

इस युद्ध के बाद मालदे ने कोई चढ़ाई मेड़ता पर नहीं की। जैमल को मेड़ता बादशाह को ओर से मिला। मालदेव की मृत्यु के उपरान्त चंद्रसेन गद्दी पर बैठा परन्तु आन्तरिक विग्रह के कारण उसने मेड़ता का नाम नहीं लिया। जयमल की ओर से बादशाह के वहाँ वीठलदास जैमलोत चाकरी करता था। सरफदीन उस पर बड़ी कृपा रखता था। सरफदीन पर किसी कारणवश बादशाह नाराज हो गया, अतः वह वहाँ से भागा तब वीठलदास को भी साथ लेकर मेड़ते की तरफ आया। सरफदीन डागोलाई ग्राम में रुका और वीठलदास ने आकर सारी हकीकत जैमल से कही तो जैमल बड़ा पसोपेश में पड़ा। सरफदीन की इच्छानुसार उसके आदमियों को नागौर से बुलवाने के लिये सादूल जैमलोत को नियुक्त किया। बादशाह के एक मनसबदार से उसकी मुठभेड़ हो गई उसमें वह ४० आदमियों सहित मारा गया। जयमल बड़ा निराश हुआ और अन्य कोई चारा न देखकर संवत् १६१६ में मेड़ता छोड़कर भेवाड़ गया। राणा ने उसे बदनोर की जागीर दी। जब संवत् १६२४ में बादशाह अकबर ने चित्तौड़ पर चढ़ाई की तो अपने ४०० आदमियों सहित जैमल वीरतापूर्वक लड़कर काम आया। (६६-६८/५१)

सरफदीन को क्यों भगना पड़ा, इसका किस्सा इस प्रकार है—बादशाह की माँ हज के लिये मक्का गई थी, तब सरफदीन साथ भेजा गया था। मक्का में यह कायदा है कि सुहागिन स्त्री अपने पति के साथ उसका दामन (छेहड़ा) बांध कर ही पीरों के दर्शन कर सकती है। बेगम ने सरफदीन को छेहड़ा बांधने के लिये कहा। उसने बहुत आनाकानी की, परन्तु बेगम मानी नहीं, तब छेहड़ा बांध कर दर्शन किये। इस बात को लेकर कुछ चुगलखोरों ने बादशाह को

उल्टा सीधा सिखाया जिससे बादशाह नाराज हो गया और उसे मरवाने का हुक्म दिया तब वह भागकर जैमल के पास आया । (६८/५२)

जैमल स्वयं सरफदीन को पहुँचाने सीरोही तक गया और अपने आदमियों को सपरिवार मेवाड़ की ओर रवाना किया । फिर जैमल बदनोर आया । राणा ने आकर उसे आश्वस्त किया और बदनोर, करहेड़ा तथा कोठारया ग्राम जागीर में दिया । (६९/५३)

चित्तौड़ का साका होने के ४-५ वर्ष बाद जैमल के लड़के रा० सुरताण केसवदास बादशाह के दरबार में पहुँचे । बादशाह ने मेड़ता तो उन्हें उस समय नहीं दिया परन्तु रणथम्भोर के पास मलारणा का परगना दिया । (६९/५४)

एक बात यह भी सुनी कि संवत् १६३७ के लगभग बादशाह की ओर से सुरताण को सोजत जागीर में दी हुई थी । १६३७ में जब वह दरबार में गया तो उसे मेड़ता भी दे दिया गया । गांवों के बंटवारे को लेकर रा० नरहरदास ईसरोत से अनबन हो गई तब नरहरदास ने केसवदास जैमलोत का पक्ष लिया । वह उसे दरबार में ले गया और बादशाह को खुश कर आधा मेड़ता अपने नाम करवाया । (६९-७०/५५)

फिर ऐसी घटना हुई कि बादशाह की धाय एक बार मेड़ते आई । सीरोही का राव सुरताण वहाँ तक पहुँचाने आया । धाय ने राठीड़ सुरताण व केशवदास से कहा कि मुझे आमेर तक पहुँचाने का प्रबन्ध करो । उन्होंने उसकी परवाह नहीं की और अपमानजनक शब्द कहे । उसने आमेर जाकर बादशाह से मेड़तियों के दुर्व्यवहार की शिकायत की जिस पर उसने मेड़ता इनसे तागीर कर लिया । रहने के लिये सुरताण को सरवाड़ और केसवदास को नागेलाल दिया । (७०/५६)

संवत् १६४० में जय नवाब खानखाना गुजरात का सूबेदार था तब सुरताण जैमलोत उसके अधीनस्थ था । वहाँ जगा जाड़ेचा अहमदाबाद में बहुत लूट-पाट करता था । उसे मारने के सभी प्रयास विफल होते थे । अंत में सुरताण के राजपूतों ने उसे मारा । नवाब खानखाना इस कार्य में बड़ा प्रसन्न हुआ और बादशाह को सिफारिश कर मेड़ता उसे दिलवाया । संवत् १६४२ की फागुन सुदि ३ को ये मेड़ता आ रहे । संवत् १६४६ में सुरताण की मृत्यु हो गई । मेड़ता बलभद्र को मिला । (७१-७२/५७-५९)

संवत् १६५३ में बलभद्र सुरताणोत की मृत्यु हो जाने पर उसके हिस्से का मेड़ता राठीड़ गोपालदास सुरताणोत को मिला। केसवदास का हिस्सा केसवदास के पास रहा। संवत् १६५६ में दाक्षणा में बीड़शहर है, वहाँ शाही सेना की ओर से चांदबीबी के विरुद्ध लड़ते हुए गोपालदास, केसवदास और द्वारकादास जैमलोत दोनों ही काम आये। गोपालदास का हिस्सा उसके पुत्र जगन्नाथ को और केसवदास का हिस्सा कान्हदास को मिला। (७२/६०)

बाद में जब जगन्नाथ गोपालदासोत और कछवाहा राजा रामदास के बीच वैमनस्य हुआ तब संवत् १६५८ में जगन्नाथ का हिस्सा राजा सूरजसिंह को दे दिया गया। उन दिनों कान्हदास केसवदासोत के आदमी शहर की कोटड़ी में रहा करते थे, तथा राजाजी का कामदार मालकोट में रहता था। संवत् १६६१ में कान्हदास का स्वर्गवास हुआ तब मेड़तिया सरदार मुगल दरबार में गये परन्तु बादशाह ने इन्दरभाण को उत्तराधिकार देना स्वीकार नहीं किया और कान्हदास का भी हिस्सा सूरजसिंह को दे दिया। वह जीवन पर्यन्त उनके अधिकार में रहा। (७३/६१-६२)

संवत् १६७६ में जब सूरजसिंह का स्वर्गवास हुआ तो मेड़ता तागीर होकर शाहजादे खुर्रम को हुआ। अबू अमीन होकर आया। संवत् १६७९ में शाहजादे ने परगने के गांव अपने उमराव चाकरों को बांट दिये सो दो वर्ष तक इसी तरह रहे। २०४ गावों से कस्बा भीम अमरावत सीसोदिया को था। (७३/६३-६४)

संवत् १६७६ में राजाजी के जागीरदारों ने माल घासमारी वसूली की थी। इस सम्बन्ध में रा० गजसिंह खीवावत अबू के पास आकर २० दिन मेड़ते रहा तथा रुपये ५०,०००) दिये। (७४/६५)

संवत् १६७९ में शाहजादा खुर्रम जहांगीर के विरुद्ध हो गया तब महाराजा गजसिंह बादशाह से चाटसू के पास आकर मिले। राजाजी के मनसब मे हजार जात की वृद्धि की गई। अजमेर सूबे के खालसे के सभी परगने परवेज की जागीर में हुए, उनमें मेड़ता भी शामिल था। मेड़ता परवेज ने सैयद को जागीर में दिया। फिर राजसिंह खीवावत ने प्रयत्न करके शाहजादे की ओर से ही मेड़ता राजाजी को दिलवाया। संवत् १६८० भादवा वदि ८ को उनकी ओर से कान्ह खीवावत तथा भंडारी लूणा ने मेड़ते में अमल दस्तूर किया। रु० २,००,०००) में मेड़ता राजाजी को दिया गया था। (७४-७५/६६-६७)

संवत् १६८२ में दक्षिण में महाबतखान परवेज की सहायतार्थ नियुक्त था । खुरासानियों के वहकावे में आकर बादशाह ने उसे दरबार में आने के लिये फिदाईखान के मारफत फरमान भेजा । उस समय फिदाईखान के साथ राजसिंह खीवावत दरबार में उपस्थित हुआ और मेड़ता शाही मनसब में पचास हजार रुपये खोजा के कहने से बढ़ाकर ढाई लाख रुपये में राजाजी को प्रदान किया गया । (७६/६८)

संवत् १६८६ में जब आसपखान के साथ राजा गजसिंह दक्षिण में नियुक्त थे तब उक्त खान से राजाजी की अन्वन हो गई । उसने दरबार में आने पर राजाजी के विरुद्ध बादशाह को शिकायत की तब पचास हजार रुपये की मेड़ते की रेख में वृद्धि करदी गई । (७६-७७/६९)

संवत् १६९४ में जब राजा गजसिंह का देहान्त हुआ तो जसवंतसिंह गद्दी पर बैठा । उस समय उन्हें मेड़ता पचास हजार रुपये और बढ़ाकर माढे तीन लाख रुपये में प्रदान किया गया । (७७/७०)

परगने मेड़ते की पैमाइश संवत् १६३० में किरौड़ी मूले ने की थी । उसके अनुसार जमीन की स्थिति इस प्रकार है—

कुल घरती बीघा—२६,१२.६५६

पहाड़, जंगल, नदी आदि—२,१५,४३०

बाकी उपयोगी भूमि—२३,६६,४२५
(७७/७१)

पटी वार प्रत्येक तफा की घरती की विगत उपरोक्त हिसाब से । (७८/७२)

परगने मेड़ते की सालाना कुल आमदनी की सूची संवत् १७०१ से लेकर संवत् १७२० तक । (७८-७९/७३)

मेड़ते परगने की तफावार आमदनी की सूची संवत् १७०१ से १७२१ तक ।
(७९-८२/७४)

परगने मेड़ते की खालसा की आमदनी की विगत संवत् १६९२ से संवत् १७१७ तक । (८२-८३/७५)

परगने की आवादी संवत् १७२० में नैणसी द्वारा कूती गई—२५१२
महाजन घर, ३६६ ब्राह्मण, ५३ कायस्थ, १ खत्री टोडरमल (तोडरमल), १६०

राजपूत, २६२ सिपाही (मुसलमान), ८ गेरूतबाब ईसर के लड़के, २१२४ अन्य निम्न जातियों के घर, ११ फकोर घरबारी लोग । (८३-८६/७६-७७)

परगने में कानूगोओं के हिस्से में बंटो हुई पट्टियों की विगत—

१॥ पट्टी पंचोली रूपचंद सूरजमल भीवाणो के ।

१॥ पट्टी पंचोली हरवंस माणक भंडारी के ।

४ पट्टी छतरसिंह जादवदास जोगीदास अणंदोसा के पुत्रों के ।

१ पट्टी कानूगा करमचंद गगाराम के ।

१ पट्टी कानूगा गूजरमल के लड़के पोतों के ।

इस प्रकार कुल ६ पट्टी । (८६-८८/७८)

परगने मेड़ते में लिया जाने वाला जमीन का लगान व अन्य करों की विस्तृत विगत महाराजा गजसिंह के समय से लेकर जसवंतसिंह के समय की (सं० १७१६) । (८८-९८/७९-८५)

परगने मेड़ते के गांवों की सीमा पास के परगनों के जिन-जिन गांवों से लगती है उसकी तालिका । (९८-१०६/८६-८८)

परगने में ब्राह्मणों, चारणों, देवस्थानों, भाटों तथा पीरजादा को दिये गये ग्रामों की विगत— राव बरसिंह जोधावत से लेकर जसवंतसिंहजी तक ।

गांव	ब०	आसामी
१५॥	७७००)	ब्राह्मणों को
२	१३००)	देवस्थान
१	५००)	पीरजादा को
२७	१५०००)	चारणों को
१	२००)	भाट को
४६॥	२४७००)	(१०७-११५/८९-९०)

श्री फलोदी माताजी के मंदिर की हकीकत—यह मंदिर प्राचीन काल में राजा मानघाता का बनवाया हुआ माना जाता है । मालवदेश में जब शेरखान बादशाह का राज्य था तब उसके हुक्म से हिन्दू मंदिर गिराये गये तब इसका भी कुछ भाग खंडित किया गया । इसका जीर्णोद्धार राव जोधा के समय में हेमराज सुराणा ने करवाया । इसके पूर्वज बड़े प्रसिद्ध दानी थे । सं० १५५५ में इसकी प्रतिष्ठा का दस्तूर किया गया । (११५-११६/९१)

परगने के प्रत्येक गांव की विस्तृत विगत, तफा वार—

तफा	गांव	आबाद	सूने	दान दिये हुए
हवेली	१२	१०	०	२ (११६-१२०/६२)
आणंदपुर	३६	३३	३	३ (१२०-१२६/६३-६४)
मोकाला	४५	३४॥	२	८॥ (१३०-१४१/६५-६६)
कलरा	४४	३२	८	४ (१४१-१५३/६७-६८)
राहण	५६	३८	७	११ (१५३-१६६/१००-१०३)
मोडरो	४१	३७	०	४ (१६६-१७६/१०४-१०३)
अलतवा	३८	३०	४	४ (१७६-१८६/१०४-१०७)
देवाणा	५१	४०	६	५ (१८६-१९८/१०७-१०८)
रेयां	५८	४४	१०	४ (१९८-२१३/१०८-११०)

परगना सिवाणा

यह जोधपुर से दक्षिण में है। जोधपुर से ३० कोस तथा जालोर से १५ कोस पड़ता है। घरणोवाराह ने अपने भाई भोज को जालोर दिया था। उसके लड़के पंवार वीरनारायण ने पहाड़ी पर सिवाने का गढ़ बनवाया, संवत् १०७७ में। इसके बीच में भांडेलाव नामक बड़ा तालाब है। किले में विशेष इमारतें बनी हुई नहीं हैं। (२१५/१)

पंवारों से यह गढ़ चहुवानों के अधिकार में गया। कान्हड़दे ने यह स्थान अपने भतीज सातलसाम को दिया था। बादशाह अलाउद्दीन इस पर

धड़कर आया तो उसने छोटा-सी पहाड़ी पर यह किला देखा और इसका जीतना सहज जानकर इसका नाम सोवाणा रखा। पहले नाम कुभटा था। गढ़ के रक्षार्थ सातलसोम के साथ राव तोडा यहां काम आया था। (२१५-२१६/२)

फिर माला सलखावत ने मुगलों से छोनकर यह गढ़ रा० जंतमाल सलखावत को दिया सो ६ पीढी तक जंतमालों के सिवाना रहा। (२१६/३)

तत्पश्चात् राज जोधा ने देवीदास से छन करके गढ़ पर अधिकार किया। अपने पुत्र सिवराज जोधावत को इसका प्रबन्ध सौंपा। देवीदास भटकता हुआ सांचोर आकर रहा और घुघरोट के भायलों को सहायता लेकर किले पर पुनः अधिकार कर लिया। सिवराज दूनाड़े चला गया। (२१७-२१८/४-५)

कुछ दिनों बाद राणा देवीदास की मृत्यु हो गई तब गद्दी पर राणा जोगा बैठा। जोगा के बाद करमसी अधिकारी हुआ और उसके बाद डूंगरसी गद्दी पर बैठा। इस पर जोधपुर का शासक राव मालदे चढ़ आया। डूंगरसी ने गढ़ में रहकर कई महीने मुकाबला किया परन्तु अन्त में संवत् १५६५ आषाढ़ वदि ८ को गढ़ पर मालदे का अधिकार हो गया। मालदे के बाद कुछ समय के लिये रायमल मालदेओत को मिला। फिर चन्द्रसेन ने गढ़ अपने अधिकार में ले लिया। (२१८-२१९/६-७)

कुछ समय बाद बीकानेर के राजा रायसिंह व शाहबाजखाँ ने गढ़ को आ घेरा। राव भी वहीं था। मुकाबला हुआ। फिर संवत् १६३२ में गढ़ उन्हें सौंप दिया। कई दिनों तक मुगलों का अधिकार रहा फिर वे खाद्यान्न की कमी के कारण उसे खाली कर गये। संवत् १६३५ में डूंगरपुर से आकर चन्द्रसेन फिर यहां रहने लगा। सं० १६३७ में उसकी मृत्यु हुई। रायमल भी जल्दी ही मरा। (२१९/८)

कल्याणदास तथा प्रतापसिंह मुगल दरबार में उपस्थित हुए तब इन दोनों भाइयों को सिवाना दिया गया। मोटा राजा ने शाहजादे को अपनी लड़की ब्याही तब वहां कल्याणदास से झगड़ा हो गया जिसके फलस्वरूप बादशाह नाराज हो गया और उसने चढाई का हुक्म दिया। कला ने वीरता से मुकाबला किया और अनेक योद्धाओं सहित काम आया। गढ़ पर सं० १६४६ में कब्जा हो गया। (२१९-२११/८-१०)

सीवाने परगने व उसके गावों की रेख की सूची । (२२१-२२३/११-१२)

करवे सीवाने की आबादी संवत् १७२१ के वर्ष में—राजपूतों के घर ६५, महाजनों के ८१, ब्राह्मणों के २५, मुसलमानों के ४० तथा अन्य निम्न जातियों के ४२, कुल बस्ती घर २८३ । (२२३-२२४/१३)

गांवों की सूचियें बसने वाली जातियों की प्रमुखता के अनुसार । सूने गांव तथा सांसण के गांवों की विगत । (२२४-२३२/१४-१८)

परगने के गांवों की विस्तृत विगत उपरोक्त वर्गीकरण के अनुसार ।

(२३२-२६६/१९-२१)

परगने के सांसण (दान में दिये हुए) के गांवों की विस्तृत विगत ।

(२६६-२७७/२३-२४)

परगने के गांवों से पास के परगने की सीमाएँ लगती हैं उनकी तालिका ।

(२७८-२८०/२५)

परगने के खालसा के लगान को आमदनी की विगत संवत् १६६२ से १७१७ तक । (२८०/२६)

खालसा जागीर सांसण आदि कुल मिलाकर परगने की आमदनी ।

(२८१/२७)

सूकड़ी नदी के बहाव का हाल, जिन-जिन गांवों में होकर बहती है उनके नाम । (२८१/२८)

परगने के गांवों का वर्गीकरण—जहाँ सिंचाई होती है, जहाँ पानी भरने से गेहूँ आदि होते हैं, जहाँ केवल सावण एक ही फसल होती है, गांव जो सूने हैं ।

(२८२-२८५/२९)

सांसण के गांवों की सूची, दान देने वाले शासकों के क्रम से ।

(२८६-२८८/३०)

परगना पोकरण

प्रारम्भ में यह शहर पुष्करणा ब्राह्मणों के पूर्वज पुष्कर ऋषि के द्वारा बसाया गया था । पुष्कर ऋषि जब यहां आकर बसा तो प्राणी की बड़ी कमी

थी, उसने वेरुण की आराधना को जिससे शहर के आस-पास पानी की अधिकता हुई। (२८६-२९०/१-२)

प्राचीन काल में यहां पर रवा पंवार राज्य करता था, श्री लक्ष्मी-नारायणजी का मंदिर उसी का करवाया हुआ है। उसके लड़का नहीं था। उसकी मृत्यु के पश्चात् नानग छावड़ा गद्दी पर बैठा जो बड़ा प्रसिद्ध वीर हुआ। उसका लड़का महि धवल हुआ। उसके समय में भैरवा राक्षस का बड़ा उत्पात था, उसके श्राप से पंवारों का राज्य समाप्त हुआ। (२९०-२९१/३-४)

इसके पश्चात् कई वर्षों तक यह घरती सूनी रही। महेवा में जब राव माला राज्य कर रहा था तब रामदेव पीर के पिता अजैसी ने उससे स्वीकृति लेकर पोंकरण को बसाया। भैरवा राक्षस को पराजित कर रामदे ने वहां से उसे सिंध की ओर चले जाने का आदेश दिया। राठौड़ जगमाल मालावत के पुत्र हमीर के साथ रामदे की पुत्री का विवाह हुआ तब पोंकरण उसे देकर रामदे रामदेवरे आ रहा। हमीर के बाद उनका राज्य तीन पीढ़ी तक यहां रहा। (२९१-२९२/५)

वरजांग का पुत्र राव खींवा निर्बल शासक था। उस समय तक पोंकरण के किले की पोल के दरवाजे तक नहीं थे। नरा सूजावत उन दिनों फलोदी रहता था, उसने अवसर देखकर पोंकरण पर अधिकार कर लिया। खींवा ने आकर उसके बहुत से जानवर घेर लिये। नरा ने पीछा किया और मुठभेड़ होने पर मारा गया। इस पर सूजा स्वयं फौज लेकर आया और दूर-दूर तक माला के गांव लूटे तथा पोंकरण का टीका नरा के पुत्र गोयन्द को दिया। नरा ने पोंकरण के पास पहाड़ी पर सातलमेर बसाया था। गोयन्द १५६० में गद्दी पर बैठा। कुछ वर्षों बाद पोंकरणों ने रामदेवरे के पास से अनेक गाये घेर ली तब गोयन्द ने उनका पीछा किया। कोढ़णे के पास १४० पोंकरणों को मारा और लूंका को पकड़ लिया। फिर लूंका से भेल करके पुराना बैर भुलाकर पोंकरण के दो हिस्से कर दिये। सातलमेर अपने पास रखा और पोंकरण लूंका को दी। सातलमेर में उस समय ५०० घरों की बस्ती थी। (२९२-२९३/६-७)

गोयन्द की मृत्यु (सं० १५८२) के पश्चात् उसका पुत्र जैतमाल गद्दी पर बैठा। यह योग्य शासक नहीं था। जैसलमेर के रावल मालदे की पुत्री से उसका विवाह हुआ था। इसके प्रधान ने कुछ बनियों को बहुत

सताया, उन्होंने जोधपुर के मालदे से फरियाद की जिसके फलस्वरूप मालदे फौज लेकर चढ़ आया। केवल ५ दिन जैतमाल मुकाबले में टिक सका और गढ़ मालदे को सौंप कर जैसलमेर चला गया। (२६३-२६४/८)

मालदे ने सवत् १६०७ में सातलमेर को ध्वस्त करवाया और पोकरण में पुराने गढ़ के स्थान पर नया गढ़ करवाया। पोकरण मालदे के अधिकार में जीवन पर्यन्त रही। उसके बाद चन्द्रसेन जब जोधपुर छोड़ कर पीपलण के पहाड़ों में चला गया तब पोकरण के किले में चहुवान रामा भांभणोत आदि सरदार रहते थे। उन दिनों राठौड़ मानसिंह कछवाहों की सहायता से गढ़ पर चढ़ आया। चन्द्रसेन भी सूचना मिलते ही पहुँचा और मानसिंह को भगा दिया। (२६५/११)

बादशाह ने भाटी भाखरसी हरराजोत को पोकरण प्रदान की। उस समय चन्द्रसेन मेवाड़ में था। भाखरसी ने आकर गढ़ के घेरा दिया। २ महीने तक बहुत प्रयत्न करने पर भी भाखरसी को सफलता न मिली और वह चला गया तब हरराज ने भीव को २००० योद्धाओं सहित भेजा। गढ़ के लोगो ने मुकाबला किया। इसी बीच लोगो ने बातचीत करवा कर एक लाख रुपियों में पोकरण इन्हें अडाणी (रहन) दिलवादी। तत्पश्चात् चन्द्रसेन अन्य सघर्षों में व्यस्त रहने के कारण पोकरण की खबर न ले सका। (२६६-२६७/१२)

संवत् १६३८ में मोटा राजा को जब बादशाह अकबर ने जोधपुर दिया तब सातलमेर भी मनसब में लिखा गया। परन्तु वहाँ उसका अमल (राज्याधिकार) न हुआ। (२६७/१३)

सूरजसिंह जब गद्दी पर बैठा तो मनसब में सातलमेर एक लाख दाम में लिखी गई। राजा ने कुवर गजसिंह को सेना देकर पोकरण पर अधिकार करने को भेजा पर बादशाह ने मना कर दिया, अतः अधिकार न हो सका। (२६७-२६८/१४)

महाराजा जसवंतसिंह को ६ लाख दाम में मनसब में पोकरण दी गई। जैसलमेर का मनोहरदास पोकरण का स्वामी था। उसका देहान्त हो गया तब बादशाह की स्वीकृति लेकर फौज की तीन टुकड़ियाँ तीन अधिकारियों - गोपालदास, वीठलदास और नाहरखान के सेनापतित्व में गढ़ प्राप्त करने को

भेजी । मु. नैरासी भी माथ था । भाटियों के ३५० योद्धा उस समय किले में थे । कई दिनों तक युद्ध होता रहा, अनेक भाटी काम आये । अन्त में कातो वदि ५ को महाराजा का किले पर अधिकार हो गया । मुहणोत नरासी को वहां के थाने पर सुरक्षा के लिये अनेक योद्धा देकर रखा । (२६८-३०८/१५-१७)

पोकरण १५०००) की आमदनी का परगना है । इसमें रुपये ५०००) की आमदनी संवत् १७१६ में राहगीर व्यापारियों से वसूल किये गये कर से हुई था ।
(३०८/१८)

पोकरण समतल व ठोस भूमि पर बसा हुआ है । मालदे ने जो गढ़ करवाया वह १५ गज ऊँचा है । इसे जगह-जगह रावळ भोव व कल्याणमल ने भी ऊँचा करवाया था । कोट में कुल २१ बुर्जे हैं । पहले एक ही पोल था । महाराजा ने परकोटे की एक पोल और करवाई जिसे जसपोल कहा जाता है । कोट २०० गज चौड़ा और २०० गज ही लम्बा है । इसमें एक कुआ था, एक बावली है । १०० घर भाटियों के अन्दर बसते थे । मन्दिर एक जैन, एक देवी का तथा एक चावंडा की मूर्ति है । कोट के चारों ओर ४ गज गहरी और पांच गज चौड़ी खाई है । (३०८-३०९/१९)

पोकरण शहर की आबादी का अनुमान इस प्रकार है—३१० महाजनों के घर, ५० करसों के घर, ५० ब्राह्मणों के, ३० भोजग डोहकिया, तथा दूसरे अन्य जातियों के । इस प्रकार कुल घर ५५७ हैं । (३१०-३११/२०)

शहर में मन्दिर व जलाशय आदि इस प्रकार हैं—चत्रभुजजी का मन्दिर, सूरजजी का मन्दिर, देवीजी का मन्दिर (शहर से आधा कोस दक्षिण में), महादेवजी का मन्दिर, बालनाथजी का स्थान । जलाशय—डूंगरसर (शहर से १ कोस उत्तर में), नरासर (शहर से १½ कोस ईशान में), मेहरलाई (पूर्व में आधा कोस दूर), रूखी री तलाई, सुदाताघी तलाई, संघरलाई, मोखासर (इस पर नरा की छतरी बनी हुई है), रामदेसर, घरणीसर (पोकरण से डेढ़ कोस), लीगासर (पूर्व में ३ कोस दूर) । बावलिये—कुंभार वाय, मोहण वाय, नीबली, सरग वाय, मेहा वाय, बीस वाय, मदागण, भाखर वाय, कोहरियो, खांडी वाय, वछेसर, बाली बावड़ी, थड़ी वाव, सता वाय, देहाऊग वाय, खांखो री वाय, मोखासर आदि । ५ बावड़ियें दान दी हुई हैं । (३११-३१५/२१-२४)

नदी एक, पोकरण से दक्षिण की ओर (जो कुम्भारों का बाहळा कहाता है) कोट के नीचे से बहतो है। इससे अनेक खेत भरते हैं। एक बड़ा जोड (चरागाह) है। इसमें खूब घास होती है। पीर रामदे का स्थान गढ में है क्योंकि पहले यहाँ रामदे की कोटड़ी थी। तीर्थ एक तृवाय कुंड है।
(३१५-१६/२५)

पोकरण की जमीन का व्यौरा—सावणू खेती से सभी अनाज अच्छे पैदा होते हैं। ५ गांवों में सेंवज से २००० मन के करीब गेहूँ होते हैं। ५०० मन गेहूँ बावलियों पर होते हैं। (३१६/२६)

५ गांवों में नमक पैदा होता है—पोकरण, दांतसुई, लोहमे, धुहड़सर, आवरोसे। (३१६/२७)

परगने के गांवों की सूचियें जातियों की बस्ती के अनुसार।
(३१६-३१६/२८)

पोकरण से अन्य शहरों की दूरी—जोधपुर ४० कोस, जैसलमेर ३५ कोस, फलोदी १६ कोस, नागौर ६० कोस, बीकानेर ५५ कोस, महेवो ३५ कोस आदि। (३२०/२९)

परगने के गांवों से अन्य परगनों के गांवों की सीमा लगती है उसकी तालिका। (३२०-३२२/३०)

परगने की आमदनी, जमीन के लगान व मेले तथा सांसण के गांवों की, संवत् १७११ से संवत् १७१६ तक। (३२२/३१)

महाराजा जसवन्तसिंह का अधिकार होने के पश्चात् पोकरण परगने की आय संवत् १७०७ से संवत् १७१५ तक। तथा १७०७ से १७१५ तक नियुक्त हुए हाकिमों के नाम। (३२२-३२३/३२-३३)

श्री रामदेवजी के दो मेले वर्ष भर में लगते हैं—१. भादों में, २. माघ में। इनसे होने वाली आमदनी की सूची संवत् १७०७ से संवत् १७२०। पोकरणा राजपूतों की जसवन्तसिंह के समय में स्थिति पर टिप्पणी।
(३२३-३२४/३५-३६)

परगने की आमदनी के साधन तथा विभिन्न करों की विगत।
(३२५-३२७/३७-३८)

परगने के गांवों की विस्तृत विगत । (३२७-३४८/३६-४१)

सांसण दिये हुए गांवों की विगत, ब्राह्मणों व चारणों को ।

(३४८-३५५/४२-४३)

पोकरण का परगना शाही दफतर में सातलभेर लिखा जाता है ।
१७२१ में मु० नैणसी व पं० नरसिंघदास ने ४० गांवों की रेख शुद्ध करके
लिखी । (३५६-३५७-४४)

टिप्पणियाँ : प्रथम भाग

[महत्वपूर्ण व्यक्तियों तथा स्थानों आदि पर टिप्पणियाँ]

परगना जोधपुर

मंडोवर (प्र० १/अनु० १)—यह जोधपुर से ५ मील उत्तर की ओर है। इसका अस्तित्व ईसा की ४ शताब्दी से माना जाता है। शिलालेखों में इसका नाम माण्डव्यपुर लिखा मिलता है। यहाँ का दुर्ग अब ध्वस्त हो गया है परन्तु प्राचीन कला के कुछ सुन्दर नमूने अब भी देखे जा सकते हैं। राव रिडमल और कुछ समय तक जोधा की राजधानी यहाँ रही। जोधपुर राजधानी हो जाने के पश्चात् भी महाराजा तख्तसिंह तक के शासकों का दाह-संस्कार इसी स्थान पर हुआ है। उन पर बड़े भव्य स्मारक बने हुए हैं। वर्तमान में यहाँ बड़ा आकर्षक उद्यान बना हुआ है।^१

नव कोटि (१/२)—यहाँ उल्लिखित नव कोटों के आधार पर ही मारवाड़ को 'नव कोटी' मारवाड़ कहा जाता था और इसका क्षेत्र बड़ा विस्तृत माना गया है।^२

नाहड़राव—इस शासक के सम्बन्ध में प्राचीन ख्यातियों में अनेक वृत्तान्त मिलते हैं। इसने मंडोवर का दुर्ग सुदृढ़ करवाया तथा पुष्कर का तालाब खुदवाया। मारवाड़ का नारलाई ग्राम तथा आसोप के पास नाहड़सर तालाब भी इसी के बनाये हुए कहे जाते हैं। यह बड़ा प्रतापी शासक था।

साखो फूलाणी (५/६)—यह यादवों की जाड़ेचा शाखा का शासक था, कच्छ भुज में इसका राज्य था। अपनी दानशीलता के कारण कर्ण के

१. विस्तृत जानकारी के लिये देखें 'जोधपुर राज्य का इतिहास' (प्रथम खण्ड) डॉ० ओझा, पृ० २४।

२. द्रष्टव्य—'नव कोटी की विगत'—मारवाड़ रा परगना की विगत भाग २, पृ० ५००।

समान आज भी याद किया जाता है। मारवाड़ की ख्यातों में भी यह वृत्तान्त मिलता है कि लाखा की मृत्यु सीहा के हाथ से हुई। रासमाला के प्रणेता फारवस ने भी यही संभावना प्रकट की है।^१ परन्तु ओभाजी के अनुसार दोनों शासकों के समय में कोई २०० वर्षों का अन्तर है, इसलिये सीहा के हाथ से लाखा की मृत्यु होना कपोल कल्पना ही है।

राव सीहा (६/१४)—जोधपुर की रीत किरियावर की वही^२ में लिखा है कि महेश्वर महादेव ने सीहा को मारवाड़ में उसके वंशजों का राज्य होने का वरदान दिया था। अतः बाद में आसथान ने यहाँ नीलकण्ठ महादेव का मन्दिर बनवाया जिसे सीहेश्वर महादेव भी कहते हैं।

रायपाल (१५/२२-२३)—रायपाल बड़ा दातार शासक हुआ। उसने रोहड़िया चारणों को अपना प्रोल पात्र बनाया। इस प्रसंग का एक प्राचीन गीत भी मिलता है—“वारै सौ समत वासठे दीधा नेग तदी कमधां पत रायपाल रोभे महाराव”। नैणसी ने यहाँ यह मत व्यक्त किया है कि मगा बुध को रायपाल ने रोहड़िया चारण बनाया तब से यह शाखा चली। परन्तु यह बात विचारणीय है क्योंकि रायपाल से पहले ऊनड़ जाम हो गया जिसने रोहड़िया शाखा के सांवलसुद कवि को कोड़ समाई देकर सम्मानित किया था। सांवल बारहठों की १२ शाखाओं में से १ शाखा का प्रवर्त्तक भी माना जाता है।^३

पूजनीक (वृक्ष) (२०/३१)—यहाँ पूजनीक शब्द से तात्पर्य जोधो के पूजनीक वृक्ष फरास से है। मारवाड़ की ख्यात में लिखा है कि वीरम ने उक्त वृक्ष को कटवाकर उस पर ढोल मंडवाया और उसे बजाया तब जोयों ने इस अपमान को सहन नहीं किया जिसके फलस्वरूप युद्ध हुआ जिसमें वीरम मारा गया। इसका वर्णन बादर ढाढ़ी ने अपने प्रसिद्ध ग्रन्थ वीरमायण^४

१ रासमाला (प्रथम भाग) अनु० गोपालनारायण बहुरा, पृ० १२५।

२. राजस्थानी शोध संस्थान चौपासनी का संग्रह।

३. मुहणोत नैणसी की ख्यात (भाग २) रा० प्रा० वि० प्र०, पृ० २३६ तथा मुरारीदान की ख्यात रा० प्रा० वि० प्र०, पृ० २६।

४. वीरमायण—संपादिका रानी लक्ष्मीकुमारी चूंडावत, रा० प्रा० वि० प्र० जोधपुर।

में बड़े रोवक ढंग से किया है। वीरम का बैर गोगादे ने दला को मार कर लिया।

आल्हा चारण (२१/३२)—इस कवि का यह दोहा चारण समाज में आज भी प्रचलित है—

चूँडा ना आवै चीत, काचर काळाऊ तणा।

भड़ अहियो भैभीत, मंडोवर रै माळिये ॥

सालोड़ी ग्राम (२२/३४-३५)—यह ग्राम जोधपुर से उत्तर पश्चिम में २० मील को दूरी पर है, उसके पास मालूंगा तथा वालरवा ग्रामों के बीच बाड़ी के पहाड़ों में होकर नदी बहती है। वहाँ चामुण्डा का प्राचीन मन्दिर और चूँडा-बावड़ी अब भी विद्यमान हैं।

गांगदेव री बेटी लीला (२५/३६)—गांगदेव की लड़की की शादी चूँडा से करके ईदों ने उसे मंडोवर सौपी, इसकी साक्षी का दोहा इस प्रकार है—

चूँडो चवरी चाड़, दियो मंडोवर दायजें।

ईदों री उपकार, कमधज कदे न विसरै ॥

चूँडो काम आयो (२६/४१)—नागौर में चूण्डा के काम आने के सम्बन्ध में कुछ विद्वानों में मतभेद है परन्तु नागौर परगने के हाल में चूँडा का नागौर के टुकछा ग्राम में काम आना लिखा है।^१

नरवद सतावत (२६/४३)—नरवदे राणा के प्रसिद्ध सामन्तों में हुआ। नरवद और सुप्यारदे की बात प्रसिद्ध है जिसका उल्लेख नैरासी ने इस ग्रन्थ में अन्यत्र किया है।

अचलदास खोचो (२८/४७)—यह गढ़ गागरून का प्रसिद्ध शासक हुआ। इसके विषय में लिखी हुई शिवदास गाडण की वचनिका^२ तथा लाला मेवाड़ी और अचलदास खोचो की बात प्रसिद्ध साहित्यिक कृतियाँ हैं।

१. मारवाड़ रा परगनां री विगत (भाग २), पृ. ४२१।

२. संपादक : दीनानाथ खत्री, शाहूल राजस्थानी रिसर्च इंस्टीट्यूट, बीकानेर।

भीम चूडावत (३१/५१)—यह चूडा का पुत्र था । इसके पट्टे में सालावास, नन्दवाणा, गुड़ा मोगड़ा, भावी, लांवा और भुडली ये सात गाँव थे । उसके तीन पुत्र थे—वैरसल, वरजाग और बीजा ।^१ उसकी प्रशंसा में एक प्राचीन सोरठा इस प्रकार है—

हुओ कियों ही हार, जेत हुओ क्यां ही जुडण ।

वेदल दापुकार, भीवा तें मेला किया ॥

वरजांग भींवोत (३१/५१) यह भीव चूडावत का पुत्र था और अपने समय का बड़ा रजपूत हुआ । इसने राव रिड़मल जोधा और सत्ता के समय में बड़ी-बड़ी लड़ाइयाँ लड़ी । इसीलिये इसकी प्रशंसा में इसे 'एक पाखर लाख पाखर' कहा जाता है । जोधा जब चित्तौड़ से निकला तो वरजांग उसके साथ था । भीलवाड़े के घाटे के पास जो घमासान युद्ध हुआ उसमें घायल होकर गिर गया । शीशोदिये इसे उठाकर चित्तौड़ ले गये क्योंकि वह उनका भानजा था । राणा ने उसे किले में नजरबंद रखा । वरजांग के घावों पर पट्टी बांधने के लिये उसके सेवक रोज १२ गज रेजी (मोटा कपड़ा) लाया करते थे । जब घाव ठीक होने को हुए तो रेजी के बचे हुए टुकड़ों का रस्सा बनाकर सेवकों ने वरजांग को किले की दीवार पर से सीधा नीचे उतार लिया और गुप्त रूप से एक बैलगाड़ी लेकर वहाँ से निकल भागे । रास्ते में गागुरन के तालाब पर डेरे किये और सयोग से अचलदास खीची की पुत्री के साथ उसका विवाह भी हुआ ।

फिर यह जोधा से आ मिला । जोधा ने जब मंडोर पर अधिकार कर लिया तो इसे रोयट का पट्टा दिया । राणा की फौज वहाँ उस पर चढ़ आई थी परन्तु उसने बड़ी वीरता से उसका मुकाबला किया और घायल होने पर भी फौज को भगा दिया । कहते हैं कि इस युद्ध में उसके गर्दन की एक हड्डी तलवार के झटके से टूट गई थी उसकी जगह कैंर की लकड़ी डाल कर उसे दुरस्त कर दिया था । उस कैंर का पूजन बाद में भी उसके वंशज करते थे ।

१. द्रष्टव्य—मुरारीदान की ख्यात, ग्रंथांक १५६७२, रा० प्रा० वि० प्र० जोधपुर ।

एक वार जब इसकी घोड़ियें महेवा के शासक वीदा के पुत्रों ने पकड़ली तो इस बात पर दोनों पक्षों में बड़ी लड़ाई हुई । अनेक योद्धा मारे गये ।

राव सातल के समय में कोसारो के पास मलूखां से जो युद्ध हुआ उसका सफल संचालन बरजांग ने ही किया था और सातल की उसमें विजय हुई थी । इस अवसर पर भावी का पट्टा उसे दिया गया था ।

राव वीका ने जो जोधपुर पर सूजा के समय में चढ़ाई की थी उसमें भी बरजांग का हाथ बताया जाता है ।

बरजांग के परिवार की विगत^१—

१. सुरजण बरजांगोत, राणा की फौज से लड़कर काम आया ।
२. कला सुरजणोत बड़ी लड़ाई-में काम आया । सालावास, नंदवाणा तथा झूंगरपुर इसके पट्टे में थे ।
३. अखैराज कलावत, फलोधी काम आया । सालावास तथा नंदवाणा पट्टे में थे ।
४. मेघराज कलावत, सालावास पट्टे में था ।
५. राघोदास मेघराजोत ।
६. सुन्दरदास राघोदासोत ।
७. बलू मेघराजोत तथा मना मेघराजोत ।
८. लूणा अखैराजोत, तणावड़ा दोनों पट्टे में थे ।
९. केसोदास लूणावत ।
१०. जसा लूणावत, राघणपुर काम आया ।
११. नरसिंहदास लूणावत, लक्ष्मीदास लूणावत ।
१२. लधा लक्ष्मीदासोत ।
१३. सांकर कलावत ।
१४. सांवल सांकरोत ।
१५. कूभा सांवलोट ।
१६. देवा कलावत ।

१७. महेसदास देवा का ।
१८. भाखरसी महेस का ।
१९. जेवा, वाघा, वीरमदे महेस के ।
२०. सुरताण देवा का ।
२१. माना सुरताण का दौलताबाद काम आया ।
२२. रामसिंह मानावत—बीकानेर की लड़ाई में काम आया ।
२३. बीजा सुरजनोत—सेवकी को लड़ाई में काम आया ।
२४. हमीर बीदावत ।
२५. दला सुरजनोत, जवा सुरजनोत सिरियारी में राव राम के लिये काम आया ।
२६. राका जबावत मांडवे काम आया, सावराड़ पट्टे में था ।
२७. माधा रासावत ।
२८. बलू माधा का ।
२९. आसा रासावत ।
३०. तोगा आसावत ।

नापा साँखला (३१/५१)—यह राणा कुंभा का भी कृपापात्र था । जोधा को मंडोवर पुनः प्राप्त करवाने में इसने बड़ी सहायता दी थी ।^१

हरभू (३३/५६)—मारवाड़ के प्रसिद्ध ५ पीरों में इसका नाम लिया जाता है । यह साँखला राजपूत था और सकुन शास्त्र का अद्वितीय जानकार होने के नाते बहुत प्रसिद्ध था । भाटी जैसा इसका भानजा था ।

लूणा (३४/५७)—यह देवराज चूंडावत का पुत्र और सेत्रावे का मालिक था ।

राव जोधा ने राणा री धरती उजाड़ी (३६/५८) — इसकी साक्षी का प्राचीन कवित्त इस प्रकार है :

जेय हुधा घरपाल, तेथ उडे राखोड़ा ।
 बैठा जित सारंग, तेथ बंधाता घोड़ा ।
 मांडीती मंडूसी, बचा तित घूघू जाया ।
 घरंत नित चौपगा, बेड तिण बाध बिवाया ।
 अजमेर अनै आबू बिचै, माणस दीसै चाडिया ।
 कमधञ्ज राव कुंभे तणा, जोधे देश उजाड़िया ॥

१. देखें, डॉ० टंसेटरी का राजस्थानी ग्रंथ सर्वेक्षण, सं. डॉ. नारायणसिंह भाटी, पृ० ३० ।

चानण खिड़िया (३७/५६)—यह खिड़िया शाखा का चारण था । इसने रिड़मल का दाह-संस्कार करवा कर रिड़मल के पुत्रो पर उपकार किया था । इसकी साक्षी का एक दोहा उपलब्ध होता है—

चोवीसूं रिड़माल रा, धर खाटण बड़धूत ।

परतक पात पचांसवां, है तूं चर सप्त ॥

तिवरी के पुरोहित दामा को भेज कर राव जोधा ने इसे अपने पास बुलाया और मारवाड़ में जागीर दी । जोधा के वंशजों ने भी इसके बेटे पोतों को खूब गाँव दिये, जिसका उल्लेख इस ग्रन्थ में आगे किया गया है । विशिष्ट अवसरों पर इसके वंशज चानण खिड़िया की मोहर नेग के रूप में राठौड़ों से लेते रहे हैं ।

चिड़ियाहूंक रै भाखर ऊपर गढ़ मंडायो (३८/६०)—संवत् १५१५ में जब जोधा ने जोधपुर का किला इस पहाड़ी पर बनवाया तब वहाँ चिड़ियानाथ नामक तपस्वी तपस्या कर रहा था । उसे जब वहाँ से हटने को कहा गया तो वह नाराज होकर वहाँ से उठ गया और उठते समय अपनी धूनी के अगारे भोली में डालकर वहाँ से चलता बना । लोगों ने उसे पहुँचा हुआ महात्मा जान कर वहीं रहने की विनती की परन्तु वह न माना और सालावास तक जाकर रुका । जनता ने वहीं पर उनकी धूनी लगवाई और राज्य की ओर से कुछ भूमि अर्पित की गई । चिड़ियानाथजी के भरणे के पास उनके चरणों की पूजा पालासणी के पीर अभी तक करते रहे हैं । चारण समाज में यह धारणा है कि गढ़ की स्थापना के अवसर पर करणीजी ने स्वयं पधार कर जोधा को आशीर्वाद दिया था । इसकी साक्षी का एक प्राचीन गीत भी मिलता है—

विमल वेह घरयां, सगत जंगळ घर विराजे,

थान देसांण थो हथां थाया ।

उठे कवि भेजियो, राव करवा अरज,

जोधपुर पधारें जोगमाया ॥

कुछ ख्यातों में यह भी उल्लेख मिलता है कि गढ़ की नींव आदि का मुहूर्त हड़भूजी ने बतलाने को कहा था और जोधा को कहा था कि वह अपने किसी पुत्र को सकुन पूछने के लिये प्रातःकाल उसके पास भेज दे ।

परन्तु किसी कारणवश जंसा को ही मुहूर्त पूछने के लिये भेज दिया । हड़भू ने उसे मुहूर्त बतला दिया और बाद में राव जोधा से कहा कि जैसा के मारफत यह मुहूर्त तुम्हारे पास पहुँचा है अतः तुम्हारे शासन में जैसा भाटियों का महत्वपूर्ण स्थान रहेगा ।

अखैराज रिणमलोत (३८/६२)—इसने चरड़ा को मार कर वगड़ी पर अधिकार किया । इसके दो पुत्र मेहराज और पंचायण हुए । प्रसिद्ध वीर कूपा मेहराज का पुत्र था और जैता पंचायण का । वारठ देवकरण (इन्दोकली) के अनुसार अखैराज रिणमल का पाटवी पुत्र था परन्तु जोधा योग्य होने के कारण अखैराज ने जोधपुर की गद्दी का दावा नहीं किया, और वगड़ी लेकर हो सतोप कर लिया । तब से जोधपुर की गद्दी पर बैठने वाले शासक का राजतिलक करने का अधिकार वगड़ी वालों को मिला ।

सातल-जोधावत (३९/६३)—इसने जोधपुर की गद्दी पर लगभग चार वर्ष राज्य किया । मुरारीदान की ख्यात के अनुसार उसके सात राणियाँ थीं । उसकी मृत्यु होने पर सातों ही सती हुई । उसकी राणी फूला भटियाणी ने फूलेळाव तालाव बनवाया । उसकी एक राणी हरखाबाई का राज्यघराने में अब भी पूजन होता है ।

सूजा जोधावत (३९/६३)—सातल की मृत्यु के पश्चात् सूजा गद्दी पर बैठा क्योंकि सातल के कोई पुत्र न था । सूजा का परिवार—

१. नरा सूजावत—यह सातल के गोद था । इसने सातलमेर का पोकरण में कोट करवाया इसके वंशज नरावत कहलाये ।

२. सेखा सूजावत ।

अखैराज सेखावत—सेखाजी के साथ सेवकी के युद्ध में काम आया ।

३. देईदास सूजावत—यह चौहानों का भानजा था । यह भी सेवकी के युद्ध में उपस्थित था । किन्तु सरदारों ने सेखाजी के काम आने पर उसे वहाँ से निकाला । मुरारीदान की ख्यात के अनुसार राणा विक्रमादित्य की सेवा में यह चित्तौड़ में लड़ता हुआ काम आया ।

४. कान्ह देईदासोत यह बागड़ में काम आया । अचलदास कान्होत—
इसको मोटा राजा ने बागड़ से बुलाकर रोहट का पट्टा दिया ।
५. बलभद्र अचलदासोत—संवत् १६६७ में रोहट की जागीर इससे
जब्त हुई ।
६. केशवदास अचलदासोत—इसे सं० १६६५ में पीपाड़ का गाँव जाल्हका
चार गाँवों सहित पट्टे में मिला । संवत् १६७७ में सिवाने का
गाँव मोतीसरा तीन गाँवों से मिला ।
७. वेणीदास अचलदासोत—बलभद्र के पास रहता था ।
८. मानसिंह देईदासोत—जब अकबर बादशाह ने चित्तौड़ पर आक्रमण
किया तब यह राणाजी की ओर से लड़कर काम आया ।
९. जैता मानसिंहोत—इसको परगने सोजत का गाँव नीबली ४ गाँवों से
पट्टे था । फिर पीपाड़ का गाँव लोहारी तीन गाँवों से पट्टे में रहा ।
१०. हरदास देईदासोत—यह खीचीवाड़े में रहता था । इसका पुत्र
रामसिंह मुगलों से लड़ कर काम आया था । रामसिंह का पुत्र
चाँदा खीचीवाड़े के गाँव रोछवा में रहता था ।
११. पृथ्वीराज हरराजोत—यह मानसिंह कछवाहा के विरुद्ध बादशाह
की फौज से लड़कर काम आया ।
१२. साँगा सूजावत—यह ऊदाजी का सहोदर भाई था । इसका
पुत्र तिलोकसी बड़ा वीर हुआ और पठानों के विरुद्ध लड़ कर
काम आया । इसका पोता सांवलदास मांडवा के युद्ध में
१६६२ में काम आया ।

नींबा जोधावत (३६/६३)—यह सोजत में रहता था तथा जैसा सिंघल की
भानजी से व्याहा था । जैसा सिंघल ने जब जनता को गायें ले जाने
का प्रयत्न किया तब नींबा बाहर चढ़ा । गाँव डोभडी के पास उसने
सूजा को मारा । मुरारीदान की ख्यात में लिखा है कि वह शिकार
करते समय घोड़े से गिर कर मरा । सोजत के बाघेळाव तालाब में
उसकी छतरी स्मारक स्वरूप बनी हुई है । इसके कोई पुत्र नहीं था ।

जोधो गया गयो (३६/६३)—ख्यातों में लिखा है कि इस अवसर पर उसने
वहाँ के शासकों से गायों की चराई माफ करवाई और चारणों तथा
ब्राह्मणों को बहुत-सा दान दिया ।

भारमल जोधावत (३६/६३)—इसे वीरगो की जागीर दी गई थी। जोधाजी की मृत्यु होने पर गगाजी में उनकी अस्थियों का प्रवेश करने का संस्कार इसके हाथ से हुआ था। इसका पुत्र जयसिंघदे अयोग्य था। इसलिये उसका अधिकार वहाँ से छूट गया और राव गागा ने ऊहड़ो को वहाँ का पट्टा कर दिया। इसके वंशजों में बलू तेजसिंहोत, पृथ्वीराज बलूओत हरीदास बलूओत आदि प्रसिद्ध वीर हुए।

सिवराज जोधावत (३६/६३)—इसको दुनाड़ा गांव दिया गया था। इसके वंशजों में हमीर डूंगरसिंहोत, भाखरसी डूंगरसिंहोत आदि प्रसिद्ध योद्धा हुए। अचला शिवराजोत मालदे के समय में शेरशाह का मुकाबला करता हुआ जोधपुर गढ़ पर काम आया, उसकी छतरी वहाँ बनी हुई है।

जोगा जोधावत (३६/६३)—यह भारमल का सगा भाई था। इसके बारे में ख्यातों में ऐसा उल्लेख मिलता है कि जोधा के बाद कुछ लोगों का विचार जोगा को गद्दी पर बिठाने का था परन्तु गद्दी के मुहूर्त तक वह तैयार नहीं हुआ और बनठन कर आने में देर करने लगा। तब लोगों ने उसको अयोग्य समझ कर सातल को टीका दे दिया। यह खारिये ग्राम में रहता था। इसका पुत्र खंगार बड़ा दानी हुआ। वह नित्य प्रति चारणों को दान में घोड़ा देता था। जब घोड़े उसके पास न रहे तब वह बैल देने लगा। उसकी इस मजबूरी को किसी चारण ने बड़े मार्मिक ढंग से व्यक्त किया है—

घोडा दे थाको घण दानी।

खारिये खोपा दिये खंगार॥

कुंवर बाघो सूजावत (४१/६६)—मुरारोदान की ख्यात में इसे लक्ष्मी का पुत्र बताया गया है। यह कुंवरपदे में ही मर गया था। मृत्यु के समय इसने यह इच्छा प्रकट की थी कि मेरे पुत्र को राजगद्दी मिलनी चाहिये। इसी ख्यात के अनुसार बाघा के ७ पुत्र थे—गांगा, सीधण, भीव, वीरमदे, जैतसी, प्रतापसी और खेतसी। इनमें से गांगा को राजगद्दी दी गई। इसके सात ही पुत्रियें थीं। इनमें से तीन राणा सागा को ब्याही गई थी। बांकीदास की ख्यात से भी इसकी पुष्टि होती है।

इसकी एक पुत्री कछवाहा सूजा को ब्याही गई थी । जिसका पुत्र रायसल कछवाहा हुआ ।

मालदे जोधपुर गढ़ संवरायो (४२/७१)—देखें इसी भाग का परिशिष्ट ५६०-६२ ।

राव मालदे धरती लीची (४२/७१)—इस सम्बन्ध में प्राचीन पाँच कवित्त उल्लेखनीय है—

महि सोजत ली माल माल लियो मेडतो ।
माल लियो अजमेर सोम सांभर सहेतो ।
बांको गढ बदनोर माल लीची दल मेलै ।
राइमाल रायपुर लियो, भाद्राजण मेलै ।
नागोर निहेवे चढिन लै, खाद्द लीची जड़खणी ।
सत्र आण हुवो गांगा तणौ, धोग मालदे सेंधणी ॥१॥

लोड़ लियो लांडलू, दुरंग लीची डीउवाणी ।
नगर फतेपुर नाम, आप वसि कियो अपाणी ।
कमधज लई कोसली, रुक बळ लियो रेवासी ।
चांप लई चाटसू, सूक्यो चीरमाण मेवासी ।
जड़लग पांण जोधपुर लीची, गह छोडे कुंभो गयो ।
मालदे लियो मदारपुर, लियो हुंक तोडी लियो ॥२॥

चित्रकोट चांपियौ, पाली बणवीर लियोपुर ।
अनड़ दुरंग अणखलैं ढौं लीचा करि सिधर ।
लोहां बळ लोहगढ़, जेखल नाडुल जोजावर ।
रहल उदेसी रांण, नगर ले कीचा निजर ।
धुसली राई कुंभमेर घर हाथो माल जे वस हवै ।
एक हुवो छत्र बाघा हरौ, भोग माल सहि भोगवै ॥३॥

जुड़ लीची जाळोर, पांण सांचोर पजाए ।
भीनमाल भंजियो, विरद मोटा बुलाए ।
बीकानेर विधूस लीच, पोहकरण फळीची ।
करी माल कोपियो, सोम समुद्रा सही सुधि ।

आंण फेर लगे उमर नयर, पारकर सर पधरै ।

मालदे देस मालों तणा, बस कीधा बाधा हरै ॥४॥

कमंघ लियौ कोटडो, काढ पह कोटड केरा ।

गा दुरंग गाहटें, मालदे बाहड़मेरा ।

छहटण होछरलाई, खुंद खांवड खुरताले ।

साज सौंघ सामई, हाथ दिखाळ बंगाले ।

आंण फिर लगे उमर नयर, पारकर कर पधरै ।

माल देस मालां तणा, बस कीधा बाधाहरै ॥५॥

ऊमादे भटियाणी (४७/७४)—यह जैसलमेर के रावळ लूणकरण की पुत्री थी और राव मालदे को व्याही गई थी । इसी राणी को एक रूपवती दासी भारमली पर मालदे मोहित हो गया था । उमादे को यह बात बरदास्त नहीं हुई और उसने ससुराल जाने से इनकार कर दिया । आसा बारट ने इनका मेल करवाने का प्रयत्न किया पर वह असफल रहा । कछवाई राणी लाछळदे का पुत्र राव राम इसके पाम रहता था । मालदे की मृत्यु होने पर यह केलवे ग्राम में सती हुई और राव राम से कहा कि मेरे सती होने का सस्कार पूर्ण करके यहां से विदा होना, तुम्हें जोधपुर का अधिकार मिलेगा । परन्तु राव राम बीच में ही भागकर जोधपुर चला आया, जिससे गद्दी का अधिकारी नहीं बना । बारट आसा ने इसके सतीत्व की प्रशंसा में बड़े सुन्दर कवित्त कहे हैं । यह राणी इतिहास में रूठी राणी के नाम से प्रसिद्ध है ।

बारट आसो (५३/८३)—यह प्रसिद्ध कवि ईसरदास का चाचा था । इसकी स्फुट डिंगल रचनाएँ उपलब्ध होती हैं, जिनमें बाधा भारमली के दोहे बहुत प्रसिद्ध हैं । कहते हैं कि बाद में बाधा से उसकी बड़ी मित्रता हो गई थी । इसलिये मालदे का आश्रय उसे छोड़ देना पड़ा था । राव मालदे की प्रशंसा में उसके लिखे कवित्त अवलोकनीय हैं ।

कवण किसन पति सबळ काल पति कवण अंग जित ।

प्रियो पति कुण वांणपत, सुरपति कवण सतेजसी ।

कवण नाथ पति जति कवण, केसव पति दाता ।

सीतापति कुण सति कवण, लखमण अति भ्राता ।

सबल को अवर सुभे नहीं जांचि गंजै पेसयल जण ।

हिन्दुआं मांहि औ हिंदवी, मालपति मोटी कवण ॥१॥

माल काळ मछराळ माल जमजाळ त्रिभे मन ।

माल जाण महिराण सेन जळि माल सपूरण ।

सबळ माल अरिसाल माल भंजण मेवासा ।

गज थाटां गाहणौ गिलण गढ कोटां प्रासा ।

सुरतांण रांण संकोडिया, सभि लीघा देसहि सहि ।

मालदे सीस छत्र मंडिथौ, माल हुवौ मंडलीक महि ॥२॥

रावल मेघराज (५४/८६)—यह महेवा के स्वामी मलोनाथ के वंशज हापा का पुत्र था । इसे संवत् १६४० में मोटा राजा उदयसिंह ने महेवा का अधिकार प्रदान किया । यह गुजरात की चढ़ाई में मोटा राजा के साथ गया था । इसके उपलक्ष में जोधपुर के उल्लिखित गाँव मोटा राजा ने और दिये थे । मुरारोदानजी की ख्यात में दुन्दाड़े का भलड़ों का वाड़ा नामक ग्राम भी इस अवसर पर देने का उल्लेख है । यह वीरमदे कलावत को महेवा सौंप कर मथुराजी चला गया था । वहीं संवत् १६४७ में उसका स्वर्गवास हुआ ।

राव मालदे की राणियों (५५/८८)—मुरारोदान को ख्यात में मालदे की २४ राणियों के अतिरिक्त आठ पडदायत आठ वेश्याएँ तेरह गायिकायें भी थीं । मालदे का स्वर्गवास होने पर इनमें से अनेक उसके साथ सती हुई ।

शेरशाह पातशाह से युद्ध (५६/८८)—इसका विस्तृत वृत्तांत भाग दो में मेड़ना के इतिहास में देखो ।

अखौ सोनगरो (५६/८८)—अखैराज सोनीगरा अपने समय का जबरदस्त वीर हुआ । यह पाली का स्वामी था । इसने अनेक युद्धों में भाग लिया था । इसका लड़का मानसिंघ सोनीगरा भी राणा की ओर से लड़ता हुआ हल्दोघाटी के युद्ध में काम आया था । अखैराज के सम्बन्ध में यह किंवदन्ती प्रसिद्ध है कि इसकी दोनों पत्नियों में से उसके पीछे कोई सती नहीं हुई थी । कोई छः महीने बाद उनके गाँव में एक कवि पहुँचा, और बातों ही बातों में उसने एक दोहा सुना दिया—

जैतो तो कूंपे रं जीमै, पाळै है गोत पखो ।

सायधण बिन दोरी, सोनीगरी हाथे रोटी करै अखो ॥

अखा को स्त्रियो के कानों में इस दोहे की भनक पड़ गई और उसी समय उन्हें सत चढ़ आया । विधिवत ढंग से तैयार होकर वे सती हुई । जोधपुर राजघराने की ओर से विशेष घरेलू अवसरों पर इनकी छतरियों पर पूजन सामग्री भेजी जाती थी^१ ।

तिलोकसो वरजांगोत आदि (५८/८८) — यह शेरशाह के हमले के समय जोधपुर का किलेदार था । रक्षा का कोई उपाय न जानकर इसने दुर्ग के द्वार खोल दिये और अपने कुछ साथियों सहित वीरगति को प्राप्त हुआ ।

उल्लिखित इन प्रसिद्ध वीरों के अतिरिक्त मुरारोदान की ख्यात में भाटी जयमल रूपसीहोत के काम आने का विशेष उल्लेख किया गया है । इसने जोधपुर के किले की रक्षार्थ प्राण देने का दृढ़ निश्चय कर रखा था । इसीलिये गढ़ पर पहले से ही छनरी बनवा रखी थी । इसके वीरतापूर्ण उत्सर्ग पर किसी कवि ने मार्मिक गीत कहा है—

जसवास जर जुग चार न जावै, दूई जिम जेसाण दुआल ।

जाइव नग हेम सुं जडाणौ, जोधनगर माथै जयमाल ॥१॥

नरबदहरौ बिया निकळतां, कोट राख गळहार किर ।

जग में भले कहाणो जयमल, सहित कनक जोधाण सिर ॥२॥

रूपसीह रौ छांड राठोडां, मछर दाख जयमाल मुवौ

भुरजां कमधां रै राव भाटी, हिरण कठीर जड़ाव हुवौ ॥३॥

ऊगो वरसिगरौ (६३/६३) — ऊगा व हापा महेवा से मालदे की सहायता के लिये आये थे । हापा के पास ८०० सैनिक थे । ये दोनों सगे भाई थे । ऊगा अपने समय का बड़ा प्रसिद्ध वीर था । मुरारोदान की ख्यात में उसका विरुद्ध 'कोरत पाल' लिखा है । हापा इस युद्ध में बुरी तरह घायल हुआ था । यहाँ दी गई सूची के अतिरिक्त उक्त ख्यात में भाटी तेजसी चणवीरोत का नाम भी है । इस युद्ध में बहुत-सा खजाना भी राव मालदे के हाथ लगा ।

१. देखें, मारवाड़ रा परगनां की विगत, भाग दो, परिशिष्ट, पृष्ठ ४५१ ।

राव चन्द्रसेण गढ छोडियो (६६/१०३)—ख्यातों में लिखा है कि चन्द्रसेण जब गढ से उतरने लगा तब साही सेनापति हसनकुली को माँ ने उसे देखकर बड़ा स्नेह व्यक्त किया और उसे पुत्रवत् जान कर हसनकुली से कहा कि राव को सामान आदि लेजाने के लिये इसका यथोचित प्रबन्ध करो ।

विशेष—ख्यातों के वृत्तान्त से प्रता लगता है कि राव चन्द्रसेण जीवन भर इधर-उधर भटकता रहा और युद्ध करता रहा । परन्तु उसने अकबर की अधीनता स्वीकार नहीं की । यदि चन्द्रसेण के सहयोगी कुछ विशेष वीर निरन्तर सहयोग देते तो उसे अपने उद्देश्य में शायद कुछ सफलता भी मिलती । इस दृष्टि से निम्नलिखित गीत पठनीय है—

ग्रह न सके ग्रहै उग्रहै ग्रहिया, दाखै चन्द दुडंद दुवै ।
 सेखड़ा साम सनाह सरीखौ हेक कनै जो नीच हुवै ॥१॥
 अघड़ गिले किम सुजण आपणा, कहै हिरणपत सोम क्या ।
 एकाध पह जिसो उदावत, हेक हुवे जो खडग हय ॥२॥
 राह गिले किम कहै सोम रवि, मुड़ं असुर ग्रह तेम मुड़ं ।
 सुमट रियां रिणमाल सरीखो, जवण हार जो इसो जुड़ं ॥३॥
 ससिहर कहै संपेखो सूरज, अघड़ करै इम ग्रहण अनैक ।
 सूर कलह गुव सिखर सारिखो, आयां विहुं न मिलियो एक ॥४॥

कलाणदास रायमलोत (७५/१२०)—यह उन प्रसिद्ध शासकों में से हुआ है जिसके नाम के पीछे उसकी राजधानी भी गौरवान्वित हुई है । इसीलिये सिवाणा कला रायमलोत वाला कहा जाता है । सिवाने के वृत्तान्त में इस युद्ध का कुछ विस्तृत वृत्तान्त दिया गया है । प्रसिद्ध कवि राठौड़ पृथ्वीराज ने इसके वीरतापूर्ण युद्ध, अकबर के सामने न झुकने की प्रवृत्ति और प्राणोत्सर्ग से प्रेरित होकर बड़ी सुन्दर काव्य-रचना की है ।^१

भाटी गोयन्ददास मानावत (७७/१२५)—यह जैसा के वंशजों में मारवाड़ का प्रसिद्ध सामन्त हुआ । इसका पूर्वज नीम्बा जैता कूपा के साथ समेल के युद्ध में काम आया था । बाँकीदास की ख्यात में लिखा है कि गोयन्ददास सूरसिंह के कंवरपदे से ही प्रधान था । लवेरा ग्राम इसकी जागीर

१. अधिक जानकारी के लिये देखें मारवाड़ रा परगनां री विगत, भाग (२) का परिशिष्ट, पृष्ठ ४४०-४४३ ।

में था। फिर सूरसिंह ने आसोप भी इसके पट्टे में दे दिया था। इसके ५ पुत्र थे जिन्होंने समय-समय पर राज्य की बड़ी सेवाएँ की और उन्हें स्वतन्त्र जागीर मिली। यह लम्बे समय तक सूरसिंह का प्रधान रहा, और अनेक युद्धों में भाग लिया, जिसका उल्लेख इस ग्रन्थ में आगे किया गया है। गोयन्ददास की सबसे बड़ी देन जोधपुर राज्य के प्रबन्ध सम्बन्धी नियम बनाकर उन्हें क्रियान्वित करना है। इसने शाही ढंग के प्रशासन के आधार पर ३६ कारखाने (विभाग) कायम किये और परगनों में हाकिम, कारकून पोतदार, वगैरह अधिकारों रखने की व्यवस्था की व उनकी कार्य-प्रणाली निश्चित की। सरदारों व मुत्सद्दियों के, परिवार के किले में आने जाने के भी नियम बनाये। इसने चार डावी और चार जोवणी मिसले भी बाँधी। जिवणी मिसल के सिरे पर आउवा के चाँगवतों को रखा और डावी मिसल के सिरे पर मेडतियों को। उनका कुरव आदि भी इसने निश्चित किया। दीवान और व्यास डावी मिसल में रखे गये और बक्सी तथा पुरोहित जीवणी मिसल में। इन नियमों में समय के अनुसार हेर-फेर भी होते रहे हैं। गोयन्ददास के वर्चस्व पर एक प्राचीन दोहा इस प्रकार है—

गोयन्ददास गरजियो सूर हवे वारें ।

ऊथापं सो ऊथपे मेवासा मारें ॥

यह अजमेर में किशनसिंह के हाथ से मारा गया था जिसका व्रत्तान्त आगे दिया गया है।

बारठ अखो भांणरो (७८/१२७)—यह डिंगल का प्रसिद्ध कवि था। इसका पालन-पोषण राज घराने की ओर से ही हुआ था और वह प्रायः राज-दरबार में ही रहता था। इसीलिये इस अवसर पर चारणों को समझाने के लिये उदयसिंह ने इसे भेजा था। परन्तु इसने परस्थिति को देखकर घरणों में शामिल होना ही उचित समझा। उसके इस आचरण से राजा उदयसिंह और अधिक नाराज हुआ।

चन्द्रसेण लोहावट वेढ जीती (८३/१३३)—मुरारीदान की ख्यात में लिखा है कि विजय प्राप्त कर लेने पर चन्द्रसेण ने उदयसिंह का पीछा करना चाहा था परन्तु उसके सहयोगी सरदारों के कहने सुनने से उसने यह विचार त्याग दिया।

घोड़ों री दांण पगां उपाव हुआ (८४/१३४)—नैणसी ने अपने वृत्तान्त मे इस विवाद को प्रकट करते हुए यह नहीं बताया है कि वास्तव में घोड़ो की कतार पर दाण लेने का अधिकार फलोदी वालो का था या वीकुपुर वालों का । एक अन्य प्राचीन पोथी में ऐसा सकेत मिलता है कि वास्तव में दाण का अधिकार फलोदी वालों का ही था ।

आसकरण देवीदासोत (९०/१४५)—यह अपने समय का बहुत बड़ा प्रशासक व वीर हुआ । संवत् १६४२ मे अकबर जब लाहौर से काबुल गया तो सूरसिंह के साथ यह भी शामिल था ।

सबलसिंह सूरजसिंघोत (९५/१४९)—राजा सूरसिंघ के दो ही पुत्र गजसिंघ और सबलसिंघ सूरसिंघ की मृत्यु के समय जीवित थे । इसको फलोदी व पट्टा दिया गया था । बाद मे इसको मोडासा का भी पट्टा दिया गया । यह अच्छा शासक हुआ और बादशाह की ओर से इसको राजा का खिताब मिला हुआ था । इसके सात राणिय थी । इसकी मृत्यु अहमदाबाद में हुई, जहां यह बादशाह की ओर से नियुक्त था ।

सगतसिंघ उदयसिंघोत (९५/१५४)—सगतसिंह को राजाजी ने हून गांव का पट्टा दिया था । इसके अतिरिक्त प्रमुख चाकरों में धाय भाई गहलोत मोटा, मुहणोत, व्यास, गोयन्द, भडारी, कला भींवोत, ६ खवास. बीस दासियें, घोड़े पचास, घोड़िये दस, रोकड़ रुपये एक हजार एक १००१) दिये थे । फिर जब इसे शाही दरबार में प्रस्तुत किया गया तो इसे पंच सदी मनसबदारो मे रखा गया और नैणवाय तथा खेजड़ली यह दो गाँव भी दिये । इसने आगरा में हाथियों की लड़ाई मे बड़ा वीरतापूर्ण चमत्कार बताया था, जिससे बादशाह ने खुश होकर इसका सम्मान बढ़ाया और फूलिया तथा केकड़ी का पट्टा दिया और सोजत की जागीर भी दी । इस अवसर पर उसे रावई का खिताब दिया गया । एक वर्ष बाद जब सोजत पुनः सूरसिंघजी को देदी गई तो सोजत में रावजी के प्रबन्धक रोठौड माण जैतमालोत ने सोजत का अधिकार सौपा ही नही और जबरदस्ती करता रहा । फिर बाद में सोजत की एवज में जैतारण मिला । इसने पंवार भूपत को हराया था जिसकी साक्षी का यह दोहा है—

गढ गिरवर गंजैह, पड़ै हवाई पांच सौ ।

ग्यौ भूपत भाजैह, सगता आगळ सांग रौ ॥

सागतसिंह के सात पुत्र थे—करण, हरीसिंह, प्रतापसिंह, मानसिंह, कानजी, देईदास और गिरधरदास । इन में करण डेढ हजारी शाही मनसबदार हुआ । गांव खरवा इसके पट्टे में था । अन्य भाई और उनके वंशज छोटे बड़े मनसबदार हुए ।

अमर चम्पू ने राजाजी वेढ दी (१६/१५६)—बादशाह ने जब सूरसिंह को अमर चम्पू पर चढाई हेतु विदा किया तब उसने हरावल में रहकर रायसल दरबारी के पुत्र गिरधरदास और खानखाना के पुत्र ईरिज आदि साथियों सहित जबरदस्त युद्ध किया और विजय प्राप्त की । अमरचम्पू का लाल निशान सूरसिंह ने छीन लिया । इस पर बादशाह बडा प्रसन्न हुआ और सूरसिंह को पुरस्कृत किया । मारवाड़ के भडे में लाल रंग को तब से स्थान दिया गया ।

जोशी चंडू, दामोदर (१८/१५६)—मूंदियाड़ की ख्यात में लिखा है कि जब मालदे-पूंगल के भाटियों के यहाँ विवाह करने गया तब भाटियों ने अपना पुराना बैर लेने के लिये राव को मार डालने का षडयंत्र रचा । मालदे की नव-विवाहिता भाटियाणी राणी को इसका पता लग गया । तब उसने अपने राजगुरु पुष्करणा पुरोहित राघव से विनती की कि वह किसी तरह मालदे को इस खतरे की सूचना देकर उपकृत करे । राघव ने ऐसा ही किया और एक बड़ा अनिष्ट होते-होते बच गया । राणी ने राघव की भावी सुरक्षा को ध्यान में रखकर उसे अपने माता-पिता से दहेज में मांग लिया और अपने साथ जोधपुर ले आई । राघव के दो पुत्र चंडू और दामोदर थे । ये दोनों ही ज्योतिष-विद्या के प्रकाण्ड पण्डित हुए । ये और इनके वंशज जोधपुर राज्य के जोशी वेदिया रहे और राजकीय पंचांग (चण्डू पंचांग) का निर्माण इन्हीं के द्वारा होता रहा है ।^१

राणी सौभागदे (१९/१७६)—यह शेखावत दुरजनसाल की पुत्री थी । इसका

१. मूंदियाड़ की ख्यात, प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर, पृष्ठ सं० ७२-७३ ।

विवाह १६४४ में हुआ था। इसके पुत्र गजसिंह का जन्म १६५२ में लाहौर में हुआ। संवत् १६६६ में बुरहानपुर में इसकी मृत्यु हुई। इसे महाराजा सूरसिंह ने संवत् १६५२ की माहसुद ५ को राणीपदा दिया। दस्तूर की विगत—

पटो १ भावी, गागांणी १, देवातडो १, वासणी १, वामसणी १, वीलावस १, बोडुंरो १, थवूकड़ो १, चोखां १, औ पटो पावतां गांव ६ रो।

२०२६) रुपीया मांणसां रै कणोता रा पावता, इतरी मोहरां पावै तिए री विगत—

- | | |
|------------------------|---------------------------|
| १)) लूण उतारण री | १)) गैणा रा कोठार बाळा री |
| १)) रतनजी पोसाल वाला | १)) पोळियो पावै |
| ६)) पीरोयतजी पावै | १)) माळी पावै |
| १)) वेदीयो पावै | १)) फरासां नु |
| १)) गांछा नुं | ११)) सांणी नुं |
| १)) वारीया नुं | १)) कंदोई नुं |
| ११)) हाथी रा मावत नुं। | ११)) कहार सुखपाळ रा नुं। |

बड़ा उमरावां री बहुवां ने भारी बागा ने मोर १)) अतलस १ परकाळो २ नाळेर दीजै।

उणांसु छोटा उमरावां री बहुवां ने बागो ५) रोकड़ नै मीसर १ परकाळो १ नाळेर १।

उणांसु छोटा उमरावां री बहुवां ने बागो २) रोकड़, मीसर १।

सासुवां नणदां नै पगै लागणी देवै तिए री विगत १)) मोर परकाळो लाल अतलस रो जणी दीठ राणीजी देवै।

सासवां, बायां, खवासां, पातरियां, पहैरावणी करै तरै बागा सासुवां नुं नणद नुं वेटियां नुं तथा कडूवै सुखमैल हुवै तठे मैलै।

घाय बडारण नु सांपट बागा देवै।

मोटा कामदारां नु दुसाला थीरमा मीसर दिरीजै नै बीजा सगळा मुसद्दी

खवास पासवान नै साड़ी दीजै, पोल नुं सांपट औछाडीजै, पोळीया नुं साड़ी, पाग दीरीजै, ढोल दमाम दरआई सु औछाडीजै, इतरी मोर परत ७)) लेखै माया री दीवी ।

६००) श्रीजी दिराया रांणीजी नुं ।

७) पारचा जवान सांवा ।

७) जोसो पोकरणा सीरीमाळी समसतां नुं ।

७) वेदैग राय नै तिलक रा ।

७) पटवां नुं ७) सुथार नुं ।^१

सुरतांग मानावत (१६/१६०-६१)—यह भाटी गोयंददास का भाई था । महाराजा सूरसिंह की दक्षिण की चढ़ाई में यह भी साथ था । वहाँ से इसने मारवाड़ में आकर मुहता केसा को मार डाला । इस कसूर के बदले गोयंददास ने उसे देश से निकाल दिया । सुरतांग राणा सगर के पास जाकर उसका चाकर हुआ । गोपालदास राठौड़ आदि ने बाद में इस पर चढ़ाई करके इसे मार डाला । इसके बदले में गोयंददास और कुंवर गजसिंह ने गोपालदास को भी मार डाला । गोपालदास किसनसिंह उदयसिंहों का भतीज होता था । इसलिये वह अपने भतीजे का बर लेने का मौका देखता रहता था । अजमेर में जब उसे यह अवसर मिला तो उसने गोयंददास को मार डाला, और स्वयं भी अनेक आदमियों सहित मारा गया । मारवाड़ की ख्यात में इस विषय में लिखा है कि उस समय बादशाह भी अजमेर में था इसलिये किसनसिंह आदि ने जाकर अर्ज की कि गोयंददास ने गोपालदास को मार डालने का अपराध किया है । इस पर बादशाह ने कहा कि तुम इसे मार डालो । किन्तु ओझाजी ने जहाँगीरनामा में से इस संदर्भ का उल्लेख करते हुए मारवाड़ की ख्यात के कथन को ठीक नहीं माना है ।^२

राजसिंह खीमावत (१००/१६१)—राजसिंह खीमावत आसोप का स्वामी था ।

इसका जन्म संवत् १६४३ में हुआ । महाराजा सूरसिंह ने इसके बड़े भाई

१. रीत किरियावर री वंही जोधपुर री, पृष्ठ सं० ६६ ।

२. जोधपुर राज्य का इतिहास, प्रथम भाग, पृष्ठ ३८१ ।

कानसिंह से जागीर जब्त कर इसे अधिकार दिया । इसने महाराजा के प्रधान भाटो गोयंददास की देखरेख में रियासत की जानकारी प्राप्त की । महाराजा ने इसकी सेवाओं से खुश होकर मेड़ते का गाँव ईडवा इसे जागीर में दे दिया । महाराजकुमार गजसिंह ने जब जालोर पर चढाई की तब यह भी साथ था । इसको आसोप का अधिकार सन् १६७६ में मिला था । खुर्रम के साथ होने वाले युद्ध में यह भी गजसिंह के साथ हरावल में था । इस युद्ध में अच्छी वीरता दिखाने के कारण रडोद इसे जागीर में मिला । इस प्रकार अनेक युद्धों में भाग लेकर उसने राज्य में महत्वपूर्ण स्थान बना लिया था । महाराजा जसवन्तसिंह जब गद्दी पर बैठे तब उनकी आयु लगभग १२ वर्ष की थी । अतः बादशाह की आज्ञानुसार राजसिंह कूपावत प्रधान के तौर पर मारवाड़ का कार्य देखने लगा और उसे शाही मनसब मिला । यह बड़ा स्वामीभक्त सेवक था । ख्यातों में लिखा है कि एक बार महाराजा जसवन्तसिंह जब रात को शहर में गश्त लगा रहे थे तो तापी बावडी में प्रवेश करने के कारण एक प्रेत उनके शरीर में प्रवेश कर गया और वे मूर्च्छित हो गये । जब अनेक मन्त्र तन्त्रादि का उपचार करने पर भी वे स्वस्थ न हुए तब वह प्रेत स्वयं बोला कि महाराजा के समान अधिकार वाला व्यक्ति ही अपनी जान देने को तैयार हो तो मैं इस शरीर से निकल सकता हूँ । तदनुसार एक जल का पात्र लाया गया और महाराजा के सर पर वार कर राजसिंह को दिया गया, क्योंकि वही महाराजा के समान अधिकार प्राप्त व्यक्ति था । कहते हैं कि पात्र का जल पीकर हवेली पर आते ही उनका प्राणान्त हो गया, और महाराजा जसवन्तसिंह स्वस्थ हो गये । राजसिंह का प्राणोत्सर्ग एक दोहे में इस प्रकार व्यजित हुआ है :—

भल जसवन्त वचावियो, भड़ निज तन कर भग ।

डुनियां सारी दाखवे, राजड़ तोने रंग ॥१॥

आसोप की हवेली में राजसिंह के महल में अब भी पूजा होती है । इसने आसोप में अनेक भवन-निर्माण आदि कार्य करवाये । इसके आठ ठकुरानियों से ६ पुत्र और २ लड़कियां पैदा हुई थीं ।

कुंवर गजसिंह जालोर फते की (१०२/१६६)—कुंवर गजसिंह के कुंवरपदे में किये गये सैनिक अभियानों में यह सब से महत्वपूर्ण है। गजसिंह की इस विजय के विषय में एक प्राचीन दोहा उल्लेखनीय है—

बारे वरसां अल्लाउदी, खप खूटो पतसाह।

चढिया घोड़ां सोहनगढ़, थें लीघो गजसाह ॥१॥

भाटो गापाळशस आसावत (१०५/१७०)—यह पहले बादशाही चाकर था परन्तु १६७१ में मारवाड़ के शासक की ओर से गाँव दूधोड़ कई गावों सहित इसे मिला। यह १६७७ में जालोर का हाकिम नियुक्त किया गया था^१, खेजड़ा ग्राम इसको बादशाह के आदेश के अनुसार सूरसिंह ने दिया, क्योंकि इसने खीमकरण मांडणोत तथा चोंपावत महेशदास आदि के साथ बादशाही खजाना लूटनेवाली मेवाड़ की सेना को भाटी गोयंददास की अध्यक्षता में पराजित किया था।

सीसोदिया भीम अमरावत (१०६/१७१)—यह राणा अमरसिंह का पुत्र था। खुर्रम ने सवत् १६७६ में इसे जालोर का परगना दिया था। और बाद में इसे मेड़ता भी दिया गया था। खुर्रम जब बादशाह के विरुद्ध बागी हुआ तब टूस नदी पर यह खुर्रम की ओर से सवत् १६८१ में राजा गजसिंह के हाथ से मारा गया। यद्यपि यहां गजसिंह का हरावल में नियुक्त होना लिखा गया है परन्तु ख्याती में यह प्रकट किया गया है कि इस युद्ध में गजसिंह को हरावल में न रखकर जयपुर के मिर्जा राजा जयसिंह को हरावल में रखा गया था। इस कारण से गजसिंह रुष्ट होकर अपने पाँच हजार सैनिकों सहित एक तरफ खड़ा रहा। पर जब परवेज हारने लगा और भीम सीसोदिया ने अपनी विजय के गुमान में इसे ललकारा तब यह अपनी सेना सहित खुर्रम की फौज पर पिल पड़ा। भीम सीसोदिया ने इस युद्ध में अद्भुत पराक्रम बताया पर वह गजसिंह के हाथ से मारा गया। 'गज गुण रूपक' नामक ग्रन्थ में इन दोनों की वीरता का अच्छा वर्णन किया गया है। भीम की प्रशंसा में प्राचीन

१ बाँकीदास ने इसके पुत्र दयालदास को भी जालोर का हाकिम नियुक्त करना लिखा है, बाँकीदास की ख्याति ५० १७७।

डिगल गीत भी उपलब्ध होते हैं।^१ गजसिंह के चाँदावत राठौड़ रामदास, राठौड़ किसनसिंह खीमावत, राठौड़ नारायणदास कलावत, राठौड़ माधोदास रतनसिंहोत आदि प्रमुख योद्धा काम आये।

मनभावती बाई (१०८/१७४)—यह कछवाही राणी सोभागदे की पुत्री और गजसिंह की सगी बहिन थी। इसका जन्म संवत् १६५५ में हुआ था।

कछवाही राणी सूरजदे (१११/१८२)—यह आमेर के राजा भावसिंह की पुत्री थी। इसका विवाह मिर्जा राजा जयसिंह ने किया था। यह आगरे में महाराजा गजसिंह के साथ सती हुई थी। इसके एक पुत्री हुई थी जो अल्प अवस्था में मर गई थी।

राठौड़ किसनसिंह खीमावत (११३/१८२)—यह आसोप के ठाकुर खीमकरण का तीसरा पुत्र था। नाहड़सर व वड़लू इसकी जागीर में थे।

राणी प्रतापदे (१२३/१९९)—इसका पीहर का नाम रुक्मावती बाई था। इसके नाना केसवदास ने महाराजा से इसका विवाह किया। संवत् १६९० जेठ सुदी १३ को लाहोर में इसका देहान्त हुआ। महाराजा ने संवत् १६७९ में इसको राणीपदा दिया था।

महेशदास सूरजमलोत (१२५/२०३)—महाराजा के प्रधान राजसिंह खीमावत की मृत्यु के पश्चात् संवत् १६९७ में महेशदास को प्रधान बनाया गया।

रतन महेशदासोत (१२९/२०८)—यह बादशाह शाहजहाँ के प्रसिद्ध मनसबदारों में था। मालवा में रतलाम का राज्य इसी ने स्थापित किया था। बादशाह शाहजहाँ के पुत्रों के बीच गद्दी के लिए जो युद्ध हुआ, उसमें बादशाह की फौज में जसवन्तसिंह के अधीनस्थ शामिल होने वाले मनसबदारों में यह भी था। जसवन्तसिंह के युद्ध-भूमि त्यागने पर यह बड़ी वीरता के साथ लड़ता हुआ काम आया था। इस पर 'राठौड़ श्री रतनसिंह री वचनिका' और 'रतनरासो' नामक डिगल के प्रसिद्ध ग्रन्थ लिखे गये हैं।

१ एक गीत की दो पंक्तियाँ यहाँ उल्लेखनीय हैं—

खादी भीम अठारै खोयण,
सो भीमो खादो गजसिंह।

मिया फरासत (१२६/२०८) — यह महाराजा जसवन्तसिंह का बड़ा विश्वासपात्र अधिकारी था। कई परगनों की हाकमी करने के अतिरिक्त यह मारवाड़ का दीवान और मुसाहिब भी रह चुका था। जोधपुर की रीत किरिया-वर की बही से पता लगता है कि विशिष्ट घरेलू अवसरों पर जो दस्तूर बड़े से बड़े उमरावों का होता था वह इसे भी दिया जाता था।^१ यह महाराजकुमार का अभिभावक रहा।

पातसाही बहोर लूटो (१३५/२१३) — इतिहास-ग्रन्थों में लिखा है कि यह बड़ी विचित्र घटना थी। इस अवसर पर औरंगजेब की फौज का मनोबल एकदम गिर गया था। परन्तु औरंगजेब ने धैर्य नहीं खोया और वह खुदा को याद करता रहा। बाँकीदास की ख्यात में लिखा है कि इस अवसर पर २१ वाहन भरकर जसवन्तसिंह हुरम की लूट का सामान अपने साथ मारवाड़ ले गया था।^२

राठौड़ नाहरखां (१३६/२१५) — यह आमोप का मालिक और राजसिंह का पुत्र था। नाहरखा इसका नाम कैसे पड़ा इसका बड़ा दिलचस्प किस्सा ख्यातों में वर्णित है। बादशाह से किसी ने इसकी शारीरिक शक्ति की बड़ी प्रशंसा की तब उसने महाराजा से कहा कि आपके शेर की मेरे शेर से कुश्ती होनी चाहिए। भरे दरबार में इसने शेर से कुश्ती की और उसे चीर कर रख दिया। बादशाह ने प्रसन्न होकर नाहरखां की उपाधि से इसे सम्मानित किया। वैसे इसका मूल नाम मुकन्ददास था और संवत् १६६८ में इसका जन्म हुआ था। यह महाराजा जसवन्तसिंह के प्रमुख सरदारों में से था। महाराजा ने जब कन्धार पर चढ़ाई की तब यह भी साथ था। राठघड़ा में महेचों के उपद्रव को दबाने के लिये मुहणोत जयमल के साथ यह भी चढ़कर गया था। सबलसिंह को जब जैसलमेर का अधिकार प्राप्त हुआ तब उसे जैसलमेर पर कब्जा दिलाने के लिये जो सेना गई, उसमें यह भी प्रमुख सेनाधिकारी था। उज्जैन के प्रसिद्ध युद्ध में यह वीरता से लड़ता हुआ घायल हुआ। इसने महाराजा की खूब सेवा की। इसकी मृत्यु विक्रमी संवत् १७१५ में हुई। आमोप में इसके स्मारक स्वरूप विशाल छत्री बनी हुई है।

१. मारवाड़ रा परगना री विगत (भाग २) परिशिष्ट ३, पृष्ठ ४५१।

२. बाँकीदास री ख्यात, पृष्ठ ३२।

श्रीजो परणोजण नुं सिरोही पधारिया (१३८/२१६)—सिरोही में राव अखेराज की पुत्री अतिसुखदे देवड़ी से महाराजा की शादी हुई थी। जसवन्तसिंह की व्यस्तता के कारण से इस राणी को जोधपुर न ला सके। सिरोही के गाँव कालन्द्री में जब बालक अजीतसिंह मुकन्ददास खीची की देख-रेख में जग्गू पुरोहित के घर पाला-पोसा जा रहा था तब अप्रत्यक्ष रूप में इस राणी का संरक्षण उन्हें प्राप्त था, मूँदियाड़ की ख्यात में लिखा है कि जब अजीतसिंह ने जोधपुर पर अधिकार किया तब उन्होंने इस राणी को जोधपुर बुलाया। यहाँ सूरसागर में उसने सोने चाँदी का तुला-दान किया व ब्रह्म भोज दिया तथा दान-पुण्य किया। सूरसागर के बाग में स्थित कीर्तिस्तम्भ में यह वर्णन अंकित किया गया है।^१

देवी सांगवियां (१४०/२२३)—यह भाटियों की कुलदेवी मानी जाती है। किशोरसिंहजी वारठ के अनुसार काठियावाड़ के बलभीपुर (बला) नगर मे सांउवा शाखा के चारण मम्मट के घर इनका जन्म हुआ था। यह अपनी पाँच छोटी बहिनों सहित अपने पिता के साथ सिंध में आकर रहने लगी। वहाँ के शासक उमर सूमरा ने उनके साथ विवाह करने की इच्छा प्रकट की, जिस पर आवड़ ने अपने आपको महा शक्ति का स्वरूप घोषित कर उस राजा को कहलवाया कि अब तेरा अन्त निश्चय है। इसके पश्चात ये लोग जैसलमेर राज्य के अन्तर्गत तेमड़ा पर्वत की गुफा में आकर रहे। और उसने अपनी सांग (शस्त्र विशेष) के चमत्कार से उमर सूमरा का विध्वंस किया तथा सम्मा यादवों के राज्य की वहाँ स्थापना करवाई। सांग धारण करने के कारण ही इनका नाम सांगियां पड़ा।

कहते हैं कि सतलज नदी की एक शाखा उस समय सिंध में होकर बहती थी, जिससे वह प्रान्त बहुत-हरा भरा था। उमर सूमरा पर क्रुद्ध होने के कारण इस देवी के चमत्कार से उस नदी के पानी का रस बदल गया और वह मुल्तान की ओर बहने लगा। तभी से यह कहावत प्रचलित हुई कि 'वह पानी मुलतान गया'। जैसलमेर इलाके

के तेणोट-स्थान के संस्थापक राव.तरणु ने इस देवी की बड़ी भक्ति की और एक मन्दिर बनवाया । राव.तरणु के पुत्र विजयराज की भक्ति से प्रसन्न होकर देवी ने अपने हाथ की सोने की चूड़ (चूड़ी) विजयराज को दी और उसे वरदान दिया कि अपने दाहिने हाथ में यह चूड़ पहन कर लड़ेगा वहाँ तेरी विजय होगी । इसीलिये विजयराज चूड़ाला कहलाया और उसने भटिंडा पर विजय प्राप्त की ।^१

कुंवरजी गौड़ों र परणीया (१५०/२३३) — कुंवर पृथ्वीसिंह का विवाह गौड़ों के यहाँ संवत् १७२२ को हुआ । संवत् १७२३ में दिल्ली में रहते हुए इस कुंवर को मृत्यु हो गई थी । इसके पीछे गौड़जी सती हुई । बांकीदास की ख्यात में लिखा है कि सती होते समय गौड़जी ने कहा कि महाराजा से अर्ज करना कि हमारे पीछे यादगार में यहाँ स्मारक बनवा दें, जैसा कि उन्होंने महाराजा गजसिंहजी के ऊपर आगरे में बनवाया है । कुंवरजी के स्मारक को सेवा के लिये वहाँ व्यास सोभा रखा गया था ।^२

श्रीजो रामपुरे परणीया (१५०/२३३) — यहाँ संवत् १७२१ वैशाख सुदी ४ को जसवन्तसिंह ने रामपुरा के रात्र अमरसिंह की पुत्री जैसुखदे (चंद्रावती) से विवाह किया था । इस राणी के गर्भ से संवत् १७२३ में कुंवर जगतसिंह का जन्म हुआ था । संवत् १७३२ में जब बालक जगतसिंह अत्यधिक बीमार हुआ तब राजा-प्रजा में गम्भीर उदासी छा गई क्योंकि कुछ समय पहले कुंवर पृथ्वीसिंह की मृत्यु हुई ही थी । मुरारीदान की ख्यात में लिखा है कि इस अवसर पर राजा और प्रजा की तरफ से जगतसिंह के स्वास्थ्य-लाभ के लिये खूब दान-पुण्य किया गया । दान-पुण्य की विगत उक्त ख्यात में इस प्रकार दी गई है —

५०१) पाँचसौ एक रुपया कोठार पुण्य के लिये भेजे गये ।

३००१) तीन हजार एक का चाँदी का तुला दान किया गया ।

१ कपड़े का तुला दान किया गया ।

१ घृत का " " " "

१ लोहे का " " " "

१. द्रष्टव्य — चारण : भा० १-अक-३-४ संपादक किशोरसिंह बाहस्पत्य ।

२. बांकीदास की ख्यात, पृष्ठ ३५ ।

- १ तिलों का तुला दान किया गया ।
 १ गुड़ का " " " "
 १ लूण (नमक) का " "
 १ कौहलों का " "
 १ सप्तधान्य का । इस तरह कुल ८ तुला दान किये गये ।
 १००) दादीजी ने पुण्य दिये ।
 २०१) महाराणीजी ने पुण्यार्थ दिये ।
 ५०१) भीतर से पुण्य किये ।
 २००१) उमरावों ने पुण्य किये ।
 १०१) पंचोलियों ने पुण्यार्थ किये ।
 २०१) प्रधानों ने पुण्यार्थ किये ।
 २०१) राजपूतों ने पुण्य किये ।
 १००) पंचोली केसरीसिंह ने पुण्य किये ।
 १००) राठौड़ आसकरण ने पुण्य किये ।
 १००) मियें फरासत व खोजों ने पुण्य किये ।
 १०१) राठौड़ संगरामसिंह ने पुण्य किये ।
 १००१) बनिये छीपे सावूगर वगेरों ने पुण्य किये ।
 १०१) ईंदा रुधनाथदास ने पुण्यार्थ किये ।
 ८३११) इतना पुण्य तो यहाँ हुआ । और महाराज साहिब ने हजार मन अनाज गरीबों को दिलवाया । और जप दान अक्षय धारा-घट-सहल से पूजन आदि अनेक प्रकार से पुण्य किया गया और हाथी बहुत दान दिये गये^१ । फिर भी जगतसिंह का देहान्त हो गया ।

यादवों रे परणीया (१५०/२३३)—करोली के राजा छत्रसिंह की पुत्री जसकुंवरी से उनका यह विवाह हुआ था । यह राणी काबुल में महाराजा की मृत्यु के समय जमरूद के थाने साथ थी । उसके गर्भ से अजीतसिंह का जन्म हुआ था ।

उज्जैन का युद्ध, शाही मनसबदार (१७०-१७५, २४२-२४३)—इस युद्ध में शामिल होने वाले मनसबदारों की जो सूची उनके सैनिकों सहित यहाँ दी गई है यह

कुछ अपूर्ण है। डॉ० रघुवीरसिंहजी ने पंचोली ब्रजलाल की जोधपुर हकूमत की वही से जो सूची प्रकाशित की है वह पूर्ण है। (मरु भारती भाग ६ अंक १) अतः इस ग्रन्थ में छूटे हुए मनसबदारों के नाम उक्त सूची के आधार पर यहाँ अंकित किये जाते हैं—

१६२ रा० गोरधन चंपावत आसामी ३ १२६ रा० गोरधन ३० हजारी-पांचसौ असवार ।

२५ रा० रूपसी गोरधनोत च्यार सदी पचास असवार ।

११ रा० रतन गोरधनोत दोय सदी पचीस असवार ।

[पृ० २४]^१

८१ मेहमंद मुराद ३१ हजारी पंचसै असवार गोड़ ।

१२६ गोड़ भीव ३२ वीठलदासोत हजारी पच सौ असवार ।

२२४ भालो दयालदास नरहरदासोत आसामी ५ १२६ दयालदास ३३ हजारी पंच सौ असवार ।

६४ भालो राघोदास पंच सदी अढाई सौ असवार ।

१६ भालो इन्द्रभाण तीन सदी असवार ।

६ जगन्नाथ नरहरदासोत दोय सदी ।

६ उदेभाण जगनाथोत दोई सदी तीस असवार ।

६७ सैद असवार वेग आसामी २

८१ असवार वेग नव सदी च्यार सौ असवार ।

१६ साह कुली असवार वगेरो ।

१०१ सिसोदियो सुन्दरदास गोकलदासोत नव सदी च्यार सौ असवार ।

४५७ राजा वरसिंघदे वगैरे आसामी १७ ।

२२६ वरसिंघदे ३६ द्वारकादासोत अठ सदी आठ सौ असवार, दोइ सौ दोसपा सैसपा ।

३६ विजेसिंघ द्वारकादासोत तीन सदी ।

६४ जैचन्द दलपतोत पंच सदी अढाई सौ असवार ।

११ स्यामचन्द बलभदोत दोई सदी चालीस असवार ।

६ अभैचन्द भवनचंदोत सदी त्रिस असवार ।

५ अखैचन्द भवनचंदोत सदी पनरै असवार ।

७६ चौ० प्रतापसिंघ च्यार सदी तीन सौ असवार ।

२ चौ० मथुरादास प्रतापसिंघोत ।

६ चौ० किसनसिंघ प्रतापसिंघोत ।

[पृ० १५]

४ चौ० चन्द्रमण वाघजी री ।

१७ चौ० प्रतापसिंघ सबलसिंघोत, आसामी ४ ।

१०१ हाडो मोहणसिंघ ३६ माघोसिंघोत आठसदी च्यार सौ असवार ।

६१ सैद टपंदगरम (?) ३७ अठ सदी तीन सौ असवार ।

६६ चौ० बलु सबतसिंघोत आसामी ४—

७६ बलु ३८ सात सदी तीन सौ असवार ।

१६ चौ० तुलछीदास बलु री तीन सदी आठ असवार ।

७ चौ० नरहरदास बलुवोत दोय सदी तीस असवार ।

४ चौ० गौर्यददास अर्चलदासोत सदी पनरे असवार ।

६६ सैद कुली सात सदी तीन सौ असवार ।

५१ सैफुदिन ३६ तरवीयतखां री सात सदी दोय सौ असवार ।

४८ मेहमंद मुकीम ४० बेगसाह री ।

६३ अबदर सुलैवेग री हजारी तीन सौ असवार ।

४६ मेहमंद सैदवेग री सात सदी सौ असवार ।

४१ बाहादरबैग ४१ सात सदी ।

२६ रहमबैग पंच सदी ।

७५ सुरतण नाजर ४२ वर्गरी आसामी २६ ।

५१ हाडो केसरीसिंघ ४३ माघोसिंघोत छे सदी दोइ सौ असवार ।

[पृ० १६]

३६ खोजो हसन वदी (?) वंगेरे आसामी ४ ।

६२ इनातुला वंगेरी आसामी २ ।

६४ वरसौ झाली ४४ पंचसदी अढाई सौ असवार ।

६७ मेहमंद शरीफ वंगेरे आसामी ३ ।

५८ रा० श्याम [राम] सिंघ वंगेरे आसामी २—

५१ रा० श्याम [राम] सिंघ ४६ बलुओत पंच सदी दोइ सौ असवार ।

७ उदेसिंघ ४६ रामसिंघोत सदी तीस असवार ।

५१ चौ० हर्कमंगद प्रीथीराजोत पंच सदी दोय सौ असवार ।

२१ अब्दुल्ला नबी ४७ खान दौरा रो बिटो पंच सदी दोय सौ असवार ।

३४ नाहर बैग वगैरे आसामी ४ ।

२५ सुजा बैग वगैरे आसामी ४ ।

१५ खौजा इसहाल वगैरे ।

२०० रावत हरीसिंघ ४८ च्यार सदी च्यार सौ असवार । जमीदार

देवलीया रो, आधा जाबेता रो राखै ।

६४ माधोसिंघ चन्द्रावत वगैरे ।

५१ माधोसिंघ च्यार सदी दोय सौ असवार ।

१४ जगतसिंघ माधोसिंघ रो भाईग ।

[पृ० १७]

४२ मिरक मैहमंद वगैरे ।

५१ रा० कल्याणदास महेशदासोत ४६ च्यार सौ असवार च्यार सदी ।

५१ रा० महासिंघ केशोदासोत ५० च्यारे सदी दोइसौ असवार ।

५१ कछवाही पृथीसिंघ भुंभोरसिंघोत ५१ च्यार सदी च्यार सौ असवार ।

३६ शिशोदियो मम (?) सिंघ ५२ मनसिंघोत च्यार सदी दोड सौ असवार ।

साथ श्री महाराजाजी रो काम आयो (१७६-१८५/२४५) —

१. रा० बीठलदास गोपालदासोत—यह पाली का ठाकुर था । इसके साथ इसके सैनिक पत्नी बीनावत तथा भोजराज पातावत भी काम आयो ।

२. रा० गिरधरदास मनोहरदासोत—यह आउवा का स्वामी था । मुंदियाड की ख्यात में लिखा है कि काम आने से पहले इसने महाराजा से निवेदन किया कि मैं तो इस युद्ध में काम आऊंगा और आप आउवा महेशदास को दोगे परन्तु मेरे परिवार की इज्जत का भी खयाल रखना । महाराजा ने उसे कुछ आश्वस्त किया ।

१. काम आने वाली कुछ आसामियों का संक्षिप्त परिचय मुंदियाड की ख्यात (रा० प्रा० वि० प्र०) में दिया गया है, उसी के आधार पर यहां इनका परिचय दिया जा रहा है ।

३. रा० भीम गोपालदासोत—इसकी अवस्था उस समय १६ वर्ष की थी और यह महाराजा की चाकरी की उम्मीदवारी में था ।
रा० बलराम (उदावत) दयालदासोत—इसके २५ गांव सहित बदनोर पट्टे में था और कुल छतीस हजार रुपये की जागीरी थी ।
४. रा० कुम्भकरण बलरामोत—इसके १६ गांव सहित रायपुर गांव पट्टे था, जिसकी रेख इकसठ हजार रुपये थी ।
५. रा० वीरमदे मुकनदासोत—इसके तेरह गांव पट्टे में थे जिसकी रेख आठ हजार रुपये थी ।
६. रा० सूरदास वेणीदासोत—इसके छः हजार की रेख के बारह गांव का पट्टा था ।
७. रा० आसकरण बलरामोत—इसके चार हजार की रेख के पांच गांव पट्टे में थे ।
८. रा० करण सुजानसिधोत (जैतावत)—इसके बीस हजार की रेख से बगड़ी गांव पट्टे था ।
९. रा० जुगराज कुम्भकरणोत—इसके १३ गांव सहित बनला पट्टे में था ।
१०. रा० उदैभान भगवानदासोत—इसके दस हजार की रेख के चौदह गांव पट्टे में थे ।
११. रा० काना गोयंददासोत, इसके चार हजार दो सौ की रेख के चार गांव पट्टे में थे ।
१२. रा० (जोध) प्रतापसिध करमसिधोत—पट्टे गांव दो, रेख रुपया तीन हजार ।
१३. रा० रत्नसिध गोयंददासोत—पट्टे गांव पाँच, रेख छ हजार रुपया ।
१४. रा० ईसरदास महासिधोत—पट्टे गांव दो, रेख चार हजार रुपया ।
१५. रा० (भदावत) पूरणमल जसावत—पट्टे गांव दो, रेख रुपया दो हजार दो सौ ।
१६. रा० गोयंददास मानावत—पट्टे गांव एक, रेख रुपया एक हजार ।
१७. रा० गोरवन भगवानदासोत—चाकरी की उम्मीदवारी में था ।
१८. रा० विहारोदास केसवदासोत—चाकरी की उम्मीदवारी में था ।

१६. रा० (ऊहड़) मेघराज उरजनोत—इसके कोरणा आदि तेरह गाँव पट्टे में थे ।
२०. रा० नारायणदास गोयंददासोत—पट्टे गाँव दो, रेख दो हजार सात सौ ।
२१. रा० (पातावत) भगवानदास मांडणोत—इसके चोटीला गाँव पट्टे में था ।
२२. रा० नगो (तोगो) रामदासोत—इसके नौसर गाँव पट्टे में था ।
२३. रा० जगनाथ चाँदावत—इसके पट्टे में करणू की जागीर थी ।
२४. रा० (रूपावत) सबलसिंघ आसकरणोत—यह चाकरी की उम्मीदवारी में था ।
२५. रा० (वालावत) किसनदास वेणीदासोत—यह भगवानदास देवराज सहित काम आया ।
२६. भा० महेशदास अचलदासोत—पट्टे गाँव वीकुंकोहर १५ गाँवों से त० ओसियाँ ।
२७. भा० केसरीसिंघ अचलदासोत—पट्टे गाँव केलावा ।
२८. भा० विसनसिंह रामचंदोत—पट्टे गाँव खारड़ा ।
२९. भा० दुरगदास केसवदासोत—यह दुगोलिया (वडूक) की लगने से मरा ।
३०. भा० माधोदास केसवदासोत—पट्टे गाँव आवावस ।
३१. भा० नरसिंघ भाणोत—पट्टे गाँव जाटिया वास ।
३२. भा० मानसिंघ गोपालदासोत—पट्टे गाँव जालखो ।
३३. भा० भाँण मनोहरदासोत—पट्टे गाँव नांदिया वड़ा ।
३४. भा० उदैसिंघ माधवदासोत तथा कुंभा सुनताणोत—चाकरी की उम्मीदवारी में थे ।
३५. भा० रतनसिंह प्रागदासोत—पट्टे गाँव कोरणा ।
३६. भा० भींव प्रागदासोत—पट्टे गाँव कीटनोद ।
३७. भा० गोकलदास संकरदासोत—चाकरी की उम्मीदवारी में था ।
३८. भा० केसरीसिंघ वीठलदासोत—पट्टे गाँव विराई तथा तानोड़ा (जैतारण)
३९. भा० सुजाणसिंघ सुन्दरदासोत—चाकरी की उम्मीदवारी में था ।

४०. ईंदे सरदार छः गाँव बालेसर के काम आये ।

४१. पुरोहित दलपत मनोहरदासोत—इसकी अवस्था उस समय वाइस वर्षकी थी । उस समय यह नवविवाहित था । तिवरी गाँव

इसके पट्टे में था ।

विशेष—ग्रंथ में दी हुई सूची के अतिरिक्त युद्ध में काम आने वाले कुछ प्रसिद्ध मनसबदारों व अन्य छोटी-बड़ी आसामियों की सूची मूँदियाड़ की ख्यात में इस प्रकार है—

१. रावराजा छत्रसाल बूंदी का स्वामी व कुंवर भारतसिंह छत्रसालोत, वाप वेटा दोनों काम आये जिनके पीछे चालीस सतियें हुई—

छः राणियें तथा चौतीस खवासें ।

२. राजा रूपसिंह भारमलोत—किसनगढ़ का स्वामी ।

३. राव रामसिंह चन्द्रसेणोत ।

४. राजा शिवराम बलराम गोपालदासोत—सरवाड़ का राजा ।

अन्य ५. गौड़ भीम विठलदासोत ।

अन्य आसामियें—

१. राठौड़ केसरीसिंघ भगवानदासोत, जगरूप, जगनाथोत ।

२. राठौड़ सुजाणसिंघ गोपालदासोत मेड़तिया ।

३. रा० रुघनाथसिंघ प्रतापसिंघोत मेड़तिया ।

४. रा० हरीसिंघ प्रतापसिंघोत मेड़तिया ।

५. रा० सूरजमल मनोहरदासोत मेड़तिया ।

६. रा० मुकनदास-किसनसिंघोत, गोकलदास वृन्दावनदासोत ।

७. रा० किसनसिंघ दलपतोत मेड़तिया ।

८. रा० किशोरदास सबलसिंघोत मेड़तिया ।

९. रा० महासिंघ रुघनाथोत ।

१०. रा० रैवतसिंघ भानसिंघोत ।

११. रा० करण जगनाथोत और काना दोनो सगे भाई ।

१२. रा० उदेभाण वनमालीदासोत विहारी ।

१३. ठाकुरसी सादलोत मेड़तिया ।

१४. रा० केसवदास मोहनदासोत ।

१५. रा० भार्वसिध जगनाथोत ।

१६. रा० रुघनाथ भोजराजोत करमसोत ।

१७. रा० शुभकरण व मनोहरदास आसकरणोत करमसोत, दोनों भाई ।

१८. रा० माधोदास चतुरभुजोत ।

१९. कलांगदास जसवन्तोत ।

२०. रा० रूपो, तोशाखाना पर था ।

२१. रा० किसनसिध अचलावत वगैरे आसामी एक सौ पैतालीस ।

बाग कागो (१८६/२४६)—यहाँ के कुँए का पानी बड़ा उत्तम और स्वास्थ्य-वर्द्धक माना जाता है । महाराजा जसवन्तसिंह प्रथम ने यहाँ पर बाहर से मंगवा कर अनेक पेड़ लगवाये थे । वर्तमान में शोतला माता का मेला यहाँ लगता है तथा कई सामंतों की छतरियाँ बनी हुई हैं । किवदंती है कि यहाँ किसी समय काकभुषंड ऋषि ने तपस्या की थी ।

बहूजी सेखावत रौ तळाव (१८६/२४६)—यह तालाब महाराजा जसवन्तसिंहजी (प्रथम) की रानी अंतरंगदेजी (खंडेला की) ने बनवाया ।^१

बहूजी सरूपदे रौ तळाव (१८८/२४६)—यह तालाब मालदे की भालीरानी सरूपदे ने संवत् १५६७ में बनवाया । नाम स्वरूपसागर है ।^२

राईको हाडीजी रौ बाग (१८६/२४६)—यह बाग महाराजा जसवन्तसिंह (प्रथम) की हाडी रानी जसरंगदे ने संवत् १७३० में लगवाया ।^३ पहले इस स्थान को रातानाडा कहते थे ।

सूर सागर (१८६/२४६)—यह स्थान महाराजा सूरसिंह ने संवत् १६६४ में भाटी गोयंददास की देखरेख में बनवाया । ८ वर्ष में कार्य पूरा हुआ ।

पास ही अनेक सामंतों ने भी छोटे-बड़े बाग बनवाये ।^४

बालसमंद (१८६/२४६)—इसे नाहड़ागव पडिहार के भाई बालाराव ने बंधवाया था । यह बाँघ मंडोर के पास है ।

१. द्रष्टव्य—इसी ग्रंथ का परिशिष्ट (ख) पृष्ठ ५८३

२. " " " " " ५८२

३. " " " " " ५८२

४. " " " " " ५८३

डौंगिया वास (२१६/२५०)—बीकानेर-से आकर डोंगा शाखा के जाट यहां वसे जिससे इसका यह नाम पड़ा ।

रांमपुरी बिसाइण बास ६ (२२५/२५०)—यह गाँव रांम कुंभावत भाटी के द्वारा बसाया गया था ।^१

तिवरी (२३६/२५०)—यहाँ पर संवत् १५२२ में सस्थापित पार्श्वनाथजी का मन्दिर है ।

चावंडवा (२३७/२५२)—यहाँ पहाड़ी पर चामुण्डा का प्राचीन मन्दिर है । यहां राव चूंडा ने चामुण्डा की तपस्या की थी ।

बीठू मेहा (२४२/२५२)—इस कवि का लिखा हुआ “पावूजो रा छद्” डिगल का उत्तम काव्य है ।

पीपाड़ (२४४/२५३)—यहाँ का पीपलाद माता का मन्दिर, एक कुण्ड तथा ६ वीं शताब्दी का विष्णु-मन्दिर दर्शनीय है ।^२

कापरडो (२४६/२५३)—यहाँ का प्राचीन जैन मन्दिर द्रष्टव्य है ।

वेजड़लो (२४६/२५३)—यहाँ माताजी का प्राचीन मन्दिर पहाड़ पर बना हुआ है ।

वाघोरियो (२५२/२५३)—यहाँ पर भी पहाड़ी पर देवी का प्राचीन मन्दिर है ।

बड़लू (२५५/२५५)—यह गाँव बड़ला जाति के जाटों ने बसाया । भूतेश्वर पहाड़ मे देवस्थान है जहाँ नंदावाणे सेवा करते हैं^३ ।

बीलाड़ौ (२५६/२५६)—यह लूनी नदी के किनारे पर बसा हुआ एक प्राचीन नगर है । यहाँ शाहजहाँ का लगाया हुआ एक प्राचीन बगोचा (मारा-मोरा) प्रसिद्ध रहा है । यह स्थान सीरवी सम्प्रदाय के लोगों का प्रमुख स्थान है । यहाँ पर संवत् १५२१ में आईजी प्रगटो थी और तभी से वहाँ अखंड ज्योति जलती है । इस सम्प्रदाय का प्रधान आईजी का दीवान है, उसके बड़े महल बने हुए हैं । दीवान लोग किसी समय में बड़े सम्पन्न

१. बांकीदास री ह्यातः सं० नरोत्तमदास स्वामी, पृ. १२० ।

२. जोधपुर राज्य का इतिहास (प्रथम भाग) डॉ० ओझा पृ. ३१ ।

३. बांकीदास री ह्यातः सं० नरोत्तमदास स्वामी, पृ० २०१ ।

माने जाते थे । उनके वहाँ ऐतिहासिक महत्व के दस्तावेजों का भी महत्वपूर्ण संग्रह रहा है ।^१

किसना दुरसावत (आढा) (२६२/२५६)—यह प्रसिद्ध कवि दुरसा आढा का पुत्र था । इसे दुरसा के जीवन-काल में ही पर्याप्त ख्याति मिल गई थी । इसकी स्फुट गीत-रचना भी उपलब्ध होती है ।

पाली २६२/२६०)—यहाँ प्रारम्भ में पलीवाल ब्राह्मण रहते थे । ये उदयपुर राणा के गुह्य थे । खेड़ पर अधिकार कर लेने के पश्चात् राठौड़ों ने पलीवालों को हटाकर यहाँ अपना कब्जा कर लिया । राठौड़ों के आगमन के पहले जोधपुर के आस-पास पलीवालों की अच्छी बस्ती होनी चाहिए क्यों कि यहाँ के अनेक गाँवों में उन पर बनी छतरिये विद्यमान हैं । यह उस समय यहाँ की प्रमुख व्यापारी कौम होनी चाहिए ।

मानासिंघ अखैराजोत सोनिगरा (२६५/२६२)—यह मालदे के प्रसिद्ध सामंत अखैराज सोनीगरा का पुत्र था और राणा की ओर से लड़ता हुआ हल्दीघाटी के युद्ध में काम आया था ।

भाद्राजण (२७३/२६५)—यह ग्राम पहाड़ी की ढाल में बसा हुआ है । राव मालदे के समय से यह राठौड़ों के अधिकार में आया ।

कोढणो (२६३/२७३)—भारमल जोधावत की बैठक यहाँ थी । फिर उसका पुत्र जैसिंघदे यहाँ रहता था, पर उससे इस जागीर का बन्दोबस्त नहीं हुआ तब राव गांगा ने महेवा से ऊहड़ो को बुलाकर १२ गावों सहित यह जागीर उन्हें दी ।

बाघावास (२६७/२६३)—चहुवान प्रथुराव के पुत्र बाघ ने यह गाँव बसाया ।^२ बाद में दुर्गादास आसकरणोत के वंशजों की जागीर यहाँ रही ।

नागाणो (२६६/२६३)—राठौड़ों की कुलदेवी नागणेचियाँजी की मूर्ति यहां पर स्थापित है ।

१. राजस्थान में राजस्थानी साहित्य की खोज, (डा० हरप्रसाद शास्त्री) पृ० ७०-७६, रा० शो सं. जोधपुर ।

२. बांकीदास की ख्यात, पृ० १६३ ।

दूदा आसिया (३०३/२७६)—इस कवि को बीकानेर के राजा रायसिंह ने
एक हाथी अपने विवाह के अवसर पर प्रदान किया था ।^१

बहलवो (३०५/२७८)—इंदा सरदारों का मुख्य स्थान है । यहाँ के जागीरदार
राणा की उपाधि थे ।

घटीयाळो (३१०/२८०)—यहाँ पर प्राचीन शिला लेख हैं ।

सेतरावो (३१२/२८२)—यहाँ पर वीरम ने अपने पुत्र देवराज को महाजनों की
बस्ती के साथ बसाया था । फिर लूणा का अधिकार यहाँ हुआ और
तत्पश्चात् भाटियों का अधिकार रहा ।

केतू गोगादेवां रौ वास (३१५/२८४)—यह गोगादे वीरमदेवोत का मुख्य स्थान
रहा ।

सेषाळो बडौ वास (३१६/२८४)—यहाँ पर गुसाईंजी प्रगटे थे । यहाँ से फिर
खिरजाँ में प्रगटे । गुसाईंजी की घोड़े पर सवार मूर्ति गोगादे पूजते है ।

देहू (३१८/२८७)—देवराज के पुत्र चाहड़दे के वंशज जैमल धनराज आदि
स्थायी तौर पर यहाँ रहने लगे थे ।^२

ओसियाँ (३१९/२८९)—ओसवाल महाजनों की उत्पत्ति यहाँ से हुई । यह नगर
बहुत प्राचीन है । यहाँ पर प्राचीन कलात्मक मन्दिर विद्यमान है तथा
कई शिलालेख महत्व के है ।

हरभुसर (३३२/२८९)—प्रसिद्ध पीर हरभुजी का बसाया हुआ ग्राम ।

लवेरो (३४१/२९३)—महाराजा सूरसिंह के प्रसिद्ध प्रधान भाटी गोयन्ददास की
जागीर का ग्राम ।

बावड़ी (३४१/२९३)—यहाँ की बावली में दलथंभन से सम्बन्धित महत्वपूर्ण
शिलालेख है ।

खेड़ापो (३४९/२९४)—यहाँ रामस्नेही सम्प्रदाय की गद्दी है ।

१. डॉ० टैसीटरी का राजस्थानी ग्रंथ सर्वेक्षण : सं० डॉ० नारायणसिंह भाटी, रा०
शो० सं चौपासनी, जोधपुर ।

२. मुरारीदास की कथात, पृ० ३५१ ।

सांझू माला (३४६/२६४)—इस कवि द्वारा रचित 'रायसिंघ री वेलि' प्रसिद्ध काव्य-रचना है। इसमें ४३ छंद हैं।^१

गाडण चोला (३४६/२६४)—३१ छंदों में रचित 'सूरसिंघ री वेलि' इसकी सुन्दर काव्य-कृति है।^२

महेवा (३५३/२६६)—प्रारम्भ में रावळ मलोनाथजी की जागीर का स्थान रहा। रावळ मेघराज हापावत को संवत् १६४० में मोटाराजा ने यह गांव दिया और वह उनके साथ गुजरात चढ़ाई में गया। बाद में मेघराज ने यह जागीर वीरमदे कलावत को दी। संवत् १६६८ में मोटा राजा ने यह दूदा तथा पता को देदी। महेवा के तीसरे हिस्से के गांव आगे जाकर महेसदास पतावत की जागीर में आये। संवत् १६६३ में महेवा के गांव आधो-आध भारमल और महेसदास को आपस में बाँट दिये।^३

तलवाड़ो (३५६/२६६)—महेवा का प्रसिद्ध ग्राम। यहाँ बहुत बड़ा पशु-मेला लगता है।

षेड़ (३५६/२६६)—राठौड़ों ने प्रारम्भ में यही पर कब्जा किया था इसीलिये इन्हें षेड़ेचा कहते हैं।

परगना सोभत

सोभत (३८३/१)—सोभत अच्छा कस्बा है। प्राचीन ग्रन्थों में इसका नाम सुद्धदती मिलता है। इसे त्रवावतो नगरी भी कहते थे। यहाँ पर ताँवे की खान थी।^४ यहाँ की अजवायन तथा महुंदी प्रसिद्ध है। राव रिङ्गमल को सोजत राणा की ओर से दी गई थी पर बाद में राणा का पुनः अधिकार हो गया। जब राव जोधा ने मण्डोर पर अधिकार करके जोधपुर बसाया तब उसने सोभत पर भी अधिकार कर लिया।

सोभत नाँवे बेटो (३८३/१)—कई ग्रन्थों में इसका नाम सेभल अथवा सोजल भी मिलता है।^४ इसका स्थान सोभत में अब भी पूजा जाता है। सोभत

१. परम्परा—भाग १४ पृ. १११।

२. „ „ „ „ ११३।

३. मुरारीदान री ख्यात २, पृ० ३१५-२३।

३. परम्परा भा० ११ पृ० १०५।

४. वही।

के शाप से त्रंसेन का राज्य गया तथा हुलों का राज्य यहाँ हुआ अतः उसी समय से इसका नाम सोभत पड़ा होगा ।

चारणी करणी (३८३/४)—चारण जाति में उत्पन्न देवियों में करणीजी का प्रमुख स्थान है । ख्यातों के वृत्तांतों से पता लगता है कि राव वीका और कांधलजी को वीकानेर राज्य की स्थापना करने में करणीजी ने बड़ी सहायता पहुँचाई थी । तभी से वीकानेर के राठौड़ इन्हें अपनी इष्ट देवी मानते हैं । देशनोक गांव में इनका बड़ा भव्य मन्दिर बना हुआ है । वारहट किशोरसिंहजी ने इनका समय वि० सं० १४४४ से १५६५ माना है ।^१

राव सता (३८६/५)—मुरारीदान की ख्यात में लिखा है कि राव शराव बहुत पीता था इसलिये राज्य का सारा कार्य-भार रणधीर पर था ।^२

इसकी साक्षी का एक गीत अवलोकनीय है—

रायांगुर रौद्र कळोघर रावण
बैठक वीर कळोघर वीर ।
सतो मंडोवर राख न सकियो
रावत तो पाखे रणधीर ॥

हींगोला री बासण (४२०/४०)—यह गांव हींगोला पीपाड़ा का बसाया हुआ होना चाहिए ।

हींगोला पीपाड़ा (४२३/४२)—यह राठौड़ पृथ्वीराज का चाकर था । पृथ्वीराज ने इसे एक तलवार वक्सी थी इसका बड़ा दिलचस्प किस्सा ख्यातों में है ।^३

रामदास बैरावत (४२६/४४)—यह बड़ा दानी था । इसकी अखाड़ियाँ राजस्थानी साहित्य की सुन्दर रचना है ।

सहेवाज खान (४३१/४४)—यह अकबर का सेनापति था । राव चन्द्रसेन जब सिवाने में था तब वीकानेर के राजा रायसिंह के साथ यह बादशाह की ओर से उस पर चढ़कर आया था ।

१. चारण, अण्ड १, अंक ३-४ ।

२. मुरारीदान की ख्यात २, पृ० ५६ ।

३. देखें, मुहता नैणसी री ख्यात भा. २, पृ० १२० ।

राव राम (४६७/४४)—यह राव मालदे का बड़ा पुत्र था । इसे यह आभास हो गया था कि मालदे के पश्चात् गद्दी उसे नहीं मिलेगी । अतः जब मालदे अधिक बीमार हुआ तो कुछ सरदारों से मिलकर उसने यह षड़यंत्र रचा कि मालदे को नजरबन्द कर स्वयं गद्दी पर बैठ जाय । पर भेद खुलजाने से ऐसा न हो सका और उसे देश छोड़कर जाना पड़ा । वह ऊमादे भटियाणी के पास जाकर रहा ।

डीघोड़ (४६७/४४)—राव राम के पश्चात् यह स्थान कला के अधिकार में रहा । यहाँ के गुढे में रहते हुए उसने मुगलों से मुकाबला किया ।^१

सोंचीयाई (४६९/४४)—ख्यातों में इसका नाम सचियाय मिलता है । यहाँ सचियाय माता का स्थान है । यहाँ की पहाड़ियों में (सचियाय री गाळ) राव चन्द्रसेन का देहान्त हुआ था ।^२

भाटी वेणीदास (४७३/४५)—यह भाटी गोयंददास मानावत का ५ वा पुत्र था ।^३

राधारो बासणी (४७९/४६)—यह गांव १७०९ में जसवंतसिंह के कुंवर पृथ्वीसिंह के जन्म की बघाई के उपलक्ष में ब्राह्मणों को दिया गया होगा ।

पांचेटियौ (४८३/४७)—यह गांव महाराज गजसिंह द्वारा संवत् १६७७ में आढा दुरसा तथा किसना दुरसावत को दिया गया । अर्थात् इसके पहले यह गांव इनके सांसण में नहीं था ।

सांकर बाहरेट (४८४/४७)—“दातर सूर रौ सवाद” इसकी प्रसिद्ध रचना है । ऐसी प्रसिद्धि है कि बीकानेर के राजा रायसिंह ने इसे सवा करोड का पुरस्कार दिया था । इसके रचे हुए अनेक गीत भी हैं ।^४

बारहट लखा नांदणोत (४८५/४७)—यह बड़ा प्रभावशाली व्यक्ति था । इसको पहुँच मुगल दरबार तक में थी । दुरसा आढा जैसे कवियों को भी ऊपर उठाने और मुगल दरबार तक ले जाने का श्रेय इसे प्राप्त है । इसने

१. ऐतिहासिक बात्तां (परम्परा) पृ० ८३ ।

२. वही, पृ० ८५ ।

३. बांकीदास री ख्यात, सं० नरोत्तमदास स्वामी, पृ० ११९ ।

४. राजस्थानी सबदकोस, प्रथम भाग पृ० १३५ ।

पावूजी की प्रशंसा में सुन्दर काव्य लिखा है, तथा इसकी अनेक स्फुट रचनाएँ भी प्राप्त होती हैं।

गाडण केसोदास सांदुवोट (४८६/४७)—महाराजा गजसिंह ने सं. १६८३ में यह गात्र लाखपसाव में इस कवि को दिया था। इस कवि की स्फुट रचनाओं के अतिरिक्त “गज गुण रूपक बंध”^१ नामक प्रसिद्ध ग्रन्थ मिलता है जिसमें मुख्य रूप से भीम अमरावत के साथ हुए गजसिंह के युद्ध का बड़ी ओजस्वी शैली में वर्णन किया गया है। “नीसाणी विवेक वार” भी इसकी महत्वपूर्ण कृति है। यह भक्त कवियों में भी अपना स्थान रखता है।

रामा सांदु (४८७/४७)—इसने संवत् १६१६ के लगभग उदयसिंह री वेलि नामक सुन्दर साहित्यिक कृति का सर्जन किया। इसकी स्फुट रचनाएँ भी मिलती हैं।^२

माधवदास दधवाड़िया (४८७/४७)—यह प्रसिद्ध कवि राठौड़ पृथ्वीराज का समकालीन था।^३ इसका ग्रन्थ “राम रामो” डिगल की उत्तम कृतिय में गिना जाता है।

परगना जेतारण

जेतारण (४६२/१)—यह शहर १५२५ में राव जोधा के समय में बसा। यह मारवाड़ का महत्वपूर्ण स्थान रहा है। जोधा के वंशजों में यह ऊदावत राठौड़ों का मुख्य परगना रहा है। इसमें ऊदावतों के बड़े ठिकाने थे तथा यहा के ऊदावत जेतारणिया कहलाये।

रूण (४६२/१)—यह स्थान सांखला राजपूतों का प्रमुख स्थान रहा है। अपने अस्तित्व के लिये सांखलों ने यहाँ रहकर बड़े संघर्ष किये हैं। यह नगर पहले सम्यन्न था पर अलाउद्दीन खिलजी के साथ हुए युद्ध-संघर्ष में नष्ट हो गया।

१. सं. सीताराम लालस, प्रः रा. प्रा. वि. प्र० जोधपुर।

२. परम्परा, भाग १४ पृ. ११०।

३. पृथ्वीराज ने इसके बारे में यह दोहा कहा है—

चूँडे चत्रभुज सेवियो, तत फल लागो तास।

चारण जीवो चार जुग, मरो न माधवदास ॥

ऊदा सूजावत (४६२/१)—यह सूजा की रानी सवरंगदे मांगलियाणी का पुत्र था । इसके वंशज ऊदावत कहलाये ।^१

गळणियो (५११/१२)—यह गाँव अखैराज सोनीगरा के वंशज मुकंददास के (१६०००) की रेख से पट्टे में रहा ।^२

लोटीधरी (५१३/१२)—हाजीखां और राणा उदयसिंह के बीच जो युद्ध हुआ उसमें मालदे ने हाजीखां की सहायता की थी, तत्पश्चात् हाजीखां इस गाँव में आकर रहा था । नैणसी की ख्यात में लिखा है कि इसी समय जब अकबर ने रुष्ट होकर अपनी फौज उस पर भेजी, तो वह वहाँ से भाग गया और फिर जैतारण पर रतनसिंह खीवावत से उस फौज की मुठभेड़ हुई ।^३

मालपुरियो (५२२/१२)—यह गाँव राव मालदे का बसाया हुआ है ।

रतनपुरी (५२३/१२)—यह गाँव प्रसिद्ध वीर राठौड़ रतनसिंह खीवावत का बसाया हुआ है ।

पृथ्वीपुरी (५२३/१२)—यह गाँव महाराजा जसवन्तसिंह (प्रथम) के राजकुमार पृथ्वीसिंह के नाम पर बसाया गया ।

महेसियो (५२७/१२)—यह गाँव भाटी सुरजन आसावत को संवत् १६७४ में जागीर में दिया गया था ।^४

हाजीवास (५२७/१२)—यह गाँव सूबेदार हाजीखां के नाम पर बसा होना चाहिए ।

काणूजो (५३६/१२)—यहाँ पर राव चन्द्रसेन ने अपने संकट का समय निकाला था ।

लाखावासणी (५५१/२४)—राठौड़ रतनसिंह खीवावत ने गाँव गळणिया के खेत चारण लाखा दासावत को दान दिये थे, वही पर बस्ती बस गई, जिसका नाम लाखावासणी पड़ा ।

१. गुरारीदान की ख्यात २ पृ० १०३ ।

२. मुहंता नैणसी की ख्यात भाग १ पृ० २११ ।

३. मुहंता नैणसी की ख्यात भा. १ पृ० ६२ ।

४. मुहंता नैणसी की ख्यात भा. २ पृ० १४६ ।

तेजा री बसणी (५५१/२४)—चारण तेजा यहाँ बसा था, उसी के नाम पर इस गाँव का नाम यह पड़ा ।

मानपुरौ (५५२/२४)—मेर माना का बसाया हुआ गाँव ।

लालपुरौ (५५३/२४)—यह गाँव मेर लाला का बसाया हुआ है ।

परगना फलोधी

(भाग २)

फलोधी (१/१)—इसका प्राचीन नाम फलवर्द्धिका है । इस स्थान पर अनेक शिलालेख महत्त्व के हैं, जिनमें कल्याणरायजी के मन्दिर का शिलालेख वि० सं० १२३६, तथा महाराजा जसवन्तसिंह के समय का लेख १६९६ का है, जिसमें मुहणोत नैणसी तथा वहाँ की जनता द्वारा रंगमंडन बनवाये जाने का उल्लेख है । शान्तिनाथ के प्राचीन मन्दिर को दीवार पर महाराजा गजसिंह (जोधपुर) के समय के दो लेख—सं० १६८९ के हैं, जिनमें उक्त मन्दिर के जीर्णोद्धार करवाने का उल्लेख है । यहाँ के गढ़ में भी ५ शिलालेख महत्त्व के हैं, जिनमें एक शिलालेख सूजा के पुत्र नरा द्वारा सं० १५३२ में गढ़ की पोल के निर्माण करवाने से सम्बन्धित है ।^१

नरा सूजावत (१/१)—प्राचीन ख्यातों में इसका नाम नरसा भी मिलता है । यह भाटियों का भानजा था ।^२ डॉ० ओझा ने जोधपुर राज्य के इतिहास (भा० २) में इसका पूरा नाम नरसिंह तथा नरसिंहदेव लिखा है ।^३ इस ने सातलमेर के नाम से पोकरण की राजधानी बसाई, दुर्ग बनवाया तथा नरासर तालाब का निर्माण करवाया । इस तालाब पर उसकी छतरी बनी हुई है । मुरारीदान की ख्यात में लिखा है कि सूजा ने इसे गुजरात के बादशाह की सेवा में भी भेजा था । यह रानी लक्ष्मी का पुत्र था ।^४

जगमाल मालावत (२/२)—यह महेवे के स्वामी मल्लीनाथ का पुत्र था । यह बड़ा वीर योद्धा था । इसके वंशज जो पोकरण में हैं, पोकरणा कहलाये ।

१ विस्तृत वृत्तान्त के लिये देखें—जोधपुर राज्य का इतिहास (प्रथम भाग) डॉ० ओझा पृ० ४३-४५

२. बांकीदास री ख्यात, सं० नरोत्तमदास स्वामी पृ० ८ ।

३. जोधपुर राज्य का इतिहास पृ० ४४ ।

४. मुरारीदान री ख्यात २ पृ० ६७० ।

इसके सम्बन्ध में अनेक प्राचीन बातें प्रचलित हैं। राजस्थानी बात साहित्य में 'गणगोर में गीदोली गाई जै तिणरी बात' प्रसिद्ध है। इसका नायक जगमाल है। यह गीदोली महमूद बेगड़े की लड़की थी। बेगड़े का एक सेनापति हाथीखाँ जगमाल के राज्य में से १४० स्त्रियाँ हरण करके ले गया, जिसके बदले में जगमाल बेगड़े की लड़की गीदोली को उठा लाया। फिर युद्ध हुआ, जिसमें बेगड़े की पराजय हुई। इस युद्ध में जगमाल ने बड़ा पराक्रम दिखाया, जिसकी साक्षी का यह दोहा बड़ा प्रसिद्ध है—

पग पग नेजा पाड़िया, पग पग पाड़ी ढाल।

बीबी पूछे खान नै, जग केता जगमाल ॥

- गीदोली जगमाल से प्रेम करती थी, इसलिये उसे उसने नहीं लौटाया।^१ जगमाल ने एक विवाह सोलंकरियों के यहाँ किया था। सोलंकरणी से कुभा नाम का बड़ा प्रतापी पुत्र हुआ। उसने जगमाल से द्वेष रखने वाले वीर हेमा को मारा था और इसी द्वन्द्व युद्ध में उसकी भी मृत्यु हुई। साक्षी का दोहा—

डसे अहर जमदूत, मखर छिलंते मेलियो।

कूँभे वाळो कूँत, हेमे वप सांसर हुवो ॥^२

राव हमीर (३/३)—यह नरा का भाई था।

खोचो हद्दो (६/७)—यह केलहण का पुत्र था और इसी युद्ध में मारा गया।^३

मुंहतो जैमल (७/६)—यह मुहणोत नैणसी का पिता था। जालोर आदि कई स्थानों की हाकमी करने का अवसर इसको मिला। यह जसवतसिंहजी के समय में कुछ समय के लिये दीवान भी रहा।

जालावाडी (१४/२८)—इस स्थान पर जैसिध वीरमदेगोत की बैठक थी।^४

१. राजस्थान में राजस्थानी साहित्य की खोज (हरप्रसाद शास्त्री) सं० डॉ० नारायणसिंह भांडो २१ शो. सं चौगसनी जोधपुर पृ० ६०।

२. मुहणोत नैणसी की ख्यात (भा० २) रा. प्रा. वि. प्र, पृ० २६८।

३. मुरारोदान की ख्यात २, पृ० १५६।

४. वही पृ० ३५६।

वरजांगसर (१८/२८)—यह स्थान खींवा के पिता वरजांग के नाम पर बसा ।

जांभेळाव (२३/२८)—यह स्थान विष्णोई सम्प्रदाय के प्रवर्तक जांभोजी के नाम पर बसा ।

कोळू (२८/२८)—यहाँ प्रसिद्ध लोक देवना पावूजो घाँवल का देवस्थान है ।

परगना मेड़ता

मेड़तो (३७/१)—संस्कृत लेखादि में इसका प्राचीन नाम मेडतंक मिलता है । मण्डोर के प्रतिहार सामन्त वाउक के वि० सं० ८१४ के लेख में उसके ८ वे पूर्व पुरुष नागभट्ट का मेडतंक को राजधानी बनाने का उल्लेख है । यहाँ के मन्दिरों आदि में विद्यमान प्राचीन शिलालेखों का बड़ा ऐतिहासिक महत्व है ।^१

राजा मानघाता (३७/१)—पौराणिक युग में यह राठौड़ों का मूल पुरुष माना जाता है । जवनसत राजा के कोई सन्तान नहीं थी, अतः वह तपस्या के लिये अपनी रानियों सहित तपोवन की ओर चला । जब वह हरिद्वार पहुँचा, तो गौतम ऋषि ने कृपा कर उसे वरदान दिया, जिससे उसके एक पुत्र हुआ, उसका नाम उसने मानघाता रखा । यह लड़का बड़ा पराक्रमी हुआ और इसका राज्य बहुत दूर-दूर तक फैला । इसने मेहपाठ नामक स्थान को अपनी राजधानी बनाया जो बाद में मेड़ता कहलाया ।^२

कान्हड़दे (३७/१)—यह सोनगरा जाति का इतिहास प्रसिद्ध योद्धा-जालोर का स्वामी था जिसने आलाउद्दीन खिलजी के विरुद्ध बड़ा संघर्ष किया था । इसका विस्तृत वर्णन कवि पद्मनाभ ने डिंगल भाषा में लिखित 'कान्हड़दे प्रबन्ध' में बड़े सुन्दर ढंग से किया है ।

वरसिंघ, दूदो (३७/२)—ओझाजी ने इन्हें जोधा की रानी सोनगरी चम्पा का ही पुत्र माना है । मुरारीदान की ख्यात में इस रानी के पिता का नाम

१. विस्तार के लिये देखें—जोधपुर राज्य का इतिहास (प्रथम भाग) डॉ० ओझा, पृष्ठ ३३-३५ ।

२. राठौड़ वंश री विगत एवं राठौड़ां री वंशावली, सं० मुनि जिनविजयजी, रा. प्रा. वि. प्र. पृष्ठ १-२।

खीचा सत्तावत (नारलोर) लिखा है।^१ दूदा ने अपने भाई बरसिंघ के साथ मेड़ता बसाया था और उसके वंशज मेड़तिये कहलाये। दूदा का परिचय देते हुए ओझाजी ने लिखा है कि नरसिंघ सीवल के पुत्र को द्वन्द्वयुद्ध में मारकर दूदा ने महत्वपूर्ण कार्य जोधा के संकेत पर किया था और इस प्रकार राठौड़ों का पुराना बैर लिया।^२ नैणसी की ख्यात में लिखा है कि जोधा का राज्य जब मारवाड़ पर कायम हो गया, तो किसी ने ताना मारा कि नरबद तो नरसिंघ की एक स्त्री सुप्यारदे को लाया था पर नरसिंघ के साथी सींधल लोग बदले में यहां की १४० औरतों को ले गये और फिर विनय करने पर बड़जत उन्हें लौटाया, अतः तब भी उनका पासा ऊपर रहा। इस अपमान का बदला लेने का बीड़ा दूदा ने उठाया^३ और उसने नरसिंघ के पुत्र मेघा को घेर कर मारा।

सवाळख (३६/५)—नागौर के आस पास के छोटे से इलाके का प्राचीन नाम सपादलक्ष था, उसी का अपभ्रंश सवाळख हुआ। यहाँ पहले चौहानों का राज्य था, इसलिये उन्हें 'सपादलक्षीय नृपति' कहा गया है। ओझाजी ने इस प्रसंग पर टिप्पणी करते हुए लिखा है कि आधुनिक समय में उसे सवाजक या स्वाजक कहते हैं^४, परन्तु उनका यह मत भ्रामक लगता है। वास्तव में उसे आजकल सवाळख या स्वाळख ही कहा जाता है।

जायल (३६/५)—यह स्थान चौहान राजपूतों की एक शाखा खीचियों का प्रमुख स्थान रहा है।^५ यहाँ के खीची जीदराव का पावूजी के पवाड़ों में उल्लेख आता है, जिसके हाथ में पावूजी राठौड़ की मृत्यु हुई थी।

घड़ू को (४४/१५)—यह मुगलों का सेनापति था। राजस्थानी ख्यातों में इसका नाम घड़ूला मिलता है। इसके सम्बन्ध में यहाँ किस्सा प्रसिद्ध है^६

१. मुरारीदान की ख्यात, २, पृ० ६६।

२. जोधपुर राज्य का इतिहास (प्रथम भाग) पृ० २५२।

३. मुहता नैणसी की ख्यात, भाग ३ पृ० ३८।

४. ओझा निबन्ध संग्रह (प्रथम भाग) पृ० २० की पाद-टिप्पणी।

५. मुहणोत नैणसी की ख्यात, भा० ३ पृ० १७४।

६. ओझाजी ने इसे मीर घड़ूला लिखा है—

जोधपुर राज्य का इतिहास (प्रथम भाग) पृ० २६१।

कि तृतीया का पर्व मनाती हुई कुछ लड़कियों को यह उठाकर ले गया था, जिस पर सातल ने उस पर चढ़ाई की। उसके मारे जाने पर तीरों से छिदा हुआ उसका तिर उन लड़कियों ने शहर में घुमाया। यह रस्म अब भी मनाई जाती है और घड़े में छेद करके उसमें दीपक रखे हुए लड़कियाँ घुड़ला गीत गाती हैं।

अखैराज भादावत (४६/२३)—नैणसी ने अपनी ख्यात में लिखा है कि जब जैमल मेड़ता की गद्दी पर बठा तो एक बार अखैराज को मालदे के दरबार में यह आशय प्रकट करने को भेजा कि आप हमें क्यों तग करते हैं आप मेड़ता सदा के लिए हमें दे दें, हम भी दूसरों की तरह आपकी चाकरी करेंगे। परन्तु राव मालदे और उसके सामंतों ने अखैराज के इस निवेदन को हँसी में उड़ा दिया तब अखैराज गुप्से में आकर वहाँ से उठ कर चला आया और मालदे से कहा—हमें 'मेड़ता कौन दे और हमारे से कौन ले, तुम्हें जिसने जोड़ पुर दिया उसीने हमें भी मेड़ता दिया है'।

इसने जैमल की अनेक युद्धों में सहायता की और मालदे के प्रसिद्ध सामंत पृथ्वीराज को मारा था।^१

पंचार पंचायण (५०/२३)—यह करमचंद का पुत्र था। बांकीदाम ने इसे मान कछवाहा का नाना लिखा है। सन् १५५६ में विक्रमादित्य से चित्तौड़ छूटा तब यह काम आया।^२ मालदे की छोड़ कर यह राणा उदयसिंह के पास चला गया था। इसकी जागीर में जाजपुर था।

भदो पंचायणोत्त (५२/२६)—ये लोग उस समय रडोद के थाने पर थे। वहाँ से सूचना मिलते ही सहसा की मदद को लिए आये थे। राव बीरमदे को जीवित युद्ध से निकालने वाली में यह भी था। इसने इस युद्ध में बड़ा पराक्रम दिखाया। उसकी साक्षी का यह दोहा प्रसिद्ध है—

भिडते नादिज मांजिया, वीरत राइ विभाड़।

वीगड़ा वीसरसी नहीं, रीया वाळी राड़ ॥^३

१ मुंझता नैणसी की ख्यात, भाग ३, पृ० ११७, ११८, १२१।

२ बांकीदास की ख्यात, स० नरोत्तमदास स्वामी पृ० १३८।

३ ऐतिहासिक वातां : (परम्परा) भा० ११ पृ० ४१।

वीरमदे नुं अजमेर था ही परो काढियो (५४/२७)—मुरारीदान की ख्यात में लिखा है कि अजमेर से निकलने पर जैता को अध्यक्षता में मालदे की फौज ने वीरम का बहुत पोछा किया। अन्त में वीरमदे मारने मरने को तैयार हो गया। युद्ध की स्थिति बनती देख जैता ने कहा कि वीरम बड़ा राजपूत है, इसका इस प्रकार मारना उचित नहीं, यह कभी बड़ा नाम करेगा। अतः वे लौट आए।^१

रणथंभोर रौ सोबादार (५४/२८)—नैणसी ने अपनी ख्यात में लिखा है कि वीरमदे की मुलाकात रणथंभोर के सूबादार से मलारणे के थानेदार ने करवाई।^२ मुरारीदान की ख्यात में वीरम का मांडव के सूबेदार से मिलना लिखा है और उसके मारफत शेरशाह से।^३

समेठ री नदी रै परै वेढ हुई (५७/३१)—विगत के प्रथम भाग में इस युद्ध में काम आने वाले कुछ ही वीरों के नाम इस घटना के प्रसंग में दिये गये हैं। मुरारीदान की ख्यात में ऐसे सरदारों की न केवल विस्तृत सूची ही मिलती है, अपितु प्रत्येक सरदार के अधीनस्थ योद्धाओं में से काम आने वाले योद्धाओं की सख्या भी अंकित की गई है। यह सूची निम्न प्रकार है^४—

१. राठौड़ जैता पंचाइणोत—१०
२. „ कूंपा महाराजोत—२०
३. „ उदैसिध जैतावत—१०१
४. „ खीवा ऊदावत—११
५. „ जोगा रावळ अखैराजोत का—११
६. „ पंचाइण करमसीयोत—५१
७. „ जैतसी ऊदावत—११
८. „ सुरतांण गांगाउत—५१

१. मुरारीदान री ख्यात २ पृ० ११७।

२. मुहणोत नैणसी की ख्यात, भा० २ पृ० १५७।

३. मुरारीदान री ख्यात २ पृ० ११७।

४. मुरारीदान री ख्यात २ पृ० १२०-१२२।

६. राठोड़ पत्तो कान्हावत (हाथो रै दात बढ़ियो) ७
१०. „ वैरसी राणावत—२१
११. „ बीदो भारमलोत बाला—११
१२. „ कला भीत्रोत सुरजोत—२१
१३. „ हापा सीहावत—११
१४. „ रायमल अखैराजोत रिणमल—११
१५. „ भोजराज पंचाइणोत अखैराजोत—१
१६. „ भदा पंचाइणोत—५१
१७. „ जमल बीदा परबतोत का—१
१८. „ नीवा अणदोत—११
१९. „ भोजा पंचाइणात—११
२०. „ भानीदास सूरा अखैराजोत का—३१
२१. „ महेश देदावत—५१
२२. „ जैतसो राघाउत—५१
२३. „ हरपाल जोधाउत—५१
२४. „ हरदास खंगारोत—१
२५. सोनगरा अखैराज रिणधोरोत—१
२६. „ भोजराज अखैराजोत—२१
२७. भाटी पंच.इण जोवावत—११
२८. „ मेरा अचळावत—६१
२९. „ गांगा वरजागोत—८१
३०. „ केलहण आनमल हमीरोत का—११
३१. „ हमीर लाखाउत—२१
३२. „ सूरु पाताउत—११
३३. „ माधोदास रावोरासोत—२१
३४. „ सूरु परबतोत—७१
३५. „ नीवा पतावत—५१
३६. सोढा नाथा देदावत—३१
३७. देवडा अखैराज वनावत—११
३८. ऊहड़ बीरा लखावत—१

३९. ऊहड़ सुरजन नरहरदासोत—११

४०. सांखला डूंगरसी घामावत—११

४१. मांगलिया हेमा नींवावत—१

४२. ईन्दा किसना ।

४३. चारण भानो खेतावत दधवाड़ियो—१

४४. पठाण अलेदादखां—१

४५. जैमल वीदावत डूंगरेत, राठौड़ खींवा ऊदावत का नौकर ।

इसी ख्यात में आगे लिखा है कि उपरोक्त सरदारों के आदमी व घोड़े वगैरा १००० काम आये तथा राव की (निजी फौज के) २००० आदमी खेत रहे ।

रा० प्रथोराज-जैतावत (५९/३८)—यह प्रसिद्ध वीर जैता का पुत्र था । जैसा भैरवदासोत ने सिफारिश करके राव मालदे से इसे बगड़ी का पट्टा दिलवाया ।^१ इसने मालदे के लिये अनेक युद्धों में भाग लिया । मेड़ता के युद्ध में इसने बड़ी बहादुरी दिखाई थी, जिसकी साक्षी का दोहा उल्लेखनीय है—

फुल कमंघ तेयाह, हुवा नर केई भळे ।

न को गहीर गुणेह, पै सारीखो पीयला ॥

वीदास जैतावत (५९/४०)—यह मालदे के प्रसिद्ध सामंतों में से था । यह प्रारम्भ में ऊदावत रतनसिंह खींवावत का सरदार था । इसके बांभा-कुड़ी ग्राम उस समय पट्टे था । राठौड़ पृथ्वीराज के काम आजाने के बाद राव मालदे उसकी पूर्ति के लिये किसी ऐसे ही वीर की खोज में था, अतः उसने देवीदास का अपने सामंतों में स्थान दिया । इसने हाजीखाँ और राणा उदयसिंह के बीच जो युद्ध हुआ, उसमें हाजीखाँ की ओर से लड़कर बड़ी वीरता दिखाई । राव ने प्रसन्न होकर इसे बगड़ी का पट्टा ८० गाँवों सहित दिया । इसके ऊपर राव ने मेड़ता की सुरक्षा का प्रबन्ध सौंपा था, जिसे उसने भली भाँति निभाया और अंततः उसके रक्षार्थ ही काम आया ।^२

१. ऐतिहासिक बातें (परम्परा) पृ० ४६ ।

२. " " " " पृ० ५५ ।

इसके वीरोचित कार्यों की प्रशंसा में ग्रन्था भाणेत ने वीर रसात्मक रचन 'देवीदास जैतावत री वेल' डिंगल भाषा में लिखी है ।^१

तेजसी हूंगरसियोत (६०/४०)—यह भी अपने समय का बड़ा वीर हुआ । प्राचीन बातों में इसके लिये 'असंख प्रवाड़े जैतवादी' विरुद्ध प्रयोग में लिया गया है । इसने चाटस् के पँवारों को लूट कर अपना वर लिया था । इसने राव मालदे की ओर से सिवाने की रक्षा का प्रबन्ध भी किया था । इस अवसर पर खर्च के लिये एक लाख फदिया राव ने तेजसी को देना स्वीकारा था, परन्तु हुजदारों ने यह रकम कई दिनों तक नहीं दी । एक दिन जब राव भोजन कर रहा था और राव का कामदार अभा उससे मिलने को डचोढ़ी में जाने लगा, तो तेजसी ने उसे रोक लिया और कहा—मेरी रकम देकर अन्दर जाओ । अभा ने जैसे-तैसे करके पीछा छुड़ाया और वह मालदे से मिलने अन्दर गया । जब मालदे ने उसे विलम्ब से आने का कारण पूछा, तो उसने तेजसी द्वारा किये गये तकाजे की बात की । राव ने तेजसी को अन्दर बुलवा कर पूछा तो उसने वही तकाजा राव के सामने भी किया । राव ने गुस्से में आकर भोजन का थाल (सोने का) पटका, तेजसी अपनी रकम की पूर्ति के बदले वह थाल उठा कर अपने डेरे पर चला आया । तब से यह कहावत प्रचलित हुई कि 'बंटाव में थाली तेजसी ली' ।

इसने सिरौही को महमूद के आक्रमण से बचाया—'माडे राखी महमदे सरणे सिरौही' वाद में राव मालदे ने इसे अपनी सेवा से मुक्त कर दिया था, तब यह कुछ समय तक गुजरात के बादशाह की सेवा में भी रहा । फिर राणा उदयसिंह की सेवा में रहा । गाँव धूलोप इसके पट्टे में था । हाजीखाँ के विरुद्ध यह बहुत वीरता से लड़ा था ।^२ साक्षी का दोहा—

भाल्यां ताक्या भाड़, सीसोद्यां सेरी करी ।

माणस नै मेवाड़, तने मळाय़ा तेजसी ॥

जगमाल (६३/४२)—यह राव वीरम का पुत्र था । यह राव मालदे की चाकरी करता था । प्रारम्भ में इसे राव ने खेरवा का पट्टा दिया था, फिर आधा मेड़ता दिया । जब अकबर बादशाह ने मेड़ता पर अधिकार कर लिया, तब यह बादशाह से जा मिला और जब जैमल चित्तौड़ को चला गया तब बादशाह ने फिर आधा मेड़ता इसे दे दिया ।^१ इसके वंशज मसूदा के जागीरदार हैं ।^२

राव रौ साथ काम आयौ (६५/४७)—सरफुदीन ने जब मेड़ता पर चढ़ाई की तब राव के आसामौ ३४ सरदार और राजपूत चाकर ६६ काम आये ।^३

बीठलदास जैमलोत (६७/४८)—इसके पट्टे में गाँव आल्हणियावास और केकींद थे । फिर यह राणाजी के आश्रय में चला गया तथा हल्दीघाटी के युद्ध में अपने भाई रामदास के साथ काम आया ।

सादूल जैमलोत (६७/५०)—इसको जैमलजी ने जागीर में कुड़की ग्राम दे रखा था । इसके तीन पुत्र थे—परशुराम, राघोदास और चतुर्भुज ।^४

सुरताण जैमलोत (६९/५४)—यह सोलंकियों का भानजा था । जब चित्तौड़ के साके में जैमलजी काम आये, तब बादशाह ने इन्हें शाही सेवा में उपस्थित हो जाने की सूचना राजा मान कछवाहे के मारफत इसके पास भेजी । तब सुरताण ने यह उत्तर दिया कि सकट के समय अभी तो राणा को नहीं छोड़ेंगे । बाद में यह अकबर की सेवा में उपस्थित हुआ, तब आधा मेड़ता इसे दे दिया गया । एक बार मेड़ता के एवजाने में सोझत भी इसके पट्टे में रहा । यह जब राजा मानसिंह के साथ पूर्व की ओर चढ़ाई में गया, तब गोकुल में सवत् १६४६ में इसका स्वर्गवास हुआ । यह कट्टर राजपूत था । इसके चरित्र पर निम्न दोहे से प्रकाश पड़ता है—

सुरताण आर्ज पतसाह सु, दो वातां न बणैह ।^५

धी दे धरा न भोगवा, महळ न देखण देह ॥

१. मुरारीदान री ख्यात, पृ० ५२०-२१ ।

२. वही, पृ० ५२२ ।

३. वही, भा० ३, पृ० १९६ ।

४. मुरारीदान री ख्यात २, पृ० ४७० ।

५. मुरारीदान री ख्यात २, पृ० ४६२-६४ ।

केसोदास (६६/५४)—यह सोलंकियों का भानजा था । जैमलजी के काम आने पर यह अकबर के पास उपस्थित हुआ, तब बादशाह ने इसे आधा मेड़ता दिया । संवत् १६५५ में दक्षिण की लड़ाई में गोपालदास सुरताणोत के साथ काम आया ।

जगनाथ गोपालदासोत (७२/६०)—मुरारीदान की ख्यात में इसे राणा प्रताप का दोहीत्र लिखा है । संवत् १६५७ में जब आधा मेड़ता बादशाह ने इससे ले लिया तो नागौर की रूण की पट्टी इसे जागौर में दी । संवत् १६६६ में यह अहमदाबाद में काल-कवलित हुआ ।^१

कान्हू केसोदासोत (७२/६०)—केसोदास की मृत्यु के बाद वह आधे मेड़ते का हकदार हुआ । संवत् १६५८ में दक्षिण में रहते हुए इसका स्वर्गवास हुआ ।

इन्द्रभाण (७३/६२)—यह कान्हूदास का पुत्र था । इसे बादशाह ने इसके पिता को जगीर न देकर केकीद का पट्टा २२ गांवों से दिया था । बाद में यह जागीर भी उससे लेली गई और जोधपुर के राजा को देदी गई ।^२

अबू (७३/६३)—इसका पूरा नाम अबुमुहम्मद था । इसके साथ बलूँदा के ठाकुर रामदास सूरसिंघोत ने मुगदड़ा में युद्ध किया था इसका वृत्तांत विगत के प्रथम भाग में आया है ।^३ इस सम्बन्ध में कुछ अतिरिक्त जानकारी बलूँदा ठिकाने की तवारीख में मिली है । उसमें लिखा है कि नंदवाणे वोहरों को पकड़ कर अबू ले जाने लगा, तो उन्होंने बलूँदा के ठाकुर रामदासजी से फरियाद की, इस पर रामदासजी ने मुगदड़े में आकर लड़ाई की । पंचोली राघोदास बलुओत (जैतारण का अधिकारी) राठौड़ जैतसिंह कछावत (२१ आदमियों सहित) मुगदड़े का ठाकुर तथा माधवदास दधवाड़िया आदि ५२ आदमी काम आये । राठौड़ गोपालदास सुंदरदासोत (रीयाँ का ठाकुर) के घायल होने का उल्लेख इसमें है

१. मुरारीदान की ख्यात २, पृ० ५६५ ।

२. वही, पृ० ४७२ ।

३. मारवाड़ रा परगनां री विगत, भाग १ पृ० ११३ ।

रामदास इस युद्ध में बड़ी वीरता से लड़ा था^१ और उसके काम आने पर उसकी ठकुरानी रभादे उसके पीछे संवत् १६७६, जेठ सुदी ६ को सती हुई। जिसका स्मारक (छत्रो) श्रीमालियों की बगीचे में संवत् १६६४ को जेठ सुदि १३ को बनाया गया।^२

इस प्रसंग पर रामदास और माधवदास दधवाड़िया की कर्तव्यपरायणता को अमर करने वाला एक गीत महाकवि राठीड़ पृथ्वीराज विरचित उपलब्ध हैं। गीत इस प्रकार है—

बड़ो एक रजपूत नै एक चारण बड़ो ।
बहु जां जलम लग होत बाधो ।
महा गजसिंह छल सूर रामो मरै ।
मरै राम सुछल म रमाधो ॥ १ ॥
सांसह मुरधरा काम खोसीजती ।
मुरधरां तणी जुहरे भुजां मढ ।
सूर सुत छल जुड़ मरे रण चंद सुत ।
चंद-सुत सुछल जुड़ मरै सुत चंद ॥ २ ॥
हेत अमीज सध उवे सत्रवां जैत हर ।
परठिया वीन वासक कमल पाव ।
राव कमधज तणी चाड कमधज रहै ।
रहे बिहु चाड दधवाड़ियो राव ॥ ३ ॥
पल खड़ खेत जल चाड कुल आपरै ।
राम मधकर दिन सार रसिया ।
कवारी घड़ा वर चंद नावो करै ।
वीरहर मयंकहर स्वर्ग वसीया ॥ ४ ॥^३

कान्हू खोंवावत (७५/६७)—यह आसोप के ठाकुर खोंवकर्ण का पाटवी पुत्र था। यह जोधपुर के महाराजा सूरसिंह की सेवा में था। कुँवर

१. विप्र बचावण कारयो बजे जुंभारू ढोल ।

चढ घाँदा रा पारधी, बंदी जाय निबोल ॥

रामदास जद राम भज, चढियो तुरकां लार ।

तुरकां रा तंडल करे, विप्र छुडावण वार ॥

२. बलूँदा कुँवर भवानीसिंहजी के सौजन्य से प्राप्त ।

३. शोध विद्यार्थी माधवप्रसाद सोनी के सौजन्य से प्राप्त ।

गजसिंह के साथ इसने भी खुर्रम की सहायतार्थ मेवाड़ के घेरे में भाग लिया था ।^१

अजमेर में जब किशनसिंह राठौड़ आदि ने भाटी गोयंददास को मारा, तब इसने किशनसिंह का पक्ष लिया, जिससे राजा सूरसिंह नाराज हो गये और ग्रामोप का अधिकार इससे लेकर इसके भाई राजसिंह को दिया । सूरसिंह की मृत्यु होने पर यह गजसिंह की सेवा में उपस्थित हुआ । गजसिंह इसकी काबलियत से परिचित था, अतः उसने इसे मेड़ता के प्रबन्ध के लिये भंडारी लूणा के साथ भेजा ।^२ इसके ७ पुत्र थे, जिनमें से रामचन्द्र महाराजा जसवंतसिंह को सेवा में कांवल इलाके के ग्राम सुरखाव में काम आया ।^३

पडुखां री वासणी (११७/६२)—यहाँ के एक प्राचीन कुँए पर दिल्ली के सुल्तान अलाउद्दीन खिलजी के समय का वि० सं० १३५८ का एक शिला-लेख है, जिसमें मेड़ता में उक्त सुल्तान द्वार अपना फौजदार नियुक्त किये जाने का उल्लेख है ।^४

रामा चारणां री वासणी (११६/६२)—यहाँ का स्थान रामा चारण ने बसाया, अतः इसी के नाम पर इस गाँव का नाम पड़ा ।

कैफीदर (१२०/६३)—इसका संस्कृत लेखों में किस्कन्धा नाम मिलता है यह स्थान मेड़ता से १४ मील दक्षिण में है । यहाँ ११ वीं शताब्दी का एक शिव मन्दिर है, जिसके सभा-मण्डप में ४ शिला-लेख हैं । दूसरा मन्दिर पार्श्वनाथ का है, यह मूलतः १३ वीं शताब्दी के आस-पास का बना हुआ है, परन्तु अधिकांश भाग बाद का है जैसा कि महाराजा गजसिंह के समय के एक लेख से प्रतीत होता है ।^५

भवाळ (१२१/६३)—यह मेड़ता से १२ मील दक्षिण में है । यहाँ महाकाली का

१ मराठीजन री ह्यात २ पृ० ४७२ ।

२. कूपावत राठौड़ों का इतिहास राव शिवनाथ, पृ० १६२ ।

३. खींमर ठिकाने की हगत ।

४. जोधपुर राज्य का इतिहास (प्रथम भाग) डॉ० ग्रीष्म, पृ० ३३ ।

५. वही पृ० ३४-३५ ।

प्राचीन मंदिर है, जिसमें ११७१ संवत् का लेख है।^१ यह ग्राम आस-
करण मानसिघोत मेड़तिया की जागीर में था।^२

नीलियों (१२१/६३)—यह ग्राम मेड़तिया जैमल के पौत्र बिहारीदास वीठल-
दासोत को संवत् १६६७ में मिला।^३ यहाँ ऊदाजी और वीरम के बीच
घोड़ियों के सम्बन्ध में युद्ध हुआ था। ऊदा ने वीरम की कटार खुलवादी,
तबसे मेड़तिये कटार नहीं बाँवते।

सेहरियो (१२३/६३)—यह गाँव जोधपुर के राजा की ओर से संवत् १६६६ में
कल्याणदास जैमलोत के पुत्र बिहारीदास को मिला और १६६६ में जवत
हुआ।^४ बाद में इस स्थान को संवत् १६६५ में चांपावत केहरखान ने
आबाद किया।^५

देहरियो (१२८/६३)—यह गाँव ३ अन्य गाँवों सहित प्रयागदास हरीसिघोत के
पट्टे में था। इसके बाद वीराणी और रलावता उसके पट्टे में रहे।^६

हंदो (१३१/६५)—यह गाँव साँवल कल्याणदासोत मेड़तिया को संवत् १६६४
में सात गाँवों से मिला।^७ बाद में संवत् १६८४ में गोपीनाथ गोकुल-
दासोत को मिला। यह उज्जैन की लड़ाई में काम आने वाले योद्धाओं
में से था।^८

खुवासपुरी (१३३/६५)—शेरशाह के सामंत खवासखाँ के नाम से प्रसिद्ध हुआ।
यहाँ खवासखाँ की कब्र व उसके महलों के खण्डहर हैं।

सिरसलो (१४२/६७)—यह गाँव संवत् १६६६ में साँवलदास गोयंददासोत
मेड़तिया की जागीर में मिला।^९

१. जोधपुर राज्य का इतिहास (प्रथम भाग) डॉ० ओझा पृ० ३६।

२. मुरारीदान की ख्यात, २, पृ० ५१५।

३. मुरारीदान की ख्यात, २ पृ० ४८६।

४. वही पृ० ४८०-८१।

५. फुटकर ख्यात पृ० ६६।

६. मुरारीदान की ख्यात, २, पृ० ५४५।

७. वही ० ४८३।

८. वही ० ४७७।

९. वही, २ पृ० ५०१।

राहण (खास) (१५३/१००)—यह गाँव दूदा ने सीहा को जागीर में देकर मेड़ता अपने अधिकार में कर लिया था । रायमल दूदावत के पट्टे में भी कुछ समय तक रहा । फिर सुरताण जैमलोत की ओर से कल्याणदास जैमलोत के पट्टे में रहा । संवत् १६५७ में ४५ गाँवों से उदैसिध भगवानदासोत मेड़तिया को मिला ।^१

छापरी बड़ी (१५६/१००)—सं० १६७२ में मोहणदास तेजसिंहोत के पट्टे में थी ।^२

ईडवो (१६७/१०४)—यह गाँव अर्जुन रायमलोत मेड़तिया के पट्टे में था । जब अर्जुन चित्तौड़ के युद्ध में राणा की ओर से लड़कर काम आ गया, तो उसके पुत्र नरवद को मिला ।^३

पालड़ी बड़ी (१०८/१०४)—चतुर्भुज मनोहरदासोत मेड़तिया के पट्टे में थी ।^४

सीरासणो (१०८/१०४)—संवत् १६६० में १३ गाँवों से हरोसिंह चाँदावत मेड़तिया को जागीर में मिला था ।^५

डूगरवास (१७३/१०४)—यह गाँव संवत् १६८३ में अमरा रायसिंहोत मेड़तिया को दो अन्य गाँवों सहित जागीर में मिला ।^६

फरासतपुरो (१७३/१०४)—इस गाँव का नाम महाराजा जसवंतसिंह के हाकिम मिया फरासत के नाम पर पड़ा ।

अलतत्रो (१७६/१०५)—संवत् १६८३ में रणछोड़ गोपालदासोत को यह गाँव मिला था । फिर वनसालोदास बिहारोदासोत को सं० १६८८ में १३ गाँवों से दिया गया । संवत् १६९६ में महासिंह जगनाथोत को दिया गया ।^७

१. मुरारीदान री ख्यात २, पृ० ५५५, ४७३, ५६१ ।

२. वही पृ ५२३ ।

३. वही पृ० ५५६ ।

४. वही २, पृ० ४८७ ।

५. वही पृ ५४४ ।

६. वही पृ० ५३३ ।

७. वही पृ० ४८६, ५८० ।

मदीयांन (१७६/१०५)—संवत् १६८० में ३ गाँवों सहित भगवानदास परसरामोत मेड़तिये के पट्टे में था ।^१

भयो बडो (१७७/१०५)—संवत् १६८० में ५ गाँवों सहित हरीदास गोयंददासोत मेड़तिया को मिला था । तत्पश्चात् संवत् १६८२ में सबलसिंह सेखाउत को मिला ।^२

डोभड़ी बड़ी (१७९/१०५)—संवत् १६०० में यह मनोहरदास सुन्दरदासोत की जागीर में ४ गाँवों सहित थी । संवत् १६९० में सिंघ हरीदासोत को मिली ।^३

रतनसी दूदावत (१८५/१०६)—प्रसिद्ध भक्त कवयित्री मेड़तणी मोरा का पिता । यह राणा सांगा की ओर से लड़ता हुआ खनवा के युद्ध में काम आया ।

लसू बडी (१८८/१०७)—संवत् १६८० में उग्रसेन सुन्दरदासोत मेड़तिया को मिली । सं० १६८९ में अजबसिंह रामदासोत को ७ गाँवों सहित दी गई ।^४

ताँबड़ोली (१८९/१०७)—संवत् १६८४ में यह ग्राम मुरारीदास गोयंददासोत को ७ गाँवों से जागीर में मिला था ।^५

रेवंत (१९१)—संवत् १६८० में सुजाणसिंह उग्रसेनोत मेड़तिया के पट्टे में थी ।^६

रेयां (१९९/१०९)—माधोदास जैमलोत का वतन था । उसके बाद सुन्दरदास और उसके पुत्र गोपालदास की जागीर में रहा । संवत् १७२४ में आणंदसिंह भीवसिघोत को मिला ।^७

कुड़की (२००/१०९)—भोज सीहावत से छुड़वाकर यह ग्राम वीरमदे ने रतनसी दूदावत को दिया था ।^८ यह स्थान मोरौबाई का जन्म-स्थान माना जाता है ।

१. मुरारीदान री ल्यात, पृ० ५०३ ।

२. वही, २, पृ० ५३६, ५४१ ।

३. वही, पृ० ४८६, ५६८ ।

४. वही, पृ० ५६१ ।

५. वही, पृ० ५३८ ।

६. वही, पृ० ५६१ ।

७. वही पृ० ४८३-४८४ ।

८. वही, पृ० ५७३-५७४ ।

साडपुरौ (२०२/१०६)—सं० १६६७ में यह ग्राम हरीराम कलाउत को मिला ।

संवत् १६७१ में उसका पुत्र रामचन्द्र अधिकारी हुआ ।^१

केरियो (२०४/१०६)—रामचन्द्र रघुनाथोत को संवत् १६७५ में मिला था ।

नरसिंघवासणो (२११/१०६)—नरसिंघदास रायमलोत मेड़तिया की बसाई हुई ।

परगना सिवाना

सीवाणो (२१६/१)—सीवाने का गढ़ वीरनारायण पँवार द्वारा बनवाया हुआ माना जाता है । ख्यातों में इसे कुंभटा भी कहा गया है । मुरारीदान की ख्यात मे लिखा है कि यह किला सिंह-लंका होने से कड़तोड़ियल (जिसकी कटि टूटी हुई है) माना जाता है, अतः यह राजधानी बनाने योग्य नहीं है,^२ यहाँ पर कोई भी शासक पनप नहीं सकता ।

तीडो छाडावत (२१६/२)—इसकी उपलब्धियों पर लिखा हुआ एक प्राचीन गीत इस प्रकार है—

पिड़ सांचोर सौनगिर पास ।
 सीहाहरै चढै रिण सोक ।
 मातंगपुर मभ्र कटक मराव ।
 मुंह भजाइ गयो मछरीक ॥१॥
 गौतमपुर हूँता ग्रह गाँजै ।
 भिड़ै सेन वलियो वंक भाळ ।
 खाडा बळ जीतो खेड़ेचे ।
 राव जाळोरो रिणताळ ॥२॥
 छोडवियो मछरी छाडावत ।
 मुणस घणा ग्रहै कमाण ।
 भागो राव राठौड़ भिड़ते ।
 चोरंग साँवतसी चहुवाण ॥३॥^३

जैतमाल सलखावत (२१६/३)—यह सलखा की पड़िहारी रानी (राणा रूपड़ा की लड़की) का पुत्र था । इसके १२ पुत्र थे । इनमें से खीवकर्ण बड़ा प्रतापी हुआ । इसने अपने पुत्रों को मृत्यु के समय यह निर्देश दिया

१. मुरारीदान री ख्यात २, पृ० ५२५ ।

२. वही, पृ० ६३० ।

३. वही, पृ० ५४ ।

कि सिवाना हापा के अधिकार में रहने देना और तुम सभी विदेशों में अपने-अपने ठिकाने कायम करना ।^१ इसके वंशज जैतमालोत कहलाये ।

रायमल मालदेओत (२१६/७)—यह मालदे की भाली रानी हीरादे का पुत्र था । संवत् १६२७ में बादशाह अकबर जब नागौर आया, तब मोटाराजा उदयसिंह के साथ यह भी बादशाह से मिला । इसे शाही नौकरी में रख लिया गया । इसके ५ पुत्र थे—कल्याणदास, प्रतापसी, कान्ह, बलभद्र तथा सांवलदास ।^२

राजा रायसिंघ भुरटियो (२१६/८)—बीकानेर का प्रसिद्ध शासक था । इसका नाम भुरटिया कैसे पड़ा, इसका बड़ा चिलचस्प किस्सा है । मुगलों की ओर से फरमान लेकर जो अहदी वगैरह आते थे, उन्हें मरुप्रदेश का लंबा रास्ता पार करना होता था । रास्ते में कांटेदार भूँट घास बहुत होने से यात्रा कष्टदायक होती थी, फिर बीकानेर पहुँचने पर उनकी आवभगत न होकर उपेक्षा-सी होती थी, इसलिये उन लोगों ने राजा के नाम के साथ 'भूरटियों' शब्द कहना प्रारम्भ कर दिया और इस प्रकार यह नाम प्रचलित हो गया ।

थोभ बडोबास (२३६/१६)—यह प्राचीन नगर है । किसी समय में यहाँ जैनियों की अच्छी बस्ती थी । इस स्थान पर लिपिबद्ध अनेक जैन-ग्रन्थ उपलब्ध होते हैं ।

सूरपुरौ (२४१/१६)—महाराजा सूरसिंह के राज्य-काल में बसा, इसलिये इसका यह नाम पड़ा ।

बालोतरो (२४६/१६)—यह बड़ा गाँव लूनी नदी के पास बसा हुआ है तथा यहाँ की जमीन सरसब्ज है ।

पचपदरो (२४७/१६)—नमक की खानों के लिये यह स्थान प्रसिद्ध है । यहाँ नमक की खानों पर पुश्तैनी तौर से कार्य करने वाले खारवालों की बड़ी बस्ती है ।

१. बांकीदास की व्याप्त, पृ० ५ ।

२. वही, पृ० १६ ।

गोपड़ी (२४८/१६)—यहाँ रावळ मलीनायजी का प्राचीन स्थान है ।

नेवाई (२४८/२१)—यह ग्राम सं० १६७६ में सोनगरा भाखरसी जसवंतोत के पट्टे में आया ।^१

पाटोधी (२५०/१६)—मारवाड़ में बढ़िया नरल की घोड़ियों के लिये यह स्थान प्रसिद्ध रहा है । यह राठौड़ महेसदास मालदेओत को पट्टे में मिला था ।^२

गुधरट (२५५/१६)—हेमा सीमालोत के साथ जगमाल की जब अनवन हो गई, तो यहाँ के पहाड़ों पर रह कर हेमा ने महेवा की धरती में खूब नुकसान किया था ।^३ विखे के समय मालदे भी यहाँ कुछ समय तक रहा ।

नाईली (२६२/१६)—नाइली नामक पहाड़ी के पास बसा हुआ होने से इसका यह नाम पड़ा ।

परगना पोहकरण

पोहकरण (२८६/१)—यह स्थान पुष्कर ऋषि द्वारा बसाया हुआ माना जाता है । पूरा परगना महस्थली है, पर जहाँ पोकरण शहर बसा है, वहाँ पानी की कमी नहीं है । जैसलमेर को सीमा पर होने के कारण इस स्थान का विशेष महत्व है, क्योंकि यहाँ जैसलमेर वालों का भी अधिकार रह चुका है । उनके द्वारा किले में करवाये हुए कार्य तथा याचकों को सांसण में दिये हुए गाँवों का उल्लेख इसके स्पष्ट प्रमाण हैं । यहाँ पर बसने वाले राठौड़ पोकरणा राठौड़ कहलाते हैं ।

रांमदे पीर (२६१/५)—मारवाड़ के प्रसिद्ध पाँच पीरों में इनका स्थान है । रांमदे ने जनता के कष्ट निवारणार्थ अनेक कार्य किये थे, जिसके कारण आज दिन भी राजस्थान और गुजरात के लोग उनमें श्रद्धा रखते हैं, तथा बहुत दूर-दूर से मनौती के लिए लोग आते हैं । संत हरजी भाटी की लिखी 'रांमदे री बेल'^४ में इनकी उपलब्धियों का उल्लेख है । वैसे

१. मुरारीदान री ख्यात, २, पृ० २५६ ।

२. वही, पृ० २५२ ।

३. मुहंता नंगसी री ख्यात भा० २, पृ० २८८ ।

४. परम्परा भा० १४ पृ० १०५ ।

इनके गीत मेघवाल जाति में अत्यधिक प्रचलित हैं ।

नरै आपरो आँण खैरी (२६२/६)—मुहता नैणसी ने अपनी ख्यात में इस प्रसंग का बड़ा दिलचस्प किस्सा लिखा है । पोकरण पर खोवा का अधिकार था और नरा फलोधी पर शासन कर रहा था । एक दिन जब नरा अपनी माँ लक्ष्मीवाई के पास बैठा भोजन कर रहा था, तो पोकरण पर विजली चमकती हुई दिखाई दी । लक्ष्मीवाई ने उस ओर देख कर निश्वास लिया । नरा ने इसका कारण पूछा तो अधिक आग्रह करने पर उसने बताया कि खोवा ने किस तरह निदात्मक भाव से किसी समय उसके साथ शादी करने के प्रस्ताव को ठुकरा कर एक कुँआरी लड़की का अपमान किया था । इस पर नरा ने इसका बैर लेने का निश्चय किया और अपने पुरोहित को गुप्तचर के तौर पर पोकरण भेजा । उसने कई दिनों तक वहाँ रहकर सारी स्थिति का पता लगाया और एक दिन खोवा की अनुपस्थिति में उपयुक्त अवसर समझकर नरा को सूचना दी, जिससे नरा ने आकार सहज ही में गढ़ पर अधिकार कर लिया ।^१

नरौ बाहर चढियौ (२६२/६)—बारह वर्ष बाद नरा से बैर लेने के लिये खोवा और उसका पुत्र लूँका अपने सैनिकों सहित पोकरण पर चढ़ आए और वहाँ की गायों को घेर कर ले गये । नरा ने उनका पीछा किया और पोकरण से ५ कोस दूर नादणहाई ग्राम के पास युद्ध हुआ, जिसमें लूँका के हाथ से नरा का मारा गया । वहाँ एक जाल के पास उसका सिर कट कर पड़ा ।^२

पोकरण रा दुय बांट किया (२६३/७)—खोवा के वंशज गोयंद के राज्य में बराबर लूट-पाट करते रहे, जिससे तंग आकर उसने लूँका को ३० गाँवों का वंट दिया^३ और जिस जाल के पास नरा का सिर कट कर गिरा था, वहाँ सीमा कायम कर दी । लूँका ने अपनी राजधानी भुणियाणा ग्राम में कायम की ।

१. मुहणेत नैणसी की ख्यात, भा० ३ पृ० १०३-१२ ।

२. वही, पृ० ११४ ।

३. वही ।

राव बरगंग (३११/३)—यह पोकरण का शासक और खींवा का पिता था ।

बाळनाथजी (३११/३)—खींवा के शासन-काल मे यहाँ यह योगी रहता था ।

फिर वह रूष्ट होकर वहाँ से चला गया । जाते समय उसने शाप दिया,
जिससे खींवा को राज्य खोना पड़ा ।^१

देढीयां रौ वास (३३०/३६)—यहाँ बसने वाले राठौड़ दोढिया राठौड़ कहलाये ।

चांदसमो (३३५/३६)—यहाँ के राठौड़ चांदसमेचा कहलाये ।

ढंढ री सरेह (३३६/३६)—डूढ पड़िहार अड़वाल^२ का खुदवाया हुआ यहाँ तालाब है, अतः उसीके पीछे इस गाँव का यह नाम पुकारा जाता है ।

साकड़ो (३४०/४०)—यह पोकरण के प्रसिद्ध गाँवों में से है । भूमितल में अब भी पानी ८-१० पुरस पर खूब उगलव्ध होता है ।

पड़िहार राणो रूपड़ो (३४३/४०)—यह रूपड़ा मारवाड़ी गीतों मे गाया जाता है । इसके १२ पुत्रिये थी । इसने प्रण कर रखा था कि बारह ही लड़कियाँ वह रावों (राव की पदवी वालों) को व्याहेगा । ११ लड़कियाँ तो उसने रावों को व्याह दी पर १२ वीं के लिये वर न मिलने पर उसने भाटी राव केलण को व्याही । तब से केलणों और पड़िहारो के सम्बन्ध होने लगे ।^३

भुणियाणो (३४४/४१)—लूँका पोकरण पोकरण के आवे गाँव ३० की ठकुराई यहाँ रहकर करता था । इसके खड्हरों से ज्ञात होता है कि यह गाँव प्राचीन समय में सम्पन्न था ।

वांभरू (३४६/४५)—यहाँ के राठौड़ वांभरूवा कहलाये ।

रांमदेहरो (३४६/४२)—रानदेवजी ने जब पोकरण हमोर जगमालोत को दे दो, तब वे यहाँ आकर रहे । यह पोकरण का महत्वपूर्ण स्थान है क्योंकि

१. मुहल्लोत नैणसा री ख्यात ३, पृ० १०७ ।

२. यह अड़वाल कोई प्रसिद्ध व्यक्ति होना चाहिए । सानोड़ी ग्राम के पास अड़वाल नामक बड़ा पहाड़ है । संभव है, इसी के नाम पर इस पहाड़ का नाम भी रखा गया हो ।

३. मुरारीदान की ख्यात ३ पृ० १७५ ।

वर्ष में दो बार यहां रामदे पीर का मेला लगता है, जिसमें लाखों लोग आते हैं ।

म्हडू जीवण रौ बास (३५१/४३)—महडू जीवण ने पोकरणों और गोयंदोतों का बैरभाव प्रयत्न करके समाप्त करवाया, तब पोकरणों ने उसे यहाँ जमीन दी । उसकी बसी का यही नाम पड़ गया ।

रतनू रूपसी रौ बास (३५२/४३)—यह ग्राम रतनू रूपसी को जैसलमेर के रावळ भीव द्वारा उस समय दिया गया जब पोकरण जैसलमेर के अधिकार में थी ।

म्हडू षीदा रौ बास (३५२/४३)—यह ग्राम जैसलमेर के रावळ मनोहरदास द्वारा महडू षीदा को संवत् १६८८ में दिया गया । यहाँ पर महडू खीदा की बसी थी इसलिये उक्त स्थान का नाम यह पड़ा ।

रतनू भारमल रौ बास (३५३/४३)—इस स्थान का अन्य नाम कीलाणपुर शायद जैसलमेर के रावळ कल्याणदास के नाम पर पड़ा हो । कल्याणमल ने यह गाँव रतनू भारमल को दत्त में दिया तब पोकरण के अधिकारियों ने आकर शासक के आदेशानुसार इसकी सीमा निश्चित करदी । अतः इससे ज्ञात होता है कि पूरा ग्राम दत्त में न देकर उसका कुछ भाग ही उक्त चारण को दिया गया होगा और उसकी बसी उक्त नाम से प्रसिद्ध हुई ।

नांदणहाई रौ बास (३५४/४३)—यह ग्राम लूँका के पुत्रों द्वारा चारण लूँभा और सादा मेघावत को दिया गया । इससे पता चलता है कि कभी-कभी शासक के पुत्रों द्वारा सामूहिक रूप से भी ग्राम दत्त में दिये जाते थे ।

गाँव केलावौ आधौ (३५५/४३)—यह ग्राम राव गोयंद नरावत द्वारा चारण नाल्हा को इस उपकार के बदले में दिया गया कि जब षीवा बरजांगोत गाये घेर कर लेजाने लगा तब नरा उसके पीछे बाहर चढा और नरा ने युद्ध करके वीरगति प्राप्त की परन्तु उसके बहुत से साथी बुरी तरह घायल हुए, इनकी सेवा सुश्रुसा चारण नाल्हा ने खूब अच्छी तरह की ।

केलावा ग्राम उस समय सूना पडा था उसका आधा हिस्सा उक्त चारण को और आधा भाटी वोरम जोवावत को दिया गया तभी से इसके दो वास अलग-अलग वसे ।

बाकी २५ गाँव भांडणा (३५५/४३)—लेखक ने पोकरण के पूरे गाँवों की विगत प्रस्तुत न करके ६१ गाँवों की ही विगत प्रस्तुत की है । संभवतः उसने यह विगत पोकरण परगने को हाकिमो करते समय तैयार की^१ परन्तु शीघ्र ही उसका स्थानान्तरण हो जाने से इसे वह पूरी नही कर पाया ।

—

विगत में प्रयुक्त विशिष्ट शब्दों का अर्थ

अडांणी—रहन रखना

अफीण—अफीम पर कर ।

अणी—फौज की टुकड़ी, फौज का एक भाग ।

अमीन—मुगल साम्राज्य का बड़ा राजस्व अधिकारी जिसको पशुधन आदि सम्पत्ति कुड़क करके भी बसूली करने का अधिकार होता था ।

अनड़—बड़ा पहाड़, ऐसा पहाड़ जो किसी के कब्जे में न आ सके ।

अरट—रहट ।

अवल ऊनाली—प्रथम दर्जे की रबी की फसल ।

असुष—वैमनस्य, मनमुटाव ।

अहधी—वह मुगल राज्य-कर्मचारी जो विशेष सदेश लेकर राजा आदि के यहां पहुंचता था ।

आंग दांग—शासक के नाम की दुहाई ।

आईठांग—निशान, शेष चिन्ह ।

आषा—अक्षत ।

आषारिया—वह कु आ जिसमें से एक बार पानी निकालने के बाद कुछ समय के लिये ठहर कर पानी निकाला जा सकता है ।

आध बंटाई—जमीन की पैदावार का आधा हिस्सा बांट कर लगान स्वरूप लेना ।

आरण—रणस्थल, युद्ध भूमि ।

आवदान—आवाद ।

ओठी—सुतर सवार, ऊंट पर चढ़ कर सदेश ले जाने वाला व्यक्ति ।

ओढ़ी ठोड़—विकट जगह ।

ओलगण—प्रेमिका, गायिका ।

ओनाड़—किसी के बन्धन में न आने वाला । वीर प्रकृति का पुरुष ।

इजाफो—अधिक, अतिरिक्त ।

उछाह—उत्सव, किसी विशेष उपलब्धि के निमित्त प्रसन्नता व्यक्त करने के लिए किया जाने वाला आयोजन ।

उदक—चारण अथवा ब्राह्मण आदि को जमीन आदि दान में देने का सकल्प ।

उधरांगो—पहले की सालो का उधार (बकाया) रहा हुआ कर ।

ऊतन—वतन, जन्म स्थान ।

ऊनवा—वह स्थल जहां आसपास का पानी बह कर भर जाता है और सूखने पर उसमें गेहूँ चने आदि की फसल होती है ।

ऊनाली—रबी की फसल ।

ऊरी ताली—हल्की ताली, वह खलिहान जिसमें बहुत कम या नहीं के बराबर अनाज निकला हो ।

एका—भाटियों की एक शाखा ।

कंवल-पूजा—देवी अथवा महादेव की तुष्टि हेतु शीश समर्पण करके पूजा करना ।

कड़व घास—पशुओं के लिए विशेष प्रकार की घास पर लगान ।

कटक—फौज ।

कणवारिया—वह अधिकारी जो गांव की सीमा में खेतों तथा वृक्षों आदि की रखवाली करता है ।

कमठौ—भवन-निर्माण कार्य । दुर्ग महल आदि बनवाने का कार्य ।

कमेत घोड़ो—गहरे तम्बाखू रंग का घोड़ा ।

करवरे बरस—फसल के हिसाब से हल्का वर्ष ।

कांकड़—सीमा ।

कांठे—किनारे पर, सीमा पर ।

कुंवरपदौ—राजा अथवा ठाकुर के जीतेजी समाज में उसके कुंवर के लिये मान्य पद, जिसके अधीन उसे कुछ अधिकार प्राप्त होते थे ।

कुकाऊ—पुकार करने वाला व्यक्ति जो किसी संकट की सूचना देने पहुंचता था ।

कुमया—वैर भाव ।

कीरत-थंभ—किर्ती-स्तंभ ।

कीरोड़ी—करोड़ रुपये तक की वसूली करने का अधिकार रखने वाला राजस्व अधिकारी ।

कोसीटा—वह कुँआ जिसका पानी ज्यादा गहराई पर न हो और हाथी की सूंड के आकार के चरस (सू डिया) से पानी निकाला जाता है ।

कोहर—गहरा कुँआ ।

घरड़ो—उस व्यक्ति से वसूल किया जाने वाला कर जो गांव में घर बसा कर रहता था ।

षडचर लोग—जानवर चराने वाले लोग ।

षडोण—वह जमीन जो बौई जाती हो ।

षरक कूण—वायव्य उत्तर और पश्चिम के बीच की दिशा ।

षानाजगी—भगड़ा, युद्ध ।

षारचिया—विशेष किस्म के गेहूँ जो सावारण खारे पाने से पकाये जाते हैं ।

षाटी—जीती हुई, कब्जे में की हुई ।

षारोल—इनका पेशा नमक बनाना रहा है । मारवाड़ में जहाँ नमक की खाने हैं वहाँ प्रायः ये पाये जाते हैं । ये शाक्त मत को मानते हैं ।

पालसै—वह भूमि जो किसी जागीरदार के अधिकार में नहीं है ।

षासी दोढ़ी—उस महल का मुख्य द्वार जहाँ शासक विश्राम करता था ।

षिजमत—नौकरी, सेवा ।

षीचड़ौ—मृत्यु-भोज पर लिया जाने वाला कर ।

घोहल—गोद, पुत्र के अभाव में अपने गोत्र के नजदीक रिश्तेदार के लड़के को दत्तक पुत्र बनाना ।

गढ़री रांग—किले की नींव ।

गलत कोढ़—गलित कुष्ठ ।

गांवेती—गांव में बसने वाले लोग ।

ग्रासी बेघ—जीवन यापन के लिये जमीन प्राप्त करने को किया जाने वाला संघर्ष ।

गुढ़ो—पहाड़ आदि में रहने का सुरक्षित स्थान ।

गुमट—गुंबजदार स्मारक ।

गूघरी—कुँआँ पर बधे हुए रूप में निश्चित माप में लिया जाने वाला लगान ।

गोढ़वाड़—पाली व कुछ जालोर परगने का इल्का ।

गोसवारो—सार रूप में हिसाब ।

गोरां—कन्न ।

गोबली—गवाले ।

गोरवौ—गांव के नजदीक का वह स्थान जहाँ गायें आदि रखी जाती हैं ।

घांगी—तेल या सरसो की घांगी निकालने वालों से लिया जाने वाला कर ।

घासमारी—पशुओं की गिनती के अनुसार उन पर लिया जाने वाला कर ।

घीआई—जिसके घर में गायें भैंसें होती थी उससे घी के रूप में लिया जाने वाला कर ।

घूघरी—फसल में से लिया जाने वाला (कर के तैर पर) विशेष हिस्सा ।

चंवरी—चौरी । विवाह की विधिवत रश्म सम्पन्न करने के लिये जहाँ वर वधू को बैठाकर ब्राह्मण द्वारा मंत्र आदि बोले जाते हैं ।

चक—जमीन का एक बड़ा हिस्सा ।

चांच—साधारण कच्चा कुआँ, जिसमें से पानी निकालने के लिये एक लंबे लट्टे के पीछे पत्थर बांध कर अगले हिस्से में बरतन लटका कर हाथों से उसको ऊपर नीचे करने पर पानी निकाला जा सकता है ।

चोढो—कम पानी ।

चोतरो—परगने का मुख्य स्थान जहाँ परगने का हाकिम या बड़ा अधिकारी रहता था ।

चौरासी—चौरासी गांवों का समूह ।

छत्तीस पवन जात—प्राचीन ग्रंथों में इनके नाम इस प्रकार हैं—

सीसगर, दरजी, तवोली, रंरवाल, गवाल, वाढेई, सिएगतरा, सुनेली, बोवी, धुनिया, कदोई, कहार, काछी, कुलाल, कलाल, माली, कुदीगर, कागदी, किसान, पटवूनिया, चतेरा, ववे रेवारी, लषेरा, ठठेरा, राजपटवा, छपरबव, नाई, भरभूनिया, सोनार, लोहार, सकलीगर, हवाईगर, धीवर, चमार,—ऐ छत्तीस पवनीया ।

छाली—बकरी ।

छोरू—वशज । छोकरा । बड़े आदमी के अधीन व्यक्ति ।

जमीयत—जमा सामान ।

जात—जाति । धर्म-लाभ के निमित्त की जाने वाली किसी स्थान की यात्रा ।

जाव—कुंए के पास की वह भूमि जिसमें सिंचाई करके फसल ली जाती है ।

जुआरी—फसल के सिट्टो की कटाई प्रारंभ करते समय लिया जाने वाला कर ।

जीव सिलै—युद्ध के समय अगों की रक्षा के लिए पहिना जाने वासा लोहे का अंग-त्राण ।

टीकायत—राज्यतिलक का अधिकारी, बड़ा लड़का ।

टीको—राज्य-रोहण के दस्तूर की रस्म, जिसके अनुसार ललाट पर तिलक किया जाता है । मगनी का प्रस्ताव । मगनी के प्रस्ताव के समय किया जाने वाला तिलक ।

ठरड़ो—कठोर जमीन ।

डाक चौकी—राज्य की डाक आगे पहुंचाने के लिये नियत चौकी ।

दायजो—दहेज । प्रचीन प्रथानुसार कंपड़े व गहनो के अतिरिक्त हाथी घोड़े, दास - दासियां पुरोहित व अन्य नौकर आदि भी दहेज में दिये जाते थे । इन्हें दायजवाल कहा जाता था ।

डावड़ा—लड़का ।

डोलौ—वह रस्म जिसके अनुसार लड़की को शादी के लिये उसके (होने वाले) पति के घर अथवा निश्चित स्थान पर पहुंचाया जाता था ।

डोहली—ब्राह्मण, साधु, भाट आदि को दी गई दान की भूमि ।

ढंढ—वह नीचा स्थल जहां स्वतः पानी शामिल हो जाता हो ।

ढीमड़ा—एक प्रकार का कुंआ ।

ढोवा—छापामार हमले ।

तह्वारी—विशेष अवसरों पर दी जाने वाली लाग ।

तलहटो—पहाड़ी आदि पर बने दुर्ग के नीचे का स्थान ।

तला—गहरा कुंआ ।

तकिया—सन्ध्यासी के समाधि-स्थल पर बना चबूतरा ।

तागीर—जव्त ।

तागीरात—जागीरदार से गांव जव्त होने पर लिए जाने वाला कर ।

तातो बाहर—शीघ्रता से, उसी घड़ी चढ़ने वाली बाहर ।

ताली—खलिहान बुहारा जाता है उस समय लिया जाने वाला कर ।

तीरवा—तीर की मार पहुंचे उत्तनी दूरी ।

तुरकांण राज—मुसलिम राज्य ।

थड़ो—सम्माननीय व्यक्ति का स्मारका ।

थल—रेतीली भूमि । स्थल ।

थांगो—वह स्थल अथवा दुर्ग, कोटड़ी आदि जहा राज्य की ओर से सुरक्षात्मक प्रवन्व के लिए सिपाही आदि रखे जाते हैं ।

थांगेदार—थानेदार, परगने की सुरक्षा का जिम्मा रखने वाला अधिकारी ।

वत्त—दान में दिया हुआ गाव या भूमि ।

दरगाह—मुगल दरबार, वह स्थान जहाँ बादशाह बैठकर आदेश देता है ।

दहब—द्वैव ।

दांण—विसाती (मनिहारा) आदि से माल का अनुमान करके एक साथ लिया जाने वाला कर ।

द्राव—पशु ।

दांती—सिट्टे काटने के लिये दांत (काटने का औजार) लेकर जाने पर कर ।

परसंग—सम्बन्ध । रिश्तेदारी ।

परकोटो—शहरपना ।

पटो—जमीन का चक्र विशेष ।

पलीवाल—पाली के मूल निवासी होने से पलीवाल कहलाये । ये लोग उदयपुर के राणा के गुरु रहे हैं और किसी समय में व्यापार आदि भी करते थे तथा सम्पन्न थे ।

पगवाय—वह बावली जिसमें सीढ़ियों के द्वारा उतर कर पानी भरा जा सकता है ।

पटेल—एक खेतीहर जाति ।

पसायता—निम्न जाति के लोगों को दिये गये खत जो राजा की सेवा-टहल करते थे ।

जैसे नाई, दर्जी, ढोली, कुम्हा आदि, इनसे कोई कर नहीं लिया जाता था ।

परधान—राज्य का प्रधान मंत्री, प्रमुख अधिकारी, प्रमुख प्रतिनिधि (देखो-प्रथम भाग की भूमिका)

प्रतसही—प्रति सैकड़ा ।

प्रवाड़ा—वीरता पूर्ण कार्य ।

पाही—जागीरदार को कुछ चाकरी देकर उसकी एज में खेत बीना ।

पायगा—अस्तबल ।

पाठा कागल—राजस्व आदि का हिसाब लिखने के लिये खर्च होने वाली लेखन-सामग्री के निमित्त लिया जाने वाला कर ।

पालेज दूध रा—दूध पर रोकड़ पैसों में लिया जाने वाले कर । मुफ्त में आये हुए जानवरों पर लिया जाने वाला कर ।

पातसाही मारग—शाही मार्ग । वह मार्ग जिससे होकर शाही सामान जाता हो ।

पारका घाड़ा—बहुत दूर तक लूट पाट करना, लुटेरों को भी लूट लेना ।

पानचराई—ऊंटों की चाराई के निमित्त लिया जाने वाला कर ।

पितर—पित्र योनि ।

पीरोजी—एक मुगल कालीन छोटा सिक्का ।

पीछे रौ बेरो—वह कुंआ जिसमें से केवल पीने के लिये पानी निकाला जाता है ।

पीयल—वह फसल जो सिंचाई द्वारा होती है ।

पुकार—पुकार करने वाले, फरियादी ।

पेड़ौ—यात्रा ।

पेटवाणी—केवल पीने लायक पानी ।

पेसकसो—सरकार को दी जाने वाली वेगार आदि, चाकरी ।

पेटियौ—घर के नौकरो को निर्वाह के लिये दी जाने वाली खाने-पीने की निश्चित सामग्री ।

पोतरा—पौत्र, वंशज ।

पौल रा चाकर—राज्य विशेष की रक्षार्थ नियुक्त नौकर ।

फदिया—मुगल समय का सिक्का विशेष ।

फलसो—ग्राम का मुख्य द्वारा, मकान आदि को रक्षित करने के लिये बनाई गई बाड़ या दीवार का मुख्य द्वार ।

दावे—बदले में ।

द्राह—गहरा गड्ढा जिसमें वर्षा का पानी कई दिनों तक रहता है ।

दीवांण—उदयपुर के राणा की पदवी । राज्य का प्रमुख राजस्व अधिकारी (देखो प्रथम भाग की भूमिका पृ० १४)

दीवांनगी—मुगल राज्य-व्यवस्था में सबसे बड़े राजस्व अधिकारी का पद, देखो दीवाण ।

दीवांण खांनों—वह स्थान जहाँ दीवान अपना दरबार लगता है ।

दुकाल—अकाल । दूसरे वर्ष फिर पड़ने वाला अकाल ।

दुगाणी—मुगल कालीन छोटा सिक्का ।

देवचो—देवता के आगे वचन-निर्वाह की शपथ ग्रहण करना ।

देहरो—मंदिर ।

देसौत—देशपति, राजा ।

दोढ़ी—राजा के निजी निवास स्थान का मुख्य द्वार ।

दोत पूजा—दवात-पूजा के निमित्त लिया जाने वाला लगान ।

दोहीता—दुहिता का लड़का, दोहित्र ।

देसोटो—देश निकाला, किसी व्यक्ति द्वारा बड़ा अपराध किये जाने पर उसे देश से बहार चले जाने की सजा ।

दौम—दोयम, दूसरे दर्जे की जमीन ।

धरणो—चारणो आदि की जागीर जब्त करने पर अथवा किसी अधिकार को समाप्त करने पर उनके द्वारा सम्बन्धित शासक के द्वारा या जागीर के मुख्य स्थान पर असंतोष व्यक्त करने के लिये धरना देकर बैठना ।

धरमदुआर—वर्मद्वार । युद्ध के समय चारों ओर से घिर जाने पर प्राणों की भिक्षा मांगकर निकलने वालों के लिये कहा जाता था कि वे वर्मद्वार से निकले ।

धुमालो—कर विशेष ।

धोंकल—झगड़ा, फिसाद ।

धोराबंध खेत—वह खेत जिसके किनारे पर रेत की पाल बांध कर पानी खेत में रोका जाता है ।

नंदवाणा बोहरा—बोहरों की एक शाखा ।

नटषट—नट आदि जातियें ।

नाल—संकरा कुंआ ।

नाल—विशेष प्रकार की तोपे ।

नाल-बंदी—कर विशेष ।

नालर—नालियर । नालियर का फल भेज कर लडकी की मगनी का प्रस्ताव किसी योग्य व्यक्ति को भेजने का रिवाज राजस्थान में रहा है । नालियर का लौट जाना दोनों पक्षों के लिये अपमान—जनक समझा जाता था ।

पंडव—घोड़ों का सेवक ।

पांतया—पक्तिवद्ध करके अतिथियों को भोजन कराने की व्यवस्था ।

फारकती—कुल हिसाब का निपटारा ।

बड़ी नेपै—खूब उपज ।

बंधवौ कोहर—वह कुंआ जो अन्दर से पत्थर आदि द्वारा पक्का बंधा हुआ होता है ।

बधारा—किसी की सेवा को-पुरस्कृत करने के उद्देश्य से उसकी जागीरी में विस्तार करने के लिये अतिरिक्त गांव या जमीन आदि देना ।

बरसोंदियो—वह तलाव जिसमें वर्ष भर के लिये पानी रहता है ।

बरठो—भैसा ।

बसीटाला—बीच बचाव करने वाले । सदेश वाहक ।

बापोती—पुरखो द्वारा अधिकृत स्थान- राज्य, जमीन आदि ।

बाब—रेशमी कपड़ा व किनार गोटे आदि पर लिया जाने वाला कर ।

बावसु—गुप्त रूप से खबर लाने वाला व्यक्ति ।

बाहर—चोर अथवा डाकू का पीछा करने का कार्य । प्राचीन समय में गायों की बाहर के लिये चढना बड़ा पुण्य-कार्य समझा जाता था ।

बित—गायें आदि पशु-धन ।

बिश्नोई— इस सम्प्रदाय के प्रवर्तक पंवार राजपूत जाभाजी थे । इनके अनुयायी जाटों को इन्होंने २६ (बीस तथा नौ) प्रकार के नियमों का पालन कर वाया, इसलिये यह विरनोई कहलाये । इनका मुख्य पेशा खेती करना रहा है ।

बीछाहीत—विसाती ।

बेठ—जागीरदार अथवा शासक द्वारा बेगार में लिया जाने वाला कार्य अथवा वस्तु ।

बोह सीवो—बड़ी सीमा वाला ।

भरोती—कर भरने के पश्चात् रसीद करते समय लिया जाने वाला कर ।

भरेत रा घेत—वह खेत जिनमें वर्षा का पानी भर जाता हो ।

भांणेज—भानजा, वहिन का लड़का ।

भाई बांटे—सम्पत्ति को भाईयो में बांटने की क्रिया । वह सम्पत्ति जो भाइयो में बांटी जाने पर किसी एक भाई को प्राप्त होती है ।

भाखर री षुड़ै—पहाड़ की मोडदार ढाल ।

भाखर री गाल—दो पहाड़ों के बीच का सकरा गहरा स्थान ।

भाषरी री षांभ—पहाड़ी की मोड़ में ।

भुंजाई—भुना हुआ खाना । बड़े ठाकुर अथवा शासक के यहां नोकरो तथा आने जाने वाले लोगों के लिये तैयार किया जाने वाला पुष्टिदायक भोजन ।

भोग—राज्य द्वारा जमीन की उपज से लिया जाने वाला लगान ।

भोगलावै—खेत को इस हिसाब से रहन रखना कि उसके पेटे ली गई रकम का व्याज खेत के मालिक को नहीं देना पड़ता और खेत का कोई लगान वह रकम देने वाले से वसूल नहीं कर सकता ।

भोगसौल—भोगिसौल । ऐसी किंवदन्ती है कि यहा सपें बहुत अधिक मात्रा में पाये जाते थे इस लिये इस सौल का यह नाम पड़ा ।

भोमिया—शासक से जिसे चौकसी रखने के लिये जमीन मिली हो वह व्यक्ति ।

भांणो—वारह मन के बराबर का माप ।

मापो—गांव से खरीद कर जो चीज बाहर ले जाई जाती थी उस पर यह कर लगता था ।

मिलणो—भेंट के निमित्त (सम्मान स्वरूप) लिया जाने वाला लगान ।

मिरजो—उच्च मुगल अधिकारी को मिलने वाली एक उपाधि ।

मुकातो—रूपयो के रूप में प्राप्त होने वाला जमीन का लगान ।

मुसला—मुसलमान लोग ।

मुहम—सैनिक अभियान ।

मूक—एक दिशा का नाम ।

मेर—मारवाड़ की एक प्राचीन जाति ।

मैहरेलण—महि को रेज़ने वाला । द्रव्य-दान द्वारा समस्त लोगों को तुष्ट करने वाला ।

रसत—फौज की खुराक के लिये लिया जाने वाला लगान ।

राजलोग—राजा के परिवार के लोग ।

रातीबाहो—रात के समय किया जाने वाला हमला ।

राह वेधो—हर एक समस्या की उलझनों को वारीकी से समझने वाला । भविष्य की गति विधि का सही अनुमान लगा लेने वाला ।

रिण—अनउपजाऊ भूमि, वह भूमि जहां खारा पानी शामिल होता हो ।

रोड़ी—छोटी पहाड़ी, पठार ।

रेल—दूर से वहकर आने वाला पानी जो खेतों में फैल जाता हो ।

रंत—प्रजा ।

लिखावणी—हिसाब किताब लिखने के पारिश्रमिक स्वरूप लिया जाने वाला लगान ।

लूण रौ दरीबो—नमक की पैदावार का स्थान ।

बडो रजपूत—प्रसिद्ध राजपूत । अनेक गुणों से सम्पन्न अपने समय का जाना-माना वीर राजपूत ।

वणी—खई की खेती ।

वदावणी—वन्दना करना ।

नामानुक्रमशिकाएँ :

पुरुष व स्त्री नामानुक्रमशिकाएँ

अ

अंबाल श्रीमाली व्यास २५७
 अंबौ मालावत भाटी ६४
 अकतयार खान १७६
 अकवर पातसाह ६६, ७१, ७६, ७७, ८७,
 ८८, ९७, १६३, ३८६, ३९०, ४६५,
 ४६६, दो. ६८, ७३, २६७
 अखा बारहट ७६
 अखीया-सोढावत सीढायचा चारण
 दो. ३५१
 खैराज आसकरनोत जैतमाल राठौड़
 १८४
 खैराज ऊर्दसघोत राठौड़ ८८
 खैराज कू पावत राठौड़ ८६
 वैराज खीची ८८
 वैराज चरडा ३८
 राज दलपतोत २३६
 राज दलपतोत प्रोहित ३३४
 राज पचाइणोत सीघल १४२
 राज मादावत राठौड़ ६०, ६५,
 दो. ४६, ५०, ५२, ५४, ५६
 राज राठौड़ १५३ दो. ५४, ५५
 राज रिणघिरोत सोनगरा ५६, ८२,
 १६६, दो. ५७
 रोईंद रौ चारण दो. २७५
 गमालोत राठौड़ ६२
 काणी हरबू रौ राठौड़ दो. ३४३
 राण बारहट ७८

अखौ भाणावत बारहट ८२
 अखौ वणवीर रौ ३१४
 अड़वाल ढंढ पडोहार दो. ३३६
 अडसी नरावत जगहट ३५०
 अचलदास खीची भोजावत २८, ८, ३८७
 अचलदास बीकामाइतोत राठौड़ दो. ८
 अचलदास भगवानदासोत पातो राठौड़
 दो. ३०६
 अचला रायमलोत दो. १६५
 अचलदास राईसलोत प्रोहित ५४३
 अचसदास सुरतांणोत भाटी ११६, दो. ८
 अचला चदरीया बारहट ३६६
 अचला घणपालोत रोहड़ीया बारठ दो ३५०
 अचला पीथानोत पेथड़ दो. ३३२
 अचला लालावत चारण दो. २७४
 अचलो बीकावत राठौड़ २६३
 अचलो पेथड़ दो. ३०१
 अचलो चांदावत २४०
 अचलो घरमावत गहलोत ८६
 अचलो घांघल दो. ३४६
 अचलो पंचायणोत राठौड़ ४६, ५५
 अचलो भांणोत राठौड़ ६२, ६५
 अचलो भाटी ६६
 अचलो लखसेण रौ चौहांण १८५
 अचलो सिवराजोत राठौड़ दो. ५७, ५८,
 ६५
 अचलो हदावत साखलो १८५
 अज ८, १०, ११, १२

गोपीनाथ रामचंदोत ४७६
 गोपी मेर ४६२
 गोपो दुर्जनसाल री राठोड दो. ३४०
 गोमो मेर ४६६
 गोयद उर्दसिघोत राठोड ४१६ ४७२
 गोयद चोला री २५५
 गोयंद माखरसीयोत राठोड दो ३४६
 गोयद सढायच २४३
 गोयद गोपाल जगहट दो. १५२
 गोयददास चापावत मांगलीया ५४८
 गोयददास भाटी ७८, ६२, ६३, ६६
 गोयंददास मानावत भाटी
 ७७, ६६, ६७, १०३, १०४
 गोयददास मानावत रावल्लोत भादावत
 राठोड १७६
 गोयददास राणावत पातावत राठोड ६६
 गोयददास राधावत साहू ४८७
 गोयंददास सामदासोत २३७
 गोरखदास मेघराज री बारठ ५४६
 गोरघन जगती राठोड ३२४
 गोरघन माधावत राठोड १८५
 गोरघन माघोदासोत करमसीयोत राठोड
 १७८
 गोरघन साहू री प्रोहित ४७६
 गोरघनसिध चादासोत भीवाणी पचोली
 १८३
 गोरी पातसाह ४२४, ४७६
 गोवरघन चादावत राठोड १७६
 गोवरघन जगनाथोत राठोड १४१
 गोवरघन भगवानदासोत भदावत
 राठोड १७६
 गोवल मेहावत रतनु दो. २८
 गोसल सुराणा दो. ११६
 गोहलणी (आसथान री वहु) १४

ग्यनसर मयारीव गोवाल वाल ११०

घ

घड़सी भारमलोत राठोड ४४
 घड़सी हेमा री सिढायच चारण दो ३५१
 घदुको मुगल दो. ४४
 घमट खेतपाली ग्रा. दो ३३६
 गीढा सोढा बांमण ३०२
 घेरू ११६

च

चडीदास जोशी २३७
 चंडु दमोदर जोशी ६८
 चंद ढाढी ३६
 चंदण मुंहता दो. ३०२
 चंदरसेन सारण ८३
 चंदो अमरा री चारण दो. ३५३
 चंदो खगरोत २४१
 चंदो भोजराजोत दो. ३४६
 चंदो वीरमोत राठोड ६४
 चांदो वीरमदेओत राठोड ४७, दो. ६३
 चंद्रसेन राठोड १३६
 चंद्राव जोधा री राठोड दो. ५६
 चकोर अमरावत थेहड़ २४१
 चक्रपाण वीठलोत प्रोहित दो. ११०
 चतरभुज कानावत बकुलीया प्रोहित
 दो. २७३
 चतरौ चारण दो. ५८
 चतरौ जैता री चारण दो. २७५
 चतुरा जैमलोत बारहठ दो. १०६
 चत्रभुज भगवान री व्यास ५४८
 चरड़ी अरडकमल चूंडा री ५८
 चवंडदास कलावत २४०
 चवंडदास मेहराजोत २३६

गोपीनाथ रामचंदोत ४७६
 गोपी मेर ४६२
 गोपी दुरजणसाल री राठोड़ दो. ३४०
 गोमो मेर ४६६
 गोयद उदैसिघोत राठोड़ ४१६ ४७२
 गोयद चोला री २५५
 गोयद भाखरमीयोत राठोड़ दो. ३४६
 गोयद संढायच २४३
 गोयद गोपाल जगहट दो. १५२
 गोयददास चांपावत मांगलीया ५४८
 गोयददास भाटी ७८, ६२, ६३, ६६
 गोयंददास मांनावत भाटी
 ७७, ६६, ६७, १०३, १०४
 गोयददास मांनावत रावल्लोत भादावत
 राठोड़ १७६
 गोयददास राणावत पातावत राठोड़ ६६
 गोयंददास राधावत सादू ४८७
 गोयंददास सांमदासोत २३७
 गोरखदास मेघराज री वारठ ५४६
 गोरघन जगतौ राठोड़ ३२४
 गोरघन माधावत राठोड़ १८५
 गोरघन माघोदासोत करमसीयोत राठोड़
 १७८
 गोरघन सादूल री प्रोहित ४७६
 गोरघनसिंघ चांदासोत भीवांणी पचोली
 १८३
 गोरी पातसाह ४२४, ४७६
 गोवरघन चांदावत राठोड़ १७६
 गोवरघन जगनाथोत राठोड़ १४१
 गोवरघन भगवानंदासोत भादावत
 राठोड़ १७६
 गोवल मेहावत रतनु दो. २८
 गोसल सुराणा दो. ११६
 गोहलणी (आसथान री वहु) १४

ग्यंसर मयारीव गोवाल बाल ११०

घ

घड़सी भारमलोत राठोड़ ४४
 घडसी हेमा री सिंढायच चारण दो. ३५१
 घडुको मुगल दो. ४४
 घमट खेतपाली आ. दो. ३३६
 गीढा सोढा वामण ३०२
 घेरू ११६

च

चंडीदास जोशी २३७
 चडु दमोदर जोशी ६८
 चद ढाढी ३६
 चदण मुंहता दो. ३०२
 चंदरसेन सारण ८३
 चंदो अमरा री चारण दो. ३५३
 चंदो खंगरोत २४१
 चंदो भोजराजोत दो. ३४६
 चंदो वीरमोत राठोड़ ६४
 चांदो वीरमदेओत राठोड़ ४७, दो. ६३
 चंद्रसेन राठोड़ १३६
 चंद्राव जोधा री राठोड़ दो. ५६
 चकोर अमरावत थेहड़ २४१
 चक्रपाण वीठलोत प्रोहित दो. ११०
 चतरभुज कानावत वकुलीया प्रोहित
 दो. २७३
 चतरो चारण दो. ५८
 चतरी जैता री चारण दो २७५
 चतुरा जैमलोत वारहट दो. १०६
 चत्रभुज भगवानं री व्यास ५४८
 चरडी अरड़कमल चूंडा री ५८
 चवंडदास कलावत २४०
 चवंडदास मेहराजोत २३६

चवडदास हरराजोत चारण दो. १०८
चवडी माडणोत घघवाडीया दो. ११२
चवडी पचाईणोत वारट १०८

चां

चागवाला मेर २
चाडीदास जोसी ७७
चादण खिडिया ८२
चांदण खडीयो लु वट चारण ३७
चांदण लुंणावत खिडीया २६२
चादवीवी दो. ७२
चादराव अरडकमल चूंडावत ३१
चादा सीसोदणी ७०
चादसिघ रामचंदोत राठोड
दो. २१०, २११
चांदी देवडी ११८
चांदो अचलावत ईंदो १८२
चादो ईसरदासोत ७७
चादो प्रिथीराजोत देवडो ११७
चादो रतनुं मेर ४६८
चाद्राराव जोधावत राठोड ६०
चांद्रीयो वीदावत १५
चापा अणदोत गाडण ३५०
चापा खीवावत सोनगरा दो. ३७
चांपा चूंडावत प्रोहित ३३४
चापा मैणावत सीघल २८६
चापा सोनगरा ३६
चापो गेला ३०४
चापो सुराणा दो. ११६
चापो करमसी री दो. ७१

चा

चागी ५३

चाचग कन्हड लीलावत ५५, ६४
चाचा सीसोदिया २७, २८, २९, ३८७
चाचा हाडा ४४५
चाचा बांमण दो. ३५६
चाडा मांडणोत घघवाडीया दो. १६५
चावडदास किलाणदासोत वारट ४८४,
४८८
चावंडदास देईदास री ५४६
चावडै मेघराजोत मोटोला ईसरोत ३१२
चाहड मांडणोत खिडीया दो. १७६

चि

चिरमखान ८६

ची

चीत काठोत मेर ५३६
चीत गोडात मेर ५३७
चीता किसनात ५३५
चीता गोडात मेर ५२७
चीता मेर ४१६, ४७२
चीता मेहरा ५३५
चीता मेहरात ५३५
चीताखान मेर ४६६, ४६७
चीती कांठोत मेर ५५२, ५५३
चीती मेर ४७०, ५३६
चीवी ७८
चीलीयत महेस मेर ४६१
चीवा देवडा ११८

चु

चुतरंग चंद्रमण री बुंदेली १७३
चुतरगुज दुवारकादासोत दसुंधी दो. ११४
१७८

चुतरभुज भावसिंघोत ६४
 चुतरभुज मनोहरदासोत राठोड़ दो. १८३
 चुतरभुज लखमणसेन री पोती चौहाण १७५
 चुतरभुज विहारीदासोत दसौंधी दो. १६८
 चुतरा जैमलोत वारठ दो. १८५
 चुतरी आलेचो १८४
 चुतरी साजनोत पंवार १८२
 चुवडदास कलावत वारठ ४८४
 चुहल सुतरार ४५०

चू

चूंडा २६, ३०
 चूंडी अखावत वारेट ४८५
 चूंडी लखावत सीसोदीया ३८७

चू

चूडां हरभु पाचाउत तोला री पोतरी २३
 चूहड़ कालर दो. ३३७

चे

चेराई आस रा चारण दो. ३५०
 चेहथ अडवल बाधावत राठोड़ ४१
 चेहरा खीवड़ प्रोहित २३८

चो

चोखी धायभाई ७२
 चोला मेहावत गाडण ३४६
 चोली खेतसी री सिंढायच चारण
 दो. ३५१
 चोलो वारठ ६२ दो. ६६
 चोसंघ बीजावत संढाईच दो. २७६

छ

छतरसिंघ दो. ८७

छाजु दो. ४१
 छाडी १५

छी

छीतर दो ४१
 छीतर सा० ४४०

ज

जगत गोपाल री पीडत दो. ३५०
 जगतसिंघ अमरसिंघोत कछवाहो १७५
 जगतसिंघ देईदासोत जोधा राठोड़ १७८
 जगतसिंघ राठोड़ ११५
 जगदे रामदेव री व्यास श्रीमाली
 दो १६४
 जगदेव नरहरदास री १७३
 जगनाथ ३६५
 जगनाथ किल्याणदासोत राठोड़ १००, ५४०
 जगनाथ गोपालदासोत राठोड़
 दो. ७२, ७३
 जगनाथ गोपीदासोत ब्रा० ४८२
 जगनाथ चांदावत राठोड़ १७६ दो. ३०७
 जगनाथ चांपावत प्रोहित दो. १०६
 जगनाथ चांपावत ब्रा० दो. १७५
 जगनाथ जसवतोत सोनीगरा दो. ७
 जगनाथ ठाकुर गोपी ३१०
 जगनाथ दलपतोत टाक १४२
 जगनाथ धारावत साखली ११७
 जगनाथ ब्रमदे री श्रीमाली व्यास दो. १०६
 जगनाथ भाटी ११७
 दो. २६६, ३०१, ३०५
 जगनाथ भैरदासोत भाटी १८०
 जगनाथ मनोहरदासोत घघवाडिया
 दो. ११२, १४०
 जगनाथ मु० ११६
 जगनाथ लिखमीदासोत प्रोहित दो. २७१

जगनाथ लुणावत भाटी ११६
जगनाथ वाघोत राठौड ४२१, ४७४
जननाथ सदाफलोत श्रीमाली दवे दो. २१२
जगनाथ सादल रौ प्रोहित ४७६
जननाथ ऊ० १३८
जगपाल मालावत राठौड दो. २६१
जगमल पोकरीणा जोसी ८१
जगमाल १७, १८, ३५३
जगमाल अखावत ३६७
जगमाल आसावत भाटी ६६
जगमाल उदैकरणीत राठौड ५६ दो. ५६
जगमाल खिडीयो १८४
जगमाल हू गा रौ मेर ५५४
जगमाल पचायणीत भाटी ५५,
जगमाल पचायणीत जोधावत भाटी ६४
जगमाल पवार दो. ५०
जगमाल मालवैस रौ दो. ३०५
जगमाल मालावत पोहोकरणा
दो. २, ३४०
जगमाल मालावत राठौड दो. ३२४,
३४०, ३४४
कदीय जगमाल मालावत रौ पोत रौ दो.
२३
जगमाल मेढतीया ६२
जगमाल राठौड १३६ दो. ३५७
जगमाल वरसलोत राठौड दो. ३०६
जगमाल वीरमदेवोत राठौड ६०, ६५
दो. ५६, ६१, ६३, ११०, १३८,
२१२
जगमाल वेसा १८३
जगमाल सभोबी मेर ५५४
जगमाल सुरावत ५६
जगमाल सूजावत चारण दो. ३५४
जगराज कुंभकरनोत राठौड १८५
जगरूपरांम सादुलोत राठौड २८२

जगसी दो. ४१
जगसी छाजु रौ जाट दो. ४१
जगहथ दीपावत दो. ३, ४, ५
जगीया सीवराज बामण दो ३१२
जगो खेतसी रौ रतनू दो. ३५२
जगौ ३६६
जगौ जाडेचौ दो. ७०, ७१
जगौ दूदावत दो. २६
जगौ पिरागोत आसायच १८४
जतमाल भैरूदासोत भाटी १८०
जबदलखां ६३
जमन टाकणी (किसन कल्हणीत
री बेटी) ५५
जमना हुलणी ३६
जसकरणा अमरावत राठौड दो. ३०७
जसड (मालदे री बेर) ५६
जसमादे हाडी राणी ३६
जसवत ४७१
जसवंत अखैराजोत राठौड १०२, २३६
जसवत ईसरदास रौ घांघल १८२
जसवंत ऊगरावत सीसोदिया ५५४
जसवंत कला जेसावत रौ राठौड ६८
जसवंत जोगावत माडणीत राठौड ७३
जसवंत हूंगरसीयोत राठौड ८०, ८३,
४६८, ४६९, ५४७
जसड देवडी १४१
जसवंत मानसिघोत सोनगरी ६३
जसवंत राठौड ११८, ५३७
जसवत सादुलोत राठौड ११८
जसवत सूरजमलोत भाटी ११६
जसहड भाटी दो. ३०१
जसवतसिघ हूंगरसोत राठौड ४६५
जसा कलावत राठौड ४७७
जसा गोईदोत वारठ दो. २७५
जसा मेहर ५३५

जमो करमसी री प्रोहित दो. २७१
जसो कलावत राठोड़ ४२३
जसो जाडो २६२
जसो नराईणोत खिड़ीया दो. १२६
जसो पीथी आसीयो २८७
जसो भाटी दो. ३०४
जसो भोजराजोत दो. १०६
जसो भोजराजोत रतनु दो. १८६
जसो मानावत २४३, ५३६, ५३६
जसो मेर ४६६
जसो रूपी २७२
जसो लुणयाण २०
जहांगीर पातसाह ६३, ६७, १०६,
१०७, ११०, १११
दो. ७४, ७५, ७६

जा

जागेसर किसनदासोत जागेसर व्यास
२६२
जाजा दो. २६०
जाभो सुजा री गाडण ३५०
जादम (मालदे री वेर) ५६
जादवदास दो. ८७
जानीवेग १७१
जांमणी मांणकपुर पुरवीयी चंदोत ८६
जामवाली (जगमाल सुरावत री वेटी) ५६
जाममवेग ८०
जालप दो. ४१
जालप वारठ ६३ दो. ६६
जालमसिध राठोड़ ८१
जालर नरवद री राठोड़ दो ३४७
जालोरी री विहारी दो. ५३
जाल्हण १५

जि

जिखुं हुल ४७६

जी

जीण वंव २
जीमो हरावत ३०३
जवण करमसीहोत म्हेडु चारण
दो. ३५१, ३५२
जीवण जसावत ब्रामण ४८२
जीवण भोजावत दो ३५१
जीवण सांवल ४८१
जीवराज कानुगो दो ८८
जीवराज रूपसीयोत मुहता दो ३०७
जीवराज मारणोत पचोली १०४
जीवा नेहलड़ा दो २५०
जीवा नेतावत मीसण २४१
जीवा सीहड भाटी दो. ३३३
जीवी किसनावत २६८
जीवी खगार दो ३०
जीवी टीकम री प्रोहित दो २६८
जीवी वारठ ६२ दो. ६६
जीवी भाटी १०० दो. ३०१
जीवी सुरतांणोत प्रोहित दो १०६, १७५

जु

जुगत १

जू

जूंकारसिध हररामोत राठोड़ दो. ३०७

जे

जेठो ठाकुर री पीटत दो. ३५०
जेतमाल राठोड़ ४४
जेता ५५ दो. २२६
जेती प्रियमराव री हुल दो. ४५
जेती राठोड़ दो. ५७

जैती ७८
जैती खीमा रो ८०
जैती जसावत २६६
जैती पचाइणोत राठोड दो. ५७
जैती पचाइणोत अखैराजोत राठोड ५६
जैती राठोड ६५
जैसधर राठोड दो २७
जैसगा दो २६
जैसा परवतोत दो. १०७
जैसा सीहावत राठोड दो. १४१
जैसिधदे करमसीयोत बीकावत राठोड ६७
जैसी भैरुदासोत राठोड दो. ५३
जैसी राठोड दो ५३
जैसी जगमालोत राठोड दो. २२१
जैसी राहड भाटी दो. ३३५
जैसी सीहावत वरसिधदेवोत राठोड
दो. ११२
जैसी ६४
जैसी जगमालोत राठोड ७६
जैसी चहुवांण ३८८
जैसी पीवी मानावत २८६
जैसी भैरवदासोत राठोड ६३ दो ४,
५, ५२
जैसी सीघल ३६
जैहली डाभी परधान १२, १३, १४

जै

जैचंद भाटी दो. ३, १
जैचंद राजा ४
जैत भालौ ४७, ४८
जैतमल जैमल रो ऊहड ७३
जैतमाल २८५ दो ४१, २६६
जैतमाल ऊदा रा राठोड ५६
जैतमाल खाखावत राठोड ३०४
जैतमाल चापी दो. २६३

जैतमाल जसवतोत राठोड ८०
जैतमाल चेसावत राठोड ६०, ६७,
दो. ५६
जैतमाल पचाइणोत दो. ६३
जैतमाल पंचाइणोत दूदावत राठोड
दो. ६६
जैतमाल राठोड ६३, ८०, दो. ३७, ६८
जैतमाल सलखावत राठोड १६ दो. २६८
जैतमाल सिंघवी दो. ८
जैतसिंघ ८२
जैतसिंह राजावत राठोड दो. ७
जैतसिंघ राठोड ४२३, ४७७
जैतसिंघ रामदासोत राठोड ११४
जैतसी ईमरोत रूपावत ४७७
जैतसी ऊदावत राठोड ४४, ४६७,
४६८, ५४३, ५४४ दो. ५७
जैतसी उदैसिंघोत राठोड २४३, ४७७
जैतसी नगावत राठोड दो. २५५
जैतसी वाधावत राठोड ५७, ४५५
जैतसी भाटी ५६
जैतसी मुकंददासोत करमसीयोत राठोड
१८८
जैतसी राठोड ७६
जैतसी बीदावत दो. २२१
जैतसी सेहसमलोत चौवाण १८१
जैता मनणा सोहड प्रोहित दो. २७१
जैता राऊ दो. ३११
जैता राठोड ४६, ६३ दो. ३, ४८, ४६, ५१
जैतु गूजर ४६३
जैतौ चो० दो. २६५
जैतौ माहर दो. ३३७
जैतौ सदावत मांडणोत राठोड ८३
जैता रामावत श्रीमाली व्यास ५४७
जैपाल दो. ३३६
जैमल ४३, ५२

जैमल ऊदावत ४६

जैमल ऊहड़ ५०

जैमल एका रो भाटी दो. ३३७

जैमल कछवाहो दो. ३०४

जैमल चारण दो. ५८

जैमल जेसावत मुंहता ६४

जैमल जेसावत राठोड़ ८३

जैमल तिलोकसी भाटी ८४

जैमल तेजसीयोत राठोड़ ६२ दो. ६५

जैमल तीलोकसोत परवतोत राठोड़ ८१

जैमल नैतसोत ऊहड़ ७३, ३०३

जैमल नैतसीहोत ऊदावत ७० दो. २१६

जैमल पचाइणोत राठोड़ ६२

जैमल भाणोत दो. ६

जैमल भाणोत राठोड़ ८४

जैमल मनावत भाटी ६४

जैमल मुंहता १०७, ११० दो. ७

जैमल राघवोत बारट ५४

जैमल राठोड़ ५६, ६०, ६१

जैमल रामदासोत चारण दो ३५४

जैमल बीदा परवतोत डूंगरोत राठोड़ ५७

जैमल बीरमदेवोत राठोड़ दो ५६, ६५,

४६५ ५८, ५६, ६०, ६४, ६५, ६६,

६७, ६८, ६९, ११०, ११६, १६३,

१६४

जैमल सी० १३६

जैसल खेमणोत राठोड़ ४६८

जैसिध सोलंकी १८५

जैसी भैरुदासोत चांपावत राठोड़ ५७

जो

जोग भाणोत रूपावत राठोड़ ८८

जोग सीहड़ दो. ३३४

जोगराज १

जोगराज कुंभकरणोत जैतावत राठोड़

१७८

जोगाइत टीकायत राठोड़ दो ३४७

जोगाइत देवीदासोत राठोड़ दो. २७२

जोगाइत हमीर जगमालोत राठोड़ २, ३४७

जोगी कलेवचा भाटी दो ३०१

जोगीदास दो. ८७

जोगीदास कलावत खीची १८४

जोगीदास कालर दो. ३३७

जोगीदास गुणोसोत प्रोहित दो. १०७

११०, १३८, १३६,

जोगीदास भैरुदासोत भाटी १२०

जोगीदास सोनगरा दो ३०५

जोगी वना री दो. २६

जोगी दासावत मांडणोत राठोड़ ८३

जोगी भाणोत रूपावत राठोड़ ८४

जोगी रावलोत अखैराजोत ५७

जोगो सादावत राठोड़ ५५

जोगी सादावत मांडणोत राठोड़ ८०

जोगो सेसमलोत २६३

जोधो सारंगोत मेहड़ ५५०

जोधो आसावत भाटी ६६

जोधो मुंहता ६४

जोधो रेणीयो ३४

भां

भांकरण काना री वामण दो. ३२६

भांकरण खीची ५१२

भांकरण चौ० दो. ६२

भांकरण पुंजा री दो. ३०

भांकरण महेराजोत प्रोहित दो. २३७

भा

भाली सरूपदे ६६, ८३

भुं

भुंजारसिंह हाडो १६३
भुंभारसिंह महेसदासोत राठोड १७५
भुंठा बीकावत आसीया २४२

टी

टीकम गीथावत कवीया ३११ ३१२
टीली ८६
टीली सिबदास ३११

टो

टोहा खेतावत पालीवाल प्रोहित ३०३
टोहौ राणो २४

ठा

ठाकुरसी चतरावत कनीया ४८८
ठाकुरसी डाहा रो चारण दो. २७४
ठाकुरसी बारट ३६७
ठाकुरसी राईसलोत प्रोहित ५४३
ठाकुरसी रामदासोत साहाणी ६८
ठाकुरसी रिणधीरोत राठोड ७०
ठाकुरसी वीठल, २६७

डा

डागा कठोती रो, दो ३६
डाहो खीवा रो प्रोहित दो. २७१

डुं

डुंगर दो. ४१
डुगा बागलणीया रा ५४८

झं

झंगर खालत दो ३३८
झंगर दयाल रौ ब्रा. ५४४
झंगर नाथावत विरामण ४८२

झंगर पदमावत राजगुर ब्रामण ५४४
झंगर वीणसोत बांधल १८५
झंगरसी ६३
झंगरसी चौ. ४२
झंगरसीजी दो. ५.
झंगरसी ऊदावत राठोड ४६५, ४६७,
४६८, ५४७, ५५०

झंगरसी करमसीहोत राठोड दो. २७२
झंगरसी खिड़िया ८२
झंगरसी जसावत प्रोहित २३८
झंगरसी दुजणसलोत राठोड ८४
झंगरसी देईदासोत राठोड दो. १६२
झंगरसी नेतावत प्रोहित दो. २७२
झंगरसी नेतावत भाटी ८५
झंगरसी बागरीयो ४२
झंगरसी मालावत राठोड ७३
झंगरसी भाटी ८६
झंगरसी राठोड ४४, ५६
झंगरसी सादुलोत आढा दो. २१२
झंगरसी सीसोदीया ४४० दो. ५६
झंगरसी हमीर रौ दो. ३, ४
झंगरसी हेमावत पीडत दो. ३५०
झंगरी-पातलोत मेर ४६६

ढो

ढोली ऊदा रो बेटौ ७२

त

तगो ४४३
तणवर ११८
तारबीयतखान १७१

तां

ताबल दुरजणसाल रो राठोड दो. ३४०
ताजु अछु रौ ६३
ताराईत ब्रामण ३०१

ताराचद नाराणोत भाटी दो २४०
 ताराचद नाराणोत भाटी भूपेलाव रा
 ४५७
 ताराचद भाटी १८४

ति

तिजली साकरोत चारण दो. १०८
 तिलोक सिवराजोत राठोड दो. ५७
 तिलोकसी कूपावत राठोड ६८, ८०, ८३
 तिलोकसी गांगावत प्रोहित दो. २७२
 तिलोकसी भाटी दो. ६६
 तिलोकसी म्हेसोत राठोड ६८
 तिलोकसी वरजागोत राठोड ६५
 तिलोकसी वरज्यगोत उदावत राठोड ५८

तीकम साढायची ३३५

तीडो १५

तीलोकसी परवत अणदोत भाटी ६२

तीलोकसी सूजावत राठोड १००

तीलोकसी कांन्हावत ७०

तु

तुलछी किसनदासोत श्रीमाली दवे दो. २१२

ते

तेजमाल नाराईण रो प्रोहित दो. २७०

तेजसी ईसरोत राठोड ४७७

तेजसी दुरजन पचाणोत राठोड ६१ दो.

६५

तेजसी हंगरसियोत राठोड ६०, ४६५

दो. ६०

तेजसी पोमा ३०३

तेजसी दणवीरोत भाटी ४४

तेजसी भोजुवोत ६२

तेजसी भोकलोत प्रोहित दो. २७२

तेजसी वरसिघोत राठोड दो. ५२

तेजसी वीरसलोत वारड ४१८

तेजसी वीसलोत रोहडीया वारहट ४८८

तेजसी सांकर री रतनू दो. १३५

तेजसी सा दो. ६६

तेजा करमसीयोत आसीया चारण ५५१

तेजा खीवा प्रोहित ३३५

तेजा चाहडोत वारट ४८५

तेजा मेर ५५४

तेजा राढवत पाचलोडा अचारण २३७

तेजो आसकरनोत मेर ४६७

तेजो किसने उदावत री मेर ४६६

तेजो नरसावत ४६६

तेजो पाचावत गोडात मेर ५५४

तेजो रतनु मेर ४६८

तो

तोगी रामदासोत राठोड १७६

तोगी सावतसोत ८०

तोगी सिवदान रो चारण दो. ३५५

तोडर गोरवत ११६

तोलो सुराणा दो. ११६

थ

थका भोपा ५४२

थली उदावत ४७८

था

थाढा गुदवच प्रोहित २८५

थान रावल जोगी ५५२

थी

थीरराज दो. ३६, ४१

थीरा दुदावत रोहडीया वारहट २४०

थीरा वरसघोत भादा चारण ३५०

थीरो सेहलोत १०१
थीरो रामा रौ सांङ्ग ४८७

द

दईदास रांमदासोत २४०
दमां रावत रा ५५२
दमां हरपाल प्रोहित ४०
दमा राठोड़ ३६०
दमान रूपसीयोत दसौंधी दो. १६८
दमोदर वांमण ३०१
दयाल मानमिघोत २३६
दयालदास १०२
दयालदास गोपालदासोत राठोड़ १०२
दयालदास जगनाथोत ईंदो १८१
दयालदास जसवतोत राठोड़ ११६
दयालदास नराणदासोत राठोड़ २८०
दयालदास भोपतोत राठोड़ १४१
दयालदास राघोदासोत आला १७६
दयालदास राठोड़ ४७२
दयालदास लाडखानोत राठोड़ ४६१
दयालदास लिखमीदास गोवददासोत भाटी १८०
दयालदास लिखमीदासोत चौवांण १८१.
दयालदास सूरजमलोत चपावत राठोड़ १७७
दलथभण १०७
दलपत आसकरखोत राठोड़ दो. ३०५
दलपत उदैसिघोत राठोड़ ७४, ४६८, ५५१
दलपत भोजराजोत राठोड़ २६६
दलपत मनोहरदासोत सिवढ प्रोहित १८४
दलपत मुजावत भाटी १८५
दला चोभावत आसीया २६२
दलेलखान पठाण १७०

दलेल हीमत बड़ा महवतखान रौ १७२
दलो जोया २०
दलो सेहसा रौ २५५
दवारकादास गोयददासोत ३४६
दवारकादास जगनाथोत सीघल १४१
दवारकेसर २३८
दहीयो दो २२०

दा

दाऊंदखान कुरेसी १३५
दानसाह साहजादा १०३
दाना किसनावत चारण दो. २७७
दाना गागावत मीसण दो. १८५
दाना मोकल रा रतनुं चारण २६३
दाना रतनु बाहरठ ८२
दाना हरदासोत रतनुं दो. ११३
दाना हरराजोत रतनुं दो. १६४
दानो ईसरोत २४१
दानौ सादुलोत, प्रोहित ३३४
दामा हरपालोत प्रोहित २३६, ३४०
दामो हरखावत रोहड़ीया २७२
दारासाह साहजादा १३२, १३६, १५८, १७०
दासा ५२
दासा राठोड़ ५२
दासौ राठोड़ दो. २५२
दासौ पातलोत राठोड़ ४६, ५०
दो. २४६, २६८
दासौ पातलोत राजावत राठोड़ दो २७२

दि

दिल दलेल १७२

डु

दुजणसाल ४४

दुजणसाल मालावत राठीड़ दो. ३४०

दुणली वारहट आढा ७८

दुदा वीदावत वीठु २५५

दुदो गोरघनदासोत चौवाण १८१

दुदो हंगरोत ३०४

दुनीच द पडित दो. १७४

दुपी जसपाल ३०३

दुपी जीवावत ३०२

दुरगदास केसोदासोत भाटी १८०

दो. २६

दुरगदास भाटी दो. ३५२

दुरगासी. ४७५

दुरगो नादावत दो. १७६

दुरगो सुरताणोत चारण दो. १०८

दुरगो सोल की दो. ३०५

दुरजन गुडालो १८२

दुरजण जोधावत भाटी ५५

दुरजनसाल वीजावत प्रोहित ३३४

दुरजणसाल राठीड़ दो. ३४०

दुरजनसिंघ गोयदासोत राठीड़ १८२

दुरसा मेहावत आढा ७८, ८२, ४८३,

५५० दो. १११, ११२

दुलेहराव दो. ४१

दुवारकादास केसा री प्रोहित दो. २६८

दुवारकादास जैमलोत दो. ७२

दुवारकादास लाडखानोत कूपावत राठीड़

१७७

दुह कचरावत १००

दू

दूदा अमरावत आसीया ३०३

दूदा कानावत ३०१

दूदी भायल दो. २६४

दूदी मुंहता ६८

दे

देईदान जगमालोत आढो दो १११, २१२

देईदान हंगर री सिंहायव चारण

दो. ३५१

देईदान सावलोत पोकरणो व्यास १८४

देईदान हापावत चारण दो. ३५४

देईदास देवराजोत राठीड़ दो. ३१

देईदास नराणदासोत राठीड़ दो. ३३३

देईदास प्रतापमलोत वारहट दो. ११३

देईदास रामदासोत वारट दो. १६४

देईदास सगतसिंघोत राठीड़ १४१

देदा वीजावा सोढा प्रोहित दो. २७१

देदा चारण ७९

देदो खेता री भाटी दो. ३०१

देदो भंरउत सोहड़ दो २९६

देदो मा. दो. ६६

देदो सावलोत सावल रो भायल १८२

देदो सिंघवी गोपी रो बंटो १८२

देदो मागलीयी ६२

देदो सोहड़ १५२

देपाल जोया १६, १७, १८

देपाल लुणयाण १९, २०

देपू ५३, ५४

देसू दो. ४१

देवकरण गोईदोत पीडत दो ३४९

देव जगनाथ सदाफलोत श्रीमाली

दो ११०

देवदत्त जोसी पोकरणा ९४, १०३

देवदत्त मुराणा दो. ११६

देव पवार दो. १

देवराज १९ दो. २९०, २९९

देवराज गोगादे १४

देवराज थनेचो दो. २९५

देवराज भारमालोत करमां री २४२

देवराजोत सीधल ७७
 देवराज सुराणा दो. ११६
 देवलिगा आढी (वेरा आसीया री वेर) ४८८
 देव वीणो श्रीमाली ३४१
 देवसी भोपा ३०४, ३०५
 देवसेन वैस ८६
 देवा करमावत मेर ४६६
 देवा केलण राजगरवाल प्रोहित ३०३
 देवा गाडण ३३६
 देवाण द वीठु २५५
 देवा मेहरोत मेर रावत ५५२
 देवीदान गुणावत वारठ दो २७६
 देवीदान गोयंदोत भाटी १२३
 देवीदास १८०
 देवीदास कुलधरात री दो ६३, ६४
 देवीदास जीवण री म्हेडु चारण
 दो. ३५२
 देवीदास जैतावत राठोड़ ५२, ६०, ६१,
 ६४, ६५, ४६७, ४७६ दो. ५६, ६०
 ६१, ६३, ६४, ६५, ६६
 देवीदास भादावत राठोड़ ८८
 देवीदास भैरवोत ब्रा. ४१८
 देवीदास भैरवोत बारहठ ४८५
 देवीदास राठोड़ ४७, ६०, ६१, ६७
 देवीदास रामदासोत बारट ४८४, दो. ११३
 देवीदास सुराणा दो. ११६
 देवीदास ऊदावत राठोड़ १७७
 देवो सूजावत सीधल १०४
 देवी मेहरावत ४६८
 देवी मेहरोत मेहरावत ४६६
 देवी मेहाजल रो चारण दो. २८
 देस पातलोत राठोड़ ६६

दो

दोलतसा. जलेबदार १८४

दोलीया १७
 दोलीयो गेहन री गेहलोत १६, २०
 दोवो करमावत गोडात मेर ४६७

दौ

दौलतखान १७५
 दौलतसिध सुजाणसिधोत सीसोदीयो १७४
 दौलतीया दो. ४६, ५०

घ

घनराज तिलोकसी प्रोहित ४८०
 घनराज भणसाली ७१
 घनराज भारमलोत राठोड़ ५६
 घनावाई ८६
 घनौ आसावत भाटी ५४, ६४
 घनौ किसनावत प्रोहित ४८०
 घनौ पीतावत ब्रा. ५४४
 घनौ भाटी ६६, १०१
 घनौ भारमलोत राठोड़ ४६, ५०, ५२,
 दो. ५६
 घनौ रतनावत पंवार १८३
 घनौ लाला री दो २८
 घनौ सीरवी ४७२
 घरणीवराह पवार दो. २१५
 घरणीवाराह राजा १
 घरमघोषसूरि दो. ६६, ११५
 घरमा खाती दो. २६
 घरमा चांदणोत खिड़ीया ३०, दो १०७
 १२८
 घरमा सादू ८२
 घरमो लाला री ३०३
 घाघल करमसी भोपा ३३५
 घरवाई (भाटी प्रीथीराज री बेटी) ५६

घो

घीरण माला कचरावत रो ३०३

वीरांगणा किसना जीजावत ८२
बुधली माल दबटीयो दो. २५३

धु

बुहड १५, २६१
बुहड आसथानोत राठोड़ दो. २६७,
२८६

न

नगराज खेतोसी २४१
नगा राठोड़ ४६, ५०
नगो गोपाल रो चारण दो. २७६
नगी भारमलोत ५१, ५२, ५६, ६५
नगी मु. दो. ५६
नगराज नराईणदासोत देवड़ी २७६
नरदेव दो. ११६
नरपत सांकरोत जोसी श्रीमाली २३७
नरवद (सता रो बेटों) २६, ३७, ३८६,
४६३, ४६४

नरवद ३८७, ४६३
नरवद जोगाइत रो राठोड़ दो ३४७
नरसंघदास पा. १६४, दो ३५६
नरसा चीता री मेर ५३६
नरमिघ ४६३, ४६४
नरसिघ चोयोत सीवट प्रोहित ४८०
नरसिघ भाणोंत भाटी १८०
नरसिघ सिढाडच २४१
नरसिघदास सुरजनीत चापावत
राठोड़ १७७
नरमिघदास किल्याणदालोत राठोड़ ६६
नरमिघदास जगावत आसीयो ४८८
नरसिघदास भोपतोत राठोड़ ११२
नरसिघदास रामदासोत प्रोहित ५४६
नरसिघदास लिखमीदामोत चौवांण १८१
नरहर पिरागोत चौहाण ६६

नरहट भोजराजोत खिड़ीया दो. १६७
नरहर सुजावत खिड़ीया दो. १०६, १११
१६७

नरहरसांन राजसिंघोत राठोड़ १२८
नरहरदास ईसरोत राठोड़ दो. ६६, ११२
२११

नरहरदास कलावत राठोड़ ११६
नरहदास गोयददासोत जैसावत रो भाटी
१००

नरहरदास जगावत आसीयो ४८८
नरहरदास भांनीदासोत भाटी ११६
नरहरदास भैरु दासोत भाटी दो. ३०६
नरहरदास राठोड़ ७०
नरहरदास लखावत वारट
५४८, दो. २०३

नरा दो. ४, ५
नरा सूजावत राठोड़ दो. २६२, ३१२
नराईण अखावत खिड़ीया दो. १६८
नराइण अखावत पंवार दो. २६४
नराईण खेता री चारण दो. २७७
नराईण जैराजोत दो ११६
नराईण पवार दो. २६५
नराईण पतावत १००
नराइणदास कलावत राठोड़ ११४
नराइणदास चांदराव री दो. ५६
नराईणदास रावोदासोत राठोड़ दो. ३०६
नराईणदास श्रीवातरा ४८१
नरो अजावत हमीर रो भाटी दो. ३०१
नरी गोयद री राठोड़ ५७
नरो चतरभुज री चारण दो २८
नरी जैतमालोत दो. २६
नरी मालावत पलाणीयो १८४
नरी मेर ५५३
नरी वछा री व्याम ५४७
नवमेरीसांन खानदोरा री १७२

नवाव आसफखान दो. ७६, ७७
 नवाव खानखाना ७७, ७८, १०७, ११०
 ३६०, ४८७, दो ७०
 नवाव बाहादुरखान १३६, १३७
 नवाब महावतखान ६६, १०७. १०८,
 १०९, ११०, १७१, १७२ दो. ७४
 ७५, ७६

नां

नांदी ८६
 नागाश्रजन पडीहार २, ४
 नाढा दामावत प्रोहित ३०२
 नाढो चांदा री प्रोहित दो. २८७
 नाथा अखावत सांडु ४८६
 नाथा कानड़ री दो. १६५
 नाथा रतनसीयोत रोहड़ीया बरिट ४८४
 नाथू सुराणा दो. ११६
 नाथो गोगादे राठोड़ दो. ३०१
 नाथो भाटी दो. ३०१
 नाथो लिखमीदासोत भाटी दो. ३०६
 नाथो साकर री रतनू दो. १६५
 नाथी ७१, ८६
 नाथी अखावत साडू ४८७
 नाथी चहुवाण ५८
 नाथो जैतावत ईंदो १८१
 नाथी टीकम री प्रोहित ३०२
 नाथी दासावत २४२
 नाथी मालावत भाटी ५८
 नाथी रतनसिघोत २३६
 नाथी रूपावत २५४
 नाथी साडूलोत पिडिहार १४२
 नादो करनात २४२
 नानग दो. २६०, २६१
 नाना रोहड़ीयोत राजगुर प्रोहित दो. २६६

नापी दहीयो १०१
 नापी माणकरावत ३१
 नायक खान मेहमद फुल री ६४
 नारंगदे सांखली, (बीका बीदा री मां)
 ३१, ३६
 नारण अखावत खिडीया दो. १७६
 नाराण वाधावत १८०
 नारण सिवराज री राठोड़ दो. ३१
 नारणदास चाद्रावत री राठोड़ ६०
 नाराइण तिलंगा री मट्ट ४६३
 नाराइण मुहता दो. ३५१, ३५२, ३५३
 नारायण राघोदासोत राठोड़ दो. ३०५
 नारायणदास अखावत खिडिया दो १०८
 नारायणदास गोयंददासोत ऊहड़ १७६
 नालो सुराणा दो. १२६
 नाल्हा वझायत, रतनू चारण दो. ३५५
 नास नाराइण तेजावत आचारज २३७
 नासीरदी मुगल ८७
 नाहडराव नागारजन री बेटो
 २, ३, ४, ५
 नाहडराव पंवार ३८६
 नाहडराव पडीहार २४१
 नाहरखान ईसरोत आसायच १८२
 नाहरखान गजसिघोत राठोड़ दो. २६६
 नाहरखां भाखरसीयोत सोनगरा १८१
 नाहरखान राजसिघोत राठोड़
 १३६ दो. २६६
 नाहरखान राठोड़ १३६
 दो. ३०२, ३०३, ३०५

नीं

नीवा करमावत चारण दो. २७७
 नीवा खेतावत कविया चारण ५४६
 नीवा जोधावत राठोड़ ३६०

नीवा राठोड़ ८६
नीवा राधावत राठोड़ ३६३
नीवो अणदोत जेसो राठोड़ ५७
नीवो जोधावत ३६
नीवो दुरजणसालोत राठोड़ ८७
नीवो दुजणसालोत मांडणोत ८४

नी

नीजरवली दो. ११६
नीलकठ किसनदासोत २३६
नीलकठ गिरघर री २३७

ने

नेता मानावत चवडीया ३३५
नेती ३६७
नेती कोठारी १८४
नेती घनी भारमलोत बालाउत राठोड़ ५६
नेती पा० दो. ५६, ६३
नेती पातावत ८६
नेतो पेयड़ दो. ३०१
नेती प्रोहित ६४
नेती बीजावत भाटी ८५, ८६
नेहमास महावतखान री १७२

नै

नैणसी जैमलोत मुंहणोत दो. ३२३
११६, १२०, १२१, १२३,
१२७, १३६, १३७, १३८, १४२,
१४३, १४४, १५७, १६४
दो. १, ८, ८३, ६२, ६४,
६५, १३२, २६६, ३०२, ३०३,
३०५, ३०६, ३५६
नैतगी काजावत ऊहट्ट ३०४

नैतसी जनावत २५५
नैतसी जैसिघोत ८८
नैतमी महेसमलोत राठोड़ दो. ३४१
नैतसी सीहावत राठोड़ दो. ६५
नैतसी सीहावत अखैराज राठोड़ ६२

नो

नोखो ऊजलोत सिढाइच चारण दो. ३५४
नोरंगदे (कनकावती) ५२, ५५

पं

पंचाईण अखैराजोत राठोड़ ७६, २४३
पंचाईण ऊदावत ६२
पंचाईण करमचंद री पवार दो. ५०
पंचाईण करमसीयोत राठोड़ ४८, ५७ दो.

५७

पंचाईण जोधावत भाटी ५७
पंचाईण टोहावत थायरीयो राठोड़ ८०
८४

पंचाईण भटारक सीसोदीयो ११३
पंचाईण वरसंघोत राठोड़ दो २८६, २८८
पंचाईण वरसिघोत महेवचा राठोड़ दो.
२७५

पंचाईण बीसावत भाटी ७६ दो. २२०
पंचायण ४३
पंचायण पवार दो. ४६

प

पती उरजनोत मुंहता ७० दो. २१६
पती कलावता देवडी १०४
पती कान्हावत अर्गंराजोत राठोड़ ५७
पती गानायत राठोड़ २८५ दो. २७५
पती गांगावत दूंगनेत राठोड़ दो. २७४
पती दुरजणमालोत राठोड़ ५८

पतौ देवाइत बारठ दो १८४
पता देवाईचोत रोहड़ीया बारठ दो. १०८
पतौ नगावत राठोड ६८, ७०, ८०, २६२
दो. २१६

पतौ नेतावत ६७

पतौ भादावत हुल ६६

पतौ मेहराजोत रौ राठोड ६२

पतौ मुंहता ६७, ७०

पतौ राठोड ८०

पतौ रायमलोत चारण दो ३४६

पतौ वरसावत रतनू चारण दो. ३५०

पतौ सुरतांगोत भाटी दो. ३३६

पदमा देवडी ४२, ७६

पदमा पोकरणा ब्रामण २३६

परतापमल नादणोत बारठ दो. ११३

परतापमल सिंघवी दो ३०५, ३०६

परतापसिंघ करमसीयोत जोधा राठोड
१७८

परतापसिंघ नांदणोत बारठ दो. १५२

परतापसिंघ सुरतांगोत भाटी दो ३०३,
३०४

परतापसी भाटी दो ३५३

परवत किसनाणी राठोड दो. ३४१

परवत कुसलावत राठोड दो. ३३५

परवत देवराज रौ पोकरणा दो. ३२४

परवत देवराजोत राठोड दो. ३४८

परवत सादावत लूणोत प्रोहित दो २७३

परवतसिंघ चद्रमण रौ १७३

परवतसिंघ मेहाजलोत दाहवी ७६ दो.
२२१

परवतसिंघ सीसोदीया ११८

परवत मेर २

परवेज साहजादा १०६, १०७, १०८,
१०९, ११० दो ७४, ७५, ७६

परसराम गौड़ १७३

परसु १३५

परसोजी दिखणी १७३

परसोतम जोसी ७७

पां

पात्रु वीरमदेयोत मांगलीयो ४१

पाचो नदावत साहाणी ६८

पा

पातल ५२

पातल राजावत राठोड दो. २५१

पातली मेर ४६५

पातसाह री घाई दो. ७०

पातु गू १२२

पातो कूपो मेहराजोत राठोड दो. ३५

पातो बारठ दो. ५७, ५८

पाला ऊदावत रतनू दो. १६५

रतनू पालीह उदावत दो. १०८

पाहड़खान ६३

पि

पिरथीराज कानुगो दो. ८८

पिरथीराज दलपतोत करमसीयोत राठोड
१७८

पिरथीराज सुदरदासोत घघवाडीया दो
११२, १४०

पिराग ईसर रौ ब्रा. ५४४

पिराग बाघावत सोहड़ दो. ३०१

पिराग भाटी ८७

पिराग भारमलोत भाटी ६२ दो. ६६

पिराग मुकदोत व्यास ५४८

पिरागदास चांपावत घायभाई १८३

पिरागदास सुरतांगारामोत राठोड १००

पिरागदास हरिसिंघोत राठोड़ दो. ३०७

पी

पीजल बीवल रा प्रोहित २३६
 पीतांबर पिरागोत ४८२
 पीतांबर वागदे श्रीमाली २३८
 पीथड़ प्रोहित ३०२
 पीथी ८६
 पीथी अणदोत भाटी ६२
 पीथी खेतसीयोत पातावत राठोड़ १४१
 दो. ३०७
 पीथी जगावत सोहड़ ५६
 पीथी जेसावत सोहड़ दो. ५६
 पीथी टोहावत रतनुं चारण दो. २७७
 पीथी देदावत केसरिया प्रोहित ३०२
 पीथी नरसंघ री बीठु दो. १११, १६४
 पीथी नरा री प्रोहित दो. २७३
 पीथी नाराईण री प्रोहित दो. २७३
 पीथी भाटी दो. ६६
 पीथी भाणावत गाडण ३०४
 पीथी रूपसीहोत रतनुं दो. ३५२
 पीथोड़ सोढावत सोढा प्रोहित दो. २६७
 पीपलीया बीढा री ५२७
 पीपो पडिहार ३
 पीर जमजेद दो. २१५
 पीरजादा दो. ११४
 पीरजादा खुजमहमद नी १म दो. ११६
 पीरजादा नीजरवली निजाम दो. ११४
 पीरसेद मारु दो. २१५
 पीरोज खांन पातसा री वेटी ३८८

पुं

पुंजी सुराणा दो. ११६
 पुनराव आसीया २४०

पुनौ आहेड़ी २०

पुं

पुंजी चाहड़ हरभू री दो. ३०
 पूना अखावत रायगुर प्रोहित २६७
 पूना दोलीयां री गहलोत २६
 पुनौ वीसलदे री ३२
 पूरण जीवावत २४१
 पूरणमल जसावत रावलोत भादावत
 राठोड़ १७६
 पूरणमल प्रीथीराज जैतावत राठोड़
 ६१ दो. ६५
 पूरो भाण री दो. ३४६
 पूरा मटीयांगी ४०
 पूरां सोनगरी (सोनगरा अखैराज री
 वेटी) ५६

पे

पेयड़ राजी दो. २६५, २६६

पो

पोकरणो ईंदो ३१
 पोदल सामराव दो. १७५
 पोदलो समरावत री वारठ दो. १०८
 पोहकरण रपीसर दो. २८६, २६०
 पोहकरण वांभण दो. २८६
 पोहपावती (मालदे री वेटी)

प्र

प्रतापमल करमसीयोत पातावत राठोड़
 दो. २६६
 प्रतापसी गोहल १२, १३
 प्रतापसी सुरतांणोत रावलोत भाटी
 दो. ३०१

प्रि

प्रिथीमल सीसोदीया १२६
 प्रीग माङ्गोत राठोड् ८६
 प्रिथीराज करनोत भाटी ६६
 प्रिथीराज करमसोत दो. १३४
 प्रिथीराज कूपावत राठोड् ६१, ७१,
 ८०, ८२, ८३, ४१८, ४८५, ४८७,
 ४८६, ४६२ दो. ६३
 प्रिथीराज खीवराजोत दधवाडीयो ४८६
 प्रिथीराज गिरघरदासोत वारेट
 ४८५ दो. १४०
 प्रिथीराज गोईदोत नरावत राठोड्
 दो. ३५३
 प्रिथीराज जेतसियोत केल्हण भाटी ३४
 प्रिथीराज जैतावत ५६, ६४, ६५
 दो ४, ५, ५६
 प्रिथीराज दयालदासोत चौवाण १८१
 प्रिथीराज दलपतोत राठोड् १८५
 प्रिथीराज देवलीया राठोड् ४२३
 प्रिथीराज देवीदासोत राठोड् ४६६
 प्रिथीराज बलुवोत राठोड् १११ दो ७४
 प्रिथीराज भाटी ४३
 प्रिथीराज राठोड् ४७५
 प्रिथीराज सीधण अखैराजोत राठोड् ६३
 प्रिथीराज सूजावत देवडी १०२
 प्रिथीराज चहुवाण सोमेसर री बेटी
 २, ३, ४

फ

फते अली ११६
 फतेखान बलोच १२२
 फतैसिध दो. ३०४
 फतैसिध का० १३६
 फतैसिध नरहरखानोत राठोड् १५६

फतैसिध महेसदासोत राठोड् १७४
 फतैसिध सुजाणसिधोत सीसोदीयो १७४
 फतैसिध हाडी १७३
 फदर ८२
 फदाईखान दो. ७६ १०६ दो. ७३
 फरसराम कचरावत सारंगसमजी रो व्यास
 दो. १६४
 फरसो घनराजोत चौहाण १८४
 फरीद हुसेन १७१
 फलू बामण दो. १
 फलूवी (फलू बांभण री बेटी) दो. १
 फलो सीधू दो. १

फा

फाजल मुहमद ११५

फु

फुलनायक ३८

फू

फूल विणजारो ४७०

फो

फोकट'दो. ४१

ब

बद्धा गुगली बांभण २६०
 बणवीर ११८
 बणवीर घारावल देवल ११७, ११८
 बणवीर पुनावत भाटी ३२
 बणवीर भाटी ३४
 बणवीर भोजावत हुल ३६
 बना बाधेली ३६
 बरजांग भीवोत राठोड् ३१, ४०

वरसल पातलोत राठोड ६८
वरसल पातावत राठोड ६६
वरसल प्रीथीराजोत राठोड ८०
वलराम दयालदामोत ऊदावत राठोड
११७

वलभदाम मुरताणोत राठोड दो. ११२
वलभद्र मुरताणोत राठोड
दो. ७२, १४०

वलु ईसरदासोत राठोड ५१६
वलु गोरधन री प्रोहित दो. ११२
वलु गोरधन री व्यास दो. २१२
वलु जगनाथोत राठोड दो. ३०८
वलु परतापोत राठोड ५२४

वलु पा० ११६
वलु पांचलो २१५
वलु बीकावत राठोड ५२५
वलु बीजावत लूँका री दो. ३४४
वलु सहेलावत री सीवल २८५
बहूजी अहाड़ी (राजा मूरजसिध
री राणी) ६५
बहूजी सेखावत २८६

वां

वांघरी हुल ३८३, ३८४

वा

वाई लीग (राय गोयद री बेटो)
दो. ३२२
वाई श्री मननायतीजी दो २६८
वाग्ल चांदणोत जगहर दो. १५२
वाघो अयदार २३४
वाघो नेतसोत ३०२
वाघट घालावत री लाघा रोहटीया ३०४

वावर हीड़ागर दो. ४२
वावल चांदणोत दो. १०७
वारू हीगोला २४०
वालनाथजी दो. ३१५
वालाह वाई (मालदे री बेटो) ५२
वालीसो सूजो सावतोत दो. ६०
वाहादर पातसाह ६७

वाँ

वीजा ५१
वीजा देवड़ा ७३
वीजी जैतमाली राठोड ५७
वीजी भारमलोत राठोड ५०
वीजी बीकमादित राजगपाल ३०
वीजी बीरमोत राठोड ६६

वी

वीकी देईदान री खिड़ीया ५४६
वीजा सिवराजोत राठोड २५४
वीजैराम हरीदासोत गोपालदासोत चांपावत
राठोड १७७

वींजी ८०
वीदो भारमलोत बालावत राठोड ५७
वीदी राड़वरी ८०

वु

बुढो मेहसा री २५५
बुरद ४६५

वे

वेगम-गातगाह री मा दो. ६८
वेगो कूँपावत ४७१
बेटवासीयो हुल १०१

वेणी इंदो ७३
वेणी घरमावत इंदो ६६
वेणी घायभाई ८६
वेणी सहेसो तेजसोत वरसिघोत राठोड ४२
वेणीदास चोपड़ा ४७३
वेरसी जेसावत राठोड दो. ६
वेरी माईदासोत ४७१
वेनी कोचर ८६

बो

बोचा चारण १३६
बोनीयो मेर ४६६
बोहड़ीया (कठोती) दो. ४०
बोहीगुण मालावत खिड़ीया ५५१

म

भगवान ईसर री खिड़ीया दो. १२६
भगवान कमावत सा० १८५
भगवान करमचदोत दो. २२
भगवान गोपालदासोत दो. ११०
भगवान जसावत खिड़ीया दो. १०८, २०६
१७६, १६८
भगवान देईदासोत प्रोहित दो. ३५०
भगवान माना री राठोड दो. ३४७
भगवानरांमोत २८१
भगवान लिखमीदास राठोड दो. ३३२
भगवान सि० २२७
भगवान सीरग री २३७
भगवानदास ८२
भगवानदास मांडणोत राणावत राठोड
१७६
भगवानदास मानसिघोत २३६
भगवानदास रायमलोत भाटी १८१
भगवानदास वाघोत राठोड ११२, ११५,

११६

भगवानदास वीरमदोत भाटी ७३
भगवानदास सकतावत राठोड १७६
भगवानदास सुरताणोत राठोड ११६
भगसिव रूपसीयोत ११०
भटीयांणी (अखैराज री वेर) ८८
भणकलावत भाटी ६८
भदो पंचायणोत राठोड दो. ५२, ५३
भरमा रूपावत रतनुं दो. ११२, १४१
भली चांदा री प्रोहित दो. २७०.
भवणी रांभावत जेतसेपाउ आचारज
प्रोहित ३१०
भवानीदास तेजसीहोत सीवड़ दो. १३८
भवानीदास राठीड़ ५५१
भवानीदास सुरावत अखैराजोत राठोड
५७

भां

भांण १
भांण (मालदे री रांणी) ५६
भांण भोजराज सादा रूपावत री राठोड
६१ दो. २६५
भांण मनोहरदासोत भाटी १८०
भांण राठोड ६६
भांण ससारचदोत राठोड ६६
भांण सकतावत सीसोदीया १२३
भाण सैहसमलोत मा० १४२

भा

भाइ पज जैपाल दो. २६०
भाखरसी कूपावत भाटी ७६ दो. २२०
भाखरसी जैतावत राठोड ६१ दो. ६५

भाखरसी हूंगरसीहोत राठोड़ ६२ दो. ६५
भाखरसी दासावत राठोड़ दो. २६८
भाखर नरहरोत श्रीमानी व्याम ५४८
भाखर बरट ३६६
भाखर भागलीया ५२४
भाखर सादूल रो. प्रोहित दो. २७३
भाखर सीहेडा रो घावल दो. २६
भाखरसी हरराजोत भाटी ८८ दो ७,
२६६

भागचंद करमचंदोत रो दो. ७
भागं (करमसी जोधावत री बहन) ४०
भाडी सूजा जागरवाला ग्रामण ८१
भाणी ८७

भादो नराइणदासोत भाटी १००
भादो मोकलोत राठोड़ दो. ४८
भादो लाखा री ३५०
भादो हेमावत दो. २२०
भाना जैतसिहोत खिड़ीया ७६
भाना नेतसीयोत खिड़ीया ८२
भाना नेतावत खिड़ीया ८२
भानो भारमल री चारण दो. ३५५
भानो भाडण रो प्रोहित दो. २७३
भानो सिवराज री राठोड़ दो. ३१
भानो मुजावत बरकदाज चौहाण १८३
भानीदास (राव हूंगरसी री भाई)
दो. ६

भानीदास ईमरदामोन भाटी ११६
भानीदास खीवावत राठोड़ ४६८,
४६६, ५५१
भानीदास चडीदास री २३७
भानीदास तेजसीहोत सीवड़ दो. ११०
भानीदास दुजणमानोत भाटी ८४
भानीदाम प्रोहित दो. ६३
भानीदास मुतहार ६२ दो. ६६
भारमल दो. २८६

भारमल कानुगो दो. ८८
भारमल किसनावत प्रोहित ३३४
भारमल जोधावत राठोड़ ३०२, ३०४
भारमल दलपतोत राठोड़ ५८८
भारमल देवीदासोत राठोड़ ५६
भारमल घारावत रतनू चारण दो. ३५३
भारमल मना री चारण दो. २७७
भारमल मांखला ८०८
भारसिंघ किसोरदासोत कूपावत राठोड़
१७७ भीव ६८

भी

भीव ऊदावत वाली राठोड़ ६३
भीव कित्याणदासोत राठोड़ १००, १०४,
१११, १२४, ४६६, ५४० दो. ७४
भीव गोपालदासोत राठोड़
१३८, १४१, १५६
भीव केसोदासोत गाडण ४८६
भीव चूडावत ३१
भीव पडीहार ४४१
भीव पिराघदासोत भाटी १८०
भीव बरमनोत राठोड़ दो ३०६
भीव बाधावन मुजावत राठीड
२३८, २४२
भीव बीठलदामोत गोड १७६
भीव बीठलदामोत गोपालदामोत चापावत
राठोड़ १७७
भीवा लहुवो दो. १७
भीव बरमनोन आमीया ३६६
भीवो भोजो दो ३५६
भीवीत वलु मेघराजोत ११६
भीवी मुंहता ६७
भीवी रायत ६३
भीवराज पेघड़ दो. ३०१
भीवमिष हामा १३५
भीवग चट्वाग ५८

भीवा थाहरोत प्रोहित दो. २७०
भीवां वांभण दो. २७०
भीमदे ३
भीमा ८६

भुं

भुणकमल दो. ३०१
भुणकमल ८६,
भुणकमल देपी गांगावत ८८

भू

भूघर काना री वांभण दो. १५२
भूघर कान्हावत प्रोहित दो. १०८
भूघर गोईद री व्यास दो. २१२

भै

भैरव रासद दो २६०, २६१
भैरव ६५
भैरव नीवावत ब्रा. ४१८
भैरव नीवावत रोहड़ीया वारेट ४८५
भैरव भाटी ६६
भैरव भीवराज सीहावत सोहड ५८
भैरव हरखावत खिडीया २४१
भैरवदास कीतावत मुं हुता १२८
भैरवदास जाडो २६२
भैरवदास भादावत राठीड दो. ५०
भैरू भीवराज राजप्रोत २६८
भैरूदास जोसी ७७

भो

भोजराज १
भोजराज ५५
भोजराज २८६

भोजराज कलुटा राठीड ७३
भोजराज चापावत राठीड १७७
भोजराज पातावत राठीड दो. ३०५
भोजा कूपावत सीवड प्रोहित ५४३
भोजा जेसावत मीसण २४३
भोजु पोहकरण मा. दो. ७
भोजु भाटी ७०
भोजु मांगलीयी दो. २६७
भोजो मुंहता दो. ३५१
भोजी जसवंतोत पवार १८३
भोजी जोधावत भाटी ५८
भोजी पचाईणोत अखैराजोत राठीड ५७
भोजी मंडलावत राठीड ६३
भोपत उदैसिघोत राठीड ७५, ६६
भोपत जोगावत रावळोत राठीड

१००

भोपत काना री पडित दो. ३४६
भोपत गुणैस भारमलोत प्रोहित २३८, २८५
भोपत जैसिघोत राठीड दो. ३०५
भोपत देवीदासोत राठीड १०२
भोपत मांडणोत पीडत दो. ३४६
भोपत मानसिघोत मोहता ६८
भोपत राठीड ६७
भोपत रांणावत राठीड ६८
भोपत व्यास दो. ३१४
भोपत हीगोलावोत राठीड ६८
भोपा आसायच ३३५
भोपो नाई २१, २२, २३

भं

भड हुल १८५
भदोदर दर्हित १
भंदोदर री बेटी १
भकवाणो हुल १०१

मदन जात सोयई प्रोहित ३१०

मदा श्रीमाली दवे २४३

मदी ११६

मदी फर्तअली बलोच दो. ८

मदी मेरावत राठोड़ दो. २१६

मदी लुणयाण २०

मधुदेव पंवार दो ११५

मघो लहर ३८६

मनभावती बाई १०८

मनरूप राजा जगन्नाथ री कछवाहा

दो. ७२

मनी पटेल भा. दो २३७

मनोहर अणुदोत ४७६

मनोहर ईंदो १८४

मनोहर जैमल री प्रोहित दो. २६७

मनोहर पीथावत २४०

मनोहर भाटी १८२

मनोहर राभावत ६८२

मनोहर सादुलोत चौहाण दो. ३०७

मनोहरदास उकील १४४, १५७, १५८

दो ६३, ६५

मनोहरदास केसोदासोत मुहेचा राडीड

१८०

मनोहर गुणोसोत ईंदो १८२

मनोहरदास जसवतोत बीदो राठोड़

दो. ३०६

मनोहरदास पचोली १२८

मनोहरदास पडित १५३

मनी रूपसोत भाट २५५

मन्हीर ५२

ममारक खान ५८

मलकअली मेर ५२

मसूगान ४०, दो. ४२, ४३, ४४, ४६

मवेसा १०२

महणसी २

महणसी अल्ह ३

महरात मेर ५३५

महरबलीखान पातसाह १८, १६

माहावतखान साहजादा ११०

महीधवल दो २६०, २६१

महेपौ पवार ३०

महेस अखावत चारण दो. २७४

महेस ईंदो १०१

महेस कूपावत राठोड़ ७१

महेस घडसीहोत राठोड़ ४३, ५७, ६२,

२५५ दो. ५४, ६६

महेस चारण दो. ५८

महेस चुतरावत बारठ दो. १८४

महेस चुतरावत मीसण दो. १८५

महेस चुतरावत मेड़तीया दो. ४७

महेस दुदावत रोहडीया बारहट २३६

महेस नाथोत ३३५

महेस पचाइणोत राठोड़ ६२, ३३६

दो. ६५

महेम मोहलोत २३६

महेस सागावत राठोड़ दो ३४१

महेस सादू ४८७

महेमदास २६२

महेसदासजी १३५

महेसदाम अचलदामोत भाटी १८०

दो. ३०५

महेमदास कानुंगो १६४

महेमदास किसनावत आन्दा ४८३, ४८४

महेमदास चुतरावत बारठ दो. १०८, १०९

महेमदास दलपतोत राठोड़ दो. ७४

महेमदाम राठोड़ १३७ दो. २६५

महेमदाम मूरजमतोत राठोड़ ११५, १२५

१७५, १७६, ४३४

महेराज गुंमाणोत राठोड़ दो. ३४०

महेराज टोकरी २६७

महैराज भोजा री प्रोहित दो. २६६
महैराज सीहावत बांमण ३०१
महो जगहथोत पाती ६३

मां

मागलीयांगी (वीरम री बर) १६. २०,

२१,

मागलीयो सरणावत ६३

माडण करन प्रोहित ४७७

माडण खीवसरा दो. १०६,

१६८

माडण खेतावत प्रोहित ८१

माडण गोपालदासोत ऊहड ३०३

माडण हरदासोत ३०२

माटलप दो. २३०

माडा सीहावत बांमण ३०१

माडा हुल १८४

माणो दो. ३३४

मानसिध सोनगरा ६८, ८० ८३, दो.

६३

मानो मागलीय ६७

मानो डावगेन भडारी १०१

मानो देवराजोत भाटी दो. ३३८

मानो परवत मेर ५४१

मानो भडारी ६६, १०१, १०२, दो. २६७

मानो भाटी ७०, ७३, ६६, ११२, ११३

, दो २४३

मानो मनोहरदास गोमंददासोत भाटी

१००

मा

मागा बुध रोहड़ीयो चारण १५

माजबी लाडखां १०१

माडी जसा री ५५३

माणक हरीयो गेहलोत १६, २०,

माणोत अचली सूजावत ७३

माधवदास गोपालदासोत राठोड ६८

माधवदास चू डावत दधवाडीया ११३,

११४, ४८७

माधोदास ३४६

माधोदास केसोदासोत भाटी १८०

माधोदास केसवदासोत सोनगरा १८१

माधोदास गाउण ३४६

माधोदास जसवतोत राठोड दो. ३०८

माधोदास पूरणमलोत राठोड १०४, ११०

माधोदास मोहणसोत ३४६

माधोदास रामदासोत राठोड १००

माधोदास सादुलोत मागलीयो ६८

माधोदास सोनगरो दो. ३०२

माधोसिध ऊर्दसिधोत राठोड ७५

माधोसिध भोज री राठोड दो. २१०

माधोसिध सीसोदीया (राणा ऊर्दसिध रं)

१०४

माधो घायभाई गोड १००

माधो तेजा री कछेला ५५१

याधो रामदासोत ३१६

माधो रामावत प्रोहित दो २६८

मान खिजमतीया राठोड १०५

मानघाता चक्रवती दो. ११५

मान रामावत आसीया २४३, २८७

मानसिध अखैराजोत सोनगरा ६१, २६८

मानसिध कल्याणदासोत जैमलोत भाटी

१०१

मानसिध गोपालदासोत भाटी १८०

मानसिध ठाकुरसोत भादावत राठोड

१८५

मानसिध मुरारदास राठोड दो. १४६

१५०

मानसिंघ राजावत राठीड़ दो २६५
 मानसिंघ रूपसिंघोत राठीड़ १५६, १५७
 मानो मालावत मेर ५५२
 मानो रायमल ३१८
 मानो सिवदासोत हमीर भाटी दो ३०१
 मानो सुजावत बरकदाज चौहांण १८३
 माल १३५
 मालदे बणावीरोत काघल राठीड़ दो ७
 मालराव चूंडा २५
 माल लखमणोत १०१
 मालवदे दो. ११६
 माला ऊदावत सादु ८२, ३४६ दो. १६७
 माला चारण ४३६
 माला चांदावत मेर ४७१
 माला तेजावत वीठू दो. १६४
 माला नेजावत नुं दो. १११
 माला परवत देवराजोत राठीड़ दो. ३५१
 मालुजी १७२
 मालो जगमाल १६, ७
 मालो देवराज री (पोकरण) दो. ३२४
 मालो नरवद री राठीड़ दो. ३४७
 मालो समुरता री बारठ दो. ३५०
 मालो दो. २३०
 मालो उदेसोत सांढू चारण १०५
 मालो जोधावत भाटी ५८
 मालो दिदावत २६८
 मालो देवराज राठीड़ दो. ३४८
 मालो सलखावत १६
 माहव आसा री सिंढायच चारण
 दो. ३५१
 माहाव राजगुर प्रोहित २६८
 माहसिंघ वीहारीदासोत राठीड़
 दो. १८४
 माहारीख दो. ४१
 माहासिंघ जगनाथोत राठीड़ दो. १८०

मी

मीरजा दो. ५५
 मीढो रांदो १६, २०
 मीया फरामत १२६, १३६, दो ६२
 मीर आसावत भाटी ८८
 मीर इसमाल १७२
 मीरजा मुहमद अमी १३०
 मीरजी मेहमद अमीमीया १५०
 मीर सकार दो. ७३
 मीरसफा १०६

मु

मुकंददास किसनसिंघोत राठीड़
 दो. ३०२
 मुकंददास भाणोत राठीड़ दो. ३०७
 मुकुंदसिंघ माचोसिंघोत हाढी १७३,
 १७६
 मुकंदसी किसनसिंघोत राठीड़ २७७
 मुकलस खान १७४
 मुगराजसी ६३
 मुगल लखणीयां २४२
 मुगल खान १२१, १२२, १३
 मुगलखान बलोच दो. ८
 मुगलखान समांयलखान बलोच ११८
 मुगलखान सरोई १२०
 मुथरादास राठीड़ दो. २०६
 मुदफरखां पातसाह ४२, ७७, ७८, ८६
 मुदफरखान मदा री बलोच ११६
 मुदफर हुसेन १७१
 मुरादबगस साहजादा १७०, १७६
 मुरार खेतावत जोसी श्रीमाली ४८१
 मुरार राठी दो. ३११
 मुरारदास गोयंददासोत मेहतीया राठीड़
 १७८

मुलवाणी सोढी ३३
मुहड ठाकुर सोनावत चारण ३६७
मुहमद अमी मुगल १३०
मुहमदखा विहारी ७३
मुलराज सोलंकी ५, ६, ७, ८

मू

मूला कूपावत सीवड़ प्रोहित ३३४,
३४६, ४७६, ४८०, ५४६
मूला प्रोहित ५२३
मूलो हुल ५३६
मूलो नीवावत राठीड़ ५५
मूलो नीवावत भाटी ६४

मे

मेणराज चंड ३११
मेघराज ७३
मेघराज उरजनोत ऊहड़ १७६
मेघराज किसनावत आढा ४८४
मेघराज केवल री ब्रा ४८२
मेघराज गेहावत रतनु २४२
मेघराज हू गरसी २४२
मेघराज देवल ११८
मेघराज भाटी दो. ३५१, ३५२
मेघो सागावत राठीड़ दो ३४१
मेघो सीवराजोत लहुवा दो २२
मेघो चौहाण दो. ५६
मेघो पतावत चारण दो. ३५१
मेघो भैरुदासोत ५६
मेरी आपा ४६६
मेरी देवीदास री राठीड़ दो. २१६
मेरी सीसोदीयी २७, २८, २९, ३८७
मेहका सोलावत सिद्धाश्च दो ३५३
मेहमद मुदाद उमराव ११२

मेहर १८२
मेहरात मेर ५३३
मेहराता चीता मेर ५३६
मेहा ६४
मेहा ऊहड़ ४३६
मेहा दुसलोत बीठु २४२
मेहा रोहडीया बारट ३६६
मेहाजल ५३
मेहो रूपा री प्रोहित दो. २६७
मेहो रावजी ४७
मेहो हू गरसोत खिडिया ८२
मेहो सुरजनोत चु० १८५
महेमंद पातसाह ५२
महेरा कु मार दो. ३१२

मै

मैहद आला ८
मैहद कालर दो. ३३७

मो

मोकल कचरोत री प्रोहित दो. २७२
मोकल गगादासोत थाथीया राठीड़ ८४
मोकल बारट ३६६
मोका माडणोत घघवाडीया दो. ११२,
१४०
मोटस सारंगोत मीसण २३६
मोटाल माडणोत खिडीया दो. १११,
१६७
मोटी जोगे री राठीड़ ५६, ६०
मोटी तेजावत घासीया ५५१
मोणदास जैतसीयोत ४७८
मोणदास जैतसीयोत प्रोहित ४८०
मोलण पंवार दो. ११५
मोहण किसनदासोत प्रोहित दो. ११०

मोहरणदास उदैसिघोत राठीड़ ७५
मोहरण नाई १८५
मोहरणदास पीपाड़ी दो. ३०५
मोहरणदास माधोदासोत वधवाड़ीया
४८७ दो. ११२, १६४
मोहरणदास सजावत प्रोहित दो. २७१
मोहरणदास हरदासोत भाटी दो. ३०७
मोहरणसी पड़ीहार ३
मोहिलाणी (राव चू डागी बेर) २५,
३८५
मोहील उडीट ३८५
मोहैप पवार ३८७

र

रभावती हाड़ी (हाडा सूरजमल री बेटी)
५३, ५५
रजु बाहदर १११
रणधीर कोझावत २६३
रणधीर सुराणा दो. ११६
रणमल अणदोत पुरणायचा आचारज
प्रोहित ३०२
रणमल सुराणा दो. ११६
रणवीर दो. ११६
रतन केसरीसिघोत भाटी १४२
रतन गोपालदासोत राठीड़ १७८
रतन पिराघदासोत भाटी १८०
रतन महेसदासोत राठीड़ १२६., ३७१
१७५
रतन रायमलोत राठीड़ दो. १११
रतनसी ५५
रतनसी ८७, २३१
रतनसी ऊदावत राठीड़ ५२३
रतनसी करमां रावल री राठीड़ ५५२
रतनसी चो० १३६
रतनसी खीवावत राठीड़ ५६, ६३, ६६,

७०, ४६५, ४६८, ४६६, ५४३,
५५१, ५५२
रतनसी झू गमीयोत आढा ५५०,
दो. १११ -
रतनसी दूदावत राठीड़ दो. १०६, १८५
रतनसी देहू री सांहु ४८७
रतनसी पीथा री भाटी ८८
रतनसी प्रीश्रीराज री बेटी) ३, ४
रतनसी भाटी दो ६४
रतनसी भैकरणोत चापावत ८४, ८७
रतनसी राठीड़ ४६५, ५४२
रतनसी सेखावत ५५
रतनसी स्यामदासोत भाटी १८१
रतना चाचावत सहायच २५४
रतना चीता री ५३६
रतना मेरडत ४६५
रतनावती बाई (मालदे री बेटी) ५२
रतनुं रामसिघ दो. १११
रतनो गागावत सोहड दो. २६५
रतनो जगी दो. ७१
रतनो डाहाखत मीसण चारण दो. १०६,
१८५
रतनी रावलोत प्रोहित दो. २६६
रतो अर्भ री ५६
रतो पा० दो ५६
जगहटरला गोय दोत २४२

रा

राइचंद सुरताणोत प्रोहित १०७, ११०,
१५२, १६३
राइमल खेतावत प्रोहित २८५
राइसल राठीड़ दो. ५२
राईसल राजावत प्रोहित ३१०
राईसिघ २८६
रापाईच (मूलराज री भाई) ८

रागो सेहलोत १०१

राघव ५३

राघवदास पा. ११३

राघवदे बरसलोत ऊदावत राठीड़ ५६

राघो केसोदासोत साहाणी १८३

राघो कोभावत जैतमालोत दो. २७२

राघो नरणोत प्रोहित दो. २७१

राघो महेस री दो. १३८

राघोदास ३०४

राघोदास किसनावत प्रोहित ४८०

राघोदास पंचोली ११४

राघोदास महेसोत दो. ११०

राघोदास सादुलोत अबदार चौहांग
१८३

राघोदास सुरताणोत भाटी १४१

राघोदास हुल दो. १८१

राघोसिंघ भोजीतेज राठीड़ दो. २०७

राजकंवर (मालदे री बेटी) ५३

राज डंगो दो. ३६

राजधर सीहावत सोहड़ दो. २६५

राजसिंघजी १०८

राजसिंघ खीवावत राठीड़ १०१, १२४,
१२५, ४६६ दो. ७४, ७५, ७६

राजसिंघ षड़सीहोत राठीड़ ६२ दो. ६६

राजसिंघ दयालदासोत भाटी दो. ३०७

राजसी परतापमलोत रोहड़ीया बारठ
दो. ११४

राजसिंघ भगवानोत राठीड़ १८५

राजसिंघ महेसदास राठीड़ १११

राजसिंघ राघोदासोत राठीड़ २७८

राजसिंघ राठीड़ १०६, ११०, १४४

राजसिंघ विसनदासोत राठीड़ ११५

राजसिंघ वेणीदासोत भाटी दो. ३०६

राजसिंघ सांवलदासोत राठीड़ ११४

राजसिंघ सादुलोत दो. ११०

राजसिंघ सुरजमलोत राठीड़ १३२,

१३८, १४३

राजसी अखावत राठीड़ ४१८

राजसी अखावत रोहड़ीया बारहठ
२६८, ४८८

राजसी परतापमलोत बारहठ २५४

राजसी प्रिथीमलोत रोहड़ीया बारठ
दो. १४१

राजसी भाटी दो. ६४

राजसी सादुल री दो. १३८

राजसी सूजावत भाटी दो. ६३

राजसीघ सुराणा दो. ११६

राजा उदीत प्रोहित ५४४

राजा चौहथोत सीवड़ प्रोहित ४७८,
५४३

राजा देला दो. ३६

राजा सीवड़ प्रोहित २३६

राजौ अखई री सीढायच चारण
दो. ३५१

राजौ उदावत ३३४

राजौ देवराजोत राजावत ३३

राजौ पातावत भाटी ५४४

राजौ बालवता प्रोहित ७८

राजौ भानौ री सोहड़ दो. २७४

राजा अमरसिंघ कछवाही १७४

राजा आसकरण भारमलोत ६२

राजा उदैसिंघ ७६, ८३, ६२. १०२,

१६३. २३७, २३६, २४०, २४१,
२५८, २८७, ४८१, ४८३, ४८७,
४८८, ५२४ दो. ३१, २२१, २७४

राजा करन बीकानेरीयौ १४३, १४४

राजा काछेला ४६४

राजा गजसिंघ ६५, १०३, १०५, ११०,
१११, ११५, ११६, १२४, १६३,
२५४, २६२, २६८, ३०४, ३८६,

३६०, ४००, ४८३, ४८६, ४८६,
४६१, ४६६ दो. ७, १०, ७३, ७४,
७७, ८८, ६२, ६५, ११४, १४१,
२२१, २६५

राजा जगनाथ कछवाहा ४७८

राजा जसवंतसिंघ १२३, १६३, १७०,
१७१, १७५, ३३५, ३४१ ३८६,
४००, ४७६, ४८४, ४८६, ४८६.
४६२, ४६६, ५४८ दो. ७, ७७,
८६, ६२, ६५ ११४, १६६, १६८,
२२१, २६८, ३१४, ३२२,

राजा जैसिंघ १२६, १३०, १३५, १३६,
१३७, १३६, १४६, १५०, १७०

राजा दगर्थ २

राजा देवसिंघ बुंदेली १७४

राजा देवसिंघ मारथसाह री १७४

राजा पुरुरवा दो २६०

राजा प्रथीराज चहुवाण ३८६

राजा भीव ६५, १०८

राजा भीवदे सोलकी ३८६

राजा भीम अमरावत सीसोदीया १०६,
११२ दो. ७३

राजा भोज दो २१५

राजा मानघाता दो. ३७, ४१

राजा रथ २

राजा राजसिंघ १२८

राजा रामदास उदावत कछवाहा दो ७३

राजा रायसिंघ ब्रीकानेरीयो ६७, ६८,
१६३, १७१, २१६, दो ७, २८,
३१, ३२

राजा रायसिंघ भीवोत सीसोदीयो १७२,
१७६

राजा रुघनाथ १७०

राजा रुघनाथ दीवान दो ६४, ६५

राजा रुपसिंघ दो. ३००

राजा वरसिंघ १७३

राजा वामदेव दो. १५

राजा विक्रमादीत वामण १०७ दो ७४

राजा बीकमादीत १७५

राजा सिवाराम १७३

राजा सुजाणसिंघ बुंदेला १७३

राजा सुरजाणसिंघ १७६

राजा सूरसिंघ ७७, ११०, १६३, दो.
१२५

राजा सूरजसिंघ ६२, ६३, ६४, ६५, ६७,
६६, १०२, १०३, १०५, १०६,
१०८, ११०, २४१, २८७, २६२,
२६३, ३३५. ३८६, ३६०. ४००,
४१८, ४३६, ४८५, ४८७, ४८८,
४८६ ४६१, ४६६, ४६८, ४६६,
५४४, ५४८, ५५४,

राजा सूरजसिंघ दो. ७, १०, ७३, ७५,
११३, १३६, १४०, १५२, १६४,
१६७, १६८, २२१, २४२, २६६,
२६७,

राजा अमरसिंघ १०३

राणा आसकरण ५२

राणा उदयसिंघ ४८, ४६, ५२, ६०,
६६, ७०, ६५ दो ५६, ६०, ६६

राणा करण १११

राणा करमसी जोगा री दो २१६, २१८

राणा कल्याणदास ७७ दो. २२०

राणा कुंभा २६, २६, ३१, ३२, ३५,
३६, ३७, ३८७, ३८८, ४६४

पट्टिहार जेराल राणा ३८

राणा जैमल लू कावत दो. ३४८

राणा जोगो देवीदास री दो. २१३, २१८

राणा टोहू ईदा ३११

राणा हूंगरसी करमसी री दो. २१६,
२१८, २१६, २७२, २८६, २८७

राणा हू गरसोत ४३
 राणा देवीदास ३६
 राणा देवीदास बीजावत ३०१, दो. २१६,
 २१७, २१८, २६७, २६८, २७०,
 २७१, २७२, २७३, २७४, २७६,
 २७७, २८६.
 राणा देवीदास विजैपालोत ३०३
 राणा पीथा ३१
 राणा मडा जेतसोत ३६
 राणो मालावत राठोड दो. २२१
 राणा मोकल २६, २७, २८, २९, ३७,
 ३८५, ३८७
 राणा सागा ४२
 राणी प्रतापदे १२३
 राणी मनरगदे कछवाई ६२
 राणी लिखमी दो ३१५
 राणी अखैराजोत राठोड दो ५२, ५३
 राणो चौहाण ४४३
 राणी जगनाथोत ६२, ६६
 राणो भारमलोत रतनू चारण दो. ३५३
 राणो रूपोड पड़िहार दो. ३४२
 राणो सुदर पेमोत सीधल २८१
 राणो पचायण ४४
 राणी मालावत राठोड ७५
 राणी वीरमदेवोत राठोड ६६, ५८
 राम अचलदासोत प्रोहित ५४३
 राम खेडा रो दो ६०
 राम गढावत दो. ३०
 राम चादसीवोत भाटी दो. २६८
 राम टीलावत ईंदो १८२
 राम हू गरावत जागरावल प्रोहित दो.
 १०६, २७५
 राम टीलावत गूजरगोड दो. १५२
 राम दासावत दो. २६८
 राम घरमावत जगहठ दो. १११, ११६

राम पूनावत प्रोहित दो. २७१
 राम माघोदासोत ४८१
 राम मालदेवोत ७१ दो ६
 राम मुहता ६४
 राम मुरार श्रीमाली ब्राह्मण २५४
 राम पीपाडो रजपूत दो ३०५
 राम रतनसी रौ राठोड ४६५
 राम लेहावत गूजरगोड दो. १०८
 राम सारदुलोत आढा ५५०
 राम सादु ८२, ४८६
 राम हमीर रौ दो ३
 रामजी हरनाथोत ४७६
 रामकरण रावत चहुवाण ४१
 रामचंद गोईद रो वारठ दो. २७६
 रामचंद गोपालदासोत राठोड १४१
 रामचंद गोपालोत २५८
 रामचंद डावरोत दो. १६३
 रामचंद डाबर रौ प्रोहित दो. ११०
 रामचंद नरहरदासोत चापावत राठोड
 १७७
 रामचंद भगवानदासोत राठोड दो. २३
 रामचंद्र मुंघडा १८८
 रामचंद रायचंदोत भाटी दो. ३२३
 रामचंद सावलौत व्यास ५४७
 रामचंद सादुलोत भाटी १८१
 रामचंद सुजाणसिधोत सीसोदीयो १७४
 रामचंद मुरताणोत दो. १३६
 रामचंद सेखावत बालावत राठोड १८२
 रामदास करन रौ वारठ दो. १८४
 रामदास खेतावत प्रोहित ७८
 रामदास गुंगो १८४
 रामादास चादावत राठोड ६६, ११३
 रामदास चापावत राठोड ६८
 रामदास पाचावत अवदान चौहाण
 १८३

रामदास पीथा रो चारण दो २७५
 रामदास बैरावत ४२६
 रामदास बामण दो. ३३५
 रामदास मांडण कविया ५४६
 रामदास राठोड़ ११३
 रामदे अजैसिहोत तु वर दो. ६१, ३१२,
 ३१५, ३४८
 रामपोरा कचरावत व्याम दो. ११४
 रामसिंघ कचरावत मुठल भायल १८२
 रामसिंघ गोपालदासोत प्रोहित ५४६
 रामसिंघ जैमलोत राठोड़ दो. ३४२
 रामसिंघ दलपतोत राठोड़ २७८
 रामसिंघ पंचाईणोत भाटी १४२ दो ८
 रामसिंघ भाटी १४४
 रामसिंघ राठोड़ १३०, १८५
 रामसिंघ वीरमोत भाटी दो. ३२२
 रामसिंघ सावलोत सु डा १८२
 रामसिंघ सादुलोत दो ११२, १४१, १६५
 रामसिंघ सुजांणसिंघोत राठोड़ दो. १८७
 रामो जैतमलोत उदावत ८२
 रामो भांभणोत चहुवाण दो. २६४, २६५
 रामी किसनावत मु० ११४
 रामी खीवाड़ी ५६
 रामी घरमसीयोत सांदू ४८७
 रामी वरसलोत गौड़ दो. ३०४
 रामो भैरवदासोत राठोड़ ६२ दो. ६५
 रामो भैरवोत देवड़ा ११८
 रामो मागलीयो ८८
 रामो मु० ११०
 रामी रतनसीयोत राठोड़ ८४
 रामी राठोड़ ७६
 राय परमाणंद १२७
 राय रिणुवीरा २७
 रायचंद जोधावत भाटी ८८
 रायचवल जगवडावत २४

रायपाल १५
 रायपाल जोधावत ४०
 रायपाल सेवो दो ३०
 रायमल ८७
 रायमल अखैराजोत राठोड़ ५७
 रायमल खेतावत ४२, ३८६
 रायमल जसवंतोत नरावत राठोड़ दो.
 ३३१
 रायमल दूदावत राठोड़ दो. ११०
 रायमल प्रोहित ६४
 रायमल भाटी ६६
 रायमल मांडणोत, राठोड़ ४४
 रायमल मालदेवोत राठोड़ दो. २१६
 रायमल राजावत प्रोहित ४७८
 रायमल सिंघवी १३०
 रायसल दुजणसलोत राठोड़ ८७
 रायसल महेकरण री चांपावत ८७
 रायसल राजावत प्रोहित ४७८, ४८०
 रायसिंघ १०२
 रायसिंघ अमरसिंघोत १३०
 रायसिंघ ईसरदासोत राठोड़ ६८
 रायसिंघ चंद्रसेनोत ७८, ८६, १०१
 रायसिंघ जेसावत भाटी ६८
 रायसिंघ भाला ५५
 रायसिंघ भरनीदासोत चापावत राठोड़,
 ७३
 रायसिंघ राठोड़ ८६
 रावण दईत १
 राव अखैराज ११७
 राव अखैराज राजसिंघोत ११७
 राव अखैराज रिणुमलोत ३८
 राव अमरसिंघ चंद्रावत १७५
 राव अमरसिंघ हरीसिंघोत चंद्रावत १७४
 राव उदयसिंघ दो. २७६
 राव उदैसिंघ दो. ६

राव उदैसिध जोधावत ३७
 राव उदैसिह (भाली सरुपदे रौ बेटा)
 ४८६, ४६१ दो. ५
 राव ऊदौ सूजावत ४६८
 राव कंवरो माणकराव रौ दो ३५१
 राव करन ७१
 राव करण रिणमलोत ३८
 राव करमसेन उगरसेनोत ३६०
 राव कलौ ७१, ७२, ७८, ३८६
 राव कल्याणमल ६० ६५ दो. ५८
 राव किलाखदास रायमलोत ७५
 राव कीलाण दो. ६०
 राव कानडदे सोनगरा २६६, २६७ दो ३७
 राव कान्हा चूँडावत ३८५, ३८६
 राव केलण २६
 राव खीवो वरजांगोत राठीड २६२,
 ३४५, ३५५
 राव गांगी बाधावत ४१, ४२, ४३, ७६,
 ८१, १६२, २३८, २४१. २५४,
 ३१०, ३११, ३३४, ४१८, ४७७,
 ४७६, ४८०, ४८१, ४८२, ४८५,
 ४८८, ४८९, ४९० दो. २८, ३१,
 ३२, ४७. ४८, ३५०
 राव गोईव दो. २, ३, २६२, २६३,
 ३१५, ३४४, ३४५, ३४८, ३५०,
 ३५३, ३५४, ३५५
 राव गोपालदास माडणोत ७७
 राव चद्रसेण ५२, ५५, ६५, ६६, ६७,
 ६८, ६९, ७०, ७२, ७३, ७६, ८०,
 ८३, ८७, १६२, २६२, ३८६,
 ४६५. ५३६ दो. ५, ६, ६६, २१५
 २१६, २६६, २७६, २८६, २८८,
 २६४, २६५, २६६, २६७
 राव चद्रसेन सबलसिधोत दो. ३५६
 राव चरडो ३१

राव चांपौ रिणमलोत ३८
 राव चांवडो लूँका रौ दो. ३५४
 राव चूँडा २१, २२, २३, २४, २५, २६,
 २७ ३८, २३६, २३७, ३०१,
 ३०३, ३०४, ३११, ३१२, ३१८,
 ३३५, ३८४, ३८५, ३८६ दो. १
 राव जगमाल ७६
 राव जगमाल रिणमलोत ३६
 राव जगमाल लखणौत ४२
 राव जगमाल लूँकावत दो. ३४८
 राव जसौ दो. ४८
 राव जैतामाल गोईँदोत दो. ३, ४,
 २६३, २६४, ३४६
 राव जैमल दो. ३५४
 राव जैमल वीरमदेवोत दो. १३६, १७६,
 १६७
 राव जैसौ दो. ४७
 राव जैसौ पुंगलीयौ भाटी ५४, ६४
 राव जोगाइत हमीरोत दो. ३५१
 राव जोगो जोधावत ३६
 राव जोधा ३०, ३१, ३२, ३३, ३४, ३५,
 ३६, ३७, ३८, ३९, ४०, ४२, ६४,
 ७६, ८१, ८२, १६२, २३६, २३९,
 २४०, २४२, २६२, ३१०,
 ३११, ३३४, ३३५, ३४०, ३८६,
 ४१७. ४४८, ४६४, ४७८, ४८१,
 ४८५, ४८८, ४८९, ४९०, ४९३,
 ४९५ दो. १, २६, ३०, ३१, ३२,
 ३७, ११६, २१६, २१७, २१८,
 ३५४
 राव हूँगरसी ८५, ८६, ८८, दो. ६
 राव हूँगर रिणमलोत ३८
 राव दूदौ जोधा रौ ३६, ४०, दो. ३७,
 ३८, ३९, ४१, ४५, ४६, ४७,
 १०८, १५२, १६५, १७५, १८४

राव दुरगौ दो. ६०
 राव दुरजणसाल ५८, १०५
 राव दुरजणसाल हमीर रौ दो. २६२
 राव नरबद सतावत ३२
 राव नगाणदास पातावत ६३
 राव नरायणदास दो. ६०
 राव नरौ सुजावत ४० ४१, ८५ दो. १,
 २, २६३, ३३३, ३३७, ३४४,
 ३५४, ३५५
 राव पतौ घड़सीयोत २७२
 राव पतौ नगावत ८३
 राव पतौ बालौ ६४
 राव पाता रिणमलोत ३८
 राव बलु तेजसोत ६३
 राव वाला भाखर ३८
 राव बीका जोधावत ३६ दो. ४५, ४६
 राव भाण कूपावत ७७
 राव भारमल जोधावत ३६
 राव भोजो दो. ४७
 राव मंडलीक ८६, ८८ दो. ६
 राव मंडला रिणमलोत ३८
 राव मनोहरदास १२१
 राव माधोसिंघ हाडा ११५
 राव मालदे ३७, ४२, ४३, ४५, ४६,
 ४७, ४८, ४९, ५२, ५३, ५४, ५५,
 ५६, ५९, ६०, ६३, ६४, ६५, ६६,
 ६७, ७२, ७९, ८१, ८३, ८४,
 १६२, २३७, २३८, २४२, २४३,
 २५४, २५७, २८५, २८६, ३०३,
 ३१०, ३३४, ३४६, ३८६, ४७८,
 ४७९, ४८०, ४८१, ४८२,
 ४८४, ४८७, ४८९, ४९१, ४९५,
 ४९८, ४९९, ५२२, ५४६, ५४७
 राव मालदे दो. ३, ५, ४७, ४८, ४९,
 ५१, ५२, ५३, ५४, ५५, ५६,

५७, ५८, ५९, ६०, ६४, ६५,
 ६६ ११०, १२६, २१६ २५१,
 २५२, २५३, २६५, २७२, २७३,
 २७४, २७५, २७६, २८६, २८८,
 २९४, ३०६, ३४८,
 राव मोहणदास १२०, १२१
 राव रतन हाडा ११५
 राव रतनसी खीवावत ५४६
 राव राघवदे सिंहसमलोत ३२
 राव राजसिंघ सुरताणोत १०२
 राव राणगदे ३८
 राव राम ५५, ६७, ६८, ७०, ७१, ७८,
 ८२, ३८६, ४६७, ४७८, ४८६,
 ४९१
 राव रामसिंघ ८२
 राव रामदास ऊदावत ६३
 राव रायमल मालेवोत ५५
 राव रायसिंघ ८१, ८२, १०१, १३०
 राव रायसिंघ चद्रसेनोत ३८६, ४७८
 राव रिणधीर सुरावत ३०
 राव रिणमल (रिड़मल) २५, २६, २७,
 २८, २९, ३०, ३१, ३२, ३६, ३७,
 ३८, ८२, १४०, २४०, २४१, २५८,
 २६७, २६८, ३८५, ३८६, ३८७,
 ३८८, ३९२, ४३३, ४८४, ४९५
 दो. १
 राव रूपी रिणमलोत ३८
 राव लूंको खीवावत दो. ३४५, ३४८
 राव वरजांग दुरजणसाल रौ दो. २६२
 राव वरजांग पोकरणा दो. ३११
 राव वरजांग भीवोत दो. ४३, ४४
 राव वरसल प्रीथीराजोत ७८
 राव वरसिंघ जोधावत ३६, ४०, ७९
 दो. ३७, ३८, ३९, ४१, ४२, ४३,
 ४४, ४५, ४६, ४७. १०६, १२८,
 १२९, १३६, १५१, १५४

राव वीरमदे दूदावत ४२ दो. ४७, ४८,
 ४९, ५०, ५१, ५२, ५३, ५४, ५५,
 ५६, ५७, ५८, १६४, १७५, १८५,
 १९८
 राव वीरमदे बाघावत ३८९, ४८९, ४९१
 राव वैरसील चाचावत भाटी ४०
 राव वैरा रिणमलोत ३९
 राव सकतसिंघ १११, ११२, ४५०, ५३९
 राव सगतसिंघ उदैसिंघोत ४९९
 राव सती चूडावत २५, २६, २७, २३९,
 ३८५, ३८७
 राव सबलसिंघ प्रागदासोत दो. ३५६
 राव सांगा लूकावत दो ३४८
 राव सांगो दो. ३५४
 राव सातल जोधा रो ३९, ४०, १६२,
 २४३ । दो. ४२, ४३, ४४, ४६,
 ४७, २९२, ३५४
 राव सारण दो. २९७
 राव सिंघराज जोधावत दो. २१८
 राव सिंघ जेतसीयोत ६३
 राव सीहो वरसिंघोत दो. १०८
 राव सीहो सेतरामोत ३७
 राव सुरजन दो. ६०
 राव सुरताण ९२, ९८, ९९ । दो. ७०
 राव सूजी ३९, ४०, ४१, ४३, १६२,
 ३४९, ३५०, ३८९, ४९५, ५१३,
 दो १, २, ३२, ४३, ४४, ४६,
 २९२, २९३, २५४
 राव सूरजसिंघ ३४९ । दो. ७
 राव सेखो सूजावत ४१
 राव हमीर दो ३
 राव हमीर जगपालोत दो २९१, २९२
 राव हमीर जगमालोत दो. ३५१
 राव हमीर नरावत दो. ३०, ३१, ३२
 रावत अभीअड़ भीवड री ६३

रावत अभीयड़ भीमोत देवराजोत
 दो. ३५०
 रावत करन हापावत दो. २१६
 रावत किलाणदास हरदासोत दो. ३५०
 रावत खीवी वरजागोत पोहोकरणा दो २
 रावत गोई द रतनावत दो. ३४८
 रावत चाचा ४७१
 रावत जीव थलेचो दो. २९५
 रावत जैतमाल दो ५३
 रावत हू गो ४७०
 रावत तीहणो करनोत दो. २१६
 रावत तेजो दो. ६०
 रावत नरार्णदास ५३६
 रावत पचायण ७०
 रावत पिडत दो. ३४८
 रावत भीवी दो. ४, ५
 रावत भोजी गागा री दो. ५३
 रावत माडणोत पीडत दो. ३४९
 रावत माला दो. ३५१
 रावत राघवदास सहससलोत ३४, ३८८
 रावत रासो ३१६
 रावत राठोड़ रायवदे सहसमलोत ३२
 रावत रिणधीर २७
 रावत रिणधीर चूडावत ३८५, ३८७
 रावत लूणी ३३, ३४
 रावत बीजो तीहणोत दो २१६
 रावत सगतो सागावत ६०, ६५ । दो. ५९
 रावत हापो जैतमालोत दो. २१६, २३७,
 २६६, २८६
 राव तीडो छाडावत दो. २१६
 रावल आपी वरसिंघोत ६३
 रावल आसकरण दो. ६०
 रावत कला ३३६
 रावत कानड़दे ३८८
 रावल कानड़दे दो. २१५

रावल किलाणदास हरदासोत भाटी
 दो. ३०६, ३५२, ३५३
 रावल गोईंद नरावत दो. ३५४
 रावल जगमाल मालावत ३६५, ३६६,
 ३६७ । दो. ३४२
 रावल जैतमाल सलखावत दो. २१६
 रावल तेजसी दूदावत १०३
 रावल पता ३६५, ३६६
 रावल परताप दो. ६०
 रावल बलराम दयालदास दो. ३०२, ३०३
 रावल भारमल १३६, ३५३, ३५४,
 ३५५, ३५६, ३५७, ३५८, ३५९,
 ३६०, ३६१, ३६२, ३६३, ३६४,
 ३६५, ३६६, ३६७, ३६८, ३७१
 रावल भारमल जगमालोत १५३ ३६६,
 रावल भीव ५२ । दो. ३०६, ३३३, ३३७,
 ३३८ दो. ३५२
 रावल मलीनाथ ३६६
 रावल मनोहरदास किलाणोत भाटी
 दो. ८, २६८, ३००, २४, ३३२,
 ३५२
 रावल मालदे दो. ४, २६३
 रावल माला १६, १८, २१, २३, २४,
 ३६६ । दो. २१६, २५३, २६१, ३४२
 रावल महेसदास १३६, ३५३, ३५४
 ३५५, ३५६, ३५७, ३५८, ३५९,
 ३६०, ३६१, ३६२, ३६३, ३६४,
 ३६५, ३६६, ३६७, ३६८, ३६९
 रावल महेसदास पतावत ३५३
 रावल महेसदास भारमलोत १४२
 रावल मेघराज ५४, ६०, ८०, ८३, ३६७
 दो. ५६, २२०, २६६, २७५
 रावल रामचन्द्र दो. २६८, ३००
 रावल रामचंद सोलंकी दो. ६०
 रावल शूणकरण ५५

रावल वरसी दो. ३३६
 रावल वीदो ३५३
 रावल सबलसिध १४४ । दो. ३०७,
 ३०३, ३०४
 रावल समरसी १७५
 रावल सातल सोम दो. २१५, २१६
 रावल हरराज ५२, ८३, दो. ७, ८२६
 रावल हाण ६३
 रावल हापा ३६७
 रावल हापी नरसिधोत ६३
 रासघर 'धनेश्वर' सुराणा दो. ११६
 रासल प्रीथीराजोत राठोड़ ७३
 रासी कंवरावत राठोड़ दो. ३१२
 रासी जगावत ईंदो ६६

रि

रिङमल पेथड़ दो. ३३२
 रिणछोड़ नीलकठ २६२
 रिणछोड़ बिहारीदास भाट २५५
 दो. १६८
 रिणछोड़दास बिहारीदासोत वसुंधी
 दो. ११४
 रिणघोर नुंडावत २६
 रिणघोर राईसीधोत राठोड़ दो. ६६
 रिणमल ४६, ६७, ७३, ८३, दो. ६६
 रिणरायसलोत राठोड़ ६२

रु

रुग वारट ३६७
 रुघनाथ भांणावत १४४
 रुघनाथ भाटी १४४
 रुघनाथ लिखमीदासोत राठोड़ १४१
 रुघनाथ सादुलोत दो. ११०
 रुघनाथ सुंदरदासोत राठोड़ १३६
 रुघनाथ सुरतांणोत भाटी दो. ३०५

रूपचद हरवंस कानुगो दो. ७७
 रूपा पूनावत पुरोहित दो. २७१
 रूपा बामरा दो. ३२८
 रूपा सांवलदासोत प्रोहित ४८०
 रूपसी आसकरणोत राठोड़ दो. ३०६
 रूपसी कवरावत रतनू दो ३५२
 रूपसी केलणोत भाट दो. २७७
 रूपसी गोपालोत २६७
 रूपसी चतरावत कनीया ४८८
 रूपसी जगनाथ मु० ११६
 रूपसी जगावत भाटी दो. ३०४
 रूपसी बलदलोत कूपावत राठोड़
 दो ३०६
 रूपसी सूजावत भीवोत राठोड़ १८०
 रूपसोत भाटी ८६
 रूपो राजा रो चारण दो. २७६
 रूपो सांकर रो चारण दो. २७४
 रूपो हमीरोत भाटी दो. ३०१
 रूपी ८४
 रूपी तोगावत प्रोहित दो. १०६
 रूपी सुजावत रतनु दो. १०६, १८६

रे

रेखो पीतांबर रो प्रोहित दो. ११२
 रेखो पीतांबर रो व्यास दो. २१२
 रेणायर मुहता ३२, ३४, ३८८
 रेण चाहंडोत रोहडीया बारठ ४८५

रो

रोहीतास वीदा रो प्रोहित दो. २६८
 रोहीतास सदारग समदडीयो मुहता ८६

ल

लखधीर वीठलदासोत राठोड़ १३८

लखमण केसव रो प्रोहित दो. २७२
 लखमण नारणोत राठोड़ १०४
 लखमण भादावत राठोड़ ६०, ६८
 दो ५६
 लखमण भीवोत राठोड़ ८०
 लखमण सांवलदासोत गमोत राठोड़ ६८
 लखमण सादुलोत राठोड़ २८२
 लखमणदास गोपालोत पिडीयार १४२
 लखा जैनमालोत राठोड़ दो २६५
 लखा नादणोत रोहडीया बारठ
 ४८५ दो १४०
 लखावत सीसोदीयो ३०
 लखी ऊदा रो ३६६
 लखी ऊदसिघोत दो. १०७, १५२
 लखी चहुवाण दो. ३०१, ३०४
 लखी दुरजणसाल रो राठोड़ दो. ३४०
 लखी नाटणोत रोहडीया बारठ दो ११३
 लखी नरा रो प्रोहित दो. २७१

ला

लाखा करमसीयोत कनीया चारण
 दो. २८
 लाखा दासावत काछेला चारण ५५१
 लाखा नादणोत रोहडीया बारठ ५४८
 लाखी फूलांणी जाड़ेचो ५, ६, ७, ८
 लाछा आहाडी (आहडा प्रीथीराज
 गांगावत री बेटी) ५५
 लाछळदे कछवाही (रतनसी सेखावत
 री बेटी) ५५
 लाडखान चतरावत भीमरा दो १८५
 लाडखान जैसिघोत कूपावत राठोड़ १७७
 लाडखान भैरुदासोत मा० १४२
 लाडखान मेघराजोत हुल १८५
 लाडखान रायसिघोत सीधल १४२

लाडखानं सुरताणोत देवीदासोत राठोड़
४६१

लाहू सालत दो. ३३८

लाछो उदावत प्रोहित ४८०

लाछो किसनदासोत २५८

लाल परवत रो ३०४

लालचन्द भाटी १३६, १४२

लाला ७६

लाला पुनसरोत रोहड़ीया वारठ
दो. २७५

लालो भायल दो. २२०

लालो सुरताण सुजावत ३११

लालो सुराणा दो. ११६

लालो ८६

लाली पातलोत मेर ४७१

लाली भाईल ७६

लाली मूलपसाव भाटी दो. ३०४

लाली मेर ५५३

लाहापा रसरीयां री जाट ५२४

लाहोरीगर ससतरा १७२

लि

लिखमा प्रोहित दो. ३३३

लिखमीदास ३६५

लिखमीदास इन्दरदासोत भाटी १८१

लिखमीदास कानुगो दो. ८८

लिखमीदास जसावत दो. १६४

लिखमीदास जोगीदासोत चांपावत
राठोड़ १७७

लिखमीदास देवीदास री प्रोहित
दो. २६६

लिखमीदाम भैरूदासोत खिड़ीया
दो १११, १६७, १६८

लिखमीदास मेघराजोत २६३

लिखमीदास वीठलोत ब्रा० ५४४

ली

लीखमी राणी (राव गोइन्द री दादी)
दो. ३

लीला (वडावत री वेटी) २५

लीला मनाणी प्रोहित ३६५

लीलावती बाई (राव सकतसिध री वेटी)
१११

लु

लुंका ४१

लुणकरण सेखावत ५२

लुणा १६

लुंभा चांदणोत खड़ीया ३७
दो. १०७, १२६

लुंभा रवारी ५२५

लू

लूंका दो. ३५१

लूंको खीवावत दो. २६२, २६३

लूंभा मेघावत वीठ चारण दो. ३५४

लूणा १०१

लूणा भाटी १०५

लूणी दासावत राठोड़ ६४

लूणी भंडारी १०८ दो. ७५

लो

लोदीखां बाहावदी री वेटी ११४

लोला भायल ४५७

लोलो नोखावत सिढाइच चारण
दो. ३५४

लोहटां ७६

लोहरास खान १७१

व

वछराज दलपतोत राठोड़ १८५
 वडोवेण २
 वणवीर देवराजोत ३१३, ३१४
 वणवीर घारावत देवल ११६
 वरसल थलेचौ राठोड़ १२१
 वरसल प्रिथीराजोत जैतावत राठोड़
 दो २७४, २८६, २८८
 वरसल साकरोत राठोड़ ८१
 वरसल सांवलोट वांकुलीया प्रोहित
 दो. २७०
 वरसल सिवराज रौ राठोड़ दो. ३१
 वरसिध नेतावत राठोड़ ८६
 वरसिध पीथावत राजगुर ब्रा. ५४४
 वरसिध सोढा ५२
 वसडो हरावत लाधौ ३०३
 वसत वुकण भाटी वेरसीयोत २०
 वसता भाखरोत बारट ३६६
 वसतौ भणुंदा रौ प्रोहित दो. २६६
 वाकुलीयो. वाभण २२८
 वाघ जगमलोत राठोड़ दो. ६३
 वाघ प्रिथीराजोत राठोड़ ७७, १०२
 वाघ वीदावत सीधल १२६
 वाघा राठोड़ ४३८
 वाघा सीसोदीया ४३७
 वाघौ आबोलीयो कानावत १८४
 वाघौ को० १०१
 वाघौ खेतसीयोत राठोड़ १०१
 वाघौ सुरताण रौ मेहडु ५५०
 वाणोगल लखावत पारीख दो. ११२
 वामदास पा० ३६१
 वालीयो दो. ४१
 वाहड सुराणा दो. ११६

वि

विकमदीत झाली ३८८
 विणो भाटी दो ३०१
 विजैपाल २
 विजै वीरमोत राठोड़ दो ३३५
 विमलसी पटणी ७०
 विसनदास मथुरादासोत ४८१
 विसनसिध रामचदोत भाटी १८०
 विसनदास सामदासोत दधवाडीयो ४८७
 दो ११२
 विसनो केसा रौ प्रोहित दो ११०
 विहारीदास ईसरदासोत राठोड़ १३८
 विहारीदास किसनसिधोत दो. १८१
 विहारीदास कुसलसिधोत २७६
 विहारीदास केसोदासोत भादावत राठोड़
 १७६
 विहारीदास दयालदासोत भाटी १४२
 दो. ८
 विहारीदास राघोदासोत राठोड़ दो. २६८
 विहारीदासजी राठोड़ १३८, १४३, १४४

वी

वीजो गदाघार रौ श्रीमाली व्याम ५४७
 वीजो भारमलोत राठोड़ ५२
 वीजो माडणराज दो २१७
 वीजो राठोड़ ४६
 वीकमादीत ५५
 वीको दो ४१
 वीको किलाणदासोत राठोड़ दो ३०७
 वीको नरावत प्रोहित दो २१२
 वीको मेर ४७०
 वीजड वीमला रा प्रोहित ३१६
 वीजेराम पिराग रौ व्यास ५४८

वीठल गोपदोत भाटी १००
 वीठल बाणदार १८४
 वीठल भाटी दो. ३०१
 वीठलदास गोपालदासोत राठोड़ १७७ दो.
 २६६, ३०५
 वीठलदास सीधल राठोड़ दो. ७१,
 ७२
 वीठलदास जैमलोत राठोड़ दो. ६७, ६८,
 ७०
 वीठलदास भगवानदासोत राठोड़ दो. ३०६
 वीठलदास भाखरसीवोत हुल १८४
 वीठलदास भोगलावत दो. ११६
 वीठलदास भाटी दो. ३३७
 वीठलदास राठोड़ दो. ३०२, ३०३,
 ३०४, ३०५
 गोडाता बीठी परवत रौ ५३७
 बीदा जोधावत ३६
 बीदा बी० ४३१
 बीदाघर किसनदासोत २५८
 बीदी भारमलोत राठोड़ ४८
 बीर सीधल २८६
 बीरदास महेसोत २६७
 बीरनाराइण पंवार दो. २१५
 बीरम ३०४
 बीरम ऊदावत चहुवाण ६३
 बीरम कलावत राठोड़ ३१६
 बीरम गौड़ ५४०
 बीरम जोधावत भाटी दो. ३५५
 बीरम देवावत मांगलीयो ६२
 बीरम मांगलीयो दो. ६२, ६३, ६६
 बीरम सलखावत १६, १७, १८, १९,
 २०, २१
 बीरमदे ४३
 बीरमदे उदावत ५६
 बीरमदे तु वर दो. २६१
 बीरमदे मुकंददासोत ऊदावत राठोड़ १७७

बीरमदे मोहणदासोत राठोड़ १७६
 बीरमदे रामावत भाटी ७०
 बीरमदे वाधावत राठोड़ ४१, ३६०,
 ४८०,
 बीरा अमरावत रौ दो. २६८
 बीरा नरवद रौ चारण दो. २७५
 बीरा हेमावत ३०१
 बीरा आखा तेजावत दो. १११
 बीरो ४५
 बीरो खेतसी रौ ब्रामण ५४४
 बीरो भारमलोत राठोड़ दो. ५७
 बीसलदे रायल दुदा रौ ३२
 बीसलदे बीरावत सीधल २८६
 बीसा दुरजणसाल रौ राठोड़ दो. ३४०
 बीसा मांडणोत येहड़ २४१
 बीसो वणविरोत भाटी ६३

बू

बूलो महतो दो. २६५

वे

वेणीदास कलावत भाटी दो. ३०४
 वेणीदास चुतरा रौ खिड़ीया दो. १२६
 वेणीदास चोपड़ा ४२०
 वेणो मांडण रौ चारण दो. २७६
 वेरा करमसीयोत आसीया ४८७
 वेरी जसावत राठोड़ ८४
 वेला मुंहता दो. ७४
 वेलो खेतसी रौ प्रोहित दो. २७२

वै

वै कुठ जोसी दो. ३१५
 वैरसल प्रीथीराजोत राठोड़ दो. २१६

वैरसल प्रीथीराज जैतावत राठोड २५५
वैरसी राणावत राठोड दो ५२
वैरसी राणावत अखैराजोत राठोड ५७
वैरसी रायमलोत भाटी ६६
वैरसोल सकरोत भाटी ८३
वैरी जसावत चाँपावत ८७
विदावन राठोड १५३

श्री

श्रीदेव आचारज २५८
श्रीनिध सुराणा दो ११५
श्रीमल साह जारोड दो ३६

सं

सकर गोपालोत प्रोहित दो. १०८, १५२
संकर तेजश्रीहोत बारठ दो. ११३, १६४
संकर दुरजनसलोत भाटी ८१, ८३
रतन संकर मैरावत ३३५
जोसी सकरदास ७७
सतो हमीरोत भाटी दो. ३०१
सम दो ४१
ससारचन्द ३२१

स

सआर खगार ११४
सकतसिध ऊर्दसिधोत राठोड ७३, ६५,
६६, ३६०, ४६८, ५५०
सकतसिध खेतसीयोत भाटी ११६
दो. ८
सकता उतरावत नारणदास री
सीसोदीया १७६
सकतौ राढ़वरी ८०
सगता ताराचन्द सुराणा १८४

सगतावत बाकुलीया ऊजल ७६
सगतो वारावत दो ३५१
सजना (रावल हरराजजी बेर) ५२
सता लूणकरणीत भाटी ३०
सतीदास २५८
सतो चूडावत ३२
सतौ भानावत सोहड १८५
सदमन रूपसीहोत भाट दो. ११३
सदा ऊछतोत श्रीमाल ४८१
सदाराम गौड १७३
सपरसको (दारा रो बेटो) १३६
सबरगदे मागळीयाणी (कुंबर बाघो
सूजावत री मा) ४१
सबरात मेर ४७१
सबलसिध दो. ३००
सबलसिध आसकरण पूरावत री
रूपावत १७६
सबलसिध उर्दसिधोत रोहणीयो मेडतियो
राठोड १७८
सबलसिध कानावत राठोड दो. ३०७
सबलसिध किसनसिधोत राठोड दो ३०५
सबलसिध दयालदासोत भाटी दो. ३००
सबलसिध नापौ राठोड १०६
सबलसिध प्रागदासोत राठोड १३८, १४१
सबलसिध बाघचन्द सीसोदीया १७३
सबलसिध राठोड ६५, १०८ दो. ३२३
सबलसिध सूरजसिधोत राठोड ६४
समुरतौ पता रो वारट दो. २७६
समुरसो ३११
सरणी सारंग री दो. ३०
सरफदीन मुगल ६०, ६१, ६५ दो ६३,
६४, ६५, ६७, ६८, ६९
सरूपदे भाली (भाल जैता री बेटो)
४७, ४८, ५५, ६५
सरूपदे भाली दो ५

सलेखा १५
 सलेम दो ५७
 सलेमखान २६
 सलेमास साहजादा १७०
 सल्हैखान ४०
 सहपाल बाघउत ४२
 सहबाजखान कांबोलीया ६७
 सहलो हरीदासोत दो ३०७
 सहसकरण ७१
 सहसो अखावत चारण दो. २७४
 सहसो तेजसीयोत राठोड़ दो. ५२, ५३,
 ११२, २१२
 सहेसमल चूंडावत ३२
 सहेसा सीनल कुतव वा: २८५
 सहेबाज खान तुरक ४३१

सां

साईदास कांघलोत सोलको १८५
 साईदास कीसनै री दो २६
 सांकर वारट ४१८
 सांकर नेतसीयोत वारट ४८४
 सांकर भैरावत नरवदोत वोक्सी
 चारण २६३
 सांकर रामसिंघ री प्रोहित दो. ११३
 सांकर सुरावत भाटी ४४, ४८, ५७
 साकर हरहरा रायगुर ब्रा० २६६
 साकर हीगोलखत रतनुं दो १११, १६५
 साकरदास भाणोत राठोड़ १०५
 सांगा दूदावत प्रोहित दो. २६७
 सांगा सूजावत राठोड़ ४२७
 सांगो उरजनोत राठोड़ ७३
 सांगो भोजावत राठोड़ ६० दो ५६
 सांगो रणधीरोत राठोड़ ६२ दो. ६६
 सांगो हरखावत दो. १०७

सांडु दूदावत लाघी गाडण ३४६
 साघो मोकलोत दो. ४८
 सांमसिंघ गोईन्ददासोत राठोड़ दो. ३०७
 सांमीदास हुल दो. २०६
 सामो कुंभावत भाटी दो. ३०७
 सामो जोगा री प्रोहित दो. १०७, ११३,
 १४०, २१२

सावत १
 सांवत देदा री चारण दो २७४
 सावत मुहता ३६३
 सावतसिंघ पती तोगी सुरावत देवडो ७८
 सावतसिंघ माला री सादु दो ११३
 सावतसी आसकरणोत सांदू दो. १६७
 सावतसी नारायणदासोत सोनगरी १०४
 सांवतसी नाहरखानोत दो १८१
 सावतसी प्रोहित ८१
 सांवल १०२
 सांवल भांभणोत भैरदास दो. १२८
 सांवल तूवर १८५
 सांवल नंदावत चारण दो ११३
 सांवल पंवार दो. ११५
 सावल भाटी १०२
 सांवलदास २६० दो. १३६
 सांवलदास उदैसिंघ राठोड़ दो. ६४
 सावलदास कांनावत दो १४१
 सावलदास कान्हडासोत दो. ११२
 सांवलदास किलाणदासोत राठोड़ ६४
 सांवलदास दानावत दो १६४
 सांवलदास भाटी ५४५
 सांवलदास मांनावत सीवल
 सावलदास राणावत राठोड़ ६८
 सांवलदास रासावत राठोड़ १०१
 सांवलदास लिखमीदासोत प्रोहित
 दो. १०७

सा

साजण ३६५
 साजण भीव री २४३
 साजण भैरावत रोहडीया वारठ ५४८
 साजण सीवावत चौहाण १००
 सातल रांमदरसोत ३३४
 सातल सोम १५
 साढा सुमाणोत राठोड़ दो. ३४०
 सादत बेग दो ७४
 सादा मेघावत बीठु चारण दो. ३५४
 सादूल १२३, १८२
 सादूल आसावत प्रोहित दो. २६८
 सादूल गोपालदासोत राठोड़ दो. २६८
 सादूल चकरपांण व्यास दो. १३६
 सादूल जैमलोत राठोड़ दो. ६७, ६८
 सादूल पंवार ११४
 सादूल बैरसालोत थलेचो राठोड़
 दो ३०१, ३०४
 सादूल महेसोत राठोड़ ७२
 सादूल मानावव भाटी ७८
 सादूल मालदेवोत पंवार ११२
 सादूल राठोड़ ४७७
 सादूल रामसीहोत सुलसीहोत राठोड़ ६६
 सादूल रायसलोत हूंगरोत राठोड़ ७२
 सादूल रूपा री ३०३
 सादूल सूजावत राठोड़ दो. ३०८
 सादूल सोर भाटी ८६
 सादूल हसीर री प्रोहित दो. २७३
 सादूलसिंघ मालदेवोत पंवार ६६
 सादो अमरावत केलण भाटी दो. ३०४
 सादो भीवा नादावत री सांहाणी १८३
 सारग ईसर री दो. ३०
 सारग गिरघर री प्रोहित दो. १०६

सारंग जैतमालोत २५८
 सारग जुढा ४६६
 सारग नरहरदासोत ई दो १८२
 सारग सोनावत सोहड चारण दो. २७४
 सारंग हीगोलावत घाघल १८२
 सारगघर २३८
 सारण ६६
 सायर (राव रिङ्गमल री वेटो) ३८७
 सालण सुराणा दो. ११५
 साहजहां पातसाह ११०, १११, ११५,
 १२३, १२६, १२८, १३०, १३३,
 १४४, १५७, १७० दो ७७
 साहण खालत दो. ३३७
 साहणी ८६
 साहणी करमो जेसावत री ८१
 साहणी रायसी पाचावत ६३
 साहबखान केसोदासोत राठोड़ ११६
 साहबखान मनोहरदासोत राठोड़ दो. १६८
 साह राणी दो. २६३
 साहिबदी पातसाहि ३

सिं

सिंघ रूपसीवोत भाटी १०८
 सिंघ १
 सिखरी चौ० दो. ७
 सिबदास सोभावत वणसूर २८७
 सिबराज जोधावत ३६, ५८
 सिबराज सुराणा दो. ११६
 सिबराम गौड़ १७६
 सिबराव जोधावत री बहू ४५८
 सीधराव बोडाणां ८६
 सीधल ४६३, ४६४
 सीधल हुला ४५५
 सीधां वांमण पोकरणा दो. ३१२, ३१४
 सीधण खेतसीयोत राठोड़ ५८ दो. ५७

सीधप जोसी दो. २७२
 सीधो मोकलोत राठोड दो. ५२, ५३
 सीवदे साकरराय रायगुर ब्रा० २६७
 सीवराज ३१
 सीवराज देवराजोत राठोड दो ३१
 सीवराज मुंहता दो. ३०२
 सीवा कलावत राठोड दो ३४८
 सीवाधौ अमरावत १०४
 सीवो नरवद रो राठोड दो ३४७
 सीलारखां ६३
 सीहा आचारण ब्रा० ३६५ दो. ३०
 सीहा चादणोत खड़ीया ३७ दो १०८
 सीहे रामदासोत भाटी दो ३३८
 सीहो गोई दोत सावतसी भाटी दो ३०१
 सीहो चदरावत दो १७६
 सीहो पीथावत प्रोहित ४८०
 सीहो वरसिध री दो ४६, ४७, ४८,
 १७६
 सीहो सेतरांभोत राठोड ५, ६, ७, ८, ९,

सु

सुदर खीवावत जगहट दो ११२, १८५
 सुदर गुणोस री २४३
 सुंदर भाटी १२८
 सुंदरदास जैमलोत मुहता १२६, १५६
 दो. ३२३
 सुदरदास नराइनदासोत राठोड ११६
 १४१
 सुदरदास प्रथीराजोत राठोड २८२
 सुदरदास प्रोहित ३४४
 सुदरदास माधोदासोत धववाड़ीया दो
 ११२, १६५
 सुदरदास राठोड ११५
 सुदरदास सूरसिध नरसिधदासोत राठोड
 ६६

मुदरदास सूरसिध रामदासोत राठोड
 ६६
 सुंदरा २८६

सु

सुकरात १५०
 सुखमल सा० ११०
 सुखमल मी० ११८
 सुजानसिध केसरीसिधोत राठोड १८२
 दो ३०५
 सुजानसिध भगवानदासोत राठोड ४६८,
 ४८६
 सुजाणसिध रायसिधोत राठोड ११५ दो.
 ३०७
 सुजाणसिध वीठलदासोत चंद्रावत १७४
 सुजाणसिध सुंदरदासोत भाटी १८१
 सुजाणसिध सूरजमलोत सीसोदीयो १७४
 १७५
 सुजो सावल री पवार १८३
 सुपीयारी साखली (नरसिध री बेर)
 ४६३, ४६४
 सुवरत मेर ४७०
 सुरताण गांगावत झंगरोत राठोड ५७
 सुरताण केसवदासोत राठोड दो. ६६
 ७०
 सुरताण खेतसीयोत राठोड ३१२
 सुरताण जालप री बारठ दो ३५०
 सुरताण जैतसीयोत राठोड ४६८, ४६९,
 ५४८
 सुरताण जैमलोत मेड़तीया राठोड ३८६
 दो. ६६, ७०, ७१, ७२, १०६,
 १११, १६५, १८५, २१२
 सुरताण दुरजणोत भाटी ८७, ८८
 सुरताण देवीदास रो प्रोहित दो. २७०
 सुरताण नेतावत भाटी ८८
 सुरताण वेग १३६

सुरताण भाटी ३१०
सुरताण भीवोत राठोड १८०
सुरताण मानावत भाटी ६६, ६६
सुरताण सौ दो. ३०५
सुरताण हाडा ५३
सुरदेव पवार दो. ११५
सुरनर नोरतोत को० १००
सुरा अचलावत खिडीया चारण
दो. ११०

सुराचद ३७
सुरो कलावत दो. १६५
सुलतान म्हेमद १३४, १३५

सू

सूजा घना रो प्रोहित दो २७३
सूजा प्रोहित दो. २७१
सूजा माडणोत राठोड दो. ७
सूजा साहजादा १३५, १७०
सूजा हाडा ५४४
सूजौ कलेवचा भाटी दो ३०१
सूजौ गगादासोत प्रोहित ७६
सूजौ तेजसीहोत राठोड दो ६०
सूजौ बालीसौ ४८, ४९, ५०, ५१, ५२,
६०, ६५

सूजौ भैरवदासोत भाटी ६६
सूजौ भाषा रौ प्रोहित दो. २७१
सूजौ मेर ४६५
सूजौ वरजांगोत ईंदो ६६
सूजौ हरदासोत सिवराजोत राठोड ११४
सूरजदे कछवाई (राजा गजसिधरी बेर)
१११

सूरजमल किसनावत भाटी ८८
सूरजमल केलणोत भाटी दो. २६५, २६६
सूरजमल खीवसोत सोनगरा १०५
सूरजमल खीवावत राठोड ८६

सूरजमल जैतमालोत राठोड ६७
सूरजमल जैमालोत चांपावत राठोड ६७
सूरजमल प्रीथीराजोत राठोड ७१
सूरजमल सिवराम गौड १७३
सूरजमल हाडा ५५
सूरदास दधवाडीयो ४८७
सूरदास बैणीदासोत ऊदावत राठोड १७७
सूरसाह पातसाह ५८, ६३, ६५, दो. ५८
२५२

सूरसिध गौड १७४
सूरा अचलावत खिडीया ३७ दो. १२६
सूरा घायभाई ४४६
सूरा मालावत राठोड दो ३४४
सूरा राठोड दो ३४६
सूर नादावत भाटी दो ३३६
सूरो ३०४
सूरो गागावत राठोड ६६
सूरो गोंइदासोत प्रोहित ५४३
सूरी चारण ५४१
सूरी नरसौ री मेर ५२७
सूरी प्रोहित दो. २६८
सूरी माना री राठोड दो. ३४७
सूरी रतनावत वरकदाज सोलंकी १८३

से

सेख इमरायम ७२
सेखु साहजादो दो. २२०
सेख मेहावत प्रोहित दो. २७२
सेखौ परतापोत सीसोदीयो १०४
सेखौ सेहलोत १०१
सेयरी दो. २२०
सेरखांन पातसाह दो. ११५
सेरखांन दो. ७२
सेरसा पातसाह पठाण ५६

सेसी परतापोत १०४
 सेहवाजखां कन्हो दो. २१६
 सेहलोत ५१
 सेहसमल सुराणा दो. ११६
 सेहसो उरजन पचाईणोत ६१
 सेहसो रतनावत पेस १८४
 सेहसो रामावत राठीड ६२
 सेहसो सावलदास पंचाईणोत रो घांघल
 १८२

सै

सैद दो. ७५
 सैद अहमद १७१
 सैद महमद वेग चादवेग १७५
 सैद मेहमद १७१
 सैद मुदफरखान सुजायतखान री १७५
 सैद सीलार १७५
 सैद सेरखान १७३
 सैद हासम कोसम दो. ५७

सो

सो तीकम री थाहादु रा पोतरा दो. २६
 सोभल (भंवसेन री बेटी) ३८३, ३८४
 सोढा बांमण ८१, ३०५, ३६६
 सोढी (मालदे री राणी) ५६
 सोढो दासावत जगहट ३५०
 सोढो भाटी ११३
 सोनगरी (राव जोधा री राणी) दो ३७
 सोमागदे रांणी ६६
 सोभागदे रांणी कछवाही (गजसिंहजी री
 मां) १०५
 सोम जैतमालोत सलखावत राठीड
 दो. २७१, २८६
 सोम साहिबखानोत राठीड १३८
 सोमार्हत ब्रामण ३६५

सोमो सोथडै नाघी प्रोहित ३१०
 सोलकणी ८, ६

सौ

सौकर चाहोडोत प्रोहित दो. २७१
 सौनग ८, १०, ११, १२

र

स्यामदास सुन्दरदासोत राठीड १४१
 स्यामसिंघ गोयददासोत राठीड १३८
 स्यामसिंघ जसवन्तोत राठीड ११६

ह

हंसाबाई (पडिहारा री बेटी) ३८
 हंसाबाई (मालदे री बेटी) ५२
 हदु बुरहडोत प्रोहित दो. २७०
 हदो कान्हावत दो. ३५१
 हदो केलणोत खीची ८०, ८३
 हदो खीची ८६ दो. ६
 हदो चरवादार सोलकी १८३
 हदो चौथ रो बीरू दो. १६५
 हदो वागडीयो १८२
 हमजो तुरक ६२ दो. ६६
 हमीर ३६६ दो. २६१
 हमीर ऊदावत वालावत ६२
 हमीर कुंभावत राडवरी ८०
 हमीर देईदासोत राठीड १४१
 हमीर नरावत ४१
 हमीर पुनावत आसीया ३०४
 हमीर माना रो राठीड दो. ३४७
 हमीर मालावत राठीड दो. ३४०, ३४४
 हमीर राहड़ दो. ३००
 हमीर संकर री भाटी ८७

पिर सीहावत अखँराजोत राठौड़ ५७
 किसन पा० १८६, १८८
 खवन खेचखन जोगी ४८६
 खा रतनावत खिडया ५४६-
 खा सीरवी ३६४
 खो गागावत प्रोहित दो २७२
 चन्द मुहता १३६ दो ३२३
 चन्द राजसिंघोत राठौड़ दो ३०२
 चन्द सी० ३६३
 र्जा कलावत २३६
 र्जा किसनोत ४७६
 र्जा जनावत व्यास ५४७
 दास खीदावत म्हेडु चारण दो ३५३
 दास राघोदास री ४८१
 रमा माला लखमणोत आचारज प्रोहित
 २६८

रमो सीघल ३८८
 रभु महैराजोत साखलो ३३
 रम पीर साखला दो १२, ३०
 रभूम मेहरजोत दो. ३०
 रराज राणोत राठौड़ ११६ दो. ८
 रराजीयौ मेणी ८६
 रराम गवाल री व्यास ५४७
 रराम गोइददासोत राठौड़ दो. १४८
 रराम दमनोत दसु घी दो ११४
 रराम मदमन दौ दसोघी दो १६८
 रराम रुघनाथोत प्रोहित दो १०६,
 १६४

रराम सीरंग रा २३७
 ररवस दमा री ४८२
 ररवस माणक भंडारी दो ८७
 ररी पाठक बीरामण १८४
 ररीदास गोपालदासोत राठौड़ १४१
 ररीदास ठाकुरसीयोत कान्होत राठौड़
 ५४६

हरीदास नरहरदासोत राठौड़ दो. ३०७
 हरीदास नरा री प्रोहित ५४३
 हरीदास नाहरखानोत राठौड़ दो. १७२
 हरीदास रांखावत मोहता १००
 हरीदास राघवदासोत राठौड़ १२८
 हरीदास लुणावत मेहडु ५५०
 हरीभाण गौड़ १७२
 हरीया माली ३६४
 हरीसिंघ चादावत राठौड़ ६८
 हरीसिंघ बलुवोत राठौड़ १०४
 हरीसिंघ रामचंदोत राठौड़ दो ३०७
 हरीसिंघ सकतमिघोत भाटी १२०, १४२
 हलसर राठौड़ ३३६
 हसनकुली ६७

हा

हासा हाडा ४४६
 हाजी आलीफतैखान ६३
 हाजी इतबारी दो. ७३
 हाजीखान ५२, ६०, ६५ दो. ५६, ६०
 हाजो धोराणीयौ ३८८
 हाडी (सुरजन री बेटी) ६६
 हाथी आसीया ५५१
 हापो किसनावत ३०२
 हाफज नासर दीवान दो. ६५
 हालो सुराणा दो. ११६
 हासु १
 हासो सीघल ४२३, ४७५

हीं

हीगोलो अहाडी ३२, ३४, ३८८
 हीगोलो नीबावत पातावत राठौड़ ८३
 हीगोलो नेतावत राठौड़ ८१

हीगोलो राठौड ७२
हीगोलो वरसोत राठौड ८८
हीगोलो वैरसियोत राठौड ८४
हीगोलो सेहलोत १०१

ही

हीरवा जंतमलोत राठौड ३०२
हीरां भाली (भाला रायसिंघ री बेटी)
५५
हीरामणि किरपाराम गौड़ १७३
हीला काजावत री सीहा प्रोहित दो. ३०
हीसा री वीरम री दो. ४८

हे

हेमदास ऊगरो सुंदरदासोत मेड़तीया
राठौड १७८
हेमराज अंगगो भाटी दो. ३०१
हेमराज खीवा री वारठ दो. ३५०

हेमराज गोईंददासोत राठौड १४२, ३२५
हेमराज गोईंददासोत राठौड

दो. ३०६

हेमराज गोगली दो. ३०२

हेमराज देवराज री सुराणा दो. ३६,

४१, ११६

हेमराज सूरार री प्रोहित दो. २६६

हेमा किसनाणी राठौड दो ३४१

हेमा सीरवी ४५४

हेमो दो. ४१

हेमो चौमावत रोहड़ीया चारण दो. २७५

हेमो मेहरजोत पंचोला री प्रोहित

दो. २६८

है

हैईयानखान अहैदी १०१

हैदरअली ११६

हैदरअली समीयांणी दो. ८

नामानुक्रमशिकाएँ :

ग्राम, नगर, देश आदि

अ

अस ४०८, ४१८, १८१, ४६१
 अढी दो. ३२०, ३२१
 अडी ३५७, ३७०
 अरी बाडी ३७८
 अस ४६ दो. २२२

अ

अ १६४
 अस ८२, २४३, ३३७, ४०४
 अस दुधवर री ४६४
 अस लुधोर री ४१४
 अा री वास ३१४
 अर दो. ३२१
 आ जसङ्ग री वास १४१
 आ री खेत दो. १११, १६५
 अर १, २, ३, ४, २६, ३५, ४०,
 ४३, ४५, ५६, ५८, ६६, १०१,
 १०६, १०७, १०८, ११०, १११,
 ११२, ११४, १२७, १३२, १५४,
 १५६, १५७, ३८३, ४६६, ५०५,
 ५०८, ५०९, ५५४, ५५५, दो. ४१,
 ४२, ४४, ४५, ४६, ५१, ५२, ५३,
 ५४, ५७, ६०, ७४, ७५, १०२,
 ११६, १८४, ३५३.
 असर ३३१ दो. ६, ३३
 अडी ६१, ३७४, ४०५, ४०६, ४२६,
 ४४०, ५५६
 अडी १५२, १५५

अणद पढीयांरी वास १४१
 अणदपुर ३७, ३७२, ५५५ दो ७३, ७४,
 ७८, ७९, ८७, १०१, १०२, १०७,
 ११०, १२०, १२६, २१३.
 अणगरी ३३८
 अणदोरी १०३
 अणवाडी ६०
 अणवाणी ३४३
 अणहल वाडी पाटण ५
 अणीयालो दो. ४०
 अनतवासणी ४०७, ४१६
 अनहल २००
 अनावास २५०
 अबदार राधारी वासणी २२८
 अमरकोट ५२
 अमरचणु ६६
 अमरपुर ५५५
 अमरपुरी दो १०२, १२७,
 अमरसर ५२
 अरजीयांणी दो. २२२, २२७, २५५,
 २८३
 अरटनडी २६२
 अरटीयो २०१, २७०
 अरटीयो खुरद १६६, २५१,
 अरटीयो बडी २५०
 अरटीयो मोरडी ३७४
 अरणीयालो १५६, २३५ दो. १६६
 अरबद १
 अरव ३७०
 अरहटवाडी १०३
 अरागीयाली २३६

अलतवो दो ६१, ७४, ७८, ८०, ८१,
८३, १०८, १०९, ११२. १७६,
२१३

अलहवास ४१०

अलुरै १४९

अममो दो ३२०

असला ५६

अहप १४०

अहमदनगर ४२, १४६, १४८, १५२

अहमदाबाद ७०, ९८, ९९, १०३, १४४,
१४७, दो. ७०, ७१.

अहरोई १५२, १५५

अहनला चारणा री ३७७

अहीनला ३७७

आं

आखल दो. २८०

आगणवोवडी २०६

आंत रा गुढी दो. ३३

आंतरोली दो. १०३

आंतरोली सागा दो १७९

आंवभर ३६१, ३७०

आंवला दो. १०, ११, १७, २८

आंवा रो बाड़ी दो २२६, २३५, २४०,
२७८, २८३

आवावास ३३८

आवेर १११ दो. ७०

आंवो ४०३, ४३४ दो. २८१

आ

आईची ९०

आईसां १६९

आक ३८०, दो. ९, १६

आऊवा १०४, ४२७

आकडवास ७९

आकड़ावास २६५, ३७४

आकदडो ३७७

आकलडी (आकेलडी) २६७, २८४

आकलो खुरद ३३९

आकलो बडौ ३३७

आकहली (आकेहली) ५०३, दो १३३

आकीलो ३८२

आकेली ३००, ३७८, ५२१ दो ६१, ९४
९९, १००, २७८, २७९

आकोदीये दो. १२२

आकोवणी ३६६

आकोली खुरद दो. १७४

आकोली वडी दो. १६९

आखलावास दो १४८

आखली वडी ४२२

आगरा १८, ५६, १०३, १११, ११५

१२६, १२८, १३०, १३२, १३३

१३४, १३५, दो. ५६, ५८, ७०

आगेवो ७४, ५०१, ५१०

आगोलाई १०३, ३०८, ३१०

आचीणो ३३६

आचीणी-मांडपुरीयो ३८२

आछेजाई दो. १६७

आटरड १९८, २६३

आठेवाली ३८०

आणदपुर ५४९ दो. १२८

आथण २४३

आनोली दो. ६२

आवू ३८३ दो. २१५

आयची २६१

आलणीयावास दो २०१ २०७, २०८

आलाहवम ४२८

आलेचडी दो. २३१, २८५, २८८

आलोपी १०३

आल्हावास ६२, ४०४
 आवणीयो दो. ३१६
 आवणोसो दो. ३१६, ३४५
 आवलेज दो. २८०
 आवो ४१०
 आसणीकोट १४०, १४३ दो. १
 आसरलाई ७०, ७४, ४६५, ५०२, ५०७,
 ५१८, ५४१
 आसरवा री वास ३०४
 आसरन डो ३४५, ३८२
 आसरानडो २१७
 आसरवा २६८, ३०२, ३७८, दो. २३०,
 २६७, २७८, २८२, २८३, २८७,
 आसरवा वामाण ३७८, दो. २७८
 आसादो ३५४, ३७१
 आसा री वासणी ३४४
 आसायचां री चौरासी २३
 आसायचां री वासणी २३४
 आसायचां री वास ३०६
 आसोढो दो २७६
 आसोतरो दो. २२१, २२५, २३६, २७६,
 २८१, २८२
 आसोप ४०, ७७, ७८, १०२, १४६,
 १५४, १६४, १६६, १६०, १६१,
 १६७, २०४, ३५०, ३५२, ३८२
 आसोर ८७
 आहू दो. १०, ३३
 आहोर दो २८०

इ

इकडाणी खुरद दो. २३१, २८८
 इकडाणी बड़ो दो २३१
 इकडाणी रावास दो २८५
 इकडाणी - आसीयां री वास दो २७७
 इकडाणी- बड़ोवास दो २७५, २८८

इकडाणी- बारेट रोहडीया री दो २७६
 इकडाणी- सढाईचां री वास दो २७६
 इसदु ३२३ दो ३३
 इसदु- खेता री वास ३२३
 इसदु- मेरवा री वास ३२३
 इसदु- वरजांग री वास ३२३

ई

ईटाले २८५
 ईटावो दो ६१, १०४
 ईटावो- खीचीया री दो १६५
 ईटावो- खीया री दो ६१
 ईटावी- बामणां दो १६१, १६५
 ईटावा- भोजु दो १६१
 ईटावो- लाखा दो १६२
 ईटावो- लाडखान दो १६३
 ईडर १२, ४१ ४२, ६०, १११ दो ६०
 ईडवो दो ४०, १६७
 ईदराणो दो २२३, २२७, २५०, २८३
 ईदावट वहलवी १४५
 ईदावटी वहलवो १६४
 ईदावटो १५४
 ईद्रोखो २१३
 ईदाणो ११०
 ईदावड दो १३२
 ईलगार खड़ीया १११
 ईसर नांवडी ३४४
 ईसरू ३८० दो ६
 ईसाली ४०३, ४१०, ४१६

उ

उखलीयो ५०४, ५२६, ५५६
 उचीया हेडो २०६
 उटावर ३०८

उछतरावास २१५

उजीण (ऊजीण, उजीणी, उजेण) १२८

१३०, १३१, १३२ १३३, १३४, १५७,

१७०, १७५, १७६ दो ११५

उदरा २७७

उदीवास ३०८

उदैपुर ३६, १०७, १११

उदैसी कुवाँ (ऊदैसी कुवाँ) ५०४, ५२७

५५६

उधरासर दो ३३२

उधरासर- पेथड जीवौ अचला रो वास

दो ३३३

उधरावास-पेथड भलो नाथा रो वास

दो ३३३

उधरासर- हरदास कांलाणी रो वास

दो ३३३

उधरासर- हे सराज करमणद रो वास

दो ३३३

उनाली दो ७३

उमकली २८४

उमरलाई (ऊमरलाई) दो २२३, २२६,

२४७, २८३

उमरलाई- खुरद दो २३१, २७१, २८४

२८८

उमरलाई बड़ी दो २७१

उमादेसरीयो ३४५

उलढां दो ११

उगीवस ३७१

ऊं

ऊंचा हेडो दो ११३

ऊंची हेडो दो १४०

ऊंचीया हेडौ २५६

ऊंचीया हेडो खुरद दो १३७

ऊजलां दो ३५३, ३५४

ऊजलीयो ७६, २२८

ऊंट वालिया दो ३२१

ऊठवाला दो २८०

ऊठवाली दो ३२१

ऊणागाव ३७५

ऊतवण २६३, ३७५

ऊदलीयावास २५८, ३६३, ५५५

ऊदारीनाई ५५३

ऊदा रौ वास ३०१

ऊदेपुरौ २५७

ऊदेही १२७, १३६, १७०

ऊदेही पचवार रौ १२६

ऊवरास दो. २, २६२, २६६, ३१७,

३५६

ऊधीयावस दो ६२, १७४

ऊनावस खुरद ५२१

ऊनावस बड़ी ५२०

ऊपाधीया री बासणी २३६

ऊलटां दो. २५, ३३, ३४

ऊसतरां ३४३

ऊहडा ३६

ए

एका दो. ३५७

आहलाणो दो. २८०

ऐ

ऐटो दो. ३२१

ऐढो दो ३२०-

ऐदलां २७२

ओ

ओढुवास दो. १०२, १२५

ओलवी ६१, २६०, ३७५

ओलादणा दो. ६६, १००, १५६, १६१
ओलो दो. ३२०
ओसिया ७८, १६०, १६१, १६२, १६३,
१६४, १६६, १६६, २०४, ३१६,
३२०

औ

औरगावा १४६

क

ककसी दो २२३
कजगाऊ बड़ी ३४२
कटालीया ४०३, ४०६, ४१०, ४७०,
४७६
कठमोर ५५५
कठमोटर दो १०२, १२५
कवारडो २८५
कडवड ७६, २०१, २२७, २४३
कडवड रौ वास ७६, २३५
कचु बरो ३७
कचोलीया ४७५
कछवाहां री वासणी दो. १३४
कटारडो २३३
कटाहडो ५१४
कणीवाडो दो २२२, २२६
कदेही दो ३३६
कनवज ४, ५, ६, ८
कनोज ३
कपूरीया ३३०
कबा ३७७
कवोडीयो दो. २०६
कमठाई ३६३, ३७०
कमा रौ बाडी ३७८
कमेडीया दो. ४०
करजा ३७०

करणा री वासणी २०७
करणीयाली २०२
करणा ३८, ३२४, ३८१
करणा नगावत रौ बड़ीवास ३२४
करनाल ३३, ११३४
करनो ५५५
करमा रौ बाडी २०२ दो. २७८
करमा गुजर रौ वास २२७
करमावास ७४, ६१, ४०३, ४१२, ४४२,
४४६, ५०२, ५०६, ५१८, ५४१,
५५६ दो. २२२, २२५, २२६,
२३६, २६४, २८१, २८२
करमावासणी दो ११४, ११६
करमसीसर ३२६
करमसीसर खुरद ३२६
करलाई ४६६
करसा दो १६४
करसा गाव ३६४
करहेडो दो ६६
करहो दो. १००, १५४
कराणी ३०३
करोलीयो ४११, ४६४, ४६६
करणा री वास रतनु रौ दो. २७७
कलरो (कलरू) दो. ४०, ७८, ७६, ८७,
१०७, १०८, १४१, २१३
कला पीपाड़ा रौ वास दो १०४, १६२,
कलाऊ ३१५, दो. ३२२
कलाऊ रा वास ३१३
कलाली २०१, ३७५
कलावसीयो ३७१
कलावास ३५४
कलु दो. ११३
कलोऊनो दो. ३४
कवलली ३६५ दो. २७६
कवला ३७६

कवलीया दो. १०७

कसणा दो. ४०

कसवी जेठ ४२२

कसवारीया २३०

कां

कांकडखी दो. ४१, १३०

काकरालो दो २२३, २२७, २८४

काकरी रौ तलाव १४६

काकसी (काकसी) दो. २२६, २८०,
२८५

कांकाणी १३७, २२४ दो. ३४

कागडी दो. २२२, २२४, २२८, २४५,
२८३

कांटीयो ३३७

कांठद्रहो २६५

कांठाडी दो २७६

कांढण दो. ३२६

कांढीहलो दो. २७६

काढू ४५३

काघला री तलाई दो. २७६

कापलीयो दो. २७६

कांर ३६७

कांरो दो. २०५

कांवलीया ३७, दो. १२८

काकराली दो. २५६

कांकरेचा २४६

का

काकरेची २५२

काकसी दो. २६५

काकाला २२२

काकेलाव २६७

कागनडो २६२

कागल, ६२

कागलो २५३

काठणी २६४

काठघरो ३७६

काठाडी दो २२६

काढलीया ४३०

काणवो ५०५

काणाणा (काणाणे, काणाणो)

दो २२५, २२६, २३३, २६३,

२६५, २७७, २८१, २८२

काणीवाडो दो २६६, २८५

काणुजा, कणुजे, काणुजे, काणुजो)

६६, ४६५, ५०५, ५०७, ५३६,

५३७, ५४५

काणेचो ३७२, ५३४, ५५५, दो १०१,

२०२, १२२

काटु ६६, ४०४

कानडवास २६५

काना गोवा रौ वास ३०२

काना रा वास ४०७

काना रौ वाडो दो. २८५

कानावास १६८, २३८, २५४, २६०,

३७३, ४१७, ४८१, ४६१, ५५६

दो. २०२

कानासर ३६४, ३६६ दो. २२

कानुसर दो. २६

कानुडीयो ३१६

कानौटीयो ३१८

कापडीयो ५५६

कापरडा री वसणी २५३

कापरडो ३८, २६२, २४६, दो. ३४

कावरो ५३६, ५५७

कावल १७२

कामडो १६६, ३३०

कारो दो. १०६

कामडौ खुरद १६७
 कामा रौ वाडी २६०
 कामथवास दो. १३०
 कायलाणा ३२, ४६३, ४६४
 काराडी ३७५, ३७६, ४१०
 कारू ४१४
 कारोनीयो ४०६, ४४३, १०७, ५४७
 कालड गाव २०
 कालकी कलानी २७०
 कालभर ४६६, ४६७, ५५२
 कालरा रो वास दो २८७
 कालरा दो. ६२, २०७
 कालरा दो २२२
 कालरा कान्हानडो दो. २२२
 कालरा-पीडा ढढ दो. २२२
 कालरा-बादु रो वाडो दो. २२८
 कालरा-रसोलाव दो. २२२
 कालरा-वेदु रो वाडो दो. २२२
 कालव ४१५, ४६७, ५०५, ५३५, ५५६
 कालर १२० दो ३३७
 कालरू दो १५१
 काला दो ६१७, ३२६
 काला रौ पादर २७६
 कालाऊ दो. ३२१, ३२२, ३५०
 कालाऊना ६, २४५, ३७३, ५५५
 कालागुढा १३६
 कालाडी ३७८
 कालाणा (कालरा, कालरा) दो.
 २४२, २५६, २६०, २६४ २७८,
 २८३, ३७८, ३७६
 कालाणा रो वास दो. २३१
 कालाणा रौ वास रतनुंवा रौ दो. २८५
 काला वामण दो. ३२०, ३५७
 कालीजाल २२६
 कालीभर ५५७

कालीयाठडी दो २०५
 कालीया वासणी दो २३०, २६६, २८५,
 २८८
 कालुवा रौ वास ३०७
 कालू दो. १२, ३२
 कालू बडी ३६५
 कालोकोट ४०७, ४१६, ४७१
 कालो बडगाव दो. ४०
 कावनीयो दो. १०७
 कावाणा ३७६
 कासडो दो ३१६
 कासणीया दो ४०
 कासमीर ६२, १२५
 कासली ४४
 कासवो ४०६
 काहथवासणी दो १३६
 काहु (गाव) ३१
 काहुनी ३८८

कि

कितलसर दो. १७८
 किराडु १
 किसनगढ दो ३००
 किसनपुरी दो १८१

की

कीभरी ३३३
 कीटणोद दो. २२१, २२४, २३३, २८१,
 २८२
 कीतपाल ३६१, ३७१
 कीतलसर १५७
 कीरखंड री दो ६
 कीरडा (कीरड, कीरड, कीरडी) ११८,
 १२०, १४३, १४४, दो. ३, ३३,
 १६२

कीराडी ६२, ४०३, ४३३
 कीराड्ड ३८३
 कीलाणपुर ३३७, ३४० दो. ३५३
 कीलाणो दो २२१
 कीहुषां दो. २८५

कुं

कुंडल ४५, ५२, ६०, ८८, ११६, दो.
 ३, ६, ८, ९, २६, ५८, २२२,
 २२७, २३०, २५१, २५६, २६०,
 २६६, २६६, २८०, २८२

कुंडलीयौ २२७
 कुडा ब्रहे २३४
 कुपडावस २५७
 कुपडावास दो. १००
 कुपावस दो. २२१
 कुभटो दो. २१६
 कुभलमेर ४८
 कुभारी ३५१
 कुरणो २७२
 कुवडो २८६

कु

कुई रौ वास ३०६
 कुलग्राणो २७७
 कुकड़दो ३८२
 कुकड़दो ३५२
 कुकड़नडो २१७
 कुड़की दो. २००, २११
 कुडछी ३४४
 कुडाहडी ७४
 कुडी दो. २७४
 कुचील ५६, १३२
 कुचेरी १३०

कुजणाउ खुरद ३४५
 कुटाणो ५०१
 कुठली दो. २२७
 कुडणो ३७६
 कुडाणा १५०
 कुडली २७६
 कुडलीवा दो. ३४
 कुताणी दो. ६६, १००
 कुलथाणो दो. २८१
 कुवडी दो. २२३, २२८, २६६, २६६
 २७६, २८५

कुभावास ३३८
 कुरडा १२६, १३५
 कुरडे घाट १३५
 कुरलाई ३७२ दो ६१, २०१, १३०
 कुरवाडो दो. १०४
 कुरवाडो-वाहल रो दो. १०३
 कुलत दो १८३
 कुलाज ४१५
 कुवडी २०६, २५०
 कुवरडो खुरद २८३
 कुवलीयो ३०६
 कुवी रुंदीयौ ३४६
 कुसमतरो ३५८
 कुसमलो ३६६ दो ३१६, ३४४
 कुसमसरो ३६६
 कुसलवै दो. ६
 कुसलाणो ३७२
 कुसलावो ३१६, ३८१ दो. ३३
 कुसाणा (कुसाणै, कुसाणो) ४०
 दो. ४४, ४८, १०१, २४५
 कुहड़ १६६
 कुहीप दो. २२६
 कुहीयप दो. २२३, २२७, २५०,
 २६३, २८३

कू

कूपड़ावास ५५५

कूपड़ावास सुरद दो. १५०

कूपड़ावास बड़ी दो. १४६

कूपखेड़ी ५१२

कूपपावास ३२२, ३७३, ५५४

दो. २२५, २४०, २८१

कूपपावास-ससारचद रौ, ३२१

कूपपावासी दो. १०६

के

केकीद दो. १३७

केकीदडो दो. १२३

केकीदर दो १२०

केकीदरी दो १२२

केतु १६४, १६५, १६६, १६०, १६३,

१६४, २६४, ३१५

केतु रौ वास ३१७

केथल १३४, १४७

केरलो २००, २३४ दो. ११, २४

केरा री खेड़ी ४१५

केरा रौ खेड़ी ४०७, ४६७

केराडी १४१

केरीयो ४३६ दो. ६२, १७१

केरुवास २११

केलणकोट ३००, ३७८ दो. २३१,

२७३, २७६, २८४, २८७

केलणसर ३८० दो. ११, १६, ३३

केलणां री खरड़ दो. ६

केलरीयां री वासणी ३१०

केलवाल ४०४, ४११

केलाकोट ५

केलावास दो. १५१

केलवो (केलावा, केलावै) ४७, ५४,

७८, ३४४ दो. ४३, ३१७, ३३६,

३५५, ३५७

केलावो खुरद ३४३

केलावो बड़ी ३४७

केल्हण री खरड़ दो. २००

केल्हण सर ८६

को

कोडवी ३७७

कोजा तलाव ३७०

कोजा री तलाई १३६, १४०

कोझव रौ गांव १४०

कोट १२१, १४१, १७०

कोटडी ६०, ५०५, ५५३ दो. ३८, ३६,

२७८, २८१, ३४४

कोटडी चारण री १४०

कोटडो (कोटडा कोटडी) ४१, ४४, ६३,

७४, ७६, १५४, २१३, ४०६, ५५७,

दो. २, ३२०

कोटडी खेड़ी ४२२

कोटड़ी सुरावसती ४७६

कोटणी ३०१

कोटा ७७

कोटेड़ी ५५३

कोठार दो. ६६

कोड दो २०१

कोडारदेसर ३२

कोढणो (कोढणा, कोढणी) ३६, १४६,

१६६, १८६, १६०, १६१, १६२,

१६३, १६४, १६६, १६८, २०३,

२०४, २६३, ३०१, दो. २६३,

३२०

कोरोडो ३५८

कोनरी ३०८

कोपीला १३५
 कोवरो ५०५
 कोरडा ५५४
 कोरटा (कोरटै, कोरटी) ७०, ६२ ६८,
 १०२, १०३
 कोरणो २८२
 कोरीयाठडी दो २००
 कोरीयो दो २०४
 कोलर ३६०, ३७१
 कोलीलाल ६७
 कोलू ३१६, ३५८, ३८०, ३८१ दो. २८,
 ३२, ३२१
 कोडुपा दो. २३१, २७४
 कोसाणा ३४ दो. ३६
 कोसीथल ४४
 कोहड २५१
 कोहडी ५३६
 कोहर-दूदासर दो २६
 कोहरडा री बासणी ३४४

खं

खडप ६१ दो २७८
 खडप दहलो १३७
 खडाडी ३७
 खड्डु ३६८
 खडो १४७

ख

खड्गहरी गांव २४
 खड्गहाडी ३७२, ५५५
 खचीहाय दो. ३२०
 खजवाणी ४६
 खट्टु ३६२
 खटोड़ी ३३०

खडाला २२५
 खणीया दो. २२८
 खणीयो दो २२३
 खनवा ११५
 खफाहडी दो. १०१
 खरक दो ६
 खरड केलुणा री दो. ३३
 खरडी ३७६
 खरडो दो ३३
 खरहाडी दो. १०७
 खराटीयो ५०४
 खराटीयो खुरद ५०४
 खवासपुरी दो ५८

खां

खाखटी दो १०१
 खांखटो २४७, ३७२
 खांडप ३७७
 खाडो १५२, १५५
 खांतोलाहा दो. ११४
 खानपुर दो १०८, १७५
 खानवी १३५
 खाप सुमेल री ५५५
 खामल ४०४
 खामी २७८, ३७७

खा

खाखदरलाई दो. २२३, २२७, २४६ २८३
 खाड़ी दो. १०२
 खाडो १३४
 खाचरोद १७६
 खाह ४४, १२६
 खाह री गढ ४५
 खाडाला २४०

खाडी २०१
 खाढावस २४०
 खातीवास ५०३, ५२६
 खातेलाई दो. ६२
 खातोलाई दो १६६
 खामेल ४०६
 खारखदो १३२
 खारड ४०३
 खारडा ४०६
 खारडी ३८, ४११, ४४३, दो. १२६,
 २२७, २५७, २६८, २६९, २७६,
 २८२
 खारडीवास दो. २२२
 खारडो २३३, ३०६, ३२६, ३५८
 खारडो टापर मे ३६६
 खारडो रिण्णीरी २०८
 खारची ८१, ४०४, ४१४, ४२४
 दो १२४
 खारची प्रोहतां री ४०६, ४७७
 खारचीयौ ४५२
 खारटीयो ५०७ दो. २७८
 खारल १४५
 खारला (खारलो) १५४, १६४, १६८,
 २७१ दो. ३५
 खारवाहो दो. २२३, २२६, २४४, २८३
 खारा दो. ३००
 खारी ३४७ दो. २
 खारी खुरद ३५०
 खारी चारणां री ३७४
 खारी थीरावस २४०
 खारीवास २३६
 खारीया री वासणी दो. १०१, १४८
 खारीयो (खारीया) ८१, ८२, ६२, २४६,
 ४७६, ५५५ दो. १२, ३४, १४३,
 १५१

खारीयो खंगार ३७२ दो १०१, १४५
 खारीयो खुरद दो. १६२
 खारीयो जगहथ रौ दो २३
 खारीयो नीबा रौ ४०३, ४१०, ४२७
 खारीयो फदरा रौ ४१२, ४४६
 खारीयो फदारी ४०४
 खारीयो बडी ४०४ दो. १५८
 खारीयो भाणा रौ २५६, ३७३
 खारीयो सीढा रौ ४१४
 खारीयो सोढा रौ ४५३
 खारो दो ३२१, ३५७
 खारो डाहीभर ३६१, ३७२
 खारो बेरो (खारा बेरा) २३८ दो. ३५
 खारो बेरो खेडा २३१
 खारो बेरो बडी १६७
 खारो बेरो भीवोतां रौ १६७
 खारो लुणावौ १६५
 खारो लुणाहो (मागलीया रौ कदीम गाव)
 २२५
 खारो वीमनोयां रौ दो ३१७
 खारोवास दो ३३३
 खारोवास-खीमा री सरेह दो. ३३३
 खारोवास-वीसनोया री वास दो. ३३३
 खारोवास-सातलमेरीया री वास दो. ३३३
 खारोवास-सीहडा री वास दो. ३३४
 खालतसर दो. ३३७
 खालत सरवण री सरेह दो ३५७
 खालावासणी २१८
 खावाणीयो ३४७
 खासो वोलाडो दो ३४

खि

खिनावडी ५२३, ५४८
 खिनावडी चारणा रौ वास ५४८
 खिचल ५४१

खी

खीपलो ३००

खीवावास ३४० दो १५८

खीवलाणो दो. ३१६, ३२०, ३४२

खीवसर ४०, ५६, १४६, १५४, १६४,

१६६, १८६, १६०, १६१, १६३,

२०४, ३३६, ३३७, ३३८, ३३६,

३४०, दो. ३२७

खी

खीचवद १२०, १७० दो १, ११, १२,

२१, २५, ३०

खीचवद-थानका दो. ३१

खीचवद रा वास दो. ३२

खीडालो २०१

खीदावडो दो. ६१, २२३, २२६, २६३,

२८५

खीदावास दो. ६२, १०६, १७५, २११

खीदासर दो. ३४

खीदाकोहर १६६, ३३३

खीनारडो ४६६

खीनावडी ५०३

खीनावडो ३०३

खीमल ४१२

खीरडी दो. ३३

खीरज रौ वास-वेढिया रौ ३१७

खीरजांवास ३१६

खीरणी खेडी ४०७, ४१६, ४६८

खीरणेहटी ५०६

खीरवा ८५

खीरवो ८५

खीरहटी ५३७

खीराटीयो २०३, २८८, ३७१, ३७८

खीराटीयो भाखर ३५७

खीवल ५०७

खु

खुडद बूटेळाव रौ खेडी ४७५

खुटल ४०६

खुटली ४०५, ४१३, ४५०

खुटांगी २०२, २७

खुडीयाला (खुडीयालो) ३०७, ३०६,

३२६

खुढालो ३४६

खुतावटी दो. ६६

खुरदवास भीवोतां रौ २३१

खुरहल दो. २८०

खुवासपुरी दो. १३३

खुसी ३७६

खुहडी दो. ६२

खुहडी खुरद दो १५४

खुहडी वडी दो १५४

खुहडी दो. ३२०, ३४१

खे

खेड १२, १३, १४, ३५६, ३६८,

दो. २८२

खेडा २८३

खेडी २३०, २४२

खेडी अर्धराज दो. १८१

खेडी चापा दो १०६

खेडी ललीया दो. १८०

खेडी सीला दो. १८२

खेडो अर्धराज दो. १०३

खेडो भोजासर री दो. २०

खेजडली ६१, २२०

खेजडली खुरद २२३

खेजडली वडी १६५, २२१

खेजडली २४६
 खेजडीयाँ १०३
 खेजडीयाळी २०३, २६१
 खेजडीयाली रा वास २६२
 खेड़ापौ ३४८, ३४९
 खेडुलीयो ३५६
 खेडुली दो १४४, १५६
 खेतपाळीयां री सरेह दो. ३१८, ३३६,

३५७

खेतावास ७४, २६५, ५०६, ५४२
 खेतावास सापौ ३७४
 खेतासर ३२२, ३२६
 खेतासर री वासणी ३२३
 खेतासर वास १६६
 खेनावास ४१०
 खेपाली २४७
 खेरला ३८
 खोराणु ६३, ६४
 खेरवै थळी दो १६३
 खेरवो (खेरवा, खेरवी) ३७, ४७, ४८,
 ४९, ७१. ६०, १०२, १४६, १५४,
 १६४, १६८, १६९, १८६, १९२,
 १९३, १९४, २००, २०४, २६०,
 २६१, ३७६, ५१४, ५३०, दो. ३५
 १००

खो

खोखरसर ३६०
 खोखरा ४२०
 खोखरी २१२
 खोखरीयाँ २५३
 खोखरी ४०३, ४१०, ४३२, दो. ३५
 खोडीयाँ ४१५, ४६६
 खोनावडी ५०८
 खोहडासी ४१२

खोहरी १३२

गं

गंगादास री वास दो. १०६
 गठीयो दो. १४५
 गंधारो २१०

ग

गगढारो १५७
 गगराडी दो. १५०
 गगराणो दो. ३७, १३३
 गडौ ३१७ दो. २२२ २२७, २८३
 गजणाई ४०६, ४६८
 गजणाई दाधी ४०७, ४१५, ४७०
 गजणाई बडी ४१५, ४६६
 गजणाई रा० कनीयारी ४०७
 गजणाई-सारंग खाती वाली ४१६
 गजसिंघपुरो (गजसिंघपुर) १०२, १२५,
 १३१, १४६, १५१, १५५, १६४,
 ३८२ दो. १२८
 गडसुरीयो दो. १०२, ११२
 गढी दो. २५३
 गलणी ५०६
 गलणीयो (गलणीया) ७४, ३७३, ५०३,
 ५११, ५१२, ५२३, ५४२, ५४२,
 ५५१

गलता री सरेह दो. ३१८
 गलरा री सरेह दो. ३५७
 गलीयीकोट ७२
 गवारडी खुरद दो. १०६
 गहेढो बडी दो १०२

गां

गागादास री वास दो. १३६

गांगा पडिहार री वास दो. २२४
 गांगावासणी ३४१
 गांगारडी दो. १४६
 गांगारडी दो. १५०
 गांगाह री वास-वाहालो री ३०१
 गाठीयां दो. १५२
 गागुरड़ ६२
 गागुरड़ी ४०३, ४१०, ४३१ दो. १००
 गाजण कालर री सरेह दो. ३५६
 गाजण री सरेह दो. ३१८, ३३७
 गाढपुर दो. ७५
 गादसरो ३६३, ३७०,
 गादाहलो ४०३
 गादेहरी ३४३
 गाघांणी बड़ी २१७
 गाघी दो. ११
 गारावासणी ४६
 गालां री सरेह दो ३३६, ३४०

गि

गिरवरीयो २८२
 गिररी ७३, ५०६, ५०७, ५१७, ५३०,
 ५३१, ५३२, ५३३, ५३४, ५३८,
 ५३६, ५४४, ५५० दो. ५७
 गिरी ५०२

गी

गीगाथल २३४
 गीगावडी ४६६
 गीगाहो १६८, २६७
 गीघालो ३३३
 गीड़ागडो ३७६
 गीड़ाघडो २६३
 गीड़सुंरीयो ३७३

गीरावसणी ३८२
 गीरावडी ४६, ३८२
 गीलाकोहर ३१६

गु

गुगडी ३६२, ३६८
 गुगली ३७१
 गुघरट दो २२३, २२७, २५५, २८३
 गुडली ३६७
 गुडी दो. ३१६, ३४४
 गुडौ दो. ३१६, ३४३
 गुजरवास ३७४
 गुजरात १०, १८,
 गुजरावस २०५, २२०
 गुजरावास ८२, ४०४, ४१२, ४५८
 गुजरावास बीराहमी री १६७
 गुढा २२६, ५५१
 गुढां रा वास गुसाई री २३६
 गुदरडो (गुदरडे, गुदरडो) ७५, ५०७,
 ५३७, ५४५
 गुदवच (गुदोच, गुंदोच) ३६, १४६,
 १५४, १६४, १६८, १६६, १६०,
 १६१, १६२, २००, २०४, २७२,
 ४५३
 गुदवी ४५
 गुदी २२६
 गुदीसर खुरद दो. १००, १६७
 गुदीसर बड़ो दो. १६२
 गुदुवी १६३
 गुदेसर दो. ११३
 गुरलाई २६४
 गुलछरी ३७
 गुलली ३५५
 गुवरडी दो. २१०

गुवारडी खुरद दो. २११

गुवारडी बडी दो. २०१

गुवालेर ७७

गू

गूजरा री वास २२७

गूलर-बाहुल री दो. १०३

गे

गेनरडी दो. १९४

गेमावास दो १६४

गेमलीयावास दो १२२

गेलावास २०२ २७४, २९२

गेहडो खुरद दो. १०६, १८५

गेहडो वडी दो १८०

गेहडाणो दो १०५

गेहावास ३७३, ४६६, ५०८, ५४६,

५५५, ५५६ दो. १०२

गेहावासणी ४६८, ५०८, ५४६

गो

गोआण ३७०

गोगटी दो ३१६, ३४३

गोगादेवा री वास ३०५, ३१५

गोगारडो दो. १४४

गोघेळाव ८२

गोडगडी ८१

गोडा री वास दो. २२३, २२६, २६३
२८५

गोडां री वासणी ३४०

गोभारो ३६६

गोठण ३७२ दो. ६२, ६८, १४५

गोठडो २८४ दो ८१, १०४, १८६

गोडगडी ४०३ दो. ३१६

गोडगडो दो. ३२२

गोडागडी ४१२, ४५५

गोडागडो ३६४ ३६६ दो. ३४२

गोढवाड ३६, ३७६

गोदमांवास दो ११३

गोदारो दो. ४०

गोघणली दो. ११, २१, २३

गोघणलीं दो. ३६

गोघावाल ८१

गोघां री वाडी २८६

गोघावास (गोघावस) २२७, २८४,

३७४, ३७५, ३७६, ४०८, ४१७,

४७७, ४८४, ४६२ दो. २८१

गोघावासण २७७

गोघेळाव ३७, ४०५, ४१२, ४४८,

४७६ दो. ३५

गोनरडो दो. ६१, १८७

गोपडी दो. २२२, २३६, २४८,

२७६, २८२

गोपालपुरो दो. १०५, २१०, २११

गोपालवस (माढा री वास) ४६१

गोपालसर ३०७, ३०६

गोपांवास ४०४, ४१३

गोपावास साडीया री ४०५

गोपावासणी २६६, ४२२, ४७४

गोपासरीयो ३३३

गोमट दो ३१८

गोमटीया मोहर कालर दो ३५७

गोमढ दो. ३३७

गोयदपुर (गोइदपुर) ३४२, ३५२,

४०५, ४१६, ४२७, २४७

गोयद री वाडी २८६

गोयंदलाव (गोईदलाव) २०२, २८०,

२८४

गोरडीयो ३६८

गोरमी दो. २२२
 गोरवी दो. २३०, २६६, २८५
 गोरहरी दो. ६२
 गोरा दो. ४१
 गोरेहरी करणां दो. १६४
 गोरेहरी चांचा दो. १६५
 गोलकुंडा १०३
 गौवदगढ दो. १०५, १०६
 गोवल ३८६ दो. १०४, २८०
 गौवलवास ३६२
 गौवलियो २१६, ३७५
 गोहड़ा बड़ा दो. १८४
 गोहला बसणी २११

घ

घघडणो दो ६१
 घडोई दो. २३१, २७७, २८५, २८७
 घडोई कालाणा री बास दो. २७७
 घडोई-धरमदास री बास दो. २७८, ३६६
 घडसी री बाड़ो दो. २२३, २२८, २६१
 घडसी री बास ३०६ दो. २८४
 घडाय २१६
 घटटी री घाटी ५३८
 घटीयाली ११६, ४०५, ४७२
 दो. ८, ६, १०, १५, २३
 घटीयाली (सुराईता माहे) ४१६
 घटीयाळो ३१०
 घणाणा दो. २७६
 घणोडी १०२
 घनहूडी ३६५
 घवलरीयो बडो २०२
 घवनेहरो ४४४६
 घवेलरीयो २७६

घां

घांघाणी दो. ५, ३५, २१७

घांघाणो, दो. २२२
 घांणा २७६, २८१ दो. १८५
 घांणोरी दो. २८१

घा

घाघरि दो. २३
 घाघावडी १६६, ३२४
 घाटमपुर १२६
 घाणाणा दो. २२७, २३०, २३७, २६६
 घाणा मगरौ २४८
 घाणौराव ३६
 घातरठ १५५
 घातरठ १५२
 घीगांणो २८०

घी

घीघालो दो. १०४

घु

घुघरट दो. २१८
 घुघरा री घाटी ५६
 घुघरीयाळी ५३
 घुघरोट दो. २१८

घे

घेवड़ी प्रोहतां री १३८
 घेवड़ी बड़ी ३३४

घो

घोड़कंपी दो. ६
 घोड़ारह ३७२, ३७३, ३७४ दो. १०१
 घोड़ारही २५६
 घोड़ारट ५५६

घोड़वल ५४६
घोड़ाहट दो. १३७
घोठारीयां दो. १०४
घोसारीया २८३

घौ

घोसू. १६६

च

चंगावड़ो आडु ३११
चंगावड़ो खुरद २१५
चंगावड़ो तीजो २४१
चंचलाव ३११
चंटासीयो ३४२
चंडा २८५
चंडालीयो ३२६
चंडावल ६१, ४१०, ४३६, ५३६
चंडावस ४०३
चत ५५७
चंदरोही ३००
चंदलरो ३७२
चंदसमी ३७६
चंदसरो ३८०
चंदावड़ ४०६
चंद्रासर ३३१
चंपा १०९
चंपा खेड़ी दो. १७५
चंपला वेरो दो. २७६
चंपला वेरो सूनी ३७१
चंपासर ३८१
चंबड़ीयाक ४११
चंबडाय २६६
चंबाघा घीया २०१

च

चड़ीयाहारी ७३

चमारी ७७
चखड ४७
चरड़ावस दो. १००, १६६
चरचड़ो ३७७
चरडीयो २६१
चरपटीयो ४४६
चवडवा २३७
चवानडी ४१२
चवा घांघीयां २२३ दो. ३४
चवावड़ा २२२
चवावडी २०१, ४०४
चहुवाणी री बासणी २०५

चा

चांखवास २२७
चाग ५०५, ५०६, ५३३, ५३६, ५३६,
५४५, ५५२, ५५३
चांग मानपुरा ११३
चागल २००
चांच दो. ३२८
चांचलवा ३११
चांचा दो ३१७
चाचोड़ी दो. २८१
चाठला २७५
चांणदो दो. २८१
चांदण खुरद दो. १६६
चांदणी दो. ३१६, ३२०. ३४१
चांदणी खुरद दो. ६६
चांदणी बड़ी दो. १००, १६५
चादरख ३४७
चांदसमी दो. ३१७, ३२१, ३३५, ३५७
चादसमी-चामणां री वास दो. ३३५
चादसरो ३५६
चांदा री घाटी ८८, ११२

चांदारुण दो. ६१. ६४, १७७
 चांदा री वास २६६, ३७८, दो. २७८
 चादाळाव २४७
 चादावासणी ४०५, ४०६, ४१२, ४५७
 चादेलीया चुरो दो. ४०
 चावण १४०
 चापला बेरी ३६१
 चांपावसणी २०६, २४२
 चापासर ३३१
 चांवंडीयो ४७२
 चावंडीयो आघी दो. १३८
 चावड १०२
 चावडीया १३६ ५५० दो. ११०
 चावंडीयो गिररी रो ५०४, ५३१
 चावडीयो बडी ५०१
 चावडीयो बीठा री ५३१

चा

चाखु दो. ८, ११, १७
 चाचा री पांती ३२१
 चाटसु ४४, १०७, १३६ दो. ५४, ७४
 चाडाल ३८
 चाडी ३२८, ३८० दो ६, ३३
 चाणु ११६
 चाणोद ३७६, ३७७
 चापुडी ५४१
 चावडीयाक ३६५, ४०३, ४७६
 चावी ३१५
 चांमु दो ६, ३३
 चांमु-किसन री ३२०
 चांमु-जाटा री ३२०
 चांमु-हू गगरी री ३२०
 चांमु-बडोवास ३२०
 चांमु री वासणी ३२६
 चारणथल १३६

चारण महीया री वास दो. २७४
 चारण री बाडी २०३
 चारणवसणी २३४
 चारणां री वासणी १३६, २४१
 चावडीयो ७४
 चावडीयो बडी ५१६
 चाहड़वास ४०८, ४१६, ४७६, ४८०,
 ४६०
 चाहली बडी ७४

चि

चिड़वाइ खुडीयाली १६६
 चिड़वाई मेली ३०७
 चिडीयावास ४२२
 चिरडाणी २४६
 चिरपटिया ४०३, ४१२, ४२१, ४७४

ची

चीचडली २६५, ३०१

ची

चीखी ३६७
 चीडीयो ३५६, ३६८
 चीडीयाहेरा ५३६
 चीडीयोहेरी ५०७
 चीतार ७५, ५०५, ५३३, ५५४
 चीतावी दो १०३
 चीतावी दो. १०३
 चीमाली ३०८, ३१०
 चीमाली-प्रागोलाई ३१०
 चीतोड़ २६, ३१, ३६, ३८७
 दो. ६८, ६६
 चीनडी ४६
 चीनडो ३४५

चीमड़ावो दो. १०, १८
चीराई दो. ६
चीहणणी ४२८
चीहाली दो. २२३, २२५, २४२, २४५,
२७८, २८३

चुं

चुंघीया दो. ६२, १३३, १३८

चु

चुलटलाई ४०६
चुलेलाई ४५०
चुल्हलाई (चुल्हैलाई) ४०५, ४१२
चुहड़ीयावास दो. १५४

चू

चूंडा री कोरड़ी १४१

चे

चेचीयावास दो. १७१, १७३, १७६
चेनईचो ३७१
चेराई १३८, १४४, १६६
दो. ३३, २६६
चेराई-आसायचां री ३२०
चेराई-खीचीयां री ३२०
चेराई-गेसीया री ३२०
चेराई-नाहरवो ३२०
चेदाई-वडोवास ३२०
चेराई-भोजां री ३२०
चेराई-रजपूता री ३२०
चेलावास ४०३, ४१२, ४२७, ४८४
चेलेलाई ३०१
चेहड़ो २०२, २७६
चेहनडी ४३१

चै

चैनपुरा १३८, १४३, २२६

चो

चोइथ रौ वास वणसीसर रौ १६६
चोक दो. ३१६, ३४१
चोकड़ी खुरद दो. १३२
चोकड़ी बडी दो. १३४
चोकी ११७
चोखां वासणी दो. ११८
चोडी सिकारपुर २२३
चोचीयावास दो. ६२
चोटीले भावर (सीघला री चौरासी) २३
चोटीलो २०१, २६६
चोढो २१६
चोपड़ो १३६, ४०५, ४११
दो. ३५

ची

चीमुं ३८१

चो

चोलण ४८८
चोहथ रौ वास ३०६
चोहलांवास दो. १५५
चोहोला संवो दो. ४१

चौ

चौचावड़ी ४६२
चौववड़ी ६१
चौसली दो. ६६

छ

छडाणी दो २२६, २४७, २८३

छडी २८४

छछां री वास दो १३६

छडणी दो. २२३

छतरीयो ४११

छयण दो. ३३५, ३३६

छां

छाछा री वास दो. १०७

छावणी-नवी हवेली १४६

छांहण दो. ३२१, ३३६

छाहण दो. ३१७

छा

छाछेलाई ३७६, २७३, २६४

छाछोलाई १६६ दो २७८

छाढीयो ३१८

छापरी दो. ६२, ६६

छापरी खुरद दो १६०

छापरी बड़ी दो १५६

छापलो ६६, ३५१

छापण दो ३५६

छालावारो १५२

छाहली २४३

छीं

छीकणवास (छीवणवास) ४६, ३०६

दो १६

छीतरीयो (छीतरीयो) ६१, ४०४,

४४०, ५५६

छीपीयो ७४

छीपीयो मुख्याल ५०२

छीपीयो मुख्यालपुर ५१०

छी

छीडीयो ३४६

छीला दो. ११, २५

छै

छैतममंद ६४

छो

छोडी (देवड़ो री गांव) १४०

छोम ३३४

ज

जइतरी ७६

जगड़वास दो. १८६

जगनाथपुर दो. ११०, २१२

जगमाल री बाड़ी २६२

जगसा ३६८

जगहट दो १०७, १०८

जगहथीयो ५०६, ५३८, ५५५

दो. १२, १०२

जगा सीघल री वासणी दो. २१०

जगीया १४३

जगीसां दो. २७८

जगीसा कोटडी ३७८ दो २२२

२२५, २३५, २४०, २८१, २८२

जखीयाणो दो. २३७

जमालपुर १५२, १५५

जलगाव ११०

जलगांव-खेराड री १०६

जलगांव-वरड़ री १०८

जलावरी दो. ३३७

जवड़ी २६३

जवणादेसर २६३
जवावासणी बामणां ७५
जसवतपुरो ४६४ दो ३१७, ३३३, ३५७
जसवतावाद दो. १२२
जसोल (जसवल ३५४, ३६८ दो २७६,
२८२
जसहरडा री उत्तन १४०

जां

जांगलु १६, ३१, ३८, ३९, ३८५
जाणीयांणो दो. २६२, २६३, २८१,
२८२
जाणीवाणी दो. २२१
जानोदो ४०३, ४१२
जामलावो दो २३
जामेलाव दो. २७, २८, ३३

जा

जाईल दो. १०३
जाक ३०३
जाखण १६७, ३२४
जाखण-काना वास ३२४
जाखण-जेता तोगा री वास ३२४
जाखण-साईदास री ३२४
जाखणसर २६४
जाखणसर री वास ३०२
जाखोडो ११०
जागसवास ३६०
जागसी दो. २७६
जाजपुर ४४ दो. ६०
जाजवो ३५६, ३६८
जाजीवाल ७६, २३१
जाजीवाल ईंदां री २३२
जाजीवाल कोटेचां री २३२

जाजीवाल खोवा री २३५
जाजीवाल जोलुवां री २३२
जाजीवाल नाथु री १६७, २३२
जाजीवाल नीबा री २३२
जाजीवाल पीथा री २३५
जाजीवाल बाणीया री २३१
जाजीवाल भीवा री नादारी २३२
जाजीवाल भीवा वाली ३७
जाजीवाल राजघर री २३५
जाजीवाल राठौडां री २३१
जाजीवाल साकर री २३१
जाजीवाल सोलकीया री २३१
जाजोत १५७
जाटसु नानग दो. १७३
जाटीया वसणी २३३
जाटीयावास बडौ २२१
जाडोतरी दो. २८१
जानावासणी ५०७
जानीदो ८१
जायल ४६
जारोडो खुग्द दो. १६०
जारोडो गुजरा दो. १५६
जारोडो वेणा दो. ११२, १६५
जासेडो बडौ दो. १५६
जाल घर १
जालको २५०
जालवाडी दो. १४
जालसु खुरद दो. १६१
जालसु बडौ दो. १८८
जालीडो दो ३२४
जालीवाडो १३६, ३८१ दो. १२, २५,
२६६, ३१६, ३२०, ३२४, ३४२,
३४८
जालीवाडो खुरद २५४
जालीवाडो बडौ २५१

जालेलाव ५०८

जालेली २३०

जालेली खुरद २०८

जालेली बड़ी २०६

जालोर १८, ४३, ६४, ६७, ६३, ६४,

१०२, १०५, १०६, १०७, ११६,

१२४, १२७, १२६, १३१, १३४,

१३६, १३७, १३८, १४६, १५१,

१५४, १६४, ३७७, ४४३ दो २१५

२१८, २२८, २२६, २३०, २४६,

२५१, २६०, २६३, २६५, २६६,

२७६

जांवतो दो. १०५

जावतरी ३४३

जावली दो. ६२, १५६

जावलो दो १०३, १०४, १०५

जावो सीसोदीयां री दो. ३५, १६०

जासती २०३, २६४

जाहडवास ३४५

जाहानाबाद १२८, १३०, १३३, १३४,

१३५, १५६, १५७, १७० दो. २६८

जी

जीडोलरी दो. २२५, २३६

जीडोलरी दो. २२१

जीणपुर दो. २२२, २२८, २५२, २६०,

२६६, २८४

जीणयाणो दो २३७, २२५

जीणीयांणा दो. २२६

जीद १५२, १५५

जीनीदी ४४४

जीमलाव दो. ११

जीवंद १४० -

जीवाणो दो. २८०

जीवासी ३७०

जीवं री वास ३०५

जु

जुभांव आरी घाटी १७६

जुढ ३७६, १६६

जुठो ५०२, ५१६

जुठो रायपुर ५१३, ५१४

जुढि २१३

जुढियो आहु ३११

जुनेर ११०, १११

जुलाणो दो. ६२, १६८, १६६

जे

जेठाणीयो ३१४

जेठा री वास ४१४

जेतावतां री वास ३०५

जेतावास दो १६१

जेलोतरो दो. २८२

जेथोवस ३७४

जेरलां ३६८ दो. २७६, २८२

जेरलाव ३५४

जेलु री तलाव १४२

जेसलमेर १४, ४७, ५५, ६३, ६४, ६६,

८६, १३६, १४०, १४३, १४४

दो. १, ४, ६, १२, २७३, २६३,

२६४, २६७, २६८, ३००, ३१५,

३२०, ३३८, ३३६, ३५१, ३५२

जेसलवस २५७, ३७५

जेसला दो. ११, २०, २४, ३३

जेसलावासणी २०६

जेसावास ३०६, ४०६, ४२१, ४७४

दो २०८

जेसावास अखैराज दो. १५६, १६३

जेसावास तोगा दो. १५६, १६३

जेमावास मेणा दो १६३

जेसावास री खेडो ४३६

जेसुरणी १४०

जेह री तलाई दो ११

जेहा री तलाई दो २०

ज

जैचन्द री वास ३३८

जैतपुर २०२, २८०, ५०७, २४२

जैतसी री वासणी ४०६ ४२३ ४७७

जैतसी री थानी ३२१

जैतारण ३६, ३८, ४१, ४३, ६०, ६५,

६७, ७३, ८३, ९५, ९७, १०५,

११२, ११३, ११४, १२४, १२५,

१२७, १३१, १३३, १३६, १४६,

१५१, १५४, १६०, १६३,

२४३, ३७३

४७२, ४९३, ४९४, ४९५,

४९६, ४९७, ५००, ५०१, ५०८,

५०९, ५१०, ५११, ५१२, ५१३,

५१४, ५१५, ५१६, ५१७,

५१८, ५१९, ५२०, ५२१, ५२२,

५२३, ५२४, ५२५, ५२६, ५२७,

५२८, ५२९, ५३०, ५३१, ५३२,

५३३, ५३४, ५३५, ५३६, ५३७,

५३८, ५३९, ५४०, ५४१, ५४२,

५४३, ५४४, ५४५, ५४६, ५४७,

५४८, ५४९, ५५०, ५५१, ५५२,

५५३, ५५४, ५५५ दो. ३५, ६०,

१०२

जैतावास ३४५

जैतीवास २५६ दो ९९

जैतावासणी ५४७

जैमलोत री वास ३२४

जैमलोता एका री गाव दो. ३३६

जैलुवास ३२३

जैलु-वीजासर ३२३

जैसिघ री गाव ३१८, ३३६, ३५७

जो

जोगण ३७७, ३७८

जोगणीहेत १४०

जोगरावास ८२, ४०४, ४६३

जोगीया वासणी २३४

जोजावर ४८

जोधडावास ४०५, ४२०, ४७३

दु. ६२, १५७

जोधडावास खुरद दो. १६४, २०९

जोधडावास दुधवढ ८२

जोधडावास बडी दो. २०५

जोधपुर ३२. ३६, ३७, ३८, ३९, ४०,

४१, ४२, ४३, ४५, ४७, ४८, ५२,

५३, ५४, ५५, ५६, ५७, ५९, ६३,

६४, ६५, ६६, ६७, ६८, ७०, ७१,

७६, ७७, ७८, ८३, ८७, ८९, ९०,

९२, ९३, ९५, ९७, ९८, ९९,

१०२, १०३, १०५, १०७,

१०९, १११, ११८, ११९, १२०,

१२४, १२५, १२७, १३१, १३२,

१३३, १३६, १३७, १३८

१४२, १४३, १४५, १४७,

१५०, १५४, १५६, १५७, १५८,

१६२, १६३, १६४, १६५, १६६,

१६८, १६९, १७९, १८५, २०३,

२०४, ३५३, ३७२, ३७३, ३७४,

३७६, ३७७, ३७८, ३७९, ३८०,

३८१, ३८३, ३८४, ४२५, ४९३,

४९५, ५०९, ५४३, ५५१, ५५५

दो. १, २, ३, ५, ६, ७, ८, ९,
३२, ३४, ३७, ४२, ४३, ४६, ५५,
५६, ५७ ५८, ६४, ७७, १००,
१५१, २१५, २१६, २१७, २१९,
२२०, २३२, २७८, २९२, २९४,
२९७, २९९, ३००, ३०५, ३०६ ३१६,
३२०, ३२१, ३२७, ३५०, ३५४

जोधावास ४९८, ५०८, ५५०

जोधावास खुरद दो. १११

जोधावास २५०

जोराकुवो ३५६, ३७२

जोलीयाली १९६, २९४

जोलुवा री वासणी २२५

जोलीवाड़ी १४३

भां

भांभाणवास ३७३, ५५६

भावर २२५ दो. २१८

भा

भाड़ाक दो. ४०, १९९, २०८

भालारीयो दो. ३५३

भालारीया रा वास दो. ३५२

भलेलाई १४३

भलोड़ी दो. ३४६

भां

भांक ५५५, ५५६

भांभाणवास ५०१, ५१२

भांभाणीवाली ३०९

भांभीलो दो. १०३, १०४

भांवर ५४

भा

भाक २४५

भाड़ढंढ ४०३, ४११, ४३५

भाडाकोतू ९७

भाभुण वासणी दो. २०२

भावरो ३७९, ३८० दो. ३१९, ३२१,
३४३

भायल १३६

भालरीयो ३७९ दो. ३१७, ३३१, ३५०,
३५७

भालरीयो-कालरां रो वास दो. ३३१

भालरीयो-वडो वास दो ३३१

भालरीया री वास दो. ३१८

भालाड़ी दो. ३१९

भालामल २०९, ३७२ दो. ३४१

भालमलीयो २५२ दो. ३१९

भालावार वारम १४८

भावरवास २०१

भी

भीका वासणी २२८

भीभाणीयाळो ३०५

भीभाणडो ४१५

भीका रो पाद्र दो. २२८, २६४, २८५

भीयडो ३७४, ३७५, ४०४, ४०९,
४११, ४४३

भी

भीथीया दो. ४०, २०३

भीलला ५५७

भीलेलाव ४९९, ५३६, ५३९, ५५२

भीलसीली ३५६

भुं

भुंभाणदो ५०१, ५१२, ५५०

भुंभणदो खुरद ५०७, ५३६
भुंभणदो बड़ी ५३६
भुंङ ३५८
भुपेलाव ४०५, ४०६, ४११, ४३५

भु

भुडली २५२
भुठा रो वासणी २४२
भुढि ३६६
भुलीयो माढा रो ४०५

भे

भेर वड़ो दो. ३१६
भेरावड़ दो. ३४२

भो

भोटांणो २८४

टा

टांकड़ी ५०६
टांकु ३५७, ३७०
टाटीया रो वास २०२
टांपरा ३५४

टा

टावरीयालै १२१
टायरा ३६८

टी

टीकड़ी ७४, ५३६
टीकौ ५३
टीबड़ी ३१६ दो. १२६

टु

टुक ४४
टुकड़ी १५१
टुकड़ो ५०४, ५३०
टुकलो ३८२
टुफली दो. १०७

ट्ट

ट्टकड़ी ७४

टे

टेटो दो. ३२१

टै

टैहलो दो. १०६, २०३

टो

टोटी दो. ३२०
टोहणो १५२, १५५

ठ

ठहीयावड़ी दो. १०५

ठा

ठाकुरला ३७६
ठाकुरवास ७५, २८४, ४०४, ४६०,
५०३, ५२२

ठी

ठीहली दो. १०५

डं

डंडाली ३६३

डवचो २३५

ड

डहरा १११

डहूकीयो दो. १३१

डां

डांगावास दो. ३६, ४०, ११७

डागीयावास २१६, ३५७, ३७०

डांवरे की वासणी ३३६

डावरो १६७, ३२६

डा

डागसूरीयो दो. १४०

डागोळाई दो. ६७

डावडी ३७१

डामडी बडी दो. ६६. १०२

डामणी-सोवलदास की दो. ६६

डामली २०३, २६०, ३७६ दो. २७८

डायटो ५५४

डाहां की वास ३६६

डाहावासणी ३०१

डाहीभर दो. २७६

डी

डीगराणो ३७२, दो. १०१, १३६

डीगा दो. ३६

डीघडी ३७६

डीवाढ ४६७

डीघाड़ी खुरद २०६

डीघाड़ी तीजी २०७

डीघाड़ी वड़ी २०६

डीघोड़ ७२, ४०७, ४६७

डीडवाणो २५, ४३, ५६ दो. ५४

डीडेल दो. ४०

डीरी २८४

डीहड़ो ३७६, ३७७

डुं

डुंगर १६६

डुंगरवास दो. १७३

डु

डुगर अचला दो. १६७

डुगर छीकणवास दो. १६७

डुवरखीयो ३८२

डुमाणी दो. ६२, १७०

डुलीयो ४७२

डू

डूंगरपुर ६०, ७२, २०१, २७०, ३८६

दो. ६०, २१६, २६७

डूगरसर १४३ दो ३००

डूगरसी की वासणी ४०६, ४३७

डूंगरसी की वास २५५

डे

डेघाणो (देघाणो) दो. ७४, ७८, ८१,

८३, ८७, १०६, १११, ११३, ११४

१८६, २१३

डेहड़ो ३७६

डेहरीयो ३०६

डो

डोडीयाणो दो. १८७

डोडीयाल ३४१

डोडीयो दो १०३

डोमड़ी खुरद दो. १००, १८३

डोमड़ी बडी दो. १७६

डोमड़ी सढ री दो. १८१

डोमड़ी सावलदास री दो. १८१, १८३

डोयनडी (डोईनडी) ६१, ४०४, ४१२,

४४६, ५५६

डोलासर १४०

डोहली १६६, २२३, २६४, ३७८, ४५१,

५४२

डोहली खुरद ३०१

डोहली २००

ढं

ढंढ दो. ३५७

ढंढकाव ३७७

ढंढणीयो ४७३

ढंढ री सरेह दो. ३१८, ३३६, ३५६

ढंढु १३६

ढंढुवास दो. ३३१

ढढोरीयो ३४६

ढ

ढढरवाली दो. ११

ढसुरो ५०६, ५४५

ढही वावडी दो. २१०

ढां

ढांढणीयां री वास-कुलरीया री ३०१

ढांढणीयो २६६

ढांढणीयो खुरद ३०३

ढांढरवाल दो. २२, ३३

ढा

ढाढीयां री वास २८६

ढां

ढांढीया वासणी दो. १४३

ढांणी २३०, ५५७

ढा

ढाढोलाई दो. १५६

ढावर ३७५

ढावरवास २६७

ढाहो दो. ६६, १४४

ढीं

ढीकाई २१४

ढी

ढीढस २०३, २८८

ढीलंणी दो. १२

ढीहलीयो २१८

ढुं

ढुंढडी (ढुढडी) १६८, २७१

ढुंढाड दो. ६०

ढुंढो ४०३, ४१२

ढूं

ढूंढ दो. ३७१

ढे

ढेलांणीयो दो. ३२

ढेलांणी दो. ३१

ढो

ढोला वासणी २२६

ढोलावासणी गुढर रौ वास १६५

त

तंणावडी ७६

तखतगढ ६७

तणवडी बडी २०६

तपा ३७७

तरली ३५८, ३६६

तलवडी २०

तलवाड़ी ३५६, ३६८ दो २८२

तलसर दो. ३१६

तां

तांतीतलाई ३७१

तावडीयो खुरद २३६

तावडियो बडी १६६, २१५

तांवडोली दो. ४१, १८६

ता

ताठीयी दो ३३

ताडावास ३३८, ३३९, ३८२

तातुंवास ३३२, ३८१

तापु ३२४

तापु-खेपाली ३२४

तापु-घडसी रौ वास ३२४

तापु-भलड़ा रौ वास ३२४

तारावसणी २१५

तालकीयो ४१६, ४८२, ४६८, ५०७,
५४३

तालणपुर ५४३

तालोड़ी खुरद दो. १४६

तालोड़ी बडी दो. १४७

ति

तिवरी ४०, २३६, ४७८ दो २६६

तिणवासणी २४७

तिलवासणी १६६

तिला पुंवार री मेडी ५३७

ती

तीघरी २०१ दो. १७०

तीघरीयो २४१ दो. ६२

तीघरो २६६ दो. १२६

तीडीया वास दो. २८७

तीणावडो खुरद २०८

तीतरगडी ३७८

तीतरी दो. ४०

तीमरणी १०७

तीरजाली २६२

तीरवां १२०

तीलवाणी ६१

तीलान्णोस दो १८८

तीवण दो. १३५, १४२

तीसंगडी (तिसीगडा, तीसीगडी) ३७८,

३७६ दो. २३०, २७८

तीसमारीयो ४७६

तुं

तुंवर दो ३४८

ते

तेजा भाखरी दो ११, २८

तेजावासणी ४६६, ५०८, ५५१

तेतरवाल दो. ४०

तेनावास ३१६

तेमावास ३६०, ३६८, दो. २८२

तेखाटी ६४, १०५, १४८, १५२

तेलवाडो दो. २२२, २२७, २५८, २८०,
२८४

तेहरीयो १६८

तो

तोगावास २७३
तोडडीं दो ६०
तोडवी २७६
तोडीयाणी ३४८
तोलीसर १६८, २६८
तोलीसरं खुरद ३०२
तोडी ४४

त्र

त्रवावती नगरी ३८३
त्रापु १६६

त्रि

त्रिगठी दो. २२३, २२६, २४४
त्रिभट्ट दो. २८१

त्री

त्रीभारडी ४०७
त्रीपमारीयो (त्रिसमारीयो) ४०६
त्रीसीगडी २११ दो. २२७, २८२, २८३,
२८६
त्रीसीगडी-बल्ही री वास दो. २३०
त्रीसमारीयो ४२२

थ

थपणी दो. २२३
थटोहण दो. २६२
थवूकडो २१७
थल ४१५, ४६६, ४७०
थलुडो दो. २८०
थहीया वासणी २०८

थां

थांगा री बडी ३४७
थापण (थापण) १८०, २८३ दो. २२७
२५६, २८४
थावला १३२ दो १०५, १०६

था

थाट दो. २०४, २६०, २६१, ३३६,
३५६
थाटि दो. ६२
थाठो दो. १०५
थाढीयो ३८०
थानकी री वास दो. ३२
थारावासणी ४०४, ४०६, ४१२
थावर ५५७
थाहरवासणी ३७४, ३७५, ४१८, ४५०
दो. ६२

थी

थीरोदा दो. ४१
थीरोदाथीरो दो. ४०

थु

थुबली ३०४

थो

थोभ ३७६ दो. २३०, २७६
थोभ-कान्हा री वाडी दो. २२८
थोभ-कांना री वास दो. २६२
थोभ-केलणकोट दो. २६६
थोभ-ची. जैतावस री दो. २२२
थोभ-चीहाणां री वास दो. २२८, २८४

थोम-तिसीगड़ी दो. २२२
 थोम-तिसीगड़ी वाल्ही री दो २६७
 थोम री तिसीगड़ी वडो वास दो. २५७
 थोम-वडोवास दो. २२२, २२५, २३६
 थोम-वरसिंघ री वास दो. २२२, २२७,
 २५८
 थोम-वाल्ही री वास दो. २८६

द

दत्ताला दो. २६५
 दडीयो दो १२
 दत्ताला दो २२६
 दत्ताली दो. २२६
 दत्तणी दो १६०
 दत्ताल ३७६
 दमोई खुग्द दो. १८१
 दमोई वडी दो १८१, १८२
 दयालपुरो ५३८ दो. १०२
 दरगाह दो. ६७, ६८, ६९, ७३, ७६, ८३,
 २१६, ३५६
 दसोर १६५ दो. ३४
 दसोर वडो वास २०५
 दहणोक (देहणोक) दो. १०, १४, ३३
 दहावडी ३८२
 दहीपुडो २०१, ३७६ दो. २२१, २२५,
 २४२, २७८, २८१, २८२
 दहीपुडो चीहाणा री २२६
 दहीपुडो जोर री २२६
 दहोपुडो वाघा री वास ३७६
 दहीवडी दो. २३७
 दहीयां दो. २४६
 दहीया री बाड़ी २६२
 दहीयाकोहर ३८१ दो. ६, ११, १३, ३२

दां

दातणीयो ३२७

दातल दो. ३१६, ३४६
 दातालो दो २२३, २२७, २५४, २८३
 दांता सुई दो ३१६
 दातीणी ३८२
 दातीवाड़ो ६०, २१७, २१८, २५३

दा

दागड़ी दो. ६६
 दागड़ो दो. ६६, १००
 दागुलो ७४, ५०८, ५५०
 दाघी दो २७०
 दाडमी ३५२, ३८२
 दाती २८३
 दातीलो दो. ३२१
 दाती २०२
 दाघी गजणाई ४६८
 दाघीयो ४०३, ४११, ४३६, ४४०
 दावडीयांणी दो ६२, १५६, १६२, १७३
 दावडीयाणी खुरद दो. ११०, १६३
 दावडीयो दो १०३
 दावडीयो चौरासी री दो. १०२
 दामा बाघल री वासणी ४०४,
 ४१३, ४४७
 दासावास २६६ दो. २०३
 दासाणीयो दो. ३२२
 दासालीयो ३१५
 दासोड़ी दो ३४

दि

दिल्ली (दिली) २, ३. १३४, १५०
 दो. ७४
 दिहुरीयो २२६

दी

दीगावड़ी दो. १२

दीपावास ५४५-

डु

दुगर अचला दो १५७

दुगरा ३०८

दुगरावास ३०६

दुगसता दो. ४०

दुगोर अवल दो १००

दुगोर-छीकणवास दो. ६६

दुगोरदास दो ६६

दुधली २७०

दुणलो ४०३, ४१०, ४३२

दुदडावास दो ६६, १५७

दुदा १४६

दुदा ओलगण री वासणी २३४

दुदा रो वाढी २०२, २८८

दुदावास ५५५

दुदाविरौ ३००

दुदीयी ४०५

दुधली २०१

दुधवड ३६, ४०३, ४१०, ४२०, ४२६,
४६२, ४६५. ४७३, ४८८

दुधवडी ४०६

दुधव रा वास ४०५

दुधवो ३६१, ३६८

दुनाडो (दुनाडा) ३६ ४१, ४५, १०३,
१३७, १३८, १४६, १५४, १६४,
१६८, १६९, १६०, १६१, १६३,
१६४, २०२, २०४, २८७, ३२८
दो २१८

दुपली ३६०

दुपावास २६८

दुभरी २८२

दुरगादास थली दो. १५४

दुरगावस ४०६, ४२३, ४६१
दो ३१

दुरगावासणी ३४०

दुरजणसल री वास ३१३

दुसताळ दो ४०

दुहडोया वासणी ३७५

दू

दूगपुर ३६

दूधीयो (दुधीवयो) ६२, २०३, २८१,
२८६, ३७५, ३७७, ४०५, ४०६,
४१३, ४५६ दो. ३१८, ३१९,
३२०, ३३८, ३५६ दो. ३४३

दूदासर ५६

दे

देऊ ३८१

देग १४० १४१

देगावडी दो. २७, ३३

देगांणो (देखो डेघाणो) दो. १८६

देछु १३७, १६४, १६५, १६६, १६०,
१६३, १६४, २०४, ३१८, ३७६,
३८० दो ३२

देणो २६२

देदा मायल री वास दो. २२४

देघडो दो ३१६, ३४३

देपालपुर १२६, १३०, १३१, १३२,
१३४

देपालसर दो. ३१६, ३२७

देपासर ३३२, ३८१

देभला दो. २२२, २२८, २६४, २८५

देभावतां री वास ३०५

देभावस ३७७, ३७८

देराणीयो ३१५

देरावर दो. ६, ३२०

देवडा री वास २३४

देवढो २४०, २२२, २२४, २३२, २८३
 देवतसर दो. ६६
 देवराजां वाली थल २०
 देवराणीयो दो. ३३
 देवलमाघा दो १७२
 देवला दो २८१
 देवलाई दो. ३४६
 देवली ४२३, ४२७, ५०७, ५४५,
 ५५०, ५५६
 देवली अखा री ४०३
 देवली आवा री ४१०, ४३२
 देवली पिराग री ५०१, ५१३
 देवली पीरां ७४
 देवली मांडा दो. १७२
 देवली हुलां री ७३, ४०४, ४११,
 ५०५, ५३३
 देवलीया (देवलीयो) ११०, २०७,
 २७३, ४७५ दो. ६०
 देवलीया री नाडी दो. ३५५
 देवलीयाली ४७४ दो २२२, २२५,
 २३८, २८२
 देवलीयावास ४०५, ४२०
 देसाल दो. ३२०
 देसवाल दो. ६६
 देवाणंदी २०२
 देवातड़ो २१६
 देवातु ३०७
 देवाघ दो. २२२, २२७, २५४, २८३,
 ३३७
 देवाय ५०७
 देवावास दो. १६२
 देवा वासणी ३३४
 देवासण दो. २२३, २२८, २६२,
 २८४, २८५
 देवासणदी २७३

देवीखेड़ा रा वास २३५
 देवीखेड़ो २३०
 देवीभर १३८, १४३, २०५
 दो. २६६
 देसुं दो. ३२१
 देहणोक ३८०
 देहरा दो. ३००, ३०२, ३०३,
 ३३६, ३४०
 देहु ३३२
 देहूरीयो (देहूरीया) ७५, ३००, ४६६,
 ५६१, ५०७, ५१३, ५१५, ५४३,
 ५५५ दो १०२
 देहूरीयो जाटा री दो. १२६
 देहूरीयो प्रोहतां री ३७४, ५५६
 देहूरीयो रजपूतां री ५५५ दो. १२८
 देहूरी १४४ दो. ३०४

दो

दोतड़ीयो २६३, ३७०
 दोलू ४५
 दोसीडी दो २७
 दोहालाई दो. १७३
 दोलतावाद १०३, १५०
 द्वाखां दो. २७६
 द्वारकाजी ५, ६, ८,

घं

घंघुको १५२
 घंगड़वास ४१४
 घंणरी २८५
 घंणलो (घणलै) २६, २७, ३५, ३८६,
 ३८७, ४०३, ४१०, ४३३
 घंणां दो. ११२

घ

घणांणो दो. २४६

घघवाडो दो. ६६
 घनवो १४०, ३६१, ३६८
 घनाज ४०६, ४२२
 घनाज री खेड़ी ४७५
 घनापी दो. ६१
 घनावासणी गुढा री १६५
 घनेड़ी ४११ दो. १३८
 घनेरीयो नील दो. १२२, १३२, १३८,
 घनेरीयो सुक दो १२३
 घनेहड़ ४०३
 घनेहड़ी ४४०
 घमणीयो दो. १०५
 घरणी ४७८
 घरघाट १
 घरमदवारी २६८
 घरमलणो ३७१
 घरमातपुरी १७६
 घरमावासणी ३४१, ४६०
 घरमावासणी-अनत री वासणी ४८०
 घरीया ४६६
 घवलसर दो. ११, १६
 घवलहरो ४०४, ४१२
 घबलेरा दो. ३५
 घवां-देवड़ां री २३५
 घवां रा वास २३५
 घवां २२६
 घवारी दो. २७८
 घबलेरीयो २८५

घां

घाण २०२
 घाघलवास दो. ६२
 घाघलवास ऊदा दो. १७४
 घांघलवास जालप दो. १७४

घाघलां दो. ३३१
 घाघुको १४८
 घानीयो दो. १४७
 घांमणीयो दो. ६२, १७०, १७१, २०६
 घामपुरी ५०७
 घामल ३७६
 घामली ६०, २६०, २६१

घा

घाकडी ४३१
 घाकडो ४१०
 घाकली ४०३
 घाखा ३७०
 घागडवास ४०५, ४५२
 घागडावास ८२
 घाणाणो दो २८३
 घाणारी खुरद ३४४
 घाय री बावड़ी १५७
 घायल दो. ३२०
 घायसर १४० दो. ३२०, ३२१
 घारणवाय ४६
 घारावासणी दो. २२१
 घारीयावासणी दो. २२६, २६२, २८५
 घावो २०१

घीं

घीगांणो २०२, २२२ दो. २८१
 घीगावास ४६

घी

घीरा दो. २२२, २२७, २२८, २५६,
 २६०, २६१, २६४, २८०
 घीरावास दो. २८४

धु

धुंधको १४६
 धुड़हाया वासणी ४०८
 धुलपुरीयो ५४५
 धुवलीयो दो. ११४
 धुहडसर दो ३१६, ३१७, ३३१, ३५६
 धुहडीया वासणी ४१६, ४७६, ४८०,
 ४६० दो ३६
 धूलकोट ५०४, ५३१

धे

धेनावास ३६३, ३६५, ४०३, ४२८

घो

घोकेलाव खुरद दो. २०५
 घोहू २४६
 घोलीयो दो. १६८
 घोलेलाव बड़ी दो. १६६

घी

घीलपुर १३२
 घीलपुरीयो ५०६
 घाखा ३५५

नं

नंदवाण ५४, २२४
 नमी १०३

न

नगा री वाम ३६५
 नटाणो दो. ३२०
 नथावडी दो. १७२

नथावडो दो ६१
 नथावेडी दो १६६
 ननेऊ ११६
 नवेरी दो ११, २५
 नरवदे री वास ३०५
 नरभुवास ३३८
 नरमो-हरसोर री दो १०४
 नरसिंघवासणी ४०७, ४१७, ४८१,
 ४६० दो. १०६, १५०, २११

नराईणगांव १७६
 नराणो ४४
 नरारी जाल ८५
 नरान्नस २२२
 नलीयाद १४६
 नवाई दो २२६
 नवेनगरीयो २१७
 नवोनगर दो. ६३
 नवोपुगी १४६
 नवसर ६६, ७६, ३२५, ३६२, ३६६,
 ३६८, ३७७, ३८० दो. ३४४

नवसर-गोगावास ३२५
 नवसर-जाटावास ३२५
 नवसर-जमलवास ३२५
 नवसर-तुवगवास ३२५
 नवसर-भीवावास ३२५
 नवसर-मालुणां ३२५
 नवसर-बीसलवास ३२५
 नवसर-सारगवास ३२५
 नवसर-मुरावास ३२५
 नवसर-सममल ३२५
 नवसर-सोभा री ३२५
 नवसरो २०२, २७६
 नहरवो २१२
 नहवर दो. ३२०
 नहवाई दो. २२५

नहवाहि दो. २२२
नहारणी दो ५४
नहुदड़ो दो. १००
नहेड़वौ ५४
नहेरवो २८४
नहेरवौ बड़ो २८५

नां

नादण २४७, ५३३
नादणहार्द दो. २, ३४०
नादणहार्द रौ वास दो. ३५४
नादणी गिररी रौ ५०५
नादीयो ३४८
नादीयो बड़ो २१६
नांदीयो भाहर रौ ३४८
नाबरो ४७१
नावद १२६

ना

नाखरो ४०६, ४१५
नाई ऊदारी ५३६, ५३७, ५५७
नाईली दो. २२८, २६२, २८५
नाई सूजा री ५३६, ५५७
नाकोडो ३६३, ३७०
नागड़ी ३३६
नागलवाय ३४६
नागेलाव दो. ७०
नागणा रौ वास ३०२, ३०५
नागाणी १५, २६६
नागोर २४, २५, २६, २६, ४०, ४१,
४३, ४५, ४६, ४७, ५२, ५३, ५४,
५५, ६६, ८७, ८६, १०२, ११०,
१२६, १३०, १३१, १३२, १३४,
१५५, ३३२, ३८१, ३८४, ३८७,

दो ३७, ३६, ४०, ४१, ४६, ६७,
६८, १४६, १५०, १६१, १६५,
१६६, ३२०

नाडीयां ८६
नाहुल ४५, ४६, ५०, ७२
नाडोल ४८
नाडोलाई ४४
नाथड़ा ३१२, ३८० दो ३३
नाथ रौ वास १४०
नाथल कुडी (नाथलकुंड़ी) ८२, ६२,
४०७, ४१७, ४२० ४७४, ४८३
४६१,

नाथु री वासणी दो. २०७
नाथु रौ पानी ३२२
नादणी ७४
नादीया ३४८
नादीया बड़ो ३४५
नादीवड़ो १६५
नापावास ४०८, ४१७, ४८७, ४६१,
नावरा ४७६
नारनडी २०१
नारनोल १३४, १४७
नारायणी १०३
नालवौ ४१
नालावास ३३६, ३३८, ३४०
नाहुडसर ४, ३५२
नाहटो ४१६, ४६८
नाहनडो खुरद २०८
नाहरनडी २२४
नाहरसो २१२
नाहरसुवा ३३७, ३३८
नाहरसुवा रौ वास ३४०
नाहाडो ४०७
नाहाडसर ४०

नीं

नीवलाणो दो. २८०
नीवाडी काला १५६
नीवाज (नीवाज) ५०१, ५०६, ५०६,
५४०
नीवा री वास ३०५

नी

नीनाउ दो. १३
नीनेउ दो ११, २३
नीवडी (नीवडी) ४१५, ४६५ दो. ६१
६६, १०४
नीवडी कला दो १०५ १०८
नीवडी कोठारीया री दो. १६०
नीवडी ४०६
नीवली (नीवली) ८६, ८७, १६८, २७०
३७७
नीवली ऊहडागी ४११, ४३६
नीवली मढा री ४०३, ४२६
नीवली माढा ४१०, ४६१
नीवली री वास २०१
नीवलीया ८६
नीवले ५०६
नीवलो (नीवलो) ७६, २२४, २६६,
२७८, ५११, ५५५, ५५६ दो. ३,
नीवलो ऊहडां ४०४
नीवहड ५५१
नीवहडी ५०६
नीवहलो गगादास री दो. १०६, १६३
नीवहेडो गीररी री ५०४, ५२८
नीवला री तलाव ३८०
नीवाहरी ५३८
नीवाहेडी ४०५, ५१४
नीवीयाहेडी २६४

नीवीया हेडो १६८, ४१६, ४७३
नीवोडो ७४
नीवोल (नीवोल) ७४, ११३, ३७३,
५०२, ५४६ दो १०२
नीवोली ५५१
नीवोहलो खुरद दो १६०
नीवोहलो बडो दो १५३
नीलकठ २०२, २७४
नीलवो खारी दो. २६२
नीलावो ७५, ५०४, ५२७, ५४०
नीलावास ३६१
नीलीया दो ४१, ६१ १२१
नीवाई ११५

नु

नुडुल १०३

नुं

नुहन खुरद दो. १६४
नुहन तीजो दो. १६६
नुहन बडी-१६६

ने

नेखेडा दो. १०
नेडणा रा वास १४१
नेडाणो १४० दो. ३२१
नेढली १६८, २६६, ३७८ दो. २७८
नेणावास दो १६२
नेतडा ३६, ३४७
नेतडी दो. २०१
नेतडी ७६
नेता री तलाई १४१
नेता री वासणी दो. १००, १११, १६५
नेवरी १६८, २६७

नेसडो २८६
 नेहड़ री सरेह दो. ३५७
 नेहवाई (नैहवाई) दो. २४८, २६६,
 २८२
 नेहडी नडी री सरेह दो. ३१८
 नैणी पुरीयो दो. १०६
 नैणपुरी दो. २०७
 नैहडी री सरेह दो. ३३८
 नैहवर १२३
 नोखडो आहू री दो. २१
 नोखडो जेसला री दो ११, १६, ३३
 नोखडो भोजासर-री दो ११
 नोगा ८५, १२०, १२१, १३०
 नोजावत २००
 नोसर दो ३३, १००
 नोहदडो दो. ६६
 नोहन दो. ६६,
 पचनडा ४२०, ४७३
 पचनडो ३६५
 पचनडो टाक ४०४
 पचनडो दुनारी ४१२
 पचनडो लाला ४०४
 पचायणपुरो (पचाईणपुरो) ५०५, ५३५,
 ५५६
 पचायणसर ३३१
 पचीयाक दो ३५
 पचेटीयो ४१७, ४८३
 पवारा री गढी ११६

प

पगथारी २७८
 पगधारी २०२
 पडवालो दो १६०
 पडीयाल दो. ११, २६

पचपदरो (पचपदरा, पाचपदरो) २०२
 दो. ३६, २२१, २२६, २४७, २४८,
 २७५, २७६, २८२, ३१७, ३२१,
 ३२८, ३५७
 पचरंडो दो. १०४
 पचीपली दो. १०२
 पचीपलो दो. ६२
 पचीयाक २५७
 पचुना ११५
 पटलाद १४६, १४८, १५१
 पटाऊ दो २२७, २६६, २७०, २७६
 पटाऊ खुरद दो २२३
 पटाऊ-देवडां री वास दो. २५८
 पटाउ बड़ी दो. २२३
 पटाऊ-बड़ो वास दो. २५८
 पटाऊ रा वास दो २३१, २८४
 पटाऊ रो वास तीजो दो. २८७
 पटाऊ रो वास मनणा री दो. २७१
 पटावा देवली ५४८
 पटेलां री वासणी २३५, २६६
 पटवी रो वास दो. २८७
 पड्डुपा री वासणी दो. ११७
 पतासर १६८, २६७
 पथराणो ३६४, ३६६
 पदमावती खुरद दो २०२
 पदमावती बड़ी दो १६६
 पद्राडो दो ३१६
 पद्रोडो ३७६ दो ३२६
 पपिलीयो ७५
 परडोद ११०, १२६
 परवत रा खेत दो. १०८
 परवतवास दो. २०८
 परवतसर दो १०३, १०४
 परवतसर रा खेत दो. १६५
 पलालीयो ३६५

पलासलो ८२, ४१६, ४७३, ४६२
पलासलो आसा री ४६०
पलासलो खुरद ३७६, ४०४, ४१३, ४६१
पलासलो चासरे ४०७
पलासलो बढी ३७५, ४०४, ४१३, ४४८
पलासलो बांमणा री ३७४
पलासलो बासा री ४१६, ४८१
पलासलो रामा री ३७४, ४०८, ४१८,
४८६

पली ३८०
पलीणो दो. ११, १७
पलीयावास ५५५
पलीवाल दो. २२५
पलीवाल-गागा री दो ३३०
पलीवाल-झंगरे री बास दो ३३०
पल्ही दो. ११

पां

पाचडोली छांछा दो. १४०
पांचडोली भाना दो. १३६
पांचडोली रा बास दो. १०६
पांचनडो टाक री ४१३, ४५६
पांचनडो लाला री ४५६
पांचनडो हुलां री ४०४, ४४७
पांचरूडो दो. १६४
पांचलो ३४४
पांचलो खुरद ३२६
पांचलो सीघा री ३३८
पांचवो ४०५, ४१२, ४८०, ४६१
पांचवो खुरद ४५०
पांचवो बडो ४०७, ४१६
पाचा अवदार री बासणी २०७
पांचीयावस दो. ६२
पांचोहियो ४०८, ४६१

पाचोडी ३२५, ३८१
पांचोडी-रायसल री ३२५
पांचोडी-वैरा री बास ३२५
पांचोडी-सिवराज री ३२५
पाचोडोली दो १३६
पांचोटी १२६
पांडो री दो ४०
पाणाऊ ३६६
पासु (पासु) दो. २२८, २६३, २८०,
२८५
पासु सुनो दो. २२२

पा

पाईतखतगढ १०५
पाटण ३, ६, ७, ८, ९, ७०, ११२
पाटमोगढ ४०६, ४२३, ४७६
पाटलीयो ४०६
पाटवो ७४, १४६, ३७३, ५०१, ५१५,
५५६
पाटारु दो. २२८
पाटेलीयो ४०४
पाटोघी ३७६ दो २२२, २२७, २५०,
२६८, २७३, २७४, २७६, २८३
पाटोघी री बास दो. २३१, २८५
पाटोघी री बास सीघीपा री दो २७२
पाडलारु दो. २२३, २२६, २८२
पाडली ४०७
पाडसारु दो. २४३
पाडुवडी दो. ६२
पाडुपी दो. २८८
पातां री बाढी २०३, २६०
पातावास २७३
पातावास हुनावासणी २७२
पातीवास २८०

पातुवास ७४, २८३, ४०५, ४७३, ५०३,
५२२

पातुवाम जीड मै ४२०

पादडी बडी दो २२३

पादरडी खुरद दो. २२२, २२८, २६१.
२८४

पादरडी बडी दो. २२७, २५४, २८३

पादरडी दो ३२२

पादरलां २७३

पादरू दो २२७, २२९, २६३, २८३

पादरू खेडो दो २२९

पादरूजु दो. २४९

पाद्र दो. २६८, २८०

पाद्रोडो दो ३३७

पाद्रोडो दो ३४७

पादु दो. २२२

पादुबडी दो. ४१

पानडो लाला री ४१३

पारकर १

पाल २०८

पालडी १०३, ३५१, ३७२, ४६८ दो.
१४, ६१,

पालडी खुरद २११

पालडी तीजी २१०

पालडी बडी २१०, दो. १६८

पालडी महेस दो १८०

पालडी राजा दो. १७९

पालडी री खेडो ४१६

पालडी वजी री वासणी २११

पालडीसिध दो. १०१, १४३

पालडी सीधले दो. ६१

पालडीयां २९५

पालडीयावास दो. १६९

पालणपुर राघ ३९५

पालयावास ५३० दो. १०२

पालाडीयो १६८

पालावासणी ९०, १३७, १९९, २१८

पाली ९, १०, ११, ३५, ७९, १४५,
१५४, १६४, १६८ १६९, १८९.

१९०, १९१, १९२, १९३, १९५,

१९८, २००, २०१, २०४, २६२

दो ३३

पालीताणो १४

पालीवाल दो. २२६

पालीयावास रासे री ५०४

पालीहवासेणी १३६

पासा कोलर २८३

पाही दो ११

पिरथीपुरी दो. ११९

पी

पीपली २८८

पीपलोदो ५५४

पीडता री वास ३३६

पीपाड ४५, ९१, १३७, १४५, १५४,

१६४, १६८, १६९, १८९, १९०,

१९१, १९२, १९४, १९२, १९९,

२०३, २४४, २५४, ४७५, दो. ४३,

४८

पी

पीचाक २००

पीछौली ३६

पीडढंढ कलाणो रो दो. २२७

पीडाढढ दो. २५९, २८४

पीथलपुरी ४०६, ४२३, ४७५

पीथलवास १९६

पीथावास २२१ दो. ६२, ११४, १४१

पीपलण ६३ दो. ५८, २२३, २२७,

२८३, २९५

पीपलली २०३
 पीपला दो. ३५
 पीपलाउ ४११
 पीपलाज ४०३
 पीपलाणो दो. २५१
 पीपलीयो ५५६ दो. १०६, २०६
 पीपलीयो काडीया ३७३
 पीपलीयो कापडिया रौ ५१६
 पीपलीयो कावड़ीयां रौ ५०१
 पीपलीयो वीठा रौ ५०३
 पीलवण ४७
 पीलवो (पीलवा) ३१४, ३८१ दो. ३२,
 २६६
 पीलायथा ८४
 पीसांगण ६३, ६४, १०१ दो. १०५,
 १०६

पुं

पुंगल (गढ) १, ३१, ३८, ३८३
 पुगलीयो (पूंगलीयो) ३१३, ३८०
 दो. ३२१, ३२२
 पुंदलीवास २०४

पु

पुडीयाल दो. ६
 पुचीपलो दो. १७७
 पुनडाऊ ३६६
 पुनलतो दो. ३५
 पुनलां री वासणी २६८
 पुनलो दो. १३१
 पुनलोतो दो. १८८
 पुनाईता २६७
 पुनाकर ४६०
 पुनाखर २६८, ४४८, ४६१

पुनावटी दो. ६८
 पुनावडी ३६५
 पुनासर (पुनेसर) ३२७, ४८२, ५३६,
 ५५७
 पुनासर-अरडकमल रौ ३२७
 पुनासर-गोपाल रौ ३२७
 पुनासर-पाहुवां रौ ३२७
 पुनासर-भाटीयां दुघा रौ ३२७
 पुनासर-सांखलां रौ ३२७
 पुनीयावास दो. १४६, १५५, १६१,
 १७१
 पूना १४६, १५०

पे

पेडि ३६०
 पेसावस २२२
 पेणाऊ ३५६

पो

पोऊ जसोल रा ३६६
 पोकर ४५
 पोकरजी १३२
 पोकरण (पोहकरण) ४१, ४४, ४५,
 ६३, ६७, ७०, ७७, ८६, ६४,
 १२७, १३१, १३३, १३७, १३८,
 १३६, १४१, १४२, १४३, १४४,
 १४६, १६४, ३७६ दो. २, ३, ४,
 ५, ७, ६, ३०, ३६, २८६,
 २६०, २६१, २६२, २६३, २६४,
 २६५, २६६, २६७, २६८,
 ३००, ३०२, ३०५, ३०६, ३०८,
 ३१०, ३११, ३१२, ३१५, ३१६,
 ३२०, ३२१, ३२२, ३२४, ३२५,
 ३२७, ३२८, ३२९, ३३१, ३३२,

३३३, ३३४, ३३५, ३३६, ३३७,
३३८, ३३९, ३४०, ३४१, ३४२,
३४३, ३४४, ३४५, ३४६, ३४७,
३४८, ३४९, ३५०, ३५१, ३५२,
३५३, ३५४, ३५५, ३५६

पेटलीयी ४१२, ४५६, ४७६

पोपावास २६८, ३०८

पोलावास ४६५ दो. १५८, १६२

पोसाणी १०३

प्र

प्रथीपुरी ५०३, ५५६

प्रिथीपुरी ३७३, ५२३

प्रवतसर दो. १००, १०२

फ

फतैपुर ७६, १३५

फरासतपुरी दो. ११४, १७३

फलदु दो. ७३

फलसू ६ १०३, ३७६ दो. २७६, ३२०,
३२१, ३२२, ३४२

फलोधी १८, ३३, ४१, ४४, ४५, ६३,
६४, ६६, ८०, ८३, ८४, ८५, ८८,
९२, ९३, ९४, ९५, १०६, १०८,
११८, ११९, १२०, १२१, १२४,
१२५, १२७, १३१, १३३, १३६,
१४२, १४३, १४४, १४६, १५१,
१५४, १६१, १६४, १६६, ३८०
दो. १, २, ३, ४, ५, ६, ७, ८,
९, १०, १२, १३, १४, १६, १७,
१९, २०, २१, २२, २४, २५, २६,
२८, २९, ३०, ३१, ३२, ३३, ३६,
७५, १४२, १४६, १५६, १६१,
२६२, २६६, ३००, ३२०, ३२१,

३५०, ३५४

फलोधी पारसनाथ दो. ३६

फा

फारोलीयी ४०३

फालकी दो. १२२

फालको ३७२ दो. ६१, १०१

फालको आकोधीया री दो. १२७, १३१

फालको पीपाङ्ग री दो. १२७

फालको बड़ी दो. १२४

फासाणीयो ३८०

फो

फोच १६५, २२३

फोटका वासणी १६५. २२२

फु

फुलण दो. २२२, २२७, २५३

फुलाज ४७०

फुलाद ४०७

फेकारीयो २७६

बं

बघवो दो. ३२०

बवसेण दो. २२५

बंवाल (बवाल) १५३, १५६ दो १०५,
१०६

बसवाल ६०

बहगठी दो. ३२१

ब

बकरालादी ५५५

बगडी ३८, ११२, २५१, ४०३, ४०६,

४०६, ४१०, ४२२, ४३०, ४३१,
४५६, ४६१, ४६६, ४६७, ४७४,
४७५, ४८६

बघीयाहेड़ी खुरद ५३६

बघेवो दो ३१६

बडगूजर ११०

बडनगर ६३, ६४, १४६, १४८, १५२

बडनावो ३७६ दो. २७८, २७९, २८५

बड़ री वासणी ४०४ ४१३

बड़ली २३६ दो. ३२७, ३५७

बडली झंगरा री दो. ३२७

बडली पीथला री दो ३२७

बडली माडा री दो. ३२७, ३२८

बडलू २४७, २५५

बडली ३२६

बडली-सांदु गेंहलोता नु ३२६

बडहडी ५५५

बड़ा नीवला ५०६

बडी ४४१

बडीयाली ४१७

बडीयालो ४६१

बडोवास २२६, २३१

बडोवास माला री ३०७

बडोवास माळीया री २२७

बडोवास वसीयावाली ४३७

बचीहाय १३६

बछवाय दो. ११३

बछवारी दो ६६, १००

बडगाव दो. १३२

बडरी वासणी २२७

बडाली दो ७४

बडालो दो १२३

बणाली २६५

बणालीयो २४२

बणाड ३८

बतो ३७६

बनसी ५५५

बनाडवास २०७

बनेवडो दो. २२६, २६४, २८५

बरडाणो दो ३१८

बरजागसर दो. २४

बरणवोथली दो. १६१

बरणाऊ दो ६

बरणायो दो ६६

बरणेल दो १०३

बरणो ६२, ३७४, ४१० दो. ६१

बरनोल-बाहल री दो १०२

बरबडा री वासणी २४०

बरबटो ३४८

बरवां दो. २८१

बराड ११०

बरांटीयो ५४२

बरांटीयो खुरद ५२६, ५४२, ५५७

बराटीयो बडो ५२६

बरि (बर) ५०४, ५०६, ५२७, ५४१,
५४२

बरीयां ७६

बरीयो ३६०

बलडी खुरद ५०६

बलदमारा री वासणी ३४८

बलाड ५४६

बलायडो दो १०२

बलाहडो (बलाहडा) ७४, ३७३ ५०२,
५०६, ५१६, ५५५, ५५६

बलुपुरो ५०३, ५२५, दो १०२, १८४

बलूंदो (बलुंदो, बलुदा) १०२, ११३,
१६६, २५६, ३७२, ३७४, ५५६,

दो १०१

बलु दो बाहली १६४

बललल दो. १८८

ववली ४२ दो. ५५
 ववलै दो. १७१
 ववलो दो १०६
 वसतवा ३०६
 बसराल-बडीथवस दो. १४
 बसराल-लेहूवी रौ वास दो. १४
 बसीयो ७४
 बहगटी सोवरज दो. ६
 बहगटी हरमम ८७
 बहड़ो दो. ३१६
 बही कामड़ी री ३३५
 बहुगुणां री वासणी ३७३
 बहेड ३७३, ५१५, ५५५
 बहेड़ो ५०२
 बहेलवा (बहलवो) १६६, १८६, १६०,
 १६३, १६४, १६६, २०४, ३०५,
 ३०६
 बहेलाव (ईंदा री चौरासी) २३

बां

बांकली दो. २८१
 बाकीवाहो ३७६ दो. २७८
 बांघणी ५०४
 बाघाणी ५३२
 बाभाकुड़ी ३७४, ५०२, ५११, ५२१,
 ५५५, ५५६ दो. ५०, १०२
 बांणीया दो. ३२८
 बाणीयां बांमण दो. ३५७
 बाणीयामालो ४७०
 बांणीयावास १६७, २२०, ३०६
 बाणीयावास खारोला री ४७४
 बादु रौ बाड़ो दो. २३१, २६४, २७७,
 २८५, २८७
 बांघडो २१५

बांनेवड़ो दो. २२२
 बांमण दो ३३
 बांमणवालो ३३२
 बांमणवास ३२०, दो. १०८, १५२
 बांमणायो दो. १००
 बांमणीयो दो ६६, १००
 बांमणू दो ३१७, ३१६, ३२१, ३३४,
 ३४६ ३५६
 बामणू - बड़ोवास दो. ३३४
 बामणू- बामणा मनाणां रौ दो ३३४
 बामसेण दो. २२१, २२८, २३५, २६२,
 २८१, २८२
 बावल ४३
 बांसीयो ५०१, ५१४
 बांहगडी दो. १२

बा

बाईड दो. १३५
 बाकरा लालपुर ५३३
 बाकरी ३१३
 बाकीवाहो खुरद ३०३
 बागाकुडा ७५
 बागावास दो. २२३, २२८, २६२, २८५
 बाघबसीयो ३७४
 बाघल दो २४३
 बाघलप दो. २२३, २७७
 बाघलवस दो. २२६
 बाघावास २६०, २६५, २६६, ३७६,
 ४०६, ४११, ४३८, ४६२ दो, २७६
 बाघीयाहेड़ो ५१५
 बाघीयाहेड़ो खुरद ५०६
 बाघु ४६
 बाघेवी दो. ३४२
 बाघोर २८

बाघोरीया १६६
 बाडल दो. ६६
 बाजोली चारणां री दो १८४
 बाजोली जाटां दो. १७८
 बाटारू ३६६
 बाडवा दो. ३४७
 बाडाली १६२
 बाणासर दो. १०
 बाती बाडीयो ४०३
 बादलीयांणी दो. २५१
 बादलु दो २२४
 बापड़तरो दो. २८०
 बाप (बाप) १२०, १२१, १२३ दो. ६
 ११, १२, २३, २७, ३३
 बापी ३८७
 बापुनी ६०, २६१, ३७६, ३७७
 बावरा (बावरो) ५०२, ५०६, ५१६,
 ५३३, ५४५
 बावरी ५५५
 बाभरवासणी ४६८
 बाय दो. २३३, ३२०
 बाये दो. २२२, २२४
 बारणाड दो. १५
 बारणी खुरद ३५१
 बारणी बड़ी ३५१
 बारर ५३४
 बारीयो ५५६
 बालपुरी ५५५
 बालवस ५२१
 बालरवो (बालरवा, बालरव) १३८
 १४२, १६६, २१३
 बालसर दो १२
 बालसमन्द ३४, १३६
 बाला ३०४

बालाकुवो २१४
 बालाबारी १४६
 बालासर दो २८.
 बालाहेडा ५४६, ५४६
 बालुवास २६८, ५०७
 बालोतरा ३६५ दो. २२१, २२६, २४७,
 २७०, २७६, २८२
 बाली ३७८
 बाली घुलेट री ५१०
 बाली भाखरां री ५११
 बालहरवा केलण कोट (कौटेचां री चौरासी)
 २३
 बावड़ी २०२, २८१, ३४१, ८७८, दो.
 २, ६, १२, २६
 बावड़ी-कचरा री वासणी ३४२
 बावड़ी-कछवाहा री वासणी ३४२
 बावड़ी-जगनाथ री वासणी ३४२
 बावड़ी-जैता री वासणी ३४२
 बावड़ी-थाहारू आसावत री दो. २६
 बावड़ी-चना आसावत री दो. २६
 बावड़ी-रा वास दो. ३२
 बावड़ी-रैवारियो रो वास ३४२
 बावड़ी सुमेल री ५५५
 बावड़ी-हेली ३४२
 बावलली ५४, १६८, २६७, ३०८
 बावललो दो ६४. १७२,
 १७५
 बावलवी २१८
 बावली (बांवली) दो. ५४ ५६
 बावलु दो २२३, २२६, २३३, २६४
 बाविद २०२
 बावीमेण ३५३, ३७०
 बाम चौथी २३८
 बास पांचमो २३८

बासडो १०३
 बासणी ६२
 बाहडसो (बाहडसा) ८१, ३७५, ४०३,
 ४३८, ४६४, ४७७
 बाहडमेर १ १५, १६ ४१, ४५, ६३.
 २१५ ३२०, ३५६, ३५७, ३५८,
 ३६५ ३६३, ३६४, ३६६ दो १, २
 बाहरी ५५७
 बाहल १५६
 बाहलगाव १५३
 बाहला दो २३६
 बाहली ४०५, ४१३, ४६४
 बाहली खुरद ७४
 बाहलीयाणो दो. २२२, २२७ २८३
 बाहाला ६१
 बाहालो (बाहलो) ६१, १६८, १६९
 १६०, १६१, २००, २०४, २५६.
 ३७४, ४४६, ४६५, ५५२ दो ३५
 बाहालो खीवल रौ ५३२
 बाहालौ वलुं दो १४५, १५४
 बाहालो सुरायत रौ ४५७

बि

बिरहानपुर ६५
 बिराई १४३

बी

बीजवाडीयो ५५६
 बीजा रौ वास २५५
 बीजीयावासणी ६१
 बीभवाडीयो ५५६

बी

बीकमपुर दो. ६

बीकरलाई ७४, ३७३, दो १०२
 बीकानेर १८, १९, ३१. ३८, ३९ ४४,
 ४५. ८४, १०२, ३२७, ३८१
 दो. ६, ७, ८, १५, २५, २६, २७,
 ३३, ४०, ४१. ४५, ४७, ५६, ५८,
 ६०, ३२०
 बीचपुडी ४०५, ४०६, ४१३, ४५३,
 ५०४, ५०६, ५०७, ५३२, ५४१,
 ५५६ दो १५८
 बीजलीयावास ४८७, ४९१
 बीजलीयावास सहे ४०८
 बीजलीयो दो २२२, २२८, २५५
 बीजलो २७६
 बीजाथल दो. २०१
 बीजापुर १०३, १०७, १४८, १५२,
 दो. ७६
 बीजायावासणी ३७५
 बीजारुण दो. १८२
 बीजावास ३५५
 बीजोली दो. १०८
 बीभा २०२
 बीटरण दो. १३४
 बीटवस ५२८
 बीठावास दो. १७८
 बीठोरौ खुरद ३७, ८२, ४१३,
 बीठौजो दो २८१, २८२
 बीड सहर दो ७२
 बीबाहलो ७५
 बीबीबघ ३४५
 बीरडावास १६७, २२०
 बीरणी १६७
 बीरलोखी ७८
 बीराटीया ५३८
 बीसनपुर दो. ७६
 बीरावास ६२

बीरोल ५२२
 बीलणवास ४०७, ४१६
 बीलाडा ७७, ६१, १३६, १४५, १५४,
 १६४, १६८, १६९, १८९, १९०,
 १९१, १९२, १९३, १९५, २००,
 २०३, २५६ दो. ३४

बीलावास ३६३, ४३०
 बीलीयावास ४०४
 बील्हीयो दो ३१८
 बीसलनगर १४७, १४८
 बीसलपुर २१७
 बीसांण रा वास २३५
 बीसीयावास ५०६
 बीसीयावास खुरद ५०६
 बीहड़नड़ी बड़ी २२४
 बीहार ५५७
 बीहू नीवा री तलाव दो. ३३

बु

बुगड़ी ३३२, ३८०, ३८१ दो. ४०
 बुडकीयो दो. ३२१
 बुड़ीबुड़ी ३७१
 बुचकलो १५७, २४६
 बुजावड़ २१२
 बुटीवास ५३८
 बुठीकीयो ३१२
 बुढांवाई २८०
 बुतावाटी दो ६८, ६९, १००
 बुघवास ३३८
 बुघ री वामणी दो. १००, १५१
 बुघा री वास २३५
 बुघवाडा (बुघवाड़ो) ६०, ११४, २६१
 बुघावाड़ २००
 बुरछा १६६, २४८

बुरीवाडो ३५६
 बुसीयाथल ३७८
 बुसीयाथली २०२
 बुहरानपुर ६६

बू

बूंदी ३६, ५३, ६० दो. ६०
 बूटेलाव ८२, ४०६, ४०८, ४१८, ४५१,
 ४७५, ४८८, ५०४
 बूटेलाव बडो वास कान्हीयावालो ४१३
 बूटेलाव री वास ४६०

बे

बेगडीयो ३२८
 बेडीयो ३७७, ३७८
 बेणीयावास ८१
 बेदरलाई ३५५
 बेदु दो. ३३
 बेदु री वास दो. ३३
 बेघण २१६
 बेमगली ७७
 बेराई ३८०
 बेराव खुरद ३८२
 बेरावास ३८२
 बेरावाम बड़ी ३३७
 बेरावास मटेरारी ४६
 बेराही २१४ दो. २६७
 बेरी २७३
 बेरी तीवड़कीया री २०६
 बेरू ३८०
 बेसरोली दो १०३
 बेहडावास दो १७०
 बेहडावास खुरद दो. १७१
 बेहड़ी ७४

वेहुगटी दो. ३३

वेहेलवा ३०६

वै

वैरसलपुर दो. ६, ८

वैराथल खुरद ३३६

वो

वोघाणी ७४

वोड़वी खुरद २१६

वोडा री वासणी ३४०

वोडीया ४०६

वोरगढ दो. ६६

वोरडी ५०६

वोरनाडी (वोरनडी) ८५, ४०३, ४११

वोरवात ११२

वोराड़ ५३७, ५४२, ५४५

वोराड़ा री केर ५५२

वोरानाडो दो २७६

वोरीमादा (वोरीमादो) ४१५, ४१६,

४६६, ४७१

वोरू दो ३७२ दो. १०१, १३१

वैरूवास २१०

वोल ८२, ६२, २४५

वोलमारीयो ४३६

वो नमाला ४०३

वोललो दो. ६१

वोलो १४०

वोहड़ानडी ४८०

वोहड़ा नडी तीजो २२५

वोहरावास (वोहोरावास) ६८, २०५,

३०६, ३५३, ३६८, दो. २८२

वोहोगटी दो. ३०

वोहोगटी—इसर रायपालोत री दो. ३०

वोहोगटी—किसना भांभणोत री

दो. ३०

वोहोगटी रा वास दो. ३२

वोहोगुण री वासणी ७४, ४६६, ५०८,

५५०, ५५६

वोहोडा नडी ७६

वौ

वौलवी २००

व्र

व्रह्मी २२०

व्रह्मी सीघा वासणी ३७४

व्रह्मपुर पाटण दो. २५३

व्रा

व्रामूपुरी ५४४

व्री

व्रीमावासणी २०६

व्रीहानपुर (व्रीहनपुर) १०७, १०८,

१०६, ११०, १११

व्रह्मापुरी ४६८

भं

भवरी २०२, २७७

भंवराणी १३७, ३७७, ३७८

दो २७६, २८०

भ

भईयो दो. ६२

भईयो खुरद दो १७८

भईयो बडों दो. १००, १७७

भगतां वासणी २२१

भगया दो २२३

भगवा दो. २२७
 भडौच १४६
 भटकोहरीयो ३४६
 भटनडै रा वास ४०६
 भटेरो ४६
 भणीयो ३७४
 भदाणी १३०
 भदोणो ११०
 भदोरी ३८२
 भरहड़ दो. २२३

भरहावास ४०४, ४१४
 भलडा री वाडो २६०, ३७८
 दो. २७८
 भवरड़ा री वास २३६
 भवाद ३४७
 भवाल दो. १२१
 भवाली दो. १०६
 भवि १०३

भां

भांडवलाव २०२
 भांडवली २७४
 भांडवी २७१
 भांडाव री वास ३०५
 भांडीयावास दो. २३१, २८३
 भांडुवास २६६
 भांडु री वास ३१८
 भांडेवी १६८
 भांणीयो ३७५, ४०४, ४०६,
 ४१३, ४५८
 भांनावास दो. १३८
 भांना री वास दो. १०७
 भांना री पानी ३२२

भाना री वाडो २०३, २६१, ३७६
 दो. २७८
 भाभीतलाई ३५८
 भांभेलाई १६८
 भांवडा ४६
 भांवली चारणोरी दो. १६८

भा

भाखरवास ५०३, ५२४
 भाखर वासणी ७४, २०७, ५०७, ५४७
 भाखरी १५६, २०३, २८३ दो. ३५,
 ३५०
 भाखरी हरसोर री दो. १०४
 भागवा दो. २८०
 भागवी दो. २६०, २८४
 भागावसणी २५३
 भागिसर ६३, ३७५, ४०५, ४०६, ४११,
 ४२१, ४३६
 भाचरणो २६०
 भाचराणो २०३
 भाट री वास २३६
 भाटां ३२६
 भाटा री खुरद ३२७
 भाटी गोपालदास री वास ४०६
 भाटीया री वासणी २०६
 भाटीवास २२८
 भाटेलाई खुरद ३०१
 भाटेलाई वड़ी ३०४
 भाटेलाव ४५७
 भाटो ३५५, ३७१ दो. २७६
 भाडली दो. १६३
 भादल ३८१
 भादली ३८१
 भादवो दो. १०३
 भादावस खारलां री २०५

भादावासीयो २०५

भादु दो ४०

भादुकुवो दो २८२

भादुवसणी दो. ६२

भादुवसी दो. १५८

भादेडी ४३६

भाद्रवो दो. ३२०

भाद्रसा ५४६

भाद्राजण (भादराजण) ३८, ४५, ६७,

६८, ६९, ७९, ८७, १३८, १४५,

१५४, १६४, १६८, १६९, १६०,

१६२, १६३, १६४, १६५, १६६,

२००, २ २, २०४, २७३, २८४,

३७६ दो. २१८, २४१, २६४

भाभुवासणी ३३०

भाभेलाई २६३, २७५

भायल लावी १६८

भारमल रो वास २६७

भारमलसर १२१, १२२ दो. ८

भालसरीयो ३२६

भालु ३०६

भालु जैता री वास ३१०

भालेलाव २६४

भाल्हीयौ ८२

भावी ४०, १३६, २४४ दो. ३४, ४३

भावी-लटण ११३

भावीवास १६६

भि

भिडखाली २१४

भीगोडी ५५७

भीडर २८२

भीवड़ीया ३२८

भीवरलाई ३५५, ३७०

भीव रो गुडो दो. २२६

भीव रो गोडो दो. २६३

भीवा दो. ३२६

भीवा भोजा दो. ३१७

भीवालीयौ ३७५, ३७६, ४०५, ४१२,
४४१

भीवासर दो. ११, १२, १६, १६, २८

भीवासीयो ६२

भी

भीखोला ३७६

भीचरडी ५०६

भीचराडी ५४१

भीछालो ३०१

भीडाय २३५

भीणाय ४४

भीदाकुवो दो. २३१, २८७

भीदाकुवो-कीटणोद रो वास दो. २७०

भीनमाल ११६, ११७, १३७

भीमलीयो दो. ६१

भीरडाकोट ३५६, ३६६

भीरडा री वास ३४८

भीलमाल १५

भीला वास दो. ११३, १५२

भीवरडी पहली वीरसल री वासणी २०७

भुं

भुंकी ३५४

भुंगरी ३१६

भुडु खुरद २३३

भुडु बडोवास २३३

भुंहु री वास ३०४

भुडुवास २३३

भुडेल ३८२

मुंमादडी २६६

भु

मुका ३७१

भुगडां री वास ३१७

भुडहड दो. २८१

भुजनगर ५

भुडांणी २४६

भुलीयाणी दो. ३५१

भुलीयाणी दो. ३१६, ३२४, ३४२,

३४४, ३४५, ३४६, ३४७

भुतवो दो. १८०

भुती दो. २२३, २२५, २३८, २४१,
२८२

भुपेलाव ६१

भुमलीयो दो. १२७

भुभदडो ३७५

भुयालो दो. ६६

भुरड दो. २२६, २४०, २४४, २८२

भुरहर दो. २८१

भुरावासणी दो. १३७

भुरीयावासणी २६५, ३७५

भुहरी १४२, २२६

भे

भेसडेचरी १४०

भेसडो दो. ३२०, ३२१, ३५५

भेसडो खुरद दो. २०८

भेसडो वडो दो. २०८

भेमेणी ४१२

भे

भेड ३८०, ३८२ दो १३, ३३

भेड री तलाई १४३

भेटनडो ३७५, ४०५, ४०६, ४१०,

४२३, ४३७, ४७७

भेरीया वासणी दो ११८

भेलावस २१६

भेलु ३८१ दो. ७, ६, २५, ३३

भेलु नाथूसर ३८१

भेवली ६१, ४०३, ४१०, ४३४

भेवलीयो ८१

भेसलाणी १३२

भै

भैरुवास दो. १५१

भैसांणी ६१, ४०४, ४४६

भैसेर ३३४

भैसेर खुरद ३३४

भैमेरवास ३३५

भै

भैरुदा ३५

भैसापो ५५४

भैसावी ५५७

भो

भोऊडा ३८२

भोजक रीतलाव १४०

भोजग री वास ३२०

भोजहरो ३६३, ३६६

भोजाकोहर ३१४, ३८१ दो. ३२

भोजावाद ५६

भोजावास २८५, ३२७, ३८१, ४०४,

४१४, ४५३

भोजासर ३८० दो. ११, १८, ३३

भोपतवास दो. १२

भोपी री सरह दो ३१८, ३६६ ३५६

भोरडी ३७५, ४११
भोरडो ४०४
भोरुंदा १२८, १३६ दो. १०४
भोवादि २१६
भोवाली दो. ४०

मं

मंगला दो. २२८
मंगलो दो २२५
मंगलीयावास दो. ६६
मंगरीयो ३८२
मन्चाल १०३
मंडलावस ४७४
मंडापडो १०३
मंडायाही ३३३
मंडाव २६
मंडोवर १, २, ३, ४, ५, २२, २३, २४,
२५, २६, २७, ३१, ३२, ३४, ३५, ३६,
५६, ६४, ६८, ३८५, ३८६, ३८७,
३८८, ३८९ दो १, ५१, ५८
मंडली २६५, ३४२, ३८०
मढलीखुरद ४०४
मंडली बडी १६८
मढली बीका री २०२, २६४, ३७४
मंडलो ३७६, ४१२, दो. ३२१, ३५७
मंडलो खुरद ४४४
मढलो वडो ४०३, ४११, ४४०
मढो दो. ४६, ४७
मढीयो २६५, ३१४

म

मकड़ाणो १५७
मकल री ढांणी २६८
मगेरीयो ३४५

मजल २०३, २८७, ३७६ दो. २७८,
२८१
मघावलो दो ३५०
मडावरो दो. ६२
मडोवरो दो. १०५
मणोहरै १३७
मतोडो १६७, ३३२ दो ३३
मथाणीयो ४०, २३६, दो. २०८
मथुरा १७०
मदनसोर ११०
मदा दवे री वासणी २४३
मदारीयो ४४
मदासर दो. ३२०, ३२१
मदीयांन दो. १७७
मनाणो दो २७०
मनावडो दो. ६६
ममुराबाद १५२
मराजर ४०७
मलसा बावडी ४०३, ४१२, ४४५
मलाणी ४२
मलार २५०
मलारणा १२६
मलारणा दो. ६६
मलारणो १२७
मलावस ४३७
मसजरौ भाखर रो ४१६
मसूदा ११२
महांगडो दो. २४८
महडासी ४०४
महरावस ४५४
महलणी ५३४
महीलावाई खुरद २८६
महेडावाम् दो १२४
महेवारी दो २६८

महेमदावाद १४६
 महारावण की वास ३०६
 महेलडा दो. २२३
 महेलड़ी दो. २२६, २६५, २८५
 महेलवो ७४, २२६
 महेलाणो ३४६, ३५०
 महेलाण ४०४, ४५४
 महेली ६६ दो. २२३, २२६, २८३
 महेव ४०४, ४०६, ४१२, ४५७, ४७५
 दो. ३५
 महेवडो ४०६, ४२१, ४७६, दो ४०,
 १६७, १७०
 महेवरीये दो २४४
 महेवा (महेवो) १५, १६, १८, २१, ५४,
 ६३, १४५, १५४, १६४, १६६,
 २०४, ३५३, ३५७, ३६२, ३६८,
 ३७४, दो २१५ २४६, २४७,
 २५३, २६३, २६६, २७६, २८१,
 ३२०, ३४४
 महेसपुरी ३३६, ३४०
 महेस की बाड़ी २८६
 महेसीयो ५०४, ५२६
 महंकर ६५, ६७
 महंकर की वास-रोहाडा की दो २७२
 महंकरना ३५७, दो. २८४
 महंकरना-रोहाडा की दो. २३०
 महंणीयो ३०८

मां

मांझ्याली ५०५, ५३४
 मांगल दो. २१७
 मांगला दो २६२
 मांगलीयावाग दो. १४३, १५२
 मांगली दो २२१, २३४, २८१, २८२
 मांगीदा दो ६७५

मांगीयो दो. २७४
 माभी दो. ६६
 मांभेवलो ५५३
 माडणासर ८४
 माडणो ३६४
 मांडपुरी ३८२
 मांडरी दो ७३
 मांडलप दो २५७
 माडल जोधा दो. १६०
 मांडल देवां दो. १८६
 मांडलावास ४०५, ४२०
 मांडव २८. ३०, ४०, ६७, १७६, ३८७
 दो ४२ ४४
 मांडवा १०६
 मांडव १०७, ११५
 मांडवो दो. ३४७, ३५१
 मांडवो-नरवद जोगाडत की वास दो. ३४७
 मांडवो-राठोड सरजन की वास दो. ३४७
 मांडहार्ड २१२
 मांडाली ३७०
 मांडावास ३६०, ३७० दो. २८२
 मांडी दो ६६
 मांडीयो दो. ३१६
 मांडगढ १८
 मांडलो दो. ३१७
 मांडा दुधवर ४६४
 मांडो ४०६, ४१०, ४३०
 माणपुरी देरांसगीयां की ४१७
 मांमुरावाद १४६
 मांहगई दो २७६
 मांहणी दो. २८२, २६०, २८४
 मांहणी दो. २२७

मा

मांऊटे ३६६

माडपुरीयाँ ३३८, ३८२, ४०४, ४०६,
४१३, ४५१ दो १४७
माडापड़ा दो. २७६
माडापड़ी दो. २४६
माडापुरो दो. २८२
माडापो दो. २२६
माडावरी दो. २०५
माडाहाई २३६
माणकपुर ३८२
माणकलाव २१२, २३५
माणकीयावास दो ६२
माणकीयावास बड़ी दो. २०७, २०६
माणवो दो. १०३, १०४
माणेवा २२६
माणेवडी १६६, ३२८
मादडी २६६, ३७६
मादलीयो ३७३ दो. ३६, १०१
मादसीयाँ २४८
मानपुरा (मानपुरो) ३४०, ५०५, ५३०,
५३६, ५५२, ५५४
मानसिध री वासणी ४०४, ४१३
मामावास ४०४, ४१३, ४५१
मामुरावाद १४८
मालको ४२१ ४७४
मालकोट ६०, ६१, ११४, दो ६३, ६४,
७२, ७३
मालकोसर्णी २५६, ३७५
मालगढ ४५, ६५, ११३, ११४, २८३,
३७७ दो ६१
मालगो ३२६
मालणा ७५
मालपुरीयाँ ३७३, ३७४, ४०७, ४५०,
४८२, ४६०, ४६१, ५०३, ५२२,
५५६
मालपुरीयो (प्रोहता री) ४६३

मालपुरा ४३, ६५, ३६०
मालपुरो प्रोहता री ४१७
मालावस २४८, ४०६
मालवी ३६६
मालासरीयो १६७
माली ३८१
माल्हणी ५०५
माल्हको ४०५
माहगडो दो. २२३, २२६, २८३
माहरोठ १५७
माहल वावडी २८२
माहव दो. ३१७, ३५७
माहवा दो. ३२६
माहवारी दो. २८५, २८८
माहवारी—पाचलोर दो. २३०
माहाजन १६
माटावा दो. ३३६, ३४०
माटीढढ छुरद दो. १५६
माटीढढ वडी दो. १५६

मी

मीठडीयो दो. ११, ६६, २०६,
३१६, ३४३
मीठडो ३६४, ३६६ दो. २२२, २५३
मीठवालीयो दो, १०३
मीठीयो दो. २२
मीठीयो (मीठडयो) दो १८२
मीठोडा दो २७६
मीठोडो दो २२७, २८३
मीठो डाहीभर ३५५, ३६८
मीठोली ३४६
मीणीयारी ३७७

मुं

मुंगलो २६६
मुडावाय २७३

मुता रूपसी की वासणी ३६३
मुहता मानसिध की वासणी ४५५

मु

मुसेरी दो. ११
मुगदडो दो. १३१
मुगल की सराय १३६
मुगलो १६८
मुड़ीयारडो २००
मुजासर दो. ११, १८, २१
मुटालीयो ४१०
मुठली दो. २२३, २५७, २७६, २८४
मुडलोई दो. ३३
मुडाडो ६७, ७०
मुडावाई २०२
मुडेली दो. ३३
मुडेलोई मागलीया की ३८०
मुडली वामण पलीवाला की वास
दो. ३३५
मुडली सोहडा की वास दो. ३३४
मुरकावसणी २५३, ३७३, ५५६
मुरडाहो ७४, ४०५, ४१२, ५०३, ५५६
मुरटीयो २०२, २७४
मुरडाहा ४७५
मुरडावो ४४५
मुरडाहो ५२५
मुरहाडी ३७३
मुराडे दो. २६६
मुरीयारटी २५७
मुनटी १४१
मुनतान २६, १३४
मुनांरुरीयो ६२
मुनीयावाम २६६, ४०८, ४१८, ४८८,
४६०
मुनेव २८३, ३७६, ३७८

मुनेव माथा की ३७७
मुसतावाद १३२
मुहमजु १३४
मुहाडीयो दो. १८६
मुहालीयो ४०३, ४२५
मुहीम १४७, १५२, १५५

मे

मेडली १६८
मेघाढेढ दो. ११८
मेघलावास २६६
मेघलावास खेडर ३४०
मेघावास ३०२
मेडता ३५, ३७, ३८, ३९, ४०, ४३,
४५, ५६, ६०, ६५, ६६, ६७,
१०१, १०६, १०८, १०९, ११२,
११३, ११४, १२४, १२५, १२७,
१२८, १३१, १३२, १३३, १३६,
१३८, १४६, १५१, १५५, १५६,
१५७, १५८, १६३, ३७२, ३६४,
५५५
दो. ६, ३५, ३७, ३८, ३९, ४३,
४४, ४५, ४६, ४७, ४८, ४९, ५०
५१, ५२, ५४, ५५, ५६, ५७, ५८,
६०, ६१, ६३, ६४, ६६, ६७, ६८,
६९, ७०, ७२, ७३, ७४, ७५, ७६
७७, ७८, ८३, ८६, ८८, ८९, ९३,
९४, ९८, १०६, ११४, ११५, ११६,
११७, ११८, ११९, १२०, १२२,
१२३, १२४, १२७, १३३, १३५,
१३७, १३८, १४१, १५२, १६३,
१६६, १६७, १६८, १७५, १७६,
२११, २१३, २२६
मेडता की कोटदी ४५
मेरठ ११४

मेरवाड़ी १४८, १५२
मेरी ३७७
मेरी वास दो २२४
मेरीयावास दो १४७
मेरो वावड़ी ५४३
मेलावास ४०३, ४११, ४३८
मेवरो ३४४
मेहकर ६२, १०५
मेहकरना ३७०
मेहडासी ४४५
मेहडाणो दो १६०
मेहरीयावास दो १८६
मेहली दो २४४
मेहाकोहर दो. ११, २६, ३३, ३४
मेहाकोहर कसवै री दो ११
मेहावसणी २२०

मो

मोरुदा दो १०६
मोकलनडी ४७६ दो २२३, २२५, २४१,
२८३
मोकलवासणी ४५४
मोकलावस २१०
मोकलावासणी ६१, ४१२ दो ३५
मोकलावेरो दो २८५
मोकलीया बेरो दो. २२६, २६३, २६४
मोकाले दो. ४०, ११०, ११२, ११३,
११४, २१३
मोकालो दो ७४, ७८, ७९, ८८
मोकालो वास दो. १३०
मोखेरी दो १६
मोखी दो २६
मोगडो २०१, २२३
मोगडो खुरद २४१
मोगावास दो. ११३, १६८

मोजावाद १३६ दो. ५७
मोटुवास दो. ६८, १४६
मोटेही दो. ११, १६
मोढडा दो. २७६
मोडरडी ३६६
मोडरा दो. १०८ १७३
मोडरीयो ३७, ५०५, ५३५, दो १०८,
१७६
मोडरै ३७ दो १०८, १०६
मोडरो ७४, ५०३ दो. ४१, ७८, ८०,
८१, ८३, ११४, १६६, २१३,
२२६, २६५, २८५
मोडरो गोडा री दो. १७४
मोडी ७७ दो. २२२, २२७, २५२, २८३,
मोडी खुरद २३७
मोडी चारणा री-चौरासी री दो. १०३
मोडी बड़ी २३७
मोडी वामण री दो ३४
मोडी मेटनडो ३७४
मोडी वीका दो १०३, १८३
मोडीयली खुटीयली २६७
मोढो ४०३
मोतां री वासणी ३६५
मोतीपुरा २८०
मोतीसरी २८७
मोतीसरी चारणा री ३७८
मोतीसरी ३७६ दो २२१, २२५, २३६,
२७८, २७९, २८२
मोदवो दो. ११
मोरडी ३७४
मोरटहुकी ३७४, ३७५, ४०८, ४१७,
४८४, ४६२
मोरढंड २७१
मोरना बड़ी ३४२
मोरवी ५५०

मोरवी खुरद ४६८, ५०७, ५४४
 मोरवी बडी ४६८, ५०७, ५४४
 मोरीया वास ३७२ दो १०१
 मोरेवी ५४४
 मोलावास दो. ११७
 मोहयल १७५
 मोहणपुरी १६८
 मोहलवास दो १२६
 मोहलावास ३७ दो ११०
 मोहलां री वासणी ३४०
 मोहलो १०७
 मोहालीया ४१२
 मोहेडा ८२
 मोहोला १४४
 मोरड़वी ३६४

म्हे

म्हेरामणी दो. ६१
 म्हेङ्ग खीदा री वास दो ३५२
 म्हेङ्ग जीवण री वास दो. ३५१

रं

रङ्गवाल ५५६
 रतु ३६६
 रमलावास दो. १४१

र

रहकुली २१६
 रहोद ३५१, ३५२, ३८२
 रजणी ६५
 रजनाणी ३५०, ३७२, ३८२
 रदुग्गान रां तगो दो ४०
 रदुग्गान ३३८
 रतकूडीयो ८१, २४६, ३७२, दो. १०१,

१५१

रतनकुडीयो ३३८
 रतनपुरो १०५, ५०३, ५२०, ५२३
 रतना री पानी ३२२
 रतना री वास ३०६
 रतनावास दो. १०६, १८५
 रतनावासणी ३३८
 रतनू भारमल री वास दो. ३५३
 रतनू रूपसी री वास दो. ३५२
 रतलाम ६३, ६४, १२६
 रताकरा दो. ४०
 रता री तलाव दो ३३ -
 रता री तलाव मांगलीयां री ३८०
 रनीया कुवा ४१६
 रनीयो ३३०
 रवारीयां री वास २२७
 रवारी वासणी ५०७
 रयडा री वास ४०८
 रयेडा री वास ४०८
 रलावमे २४२
 रलीआवतो चारणां री दो. १०५
 रलीयाई तो दो १७०
 रलीयावतो खुरद दो. १११, १६७
 रवणीयी दो. २२५
 रसाड ४०७, ४१५, ४६६
 रसीद २०८
 रनीदो १६६
 रहचाडो १०३
 रहाणो २०२
 रहांमो २०२
 रहेलखो (रहलखो) ७४, ५३२, ५३४
 रहैनडी (रहानडी) ८१, २०३, २८८,
 ४१७, ४८५
 रं
 रांगणो ४०४, ४१३, ४६३

रागपुर ५०२

रांमदेरे १६१ दो. ३३६

रामदेहूरो दो. २६१, २६३, ३२३, ३४६,
३५०

रा

राकसी दो. २२५, २७८

राखडायथो ७५

राखसी दो २२२, २३५, २८२

राखाणो २७८, २८१

राघेलाव ४२८

राघोडो ४१५

राजगीयावास ८२, ३७४, ४०८, ४१४,
४१७

राजगीयावास' खुरद ४०४, ४६४

राजागीयावास बड़ी ४८६, ४६१

राजपीपले ७७, ८६

राजपुर (राजपुरा, राजपुरो) ४४, ४५,
२२६, ३१७, ५१६

राजपुरो गुढा रौ १६७

राजलवो ६१

राजलवो तेजा ४०३, ४४१

राजलवो बड़ी ४०५, ४४३

राजलवो बडो चौपडो ४११

राजलोतो दो १०५

राजवो (राजवा, राजवै) २६६, २६८,
२६९, ३०१

राजा ढंढ ५२०

राजाढढी ५०३

राजावसणी २३८

राजोद दो. १००, १५५

राजो रौ ६५

राजोरीया ४६७

राठोड़ जसा रौ वास ४०६

राढीयो ३८० दो. ६, १०, २५, ३३

राणासर ३७०

राणावास ३३६, ४०३, ४०७, ४१२,
४२१, ४४२, ४७१, ४७४

राणावास रौ खेडो ४१६

राणीवाल ५०१, ५१७

राणीवाला ७५

राणीसर ६८ दो. ८, २४

रातडी २०३

रातडीयो (रातडीया) ७४, ३७६, ३८०,
५०५, ५३३, ५३४, ५५५, दो.
३१६, ३२२, ३४७, ३४८

रातानाडा खेत २३५

राता रौ तलाव दो ११, २४

रादुसी ३७६

राधणपुर ४४

राघा रौ वासणी ४०७, ४१७, ४७६,
४६२

रानीयो ३१७

रावडी २६६

रावडीयाक १३६, ५०१, ५१०, ५४६
दो १०२

रावडीयो २३५

रामलावास दो ११२

रामड़ावास २१८

रामड़ावास खुरद १६६

रामड़ावास बड़ी १६६, २४८

रामचंद रौ वास २५८

रामपुर (रामपुरा, रामपुरो) ७४, ६१,

१५०, २३५, ३५२, ४०५, ४२०,

५०२, ५१६, ५५१ ५५६ दो ६०

१०५, २११

रामपुरो-कालाऊना रौ २५२

रामपुरो रांमासडी रौ २००

रामपुरो-रावासडी री २५२

रामपुरो बिसाईण २२५

रामसरी दो. १७१

रामसरी ढढसरी दो. १४३

रामसेण दो. २२२, २२६, २४६, २७६,
२८२

रामसीयो दो. १०२, १०३

रामसीसर-कोहर ३१७

रामसीसर-नीलवा री वास ३१७

रामा चारणा री वासणी दो. ११६

रामावट ७६, २३४

रामावास ७३, ७४, २६६ ५३८

रामावास खुरद ५०३, ५२१

रामावास बड़ी ७४, ५०२

रामा री वासणी ४०८, ४८७, ४६२
दो १११

रामावासणी ८२, ६२, ३६३, ३६५,
४०३, ४१०, ४१७, ४२६, ५०७

राय कोहरीयो ३४४

रायथल दो. २७६, २८०

रायघनपुर ४३

रायपुर ४५, ४७३, ५०६, ५०७, ५१७,
५३, ५३४, ५३५, ५४१, ५४५

रायमल बाडो ३३०

रायमल री वासणी ४०४, ४०६, ४२२,
४४८

रायमल री पानी ३२२

रायरी ४१५, ५५६

रायरी खुरद ४०७, ४६७

रायरी बड़ी ४१४, ४६१

रायसलवास ४६ दो. ४०, ६२, १४१, २०३

रायसल री वासणी ४१२

रायसल दो ५०

रावणसरी पलासलो ३३३

रावणा दो ४०

रावणीयो दो. २४२, २७६, २८२

रावणीयाणी २४७

रावर ६१

रावर हासलवडो ३७५

रावलवास २६७ दो १८२

रावलवो जैत री ४११

रावली अल ६१

रावसीसर ३१७

रावासडी २४४, ३७५

रावीर २५६

रास ५०२, ५०६, ५०७, ५१८, ५२५,
५३०, ५३७, ५३८ दो. १०२

रासाणीयो ८२

रासेलाव दो. २६०, २८४

रासेलाव-कालाणां री दो. २२८

राहड री सरेह दो ३२०, ३२१

राहड री गांव दो. ३१७, ३५७

राहड री वास दो. ३३५

राहड (राहेण, रेहण) २७३

दो. ४०, ४७, ४८, ६१, ७३, ७८,
८०, ८१, ८३, ८७, १०८, १०६,
११०, १११, ११२, ११३, ११४,
११८, १५३, २१३, २८१

राहयो दो. ३७७

राहामी २७५

राहीण दो. ६४

राहेयो दो. ३१८

रि

रिडकली १६५

रिडमलसर ३३१, दो ३३

रिछमाली दो. १०३

रिण दो. ३६

रिणथंभोर (रणथंभोर, रीणथंभोर) ६६,
१११, २६८, १२७, २६८ दो. ५४,
६६, २६८
रिणसी दो. १०१
रिणसी गांव २४४, ३७२
रिणीसर (रीणीसर) दो. ११, २०

री

रीछमासी दो. १०५
रीछोली (रीछोली) दो. २३१, २७४,
२७५, २८३, २८८
रीणधीर रो पांनौ ३२२
रीछड़ी ४१४
रीयां दो. ६८, ११२
रीसाणीयो ४०३, ४११

रु

रुणकीयो २५१
रुदीयो ४१२
रुलीयो ४१६

रू

रूडाथल ३३६
रूणलो ८२
रूपसर दो. ६
रूपाराम ५३४
रूपा री तलाई १३६
रूपा री नाग ल १३२
रूपावास (रूपावस) ४०७, ४१७, ४१६,
४७६, ४७८, ४८८, ४९१
दो. २८२

रे

रेपडावास ४१७, ४१८, ४८५

रेपडावास खुरद ४८५, ४६०
रेपडावास तीजौ ४८५, ४६२
रेपडावास वडौ ४८५, ४६०
रेया (रैया) दो. ४०, ५२, ५३, ५४,
७४, ७८, ८१, ८३, ८७, ११०,
१११, ११२, १६६, २१३, २४४

रेयां कोटड़ी ४५

रेयां खुरद दो. १४६

रेया तीजौ दो. १५१

रेवड़ा २८१, २८२

रेवड़ी ४०४, ४६२

रेवड़ीया दो. १४८

रेवंत दो १६१

रेवाड़ी १२६, १२६, १३१, १३४, १४७

रेवासी ४४

रेहनडी (रैहनडी) ४०८, ४६१

रेहडलो गिररी री ५०५

रै

रैवारियां री ढांणी ५५१

रैवारीयां री वासणी ४०५, ४१६, ४७२,

५३८, दो. ११६, १६२

री

रीईचो २०३

रोहड़ा दो २३१

रोहड़ा-आसीया री दो. २८३

रोहड़ा-महीयां री वास दो. २८३

रोहड़ा री वास दो. २७३

रोहड़ावास दो २८८

रोहड़ा-सढायचा री दो. २८३

रोहड़ी री वास दो. २८७

रोहड़ीया री वास दो. २८८

रोहड़ीयो दो. २८७

रोहडे दो. २५७, २५८, २७६
 रोहडो मेकरण री वास दो. २८८
 रोजा री वासणी ७४
 रोहट १४५
 रोढवा १६८
 रोढवा का वास ३०१
 रोढवी ३००
 रोहणयी ३३१
 रोहणवो ३८०
 रोहतक १२८, १२९, १३०, १४७,
 १५२, १५६
 रोहल दो. ६८, ६९, १४९, १५०
 रोहल केसो दो. १००
 रोहलो छुरद २११
 रोहलो वडो २१०
 रोहाडी—बारेटा री दो. २८५
 रोहीचो जाटां री २६०
 रोहीठ (रोहठ) १५४, १६४, १६५,
 १६८, १६९, १८६, १९१, १९२,
 १९३, १९८, २०१, २०४, २६६
 रोहीणवो ३८१
 रोहीयो दो ४०, ३३८
 रोहीसडो दो १०४, १९५
 रोहीसो दो ७४, १२१, २११
 रोहीचो पटेलां री २८८

ल

लखमणी ११०
 लखमणीयावास दो. १२६
 लखा री वास २३५
 लटीयाल दो ४१
 ललाणो दो १८४, २२६, २८३
 ललाणो वडो दो १०३, १८०
 लवादर दो ३५, १०५, १८७
 लवेरो (लवेरा, लवेरै) ७७, ७८, ६०,

६४, १६४, १६५, १६६. १८६,
 १९०, १९१, १९३, १९४, १९५,
 १९७, १९९, २०४, ३४१
 लवेरो-खीचीयां री वास ३४१
 लवेरो-गागावासणी ३४१
 लवेरो-जाटां री ३४१
 लवेरो-घरमावासणी ३४१
 लवेरो-धाघला री ३४१
 लवेरो-लहुवा री वास ३४१
 लहरीहण हेडो ४१७

लां

लाखीया ६०
 लांगोड़ दो १९४
 लापोलाई १११, १३६ दो ४१, १६८
 लाबडो २०२ २७६, ४१५
 लावा २६० दो १४८
 लावी ३७६
 लावीया २००, ५४६, ५५१ दो. ४०,
 १०२, १२०, १२५, १२७
 लावो ६१, १९६, २४५ दो. ६१
 लावो जाटा री दो. १४६
 लावोडी ४६६

ला

लाखणकोहर १३६, ३१४, ३८१
 लाखण छुंभ २६२
 लाखावासणी ४६६, ५५१
 लाखुवास ५३८
 लाखोडी सेहल ४०६
 लाछा री वासणी २४३
 लाटणहेडो ४०८
 लाटावासणी ७४
 लाठी १३६ दो. ३२०, ३२१

लाडण ३६, ११०, १३०
 लाडपुरा (लाडपुर, लाडपुरो) ४१४,
 ४६१, ४७५ दो. १०५, २०२, २१०
 लाडवो दो. १२१
 लाणुवास ५०६
 लातरयो ५५५
 लातरीयो ७५
 लापुनडो ३६६
 लापुवास ५३८
 लालकी १६८, २७०
 लालपुरो ४०४, ५०५, ५५३
 लालणा दो. २६३
 लालणो दो. २२३
 लालव ४०७
 लालसोट १३६ दो. ५४
 लालाणो दो. २४३, २८१
 लालीयां ३७६ दो. २४०, २७८, २८१,
 २८२
 लालीयो दो. २२३, २२५
 लाहण हेडा ४५८, ४८८
 लाहणहेडो ४४६, ४६१
 लाहावासणी ५०३, ५२४
 लाही दो १४२
 लाहीणहेडा ४१८
 लाहोर २०, ७७, १०२, १२४, १२५,
 १३४, ४६६ दो. ७६, २६७
 लातरयो ५२४ दो १०२

लुं

लु गीयो (लुंगीयो) दो. ६२, २१२
 लुंमडावास ७५, ५०३, ५२५
 लुभा री वास २३६
 लुभासर दो. ११, २२
 लुभासरीयो ३२४, ३३२

लु

लुगादेवत री वास २०७
 लुगेयो दो. १११
 लुढावास ४०, ३६५, ४०७, ४१६, ४७६,
 ४७८, ४६०
 लुणसडी (लूणसडो) ३५८, ३६६
 लुणावास ३८, २२५, २६२, २६७, ३३७
 दो. १०५
 लुणावास करनोतां री २२६
 लुणावास घाघाणी री २१६
 लुणावास तीजी २४३
 लुणावास वडो १६७
 लुणीयावास दो. १३२, १३४, १४१
 लुणो दो. २२
 लुदरडो (लुईवा) ३८३ दो. २५६
 लुद्रवी १
 लुद्रडो दो २२२
 लुद्रा दो. २७६
 लुद्राडो दो. २२७, २८३
 लुलकोट ७५
 लुहारी ३५२

लू

लूणकरण री वासणी दो. ११२, २१२,
 ३६५
 लूणसर ३६४
 लूणा दो ११
 लूणी ६६, ३१५, ४५६, ४८४
 लूणीया दो. २६५
 लूणीयाणो दो. २६३
 लूणो दो. ३१६, ३२१, ३४०

ले

लेच ३५६, ३६६

लेयाणो ११८
लेलावासणी २६३
लेसवो दो. १०५

लो

लोटाधरी (लोटाधरी) ७५, ३७३, ५०२,
५१३, ५४६, ५५१, ५५६

लोयाणो ११८
लोरडी २००, ३२४
लोरडी खुरद ३०३
लोरडी बडी १६८
लोलटा १४२, ३१३
लोलटा-देवडा री ३१४
लोलटा-पीथा री ३१४
लोमटां री वाम ३१५
लोला रो वास ३०६
लोलावास ८२, ३३६ ४८८ दो २३१,
२७०, २८५, २८७

लोलावास खुरद ४०४, ४१३, ४५२
लोलावास बडी ४०५ ४०६, ४५६
लोलावास सलैदी री ४१३
लोहडी ३७१
लोहडोयाह दो ४०
लोहचो ५०५, ५३४
लोहणहेडो ४८४
लोहरडी (लोटाधरी) ६०, २१६, २६८,
३६१
लोहरडी वास ३०१
लोहरी धरती ३१३
लोहवा १४२, दो. ३३६, ३५७
लोहवा-आसायचों रो वास दो. ३३०
लोहवा-देडीयां रो वास दो. ३३०
लोहामाली (लोहमाली) ७३, ५०४,
५३०

लोहामौ दो. ३१६, ३१७
लोहारी २४६, ३७२, दो. १०१
लोहावट (लोहीयावट) ८०, ८३, ३८१
दो ६, ११, १३, ३१

लोहीड ३७०
लोहीयाण ११६
लोहीयाण री तलेहटी ११७
लोहीयावास दो. ५०

व

वणाडो दो. ३२०
वभौर २६४
वसवाल दो. ६०

व

वगड दो. ६१, १६७
वधीयाहेडो ५०१
वड री वासणी ४६२
वडली दो ३१७
वडो दो १४६
वजनी वासणी ४६८
वड री वासणी ३६५
वडली री वास दो. ३१८
वडलु री वास १६६
वडां खुरद २५४
वडाली दो. ४०
वडी ४०३, ४१२
वडीयालो ४०८, ४७८
वडीयालो प्रोहतां री दो. ३५
वडी रा वास २५८
वडीवारा दो. ४०
वडेरण गांव १६
वडोली दो. १७०
वणासर दो १८

वणीया १३६ दो. ३१७
 वणीयामाल ४१५
 वणीयामाली सोहल ४०६
 वणीयावास ४१४
 वघनोर (वघनोर) ४४, ६०, ६८, ६९,
 ७७, ११२, १२८, १३१, १३२,
 १३४, ५५३. ५५७
 वरजांगसर (वरजांगसर) दो ११, १८
 वरडाणो दो ३२०, ३५७
 वरडाणो खालतां री दो. ३३८
 वरणाऊ ३८० दो. ११
 वरणेल १५३
 वरणो ४०३, ४०६, ४३३, ५५६
 वरमाकड़ ५४२
 वरवा १३७, २०२, २७४
 वरसघ रो वास दो. २८४
 वरसलपुर ८६, ८८
 वरांटो खुरद ७४
 वराटीया बड़ी ७३
 वरीयो ३७१
 वलदु १३०
 वलहीयो दो. ३५६
 वलीबडी ५०६
 वसी २८७
 वसीयावास खुरद ५४०
 वसीयावास बड़ी ५४०
 वहणीवाल १५५

वां

वांकेनेर दो. ३२७
 वाकली २८१
 वांकावास दो १२४
 वांकुली २०२, २५१
 वाणाडो ३६६
 वाणावास ४०५

वांदु नरहर रा खेत दो. ३३
 वांसा ११४, १२०

वा

वाअेतम ३६६
 वाकीवाही ३००
 वाखलवस दो. ६२
 वागड़ीयो १६८
 वागड़ीयो नीवली ऊहड़ां री ३७४
 वागोर ३८७
 वाघरै १३७
 वाघल ६०
 वाघलय दो. २८२
 वाघार १०३
 वाघावतों रा वास ३०५
 वाघावास ६१, २६७, ३००, ३६५,
 ४०४
 वाभुंदो २७८
 वाघोड़ी ३६६
 वाघोरीयो २५२
 वाडीयो ४३७
 वाडावास २४६
 वाणण २०२
 वातो ४१०
 वातो नैवाडीयो ४३७
 वानरसर ३६४, ३६६
 वानरां री वास ३२०
 वानसी दो १०२, १२५
 वापारी (वापरी) ४०३, ४१०, ४३२
 वाबड़ी प्रोहत री दो. ३३
 वाय ८५, दो. २७६, २८३
 वारणाऊ ३८१ दो. ३३
 वाराथल ३८२
 वालवारो १४८

वालसीसर ३०५
 वालसीसर री वास गोगादेवा री ३१०
 वालाउ २६४
 वालु खुरद ५४२
 वालुवास ५४६
 वालूवाडी ५४०
 वालेर दो. २८०
 वालेरा (पालेरा) दो. २८०
 वालेलाव २६४
 वालै १३७, १३८
 वालो २७२, २७५
 वाल्हणवास ४६८
 वाल्हरवा १४३
 वावडी ८५
 वावडी बड़ी वास १६६
 वावललो दो. ६१
 वावलु दो. २८३
 वावद्वि २७५
 वासटकीये ४८७
 वासण दो २८०
 वासणपी दो. २८०
 वासणपी पीर १४०
 वासणी ७७, ३८२
 वासणी भवाडी कान्हा री ३६३, ३६५
 वासणी (राईमल री) ८१
 वासण ४०३
 वासणो ४१०, ४२७
 वासमकापा दो. ६१
 वासर १४६
 वासलपुर ४८
 वासीओ ५५६
 वाहड़सौ ४१०
 वाहतखड ४४
 वाहल दो. १०३, १०४, १०५
 वाहलौ दो. ३२१

वि

विषइकुवी ३३४
 विजैनगरी दो. १
 विरलोखी ३२५
 विरोल ५२१

वीं

बीजावस ३७०
 बीजै री तलाव दो ३४
 बीभपै दो. २८१
 बीभवाडीयी २५७
 बीभा २७५
 बीभीयावसणी २५७
 बीठोरा ४७३
 बीठोरा बड़ो ४७२

बी

बीकड़ावास ३३८
 बीकमपुर दो ३२०
 बीकरलाई ५०३, ५०७, ५२२, ५२३,
 ५४६, ५५६
 बीकुपुर (बीकुपुर) ८४, ८५, ८६,
 १२१, १२२ दो. ८, २७, ३३
 बीकुंकोहर ८८, ३८१ दो. ३३
 बीकुकोहर रा वास १६६
 बीकु कोहर-कामड़ा री वास ३१२
 बीकुंकोहर-गोपावासणी ३२१
 बीकुंकोहर-जैसिघ री वास ३२१
 बीकुंकोहर-डामड़ी ३२१
 बीकुंकोहर-देवराजा री ३२१
 बीकुंकोहर-पवार री १६६, ३२१
 बीकु कोहर-बड़ोवास ३२०, ३२१
 बीकुंकोहर-मीवा भोजा री ३२१

वीकु कोहर-माधला रौ वास ३२१
वीकु कोहर-बडला रौ ३२१
वीकु कोहर-विसनीयां रौ ३२१
वीकु कोहर-सरमंडीयो ३२१
वीखरणीयो खुरद दो १८८
वीखरणीयो बड़ो दो १०४, १८७
वीगड १४४

वीगडी ३७६
वीछुवास दो १६४
वीजाथन दो. १०५
वीजली २०२
वीजलीया वास ४१७
वीजलीयो दो २८३
वीभावाडीयो २१३
वीभावडीयो ३७३
वीटडीया दो. ३२१
वीठवालीयो ३१८
वीठुल २६६

वीठू २०१ ;

वीठोजो दो. २२१, २२६, २४५, २७६
वीठोरो खुरद ४०४, ४६०
वीठोरो बड़ो ४०३, ४१०, ४२७
वीढावासणी २३७

वीणण २८०
वीदरलाई दो. २७६

वीनाइकीयो २०८

वीनावस खुरद २५२

वीनावस बडो २५०

वीरगा ६५

वीरदास जसहड रौ वास १४१

वीरछवलपुर २०

वीरमदेहूरो दो. ३४६

वीरपुर १४६, १४८, १५१

वीरमगाव १४६, १५१

वीरमपुर नगर ३५३, ३६८

वीरम री वासणी ५४०

वीरम रौ वास २२८

वीरमवासणी ५०६

वीरलो ५०३

वीराणी ३४६

वीरावास ८१, ६०, २४६, ४०४, ४११,
४३५

वीराहमी १६७

वीरोल ५४६

वीलडीयो दो. ३३७

वीलावास ४०३, ४१०

वीलासर ३६५

वीसलनगर १५२

वीसलपुर ४४, ६८, २१६ दो. ४३

वीसालो दो. ३२०

वीसीयावस २४१

वीहाली ३७८, ३७९

वु

वुजड़ो २५५

वुढकीयो ३८०

वुसियाछली २८१

वे

वेजडी १३७

वेरवुवास ३२१

वेगडीयो १६६

वेठवास ३३३

वेदरलाई ३७१ दो. २७६

वेदावडी दो. १४२, १४३, १४४, १४६

वेदावडी खुरद दो. १४५

वेदु ३२३

वेदु-कडवा रौ ३२३

वेदु-कलावतां रौ ३२३

वेदु-जोधां रो ३२३
 वेदु-नीवा रो तलाव ३२३
 वेदु-राणा री वास ३२३
 वेदु-वापीणी ३२३
 वेदु-सावत री ३२३
 वेदु-सुरजन रो वास ३२३
 वेरांणीयी ३८१
 वेरावास खुरद ३४०
 वेराही ३११
 वेसरोली दो. १०२
 वेहगठी दो. ३२१
 वेहणीवाल १५२

वै

वैणावास दो. १३६
 वैरसलपुर ८६

वो

वोढणीयो दो. ३५०
 वोरीमादो ४०७
 वोलमाली ४११

वौ

वौड़वो ४६
 वौल दो ३५

सं

संकर वासणी ३२४
 संखड़ी ३७
 संखवाय ४६
 संखवाली ३७७, ३७८
 संखावास ६१
 संगवणी १४०

संगा दो. १०३
 संझाडो २२२, ३७५
 संथाणो खुरद दो. २०४, २०५
 संथाणो सारगवा रा दो. २११
 संथोड़ो खुरद ३०८
 संथोड़ो वडो ३०७
 सघाणो खुरद दो ११२
 संवरला दो. २२५

स

सखखर ५५५
 सचीआय दो २६७
 सचीयाय ४१५
 सडालो ११०
 सषोघार १२
 सलावतां री वास ३०६
 सलोसण ३७८, ३७९
 सतोसीण ३७६
 सथांणो दो. ६२
 सथलाणो १३७ दो. ४३
 सथलांणो १६६, २२२
 सनरूपा री तलाई १४१
 सनावडो दो. ३२०
 सनेही दुनाई मे २६२
 समोगर १३५
 समदड़ी दो. २२१, २२५, २२६, २३४,
 २६२, २६४, २८१, २८२
 समदडी दो. १२, ३४
 समदडी ईडीयी दो. २७
 समदोलाव खुरद दो. १३५
 समदोलाव वडी दो. १३७
 समसावाद १५७
 समावली ७७, ८६
 समीसरी ३६२

समुजो २०३, २६१
 समुहाडीयो २४८
 समेल ५५५
 समोरवी ५२६
 सर ८५, २००, २२३
 सरगीयो ६१
 सरगीयो बडी २५२
 सरणावाडी दो. १००
 सरणुं दो ६२
 सरनावडो दो ६६
 सरवडी दो. २७१, २८४
 सरवडी-मनाणो दो. २३०
 सरवडी सीघनारी २६३
 सरमहीयो १६७
 सरवण री सरेह दो ३१८
 सरवाड़ दो. ४६, ७०
 सरसो १५२, १५५
 सरेचा २००, २२४
 सलणु ३७०
 सलांणो खुरद दो. १०४
 सलेमावाद ४५, ५४, १३६
 सवडाल १३८
 सवराड़ दो. २६७
 सवालख दो. ३६
 सहलवी खुरद २५३
 सहवाज ४१०
 सहसराम दो ५६
 सहपुरी ४०६
 सहेलडी २८४
 सहेरावाद ३५४, ३५५, ३५६, ३५७,
 ३५८, ३६१, ३६२, २६३, ३६४,
 ३६५, ३६६, ३६७
 सहेसडो दो. ४०
 सहैजा री वासणी दो. १४७
 सहैदरी २०२

सहैदरीयो २७८
 सहैवाज ४०३

सां

साईदास री वास २६७
 साईसर दो. ३३
 साउपुरी ४०३
 सांकडीयो ३७६
 साखडो ६०
 सांखला री वास ३०६
 सांखीडो २६२
 सागरीया २०७
 सागावसणी २२१
 सांगावास ७५, ५०१, ५१२, ५४७
 सांचोर ४३, ६४, १०६, १०७, १२४,
 ३८८ दो. २१८
 सांभावास दो. १५७
 सांभी २०१, २७१
 सांभी याली ३६१, ३७१
 साडवास २६६
 सांडावास दो. ६८
 सांडी २६६
 सांडीयो (साडीया) ६२, ४०३, ४१०,
 ४२२, ४२६, ४७४
 सांडीली १३०
 सांदुडी २६, ३८, ३२७
 सांदुवां री वास २५५
 सांपो ४०५, ४१३, ४६०
 सांबरो ३६६
 साभर ४०, ४३, १२६, १३२ दो. ५४
 ११५, ११६
 सांमसीसर दो ३५३, ३६८
 सांवडाऊ ३८०, ३८१, दो. ६ ११, १५,
 ३३, २६६

सांवणधी दो. १२
 सांवतकुवी ५२
 सांवतकुवो खुरद ३४६
 सांवतकुवी बडौ ३४३
 सांवत री वास १४१
 सांवरलां दो २२३, २३८
 सावराज १४३
 सावरा री वासणी २३५
 सांवलतो खुरद १६८, २६३
 सांवलतो बडौ २०२, ३७५, दो. ३५
 सावलीयावास दो. १०६, १६२
 सांवलीयावास खुरद दो. १६३
 सांसर ३७७

सा

साकडीयो दो. ३२१, ३४८
 साकडो (साकडै) १४१, दो. ३१६.
 ३४०, ३५४
 साकदडो ३७६, ३७७
 साजन गांव १४१
 साडारडो ४०३, ४३५
 साठीको खुरद ३३५
 साठीको बडो ३३५
 साढरी खारीयो ४०४
 साणोसणी दो. २३१
 सातलमेर ४१, ४५, ६३, ७७, ६४,
 १०५, १२४, १४६, १५१, १५४,
 १६४ दो. २, ४०, ६५, २६३,
 २६४, २६७, ३००, ३१२, ३४५,
 ३४६, ३५४, ३५६
 सातलवास ६१ दो. १४४
 सातसेण २४४
 सातोसण दो. २७८, २८७
 सातोसणी दो. २६८, २८४
 सादडी दो २८१
 सादा री वास दो. ३४६

सानेही २६१, ३७७
 सापो ३७५ दो. ३५
 सामोखी ५०४
 सायरवस दो. ६२
 सायेली दो. २२३
 सारंग खानीया री खेडी ४६८
 सारंग री वास २५८
 सारगवास ४०४, ४१४, ४५६, ५०६,
 ५३५ ५४५, दो ११२
 सारंगवासणी दो. ६२, ११७, ११६
 सारंगीयो तीजो २५४
 सारण ४०६, ४१५, ४६५ दो. ६
 सारसड़ दो १५३
 सारोडी पटाऊ दो. २६१
 सासडी ३८१
 सालवडी १६५, २१२
 साल्वो २३०
 साला ४०
 सालावास १३६, १३८, २२४, दो. २६७
 सालेर मालेर १४६
 सालोडी २२, २४, २५
 सावराज ३८१
 सावरीज दो. ११, १५, ३२
 सावरीजी दो ३२१
 सावरेज दो ३२
 सात्तरदंद २८३
 साहली ३८, २७२, ३७७
 साहावाद १५२, १५५
 साहीवाग १४४, १४६

सि

सिंढाइच मेहका रा वास दो. ३५३
 सिंणगारी १६६, २७४

सि

सिकारपुर २००

सिणधरी ३५७, ३६३, ३६६, ३७०
 मिणली २३५, ३५३, ३६१, ३६८
 सिणली पवारा री २१४
 सिणलो २४६, ३७२, ४०३, ४११,
 ४६३, ५५६, दो ३६, १०१
 सिणेर दो २५६
 सिधपुर दो. २८६
 सिरमालीयौ ३७१
 मिरहारी ४५६
 सिरीयारी ४०३, ४०७, ४११, ४५४,
 ४६७, ४७०
 सिरीयारी महीली ४१५, ४७१
 सिरीयारी-सोभत री दो ६२
 मिलारी २४६
 मिवराज री वास दो. २२४
 सीचणी (सीचाणो) ४०४, ४१४, ४५६
 मीचीयाई ४६६

सीं

सीधला ३८ दो ४८
 सीधला नडी ४६६, ५०८, ५४८
 सीधलावटी दो. २३५, २३६, २३७,
 २३८, २४०, २४१
 सीधवा ६४
 सीहथली दो २३०, २७३, २८४, २८७
 सीहनद १३३, १३४

सी

सीकदार ७६
 सीकारपुर २७०
 सीचीयाई ४०६
 सीणतरी ३५६
 सीणपा ३६२
 सीणना ३७३

सीधपुरौ ५५६
 सीधसर ५३६
 सीधा वासणी ३७५, ४०४, ४५५
 सीनावडीयो दो ३१६, ३४६
 सीनावडो दो. ३१६, ३४१
 सीपावास ३६८
 सीमालीयौ ३५४, ३७१
 सीयल भखरी दो १०४, १८१
 सीरगीयौ खुरद २५३
 सीरड दो. ६
 सीरढ दो १२, ३३
 सीरणी दो २२५
 सीरसलो दो ६८, १४२
 सीरहड ८५
 सीरहड दो २७
 सीराडरो ४११
 सीराणो दो. २२२, २३७, २८१, २८२
 सीरावणो ५०५, ५५३
 सीरासणो दो. १६८
 सीरियारी वासणी ४७२
 सीरीयावास दो. २०४
 सीरेण दो. २२७
 सीरोड़ी २१३
 सीरोही ७०, ७८, ७९, ८६, १०१, १०२,
 ११७, ११८, १३७, १३८ दो. ८,
 ६६, ७०
 सीलको ६२
 सीलां री वाडो २८३
 सीली ३३३
 सीलोर दो. २८१, २८२, २८६
 सीलोर रा वास दो २३०, २६६
 सीवणीयो ३७३
 सीवरखीयो २६६, ३७६, दो. २७८
 सीवराड ७३, ४०३, ४०६, ४२५,
 ४५५

सुराणी खुरद ३१०
 सुराणी बड़ी ३०८
 सुराईतो (सुरायतो) ७१, ६१, ४०३,
 ४०६, ४१०, ४१६, ४२८, ४७२,
 ४८१
 सुरातो ४४७
 सुरावास ४२२ दो. १०४, १०५
 सुरीयावास ५०७, ५४१
 सुलीयो ३७७
 सुवाणीयो दो. १०१
 सुवेरी ३११
 सुहरीया दो. २०७
 सुहली (सुइली) दो. २४१
 सुहीयो दो २२६

सू

सू डाथल ३८२
 सूरजमल री वास २३८
 सूरजवासणी २१७
 सूरत १४६
 सूरपुरो (सूरपुर, सूरपुरा) १६६, २०६,
 २३०, ३५०, ३५२, ३७८, ३७६
 दो. १०४, १२५, १६३, २२३, २२५,
 २४१, २७८, २८३
 सूरीयावासणी ४०५, ४१६

से

सेखसर दो ६, ३००
 सेखालो ३१६
 सेखालो- धावड़ा ३१७
 सेखालो- देवड़ा ३१७
 सेखावास ६५, ४०३, ४१०, ४३४
 सेखावासणी दो १३७, १४३
 सेखास ८७, १४३ दो. ३३

सेरा १३७, १३८
 सेतरावा (सेतरावो) ३३, ३४, १६५,
 ३१२, दो. ३२०, ३५०
 सेत्रावा (सेत्रावो) १६, १६४, १६६
 १६०, १६३, १६४, २०४, ३१४
 दो. ३२

सेभुजो १४
 सेपाडवा री वासणी ३१०
 सेवी ३६७
 सेरडीयी ३३६
 सेरडी ३१२
 सेवकी ४१
 सेवकी बड़ी २१५
 सेवडो ८५
 सेवरखीयो ३६०
 सेवाज ३६५, ३६६
 सेवाली ३७८, दो. २२३, २२६, २४५
 सेवालीयी ३१५
 सेवालो २३० दो. २८३
 सेहड़ी ३६४, ३६६
 सेहवाज (सहैवाज) ४२२, ४३१
 सेहरीयो (सेहरीया) दो. १२३, १२५,
 १२८

सेहरीयो वास दो १८३
 सेहलो दो. २२२, २२७, २५२, २८३
 सेहवासी दो. १०३
 सेहसराम ५६
 सेहरीयो दो. १०२
 सैगर दो. ४२, ४३
 सैदा ७१

सो

सोउपुरो ४११
 सोई ३१७
 सोभत २, ३, २६, ३२, ३५, ३६, ३७,
 ३८, ३९, ४१, ४२, ४३, ४५, ६७,
 ६८, ७१, ७२, ७७, ७८, ८१, ८३,

८६, ८८, ८९, ९०, ९१, ९२, ९३, ९४, ९५, ९६,
 १०१, १०२, १०५, ११८, १२४,
 १२५, १२७, १३१, १३३, १३६,
 १४६, १५१, १५४, १५६, १६३,
 ३७४, ३८३, ३८४, ३८५, ३८७,
 ३८८, ३८९, ३९०, ३९१, ३९२,
 ३९३, ३९४, ३९७, ४००, ४०२,
 ४०३, ४०८, ४०९, ४१८, ४१९,
 ४२३, ४२४, ४२५, ४२६, ४२७,
 ४२८, ४२९, ४३०, ४३१, ४३२,
 ४३३, ४३४, ४३५, ४३६, ४३७,
 ४३८, ४३९, ४४०, ४४१, ४४२,
 ४४३, ४४४, ४४५, ४४६, ४४७,
 ४४८, ४४९, ४५०, ४५१, ४५२,
 ४५३, ४५४, ४५५, ४५६, ४५७,
 ४६१, ४६२, ४६३, ४६४, ४६५,
 ४६६, ४६७, ४६८, ४६९, ४७०,
 ४७१, ४७२, ४७३, ४७४, ४७५,
 ४७७, ४७८, ४७९, ४८०, ४८१,
 ४८२, ४८३, ४८४, ४८५, ४८६,
 ४८७, ४८८, ४८९, ४९५, ४९६,
 ५५६ दो. ६, ३५, ६६, २६७

मोहन की भागरी कान्गली कोट ३६

मोहानी ३५८

मोहपुरी ५५७

मोहों कोहर दो. १२, २७, ३३

मोहों की मरेह दो. ३१८, ३३६,

३४०, ३५७

मोहा रामल मो वाम ३००

मोहा राम (मोहा राम) ३३६, ३७७

दो. १४८, २०६

मोहा राम दो. ११३

मोहा राम दो. ४१२

मोहा राम ३६६

मोहा राम ३३१

मोफदो २१४

मोवली ३४१

मोभडावास ४१८, ४८६, ४८२

दो. ३५

मोभा चांदर की मरेह १३२

मोभाणी ३८१

मोभावास ३५६, ३६८, ५०७

मोभडावाम ४०८

मोमही दो. ४०

मोमहं २६१

मोमडावाल दो. ४०

मोमसीसर ३१६

मोमावाम (मोमावाम) २६६, ५०३,

५२०, ५२१, ५४६, ५४७

मोयतरी २६६

मोयली दो. २२६

मोयली ३४२, ३४५

मोठ २४

मोरम १५७

मोरमजी १३५

मोरगं १५२, १५५

मोरकोया की कोहर ३१५

मोवली दो. ३२

मोवलीवो (मोमगंजीवो) ३७२, ३७५,

४०४, ४०६, ४५७ दो. २८

मोवरगा दो. २००

मोहरा १६

मोहरी दो. २८२

मोहरी ३२६

मोहरी ६०

३

हं

हंसार १५१, १५५

हसावस ४०६, ४७५

ह

हथुंडी ३४८

हमरलाई ५५४

हमावस दो ३५

हमीरवास ४०४, ४१३, ४५८

हमीरसर दो. ३

हमीराणो ३३६, ३८२

हमीराणो खुरद ३४०

हरचद री वासणी २३५

हरढाणी ३४३

हरढाणी ५५७

हरढावास ४०३, ४१२, ४४२

हरनालो-वाहल रो दो. १०४

हरनावो दो. १०३

हरनावो-वाहल रो दो. १०२, १०३

हरवाई री वासणी २५४

हरभु री वासणी दो. १३६

हरभुवासणी दो. ११०

हरभुसर ३३२

हरमाडा ५२, ६०, ६५, दो ६०

हरयापुर ५३४

हरलाई ३३५ दो ३३

हरस ६१, २५६

हरसवरणो ३७५

हरसाल ३८२

हरसाला ३८२ दो. ६८

हरसीयाहेडो ४०५, ४११, ४४४, ४७३
दो. ३५

हरसीयाहेडी खुरद ४०५, ४२०

हरसोर दो १०४, १०५

हरसोलाव ४६

हरावास १६८, २७१

हरीयाडाणी २४५, ३७२ दो १०१

हरियामाली ४०३, ४११, ४६८, ४७६

हलवद ५२, ५५

हवेली ७६, ६०, १२६, १४५, १५४,

१६४, १६५, १६८, १६९, १८६,

१९०, १९१, १९२, १९३, १९४,

१९५, १९६, १९७, १९८, २००,

२०३, २०४ २३६ दो. ७३, ७८,

७९, ८७, १११, ११४, ११६,

२१३

हसलपुर ३७४, ३७५

हां

हामावाम २६२

हांसल खुरद ४१३

हांसावास दो. १५०

हा

हाई हारावास ५०६

हाजावास २८४, दो. २८१

हाजावासणी २८१

हाजीवाल ७४

हाजीवास ३५७, ३७०, ५०४ ५२७

हापत ८२, ४४७

हापाली दो. ३२१

हायत ४०५, ४१४

हारावासणी ४८५

हासलपुर दो. ३५

हासलपुर वडी ४०४, ४१०, ४४६

हासलपुर खुरद ३७४, ४०४, ४४७

हासावस ४२३ दो ६२

हि

हिमार ७१

हिरणपुरी दो. १३०

हिरणपुरी दो. १३७

हीं

हीगाणीयो ५०६

हीगावास (हीगावास) ८१, ४०४,

४१२, ४४८

हीगोला ४७५

हीगोला की वासणी ४०५, ४२०, ४७३

हीगोली १६७, ३५०, ३५२

हीगोलो २००, २६६, ३७५

हीगोलो खुरद ६०, २६२, ३०१, ३७७

हीगोलो बडौ ६०, २६१

हीगवाणियो (हीगवाणियो) १६६,

२५१, ५४६ दो १०३, १२७, १८४

ही

हीडवाण १२६, १३५, १७० दो ५६

हीदावास दो. ६२

हीदावास गुरडी की दो. २१०

हीदावास चौधरीया की दो. २०६

हीमावास २०२

हीयादी रा वास ५४५

हीरकी की ढाणी ३६६

हीरकीसणी ३६४

हीरादडी दो ६१

हीरादेसर २१४

हीरावस ४१६, ४८६, ४६२

हीरावस जोगीयानु' ४०८

हु

हुनावास खुरद २४३, ५०३

हुनावास बडा ५५०

हुनीयावास वेडा ५०२

हुपाली दो. ११

हुवा ३८

हू

हूगागाव ४११

हूगागाव खुरद ४०४, ४१२, ४४६

हूगागाव बडौ ४०४, ४०६, ४५६

हे

हेमलीयावास ४५४

हेमलीयावास खुरद ४०४, ४१४, ४६४

हेमलीयावास बडौ ४०४, ४१३

हेमावास २६७

होठलु दो. २२१, २२५, २२६, २३६

२८१, २८२

हो

होडु ३७१

होडु खेडा ३५७

होटलु दो २६२, २६३

होपाली दो. १६

परिशिष्टों की नामानुक्रमशिकाएँ

स्त्री व पुरुष नामानुक्रमशिका :

[नोट—३५६ से ५०१ तक पृष्ठ सं० द्वितीय भाग की तथा ५५६ से ६०२ तक की प्रथम-भाग की है !]

अं

अतरगदे खंडेला री कछवाही
(म जसवंतसिंघ री राणी) ५८३

अ

अकबर पातनाह ४२१, ४२२, ४३२,
४३३, ४७३, ४६०
अकबर साहजादा ४६६
अखैराज सि० ४५३
अखैराज राठोड ४१६, ४६८
अखैराज रिडमलजी रा राठोड ४७५
अखैराज बीठलदासोत ४६६
अखैसिंघ अमरसिंघोत देवडा ३६५
अखैसिंघोत सिरदारसिंघोत चवाण ३८६
अखो जोसी ४४७
अगरा मुग ४२०
अडमल 'अडमलोत' रिडमल रा राठोड ४७५
अचलदास राठोड ४६८
अचलसिंघ गुलाबसिंघोत चवाण ४०२
अचलसिंघ राठोड ४६५
अचलो दो ४३३
अचलो राठोड ४७२
अजबसिंघ चवाण ४०६
अजबसी भटारी ४७६
अजीतसिंघ राठोड ४७३
अजीतसिंघ बीठलदासोत ४६६
अजीतसिंघ सोमसिंघोत चवाण ४०४
अजीराय ४६४

अडकमल चूंडाजी रो राठोड ४७६
अण्डगिंघ दीलतसिंघोत चवाण ४०६
अण्डसिंघ राठोड ४७३
अतमाहात दीला ४१३
अनखसिंघ हाडो ४६८
अनाडसिंघ पवार ५७७
अनाडसिंघ राठोड ४६५
अनाडसिंघ बीठलदासोत चागावत ४६६
अनोपसिंघ किसनगढ रो ४६८
अनोपसिंघ सविन्दामोत चवाण ३६२
अनोपसी भटारी ४७६
अब्दुल कासम ४१३
अमा मानवत चवाण ४०७
अभैकरण राठोड ४६६
अभैराज कानोजी रो राठोड ४७४
अभैराज राठोड ४७१
अभो भाखरसिंघोत चवाण ४१०
अभो पचोली ४७६
अमर केसवदास भाटी ३६२
अमरसिंघ चन्दरावत ४६७
अमरसिंघ दुरगादासोत चवाण ३६७
अमरसिंघ राठोड ४७१
अमरा राईसिंघोत रामदासोत रा राठोड
४४६
अमरो चौधरी ४१६
अमानसिंघ राठोड ४६६
अमीजी नूरमहेमद रोपड़ी ४१४
अरण रखेसुर ५६०
अलसिंघ भोजराजोत चवाण ३६७

अलाउदीन पातसाह ३६०, ४१३, ५००
अलावगस ४५३
अलीवल मुरीद चु ४५८
अलीसेर बिहारी ४०८
अलुखा ४१६

आ

आंजणदास खिडिया चारण ३८६
आईदान दलपतजी रा राठोड़ ४७७
आईदान राठोड़ ४६५, ४६६
आईदान चारण ३६४
आईदान वीठलदाम रा राठोड़ ४७५
आणदकवर बाई ४५०
आणददे (राव अमरमिघजी री बहू)
४५१

आणंदसिंघ ४२६
आतमारामजी बाबा ५७०
आतमारामजी महाराज ४७०
आयस देवनाथ ५७३
आयस भीवनाथ ५७४
आलमसा जलाल ४५७
आल्ह पाल्ह पंवार ५००
आसकरण बभूतसिंघोत चवाण ४०४
आसकरण भंडारी ४७६
आसकरण राठोड़ ४६६
आसकरण सूरतसिंघोत चवाण ४००
आसनाये री मा (पोहोकरणा वामण)
५६५

आसी छोकरी ४५२
आमो जैमावत भाटी ४३४
आसी गौड ४३३

ई

इंदरकरण राठोड़ ४६६

इंदरभाण राठोड़ ४७१
इंदरसिंघ राठोड़ ४६६, ४७०, ४७१

इ

इमरतराम नाजर ५४७

ई

ई दग्गु वर (राजा धूरसिंघ री बेटी)
५८७
ईंदरमणी जवेडा रो बू देलो ४६६
ईंदरसिंघ ४२२
ईंदरसिंघ अमरमिघोत राठोड़ ४७३
ईंदरसिंघ राठोड़ ४६८, ४७३
ईंदरसिंघ सीसोदीयो ४६६

ई

ईंदरदम उडीसा रो ४६२
ईनायतखा ५८४
ईसर चवाण ३८८
ईसरजी राठोड़ ४७२
ईसरदास कुसलसिंघ जोधावत चवाण ४०६
ईसरदास सोभावत ४४७
ईसरीसिंघ राठोड़ ४६८

उ

उत्तमचन्द कानू गा ३७३
उदड़ो कूंता रो ३८५
उदैचन्द व्यास ५६६
उदैभाण राठोड़ ४७१, ४६७
उदैभाण लखघीरोत ४६६
उदैभाण वीठलदासोत चापावत ४६६
उदैराम दीवली ४६५
उदैमिघ उरछी रो बू देलो ४६६

उदैसिध कीलारसिधोत चवांग ३६६
उदैसिध राठोड ४७०, ४७३
उदोतसिध भदोरीयो ४६८
उमेदजी खीची ५७६
उरजणसिध राठोड ४६८

ऊं

ऊडा ४७६

ऊ

ऊगरसेण ४४०
ऊजीरवगस नाजर ५७६
ऊदडीयो कूंतो ३८४
ऊदबमी सीभूजी रो ४६६
ऊदावाई (राव वागा री वू) ५६१
ऊदैभाण मुकनदामोत राठोड ४१६
ऊदैराज राठोड ४७१
ऊदो वोव ५६२
ऊमादे भटीयाणी (राव मालदे री राणी)
४८०
ऊमा भाट ४४६
ऊमेदकरण राठोड ४६६
ऊमेदसिध राठोड ४७१
ऊमो भाखरसिधोत चवांग ४०६
ऊमो लालावत चवाण ४०६
ऊहड जोनसाजी रा ४७७

ओ

ओदुजी दिखणी ४६३
ओपसिध चवांग ४०६
ओरंगजेव पातसाह ५६२ दो ३६१, ४१५,
४१६, ४२५, ४३७, ४५४,
४६६, ४६६

कं

कवर अबुखा सिरदारसानोत ४००
कवर अमैमिध ४१२
कवर अमरमिध ४२२
कवर उदैसिध ५८२
कवर करण उदैपुर रो सीसोदीयो ४६४
कवर कीरतसिध ४८६
कवर गजसिध ४१४, ४१८, ४७८
कवर चंद्रसेन ५८२, ४३८
कवर जगतसिध ४५२, ४५४
कवर जगतसिध मानमिधोत कछवाहा ४२२
ककर जसवंतसिध ४४६
कवर जैसिध ४४४
कवर पिरथीसिध ५८३
कवर प्रथीमिध जोधा ४७०
कवर प्रीथीसिध ४४७
कवर फतैसिध ५८५
कवर वागा ५६०
कवर भातसिध ३६०
कवर भोपत ४३५
कवर रामसिध जैमिधोत ४८६
कवर वखतसिध ५६५
कवर वेणीदास अरजणा ३७०
कवर समरथसिध ४६६
कवर सूरजसिध ४३५

क

कछवाई राणी (कल्याणदास राठोड री
राणी) ४४३
कनीराम राठोड ४६८
कनीराम विजैसिधोत चवाण ४०६
कमालखां ३६८, ३८६
कमालखा दीवाण ३६२, ३६३, ३६८,
४१४, ४१५

कमालखा बिहारी ४२०
 करण (घायभाई) ४५१, ४५२
 करण राठोड़ ४६६
 करणसिध विजैसिधोत राठोड़ ३६१
 करणाजी ४५३
 करणा घायभाई ४५७
 करणायची खोजो ४५३
 करणीदान बागठ ४६७
 करणीदान राठोड़ ४६६
 करणो सोलकी ५८७
 करणो राठोड़ ४७२
 करणोजी 'करणोत' रिङमलजी रा
 राठोड़ ४७५
 करता खुबदान नारखानोत चारण ४०८
 करता जमावत चारण ४ ७
 करनीजी ५५६
 करमसी जोधाजी रो राठोड़ ४७५
 करमसी राठोड़ ४६२
 कला रायमलोत ४७०
 कलु ४५३
 कलो कछवाहो ४६१
 कलोजी 'कलावत' पचाण रो राठोड़ ४७५
 कल्याणमल राठोड़ वीकानेर ४६०
 कसरो ५७६

कां

कांघल ईंदो ४३३
 काजमखान नवाब ३६१
 कांड़दे सोनगरा चवाण ३६०. ४१३,
 ५००
 कानजी राठोड़ ४७१, ४७२
 कांसिध राठोड़ ४४०
 कानसिध रामसिधोत चवाण ३६७
 कांसिध सूरजमलोत चवाण ४०२

काना निवाडी ४५३
 कानी माली ४०८
 कानोजी चूंडाजी ग राठोड़ ४७६
 कानो जैतसीहोत राठोड़ ४३३
 कानो मानावत चवाण ४१०
 कानोजी रायमल रो राठोड़ ४७४
 कामरेखा प्रातर ५८६
 कालूजी दिखणी ४६८

कि

किलाणदाम जोधा ४७०
 किलाणदास राठोड़ ४४०, ४४१,
 ४४२, ४४३
 किलाणसिध मदावा रो ४६६
 किलाणसिध राठोड़ ४६५, ४७२
 किलाणसिध सगतीदानोत चवाण ४००
 किसनचन्द मूता ४१५
 किसनदाम जैतसीहोत राठोड़ ४३३
 किसनदास तु वर ४६१
 किसनदास दुरजणसलोत राठोड़ ४३४
 किसन रामसिध रो जैपुर कछवाहो ४६८
 किसनसिध चांदा रो ४६६
 किसनसिध तु वर ४६७
 किसनसिध मोटा राजा रो राठोड़ ४६३
 किसनसिध राठोड़ ४६६, ४७०, ४७३
 किसनसिध हाडो ४६८
 किसना भांवर देवराजोत राठोड़ ५८६
 किसोरदास मनोरदास गौड़ ४६६
 किसोरसिध ५६३
 किसोरसिध राठोड़ ४७३

की

कीकी चारणी मोहंदा री ४५१
 कीटक ऊना ४७६

कीरतसिंघ अनोपा रो ४०८
कीरतसिंघ जैसिंघजी रो कछवाहो ४६७
कीलाण जोसी ४४७
कीलाणदास रायमलोत राठोड ४७४
कीसना राठोड ४३४

कुं

कु भकरण ३६६
कुंभकरण राठोड ४६८
कुंभो जैमलोत राठोड ४३२
कुंभोजी सोनगरा ३६०
कुवरसिंघ कलवार कसमीरो ४६६

कु

कुतव मोरछल ४५३
कुमलराज सिंघवी ४६६
कुमलसिंघ ४२६
कुसलसिंघ जोधावत चवाण ४०६
कुमलसिंघ नाराणदासोत चवाण ३६८
कुसलसिंघ राठोड ४६५, ४६८
कुसलसिंघ राठोड ४६५

कू

कू पोजी मँराज रो 'कू पावत' राठोड ४६६
४७५

के

केलण ४७६
केसरकर (म. रुघनाथसिंघ री मा) ४२५
केसरकरण राठोड ४६६
केसरखान ४१४, ४१८
केसरखान बाजखानोत करवीया ५६५
केसर पूरवीयो ५६१

केसरीचन्द कानूंगा ३७३
केसरीसिंघ अखसिंघोत चवाण ४०८
केसरीसिंघ अभैराजोत ४७०
केसरीसिंघ कबीरामोन चवाण ४००
केसरीसिंघ जोषा ४७०
केसरीसिंघ नरसिंघदास रो राठोड ४७४
केसरीसिंघ प० ५८४
केसरीसिंघ भुरटीयो ४६६
केसरसिंघ माधोदास रो राठोड ४७४
केसरीसिंघ राठोड ४६८, ४६६
केसव गोरावत मुंसी ५८३
केसव सुग ५६४
केसूसिंघ सवाईसिंघोत चवाण ४०२
केसोदास जैमल रो राठोड ४६१
केसोदास दफतरी मूता ४८०
केसोदास राठोड ४७२, ४६२
केसोदास राव कला रो वेटो ४६४
केसो पासवान (म. गजसिंघ री पासवान) ५८६

कै

कैवास दायमा ४२१

खां

खांगार जोगावत राठोड ४७५
खानखाना नवाब ४१३
खानजादा ४२१
खान सममुखान ४२१

खीं

खीवकरण राठोड ४६८
खीवलदे चारणी ४४६
खीवा भारमलोत ४३५

खी

खीमकरण राठोड़ ४१६
खोमे कुभार ५८५
खीयो सीदल ४१८

खु

खुरम माहजादा ४१४
खुमा (राजा कीरपाल पवार री बेटी)
४४४

खू

खूचन्द सिधवी ४७०

खे

खेतसी नायक ४३३
खेतसी परवतोत राठोड़ ४३३
खेतसी राठोड़ ४७७
खेता बजा रै चारण ४०७
खेतो वामण ५८६
खेतो याचग करमसी रो पवार ४४८
खेतो राठोड़ ४३३
खेमसिध चतुरसिधोत जसोलियो ३६६

ग

गंगदास गदाधर साह ५६१
गगादास महेसरी ५६२
गगाराम जसरामोत भंडारी लूणावत
५६२

गंगाराम सीरवी ५८०
गगाविसन जोसी ५८७
गगोईदास भूपत चवाण ३७८

ग

गजमल पवार ५००

गजसिंह ४१०

गजसिंह चवाण ३८८

गजसिध वीठलदासोत ४६६

गजनीखा नवाव ४१३

गजनी खा विहारा ३६४

गजीयो केसरीसिधोत ४०६

गजो टेडरीयो ४३३

गणपत ऊपादीया पोकरणा वीरामण
४८०

गनीखा ४२०

गां

गागो नीवावत भाटी ४३४

गाछा कुमार ४४६

गा

गाजी वरखुरदार ४५७

गि

गिरधरदास ४६६

गिरधरदास गौड़ ४६७

गिरधर रायसाल दरवारी रो ४६४

गिरधर व्यास ४३७

गिरधरसिध बलूजोत ४६६

गु

गुमनो समदड़ीया मूता ४७६

गुमानसिध राठोड़ ४६८

गुमानसिधोत प्रेमसिध व्यारीदासोत चवाण
४०६

गुमानीखां सिरदारखानोत ४००

गुलावकवर राणावत (म. जसवंतसिध
री मां) ४८६

गुलाबचंद मुण्णोयत ४१६

गुलाबराय पासवान ५८४, ५८५, ४१६

गुलाबसिंघ मूलसिंघोत चवांग ३६६

गो

गोकलदास मूता ५६६

गोकलदास सुंदरदासोत ५६५

गोगादे वीरमजी रो राठोड़ ४७६

गोपालदास ऊहड़ ४३५, ५६१

गोपालदास माडलजी रा राठोड़ ४७७

गोपालदास राठोड़ ४६५, ४६७, ४७२,
४७४

गोपालदास रामदासोत ४४७

गोपालसिंघ जोधा ४७०

गोयददास जैतसीयोत राठोड़ ४३२

गोयददास जोधा राठोड़ ४७०

गोयददास भाटी ५८६, ५६४, ५६४, ५८३

गोयददास राठोड़ ४६६, ४७२

गोयद सिरमाली ५८२

गोयददासोत भगवानदास रा जोधा राठोड़
४७३

गोयनदास सेरसिंघोत देरासरीया भाटी
५८५

गोरधनदास राठोड़ ४६८

गोरधन नरहरदासोत चवांग ३६२

गोरा राठोड़ (म. जसवतसिंघ री घाय)
५८६

गोवदचंद देवगढ रो ४६७

गोवा सुतरार ५८२

३

ग्यानसिंघ राठोड़ ४६८, ४७०

ग्यानसिंघ वीठलदासोत ४६६

घ

घनस्यामकरणा राठोड़ ४६६

घी

घीचना तोतापीर री बेढो ५६१

घीरतसिंह राठोड़ ४६७

च

चहू दामोदर रो जोसी ४८१

चदकवरबाई ४४६

चंदरसेण हलोद रो झालो ४६५

चंद्रजीत ४५६

चंद्रमती (रूपसिंघ राठोड़ री बेटी)
४५४

चंद्रसेण जोधा ४७०

चंद्रावत बाघेली ४५६

चंद्रावती बहूजी ४५२

च

चक्रपाण जोसी ४४७, ४५३

चतुरदास कानूंगा ३७३

चहुवाणजी राणी ५८३

चां

चांदकवरबाई ४४८

चादवाई ४५०

चांदाजी राठोड़ ४७२

चांपाजी राठोड़ ४७७

चापो रिडमलोत राठोड़ ४६५, ४७५

चा

चाचक राठोड ४७७

चाहड़ दे देवराज री राठोड ४७६

चि

चिड़ियानाथ जोगी ५६०

चिमनजी खडगगढ री मरेठो ४६८

चिमनसिंघ चवांण ३६८

चिमनसिंघ सगतीसिंघ ऊमावत चवाण
४०६

ची

चीवो भारमलोत ४३५

चु

चुतरभुज चहुवांण ४६७

चुतरसाल चवांण ३८६

चुतरसिंघ दुरजणसिंघोत चवांण ४०६

चुतरो पचोली ४३३

चुहड़मल सिंघवी ५६५

चू

चूरण मानावत चारण ४०८

चे

चेला खिड़ीया ३६४

चौ

चैनसिंघ वूंदेली ४६३

चैनसिंघ राठोड ४६८

छ

छत्रसाल हाडा ४६२

छा

छाडाजी राठोड ४७६

जं

जगी घाय (भगवान कुसलावत री वहू)
४६१

ज

जगजी घायभाई ४३६

जग व्यास ४५३

जगतसिंघ करण री वेठो सीसोदीयो
४६४

जगतसिंघ चवांण ४०६

जगतसिंघ मानसिंघ री कछवाहो ४६०,
४६१

जगतसिंघ मेघसिंघोत चवाण ३६८

जगतसिंघ रामदासोत मेड़तीया चादावत
राठोड ५८६, ५६२

जगतसिंघ हाडो ४६६

जगदेवराय जादुराय री दिखणी ४६८

जगदेवसिंघ ४६३

जगनाथ नरहरदास री राठोड ४७३

जगनाथ राजा भारमल री कछवाहो
४६०

जगनाथ राठोड ४६५, ४७२

जगमाल कछवाहा ४२२

जगमाल कछवाहो (राजा भारमल री
भाई) ४६०

जगमाल पवार ४६१

जगमाल राठोड ४७६

जगमाल मूता ४१३

जगा चारण ३६७

जगु ओसवाल ५८६
जगुनलवामी साह ५६२
जबदलखां ४१४, ४१७
जबदलखां बिहारी ४१८
जमालखां अमदखां रो ४१८
जमालखां सायबखां रो ४००
जवानसिंघ अमरसिंघोत चवारा ३६७
जवानसिंघ उदैसिंघोत चवारा ४०६
जवानसिंघ जीवराजोत चवारा ३६८
जवानसिंघ दानसिंघोत चवारा ३६७
जवानसिंघ प्रथाराजोत चवारा ४०५
जसकरण प्रोहित ५७७
जस देवडा ३८५
जसरगदे हाडी (म. जसवंतसिंघ री) ५८२
जसबतदे हाडी (म. जसवतसिंघ री
राणी) ४६२
जसवतसिंघ बलूओत ४६६
जमवतसिंघ वृन्देलो ४६८
जसवतसिंघ राठोड ४६५
जसो मांड ४३३
जसो भादरसुर ५६४
जसोजी भैरूदासजी रा राठोड ४७७
जहागीर पातसाह ४२२, ४७६, ४६२

जां

जान मेहमद मोरछल ४५३
जाभाजी ४७१

जा

जाड़ेची राणी ५७७
जाड़ेची (महाराजा अजीतसिंघ री राणी)
५६७
जाड़ेंचीजी (म. तखतसिंघ री राणी)
५७३

जाड़ेजी (राणा भोजराज री बहू) ४१०
जादुराय दिखणी ४६६
जादे ऊमा रैं चारण ४०७
जाफरखां ४१५
जाफरखा नवाब ४४५
जामवेग नवाब ४३४, ४३५
जालप मुता ५८७
जालमसिंघ ४६७
जालमसिंघ अजबसिंघोत चवांण ४०६
जालमसिंघ अजीतसिंघोत चवांण ४०३
जालमसिंघ जैतावत चवारा ४०६
जालमसिंघ बलूओत ४६६
जालमसिंघ राठोड ४७०, ४७१
जालमसिंघ रामसिंघोत चवारा ४०८
जावदीन पठाण ४२२
जीतमल पंचोली उकील ३६६
जीतमल मुणोयत उकील ३७३
जीवण केसरीसिंघोत चवांण ३६२
जीवदान राठोड ३८७
जीवसिंघ जोगराजोत चवांण ४०५
जीवा मालावत चारण ४०८
जीवो सोलकी ४५७
जीवो चौधरी ३७४
जीवो सीभुदानोत चारण ४१०

जुं

जुंजारसिंघ राठोड ४६८

जु

जुगतसिंघ रामदासोत ५६५
जुगल किसनसिंघ रो राठोड ४६५

जूं

जूंभारसिंघ जोधा ७४०

ਜੇ

ਜੇਕਾਂ ਸੀਬਲ ੪੩੮
 ਜੇਠਕਰਾ ਕਨੀਰਾਮੋਤ ਕਰਾਓਤ ੩੬੬
 ਜੇਠਕਰਾ ਜੀਵਰਾਜ ਚਵਾਂਗ ੪੦੪
 ਜੇਠਕਰਾ ਰਤਨਸਿੰਘ ਰੋ ਚਵਾਂਗ ੪੦੬
 ਜੇਠਾ ਭੂਤਾ ਰੋ ਵਾਰਠ ੩੬੬
 ਜੇਤੇਜੀ ਰਾਠੋਡ ੪੬੮
 ਜੇਤੀ ਮੁੰਹਤਾ ੫੬੨
 ਜੇਤੈ ਵਦੇ ਮੁੰਤਾ ੫੮੫
 ਜੇਸਲ ਰਾਵਲ ੫੦੧
 ਜੇਹੂ ਜੋਸਪਾਜੀ ਰਾ ਰਾਠੋਡ ੪੭੭

ਜੈ

ਜੈਤਕਰਾ ਰਾਠੋਡ ੪੬੬
 ਜੈਤਮਾਲ ਚਵਾਂਗ ੩੮੮
 ਜੈਤਮਾਲ ਜਸੋਜੀ ਰਾ ਰਾਠੋਡ ੪੭੭
 ਜੈਤਮਾਲ ਸਲਖਾਵਤ ੪੩੮
 ਜੈਤਮਾਲ ਸਲਖਾਵਤ ਰਾਠੋਡ ੪੭੬
 ਜੈਤਸਿੰਘ ੪੩੫
 ਜੈਤਸਿੰਘ ਭ੍ਰੰਦੇਲੀ ੪੬੬
 ਜੈਤਸਿੰਘ ਰਾਠੋਡ ੪੫੩, ੪੬੫, ੪੬੮
 ਜੈਤਸਿੰਘ ਰੂਪਸਿੰਘੋਤ ਚਵਾਂਗ ੪੦੬
 ਜੈਤੋ 'ਜੈਤਾਵਤ' ਪਚਾਧਾਨ ਰੋ ਰਾਠੋਡ ੪੭੫
 ਜੈਤੋ ਮਾਰਮਲੋਤ ੪੩੫
 ਜੈਤੋ ਰਾਠੋਡ ੪੬੮
 ਜੈਦੇਵ ੫੮੪
 ਜੈਦੇਵ ਬਿਆਸ ੪੫੩
 ਜੈਮਲ ੫੬੫
 ਜੈਮਲ ਆਸਾਵਤ ਮਾਟੀ ੪੩੪
 ਜੈਮਲ ਡੇਡਰੀਧੀ ੪੩੩
 ਜੈਸਾਜੀ ਮਾਟੀ ੪੭੬
 ਜੈਸਿੰਘਦੇ ਰਾਮਸਿੰਘੋਤ ਚਵਾਂਗ ੪੦੮
 ਜੈਸਿੰਘ ਧੀਰਮਜੀ ਰੋ ਰਾਠੋਡ ੪੭੬
 ਜੈਸੇਜੀ ਮੈਰੂਦਾਸੋਤ ਰਾਠੋਡ ੪੬੮

ਜੈਸੀ ਰਾਠੋਡ ੪੬੫

ਜੀ

ਜੀਗਰਾਜ ਪਵਾਰ ੫੦੧
 ਜੀਗੀਦਾਸ ਰਾਠੋਡ ੪੬੩
 ਜੀਗੀ ਆਸਾਵਤ ਮਾਟੀ ੪੩੪
 ਜੀਗੀ ਆਸਾਵਤ ਰਾਠੋਡ ੪੭੫
 ਜੀਗੀ ਮੁੰ ੪੩੪
 ਜੀਤਗਰਾਧ ਜੋਸੀ ੪੫੩
 ਜੀਧਸਿੰਘ ਰਾਠੋਡ ੪੬੭
 ਜੀਧਾ ਸੁਜਾਂਗਸਿੰਘ ਰਾਠੋਡ ੩੬੨
 ਜੀਧੋ ਪਡ਼ਿਧਾਰ ੫੭੮
 ਜੀਧੋ ਉਪਾਧਿਧੀ ੪੪੭
 ਜੀਧੋ ਮੀਧੋਤ ੪੩੩
 ਜੀਪਸਾਜੀ ਆਸਧਾਂਨਜੀ ਰਾ ੪੭੭
 ਜੀਧਾ ਚਵਾਂਗ ੩੮੭
 ਜੀਰਾਵਰਮਲ ਸਿੰਘਵੀ ੪੧੬
 ਜੀਰਾਵਰਸਿੰਘ ਰਾਠੋਡ ੪੬੮

ਭਾ

ਭਾਲੀ ਰਾਧੀ (ਭਹੂਜੀ ਰਾਵ ਮਾਲਦੇ ਰੀ)
 ੫੬੧
 ਭਵਹਰਦਾਸ ੪੫੦

ਟੀ

ਟੀਹਾ ਧਾੜੀ (ਜਗਾ ਰੀ ਭਹੂ) ੪੪੭

ਡਾਂ

ਡਾਂਗੀ ੪੭੭
 ਡਾਂਗੋ ਜਾਟ ੪੩੭

ਝੰ

ਝੰ ਗਰਸੀ ਰਿਡਮਲ ਰੋ ਰਾਠੋਡ ੪੭੬

डे

डेडीयो ४४३

ढं

ढंढारराव ४१४

त

तंगसिंघ धीरसिंघोत चवाण ४०५

ता

ताजुक सीयानी ४१८

ताजुजी ४१४

ताजूखां अजवानी ४१८

ताजो खवास ४५८

तापी तेजावत व्यास ५८३

ताराचन्द भण्डारी ५७६

तो

तीलोकसी ४२६

तीलोकसी कृपावत राठोड ४३४

तु

तुलछीदास जादु ४६१

तू

तूवरजी राणी (म. अजीतसिंघ री ५८४

ते

तेजमल भोजराजोत चवाण ३६७

तेजमाल दुरजणसिंघोत वावेचा चवाण

३८३

तेजसिंघ ५८४, ५८५

तेजसिंघ उदैसिंघोत राठोड ४७०

तेजसिंघ चांपावत राठोड ४१६

तेजसिंघ राठोड ४६५

तेजसिंघ हातीसिंघोत चवाण ४०३

तेजसी चूडो ४३८

तेजो ४४३

तेबरवेग नवाव ५६२

तेलग सायब ५७८

तो

तोंगा री मा ४४३

तोगो सुरावते ४४५

त्रि

त्रिभवणदे (राव रिडमलजी री राणी)

४७८

था

थानसिंघ हीदूसिंघ सखावत चवाण ४०६

थासू राजा तोडरमल रो ४०६

थि

थिरराज ४२५

द

दमोदर सेठ ५६५

दलथामणजी (दल थभन) ४६८

दलपत ४३५

दलपत मोटा राजा रो राठोड ४६२

दलपत राठोड ४६५, ४६८, ४७७

दलपत रायसिंघ री राठोड ४६१, ४६३

दलसिंघोत चवारा ४०६

दा

दादी जादमजी ४५०

दादी भटीयाणीजी ४५०

दादी सोढीजी ४५०

दामोदर जोसी ४८१

दारासिकोह ४२५

दि

दिलीपसिंघ वूंदेलो ४६८

दीलावर खोजो ४४८

दु

दुर्ग रावत रो पीपाड़ो ५७६

दुदो वेद मुता ४४३

दुरगदास आसकरणोत राठोड़ ४४५, ४६६

३६६, ४६६

दुरगावती बाई ४५०

दुरगो नाईक ४३३

दुरगो सीधी ताजु रो ४१८

दुरजणसिंघ राठोड़ ४६७

दुरजणसिंघ सवलसिंघोत जोधा ३६२

दुरजनसिंघ मानसिंघ रो कछवाहो ४६१

दुवारा सेवग ४४७

दू

दूदा डेढरीयो ४३३

दूदा सांखला ४३३

दे

देराव भटियाणी (भीवसिंघ री राणी)

५७२

देरासर पोकरण कोलाणी वीरामण ४८०

देवकरण राठोड़ ४६८

देवनाथ ५७३, ५७४

देवराज वीरमजी रो राठोड़ ४७६

देवराव भाटी ५०१

देवीचन्द गवां ४६५

देवीदास भाटी ३६३

देवीसिंघ राठोड़ ४६६, ४६७

दौ

दौलतखां अलखफखां कायमखानी ४२२

दौलतराम नाजर ५६७

दौलतसिंघ केसरीसिंघोत चवारा ३६७

दौलतसिंघ मांसिंघ रो भदोरीयो ४६८

दौलतसिंघ रांठोड़ ४६८, ४६९

द्वारकादास राठोड़ ४७२

ध

धनराज भडारी ४७६

धनराज सिंघवी ४३७

धनो गदाधर मोहनदास साह ५६२

धनो पोरवाल ५६३

धरणीवाराह ५००

धां

धातु ४७६

धाघल उदैकरण खवास ४६२

धी

धीरसिंघ चवांण ४०५

धीरा मानावत चारण ४०८

धीरो कोचर मूता ४७६

धीरो भगो गोयल ४०१

धूडां ४७७

न

नगराज गांगावत राठौड़ ४३३
 नथकरणा राठौड़ ४६६
 नथमल राजा किसन रो राठौड़ ४६५
 नेपालखां माखुआंत ४१०
 नवावखान ४१३
 नरसिंघदास किलाणदास रो राठौड़ ४७४
 नरसिंघदास जोधा ४७०
 नरसिंघदास पा० ४२८
 नरसिंघदास राठौड़ ४७२
 नरसिंघदेव वृंदेलो ४६२
 नरहर सारण रो पंचोली ५७६
 नराइणदास सांगावत राठौड़ ४३३
 नराईण सादूल रो घोवी ४५८
 नराणदास कछवाहो ४६३
 नराणदास बोड़ो ४१४
 नरायणदास राठौड़ ४७२
 नरीजी ४६७
 नवलराम मुनीम ४३२
 नवलसिंघ बीठलदासोत ४६६
 नवलसिंघ पवावत करणोत राठौड़ ४१०

नइ

नागोजी गुसाई ४३६
 नाथ पोरकरणा व्यास ४८०
 नाथा १४१
 नाथा चारण ३७४
 नाथाजी रिडमल रा राठौड़ ४७६
 नाथी रोहडीय ४०७
 नाथो तुरक ४४३
 नाथो घनो गौड़ ४३३
 नानजी मलार चांदा रो ४६७
 नाभल (राव रिडमल री बेर) ४७८

नारखां लाडखांनोत चवाण ३६२
 नारखान खेतसी गोपालदासोत रा राठौड़ ४४६
 नारणदास अमावत चवाण ४१०
 नारणसिंघ मलूसिंघ चवाण ३६४
 नारद भोजग मुथरीयो ५६३
 नारसिंघ राठौड़ ४६८
 नाराईण ४३४
 नारायणदास बागावत बोडा ४१८
 नारायणदास बालोत ४१४
 नारायण वेद मुता ४४३
 नासिर ४५३
 नाहडराव पड़ियार ५६०
 नाहरवेग नवाब ५६२, ५६३
 नाहरवेद ५८७

नी

नीब रखेस्वर ५६०
 नीवै जोधावत ५६०
 नीवै गुजराती कारीगर ५८०
 नीवै सिरमाली ५८६
 नीवोजी कछरो जाडेचो ४६७
 नीबो राठौड़ ४६६
 नीलकठ ४६१
 नीहालखां माखुखांनोत मेरडीया ४०७

नू

नूरमेल पातसाही ४१३, ४१४

ने

नेकापुरी गुसाई ४३७
 नेवाजी सोनगरा ३६०

नै

नैरासी मुहणोत ५६५, ४२८, ५८८
नैना पंचोली ५८७

पं

पंचाण अखैराज रो राठोड ४७५
पंचाण बीरामण ३६०
पंचाण बीजेराजोत ४१०
पंचायण वालोत ४१४
पंचायण महारक ५६४
पंचायण राठोड ४६८

प

पडदनां ४४४
पडदायत मगराजनी ५७६, ५७७, ५७८
पडदायत लछरायजो ५७६ -
पती नगावत ४३४
पती सुरावत दो. ४३५
पदमसिंह नायक सीकर रो ४६६
पदमनाम व्यास ४४७, ४४६
पदमानाम नाथी व्यास ५८३
पदमसिंह जोधा ४७०
पदमा देवड़ी (राव गांगा री राणी)
४८०

पदमोपारसोत सिंधी ५६२
पनुखा ४१६
परताप उरजनोत वेदमुता ४३८
परतापकवर (तीजामांजी) ५८५
परतापसिंह जोधा ४७०
परथीराज करमसोत ५६१
परदार पाड़खां ५८७
परमावती बाई ४५०
परभुलाल भिकदार पंचाळ जोसी ५८७

परमाद खोजो ४१३
परमानंद खतरी ४६१
परसुजी दिखणी ४६७
पहाडमिध राठोड ४६८

पा

पाड़खा ४१३
पाड़खान ४१४
पाड़सिंह गौड ४६६
पाड़सिंह राठोड ४६८
पातोजी रिडमल रा राठोड ४७६
पावूसिंह जीवसिंहोत चवांण ४०४
पामसी भडारी (पेमसी) ४२०

पी

पीतावरदास खतरी ४६२
पीरमेहमद ४५७

पू

पूनमचंद मूता ५७६
पूनाजी रिडमलजी रा राठोड ४७६
पूरां (घाय भागां री वेन) ४५१, ४५२
पूरा देवदान रो चारण ४०८

पे

पेमकरण राठोड ४६६
पेमनारायण राजगढ रो ४६५
पेमसिंह कीलारादासोत देवडा ३६५
पेमसिंह वीठलदामोत ४६६
पेमावती जाडेची (म गजमिध री)
५८४

पो

पोमसी भडारी ४२२

प्र

प्रतापदे राणी ४४६, ४५२
 प्रतापसिंघ ५७१
 प्रतापसिंघ ऊदावत ४६६
 प्रतापसिंघ झालो ४६७
 प्रतापसिंघ दासपा राठोड ४२०
 प्रतापसिंघ देवडा ३६५
 प्रतापसिंघ नवलसिंघोत चवाण ४०५
 प्रतापसिंघ भगवान रो कछवाहो ४६१
 प्रतापसिंघ राठोड ४४०, ४६८, ४६९,
 ४७२, ४७३
 प्रतापसिंघ सूरजसिंघोत चवाण ३८८
 प्रथमजी गौड ४६७
 प्रथमादीत बाघेलो ४६३
 प्रथीचंद मनोहर रो कछवाहो ४६४
 प्रथीराज कबीरामोत चवाण ४००
 प्रथीराज केसरीसिंघोत चवाण ४०६
 प्रथीराज चवाण ४२१
 प्रथीराज जसराजोत चवाण ३६७
 प्रथीराज देवडा ४३५
 प्रथीराज भाटी ४६६
 प्रथीराज राठोड ४६८, ४७२
 प्रथीराज सुरताणसिंघोत चवाण ४०८
 प्रथीसिंघ जवू रो ४६८
 प्रथीसिंघ जगतसिंघ रो कछवाहो ४६८
 प्रथीसिंघ श्रीनगर रो ४६७
 प्रवत सा ४४८

प्री

प्रीथीराज दलपतोत राठोड ५६५
 प्रीथीसिंघ राठोड ४६८
 प्रेमसिंघ हेमराजोत चवाण ४०६

फ

फतसा ४५७

फतेखां ३६४
 फतेखां जरडीया ३८५
 फतेसिंह प्रथीराजोत ३७०
 फतैकरण राठोड ४६६
 फतैखा ४२०
 फतैखा ऊसूखा सुजेरडी ४०१
 फतैखान जालोरी ३६१
 फतैखान दीवाण ३६२, ४१५, ४१६
 फतैखां माछुखानोत मेरडीया ४०७
 फतैमेहमद सुरणायची ४५३
 फतैसिंघ राठोड ४६८
 फतैसिंघ विजैकरणोत भीवाणी पंचोली
 ५८७
 फतो कोचर मूता ४७६
 फरासत खोजा ५७६, ५८०, ५४८
 फरो दहीयो ४५८

फा

फाजुलाखां खांजी ५६६

फू

फूला भटियाणी राणी ५८२

ब

बखतसिंघ राठोड ४६८
 बखतावरसिंघ ४६८, ४७१
 बगतावरसिंह बलूओत ४६६
 बगतावरसिंघ ४६५
 बडा राणावतजी (म. तखतसिंघ री राणी)
 ५६३, ५७३
 बडा लालजी ५७६
 बनेसिंघ नवलसिंघोत चवाण ४०५
 बभूतसिंघ करणोत ३६६
 बभूतसिंघ आंमसिंघोत चवाण ४०६

वभूतसिंघ सालमसिंघोत राठोड़ ४६६
 वभूतसिंघ सुरतसिंघोत चवांण ४००
 वलभदर राठोड़ ४४०
 वलभद्र राठोड़ ४६१
 वल्लू गोपालदासोत ४६६
 वल्लू रागोदासोत पंचोली ५६१
 वल्लूजी राठोड़ ४७७
 वल्लू की वल्लू ४५२
 वल्लू सांवलदासोत घावड ४५२
 वल्लूजी चंदावतजी (म. गजसिंघजी की
 राणी) ५८२
 वल्लूजी मनभावतीजी ४५०, ५८६
 वल्लूजी सेखावतजी (म. जसवंतसिंघजी की)
 ४६०, ५८२

वां

वांकीदास चवाण ३८८
 वाको कछवाहो ४६१

वा

वाई चादजी ४५६
 वाईजी भटियाणीजी ५७५
 वाईजी मिरैकवर ५७५
 वाघसिंघ राठोड़ ४७१
 वाघो दरजी ४५८, ४६०
 वाजखां सेख ४५७
 वादर ४६३
 वादरखां हसनखानोत मेर ४१०
 वादरसिंघ गौड़ ४६६
 वादरसिंघ भदेरीयो ४६६
 वादरसिंघ राजसिंघोत सीसोदीयो ४६६
 वावू मगलीराय ४६०
 वागे रांणा सोनगरा ३६०
 वालकिसन मंडारी ४७६

वालाराव पडीयार ५६०
 वाला अखैराजजी राठोड़ ४१६
 वाला भोपत ४४२
 वाला भोपतोत ४४०
 वाला मधसिंघ ३६६
 वालो अमरदास कामदार ४१६
 वालोजी भाखरसी रो राठोड़ ४७६
 वालोलखां सेराणी ३६२
 वाहदरसिंघ राठोड़ ४६७
 वाहादरसिंघ ठाकुर जोधा ४७०

बी

बीडी मुगल पातसाह ४१७
 बीदो कनावत सेवड़ो प्रोहित ५६३
 बीदो राठोड़ ४६६

बु

बुर्दसिंघ भवानसिंघोत चवांण ४०८
 बुर्दसिंघ वखतसिंघोत चवाण ४०६

वे

वेणी तंबोल ४५८
 वेणो तंबोली ४५६
 वेलो कोचर मूता ४७६
 वेलोलखां पठाण ४१५
 वेजनाथ प्रोहित ४३६

वो

वोगरा पातसाह ३६०

म

मग वाघो गोईदोत ४५८

भगवतसिंघ राठौड ४६५
 भगवतसिंघ हाडो ४६७
 भगवान कुसलावत ५८७
 भगवानदास ४३५
 भगवानदास उदैसिंघोत राठौड ४६६
 भगवानदास कुसलावत सिकदार ५६२
 भगवानदास चापावत राठौड ४१६
 भगवानदास जोगीदासोत राठौड ४२०
 भगवानदास राठौड ४६६, ४६७
 भगवानदास सोभावत ५८८
 भगवानदास सोभावत सिकदार ५६५
 भगवानपुरी ४०७
 भयटिणी (कल्याणदास राठौड री बेर)
 ४४३
 भदोजी भदावत पंचाण रो राठौड ४७५
 भदोसिकदार ५७६
 भभूतसिंघ मोड़सिंघोत चवाण ३६८
 भभूतसिंघ राठौड ४६७
 भवानीसिंघ फतसिंघोत भाटी ५८०

भां

भाण ऊड़ ५८४
 भाण पंवार ५०१

भा

भाखरसिंघ ४०७
 भाखरसी रिड़मल रो राठौड ४७६
 भागा घाय (बलू सावलोत री बहू) ४५१,
 ४५२
 भागीरथ राठी ५६२
 भादर गोपनोत ४६१
 भादो वणसूर चारण ४०७
 भानसिंघ राठौड ४६८
 भाना चारण ४०७

भाना भोजग ५७६
 भानीदास खीवावत राठौड ४३२
 भारतसिंघ जीवसिंघोत चवाण ४०३
 भारथसिंघ जोघा ४७०
 भारमल राठौड ४७५
 भारसिंघ भानसिंघ रो पोतो कछवाहो
 ४६२

भी

भीया चारण ३६२
 भीया किलाणदास रो सीसोदीयो ४१४
 भीव गोपालदासोत राठौड ४५३
 भीव चूंडाजी रा राठौड ४७६
 भीव सबलसिंघोत ४६७
 भीवपुरी ४०७
 भीवराज सीगवी ४३६, ४३७
 भीवसिंघ राठौड ४६८

भी

भीम चूंडावत ४७८

भू

भूतसिंघ वीरभदेवोत चवाण ३६७
 भूता जीवावत चारण ४०८
 भूपतसिंघ कुसलसिंघोत चवाण ३६८

भै

भैरुदास चापाजी रा राठौड ४७७
 भैरुदास राठौड ४६५
 भैरुसिंघ सिरदारसिंघोत राठौड ३६६

भो

भोज पवार ५००

भोज विकमादीत रो मदोरीयो ४६५
 भोजराज कछवाहो ४६६
 भोजराज कौरतसिघोत चवाण ४०६
 भोजराज नवलसिघोत चवाण ४०४
 भोजराज परवतसिघोत चवाण ३६०
 भोजराज राठोड ४७४
 भोपत गोपालदासोत राठोड ४६७
 भोपत पतवत राठोड ४३५
 भोपतजी राठोड ४७४, ४७७
 भोपतराम ४११
 भोपालसिघ अजीतसिघोत चवाण ४०३
 भोपालसिघ चवाण ४०१
 भोपतसिघ जांवतसिघ चवाण ३६८
 भोमजी सोनगरो ३६०
 भोमसिघ विजैसिघोत चवाण ४०५

मं

मंगलसिघ जोधा ४७०
 मंगलसिघ प्रतापसिघोत चवाण ४०३
 मंगलो रिङ्गमल रो राठोड ४७६

म

मकरदसिघ मरेठो ४६८
 मजु फरास ४५८
 मदनसिघ पचोली ४७८
 मदनसिघ मिभूजी रो मरेठो ४६६
 मदारक खोजा ४६३
 मधु(घायभाई) चहुवाण ५६२
 मनछाराम ४३७
 मना पंवार ५८६
 मना भडारी ५८५, ४७६
 मनोरदाम ४६६
 मनोर सनावत ३६०
 मनोहर पीरोमत ४४७

मरदान अलीखां दीवाण ४७८
 मलकअली सेरखा विहारी ४०७
 मलकअली सेरदी ३८६
 मलकखान नवाव ४१३
 मलकखान वडा ४१८
 मलुवो वीकमसिघोत चवाण ३६०
 मलू दफतरी मूता ४८०
 महंमदरवान मीरघो ४५७
 महाखान दीवाण फतेखान विहारी रो ४१६
 महानिघ ४२०
 महीगर वीरामण ४०८
 महेस घडसियोत ५६२
 महेस सिरीमाली ५८१
 महेसदास ४३७
 महेसदास ग्राढा ५६१
 महेसदास कान्गो ४२८, ४३०
 महेसदास कू पावत ४६८
 महेसदास दलपतजी रो राठोड ४७४
 महेसदाम राठोड ४६८, ४७४
 महेसदास रामदासोत ४४७

मां

मा चोहाणजी ४५०
 मां जाडेची ४५०
 मा मटीयाणीजी ४५०
 मा वाघेलीजी ४५०
 माडण डेडरीयो ४३३
 मांडण नायक ४३३
 मांडण राठोड ४६५
 माडणजी रिङ्गमलजी रा राठोड ४७६
 मांडल जसोजी रा राठोड ४७७
 मांडलजी राठोड ४७७
 माडण कू पावत ४६८
 माणक जोगी ५६४

माधवसिंघ कलावत चवांग ४०६
 माघो कछवाहो ४४८
 माघो बेदीयो ४४७
 माघोदास राठोड ४७५
 माघोसिंघ भगवानदास रो कछवाहो ४६०
 माघोसिंघ भगवानदासोत कछवाहा ४२२
 माघोसिंघ मानसिंघ रो कछवाहो ४६२
 माघोसिंघ ठोड ४६५, ४७२
 मानखा मेगो डोसावत भेरडीया ३६२
 मानघाता ४६६
 मानसा पीर पसातमारी रा बेटा ४६४
 मानसिंघ कछवाहो ४६१
 मानसिंघ किसनगढ रो ४६८
 मानसिंघ कीरतसिंघोत बाला राठोड ४१०
 मानसिंघ नगराजोत राठोड ४३३
 मानसिंघ मुकनसिंघोत फर्तसिंघोत चवांग ३६१
 मानसिंघ रावत सीकर रो सीसोदीयो ४६५
 मानसिंघ सोनगरो ४३४
 मानसिंघ हीमतसिंघोत चवांग ४०६
 माना पसेरी ५८६
 मानो अमरावत भडारी ५६४
 मालमसिंघ जोधा ४७०
 मालमसिंघ राठोड ४६८
 मालूजी ४६७
 मासिंघ ४६७
 मासिंघ किसनगढ रो ४६८
 मासिंघ मानसिंघ रो पोतो कछवाहो ४६४
 माहसिंघ भगवानदासोत ४६७
 महासिंघ राठोड ४६६
 माहसिंघ रूपावत चवांग ४०६

मि

मिरघावती बाई ४५०

मी

मीठी ४५३
 मीया तालीमखां ४२०
 मीया फरासत ५८६, ४५१, ५८८,
 ५८६
 मीया मीदूखा मादुखानोत ४०७
 मीथा सवाईखां मादुखानोत ४०७
 मीया सिरदारखा मादुखानोत ४०७
 मीर अब ४५३
 मीरखान ४६६
 मीरखान नवाब ३६१, ४१५,
 ४६७
 मीरजाफर ५६१
 मीरांबाई ४७१
 मीरूखां नवाब ४१८

मु

मुकनदास खीची ४४४
 मुकनदास चापावत ४६६
 मुकनदास राठोड ४६८, ४७१, ४७२,
 ४७३
 मुकनसिंघ राठोड ४६८
 मुकनो सोबो गगादास चारण ४०८
 मुकेसी किलेदार ४५६
 मुतरादास ४६२
 मुतरादास खतरी ४६१
 मुदफरखान ४३३
 मुरलीधर गुसाई ५६३
 मुरादवगस साहजादा ४२५
 मुहु जोपसाजी रा ४७७

मू

मूणदास पंचोली ५६१

मूणसिंघ गिरधरदास चवाण ३६२
मूळी प्रोहित ५६२

मे

मेकरजी सोनगरा ३६०
मेगु चारणा ३६२
मेदनीराय चहुवाण ४६०
मेदनीसिंघ प्रथीसिंघ री ४६७
मेलतीवखां जवदलखां री ४१८
मेवो मुग ४२०
मेहमूद खान ४५७
मेहमेद परदार ५८८

मै

मैराज अखैराज री राठोड ४७५
मैसदास ५६५
मैहकरण राठोड ४६६

मो

मोकमसिंघ ४६६
मोकमसिंघ ई दरसिंघ री राठोड ४७३
मोकमसिंघ लालसिंघोत सखावत चवाण
३८७
मोकलसिंघ वभूतसिंघ चवाण ४०२
मोघसिंघ लालसिंघोत चवाण ४०३
मोतीवाई (म. वखतसिंघ रे खवास री
वेटी) ५८०
मोती भाट ३६६
मोतीसिंघ बीसा ५७१
मोवतसिंघ चवाण ४०१
मोवतसिंघ बागसिंघोत चवाण ४०६
मोवतसिंघ मेघसिंघोत राठोड ३६५
मोयणदास राठोड ४७३

मोवरण ४७६
मोवरणदास पंचोली ५६५
मोवणसिंघ राठोड ४७३
मोहणदास ४६३
मोहीणदास पंचोली ५८८

या

याकूब ४५३

र

रघुनाथसिंघ किलाससिंघोत चवाण ४०५
रणधीर चूंडाजी रा राठोड ४७६
रणधीर महैकावत ई दो ४३४
रणसिंघ मोखमसिंघोत ५८६
रतनकवर बाई ४५६, ४६०, ४६१
रतनकरण राठोड ४६६
रतनराजजी सीगी ३७३
रतनसिंघ पाडसिंघोत राठोड ४१०
रतनसिंघ मालदेसोत राठोड ४७१
रतनसिंघ महैसदास री राठोड ४४७
रतनसिंघ राठोड ४६८, ४७०
रतनसिंघ हरीसिंघ रा जोधा राठोड
४७४
रतनसी ४५७
रतनसी खीवावत राठोड ४३२
रतनाजी ४६४
रतनावती बाई ४५१
रतनो खाती ४६०
रतनो डेडरीयो ४३३

रा

रागोदास सोमावत निकदार ५८६
राघुजी चवाण ४१०
राघू परवतसिंघोत चवाण ३८८

राघवदास राठोड़ ४७७
 राघवदास सिकदार ४५०
 राघोदास भालो ४६८
 राघोदास राठोड़ ४७०
 राज अमैराज मेरू ४११
 राज खमन भदोरियो चहुवाण ४६१
 राज श्री गिरधरदासजी ४१२
 राज देवीदास ४११
 राज रामसिंघ ४१५
 राज सगतसिंघ ४११
 राजसिंघजी ४१४
 राजसिंघजी री बहू ४५०
 राजसिंघ ईसरदासोत चवाण ३८६
 राजसिंघ कूपावत ५८५, ५८६, ५८६
 ४६७
 राजसिंघ खीमावत राठोड़ ४१७
 राजसिंघ राठोड़ ४६५, ४६८
 राजसी मु० ४१८
 राजसी मूता ४१४
 राजा अजीतसिंघ ५६५, ५६७, ५६६,
 ५७०, ५८४, ५६२, ३६३, ३६८,
 ३७०, ३६२, ३६५, ४०७, ४०८,
 ४११, ४१२, ४१५, ४१६, ४२०,
 ४४४, ४६५, ३६६, ४६७, ४६८,
 ४६६, ७४३, ४७८, ४७६
 राजा अमैसिंघ ५६७, ५६८, ५६६,
 ५७१, ५८०, ५८१, ५८४, ५६३,
 ४१५, ४१६, ४२२, ४२३, ४३६,
 ४३७, ४६७
 राजा उदैसिंघ ४४०, ४४३, ४७८,
 ४७६, ४८०, ४६०
 राजा उदैसिंघ सेवा रो भाई दिखणी
 ४६६
 राजा करण आसकरण रो कछवाहो
 ४६०

राजा किलाण ईडर रो राठोड़
 ४६५
 राजा किलाण वगधारी ४६४
 राजा किलाण भाटी जेसलमेर रो
 ४६४
 राजा किलाणसिंघ ४६४
 राजा किसनचंद नगरकोट रो
 ४६४
 राजा किसनराय ४६४
 राजा कैलास तोडरमल रो खतरी
 ४६५
 राजा गजसिंघ ५६३, ५६४, ५६६,
 ५८२, ५८३, ५८५, ५८६,
 ५८७, ५६१, ५६२, ५६४ ।
 ३६१, ३७८, ३८३, ४१४, ४१८,
 ४३०, ४३१, ४७३, ४७६, ४८०,
 ४६३, ४६४
 रा. गजसिंघजी री पात्र ४५०
 राजा चांयो प्रलवारो ४६५
 राजा जगतसिंघ कछवाहो ४६३
 राजा जगनाथ कछवाहो ४६२
 राजा जगमल ४६४
 राजा जगसिंघ वासु रो ४६५
 राजा जसवन्तसिंघ ५६३, ५६५, ५६६,
 ६७०, ५७१, ५७२, ५७४, ५७५,
 ६८२, ५८३, ५८४, ५८६, ५८७,
 ५८८, ५६१ ।
 ३६१, ३६४, ४१५, ४१८, ४२२,
 ४३७, ४४६, ४६२, ४६७, ४७६,
 ४८१, ४६३
 राजा जैसिंघ कछवाहो ४६३, ४६६,
 ४६५, ४८६, ४६३
 राजा जैसिंघ विशनसिंघ रो कछवाहो
 ४६६

राजा जोगराज माराज नरसिंघ रो
 बूंदेलो ४६६
 राजा टेकचन्द कुमांक रो ४६४
 राजा टोडरमल वजीर ४६०
 राजा टोडरमल ईटासी रो ४६७
 राजा तखतसिंघ ५६०, ५६१, ५६३,
 ५६६, ५६८, ५६९, ५७२, ५७३,
 ५७५, ५७७, ५८२, ५८५, ५८७,
 ५८९
 राजा दलपतरायसिंघोत ४२२
 राजा देवीसिंघ बूंदेलो ४६७
 राजा नथमल पंचोली बूंदेलो
 ४६२
 राजा प्रताप बगला रो ब्राह्मण
 ४६५
 राजा प्रतापसिंघ ५७६
 राजा फतसिंघ ५७२
 राजा बासु पजाबी ४६२
 राजा बूंदेलो ४६६
 राजा भगवानदास ४६०, ४६३
 राजा भारत रामचंदर रो बूंदेलो
 ४६४
 राजा भारमल कछवाहो ४६०
 राजा भावसिंघ ४६३
 राजा भीवसिंघ ५७२, ५८५
 राजा भीव सीसोदिया ४१८
 राजा भोजराज पंवार ४४४
 राजा मनोर कछवाहो ४६१, ४६२
 राजा महेसदास ३६१
 राजा महेसदास रतनसिंघ रो
 ४१५
 राजा मानसिंघ ५५९, ५६१, ५७१,
 ५७३, ५८१, ५८५ ।
 ४१६, ४३७, ४५८, ४५९, ४६५,
 ४७०, ४६४

राजा मानसिंघ कछवाहो ४६०, ४६२
 राजा राजरूप जंबू रो ४६६
 राजा राजसिंघ कछवाहो ४६४
 राजा रामचद उडीसा रो ४६१
 रान्ना रामचद बूंदेलो ४६२
 राजा रामचद वघेखो ४६०
 राजा रामदास राजसिंघ रो कछवाहो
 ४६५
 राजा रामसिंघ रतनसिंघोत ३६२
 राजा रामसिंघ राठोड बीकानेर ४६०
 राजा रामसिंघ हाडो ४६९
 राजा रायसिंघ ४२२
 राजा रायसिंघ नागौर ४६६
 राजा रायसिंघ राठोड बीकानेरीयो
 ५८८
 राजा रायसिंघ सीसोदीयो ४६६
 राजा रुधनाथ ४६७
 राजा रुधनाथसिंह ४२५, ४२६
 राजा रूपचद गुवाल्लेर रो ४६५
 राजा बखतसिंघ ५६०, ५६२, ५६३,
 ५६७, ५७०, ५८०, ५८२, ५६९,
 ५७० । ४१६, ५२३, ४७०
 राजा विक्रमसी पगुवा ४६७
 राजा वीरवर विरामण ४६०
 राजा विजसिंघ ५६२, ५७०, ५७१,
 ५७२, ५८०, ५८५, ५८७, ५९०,
 ५९२ । ४१६, ४३६, ४६७ ४७०
 राजा समरसी ऊदसिंघ विसवागरी
 सीसोदीयो ४६५
 राजा सलेदीन भारमल रो कछवाहो
 ४६१
 राजा सामसिंघ श्रीनगर रो ४६५
 राजा सारंगदेव ४६५
 राजा सुजाणसिंघ ४४४, ४४५
 राजा सुरल वामुमन रो ४६४

राजा सूरसिंघ (सूरजसिंघ) ५६०, ५६२,
५६३, ५७६, ५८०, ५८३, ५८६,
५८७, ५८८, ५८४ । ३६१, ४१४,
४१७, ४१८, ४३६, ४४४, ४५०,
४७२, ४६३, ४३०, ४३१, ५६०

राजा सूरसिंघ बीकानेरीयो ४२२, ४६४

राजा हरजी ४४४

राजेश्वर जगतसिंघ ५७५

राजो लखो गोयल ४०१

राणा ऊधरण ३६६

राणा उमेदसिंघ सिरदारसिंघोत ३०७

राणा केसरीसिंघ सिरदारसिंघोत
३६६

राणा गणसीदे ३६६

राणा चंद ४१०

राणा चनणसिंघ सिरदारसिंघोत ३६७

राणा जीवण लख सा० ३६८

राणा जैसिंघ राजसिंघोत रो सीसोदीयो
४६८

राणो जोगराज ४१०

राणा ठाकुरसी ३६६, ४११, ४१२

राणा डू गरसी ३६६

राणा तेजमाल ४१०

राणा दीपाली चवाण लखजी ३६६

राणा देपाल ३६६

राणा देवीदास बीजावत ४३८

राणा पंचाण ४११

राणा प्रगता बागावत चारण ४०७

राणा भीम राजसिंघ रो सीसोदीयो
४६८

राणा भोजराज ३६६, ४१०, ४११

राणा मलु सिरदारसिंघोत ३६६

राणा मानो ३६६

राणा राजसिंघ उदैपुर रो सीसोदीयो
४६८

राणा राजसिंघ सीसोदीयो ४६३

राणा बीसल ३६६

राणा बीसलदे ३६६

राणा सकर राणा प्रताप रो भाई
सीसोदीयो ४६२

राणा सा पठाखान, गुढारा ३६०

राणा सादूल ३६६

राणा साखद ३६८

राणा सिंहराज ३७०, ३६५

राणा सुजारासिंघ सिरदारसिंघोत ३६६

राणा सुजो ३६६

राणा सैंगर ऊदैसिंघ रा सीसोदीयो ४२२

राणा सैसमल ३६६

राणा हापोजी चवाण ३६८, ३६६

राणी राणावत ५७६

राणो 'राणावत' पंचाण रो राठोड़
४७५

राणो बीरमोत ऊदावत राठोड़ ४३४

रादा ४७६

रामकवर (जसवत दे हाड़ी) ४६२

रामकरण पचोली ४१६

रामघण सुरदी दीला वालो ४६५

रामचंद ४६६

रामचंद कछवाहो ४६१

रामचंद पंचोली ४७८

रायसिंघ सोहाणोत राठोड़ ४२२

रायसिंघ विजैसिंघोत चवाण ४०६

रायसिंघ लाहसिंघ चवाण ४०६

रायसल दरवारी सेखावत ४६०

राव अनोपकरण ४६७

राव अमरसिंघ ४२२, ४२३, ४५१

राव अमरसिंघ राठोड़ ५७०,

४७३, ४६३

राव आसथान ४७७

राव इंदरसिंघ ४६६, ४६८

राव उदैसिध ४७४
 राव ऊदो सूजा रो ४७४
 राव करण भुरटीयो ४६७
 राव कानडदे ५६३
 राव गागा ५६०, ५७६, ५८२, ५८४,
 ५६१, ५६२। ४८०
 राव गांगा री राणी ५८१
 राव चन्द्रसेन ५६२, ४३३, ४३४, ४३८,
 ४३६, ४४०, ४७४
 राव चून्डा ४२१, ४७६, ५०१
 राव छतरसाल ५८२
 राव छत्रसाल बूंदेलो ४६३
 राव जगदे केलण भाटी ५००
 राव जगमाल ४७२
 राव जालमसिध मोकमसिधोत
 ३८६
 राव जैमल राठोड़ ४७२, ४७३,
 ४७५
 राव जैसिधदे सोनगरा ३६०
 राव जोधा ५५६, ५६०, ५६१, ५६४,
 ५७६, ५८१, ५८४, ६८१, ५८४,
 ५८५, ५८६, ५८८, ५८९, ५९१,
 ५९२, ४२५, ४७१, ४७८, ४७९,
 ४८०
 राव दुरगो सीसोदियो ४६०, ४६३
 राव दूदा ४३३, ४३७, ४७१, ४७४
 राव घांघल ४७७
 राव भारो जाडेचो ४६५
 राव घूहड़ ४७७
 राव पदमसिध अणुदसिधोत ४०६
 राव पातोजी सोनगरा ३६०
 राव पीताम्बरदास खतरी ४६०
 रामचंद मधुकर रो बूंदेलो ६६१
 रामजसो जाडेचो ४६५
 रामजी जैमलोत ऊहड़ ४३५

रामदास कछवाहो ४६१, ४६२
 रामदास खवास सोभावत ४४६
 रामदास दीवाण राठोड़ ४६१
 रामदास रा० सूरतसिध रो ४६५
 रामदास राठोड़ ४७२
 रामपाल जोधाजी रो राठोड़ ४७५
 राम मूता ५८८
 रामसिध ४६४, ४६६
 रामसिध अनोपसिधोत चवाण
 ४१०
 रामसिध कछवाहो ४६६
 रामसिध कुंभावत भाटी ५६२
 रामसिध चुतरसिधोत चवाण ४१०
 रामसिध मोकलसिधोत राठोड़
 ३६२
 रामसिध राठोड़ ४१६, ४६८
 रामसिध राठोड़ बीकानेर रो ४६२
 रामा माली ५८७
 रामा मुंहता ५८७
 रामाराव तिलोकचंद चदरावत
 ४६६
 रामेश्वर वेदीयो ४५२
 रामोजी राठोड़ ४७४
 रायसिध ४६३
 रायसिध अमरसिधोत ५२२
 रायसिध कावा ४१८
 रायसिध गठोड़ ४७३
 रायसिध रिणमल रो जाडेचो ४६७
 रामो वेद मुता ४४३
 रायकरण दीवाण गुजरात ४६४
 राय खीवसी भंडारी ४७६
 रायपाल राठोड़ ४७६
 रायमल ४४०
 रायमल मालदेओत ४७१
 रायमल सिधवी ५८१

राय लालचन्द कावल रो ४६८
 राव बलूजी सोनगरा चवाण
 ३६०, ३६१, ३६६, ३८४, ३८६,
 ४०८, ४१०, ४११
 राव बागोजी ४७६
 राव बीकोजी जोधाजी रो राठोड
 बीकानेर ४७५
 राव भगवत भदोरीयो ४६४
 राव भागधिस हाडो ४६६
 राव भोजराय सुरजन रो हाडो बू दी रो
 ४६०
 राव मलीनाथ ४७६
 राव मालदे ५५६, ५६०, ५६१, ५६३,
 ५७६, ५८०, ५८१, ५८२, ५८४,
 ५८६ ५८७, ५८८ । ४३६, ४३८,
 ४६७, ४७१, ४७२, ४७४, ४७६,
 ४८०, ४८१
 राव मौकमसिंघ लालसिंघोत चवाण
 ३८६
 राव मोतीसिंघ पदमसिंघोत ४००
 राव रतनसिंघ महेसदासोत ४१८
 राव रतनसिंघ राठोड ४७१
 राव रतन हाडो बू दी रो ४६३
 राव राम ४३३, ४३४
 राव रायमल ४७१
 राव रिडमल ४७८
 राव लालसिंघ अणंदसिंघोत ४०६
 राव लालसिंघ पदमसिंघोत ४००
 राव वनमालीदास मुसरफ ४६५
 राव वजरग सोनगरा ३६१
 राव वरजांगसिंघ ४०७, ४०८
 सब वरसल प्रथीराजोत ४३५
 राव वरसिंघ ४३६, ४७१
 राव वरसिंघ जोधा रो ४७४
 राव बीदा जोधाजी रो राठोड ४७५

राव वीरम ४७१
 राव वीरमदे मालदावोत चवाण
 ४०८
 राव सगरामसिंघ सोनगरा ३६०
 राव समैजा सा० बाहादुर ३७६
 राव सलखाजी ४७६
 राव सावलदास ४१२
 राव सातल ५६०, ५८२
 राव सीहो ४१७, ४७१
 राव सुंदरदास ४६४
 राव सुजाणसिंघ ४१५
 राव सुपुड ४६३
 राव सुरजन हाडो बू दी रो ४६०
 राव सुरताण ४३४, ४३५
 राव सूजा ५६० । ४७४, ४७६
 राव सैसमल ३६२, ३६३, ३६० ३६१
 रावल भीम भाटी जेसलमेर रो ४६१
 रावल भोजदे ५०१
 रासो चहुवाण ५८८
 रासो जोगावत ईंदो ४३४

रि

रिडमल राठोड ४६८, ४६६
 रिणछोडदास गीयनदासोत राठोड ४५३
 रिणछोडदास पुसकरणो विरामण ५६७
 रिणछोडदास राठोड ४६५, ४६६
 रिणजीतसिंघ जोधा ४७०
 रिणवीर डेढरीयो ४३३
 रिणमल जामनगर रो जाडेचो ४६७
 रिणमल नीवावत भाटी ४३३

रु

रुगनाथ भंडारी ५६७, ५६६ ।
 ४३७, ४७६

रुघनाथ बाघोत भाटी ४४६
 रुघनाथ हकीम ४६५
 रुघनाथदास मीसोदीयो ४६८
 रुघपत पाचो ४४७
 रुदरसिंघ मासिघोत भदोरीयो ४६८
 रुसतम मीयां ४५७

रू

रूपदे चारण ३६३
 रूपसिंघ अमरसिंह देवड़ा ३६५
 रूपसिंघ देवड़ा ३६५
 रूपसी वैरागी कछवाहो (भारमल रो भाई)
 ४६०
 रूपा देवड़ी (चांपा गेलोत री बहू)
 ५८६
 रूपो बंचायत छीपो ५८४

रे

रेखो माली ५८५

रै

रैणायर मूला ४७६

ल

लखधीरसिंह नोधा ४७०
 लछमीनारायण कछ रो ४६५

ला

लाखा ४५३
 लाडा फरास ४५८
 लालजी पटित ४५७
 लालदास सेखावत ४४७
 लालसिंघ मेघसिंघोत चवाण ४०१

लालसिंह मोड़सिंघोत चवाण ४०६
 लालसिंघ राजसिंघोत चवाण ४०६
 लालसिंघ सिरदारसिंघो चवाण ४०२
 लालू हलालखोर ६५८
 लालो खोजे ५६१
 लालो वीरसर रो ब्राह्मण ४६१

लि

लिखमीचन्द राजा कमा रो ४६५
 लिखमी राणी (राव सूजा री पत्नी)
 ४७६
 लिछमणसिंघ राठोड ४६८, ४७१

ली

लीखमीचन्द ४४३

लु

लुणकरण भंडारी ५८३, ५६४
 लुणकरण वीरमदेवोत चवाण ४०६

लू

लूणो भंडारी ५६८ । ४७८, ४७९
 लूणो राठोड ४६६

लो

लोलो श्रीधर कानुंगो ३६६, ३७०

व

वछराज गोड़ ४२५
 वछराज भंडारी ४७६
 वनेसिंघ सगतीदानोत चवाण ४००

वसुदेव चन्दनखेडा रो ४६६
वरजाग भीमोत ४७८
वरदीन खोज ४१३
वरसाल पातलोत राठोड ४३४
वसत नाजर ५८८
वाला घवेचा ४४४
वालीगो रजपूत ४४३

वि

विक्रगादीत राजा वधेला ४६२
विजैसिंघ देवीया राठोड ३७६
विजैसिंह मूँता ५७६, ५८५
विठलदास राठोड ४७२
विठलराय गुसाई ५७१
विसनसिंघ किसनसिंघ रो कछवाहो
४६८
विसनसिंघ राठोड ४६७, ४६८
विहारीदास राठोड ४६५, ४७१

वी

वीकमसिंघ सोनगरा ३६०
वीकससिंघ चवाण ३६८, ३६९
वीजा दौ० ४३५
वीजोजी राठोड ४७२
वीजो वीरराजोत राठोड ४३
वीठल विणजारा ५६५
वीठलजी राठोड ४७७
वीठलदास कुसलायत ४५३
वीठलदास भडारी ४०६
वीठलदास राठोड ४६६
वीदो खीची ४३३
वीदो साकरोत राडवरो ४३५
वीनाबाई ४४४
वीरदान केसु रो चारण ४०८
वीरनारायण पंवार ४३८
वीरमदे ५६१

वीरमदे जसराजोत, घवेचो ३६६
वीरमदे देवडा ३८७
वीरमदे ववीचा चवाण ३७८
वीरमदे सोनगरा चवाण ३६०
वीरमदेव सीसोदीयो ४६६
वीरमसिंघ चवाण ३६८
वीसनदास हातीसिंघोत चवाण ४०६
वीहारीचद ४६३

वृ

वृ दावन सतोखीदास जोसी ४५३

वे

वेणा दवे सिरमाली ४५०
वेणीदास सिवरराजोत चवाण ३६०
वेदगराय व्यास ४५३
वेला मूँता ५८५

स

सकर वारट ४२२
सकर व्यास ५८१
सकरपाण जोसी ५८४
सगराम ४२६
सगराम सुखदानोत चारण ४०८
सगरामसिंघ आईदानोत घवेचा राठोड
४१०
सगरामसिंघ जंबू रो राजा ४६५
सगरामसिंघ राठोड ४६८, ४७१
सपत राजा ५६४, ५६५
सभोजी सेवाजी रो दिखणी ४६८
संवरसी सोनगरा चवाण ३६०

स

सईव कासम ४१६

सकतसिंघ मानसिंघ रो कछवाहो ४६१

सगतसिंघ जोघा राठोड ४७४

सगतसिंघ मोटा राजा रो राठोड ४२२

सगतसिंघ राठोड ४६५

सगतसिंघ वेणीदासोत चुंग ३६१

सगतीदान देवीसिंघोत चवाण ४०६

सगतीदान मानावत चवाण ४०६

सगतीदान राठोड ४६५, ४६८

सगतीदान रायसिंघोत चवाण ४०७

रुंगर राणा प्रतापसिंघ रो भाई

सीसोदीयो ४६१

सत्ता भोजराजोत चवाण ४११

सतोजी चूडाजी रा राठोड ४७६

सत्रुसाल रिणमल रो जाडंचो ४६७

सवलसिंघजी री बहू ४५०

सवलसिंघ ठाकुरसिंघोत देवडा ३६५

सवलसिंघ मानसिंघ रो कछवाहो ४६१

सवलसिंघ राठोड ४६६, ४६७, ४६८

सवलसिंघ सीसोदीयो ४६६

समन टाटीया ४६४

ससन टाटीया ५६४

समरो भडारी ४७८

समावली मेहलीया (अखैराज जी री
बहुवा) ४५१

सरदारसिंघ मालदेवोत ३६१

सरूपदे भाली (राव मालदे री) ५८२

सरूपी घायवेन ४४८

सलेमखा पातमाह ४२१

सलेमसा पातसाह ५६२

सवाई जैसिंघ ४२२

सवाई रैमतखा जैरडीयो ४१०

सवाईसिंघ पदमसिंघोत चवाण ४०२

सवाईसिंघ राठोड ४६६, ४६७, ४६६

सहदेव सोलंकी करणा रो ५८८

सहेसो मागलीयो ४३३

सां

सांकर जैसिंघोत राठोड ४३२

सांगो पवार ४६२

साभरण ४१०

सामकरण राठोड ४६६

सामदास कानूंगो ३७०

सामी इन्दरपुरी ४०१

सामी किसनपुरी ४०१

सामी जैतपुरी नरपुरी रा चेला ३६२

सावत पवार ५०१

सांवतमल सिंघवी ४१६

सांवतसिंघ मुणोयत ४१५

सावतसिंघ राठोड ४४०, ४६८, ४६६,
४७०

सावतसिंघ सोनगरा ३६०

सांवतसी दहीयो ४३४

सावतसी सुरावत दो० ४३५

सावलदास जादव ४६१

सावलदास नरहरदासोत चवाण ३६२

सावल रो बेटो ४५२

सा

सातल देवडा ४३३

सादी कासम गुजराती ३६२

सादुल चौधरी ४४८

सादूस घा० ४४८

सादूलजी राठोड ४७२

सादूलसिंघ राठोड ४६८, ४७१

सादूलसिंघ वीठलदासोत चांपावत ४६६

सादूलसिंघ हीदूसिंघोत चवाण ४००,
४०६

सामदास राठोड ४७२

सामदास सुजाघत देवडा ४३५

सामसिंघ ४६२

सार घूहडजी रा ४७७
 सारगदे (राव रिडमल री वेर) ४७८
 सारंगदे राठोड ४७२
 सालगराम नाजर ५७७
 सालमसिध चवाण ३६८
 सालमसिध राठोड ४६७, ४६८, ४६९
 सालमसिध सोनगरा चुंग ३६०
 सालवान ४६२
 साहजहा पातसाह ४२५, ४६३, ३६१,
 साहासू साहजादा ४२५
 साहू दिखणी ४६३
 साहूजी मरेठो ४६६

सि

सिभूसिध जालमसिधोत राठोड ४६६
 सिधकरण राठोड ४६६
 सिध पवार ५०१

सि

सिरदारसिध मालदेवोत चवाण ३८८,
 ३८९
 सिरदारसिध राठोड ४७०
 सिरेमल साह सखवालेचा ५६२
 सिवदान फतसिधोत चवाण ३६१
 सिवदान हरावत चवाण ४१०
 सिवदानसिध जोधा ४७०
 सिवनाथसिध राठोड ४६८, ४६९, ४६०
 सिवनारायण जोसी ५७५
 सिववारायण पवार ४३८
 सिवपुरी ४०७
 सिवराज चवाण ३६८
 सिवसिध ४६६
 सिवसिध इ दरसिधोत चवाण ४०६
 सिवसिध राठोड ४६५, ४६७

सी

सीदल जोषसाजी रा ४७७
 सीभूसिह राठोड ४६८

सी

सीपा लालां ५६५
 सीया रगा ५७६
 सीयो वेद मुता ४४३
 सीलारखान ४१४
 सीलारखा ईसरखा रो ४१८
 सीलु बोग व्यास पोकरण ४८०
 सीवसिध राठोड ४६६

सु

सुंदर उडीसा रो ४६२
 सुंदर सिरमाली ४४५
 सुंदरदास सीसोदीयो ४६७

सु

सुकनो भडसाली मूता ४७६
 सुखदेव जोसी ४४७
 सुकदेव तीवाडी सिरमाली बीरामण
 ४८१
 सुखदेव सिरमाली त्रिवाडी ५६७, ५८४
 सुखमल सिधवी ४८०
 सुगमन ५६५
 सुग राजसिधोत ५६४
 सुगवे ५७६
 सुजाणसिध केसरीसिधोत जोधा राठोड
 ४७४
 सुजाणसिध चवाण ३८७
 सुजाणसिध नथसिसोत चवाण ४०२
 सुजाणसिध राठोड ४१६, ४६६

सुजातखा ५८७
 सुजायत खा नीवायत ५७६
 सुपरूदास ४६४
 सुपलराव पवार ५६४
 सुभकरणा वू देलो ४६६
 सुरणायची ४५३
 मुरताण पवार ४३३
 सुरताणजी राठोड ४७२
 सुरताणसिंघ दोलावत चवांण ४०१
 सुरा री वर ४३५
 मुलताग माजम सायबजादा ४५४
 सुखतानसिंघ चापावत ५७६
 सुलमखान सोवादार ४२१
 सुहड सेठ ५६४
 सुजा पिरागदासोत भाटी ४६०

सू

सूजो वरजांगोत ईंदो ४३४
 सुजो सूरतसिंघोत चवांण ३६१
 सूरजमल गौड ४६६
 सूरजमल चवाण ३६२
 सूरजमल जेसा सादूलसिंघोत चवांण ४०४
 सूरजमल देवीदास राणावत चवाण ३८८
 सूरजमल राठोड ४७७
 सूरजमल राव बलूजी रो चुंग ३६१
 सूरजमल सगतसिंघोत चवाण ३६४
 सूरतनाथ ५७३
 सूरतसिंघ ओपसिंघोत चवाण ४०२
 सूरतसिंघ चापावत ३६१
 सूरतसिंघ जवानसिंघोत चवाण ३६६
 सूरतसिंघ नारखानोत भाटी ३६१
 सूरतसिंघ बलूओत ४६६
 सूर सलेमसाह ४७१
 सूरसा पातसाह ५८१

सूरसिंघ उदैसिंघ रो राठोड ४७३
 सूरसिंघ चवाण ३६६
 सूरसिंघ वेणीदासोत चवाण ३६१
 सूरु गागावत राठोड ४३४

से

सेऊ वोग व्यास नाथावत ४८०
 सेखोजी राठोड ४७२
 सेरकरणा पवार ५६६, ५८७
 सेरखा ५६१
 सेरसिंघ ४१६
 सेरसिंघ राठोड ४६८, ४७०, ४६७
 सेरो जगलोत ४०६
 सेसजी चारण ३८४
 सयद मीर कासम खा ४१५

सै

सैसमल चवाण ३६२

सो

सोडो मई चारण ४०७
 सोनसिंघ चवाण ३८८
 सोभसिंघ जसराजोत धवेचो ३६६
 सोभागदे राणी ४४६
 सोभागदे राणी (म. सूरसिंघ री) ५८८, ४३५
 सोभो भौरावत चवाण ३६२
 सोभो सलखारो राठोड ४७६

रू

रूथामकंवर (राणीजी री वेन) ४५०

ह

हठीसिंघ दुरगदास मानावत चवांण ३६७

हंवरदी जामुवेग ४१३
 हमीर कुंभावत राडवरो ४३५
 हरकरण नाजर ५७६, ५७७
 हरकावाई ५६६
 हरजी खाडा ४१४
 हरदयालसिंघ मुनसी ५७८
 हरवोला राजा उर्दसिंघ री ओलगणी
 ५००
 हरवसी बाई ६६२
 हरसीध. ४०१
 हरमुखदास हरराजोत पंचोली ५७९
 हरी ई दो ५९१.
 हरीदास आईदासोत पंचोली ४७८
 हरीदास राठोड ४७२
 हरीसिंघ छतरसिंघ रो ४९८
 हरीसिंघ जैतसिंघ रो जोधा राठोड ४७४
 हरीसिंघ बलुओत ४६६
 हरीसिंघ राठोड ४६८, ४७०, ४७७
 हसनकुली खां ४३३, ४३४
 हसनकुली खां री मा ४३४

हां

हासू पवर ५००

हा

हाजी मैकदखां मुनसी ५७८
 हाडीजी (किलाणदास राठोड री वेर)
 ४४२, ४४३
 हाडीजी बहू ४५९
 हाडी राणी ४४६

हाडी राणी (राव जोधारी) ५८१
 हातीसिंघ छतरसिंघोत चवाण ४०५
 हातोसिंघ भोजराजोत चवाण ३९७
 हाथीजी राठोड ४७७
 हापोजी सोनगरा ३६०

हि

हिम्मतसिंघ राठोड ४६६

हीं

हीगोलो अहाडी ४७९
 हीगोलो आसाश्च ४३३
 हीदूसिंघ राठोड ४६८
 हीदूसिंघ रामसिंघोत देवड़ा ३९५
 हीदूसिंघ वनराज देवड़ा ३९५

ही

हीमतमल गेनीराम लोढा ४३७
 हीमतसिंघ प्रथीराजोत चवाण ४०५
 हीरदेनाराण हाडो ४९५

हु

हुकमसिंघ राठोड ४६७
 हुमायु पातसाह ४२१

हे

हेतु सीधी (हेतुसंदी) ४१८
 हेमसिंघ लालसिंघोत चवाण ४०४

ग्राम, नगर, देश आदि

नोट:—पृष्ठांक ५५६ से ६०० तक प्रथम भाग के परिशिष्टों के पृष्ठांक हैं और ३५६ से ५०१ तक के दूसरे भाग के परिशिष्टों के पृष्ठांक हैं ।

अ

अकबराबाद ४८८
अगडावो ३७२, ३७४, ३६२, ४०७
अगराली ३७३
अगलोई ४३६
अगार ३७४, ३६०, ४०३
अड़वालेसर ३७१
अचलागढ ५००
अचलपुर ३७४, ३७६, ४०२
अचलपुर गुडो ३६०
अजमेर ५६२, ५६८, ४१४, ४१६, ४२२,
४२६, ४२८, ४३०, ४६७, ४७०,
४७१, ४७४, ४८७, ५०१
अजासर ४२३
अजोध्या ५८६
अटालीयो ४७३
अनववाडो ४८८
अरठी ३७१
अरठो ३७१
अरडुयो ३७४
अरणवो ४०६
अरणाय ३८७, ३६१, ३६४
अरणाय ३७४
अलेटी ३७४

आ

आटली ३६३
आंतरोली ४७०
आंतरोली खुरद ४४६
आंतेरो ४८६
आंवभरो ४७१
आवली ३७४, ३८८, ४१२

आंवलीयां ३६२

आवेर ४२५, ४८७

आमंटकुई ३७१

आ

आऊओ ४६५, ४६७
आकली ३७१, ३७२,
आकोली ३७४, ३६१, ४२४
आखरीया वाव ३७०
आखो ३७०
आगरा ४२२
आबू ५००
आमली ४०३
आयो ४७७
आयोर ४७७
आलणीयास ४७५
आलेठी ३७२
आसणयो कोट ५७५
आसुमुपो ३७१
आसोप ४२६, ४३०, ४३१, ४३६, ४६७,
४६८
आहोर ४६५

इ

इदोड़ ४८८

ई

ईंदाणो ४२४
ईंदावटी ४२६, ४३०, ४३१

ई
ईडर ४७३
ईरावडी ३८६
ईसमालपुर ४८८
ईसलो ३७४
ईसरोघ ४१०
ईसरोल ३८७, २६२, ३६६

ऊ
उदैपुर ४७८

ऊं
ऊंचाहेडो ४३२

ऊ
ऊखावराणो ४७०
ऊणहडी ३७२
ऊणहडो ३७१
ऊदेही ४८६
ऊमरकोट ४७०, ५०१
ऊमाडा ४१८

औ
औमदाबाद ४१६, ५६३, ५६८
औवाद ४२३

औं
औमदपुर ४७३

औ
औगाली ३७१
औसियां ४२८, ४२६

औ
औरंगाबाद ४६२

कं
कंटालीयो ४६८

क
कटोल ३६५
कठमोर ४७४

कठोती ४२४
कडमेर ४८८
कडीयाबास ३७०

कमालपुर ४०६
कमालपुरो ३८७, ३६४, ४००
करावडी ४०५, ४०६
करीयो ४१०
करोली ५७५, ३६१
कसूमी ४७०

क
कांगोडा ३७२
कांटीयो ३७१
कांटेल् २७५, ३८७, ३६०
कांणणो ४६६, ४७५
कांपलीकोट ३६३
कांमलीकोट ३६०
कांमा ४८८

का
काचेलो ३७५
कानावेरी ३७०
कापडीकोट ३७३

कापरड़ो ४६७
काबल ३६१
कायलाणा ५७७
कारणा ३६१
कारोलाई ४०२
कालवा ३६०
कालू ४६५

कि

किसनगढ ४४१, ४७३, ४७४
किसोरी ३७५

की

कीड़ ४१०
कीटणोद ४६६
कीरावड़ो ३७५
कीरोल ४०८
कीलवा ४१२, ३७५
कीलाणो ४८८
कीलीयोहर ३७१
कीसुंरी ३६१, ४०१

कुं

कुंडकुई ३७२
कुंडल ५६१, ५६२, ४३६
कु भटीयो ३७३

कु

कुईप ४३६
कुइकी ४७१
कुडकुई ३६३
कुडी ३६५, ४३२
कुडी देवड़ां री ३७५, ३६१

कुचांमण ४२७
कुतरकुवो ३७१
कुसीप ५८६

कूं

कूंभीयो ३७१, ३७२

के

केकड ३७२
केतू ४२८, ४२६
केराडू ५००
केरीयो ३७५, ३८७, ३६२, ३६३
केलावा ५६३

को

कोड कालमां री ३७५
कोचेलो ४१०
कोजो ३७२
कोटडो ४८८
कोटपुतली ४८६
कोटा ५७१, ५६३
कोठडी ४७०
कोडमदेसर ४७८
कोढणा ४२६, ४३०, ४३१
कोणोचो ४२३
कोरणा ४३६
कोली ४०६
कोलीयांणो ३७२
कोट मुजाहद ४८८

ख

खटुकडी ५६५, ५६७
खजवाणो ४२४

खरथल ४८८
खरवो ४७४
खलहलीऊ ३७१

खां

खांमराई ३६६
खांभल ४६८

खा

खाखरलाई ४३६
खाजरडी ३८८
खाह ४२३, ४६७, ४७७
खाह खुरद ४२३
खाह बडी ४२३, ४२४
खारडा ४६६
खारलां ४२८, ४३०, ४३१
खासे २७१, ४७४
खारी बाव ३७०
खारिया ४६७
खावड़लो ४०६
खासरवी ३७३, ४११

खीं

खींसर ४२८, ४२६, ४३०, ४३१
खीवाडो ४६६
खीयास ४७३

खी

खीखली ४१४

खे

खेड ५६५
खेजडीया ३७०, ३६६, ४३६

खेतासर ५८०

खेरवा ४२८, ४२६, ४३०, ४३१, ४७३

खेरवो ४६६

खेराट ४६६

खोखरो ४६८, ४६६

खोडीया रो गढ ४६६

खोहरी ४८८

गं

गंगाकूवो ३७१
गंगावस ३७८, ३६०
गंगावास ३७६, ३६३
गगासर ३७०, ३७३
गगासरो ३७१
गंघवा ४१२

ग

गडासो ३७६
गडी ४३६
गजीफीकी ३७६
गरढाली ३७६, ३८७, ३६४
गलीको ३६१
गलीफो ४००, ४०६

गां

गांगाणी ४२६
गांघरावास ३६६
गाणेतो ४०२
गाघव ३७६, ३८८

गा

गाडलीऊ ३७१

गी

गीघड कूवो ३७२
गीडां ३६६
गीडो ४३६

गु

गुगड़ी ३७३
गुडा ३६६, ३६९
गुढा ४६८
गुदरे ४१७
गुदवच ५६२ । ४२८, ४२६, ४३०,
४३१

गुदाहर ३७२
गुमठेट ४३६
गुरड ४३६

गू

गूदाऊ ५०१
गूदी ३७२
गूलर ४७५

गे

गेनाल ४०३
गेलासर ४७४

गै

गैनांणी ४७७

गो

गोऊं चारणां की ३७०
गोगावाला ४३६
गोडा ३७०

गोठो ३७०
गोघावासीयो ४३२
गोपी ४०७
गोमी ३७६, ३६२
गोयंदगढ ४७०
गोराऊ ४७०
गोलास ३६२
गोलासण ३७६, ३६३, ३६४
गोवां खुडद ४२४
गोहली ३७१
गोहूवो ४३१

घ

घडसो ३८७, ३८६, ३६६, ४१०, ४११
४१२
घमांणो ३७६
घरणावस ३८०, ४०६
घसाणी ४०६

घा

घाटीयाद ४७०
घाणतो ३८०, ३७१
घाणेराव ४७३, ४७५
घाणो ४७५
घासण ४७१

घी

घीगाणो ३७०

घू

घुलेराव ४७३

घू

घूढावो ३७१

घो

घोरीमनो ३७२

चं

चंडावल ४३६, ४६८

चंपावेरी ३७२

च

चजरायो ४०५

चजार ३६०

चजीरो ३७६

चडीवाव ३७०

चमली ३७२

चरटवो ३६१

चवां ४६६

चां

चांचवाडी ३८४

चांदसमो ४६६

चा

चाटसु ५६२ । ४८७

चाडी ४७६

चाणोद ४६५, ४७३, ४७५

चारणी ४०५

चारणीव ३७७, ४०६

चाल ४८८

चालकनो ३७१

चाहली ३७२

चि

चिढी ४७७

चिरपटीयो ४६७, ४७७

ची

चीणवी ३८६

चीतरडी ३७१

चीतलवांणी ३६१

चीतलवांणी ३७७, ४००, ४०७, ४०८,
४१२

चीतोड़ ४२२, ४७१, ४७३, ४७८

चीबड़े ४६६

चीमड़ो ३७२

चूं

चूंटीसर ४२३

चे

चेलानंडी ४३६

चेलगवस ४६८

चो

चोकेलाव ५७३, ५७५

चोखां ५६८ । ३७०, ४३१

चोटील ३७१

चोढां ३६१

चोरण ३६६

चोरां ३७७, ३६३, ४०६

चोहराणा ३८६

चौ

चौपड़ मेड़ी ३७१

चौपासणी ५६३

छी

छीजर ५८८

छोपीया ४६६

छू

छूटाकुई ३८६

छू

छूदावेरी ३७२

ज

जड़फों ३७३

जलदरा ४०६

जलघरा ३६०

जलघरी ३८०

जलालपुर ४८८

जवघरा ४१०

जहानाबाद ४५४

जाँ

जांगोलड़ी ३८०

जांगठी ३८८

जांगवी ३७७, ३६०, ४०२

जा

जाखड़ ३७२, ३६३

जाखण ५८५

जाखल ४०२

जाखेल ३६१

जाडवो ३७८

जादण ४६८

जाव ३६१, ४०२

जालप ५८७

जालसु ४७५

जाले वेरी ३६६

जालोर ५६२, ५६५, ५७५, ५८६।

३६०, ३६१, ३६३, ३६८, ४

४१३, ४१४, ४१५, ४१६, ४

४१८, ४१९, ४२०, ४३४, ४

४४५, ४७८, ५००

जाव ४१०

जावलो ४७५

जावस ४७०

जी

जीखेल ३७७

जीजासण ३७७

जीजोसण ४०८

जीवरणपुरी ३८६

जु

जुजाले ४२४

जू

जूडण ३७२

जे

जेजीयाबाव ३७१

जेठतरी ४६७

जेरोल ३६२

जेसलमेर ४४०, ४४१, ४७६, ४८१

५००, ५०१

जै

जैतारण ४३२, ४६६

जो

जोडादर ३६८, ४१०

जोटड़ी ४०६, ४१२

जोटड़ो ३६२

जोडावर ३७८, ३८८, ३९०

जोतड़ो ४०६

जोधपुर ५५६, ५६०, ५६१, ५६२,

५६५, ५६६, ५६७, ५६८, ५७२,

५८०, ५८१, ५९०, ५९१, ५९२,

५९५ । ३६१, ३६६, ४१०, ४१५,

४१६, ४१७, ४२२, ४२३, ४२८,

४३०, ४३१, ४३२, ४३३, ४३४,

४३५, ४३८, ४४१, ४४५, ४४६,

४५१, ४६०, ४६७, ४७३, ४७४,

४७८, ४८०

जोलवाडा ४७८

भं

भवर ४६६

भा

भाडखंड ५६०

भाड़ोद ४७३

भाफ ४८७

भालामंड ४३२

भाव ३७७

भी

भीतड़ी ४११

भे

भेरोल ३७७, ३९४

टां

टांपी ३६६

टा

टालणीया ४७०

टालपुरा ४७०

टु

टुकछा ४२१

ठा

ठालड़ी ३८३

डं

डंडोसण ३७८

डंमाल ३७८, ३९१, ४०३, ४०६

डंसाल ४१२

डडोसण ४०४, ४०६

डां

डांगरा ३८७, ३९५

डांगरो ३७६

डांगावास ३८६, ४३७

डा

डाडोसण ३९२, ३७८

डाबली ३७०, ३९१

डाबाली ३७०

डावल ४०४, ४०६, ३७८

वे

डीवाड़ी ४३२

डीघोप ३७८

डीडवाणा ४६६

डीडावाव ३७०

डीमोग ३६१, ४००,

डीसा ४१६

डू

डुगरोट ४४३

डू

डूंगरी ३७१, ३६६

डूंगरीयाली ३७३

डे

डेढरो ३६१, ४००

डेडवो ३७८, ३६१, ४०२

डेढरो ३७८

डो

डोडीयाल ४१४, ५१०

डू

डूवी ३६७

डे

डेलडी ४८०

त

तड़ली ३७१

तणावडो खुरद ४३२

- तणावडो बडो ४३२

तलाचार ३७०

तां

तांतड़ी ३८८, ३८६

तांतड़ो ४०८

तांवडो ३७६

ता

ताऊसर री गढी ४२३

तारीसरो ३७१

तावड ४८८

तो

तीखो ४३६

तीतरोल ३७६, ३८७, ३६५, ४०६

तीलाणी ३६७

तु

तुटडो ३७८

ते

तेजपुरी ३८६

तेजीयास ३७०

तो

तोडेठक ४८६

तोराहन ४३६

थ

थटा ५०१

थीराद ४०६

दं

दंताला ४३८

द

दधुडो ३७६
दधुडा ४०२
दयालपुरा ४७४

दां

दांतीया ३७६, ४०५, ४०६
दांरीयो ३८६

दा

दाघलो ३७६
दादरी ४८८
दादलो ४०४, ४०६
दादलोत ३६२
दासपा ४६६, ४७७
दासीणीयो ४६६

दि

दिली ४२१, ४२५, ४३७, ४४०, ४४१,
४४२, ४८०

दी

दीलोदर ३७६, ३८८, ३९०
दीलोघर ३६८, ४११

दु

दुख ४८८
दुगवां ३८८
दुगावो ३६५
दुगोली ४२३, ४७०, ४७४
दुगोरे ४८६
दुघड़ ३६५

दुठवो ४११
दुनावो ३८७

दू

दूठवा ३७३, ३६७, ३६०
दूणीयो-४२४
दूदोड़ ४६६
दूनाडा ४२८, ४२६, ४३०,
४६७, ४३१

दे

देखू ४२८, ४२६
देरावर ५०१
देवदी ४३६
देवरालो ४३६
देवलीयाली ४४१
देवलीयो ४७४
देवीभर ५६०
देहरीयाली ३७३

दो

दोसा ४८८

घ

घमांणो ३६१
घमीणा ४०६
घरणावस ३६२

घां

घांघीयां ४६६
घांमली ४६६
घांगड़वास ४४७

धीं	
धींगपुरो ४११	
धींगपुरो बडो ३८८	
धीगापुरो ३६८	
धी	
धीगांणो ४३२	
धु	
धुडवां ३८०	
धुनाडो ५६२	
धू	
धूडवां ४०१, ४१२	
धूडवो ३६०	
न	
नहार ४८८	
नां	
नांनड़ी ५७२	
ना	
नागोर ५७०, ५७४, ४२१, ४२२, ४२३, ४२४, ४६६, ४६७, ४७०, ४७३	
नागोलड़ी ३६१, ४०३	
नाडोल ५६२, ४७८	
नाडोलाई ४७३	
नाडीरगढ ५६२	
नानोल ३६५	
नारणोत ५७६	
नाल ४३८	

नि	
निवाई ४८७	
नी	
नीगणांणी ३७१	
नीवज ३७०, ३६६	
नीवी ४७१, ४७४	
नीवाई ४७४	
नीवाली ४८८	
ने	
नेणवाई ४८७	
नै	
नैसहसो ४८८	
नो	
नोषड़ी खुरद ४३२	
नोड़ी ३७०	
प	
पटेलड़ी ३७०	
पडाले ४६६	
पथूडा ३६३	
पनीरीयो ३७१	
परबतसर ४७१, ४७३	
परावा ३८१, ३६२, ४१२	
परावी ४०६	
पलादर ३८८, ३८६, ४०६	
पलाघर ३८०, ३८६	
पां	
पांचलो ३८७, ३६०, ३६७	

पांडखेरी ३७०
पाणाली ३७२
पांनलो ३८०
पांसरली ३७३

पा

पाङ्गपुरो ३८०, ३८७, ३८९, ३९९,
४१०
पाटवो ३९७
पाटोदी ४७४
पादरडी ३९७, ४०७, ४४३
पादरडो ३८१
पादरणी ३९२
पादूवेरी ३७२
पाबोलाव ४२४
पारकर ३६८, ३७०, ३७३, ५००
पारवाडीया ३९४
पारावा ४०६
पारीवासु ४११
पालडी ५९०, ३८७, ३९०, ४०१
पालडी खुरद ४४७
पालडी देवडां री ३८१, ३९५
पालडी सोलंकीयां री ३८१, ३९१
पालणपुर ४१४, ४१९
पाली ५९४, ४२८, ४२९, ४३०। ४३१,
४७७
पाहडी ४८८

पी

पीपाडू ५६२, ४२८, ४२९, ४३०, ४३१

पी

पीचलो ६५
पीणाली ३९३

पीथाबेरी ३७१
पीपलूण ४३८, ४३९, ४४४
पीलवो ४६६
पीसांगण ४७४

पु

पुजाहर ३७२
पुर ३८०, ३९१, ४०३, ४०९
पुष्पमाल ४१७

पू

पूंगल ५००

पू

पूरसा ३७२

पै

पैसावास ४३२

पो

पोकरजी ५६८
पोकरण ५६०, ५६१, ४२९, ४३०,
४६६, ४६७, ४७७

प्र

प्रतापपुरो ३९४

फ

फतपुर ४२२
फरणो ४०१
फलसूड ४३०

फलोर्घा ५६२, ५६४, ४२६, ४७६,
४८०

फा

फाग ४८७

फागलीयो ३७१

फारणो ३८१

फी

फीचेलो ४०८

फीरोजपुर ४८६

फीलवां ४०१

फीलवां खेड़ा ३६४

फु

फुलेलाव ५६१

फो

फोगरडवो ३६८

फोगरवो ३७०

व

वगड़ी ४६८, ४६९

वगर ४२५

वगसडी ३८१, ३८८, २६०, ३६६

वडसम ३८५

वडोद रांगणा री ४८६

वडोदो मेवात री ४८६

वडोद फतेखां ४८८

वरडीयो ३७३

वरी ४७१

वलाडो ४७०

वलांसो ३८४, ३६१, ४०७, ४०८

वलूंदो ४२८, ४३०, ४३१

बहलवो ४२६

बां

बांधूडी ३७०

बांभाकुडी ४७०

बात ४६७, ४७७

बाभीणर ३७२

बांभणलो ३७२

बांमणर ३७१

बांकरि ४१४

बा

बाकरो ४६६ ४७७

बाकलीयो ४७०

बाखासर. ३७१, ३७३

बागावेरी ३७२

बाघावास ४६६

बाघूडी ३७०

बाडमेर ३६६

बावरो ४७०

बामणावास ३७०

बालदडो ३७१

बालसमद ५७२, ५७७, ५८०

बालेरा ३६२, ४१२

बाबडली ३८१

बाकरलो ३८६, ४०६

बावल भोजा री ४८८

बासण ४०६

बाहडमेर ५००

बाहवर ४८८

बाहादरपुर ४८८

बि

बिसनपुरा ५८०

बी

बीकानेर ४२२, ४२३, ४४१, ४७१,
४३८, ५००

बीजापुर ४२३

बीलाड़ा ४२८, ४२९ ४३०, ४३१,
४६६, ४६७

बु

बुगरडो ४२४

बुटी ४७०

बुडसु ४७५

बुरानपुर ४१३

बुहल ३७२

बू

बूंदी ५८२, ४४१, ४४२, ४६२

बू

बूडसु ४६९

बे

बेडीयो ३९७

बेराई ४८०

बो

बोजी ३९७

बोठा ४०३

बोरु दो ४७५

बोहली ३७१

भ

भडवल ३९०, ३९४, ३९९

भडोद ४७४

भडाणो ४६७

भदसउ पालावास ३८२

भदाणा ४२३

भयोगेडो ४७५

भरकुवो ३९१, ४०४, ४०९

भरखोल ४८८

भरतपुर ५६८

भलगव ३७२

भवातडो ३८२, ३८३, ३८८, ३९०,
३९८, ४१०, ४११

भा

भांदरुण बाभीयां री ३८२

भामरो ४८९

भग

भाऊडी ३७२

भाकु ३७०

भाखरी ४६९

भाटवस ३७०

भाटावस ३९९

भादराजण ५६२, ४२८, ४२९, ४३०,
४३१, ४७१, ४७४

भादरु ४०९

भादरुड ३८८, ४०२

भादसडी ३९२, ४००

भादसुड ३९१

भाभरलाई ४३९

मि

मिडक ५७७

मी

मीणाय ४७४

मीतरोट ४३५

मीनमाल ५६६ । ४१७, ४१६, ४२०,
४६७

मु

मुगीयावाला ५७६

भू

भूटीओ ३७१

भूपार ३७१

भूहेरो ३७१

भे

भेखडी ३७२, ३६७

भेराण ४८७

भो

भोजीयावेरी ३७१

भोड ४७३

भोणां ३६२

भोवांणो ४०८

मं

मंडारीयो ३७१

मंडाली ३८३, ३८८, ३६०, ३६७, ४११

मंडावर ४८६

मंडोर ५६०, ५६४, ५६५, ५६६, ५६८,

५७४, ५७६ । ४३१, ४३३, ५०१

मडोवर ५७६, ५८६, ५९० । ४७८,

४७६

म

मख ४०६

मथानिणीया ५६४

मदावाव ३७०

गरटवो ४०४

मरठवो ३८३

मलांणी ३७२

मलारणो ४८७

महामिंदर ५७३, ५७४

महेवो ४२६, ४३०, ४३१, ४७६

मां

मांगलोद ४२३. ४२४

मांझी ४२४

मांझी ३७१

मांडणावस ३७१

मांडपुरीयो ४२३

मांडव ४२१

मांडावस ४६६

मांघव ३६०

मा

माठा गुजर री डांणी ४२५

माणकपुर ४२४

माणकी ३६७

मामोजावाद ४८७

मारोठ ४२५, ४२६, ४२७, ४७५, ४६३

५००

मालकोट ५६१ । ४३६, ४३७

मालगढ ५६२ । ४६६

मालपुरो ४८७

मालवाडो ३८२, ३६०, ४०३

मालसरो ३६६

मालाणी ३६७

मालोलाई ४१४

मासरबी ३८७

मासी ३७१

माहालाणी ३७२

मी

मीजल ४४२, ४६७

मीठडी ३७१

मीपल ३८२

मीपाल ३६४

मु

मुजी ३८२

मुणावेरी ३७१

मुदीयाड ४२४

मुलतान ४२१, ५००

मुली ४०६

मू

मूडवा ५७० । ४१३, ४२४, ४६६

मूदयार ५८७

मू

मूणीयासर ३७३

मूदलुड ३७१

मूली ४०५

मूली चवाणां री ३६१

मूलीयांणी ३७३

मे

मेगावी ३७१

मेघावी ३६३

मेढ़ता ५६१, ५६२, ५७२, ५८०, ५६४ ।

४२४, ४३६, ४३७, ४४४, ४४६,

४७१, ४७२, ४७३, ४७४

मेजापुर ४८६

मेठो ३८७

मेडो ३८३, ३६०

मेलाप ३८३

मेलावस ३७०, ३६१, ३६६, ४१०

मेहाजाजीऊ ३७१

मो

मोकलवास ५६०, ४३२

मोड़ी ४३६

मू

मूहलीया ४१४

या

यावतलावडी ३६६

रं

रंगाऊली ३७१

र

रडवल ३८३, ३६०, ४११

रणथभोर ४८७

रणसीगाव ४६७

रणोदर ३८३, ३९०, ४००

रत्नमाल ४१७

रत्तलाम ४७४

रताई ४८८

रतासरी ३७०

रतोड़ी ३८७, ३९२, ४००, ४०९

रतोडो ३८३

रां

राणावास ३९४

रा

राईकावाग ५७६, ५८२, ५८४

राऊवसर ३७२

राडघड़ी ४१३

राडघरी ५०१

राजऊवो ३७२

राजगढ ४७३

राजपुरो ३९८

राजूडी ३७२

राणापुर ५९३, ३६८

राणासर ३७३

रातड़ीयो ४६६

राघणापुर ५००

रामपुरो ४००

रामसरी ४७३

रामसेण ५०६

रायण ४७१

रायपुर ३६९, ३९६

रायपुर सीधला री ५६२

रायोतसर ३७२

रावड़ीयो ४७०

रि

रिणसी गाव ४६६

री

रीयां ५६२। ४३६

रे

रेवाडी ४८९

रेवारी हीरा वेरी ३७१

रो

रोएसो ४७०

रोडो ४७०

रोयट ४६५, ४७७

रोल ४७३

रोलयो ३७३

रोहठ ४२९, ४३०, ४३१

रोहलो ३७२

रोहलो मालाणी ३७२

ल

लेवेरो ४२८, ४२९

लां

लांवो ४२६

ला

लाखावास ३७२

लाचडी ३९०, ४००, ४१०

लाडणू ४२३, ४२४, ४७०, ४७१

लालावास ४२६

लासड़ी ३८७

लाहोर ४१३, ४३५, ४५२

ली

लीणरबाहु ३७२

लीपादडो ३६०

लीपादरो ३८३, ४०४

लीसाणो ४८८

लु

लुणसर ३७३, ४२४, ४७५

लू

लूणवा री देवली ४२६

लूणियावांस ४०८

लूणा पासण ३८४

लूणीयास ३६२

ले

लेडी ४७०

लो

लोटीसर ३७०

लोटोतो ४७०

लोहालीयो ५८४

लोहीयाणो ५०१

लोद्वी ५०१

व

वडसम ३६२

वडसस ४०७

वड्ड ४७५

वणपुरी ४१२

वणदेव ३६५

वदनोर ४७३, ४७५

वरडवल ३८८

वरडवाली ३६८

वरण गांव ४२४

वरणपुरी ३८५, ४०४

वरणवी ३८८

वरणवो ३८४, ४११

वरणवो ३६०, ३६७

वरणासर ३७२

वसवांणी ४२४

वसवो ४८८

वां

वांक ३७२, ३८४, ३८६, ४०५

वांमटीयो ३७१

वांसरली ३७१

वाख ४१२

वागरी ४१४

वागास ४३६

वाचलो ३७२

वाटकी ३८२, ३८८, ३९०, ३९८, ४११

वाडसां ४६७

वाडीयो ४६७

वाराही ४८६

वालर ३६५

वालेरा ३८१, ४०४

वासण ३८४, ३६५, ४००

वासणी ३६२

वासणी देवडां री ३८४, ३९०

वाहली ४२८, ४३०, ४३१

वीं

वीटली ५६२

वी

वीठोरी ४६७

वीरमपुरी ३८७

वीराऊ ३८५

वीराऊवो ३७२

वीरावो ३६३

वीरोल ३६१, ४०६, ४१०

वीसलकुवो ३७२

वीसलपुर ४३३, ४५१

वीसासर ३७२, ३७३

वीसीयावेरी ३७०

वीहोल ३८४

वे

वेडीयो ३७०

वेचवाडी ४०१

वेचीपाडी ३६०

वेजपुरी ३८७

वेणपुरी ३६०

वेरी ३६३

वेसालको ४०१

वेसालां ३८४, ३६०

वो

वोडवो ४२४

वोड़ा ३८५

श्री

श्रीमाल ४१७

स

सगतीपुर ३५६

सगरवाव ३७१

सड़वल ३८१

सथलाणो ४६६, ४७७

समदड़ी ४७५

समदरडी ४६६

सखांणो ३८६

सरगोठ ४२७

सरचीणां ३६४

सर्वाणो ३८६, ३६१

सरावणा ४७१

सर्वाण ३८२

सां

सांगड़वो ३८५

सागानेर ४४६

साचोर ३५६, ३६०, ३६१, ३६३, ३६४

३६८, ३६९, ३७०, ३७३, ३८७

३८६, ३८०, ३८१, ३८३, ३८४

३८६, ४०८, ४१०, ४१२, ४१७,

४१९

सातेरीयो ४०५

सांभर ४२५, ४२७

सांमी री वेरी ३७१

सावरीडरी ४७१

सा

साऊ ३७२

साकरस ४८८

साकरीयो ३७०, ३६६

सागड़वो ४०४, ४०६

सातरीयो ३८५, ३६०

सातलमेर ५६०, ५६१, ४२६
सातो चारणा री ३७१
सादड़ी ४६५
मायली ३६६
सालावास ५६५
सालाहर ३७२
साहाऊ ३७२
साहारतो ३७२
साहली ५६३

सि

सिणला ४६६, ४७७
सिघपुर ३६०
सिनाई ४८६
सिरीयारी ४६८
सिब ४०६
मिवाणा ५६२, ४१४, ४७०

सों

सीदवाडो ३७३
सीवसेडो ४३६

सी

सीकर ४२३
सीणालीयो ३७१
सीदेपुर ३८५
सीवेसुर ४०१
सीमारड़ी ३७१
सीया ४७३
सीरोही ४१७, ४३४, ४३५, ४३८,
४३६, ४८०
सीलू ३८६, ३६०
सीलूको ४०३
सीलोसण ३८६, ३६२, ४०८

सीवाणा ५८६, ४३०, ४३८, ४३६,
४४०, ४४१, ४४२, ४४३, ४४४,
४४५, ४५०, ४५६

सीहमूल ३७२

सु

सुतले ३६२

सु

सुटाकुई ३७२
सुतडी ३६७, ४११
सुनेर ४८८
सुनेहर ४८६
सुमेल ४२१, ४७१
सुरबो देवडा री ३६१
सुराबो ३६५
सुरागी चारणा री ३७१

सू

सू घाऊ ३८३
सू टाकुई ३६३
सू तडी ३८६, ३८८, ३६०
सू राबो ३८५

सू

सूरपुरा ५७६
सूराचद ३६०, ३६८, ३६६, ३७०,
३७३, ३६५, ३६६, ४१५, ५००
सूराबद (सूराचद) ३६८
सूरावाव ३७१

सों

सोंसाऊबो ३७२

से

सेडवो ३७१
 सेतरावो ४२८, ४२९
 सेमारडी ३९६
 सेली ४०२
 सेवाडो ३८५, ३९१, ४६६
 सेवाडो ३६०, ३६८, ४०५
 सेवावो ३९७
 सेहणो ३७२
 सेहेली ३८५, ३९१

सै

सैनारणो ४०१

मो

मोजत ५६०, ५६२ ५७२, ५९४, ४६०,
 ४७८, ४२९, ४३३

सोनारडी ३७२
 सोनेली ४२४
 सोहोताणो ३९०

सौ

सौकडा ४८०

है

हड़मताई गढ ३६२
 हड़ीतर ४०२
 हडेवर ३८६
 हदवो ३७२
 हरपालीयासर ३७२
 हरसाणो ४८८
 हरसोलाव ४६६, ४७७
 हरीयाडांणो ४६६

हरीयाली ३८६, ३९१, ४०९
 हरीयालो ४०३
 हवेली ४२८, ४२९, ४३०, ४३१,
 हसतुडी ३७३
 हसनपुर ४८८, ४८९
 हसम ४१०

हा

हाडेचा ४०७
 हातर ३९१
 हातलो ३७३
 हातीगाव ३८६
 हारेचो ३८९, ३९२
 हाली वावडी ३७२
 हालीया वावडी ३९३
 हालु ३७२

ही

हीगलो ४६९
 हीडवाडा ३९४
 हीडवाडी ३८७, ४१२
 हीडवाडी ३८९
 हीरावसी ३७०

हु

हुतीगांव ४०१
 हुवरणी ४८८

ह्ये

हेकज ३७२
 हेमावाव ३७१

हो

होटली ४४४
 होतीगाव ३९१, ४०८

पर्वत और पठार

अवाई रो भाखरा १०३
 कारुणंज रो भाखर ८७
 खुमराड़ीयो भाखर ५५३
 गीररी समेळ बीच भाखरी ५६
 चिड़ीया दूक भाखर ३८, १६२
 भीका रो भाखर दो. २६४
 तोडा रा भाखर ४६५
 देवल रा भाखर १०२
 देवीजी री भाखरी ३८३, ३८४, ३९३
 पई रो भाखर ३८७
 पई रो मगरै २७, २९
 पीपलरा रो भाखर ४५, ६९, दो. ५८,
 २९४, २९५
 भोगसील पर्वत १
 मसाजी गी भाखर ४७१
 माता रो हू गरी ५४४
 मेर १
 रूपजी रा भाखर दो ६९
 वासईघो भाखर ५५३
 वोलीया रो भाखर २८५
 सेवली री भाखरी ३०१

तीर्थ मंदिर मसजिद आदि

अजमेर खुवाजा ६९ दो. ११४
 आदेसुर जैन देहरा दो ३०९
 आरांभा रो थान दो. २५०
 इन्गार दरगाह १०९
 ऐकलिंगजी २७
 कपालेसुर महादेव रो देहरो ३९२
 कल्परायजी रो देहरो दो. १
 काजेसर माहादेव ७८
 कीरतथम दो. २१५
 कुवेजी रो असतल ४४३

कोटासण देवी रो थान ४८२
 खीवजजी देवी रो देहरो दो. ३११
 खोडीयाल रो थान ४२०
 गया ३९ २३६, ३३४, ४७८, दो ३५४
 चतरभुंजजी रो देहरे ३९०, ३९२ दो.
 ३१४, ६९, ११९
 चतरभुजायजी रो देहरो दो. ३११
 चावडा देवी (स्थान) २२, २३
 जानरायजी रो देवरो ४४३
 जैन देहरो दो. १
 जैन रा देहरा ३९२
 जोगेसुर महादेव रो (देहरो) ३९२
 झाली रो बड ४८
 तीलोकसी बरजागोत उदावत राठोड री
 छतरी ५८
 देवी रो थान (भाखर कमल माल रा
 ऊपर) ५३६
 देवीजी रो थान ५४२, दो ३०९
 द्वारकाजी ५४४
 घारेस्वर महादेव ४७६
 नरा राठोड री छत्री दो. ३१२
 नीलकंठ महादेव ३९२
 पातालेसुर महादेव ३९२
 पावू रो थान ३९३
 पारसनाथ रो देहरो दो. ३९
 पीर रांमदे रो थान दो ३१५
 पुनली देवी २६८
 फलोघी महामाया रो देहरो दो. ६२
 फलोघी महामाया री देहरो दो. ४१,
 ११५, ११६
 बालनाथ जोगी रो थान दो. ३११, ३१६
 बिद्रावन-मदनमोहनजी दो. ११४
 भद्रकाली देवी ५
 भाटी साकर सुरावत जेसी री छतरी ५८
 मदनमोहनजी रो देहरो दो. १७३

महादेव री थांन ४७१
 माडलेस्युर महादेव १
 माता री थांन ४२२
 मावादेवी ४७६
 माहादेवजी री थांन दो. २५४
 माहादेवजी री देहरो दो. ३११
 माहावीरजी रा देहरा १८८
 मुलनायकजी री देवरो ३६२
 मेडता चतुरभुजजी दो. ११४
 रामदेजी री छत्री दो. ३१२
 रामदेजी री थांन दो. ३११
 रामदेजी री देहरा दो. ३५७
 रामदेव री १४४ दो. ३०८
 रामेश्वर माहादेव ३३५
 रिणछोड़जी ७, ८
 लखमीनारायण री ठाकुरद्वारो ३८८
 लखमीनारायणजी री देहरो ३२
 लिखमीनारायणजी ३६२
 लिखमीनारायणी री देहरो दो २६०
 बाराहजी री देहरो ५
 सगवीयां री देवी १४०
 सन्यासी गीतमगिर री देहरो ३६१
 सहेसलीग री कुंड ४६०
 सामी सूरजनाथ री गुमट दो. ३३०
 सिव रा देहरा ३६२
 सिवराज जोधावत री छतरी ५८
 सुरेसुर महादेव री (वाघेलाव) ३६२
 सूरजजी री देहरो दो. ३११
 सूरसाह पातसाहा री मसीत ५८
 सोमाली देवी ३६३
 सोमेश्वरघाट ३१
 हणवत री थांन ३६३

नदी तालाव कुंड आदि

अखरणी नाडी ४७२, ४७५

अखाईसर तलाव दो ३५१
 अजायव कोहर दो १६
 अवदेलाव तलाव ४५८
 अहवाची नदी-१२२
 आपानडी तलाव ४५६
 आसा रा तलाव ११६
 ऊलावाय दो. ३१५
 कुंडल तलाव दो. ६३
 कुंडल वेजपो तलाव दो. ३८
 कचोली नाडी ४२८
 कचोलीया तलाव ४८८
 कचोलीया नाडा ४१६
 काणुजा भाखररी नदी ५२१
 काणुजावाली नदी ५१५
 कालभर नदी ५५०
 कालरा वाली नदी ५४४
 काकरीया तलाव ६८, ६६
 कापडीया ३६३
 कालाभरणा वाला री नदी ५१६
 कालीभर नदी ५४३
 कालीयानडी तलाई दो. २६६
 किसनेलाव तलाव ४८३
 कुंभारवाय (वावड़ी) दो. ३१३
 कुंभालाव तलाव ४१६, ४७२
 कुकसो तलाव (कील्याणसर) दो ६३
 कूपासर तलाव ४८२
 केरली नाडी ४१६, ४७२
 कोहर-धीघालीयो दो. २२
 कोहर-भीवासर दो. १७
 कोहर-भोजासर दो. १८, २०
 कोहर-लूणो दो. २२
 कोहरीयो वावड़ी दो. ३१३
 खांडीवाय वावड़ी दो. ३१३
 खांखो री वाव दो. ३१४
 गगाजी ४, ३७, ४८७, ५४७

गभीर नदी १७६
 गीररी नदी ५२६
 गीलड़ी नदी ३६४
 गोपेलाव तलाव ४२१, ४७४
 घडासर तलाव १२०
 वांग नदी मानपुरा वाली ५१८
 चांगवाली नदी ५३२, ५३३,
 ५३६, ५००
 चूडासर चरडावताँ री तलाव ४३३
 चोहथेलाव तलाव ४३८
 जमना नदी १३५
 जवराका तलाव दो ३२०
 जवरा री तलाई दो. ३००
 जाखणनडी (तलाव) ५२१
 जाजुसर तलाव दो. २६०
 जुठावली नदी ५२७, ५४०
 झनरखी तलाव ४४६
 झाझण नदी ५१२
 झाझण री तलाई दो. ३३१
 दुस नदी १०८
 तापती नदी १४६
 भीवाय कुड दो. ३१६
 थडी बाव दो. ३१४
 दलपत वाली बावडी १२०
 दारीयार नदी ४७५
 दुधेलाव तलाव ४५०
 देवनीमी झील दो. २५०
 देवलीयाली री नदी २६२
 देहाऊपगवाय बावडी ३१४
 धरणासर तलाव दो. ३१२
 धवलैलाव तलाव ४४६
 धाराजी री नदी ४६८
 धरेसरी नदी ३६४
 घूहडसर तलाव दो. २६१

नदण्हाई सलाव दो. २६२
 नरवदा १४६, १७६
 नरासर तलाव दो. २६६, ३००, ३१२
 नवासर री कोहर दो. २५
 नागाद्रीह नदी १
 नाथे री तलाई दो. ३२१
 नीवली नाडी ३६३
 नीवली बावडी दो. ३१३
 पचोल नडी ३६३
 पडीहारां वाली तलाव ४७६
 पदमसर १८६
 परमेलाव ३६३
 पाबू नडी ३६३
 पाबूसर तलाव दो. २६
 पोहोकरजी रो कुड ५
 फुलेसो तलाव ५४६
 बहूजी सरूपदे री तलाव १८८
 बाघेलाव तालाव ३८४, ३६२, ४२८,
 ४३५, दो. २४३
 वाली बावडी दो. ३१४
 भलवाय बावडी दो. ३१४
 भांडेलाव तलाव दो. २१५
 भाखरवा बावडी दो. ३१३
 भीवनडी तलाव ४४१
 भीरव नदी ४८५
 मंदागगा बावडी दो. ३१३
 मांडलप तलाव दो. २३०, २६८
 मांणवरावसर तलाव दो. ३४६
 मानपुरा वाली नदी ५२६, ५२७, ५५०
 मालव री तलाव दो. ३५३
 मेहाव री बावडी दो. ३१३
 मेहराई तालाव दो. ३१२
 मोरु र तलाव दो. ३१२
 मोरु र बावडी दो. ३१४
 मोरु र नाडी ४७७

मोहणवाय बावड़ी दो. ३१३
 मीरेई नदी ५२६
 रखासर तलाव दो. १४
 राणीसर तलाव १४३
 राजू री तलाई दो. ३३२
 रामदेसर तलाव दो. ३१२, ३४६
 रामसर तलाव दो. ३
 रामेलाव तलाव ४२७
 रामपुर वाली नदी ५२६, ५३५,
 ५३६, ५४५
 रायलाव तलाव दो. २५२
 रासेलाव तालाव दो. २६०
 रावतसर तलाव दो. ३४६
 रासगीर वाली नदी ५१३
 रासवाली नदी ५२८, ५३१
 रिङ्गमेलाव तलाव ३६२
 रीछमाली तलाई दो. २७५
 रूखी री तलाई दो. ३१२
 रूपणीसर तलाव दो. ३३६
 रूपा री तलाई दो. ३१५
 लीगासर तलाव दो. ३१२
 लूणी नदी ३५७, ३५६, ३६०, ४५५,
 ५११, ५१३, ५१६, ५२१, ५२२,
 ५२४, ५४३, ५४४, ५४५, ५४६,
 ५४७, दो. २३३, २३५, २३७,
 २३६, २४०, २४३, २४६, २५६,
 २६२, २७०, २८१
 लोलोलख तलाव ४५२
 लोहावा री बावड़ी दो. ३३०

वछेसर बावड़ी दो. ३१३
 ववनोर री नदी ५१२, ५४७
 वीरावाय बावड़ी दो. ३१३
 वीसलमडी तलाव ४८५
 संघरलाई तलाव दो. ३१२
 समरवती नदी दो. ७१
 सतलज नदी १३२
 रातावाय बावड़ी दो. ३१४
 समेल री नदी दो. ५७
 सहसमेलाव तलाव ४७१
 सहेजलाव तलाव ४२२
 साडेव तलाव ४८७
 सांडेलाई तलाई ४३५
 सादेलाव तलाव दो. २५६
 सापेलाव तलाव ४६०
 सारगवाय कुओ दो. ३१३
 साहणीया वाली नाडी १८६
 सिपराजी (नदी) १७६
 सिधपुरा नदी ५२६
 सुदाताघी री तलाई दो. ३१२
 सूकडी नदी ४८४, ५२६, ५३८ ।
 दो २३५, २४०, २४१, २८१
 सूजामर तलाव ५१३
 सोहड़सर तलाव दो. ३३४
 सोहाईवाय बावड़ी दो. ३१५
 सौमोलाव तलाव दो. २५६
 हणवत नदी ३६३
 हमोरसर तलाव दो. २६१
 हीरावाय बावड़ी दो. ३१३

विविध नामानुक्रमिकाएं (परिशिष्टों की)

नोट—३५६ से ५०१ तक पृष्ठ सं० द्वितीय भाग की तथा ५५६ से ६०२ तक प्रथम भाग की ।

पर्वत, पठार

कागा री भाखरी ५६६
कैलास ३५६, ३६०
कोयला परवत ५८६
कोला री भाखर ४४०
चावडाजी री बुरज ५५६
चिडीया ह्वांक ५५६
दताला रा भाखर ४३८, ४३९
पीपलुणा री भाखर ४३८
पीपलूद रा भाखर ५६२
भेखा भाखर ५७६
गाचीये भाखर ५७७
मावडीया री घाटी ५६८
सिध जलंधर बावजी रा भाखर ५००
सीगोरीया री भाकरी ५७३, ५७६
सोजत री भाखरी ५६०
हड्डमानजी री भाखरी ४६१
हरा भाखर ४३६

मन्दिर, छतरी, थान आदि

अचलेश्वर महादेवर ५००
अचलो सिरराजोत जोधवत
री छतरी ५८१
अरण्ये तीरथ ५६०
आणदधनजी री मंदिर ५६४, ५६५,
५६७, ५६८, ५६९, ४४८,
४५६, ४६३
आदेसुरजी री देहरो ५६३
आयम देवनाथ री समाध ५७३

उदमिदर ५६७, ५७४
ओसियां महावीरजी री देहरो ५६४
ओसियां सिचीयाजी माता री देहरो ५६४
कालकाजी री मंदिर ५७५
काण्यो पारसनाथजी री देहरो ५६५
कापडी देवी ४३६
कापरडा पारसनाथ री देहरो ५६४
कुंजबिहारीजी री मंदिर ५७१
कुंतनाथजी री देवरो ५६३
कुसालसिध ठाकुर आउवा री
छतरी ४३७
ख्वार्जजी री दरगाह ५०१
गंगस्यामजी री मंदिर ५६६, ५७१,
५६९, ५६२
गढ री पाळ रा खेत्रपाळ ४४६
गांगारणी-अरजनपुरी पदमनाभजी री
देहरो ५६४
गोपीनाथजी री देवरो ५६२
चतुरभुजजी री देहरो ५६१, ५६३
चतुरभुजराय री मन्दिर ४३६
चांवडा माताजी ५५६
चांवडाजी री मंदिर ५६६, ५७५
चावडा देवी री थान ५८७, ५६१
चौरासी मीनो री मंदिर ५७४
जगनाथजी री मंदिर ५६२
जालोर महावीरजी री देहरो ५६५
जीणमाता री मंदिर ५७६
जैतियां री मंदिर ४३७
जोगीतीरथ ५६०

ठाकुरजी रो देहरो ५७६
 तिवरी पारसनाथ रो मिंदर ५६४
 तिलोकसी सिंहराज भीयोत राठोड़ की
 छतरी ५८१
 दाऊजी रो मिंदर ५६७, ५७१
 देवतावां की सालां ५६६, ६६८, ५७४
 नटवरजी रो मिंदर ५७१
 नरसिंघजी रो मिंदर ५७२
 नवनाथो रो मिंदर ५७४
 नागणेचीयाजी ५६०, ४४६, ४५५
 नागणेचीया रो मिंदर ५६३
 जाडोलाई महावीसी रो देहरो ५६४
 नाथजी रो मिंदर ५७४
 नीवोतीरथ ५६०
 पंचदेवरो ५६६
 पंच मींदर ५७०
 पारसनाथजी रो देहरो ५७६, ५६२,
 ५६४
 पिरागदास की छतरी ५८६
 पीर तारकीन की दरगा ४२४
 बालकिसनजी रो मिंदर ५७१
 भीडभजन रो थान ४३६
 भीव पांडव रो गोडो ५८६
 भैरुजी रो थान ५६०, ५६६, ५७३
 मडलेश्वर महादेव ५८७
 मडोवर खेयपाल ४५५
 मदनमोहनजी रो मिंदर ५७१
 ममसोन्नजी रो देहरो ५६३
 मलीनाथजी रो मिंदर ५६८
 महादेवजी रो देहरो ५७६, ५८६
 महादेवजी रो मिंदर ५७१, ५८१, ५८७
 महादेव पतालेश्वर रो देहरो ४२४
 महादेव पारवती की मूरत ५६५
 महादेव रामेश्वर रो देवरो ५८७
 महादेव बीरभजन रो थान ४४४

महादेव साहलेसुर ५६३
 महादेव हलदेश्वर रे भाखर ४३८
 महार्प्रभुजी रो मिंदर ५७१
 महाराजा अजीतसिंघजी रो देवल ५६८
 महाराजा गजसिंघजी रो देवल ५६५
 महाराजा जसवंतसिंघजी रो देवल ५६६
 महाराजा सूरसिंघजी रो देवल ५६४
 महाराजा सुजाणसिंघ की छतरी ४४५
 महावीरजी रो देवरो ५६३
 महेशदास की छतरी ४३७
 माताजी रो मिंदर ५६८ । ४३७
 माताजी हीगलाज की मूरत ५६५
 माता हीगलाज रो देवरो ५८७
 मीरासाजी की दरगाह ५०१
 मुरली मनोहरजी ठाकुर ५६५
 मुरली मनोहरजी रो मिंदर ५७०
 मूलनायकजी रो देहरो ५६६, ५६६
 मूलनायकजी रो मिंदर ५६२
 मेवा नगर-जैन देवरा ५६५
 राजराजेश्वरी माता की मिंदर ४३७
 रामदेव रो थान ५८४
 रामेश्वर महादेव ४५०
 रामेश्वर महादेवजी रो मिंदर ५६७
 राव अमरसिंघ की छतरी ४२३
 रावत की छत्री ५६८
 रिणछोडजी रो देहरो ५६१
 लालबावे रो मिंदर ५७४
 लोटो मिंदर ४३७
 वटजी रो मिंदर ५७४
 वराह भगवान रो देवरो ५६३
 बीरू-महादेवजी रो देहरो ५६५
 बैजनाथ महादेव रो देवरो ५६०
 श्री नाथजी रो मिंदर ५७३, ५७४
 सकरदास सूर भाईवशम जैमाउत रो
 भाटी रो छतरी ५८१

संतनाथजी रो देवरो ५६२
 सांमजी रो मिंदर ५७१
 सांमी हरराम रो देहरो ५६२
 सांवलजी रो देवरो ५६२
 सिभूनाथ रो देवरो ५६३
 सीताराम रो देवरो ५६२
 सीतलां रो थॉन ५६०
 सूरजजी रो मिंदर ५७१
 सेरसिध ठाकुर रीयांरा री छतरी ४३७
 सोनाखा रा खेवपाळ ४४६
 हरमिंदर ५८३
 हरसती माता रो मिंदर ५८८
 हीगळाज माता रो थान ४३६
 हीगळाज रो मिंदर ५८०

तालाब, कुंड, नदी

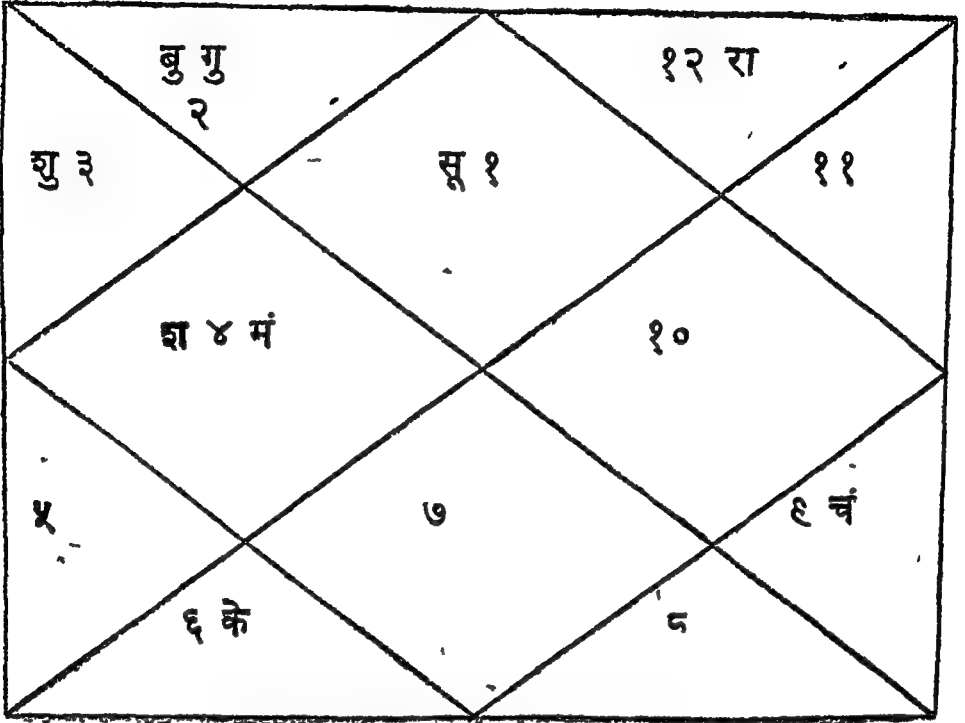
अवतलाब तलाब ४४४
 अमैसागर तलाब ५७८
 आनासागर तलाब ५०१
 ऊदेलाल तलाब ४३८
 कसुमदेसर तलाब ५८४
 कागो कुंड ५६०
 किलाणसागर तलाब ५८२/४६२
 गागावास तलाब ४३७
 गागेलाव तलाब ५६०, ५८२
 गुलाबसागर तलाब ५७२, ५७३, ५७४,
 ५७६, ५८५
 चाकेलाव तलाब ५६१, ५८१
 डांगोलाई तलाब ४३७
 तेजसागर तलाब ५७२, ५८४, ५८५
 दुधेलाव तलाब ५६४
 दूदासर तलाब ४३६
 देवकुंड ५६७, ५६६, ५८०
 धंघू तलाब ८३६
 धायसागर तलाब ५८०
 नवसरो (मेलावाव) ५८१

नवलसागर ४३७
 नागादडी ५६५, ५६६, ५८६
 नाडेलाव तलाब ५७७, ५८४
 नीबासर तलाब ५८०
 पदमसर ५७४, ५८१, ५८२
 फतैसागर तलाब ५७३, ५८४, ५८५
 फरासत सागर ५८८
 फलासर तलाब ५८४
 फुलेलाव तलाब ५७४, ५८२
 बगतसागर
 बइजी रो तलाब—सरूपसागर ५८२
 बालसमन्द तलाब ५६०, ५७४, ५८०
 बीजोलाई तलाब ५७७
 बेजपो तलाब ४३६
 भवानीकुंड तलाब ५८०
 भणिसर तलाब ५८४
 मानसागर तलाब ५७४
 मालासर तलाब ५६१, ५८४, ५८६
 मीठीनाडी तलाब ५७७
 मोतीकुंड तलाब ५८०
 राणीसर तलाब ४३४, ५६१, ५७३,
 ५७५, ५८१, ५८२
 रासोलाई तलाब ५८८
 लाजसागर तलाब ५७६
 लूणी नदी ३७४, ३७६, ३७७, ३७८,
 ३८०, ३८२, ३८३, ३८४, ३८६,
 बसतसागर ५८८
 बीरमकुंड ५८३
 बोसोलाव तलाब ५८४
 सरसती नदी ३५६
 सूकडी नदी ३७७, ३८०
 सूरजकुंड ५८३, ५८७, ५८२
 सूरसागर तलाब ५६३, ५६४, ५६५,
 ५८३, ५८६, ५८६, ५८१
 सेखावतजी रो तलाब—जानसागर ५८३
 सोभागदेसर तलाब ५८८

राव श्री जोधाजी री जन्मकुंडली

सम्बत १४७२ वैशाख सुदि ४ बुधे उदयात घटी १ मूल नक्षत्रे

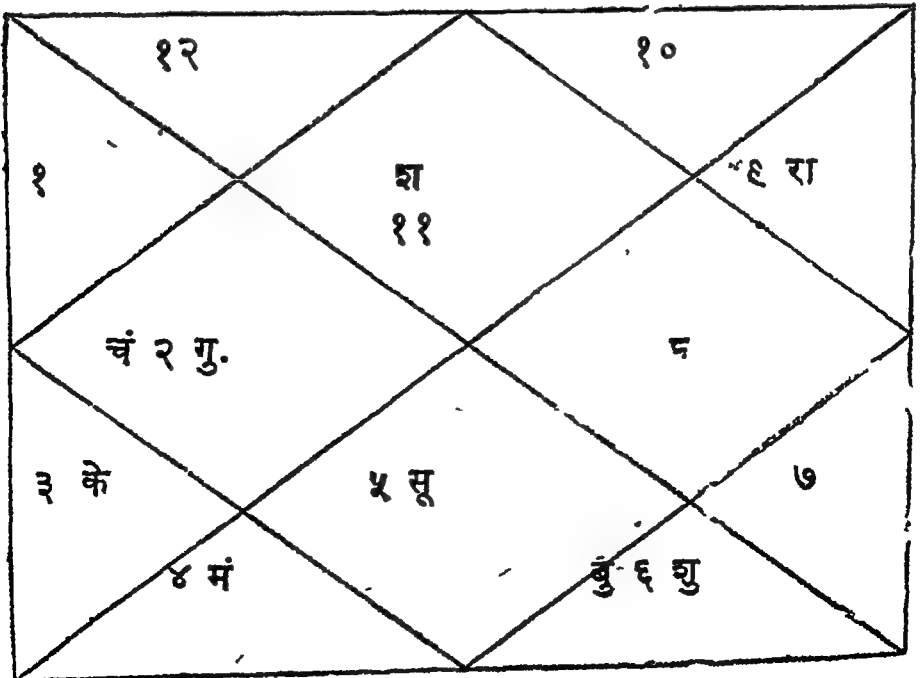
राव श्री जोधाजी री जन्म



राव सूजाजी राठीड़ री जन्मकुंडली

सम्बत १४६६ भाद्रवा वदि ८ गुरी (रवि० अगस्त २, १४३६ ई०)

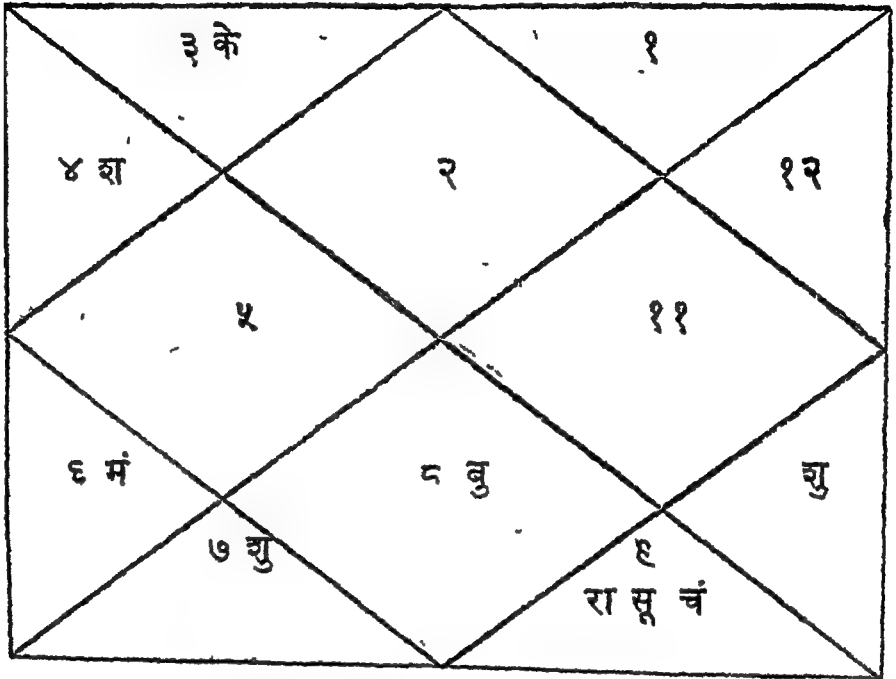
उदयात ३४/१५ राव सूजाजी जन्म सुत जोधाजी गृहे पुत्र ।



कुं० बाघजी राठीड़ री जन्मकुंडली

सम्बत १५१४ पोह वद ५५ उदयात घटी २४/४४

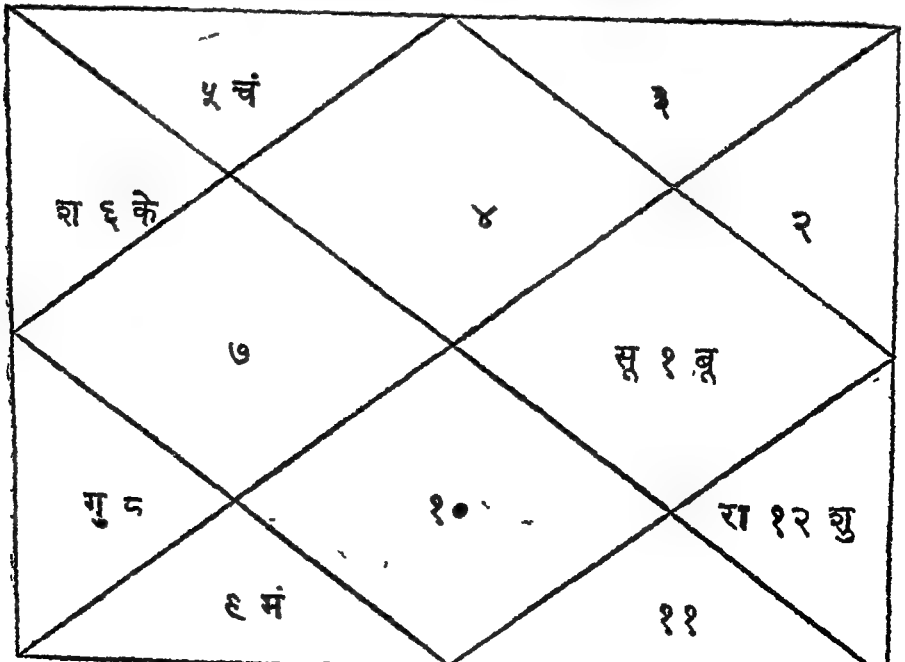
(शुक्र., दिसम्बर १६, १४५७ ई०) राव सूजाजी गृहे बाघाजी जन्म



राव गांगाजी राठीड़ री जन्मकुंडली

सम्बत १५४० बैशाख सुदि १० गुरी उदयात १५/१२ स.

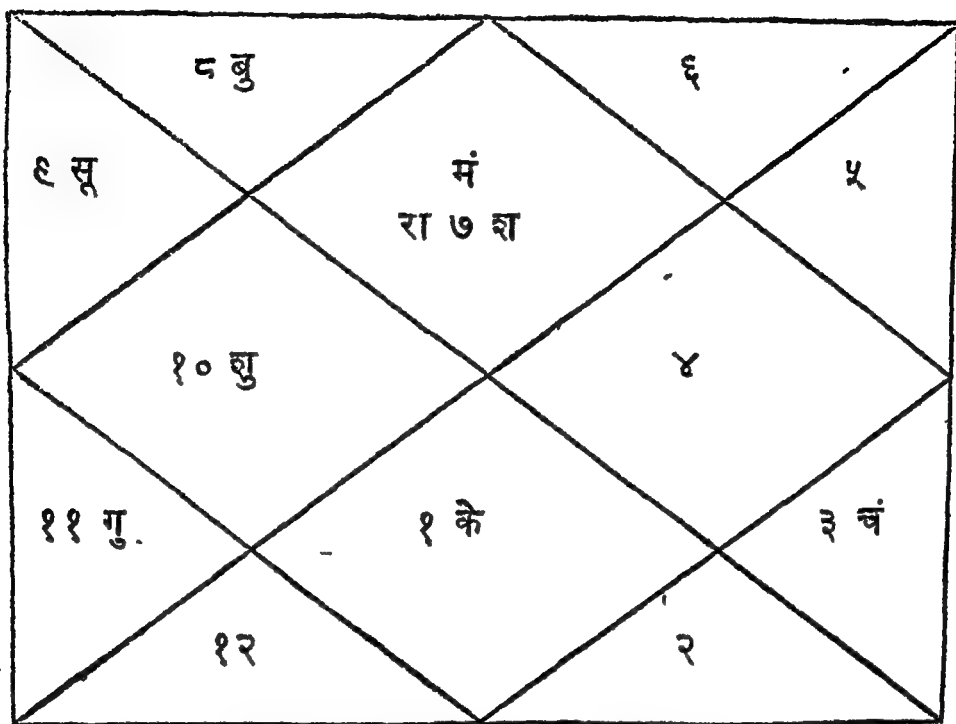
(शुक्र, अप्रैल १७, १४८३ ई०) राव गांगाजी री जन्म



राव मालदेजी राठौड़ री जन्मकुंडली

सम्बत १५६८ पोह वद १ शुके रात्रिगत घटि २४/२२

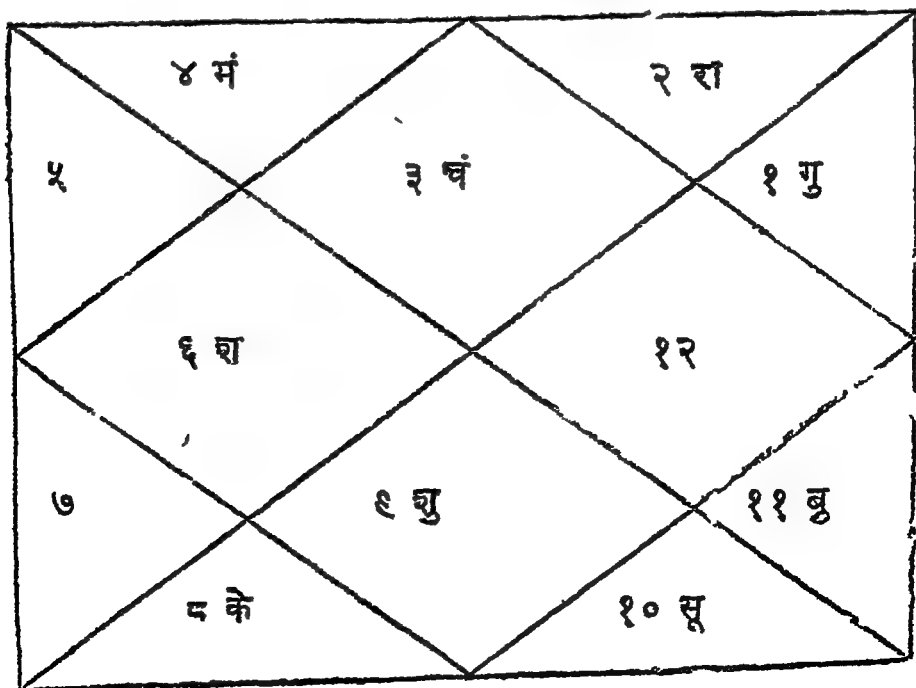
(शुक्र०, दिसम्बर ५, १५११ ई०) समये रावजी श्री मालदेजी री जन्म



राजा उदयसिंह मालदेओत री जन्मकुंडली

सम्बत १५६४ माघ सुद १३ रवौ उदयात २१/३२ (रवि०, जनवरी १३, १५३८ ई०)

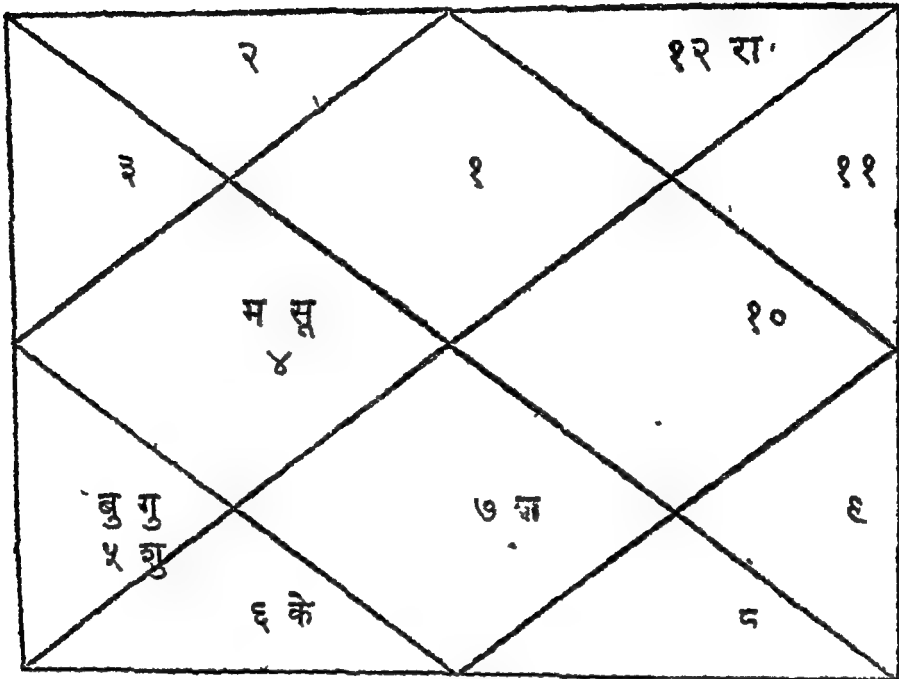
समये राजा उदयसिंह जन्म मालदे गृहे पुत्र



राव चन्द्रसेन री जन्मकुण्डली

सम्बत १५६८ श्रावण सुद ८ रात्रि गत घटी १०/२६ (शनि०, जुलाई ३०, १५४१ ई०)

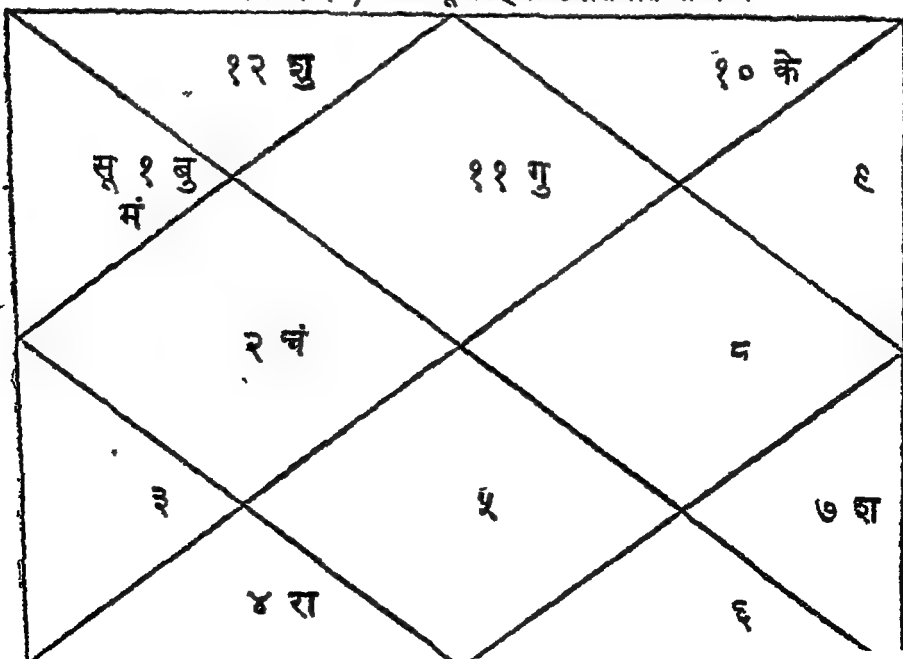
राव मालदेजी गृहे चन्द्रसेन री जन्म



राजा सूरसिंह उदयसिंघोत री जन्मकुण्डली

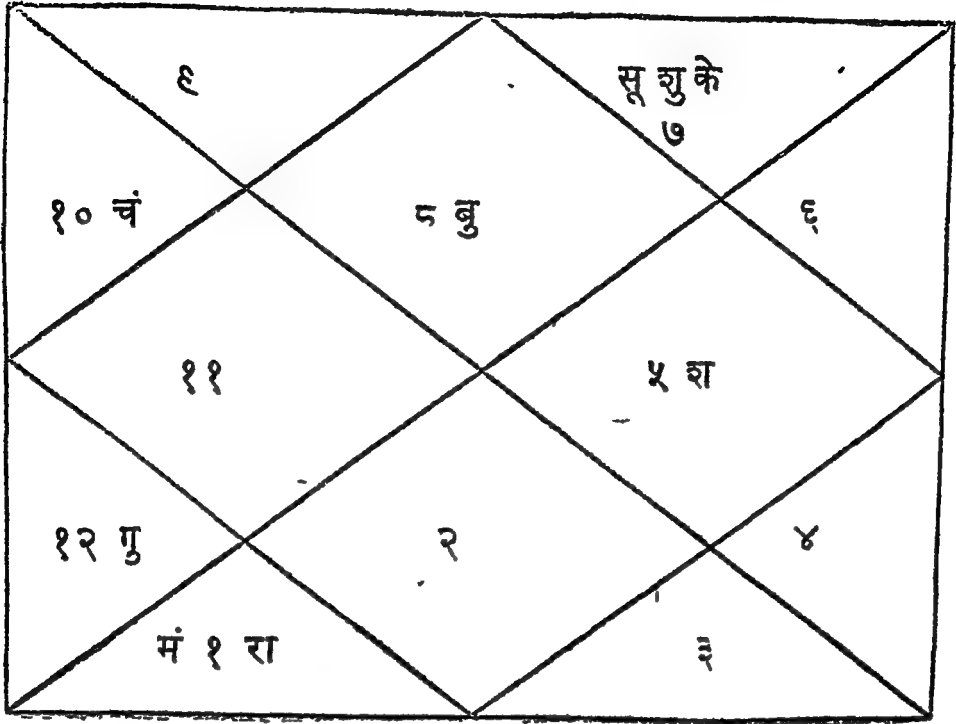
सम्बत १६२७ शाके १४६३. वैशाख वदि ५५ उदयात् ५०/३२ स. (मंगल०, अप्रेल २४,

१५७१ ई०) राजा सूरसिंहजी उदयसिंघोत री जन्म



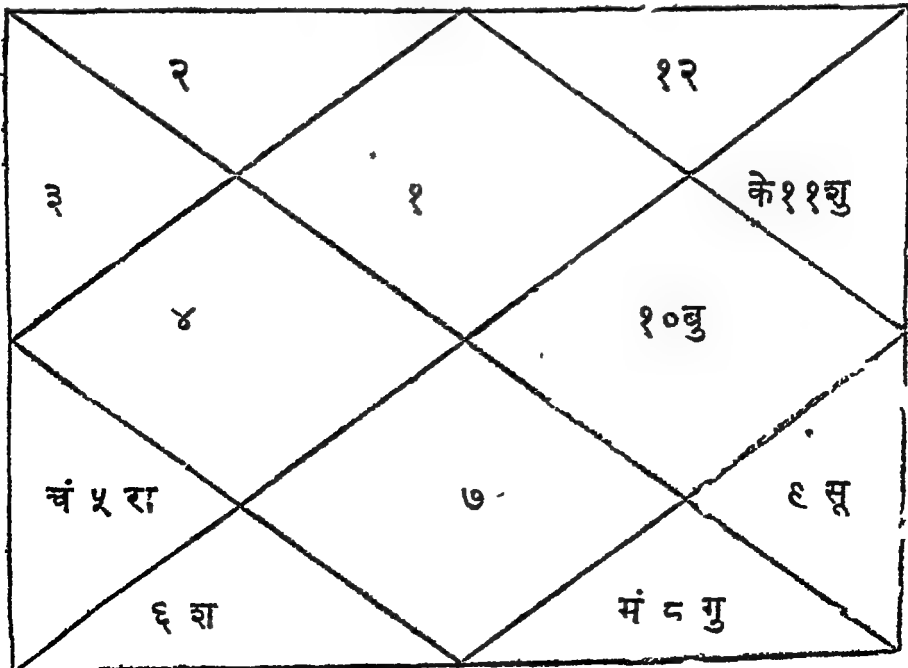
राजा गजसिंह राठौड़ रो जन्मकुंडली

सम्बत १६५२ शाके १५१७ काती सुद ८ गुरी उदयात १/७ (गुरु०, शक्रह्वर ३०, १६६५ ई०) समये महाराजा गजसिंहजी रो जन्म



राजा जसवंतसिंह राठौड़ रो जन्मकुंडली

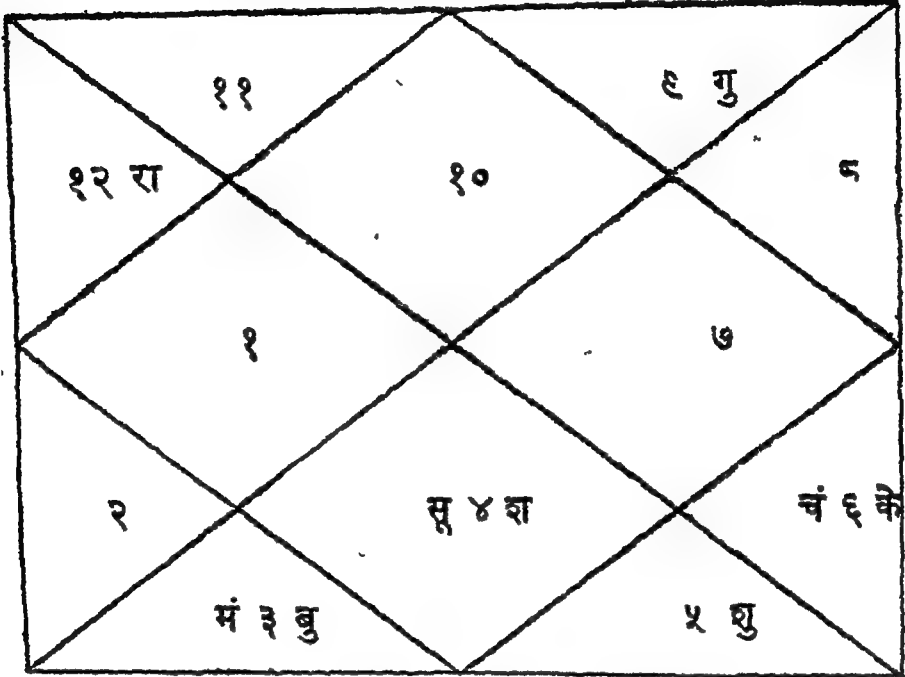
सम्बत १६८३ शाके १५४८ माघ वद ४ भीमे उदयात १३/३२ (मंगल०, विसम्बर २६, १६२६ ई०) समये महाराजा जसवंतसिंहजी मघा नक्षत्रे सूर्य ८/२६/५०/१



कुं० पृथ्वीसिंह री जन्मकुण्डली

सम्वत् १७०६ आसाढ सुद ५ गुरी (गुरु०, जुलाई १, १६५२ ई०) उदयात महाराज

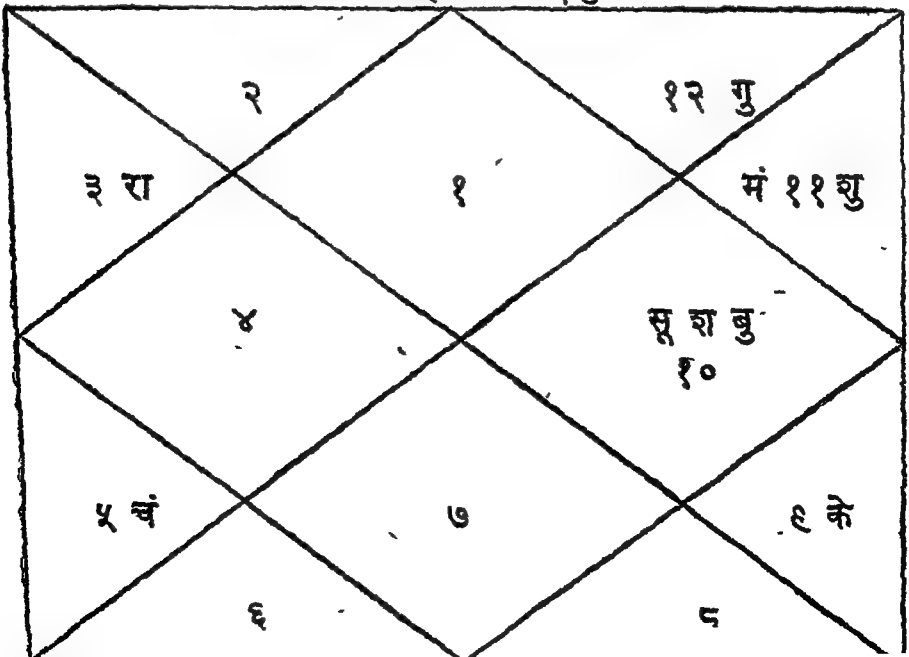
जसवन्तसिंहजी गृहे पृथ्वीसिंहजी जन्म



कुं० जगतसिंह राठोड़ री जन्मकुण्डली

सम्वत् १७२३ शाके १५८८ माघ वदि ३ गुरी उदय १३/१२ (शनि०, मार्च ४, १६७६ ई०)

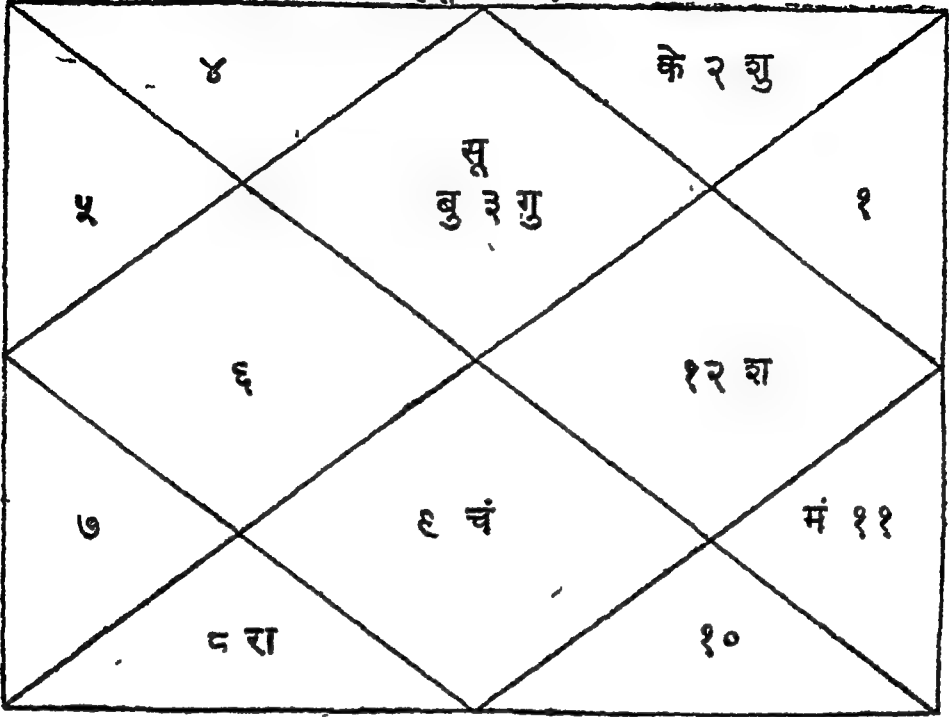
कवर जगतसिंहजी चन्द्रावत् कुक्षी जन्म



दूदा मेड़तिया की जन्मकुंडली

सम्बत १४६७ आसाढ सुद १५ उदयात २/१३ सा (बुध०, जून १५, १४४० ई०)

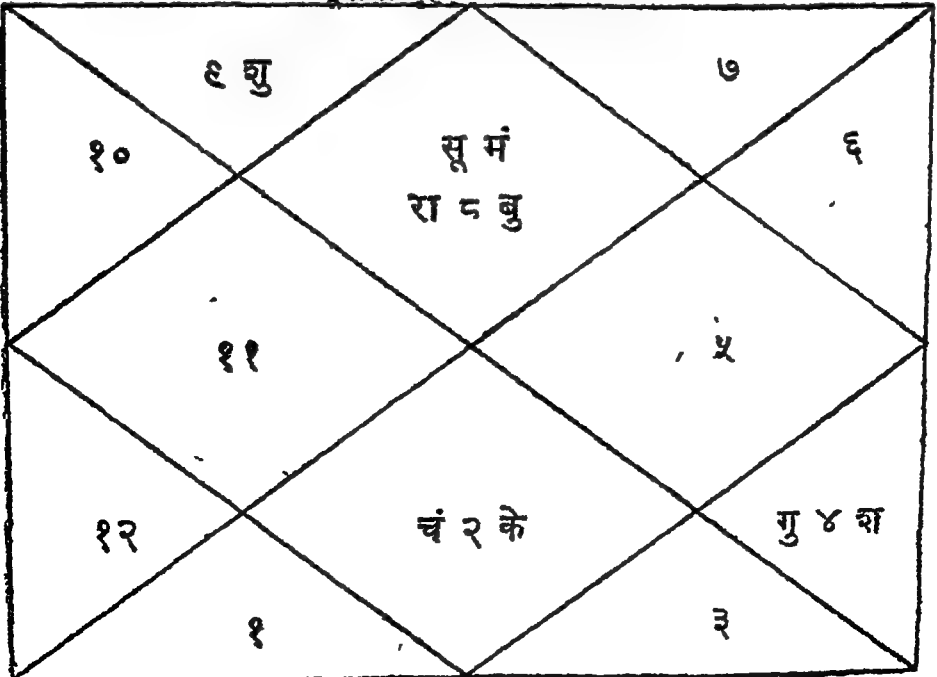
राव जोधाजी गृहे दूदाजी मेड़तिया की जन्म



वीरमदेजी दूदावत की जन्मकुंडली

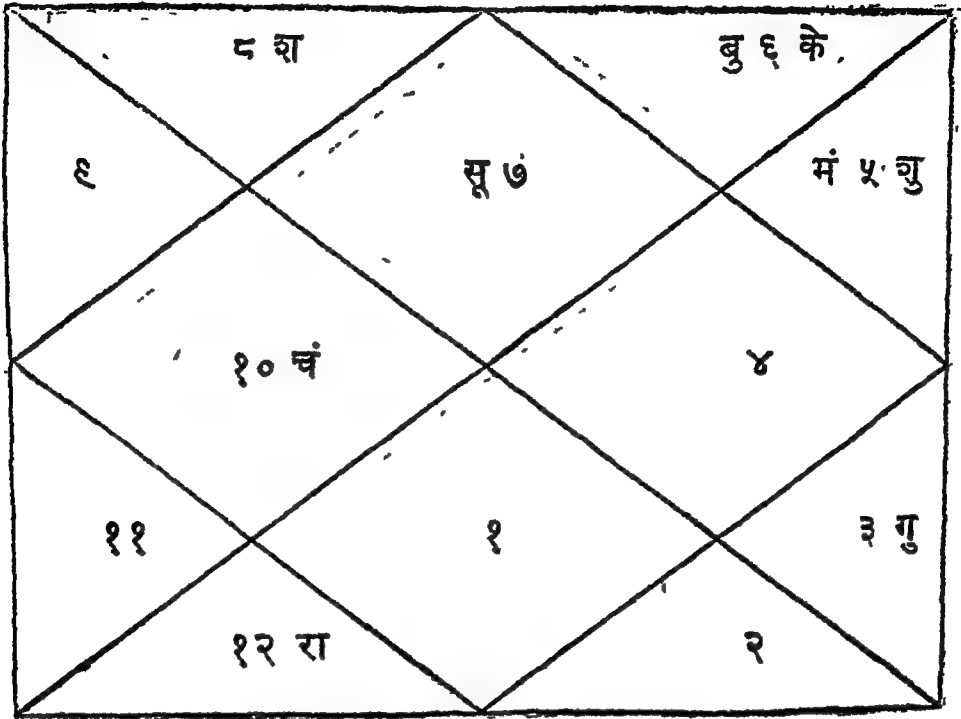
सम्बत १५३४ मिगसर सुद १४ (बुध०, नवम्बर १६, १४७७ ई०)

दूदाजी गृहे वीरमदेजी की जन्म



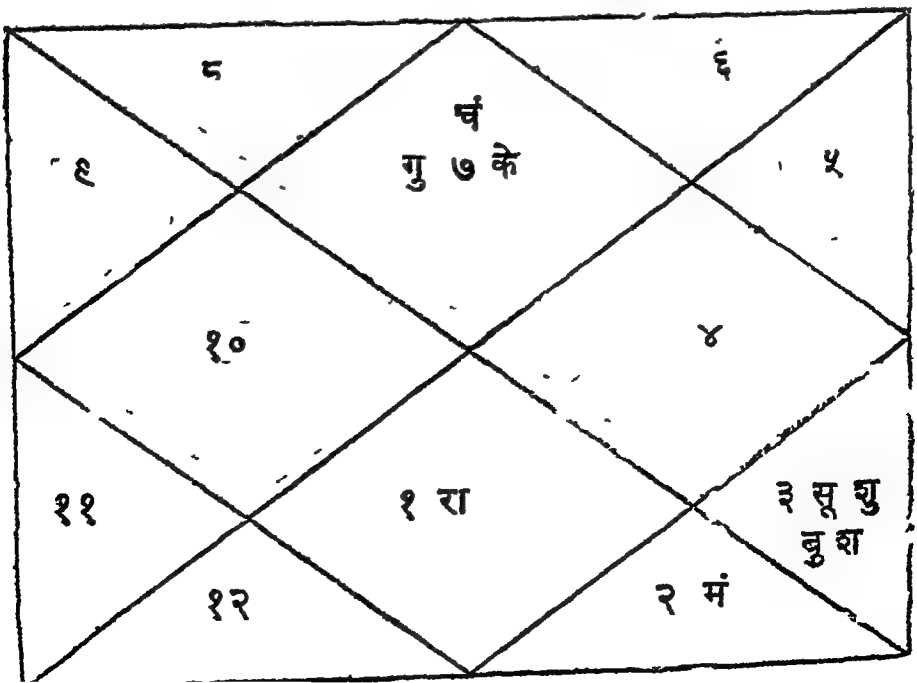
राव रायसिंहजी राठौड़ री जन्मकुंडली

सम्बत १६६० आसोज सुद १० बुध उदयात सू १/४१
(बुध०, अक्टूबर २, १६३३ ई०) समये राव.रायसिंहजी री जन्म



इन्द्रसिंहजी राठौड़ री जन्मकुंडली

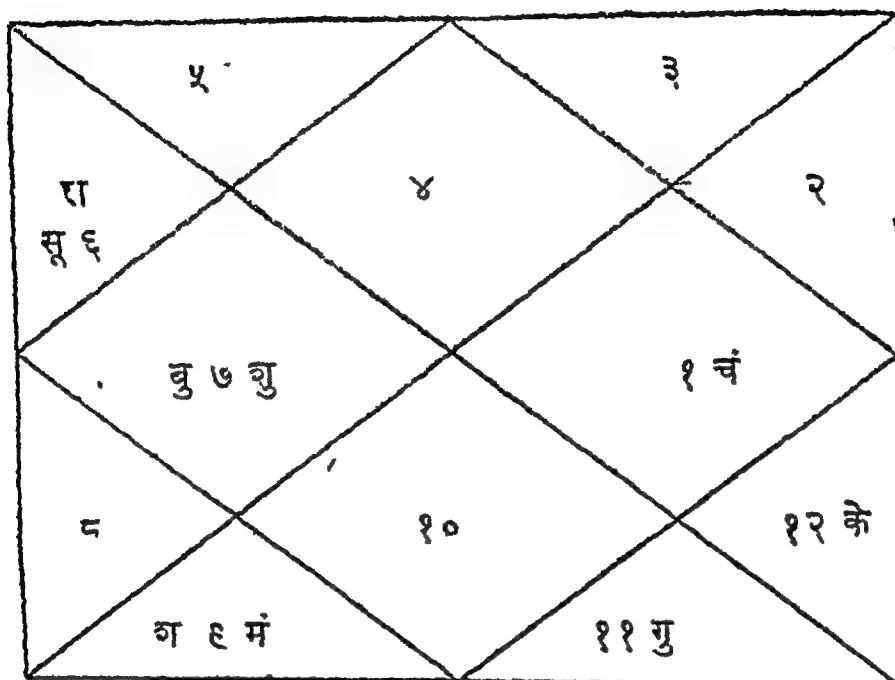
सम्बत १७०७ जैठ सुद १२ शनी विशाखा ५३/८ उदयात २१/३८ (शनि०, जून १,
१६५० ई०) समये रायसिंहजी गृहे इन्द्रसिंहजी जन्म सू २/३



कु० रामसिंघ री जन्मकुण्डली

सम्बत १६३० आसोज वदि २ उदयात् ५२ (रवि०, सितम्बर १३, १५७३ ई०)

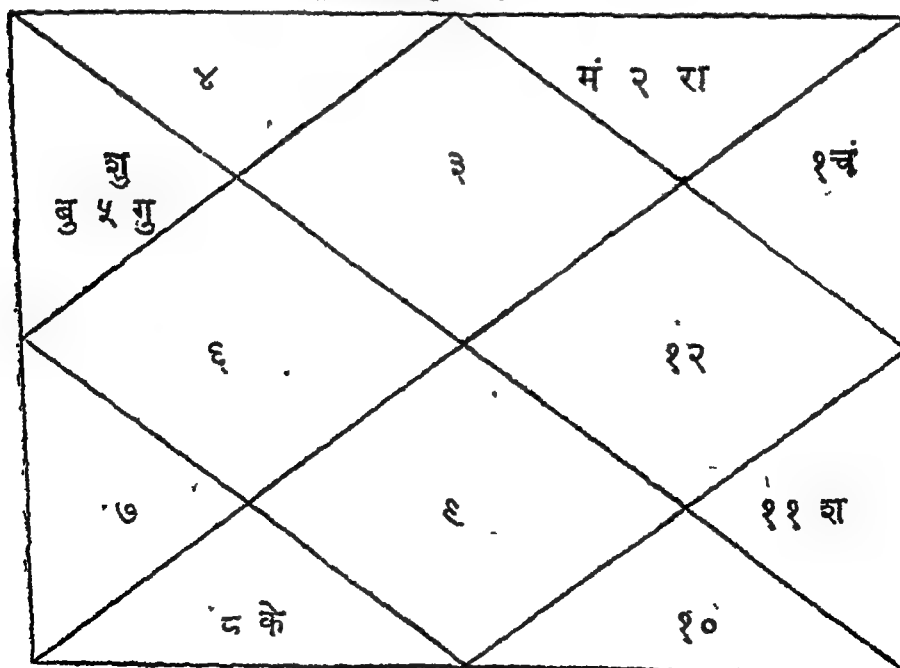
कर्मसेन पुत्र रामसिंह री जन्म



कु० सत्रुसाल री जन्मकुण्डली

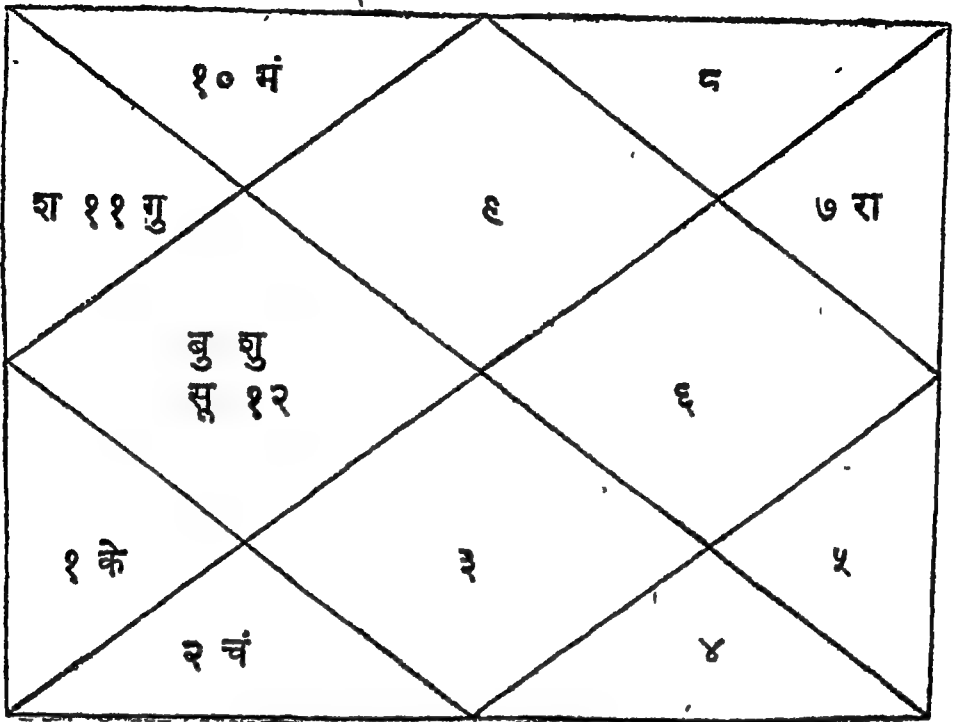
सम्बत १६६६ भाद्रवा वद ५ उदयात् ५०/१२ अश्विनी (गुरु०, अगस्त ६, १६१२ ई०)

राजा सूरसिंहजी गृहे सत्रुसान री जन्म



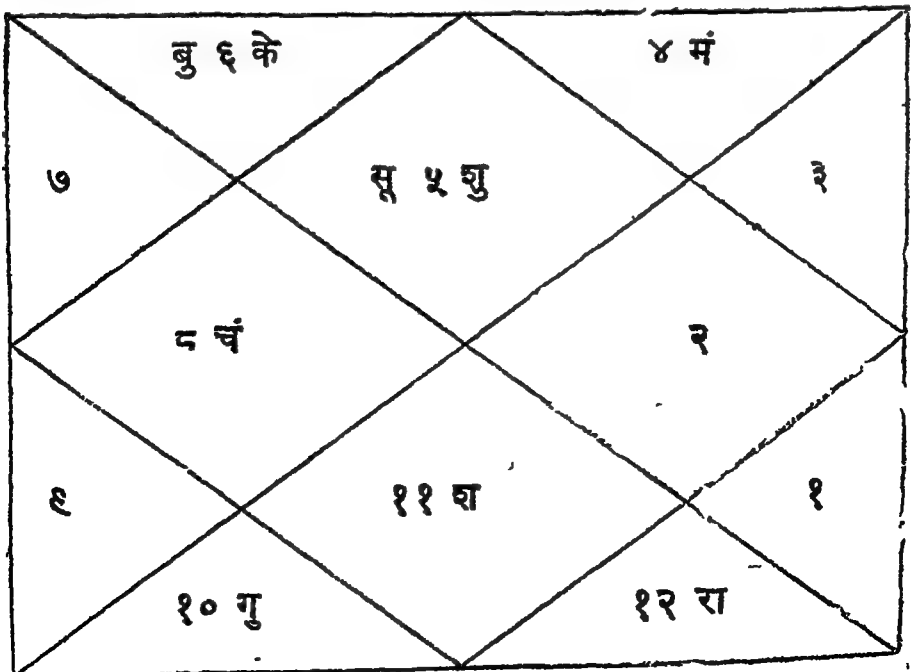
वनमालीदास री जन्मकुंडली

सम्बत १६९६ चैत्र सुद ३ बुध घटी २ भरणी ७ आयुष्मान रात्रगत
घटी (बुध०, मार्च २३, १६४२ई०) कु. वनमाली दास री जन्म



राणा उदयसिंह री जन्मकुंडली

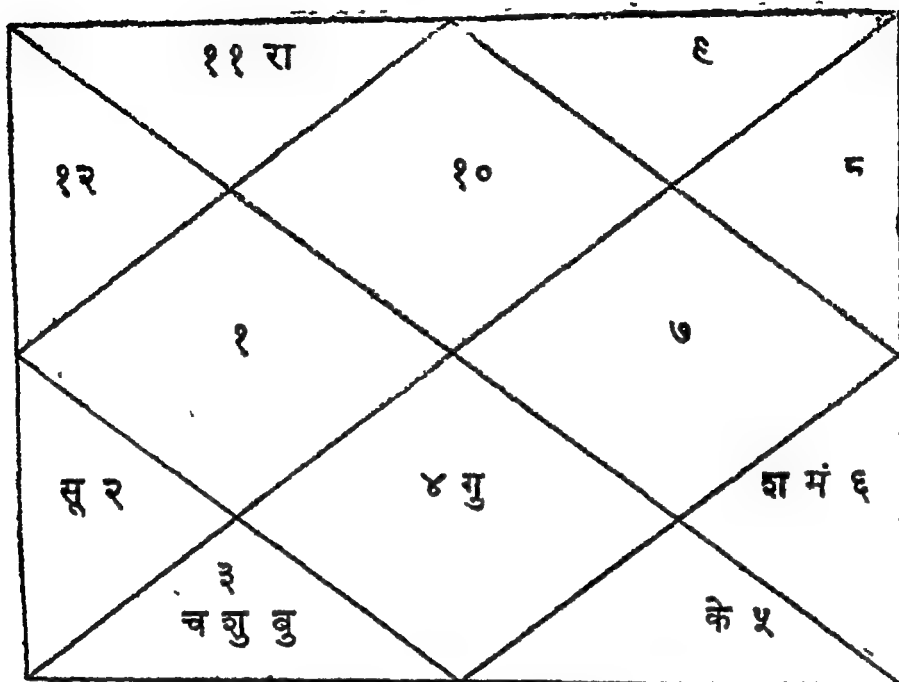
सम्बत १५७८ भाद्रपद सुद १२ बुधे सूर्योदयात्
(बुध., अगस्त १४, १५२१ ई०) राणा सांगा पुत्र उदैसिंह री जन्म



राणा प्रताप की जन्मकुण्डली

सन्वत् १५६७ जैष्ठ सुद ३ रवि उदयात् ४७/१३ (रवि०, मई ६, १५४० ई०)

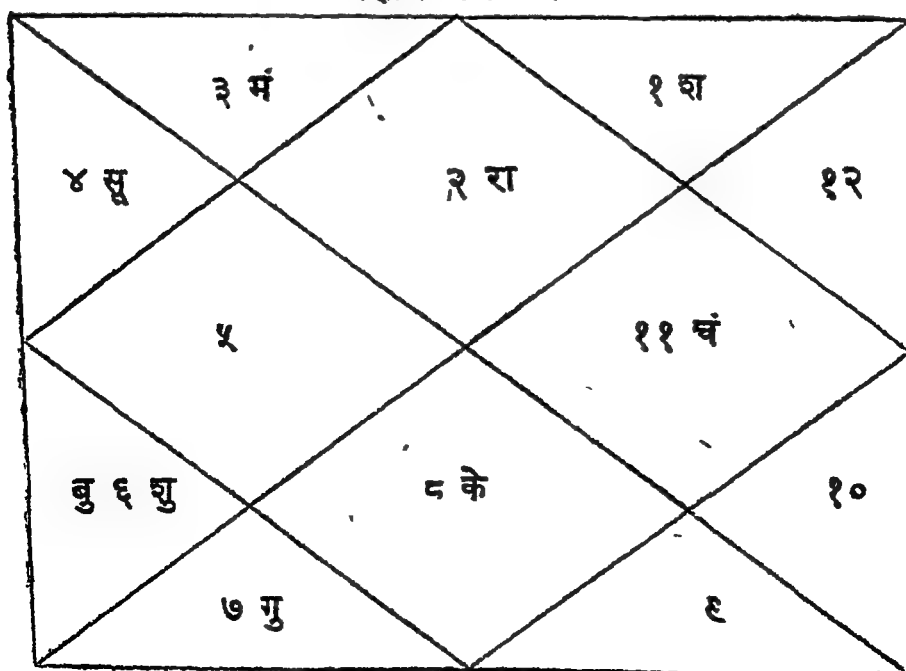
राणा प्रताप की जन्म



राणा सगर की जन्मकुण्डली

सन्वत् १६१३ भाद्रवा वद २ शुक्र उदयात् ४७/३३ (शुक्र० जुलाई २४, १५५६ ई०)

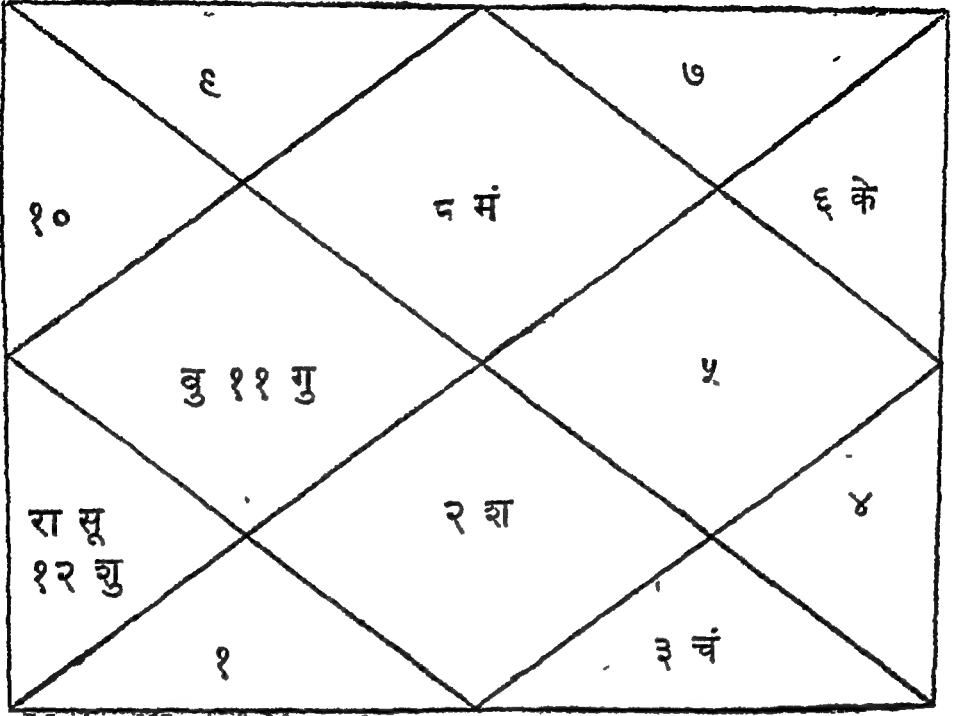
राणा सगर की जन्म



राणा अमरसिंघ री जन्मकुंडली

सम्बत १६१६ चैत्र सुद ७ (गुरु०, मार्च १६, १५५६ ई०)

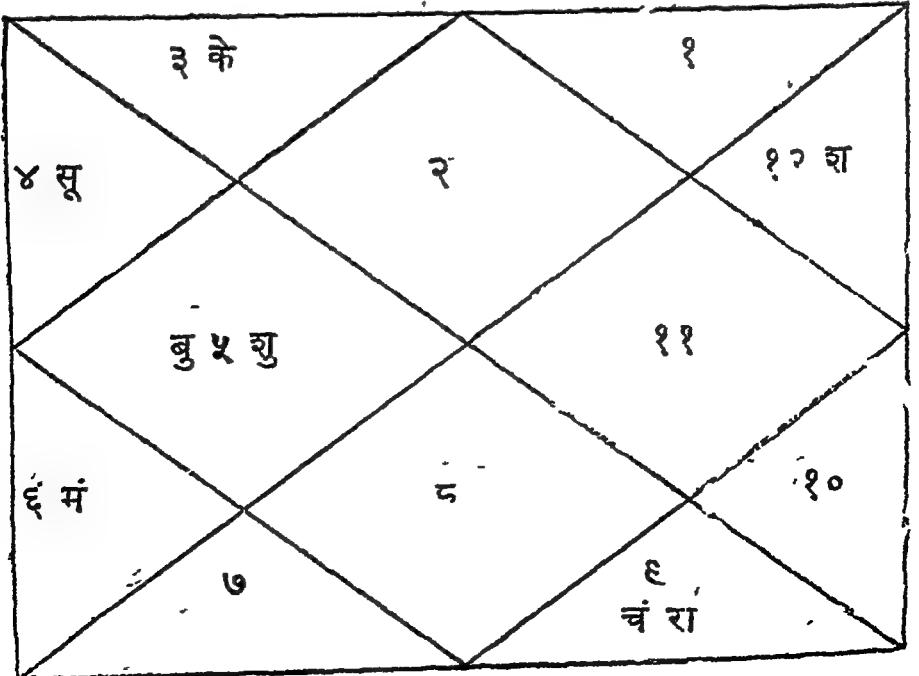
राणा अमरसिंह री जन्म



राणा करणसिंघ री जन्मकुंडली

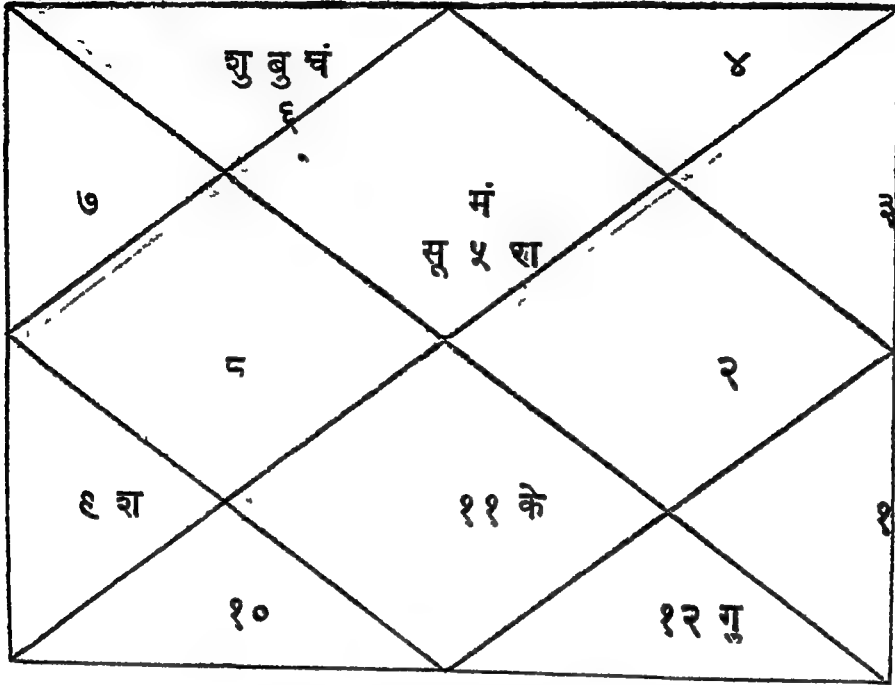
सम्बत १६४० श्रावण सुदी १२, उदयात ४६ (रवि०, जुलाई २१, १५८३ ई०) राणा करण

सिंघ री जन्म (मंगल०, जनवरी ७, १५८४ है।) वीर विनोद मे माघ सु० ४



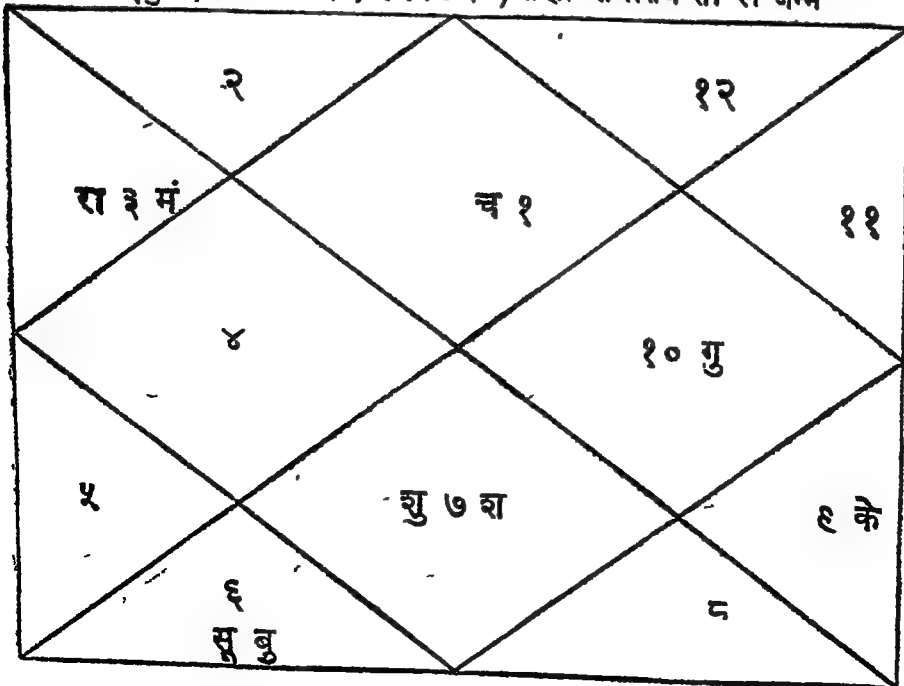
राणा जगतसिंघ की जन्मकुण्डली

सम्बत १६६४ भाद्रपद सुद २ शुक्र हस्त नक्षत्र रात्रि शेष घटी २ (शुक्र०, अगस्त १४, १६०७ ई०) राणा जगतसिंघ की जन्म



राणा राजसिंघ की जन्मकुण्डली

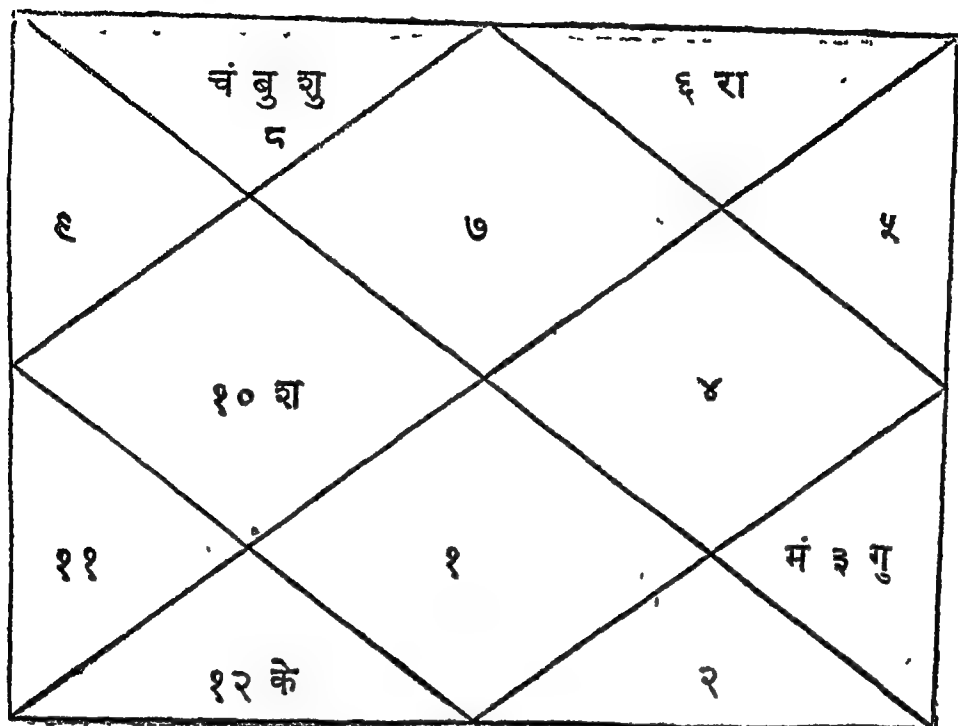
सम्बत १६६८ काती वदी २ गुरी उदयात २४ रात्रगत घटी २/५१ अ ७ हर्षण १२ (गुरु०, सितम्बर २४, १६२६ ई०) राणा राजसिंघ सा की जन्म



राजा मानसिंघ कछावा री जन्मकुंडली

सम्वत १६०७ पोह वदी १३ शनी उः ४८ (शनि०, दिसम्बर ६, १५५० ई०)

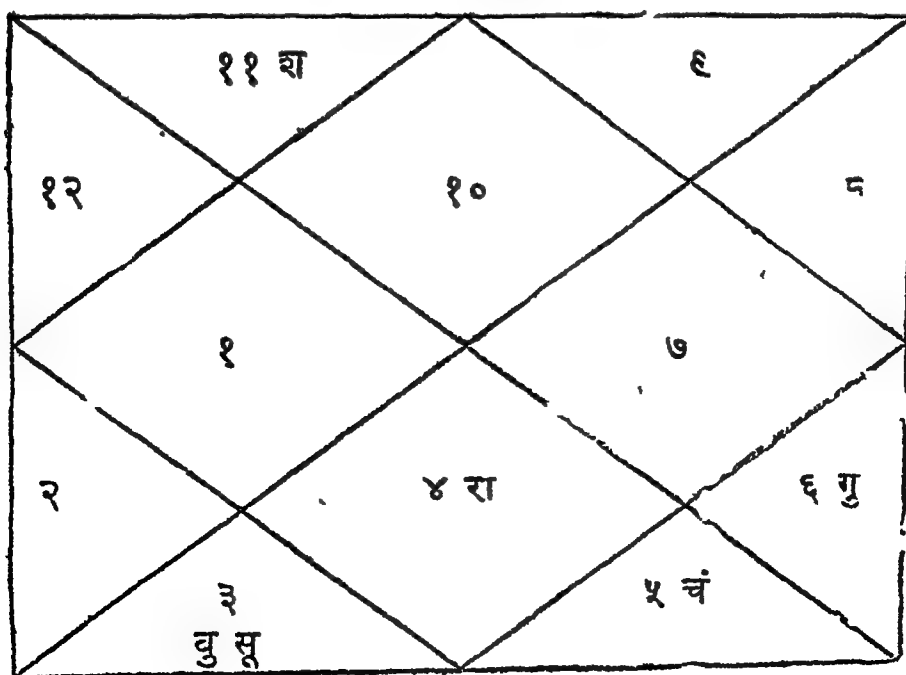
राजा मानसिंघ री जन्म



राजा माधोसिंघ कछावा री जन्मकुंडली

सम्वत १६१० आसोज सुद ५ (मंगल०, सितम्बर १२, १५५३ ई०)

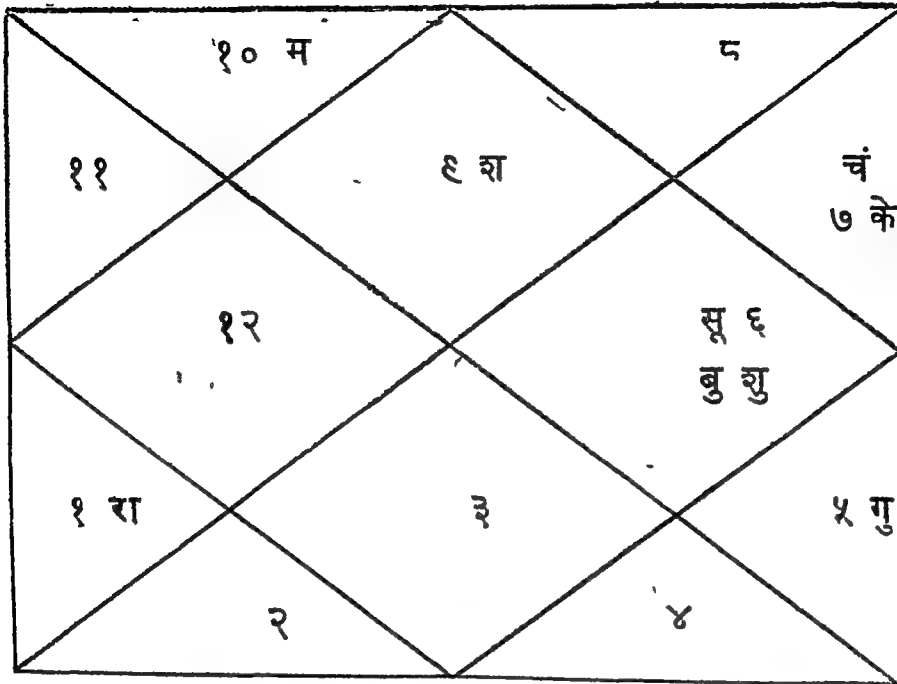
माधोसिंघ सा री जन्म



राजा भार्वासी कछावा री जन्मकुण्डली

सम्बत १६३३ आसोज वद २ उदयात १३ (सोम०, सितम्बर १०, १५७६ ई०)

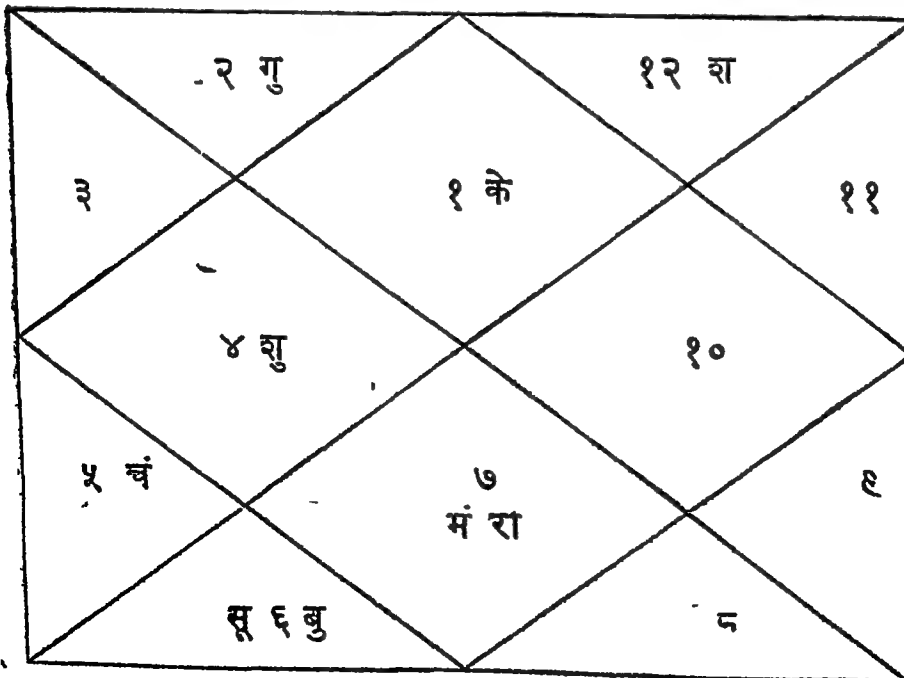
राजा भार्वासी री जन्म



राजा महारिषि कछावा री जन्मकुण्डली

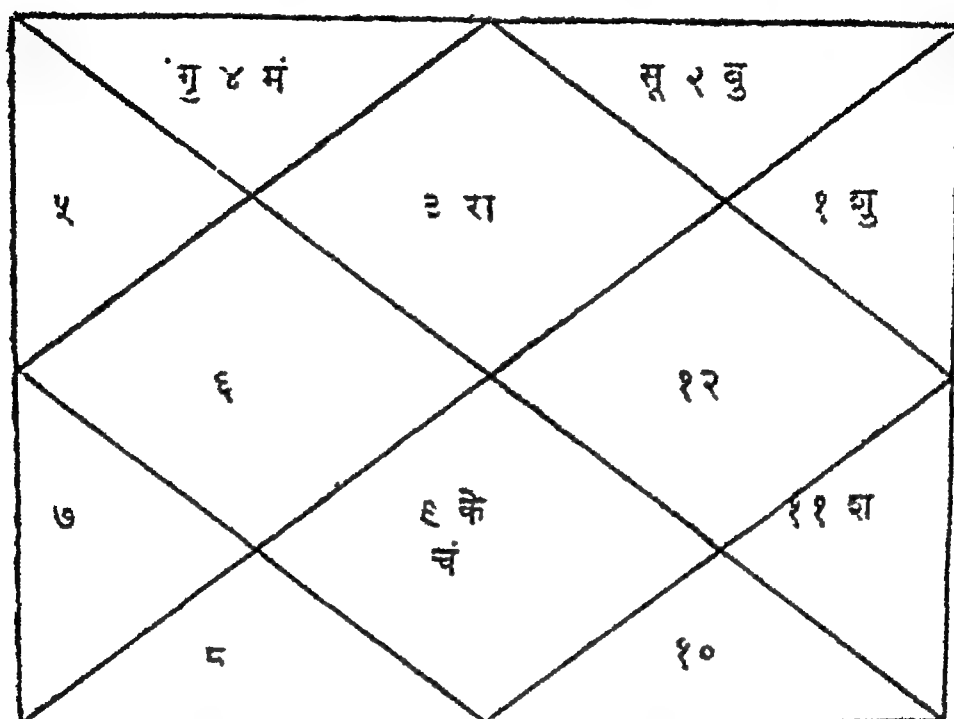
सम्बत १६४२ आसोज वद १२ शनी उदयात ३५/४६ सू ५/१०/५२/५४ ल०/२७/१२/६

चं. ४/१६/४३/४५ (शनि०, सितम्बर ११, १५८५ ई०) राजा महारिषि री जन्म



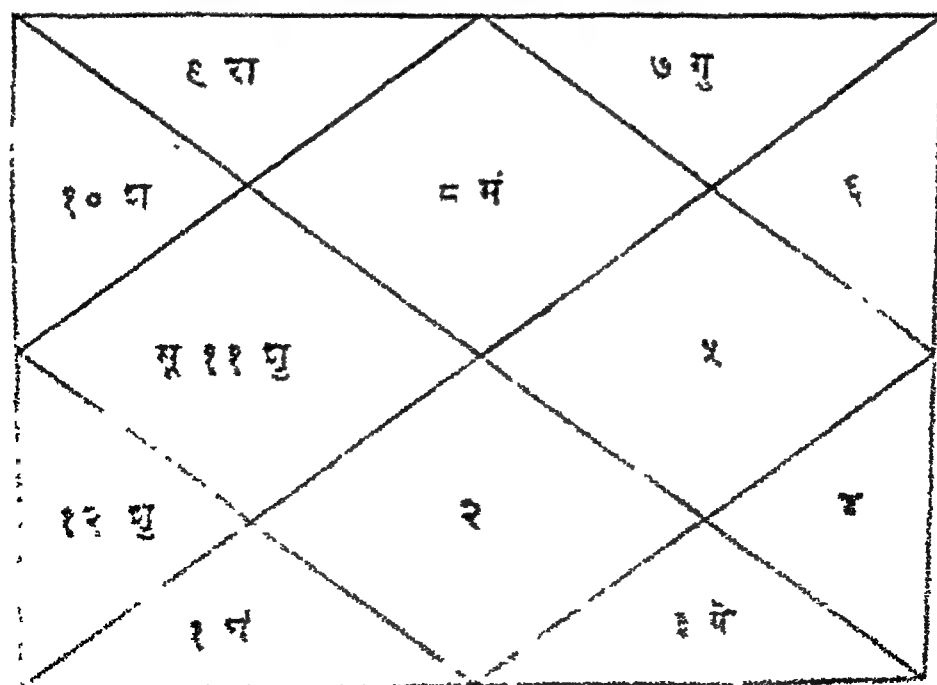
मिरजा राजा जैसिघ री जन्मकुंडली

सम्वत् १६६८ प्रथम आषाढ वद १ बुके ज्येष्ठा नक्षत्रे उदयात् ३/२० सू १/१७/४०/६०
म २/७/२८/४ (गुरु०, मई १७, १६११ ई०) राजा जैसिघ री जन्म



राजा कीरतसिंह री जन्मकुंडली

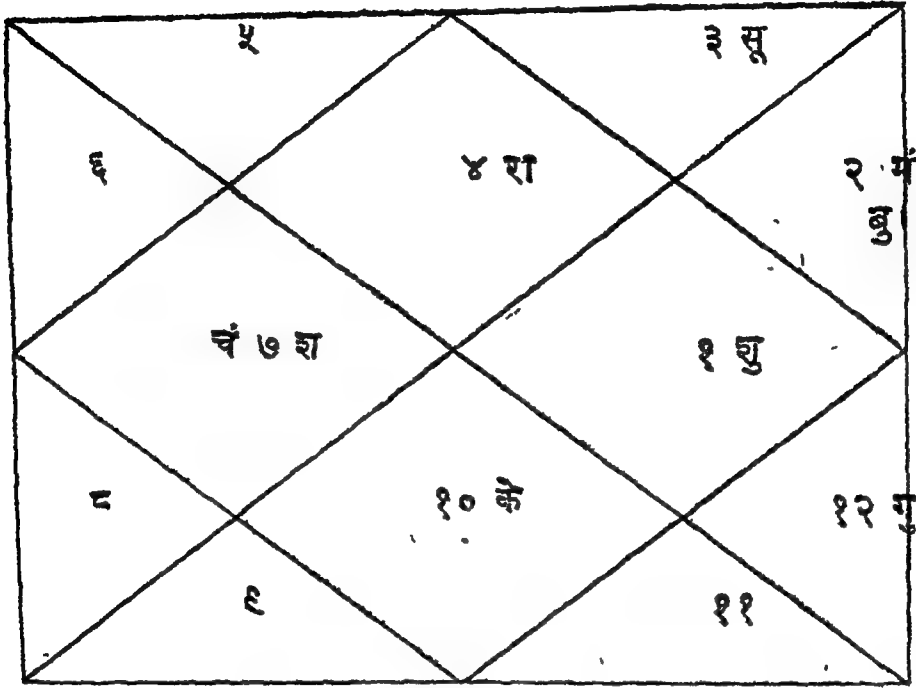
सम्वत् १६६४ फाल्गुन शुधी ५ बुके उदयात् ४५ (गुरु०, फरवरी ६, १६३८ ई०) मिरजा
राजा जयसिंह दूहे पुत्र कीरतसिंह री जन्म



राव रतन हाड़ा की जन्मकुण्डली

सम्बत १६२८ जेठ सुद १० रवौ उदयात ११ (रवि० जून ३, १५७१ ई०)

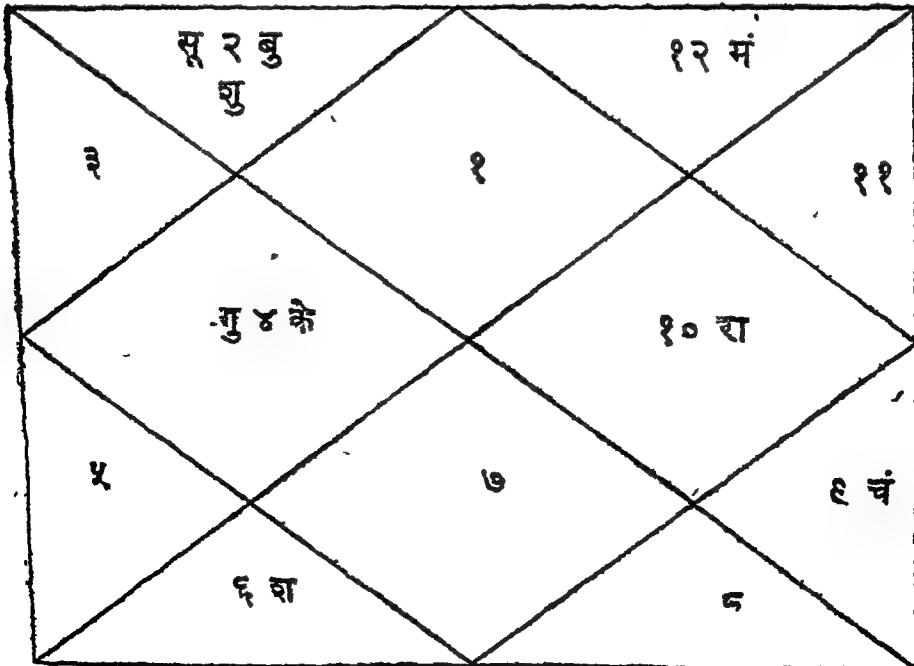
राव रतन रौ जन्म



राव माधोसिंह हाड़ा की जन्मकुण्डली

सम्बत १६५६ जेठ वद ३ गुरौ उदयात ५५ (गुरु०, मई ३, १५९९ ई०) राव रतन गृहे

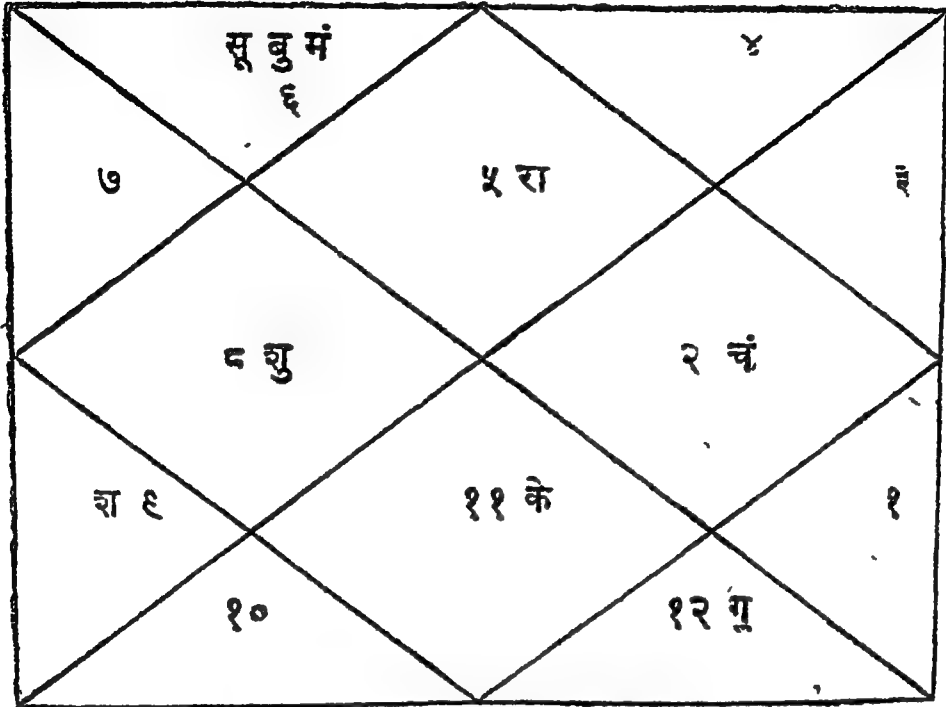
पुत्र माधोसिंह हाड़ा रौ जन्म



हाड़ा सत्रसाल की जनमकुंडली

सम्वत १६६४ कातीवद ३ सोमे उदयात ५/५७ (सोम०, सितम्बर २८, १६०७ ई०)

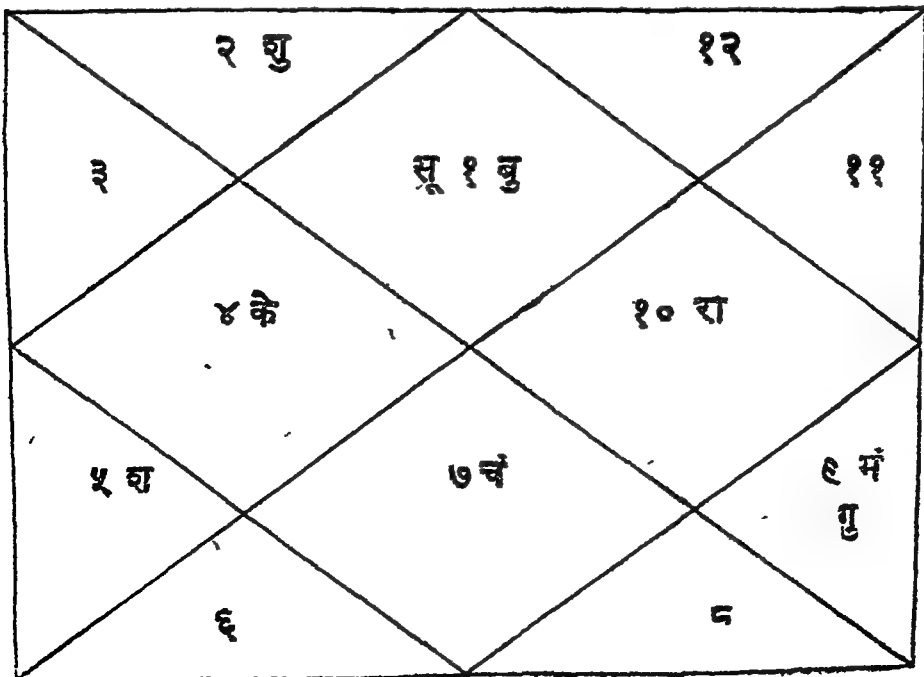
राव सत्रसाल हाड़ा की जन्म



रावल लूणकरण की जन्मकुंडली

सम्वत १५२४ वैशाख सुदी १४ (गुरु०, अप्रैल २८, १४८५ ई०)

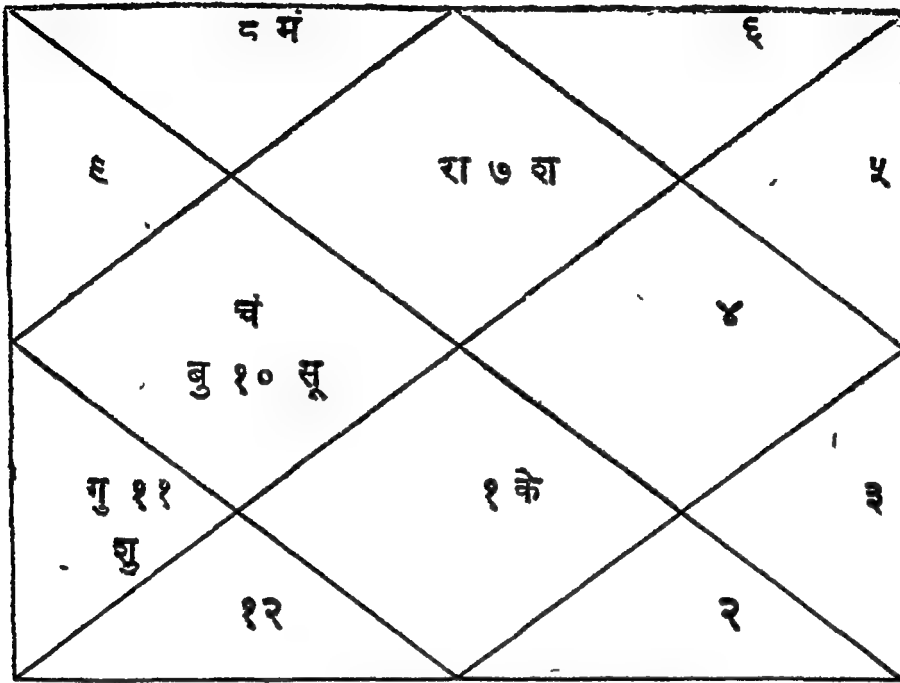
रावल लूणकरण भाटी (जैसलमेर) की जन्म



रावळ मालदे री जन्मकुण्डली

सम्बत १५६८ माह वद ७ रात्रिगत १७ रा (शनि०, जनवरी १०, १५१२ ई०)

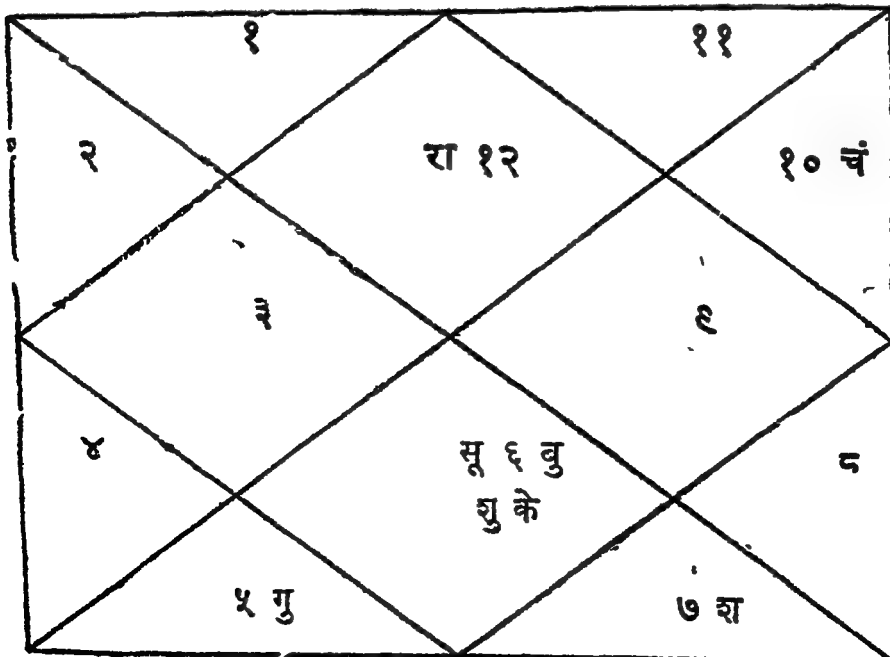
मालदे री जन्म



रावळ हरराज री जन्मकुण्डली

सम्बत १५६८ आसोज सुद ८ (मंगल०, सितम्बर २७, १५४१ ई०)

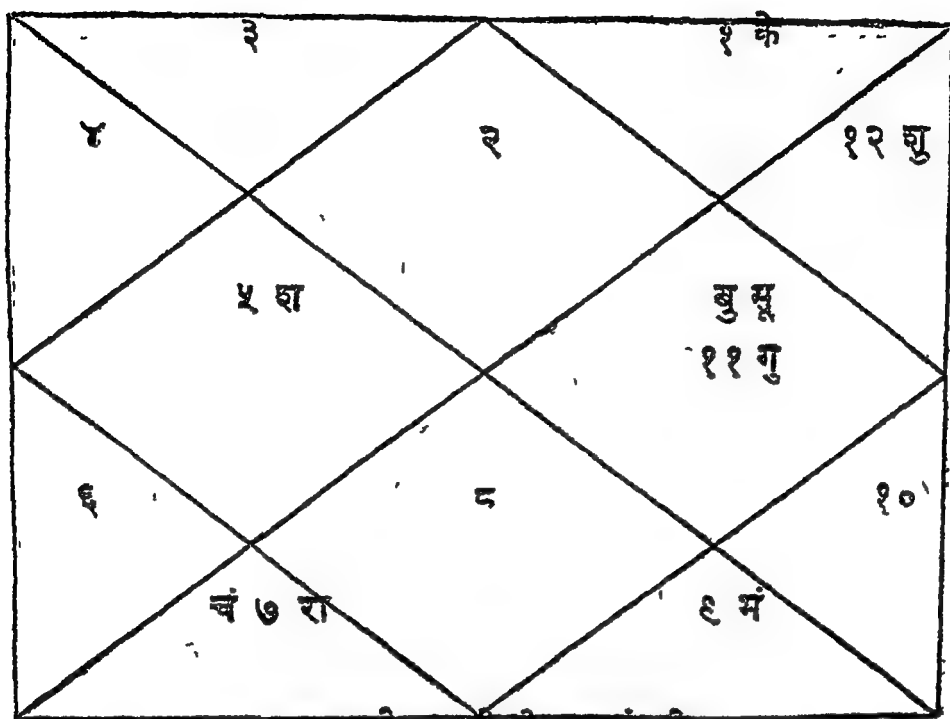
रावळ हरराज भाटी री जन्म



रावल मनोहरदासरी जन्मकुंडली

सम्बत १६५१ चैत्र वद ६ बुधे (बुध०, फरवरी १६, १५६५ ई०)

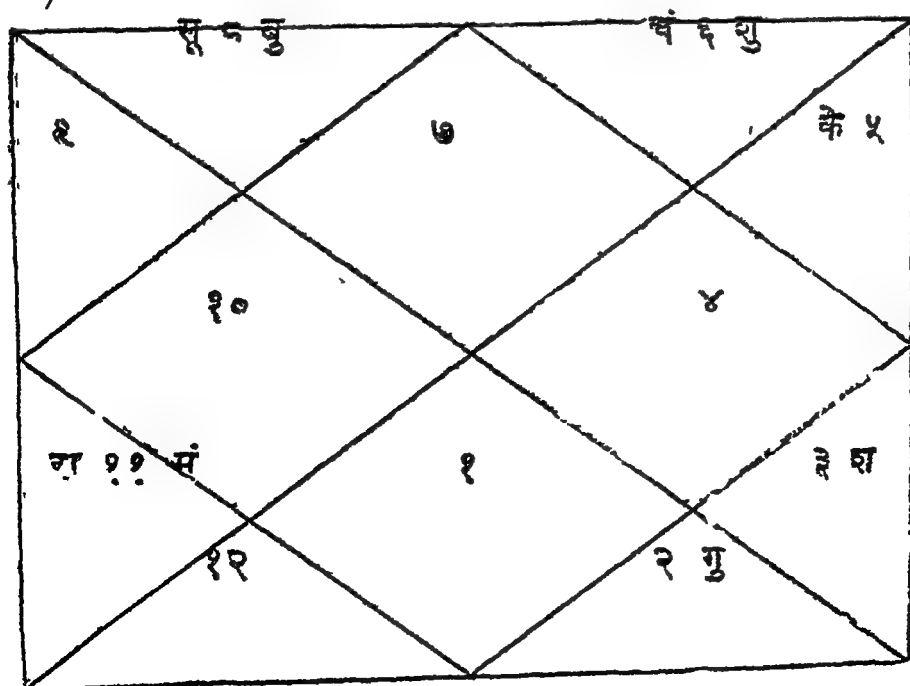
रावल मनोहरदास री जन्म



रावल भीम भाटी री जन्मकुंडली

सम्बत १६१८ मार्गशीर्ष वदि ११ (सोम०, नवम्बर ३, १५६१ ई०) रावल

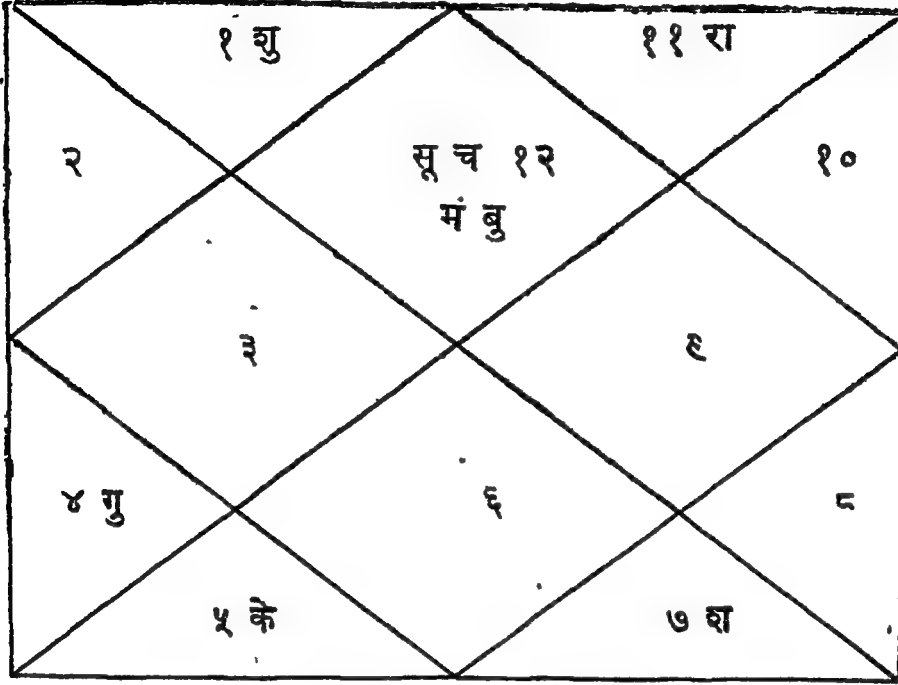
भीम भाटी री जन्म



साहजी भोंसल री जन्मकुण्डली

सम्वत् १६५५ फाल्गुण वद १४ गुरु रात्रिगत २७ सूर्य ११/.....ल ११/०

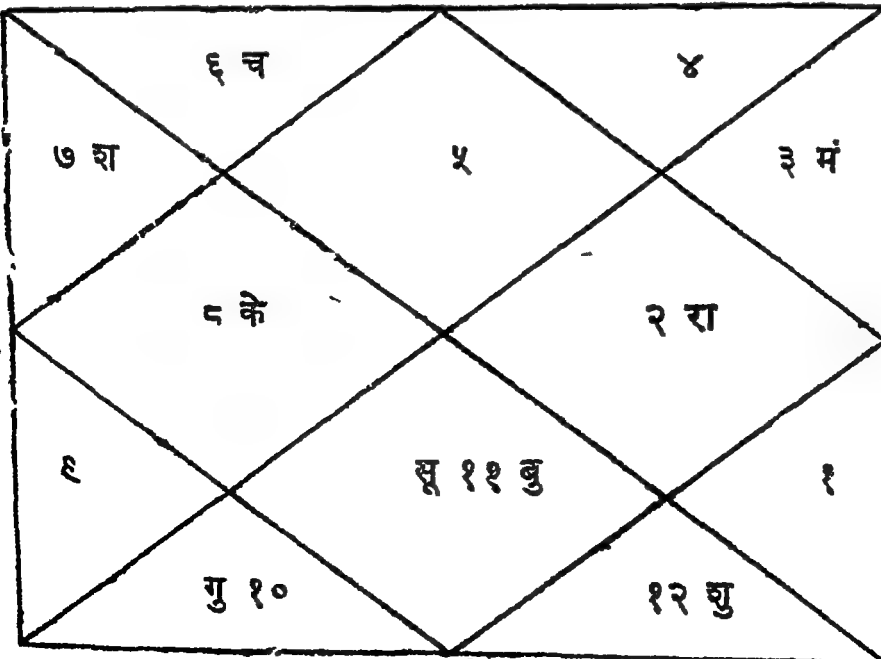
(गुरुवार, मार्च १५, १५९९ ई०) साहजी भोंसला री जन्म



शिवाजी मराठे री जन्मकुण्डली

सम्वत् १६८६ फाल्गुण सुद ३ रात्रिगत घटी १ पल समये (शुक्र० फरवरी ५, १६३० ई०)

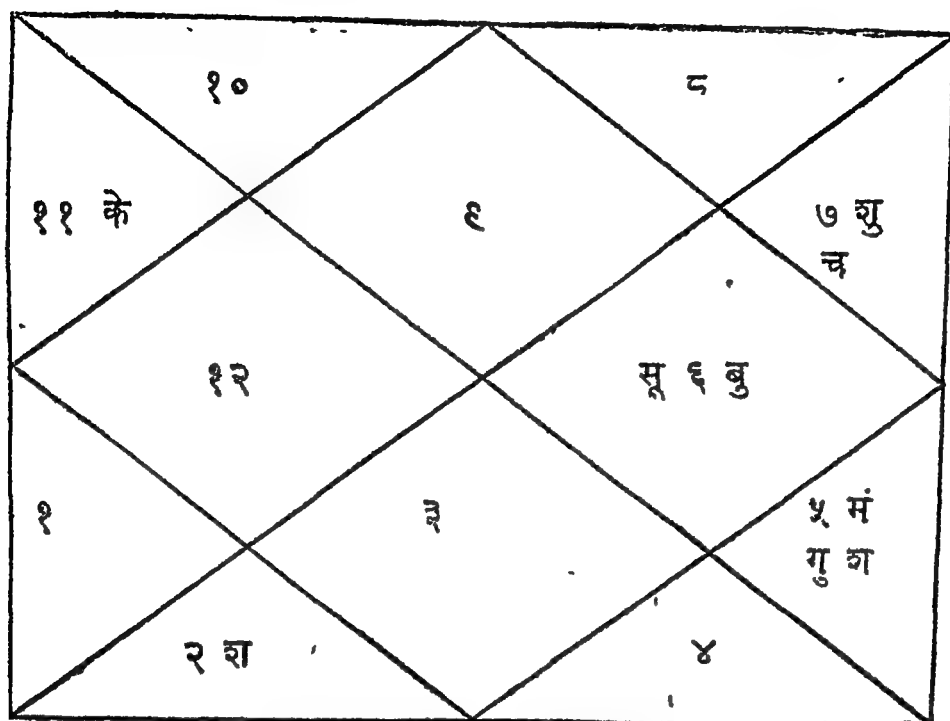
शिवाजी री जन्म



बुंदेला जोगराज रो जन्मकुंडली

सम्बत १६४५ आसोज सुद ७ उदयात (मंगल०, सितम्बर १७, १५८८ ई०)

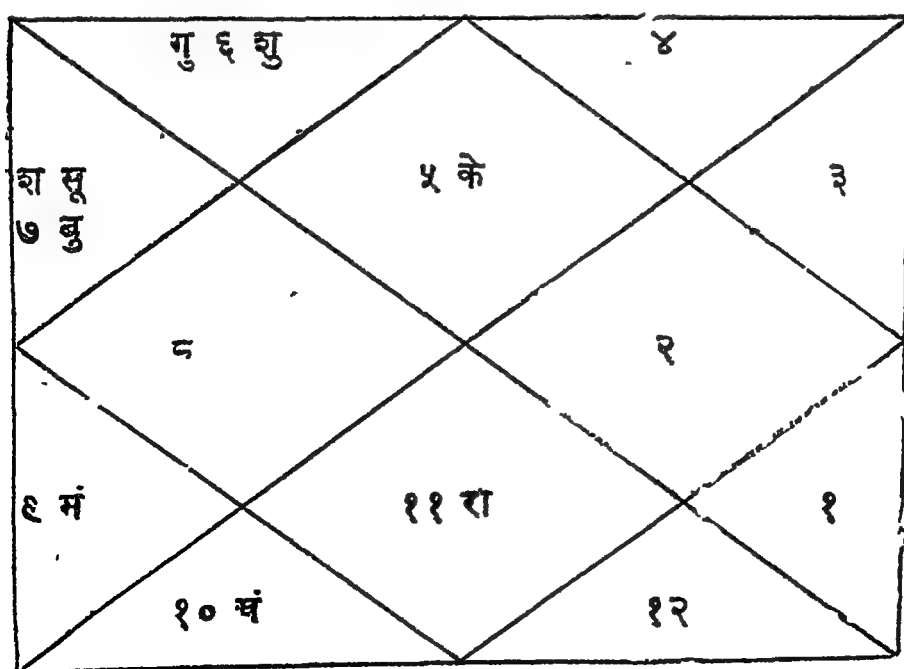
बुंदेला जोगराज रो जन्म



बादशाह अकबर रो जन्मकुंडली

सम्बत १५६६ कात्ती सुदी ६, शनी रात्रिगत घटी २१/६ सूर्य (शनि०, अक्टूबर १४, १५४२ ई०)

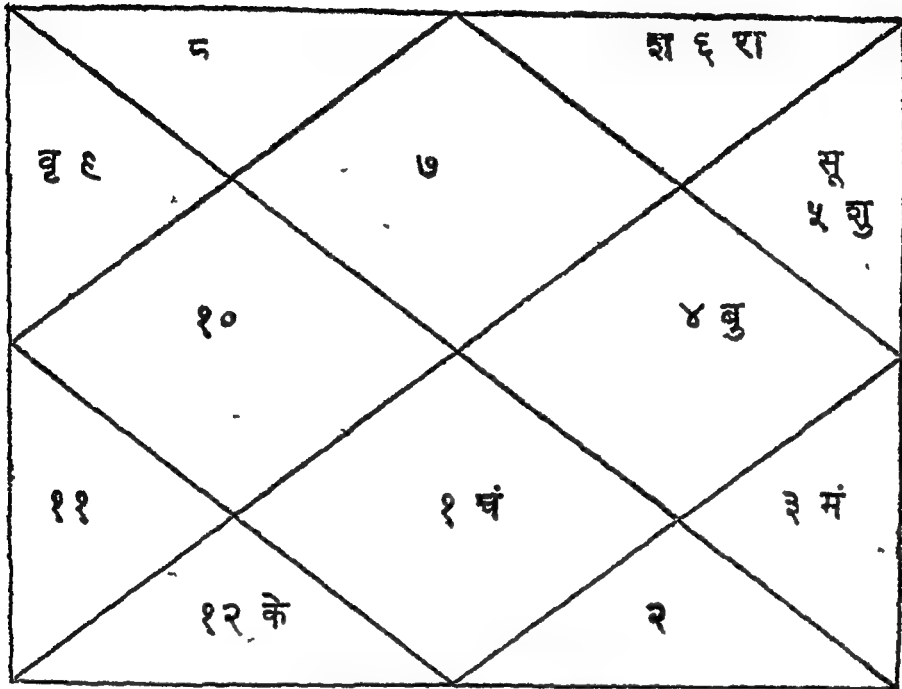
बादशाह अकबर रो जन्म



बादशाह जहांगीर की जन्मकुण्डली

सम्वत् १६२६ आश्विन वद ५ बुधे (बुध०, अगस्त ३१, १५६६ ई०)

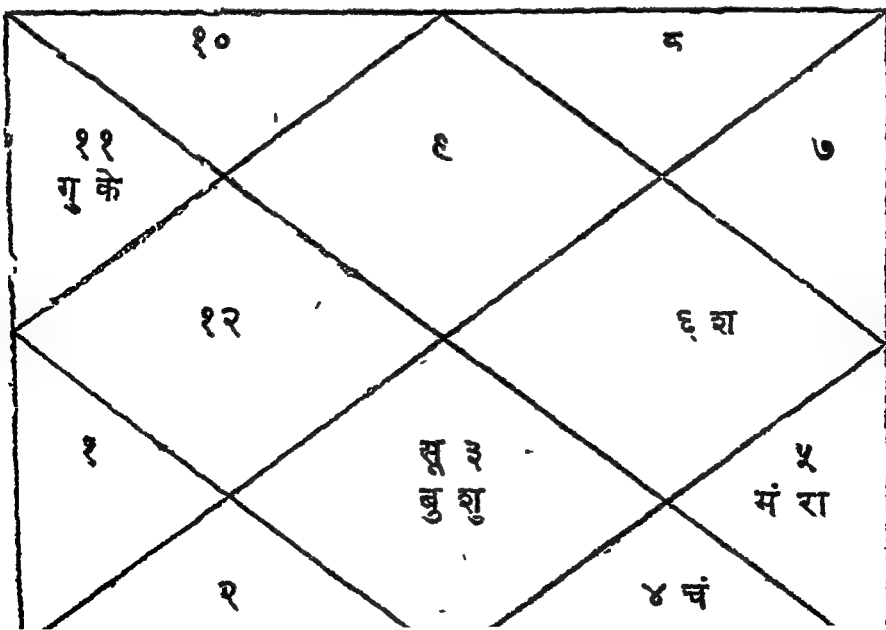
पातसाह जहांगीर की जन्म



शाह मुराद की जन्मकुण्डली

सम्वत् १६२७ आसाढ सुद ४ बुधे पुष्य नक्षत्रे उदयात् (बुध०, जून ७, १५७० ई०)

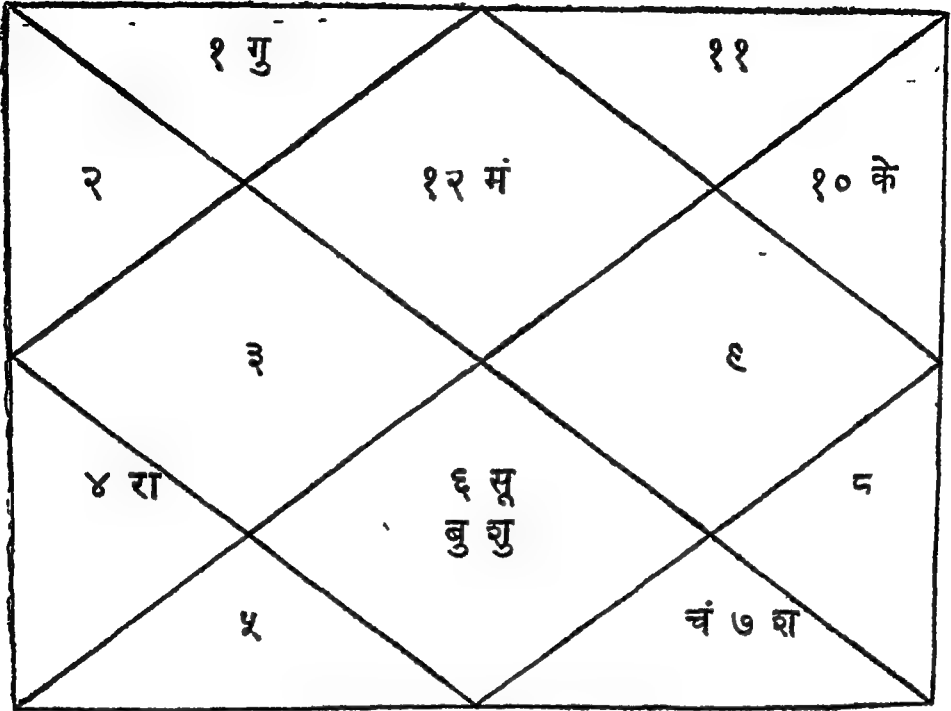
शाह मुराद की जन्म



दीनशाह री जन्मकुंडली

सम्वत् १६२६ आश्विन सुद २ भौमे (मंगल०, सितम्बर ६, १५७२ ई०)

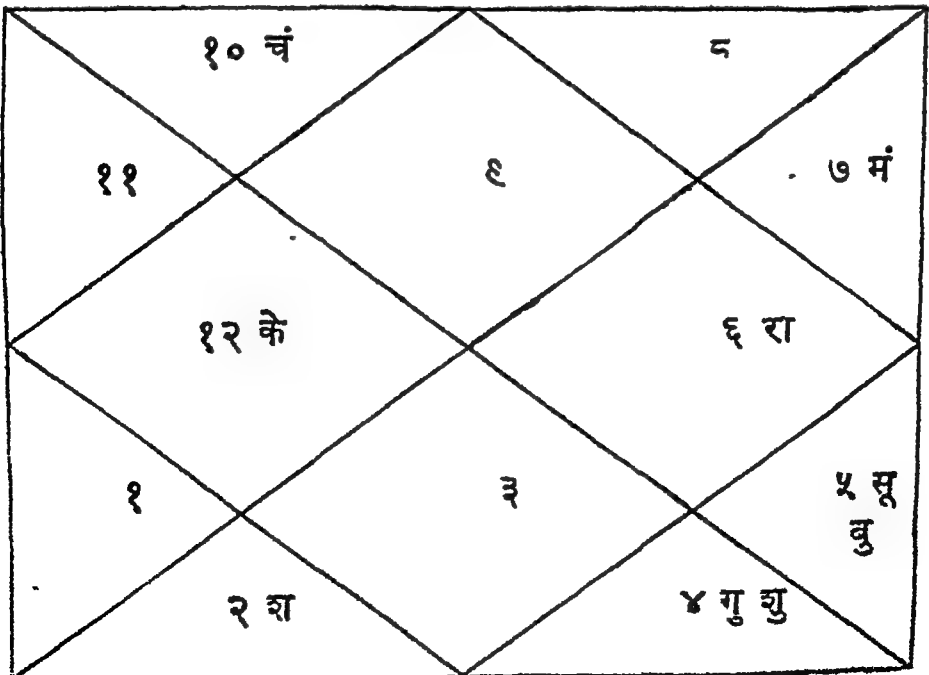
दीनशाह री जन्म



सुरताण खुसरू री जन्मकुंडली

सम्वत् १६४४ आषाढ सुद १२ (रवि०, अगस्त ६, १५८७ ई०)

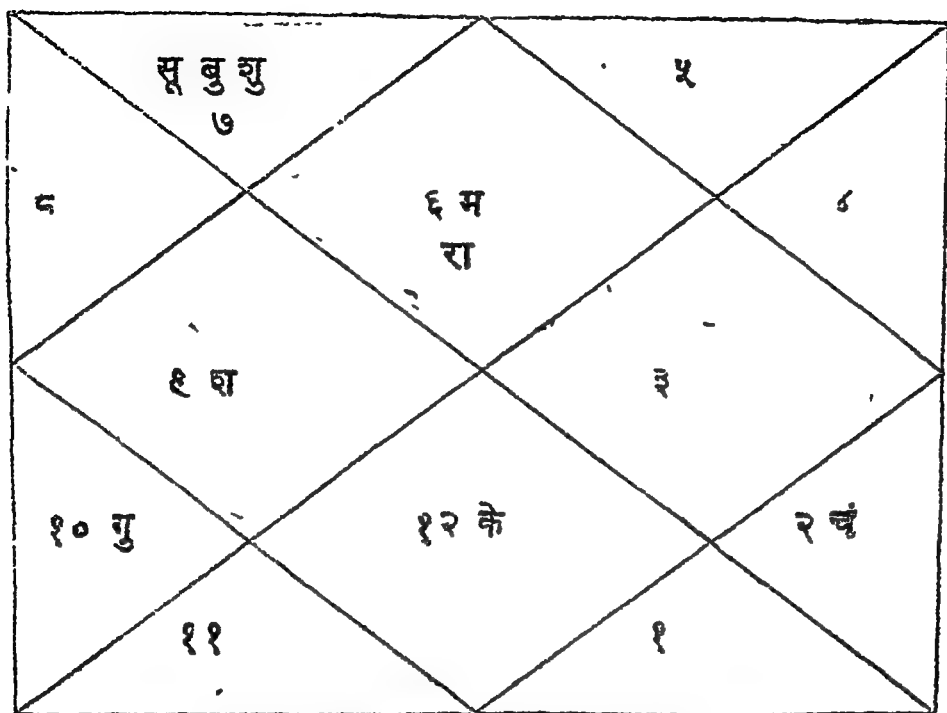
खुसरू सुरताण री जन्म



शहरियार री जनमकुंडली

सम्बत १६६२ मार्गशीर्ष वद ३ शनै (१६०५ ई०) जहांगीर गृहे

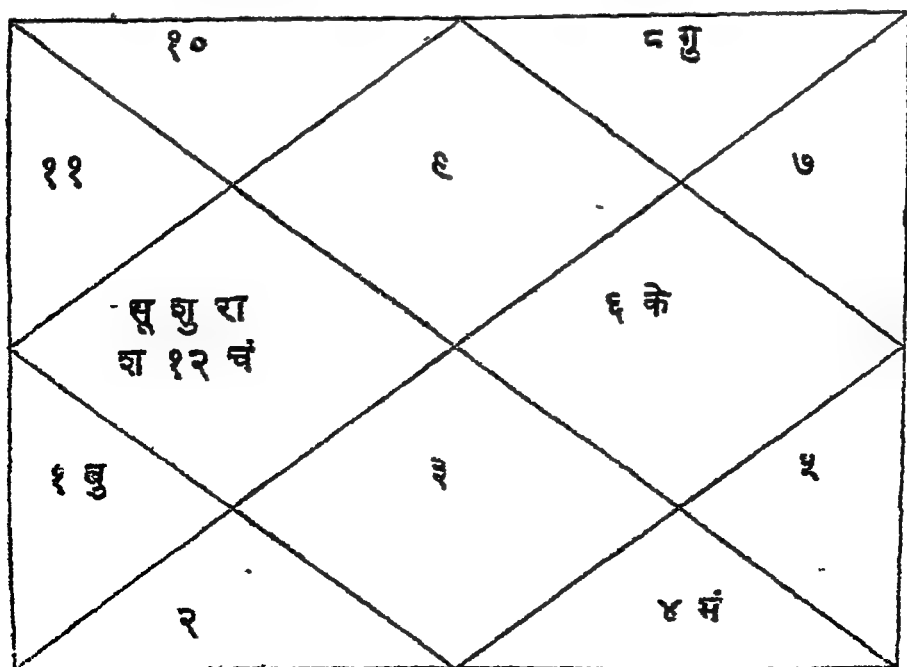
सहरियार री जन्म



बादशाह दाराशिकोह री जन्मकुंडली

सम्बत १६७१ चैत्र वद अमा० रवौ (रवि०, मार्च १९, १६१५ ई०)

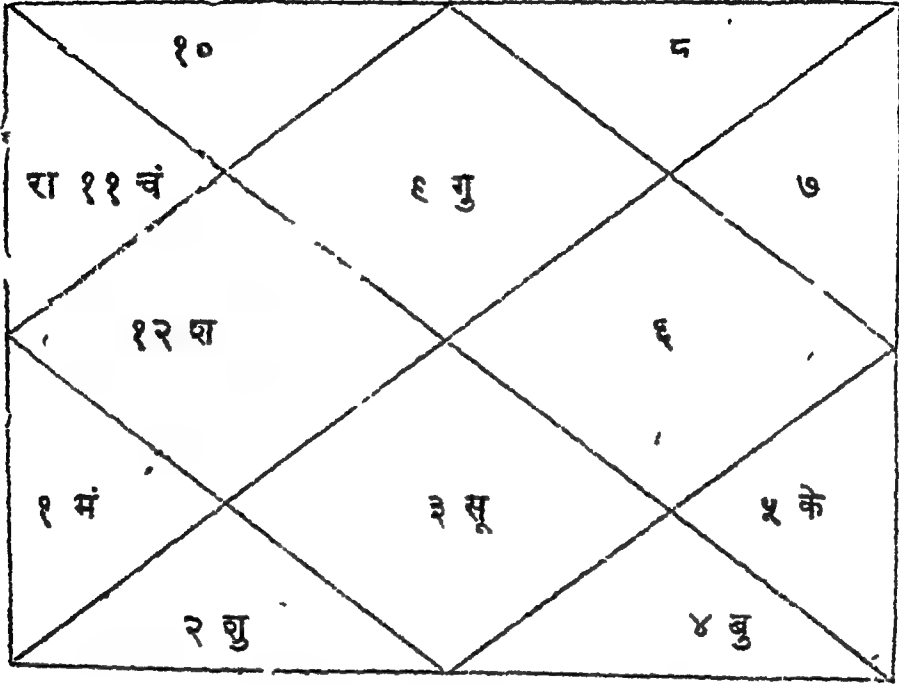
बादशाह दाराशिकोह री जन्म (उस दिन सूर्य ग्रहण हुआ था)



शाह सूजा री जन्मकुंडली

सम्वत् १६७३ आषाढ वद ३ शनी (शनि०, जून २२, १६१६ ई०)

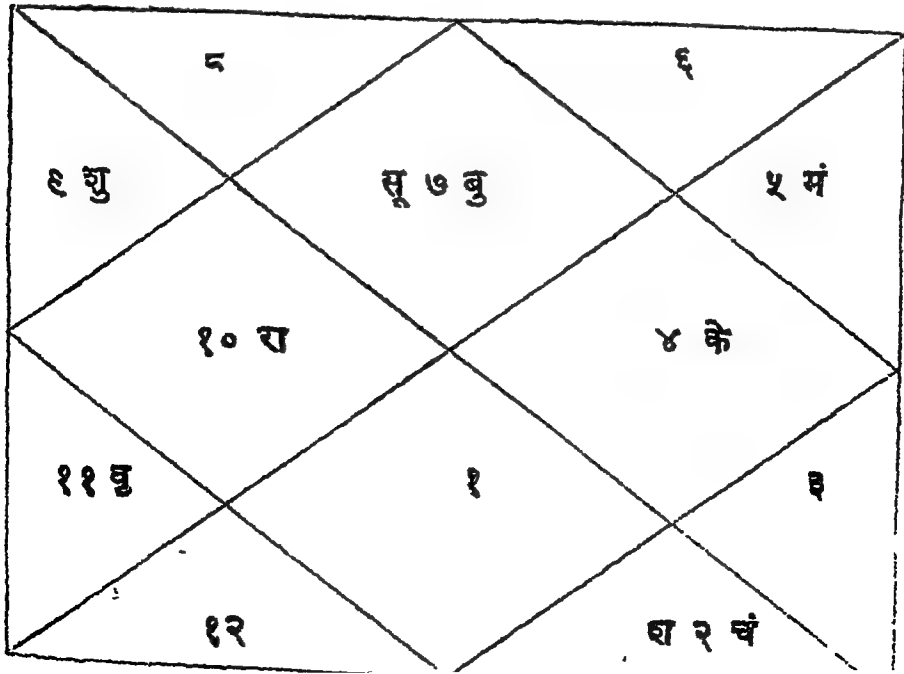
शाह सूजा री जन्म



बादशाह औरंगजेब री जन्मकुंडली

सम्वत् १६७५ मार्गशीर्ष वद १ शनी ५६/६ सू ६/२४ ल ६/१५/२०

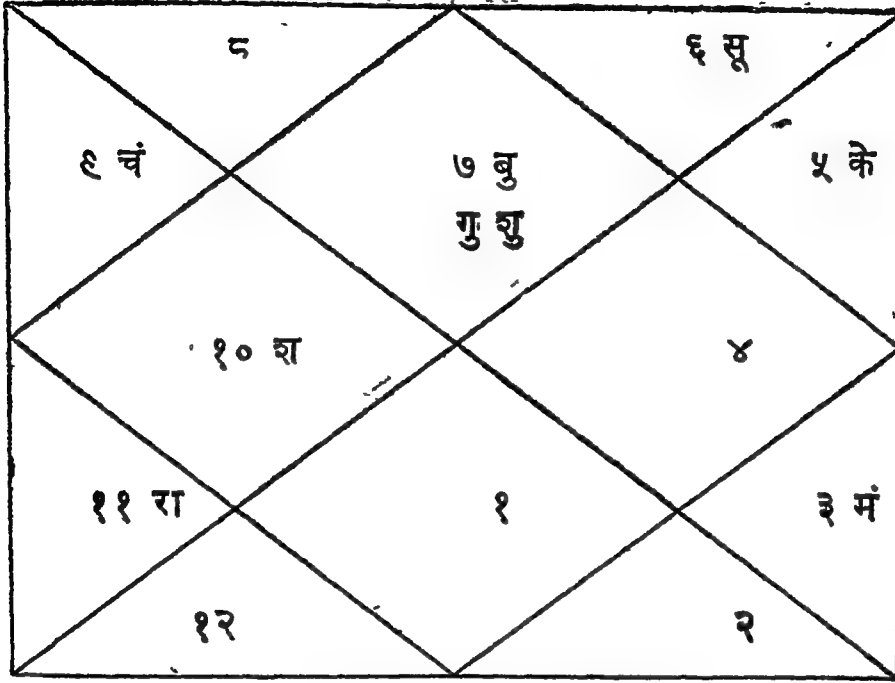
(शनि०, अक्टूबर २४, १६१८ ई०) बादशाह औरंगजेब री जन्म



खानेजहां पठाण की जन्मकुण्डली

सम्वत् १६३१ आश्विन सुद ३ शनी उदयात घटी ४ सू ५/२१

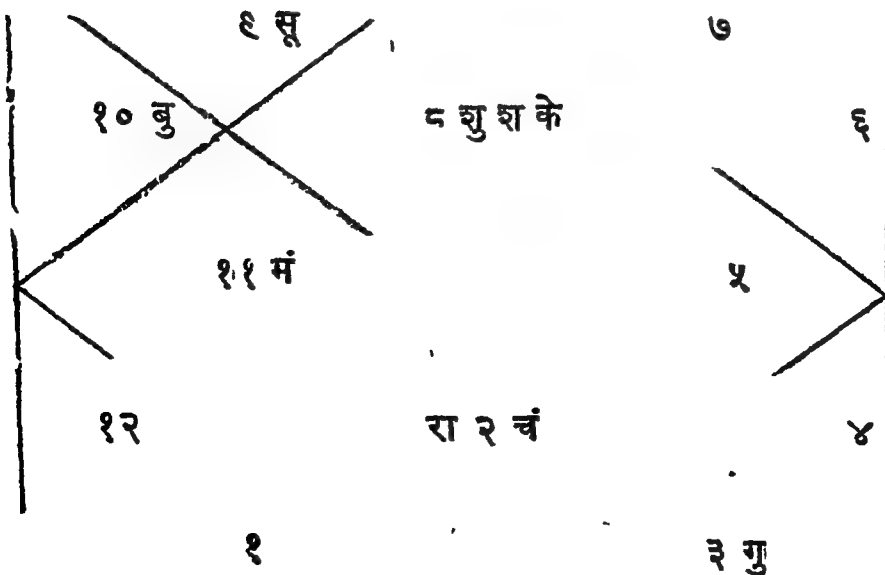
(शनि०, सितम्बर १८, १५७४ ई०) खानेजहां पठाण की जन्म



आसफ खाँ की जन्मकुण्डली

सम्वत् १६३१ पोह (पोष) सुद ६ गुरी (गुरु०, दिसम्बर ३०, १५७४ ई०)

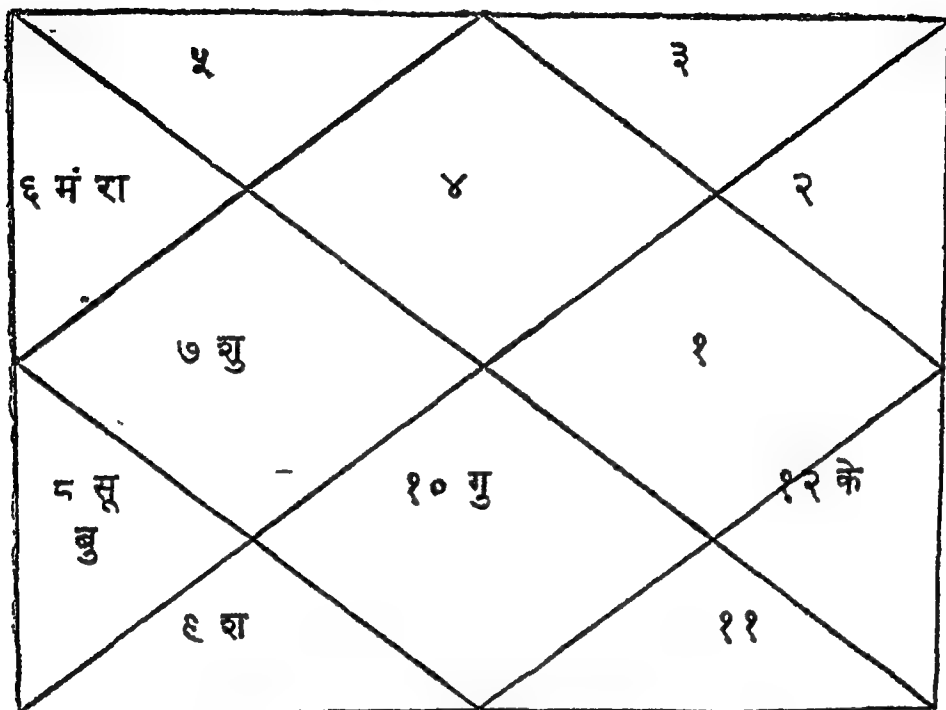
आसफ खाँ की जन्म



शायस्ताखां री जन्मकुंडली

सम्बत १६६२ पोह सुद ७ (शुक्र०, दिसम्बर ६, १६०५ ई०)

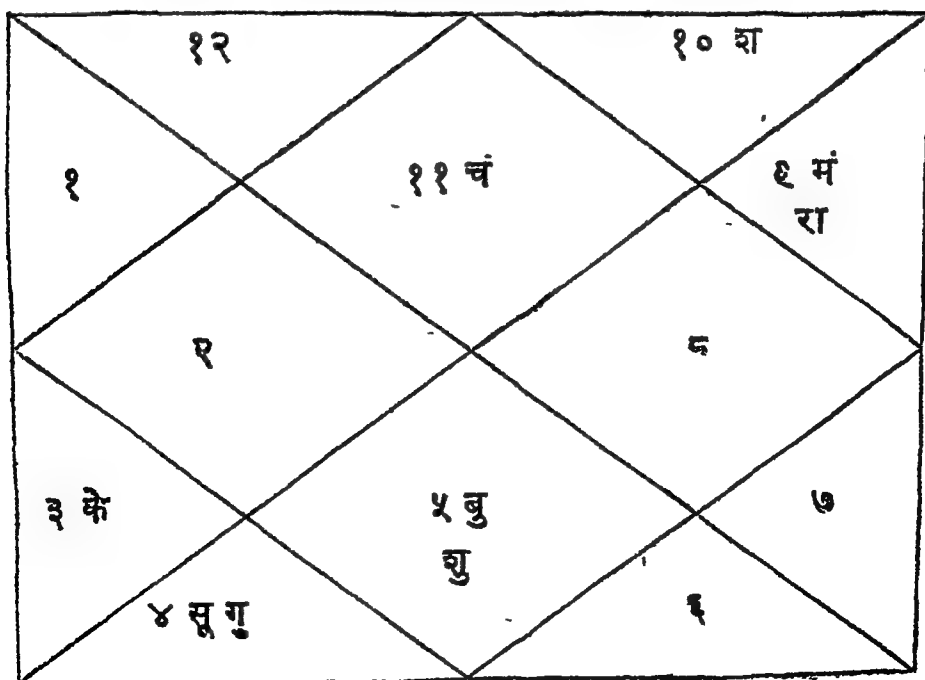
शायस्ता खां री जन्म



दुर्गादास आसकरनोत री जन्मकुंडली

सम्बत १६६५ द्वितीय आषाढ सुद १४, भीमे उदय ३१/३८ धनिष्ठा ६०/सूर्य ४/११/५२/

४७ लग्न १०/१३/५६/१ दुर्गादास आसकरनोत री जन्म



गांवों के पट्टों व जागीरदारों की पीढियों की विगत

[खाँप करमसोतां रै ठिकाणां री विगत]

गांव-खींवसर— (राव जोधा का पुत्र करमसी जिसके वशज करमसोत)

पट्टे री विगत :-	रेख कदीम	रेख मौजूदा
खींवसर वास बड़ो (४)	४५००)	४५००)
लुणावास	१०००)	१०००)
ताडावास	१०००)	१०००)
अखावास	३००)	३००)
रतनावास	१५०)	०
काटीयो	१४००)	१४००)
अंवावास	२५०)	०
केलणसर	२००)	०
खीयावास	१५०)	०
निरभुवास	१५०)	०
विकरणवास	३००)	०
वीरावास (खुर्द)	४५०)	०
माहलोवास	१५०)	०
महेसपुरो	५००)	५००)
नारसुधो बड़ो (३)	६००)	६००)
नीलावास	६००)	६००)
हरनाथपुरो गुडो	२००)	२००)
बीरावासणी	१००)	१००)
जोरावरपुरो	६००)	६००)
रांणावास	३००)	०
आसावास	१०००)	०
गेमलियावास	४००)	०
गोदावास	२००)	०
छीकण	३००)	०
भलडां रो वास	२००)	०
बीरावास	१०५०)	१०५०)
	<hr/>	<hr/>
	१६३५०)	१२१५०)

पीढियें:- ३. पंचायण करमसी रो (पट्टे खींवसर) ४. महेसदास ५. हरदास
६. दयालदास ७. भीर्वसिध ८. हरनाथसिध ९. ऊर्देसिध १०. जोरा-

वरसिंघ ११ करणसिंघ १२. बेरीसाल १३.

१४. बख्तावरसिंघ १५. १६. सादूलसिंघ

गांव - भोजावास—

रेख कदीम २०००) रेख मौजूदा २०००)

प० जोधपुर

पीढिये:— (पांती आध में) ९. सभूसिंघ हरनाथसिंघोत^१ १०. अर्भेसिंघ ११. सेरसिंघ
१२. पहाड़सिंघ १३. भार्यसिंघ १४. मोतीसिंघ

पांती आध मे:—११. बख्तावरसिंघ अर्भेसिंघोत १२. रतनसिंघ १३. अमरसिंघ

गांव - घणारी बड़ी (आधी)—

पीढिये:— १०. दोलतसिंघ सम्भुसिंघोत^२ ११. माघोसिंघ १२. बुघसिंघ १३. थानसिंघ
१४. जोगीदास

गांव - पांचोड़ी—

रेख कदीम ३०००) रेख मौजूदा ३०००)

प० जोधपुर

गांव - बोंमणवाड़ो—

रे. क. ६२५) रे. मौ. ६२५)

प० जोधपुर

गांव - साठीको—

रे. क. ५००) रे. मौ. ५००)

प० जोधपुर

पीढिये:— ९. उदेसिंघ, हरनाथसिंघोत^१ १०. जोरावरसिंघ ११. करणसिंघ
१२. दुरजणसिंघ १३. रामसिंघ १४. लिछमणसिंघ

गांव - आचीणो—

रे. क. १६००) रे. मौ. १६००)

प० जोधपुर

गांव—हमीराणो (पट्टे)

रे. क. ५००)

रे. मौ. ०

प० जोधपुर

पीढिये:— ८. हरीसिंघ, भीवसिंघोत^१ ९. जसकरण १०. पदमसिंघ ११. रायसिंघ
१२. जवानसिंघ १३. इंदरसिंघ १४. लालसिंघ १५. हणवतसिंघ

गांव - देऊ —

रे. क. १०००) रे. मौ. १०००)

सिरकार नागोर

पीढिये:— ८. फतेहसिंघ भीवसिंघोत^१ ९. लखधीरसिंघ १०. अनोपसिंघ ११. कीरतसिंघ
१२. सेरसिंघ १३. ग्यानसिंघ १४. बख्तावरसिंघ

१. ठिकाने खीवसर के (८) ठाकुर हरनाथसिंह का पुत्र ।

२. ठिकाने भोजावास के (९) ठाकुर संभुसिंह का पुत्र ।

३. ठि. खीवसर के (८) ठाकुर हरनाथसिंह का पुत्र ।

४. ठि. खीवसर के (७) ठाकुर भीवसिंह का पुत्र ।

५. ठि. खीवसर के (७) ठाकुर भीवसिंह का पुत्र ।

गाँव - गोदरा—

रे. क. ५) रे. मौ. ५)

सिरकार नागोर

पीढिये:- (पांती आध मे) ७. भगवानदास दयालदासोत^१ ८. भावसिंघ ९. जेतसिंघ
 १०. अनोपसिंघ ११. दानसिंघ १२. सालमसिंघ १३. छतरसिंघ
 १४. सुमेळसिंघ

गाँव - टालो माडपुरो—

रे. क. १०००) रे. मौ. १०००)

सिरकार नागोर

पीढिये:- (पांती आध मे) ७. बेसरसिंघ दयालदासोत^१ ८. मेगराज ९. सिरदारसिंघ
 १०. जालमसिंघ ११. किलांगसिंघ १२. ऊरजणसिंघ १३. विजेराज
 पांती आध में:- १०. हूटीसिंघ सिरदारसिंघोत^१ ११. पनेसिंघ १२. दलेलसिंघ
 १३. रावतसिंघ

गाँव - चटालियो—

रे. क. २०००) रे. मौ. २०००)

प० जोधपुर

पीढिये:- ६. दलपत हरदासोत^१ ७. पिरथीराज ८. प्रतापसिंघ ९.....
 १०. रायसिंघ ११. जोरावरसिंघ

गाँव - सोयलो—

रे. क. १८७५) रे. मौ. १८७५)

प० जोधपुर

पीढिये:- १२. ईसरसिंघ जोरावर सिंघोत^१ १३. भीवसिंघ १४. मगलसिंघ
 १५. विजेसिंघ

गाँव - नागड़ी—

पीढिये:- ७. पिरथीराज दलपतोत^१ ८. महासिंघ ९. सिर्वासिंघ १०. सुलतानसिंघ
 ११. सेरसिंघ १२. रिधकरण १३. सांवतसिंघ

गाँव - खारी—

रे. क. २०००) रे. मौ. २०००)

सिरकार नागोर

पीढिये:- ८. लिखमीदास पिरथीराजोत^१ ९. जेतमिंघ १०. भवानीसिंघ ११. चतरसिंघ
 १२. बेरीसाल १३. प्रभुदान १४. बभूतसिंघ

गाँव - भदवासी (आधो) —

रे. क. १०००) रे. मौ. १०००)

सिरकार नागोर

१. ठि. खीवसर के (६) ठाकुर दयालदास का पुत्र ।
२. ठि. खीवसर के (६) ठाकुर दयालदास का पुत्र ।
३. ठिकाने टालो माडपुरा के (९) ठाकुर सिरदारसिंह का पुत्र ।
४. ठि. खीवसर के (५) ठाकुर हरदास का पुत्र ।
५. ठि. चटालियो के (११) ठाकुर जोरावरसिंह का पुत्र ।
६. ठि. „ „ (६) ठा० दलपत का पुत्र ।
७. ठि. „ „ (७) ठा० पिरथीराज का पुत्र ।

पीढियें:- ११. वखतसिंघ भवानीसिंघोत^१ १२. बुधसिंह १३. घनसिंह
गांव - गिरावड़ी— रे. क. २०००) रे. मी. ६३७।।)
सिरकार नागोर

पीढियें:- ९. जगतसिंघ लिखमीदासोत^१ १०. सवाईसिंघ ११. हिमतसिंघ
१२. जालमसिंघ १३. गजसिंघ
गांव - हरीमो— रे. क. ३०००) रे. मी. १५००)
सिरकार नागोर

पीढियें:- १०. सुरतसिंघ, जगतसिंघोत^१ ११. वार्धसिंघ १२. अमानसिंघ
१३. जगरांसिंघ १४. देवीसिंघ
गांव - जिदास— रे. क. १०००) रे. मी. १०००)
सिरकार नागोर

पीढियें:- १०. सिरदारसिंघ जगतसिंघोत^१ ११. हिंदूसिंघ १२. अनाडसिंघ
१३. माधोसिंघ

गांव सीगड़— रेख कदीम ४०००) रेख मौजूदा ४०००)
पीढियें- ५.....महेसदासोत^१ ६. द्वारकादास ७..... ८. जगरूपसिंघ
९. हरभाण १०. सांवतसिंघ ११. तेजसिंघ १२. सालमसिंघ १३. अमानसिंघ
१४. सूरसिंघ

गांव कादर पुरो (आधो)— रे. क. १५००) रे. मी. १५००)
सिरकार नागोर
पीढियें- ११. दलेलसिंघ सांवतसिंघोत^१ १२. मानसिंघ १३. चतुरसिंघ
१४. लिछमणसिंघ

गांव थळाजू— रे. क. १०००) रे. मी. १०००)
सिरकार नागोर
पीढियें:- ८. अभेराम कीरतसिंघोत ९. सतीदांन १०. सुजाणसिंघ ११. जेतसिंघ
१२. प्रतापसिंघ

गांव बुह (आध)— रे. क. ३०००) रे. मी. ३०००)
सिरकार नागोर
पीढियें:- ३. मानसिंघ पचायणोत^१ ४. ईसरदास ६. केसरीसिंघ ७. ऊर्देसिंघ

-
१. गांव खारी के (१०) ठाकुर भवानीसिंघ का पुत्र ।
 २. गांव खारी के (८) ठाकुर लिखमीदास का पुत्र ।
 ३. ठि. गिरावड़ी के (९) ठाकुर जगतसिंह का पुत्र ।
 ४. ठि० गिरावड़ी के (९) ठाकुर जगतसिंह का पुत्र ।
 ५. ठि० खीवसर के (४) ठाकुर महेमदास का पुत्र ।
 ६. ठि० सीगड़ के (१०) ठाकुर सांवतसिंघ का पुत्र ।
 ७. ठि० खीवसर के (३) ठाकुर पचायण का पुत्र ।

८. कुसलसिंघ ९. प्रतापसिंघ १०. दोलतसिंघ ११. चाँदसिंघ १२. सेरसिंघ
१३. सादूलसिंघ १४. बभूतसिंघ

पांती आध में:- ११. सालमसिंघ दोलतसिंघोत^१ १२. नाहरसिंघ १३. सिवनाथसिंघ

गांव - आसरनडो—

रे. क. १०००) रे. मी. १०००)

प० जोधपुर

पीढ़ियों:- ४.....तेमाल पचाणोत ५. ईसरदास ६.....

७. रूगनाथसिंघ ८..... ९. जसकरणा १०.....

११. करणसिंघ १२..... १३. जसवंतसिंघ

गांव - ऊत्तरा—

रे. क. ४०००) रे. मी. ४०००)

प० जोधपुर

पीढ़ियों:- ९. सिवदानसिंघ साहबसिंघोत १०. बाकीदास ११. राजसिंघ

१२. रिडमलसिंघ १३. मंगलसिंघ

गांव सांवतकुओ—

रे. क. ५००) रे. मी. ५००)

प० जोधपुर

पीढ़ियों:- १२. सरूपसिंघ राजसिंघोत^२ १३. ईसरीसिंघ

गांव ऊमरलाई (आधी)—

रे. क. ५००) रे. मी. ५००)

प० सिवाणा

पीढ़ियों:- ३. धनराज करमसिंघोत ४. नगराज ५. सांगो ६. प्रतापसिंघ ७. किसनसिंघ

८. संकरदास ९. गुमानसिंघ १०. सुजाणसिंघ ११. सगतसिंघ १२. ग्यानसिंघ

गांव - खारी—

.....

.....

सिरकार जालोर

पीढ़ियों:- ५. गणेशदास नगराजोत ६. विठलदास ७. रामसिंघ ८. रिणछोडदास

९. सांवतसिंघ १०. किलाणसिंघ ११. मोकमसिंघ १२. संभुसिंघ

१३. गुलाबसिंघ

गांव - रंगालो—

रे. क. १०००) रे. मी. १०००)

सिरकार जालोर

पीढ़ियों:- ८. चपराज रामसिंघोत^३ ९. विजेशिंघ १०. सुरताणसिंघ ११. विसनसिंघ

१२. सेरसिंघ १३. अनाडसिंघ १४. भारथसिंघ

गांव - सिराणी—

रे. क. १२५०) रे. मी. १२५०)

सिरकार जालोर

पीढ़ियों:- १२. सेरसिंघ विसन दासोत^४ १३. अमानसिंघ १४. आईदांन

१. ठि बुह के (१०) ठाकुर दोलतसिंह का पुत्र ।

२. ठि, उत्तरा के (११) ठाकुर राजसिंह का पुत्र ।

३. ठि खारी के (७) ठा० रामसिंह का पुत्र ।

४. ठि, रंगालो के (११) ठा० विसनसिंह का पुत्र ।

गांव - छजालो—

रे. क. १०००) रे. मौ. १०००)

सिरकार जालोर

पीढियें:- ७. माघोदास विठलदासोत^१ ८. बलुंतसिध ९. घनसिध १०. जालमसिध
११. सूरजमल १२.....

गांव - सोमडावास—

रे. क. ५००) रे. मौ. ५००)

सिरकार जालोर

पीढियें:- ९. सूरतसिध बलुंतसिधोत^२ १०. चेनसिध ११. सोनसिध

गांव - गीगालो—

... ..

प० जोधपुर

पीढियें:- ४. नेतसी घनराजोत ५. सुरतांसिध ६. भोजराज ७. चुतरभुज ८. रिण-
छोड़दास ९. जगरूपसिध १०. भारथसिध ११. भोमसिध १२. पेमसिध
१३. छतरसिध

गांव - राजुवास—

रे. क. ५००) रे. मौ. ५००)

सिरकार नागोर

पीढियें:- (पांती आघ में) १२. अमरसिध भोमसिधोत^१ १३. पीरथीसिध

पांती आघ में:- १२. नरसिधदास भोमसिधोत^२ १३. नारसिध १४. राजसिध
१५. महासिध

गांव - जाखणीयो—

रे. क. १५००) रे. मौ. १०००)

सिरकार नागोर

पीढियें:- ९. दीपसिध रिणछोड़दासोत^१ १०. भभ्रुंतसिध ११. रुगनाथसिध १२. मूल-
सिध १३. मोतीसिध १४. विजेसिध १५. मुकनसिध

गांव - बाळवो—

रे. क. २०००) रे. मौ. २०००)

सिरकार नागोर

पीढियें:- ७. खगारसिध भोजराजोत^१ ८. विजेसिध ९. राजसिध १०. सबलसिध
११. ऊदेसिध १२. खुमांसिध

गांव - डांवरो—

.....

प० जोधपुर

पीढियें:- ५. किलाणदास नेतसिधोत ६. बीको ७. मोहणदास ८. विठलदास ९. सक्ती-

१. ठि. खारी के (६) ठाकुर विठलदास का पुत्र ।

२. ठि. छजालो के (८) ठाकुर बलु तसिध का पुत्र ।

३. ठि. गीगालो के (११) ठाकुर भोमसिध का पुत्र ।

४. ठि. गीगालो के (११) ठाकुर भोमसिध का पुत्र

५. ठि. गीगालो के (८) ठाकुर रिणछोड़दास का पुत्र

६. ठि. गीगालो के (६) ठाकुर भोजराज का पुत्र ।

गांवों के पट्टे व जागीरदारों की पीढ़ियों की विगत

[३६७]

दांनसिंघ १०. प्रतापसिंघ ११. मानसिंघ १२. बुवासिंघ १३. परूपसिंघ
१४. जसवंतसिंघ १५. मोतीसिंघ

गांव - बाहारो बडो—

रे. क. १५००) रे. मी. १५००)

प० जोधपुर

पीढ़िये:— (पांती आध में) ३. नरांणादास करमसी रो ४. साईदास ५. सगतसिंघ
६. नरहरदास ७. रगनाथसिंघ ८. ईसरीसिंघ ९. पदमसिंघ हठीसिंघोत
१०. सवाईसिंघ ११. जालमसिंघ १२. अभेसिंघ १३. जुहारसिंघ

पांती आध में:— १२. नाथुसिंघ जालमसिंघोत^१

[खांप मांडणोतां रै ठिकाणां री विगत]

(राव रिड़मल का पुत्र मांडण जिसके वंशज मांडणोत)

गांव - अलाय—

.....

सिरकार नागोर

पीढ़ियें:— ३ सादो मांडणोत ४. जोगो ५. पुंजो ६. लिखमीदास ७. रगनाथसिंघ
८. दुरजणसिंघ ९. जोधसिंघ १०. हरनाथसिंघ ११. रामसिंघ १२. भेरूसिंघ
१३. सोमसिंघ १४. दोलतसिंघ

गांव - गोरेरी—

रे. क. २०००) रे. मी. २०००)

सिरकार नागोर

पीढ़ियें:— ११. हरनाथसिंघोत^१ १२. रावतसिंघ १३. बगसीराम १४. बख्तावरसिंघ

गांव - गडरीयो—

रे. क. २०००) रे. मी. २०००)

सिरकार नागोर

पीढ़ियें:— ९. रूपसिंह दुरजणसिंघोत^१ १०. करणसिंघ ११. देवीसिंघ १२. प्रतापसिंघ
१३. अखेसिंघ

गांव - रोहीणो—

रे. क. ३०००) रे. मी. ०

सिरकार नागोर

पीढ़ियें— (पांती आध में) ९. चंद्रसेण दुरजणसिंघोत^१ १०. दीपसिंघ ११. लालसिंघ
१२. इंदरसिंघ १३. केसरीसिंघ १४. भोपालसिंघ १५. रतनसिंघ
१६. माधोसिंघ

१. ठि. बाहारो (आधा) के (११) ठाकुर जालमसिंघ का पुत्र ।

२. ठि. अलाय के (१०) ठाकुर हरनाथसिंह का पुत्र ।

३. „ „ „ (८) „ दुरजणसिंह का पुत्र ।

४. „ „ „ (८) „ „ „ „

पांती आध में:- ९. जेतसिंघ दुरजणसिंघोत^१ १०. इद्रभांण ११. अमरसिंघ १२. भीरुसिंघ
१३. बाघसिंघ १४. सिवसिंघ

गांव - ढीलासर—

रे. क. २०००) रे. मी. २०००)

सिरकार नागोर

पीढियें:- (पाती दोय में ३) ५. सावलदास जोगारो^२ ६. किलांणदास ७. गोयंददास
८. भारमल ९. अमरसिंघ १०. दलपत. ११. सिवदानसिंघ १२. रतनसिंघ
१३. बखतावरसिंघ

पांती तीजी मे ३:- ११. रामसिंघ दलपतोत १२. नाहरसिंघ १३.
१४. रावतसिंघ

गांव - हिंगवाणीयो—

रे. क. ५००) रे. मी. ०

सिरकार नागोर

पीढियें:- ३. सीधण मांडण रो ४. परवत ५. गोपालदास ६. नराणदास
७. चतुरभुज ८. अजु ९. दानसिंघ १०. संभुसिंघ ११. बखतावरसिंघ

[खांप भदावतां रै ठिकाणां री विगत]

(राव रिडमल का अखेराज, अखेराज का पंचायण और पंचायण का भदा जिसके वशज भदावत)

गांव - देखु—

.....
सिरकार जालोर

पीढियें:- ५. लखमण भदावत^३ ६. जेसो ७. मनोहरदास ८. राजसिंघ ९. महासिंघ
१०. अखीसिंघ ११. पदमसिंघ १२. जगतसिंघ १३. बहादुरसिंघ

गांव खांबल —

रे. क. ३६०) रे. मी. ३६०)

प० सोजत

पीढियें:- (पांती चौथी) भगवानदास, रुगनार्थसिंघ, सिवसिंघ, नराणदास ।

गांव - भदावतां रो गुडो—

रे. क. ११००) रे. मी. ११००)

प० सोजत

पीढियें:- पेमसिंघ, रामसिंघ, विजेसिंघ, देवीसिंघ, भगोतसिंघ, अजीतसिंघ

[खांप बालां रै ठिकाणां री विगत]

(राव रिडमल का भाखरसी और भाखरसी का बाला जिसके वशज बाला)

गांव - मोकळसर—

७५०) गांव लोघराडो १५०)

१. ठि. अलाय के (८) ठाकुर दुरजणसिंह का पुत्र ।

२. अलाय के (४) ठाकुर जोगा का पुत्र ।

३. भदा का पुत्र लखमण ।

गांव - फूलण—	२००) गांव सुजरे	५०)
गांव - करमास—	५०) गांव मोतीसरो	१८७५)
गांव - बालू—	४५०) गांव रमणीयो	२५०)

प० सिवांगो

गांव - सिणली—	रे. क. १०००)	रे. मी. १०००)
---------------	--------------	---------------

प० जोधपुर

पीढ़ियें:- ४. भारमल बाला रो ५. नगराज^१ ६. जेतसी ७. केसोदास ८. माधवदास
९. अखेराज^२ १०. खीवराज ११. ऊदेराज १२. नाथसिंह १३. लालसिंह
१४. १५. बनेसिंह १६. १७. जुआरसिंह

पांती आध में:- १०. हिरदेराम अखेराजोत^१ ११. जगतसिंह १२. अमैसिंह
१३. सेरसिंह १४. अमानसिंह १५. मूलराज १६. अजीतसिंह

गांव - भुती—	रे. क. ५००)	रे. मी. ५००)
--------------	-------------	--------------

प० सिवांगो

पीढ़ियें:- १३. संगरामसिंह अमैसिंहोत^१ १४. भवानीसिंह १५. फतेसिंह
१६. खगोरसिंह

गांव - पूजापुरी—	रे. क. ५००)	प० गोढवाळ
------------------	-------------	-----------

पीढ़ियें:- १२. जालमसिंह जगतसिंहोत^१ १३. चैनसिंह १४. पेमसिंह

गांव - देवडो—	रे. क. ७००)	रे. मी. ७००)
---------------	-------------	--------------

प० सिवांगो

पीढ़ियें:- ११. हिरदयरामोत १२. सुरतसिंह १३. १४. गुलाबसिंह
१५. सगतसिंह १६. गुमानसिंह

गांव - बालवाडो—(आधी पाति)	रे. क. २०००)	रे. मी. २०००)	सिरकार जालोर
---------------------------	--------------	---------------	--------------

गांव - आबलज—	रे. क. ७५०)	रे. मी. ७५०)	” ”
--------------	-------------	--------------	-----

गांव - नारनडी—	रे. क. ३०००)	रे. मी. ३०००)	प० जोधपुर
----------------	--------------	---------------	-----------

पीढ़ियें:- ८. सुरजमल^१ केसवदासोत^१ ९. तेजपाल^१ १०. रामदास^६ ११. लालसिंह

१. यह मेडते के युद्ध में काम आया था । २. नूरअली इनायतखा से युद्ध हुआ वहां पडदलखा को मार काणणे का थाणा उठाया इसका भाई रतन वहां काम आया ।

३. ठि. सिणली के (६) ठाकुर अखेराज का पुत्र ।

४. गांव सिणली (पांती आध) के (१२) ठाकुर अमैसिंह का पुत्र ।

५. गांव सिणली के (११) ठाकुर जगतसिंह का पुत्र ।

६. अखेराज ने जब काणणे के थाणे पर पडदलखा को मारा तब यह भी युद्ध में उसके साथ था ।

७. गांव सिणली के (७) केसवदास का पुत्र ।

८. महाराजा अजीतसिंह ने जब जोधपुर से मुगलों का थाणा उठाकर उस पर अधिकार किया उस चढाई में यह शामिल था तथा इसका भाई गोपालदास युद्ध में काम आया ।

९. हमने भी अजीतसिंह के विले के दिनों में उनका साथ दिया था ।

१२. रिणछोड़दास १३. किलांगसिंघ^१ १४. अचलसिंघ १५. जगतसिंघ^२
गाँव-आबलज— रे. क. ७५०) रे. मी. ७५०)
सिरकार जालोर

पीढिये:- (पांती आधी) १५ सिरदारसिंघ अचलसिंघोत^३
गाँव-बुगरडो— रे. क. २०००) रे. मी. २०००)
सिरकार नागौर

पीढिये:- (पांती आध में) ११. फतेसिंघ रामदासोत^४ १२. अनोपसिंघ १३. जेतसिंघ
१४. अखेसिंघ १५. उमेदसिंघ
(पांती पाव मे):- १०००) (बाक्री पाव पांती सांसण)

पीढिये:- ७. चांदसिंघ जेतसिंघोत^५ ८. किलाणदास ९. भगवानदास १०. लालसिंघ
११. किरतसिंघ १२. जसवंतसिंघ १३. पेम्सिंघ १४. बहादरसिंघ ।

गाँव-नरसांगो— रे. क. १०००) रे. मी. १०००)
प. नागौर

पीढिये:- ९. रामचन्द सूरजमलोत^६ १०. नराणदास ११. पदमसिंघ १२. जोरावरसिंघ
१३. गुलाबसिंघ १४. कानसिंघ १५. गजसिंघ १६. शिवनाथसिंघ ।

गाँव-मांडवला— रे. क. ३०००) रे. मी. ३०००)
सिरकार जालोर

गाँव-सांवलतो खुरद— रे. क. १२५०) रे. मी. १२५०)
प. जोधपुर

पीढिये:- ८. अमरदास केसवदासोत^७ ९. वरसल १०. करणसिंघ ११. जगराम
१२. रुगनाथसिंघ १३. प्रतापसिंघ १४. जेतसिंघ १५. गुमानसिंघ १६. बभ्रुत-
सिंघ १७. तेजसिंघ ।

गाँव-काठेडी— रे. क. ७००) रे. मी. ७००)
प. सिवाणों

पीढिये:- १४. कीरतसिंघ प्रतापसिंघोत १५. तखतसिंघ

१. यह सिरहोई तथा घोरीमना के युद्धो मे घायल हुआ था ।

२. आठवा पर सवत् १९१४ मे जब अंग्रेजो की फौज चढकर आई तब यह वहा काम आया।

३. गाव सिणली के (१४) ठाकुर अचलसिंघ का पुत्र ।

४. ठि. बालवाड़ा के (१०) ठाकुर रामदास का पुत्र ।

५. ठि सिणली के (६) जेतसिंघ का पुत्र ।

६. ठि. बालवाड़ा के (८) ठा. सूरजमल का पुत्र ।

७. ठि. सिणली के (७) ठा. केसोदास का पुत्र ।

गांव-जेसावो—

रे. क. १०००) रे. मी. १०००)
सिरकार जालोर

पीढ़ियों:- १४. जेतसिंघ प्रतापसिंघोत १५. सादलसिंघ ।

गांव-पीसाणो—

रे. क. २०००) रे. मी. २०००)
सिरकार जालोर

पीढ़ियों:- १४. रतनसिंघ प्रतापसिंघोत १५. भोमसिंघ १६. लिछमणसिंघ ।

गांव-चुरां—

रे. क. १०००) रे. मी. १०००)
सिरकार जालोर

पीढ़ियों:- १२. सिरदारसिंघ जगरांमोत^१ १३. सूरजमल १४. छतरसिंघ १५. अनाइसिंघ
१६. बभ्रुतसिंघ १७. सबलसिंघ १८. जुहारसिंघ ।

गांव-थलुडो—

रे. क. १०००) रे. मी. १०००)
सिरकार जालोर

पीढ़ियों:- ८. धनराज केसवदासोत^१ ९. बलरांम १०. जसवतसिंघ ११. लखधीरसिंघ
१२. लालसिंघ १३. तखतसिंघ ।

*गांव-अेलांणो—

रे. क. २०००) रे. मी. २०००)
सिरकार जालोर

गांव-जोजावर री वासणी—

रे. क. १०००) रे. मी. १०००)
प. गोढवाड़

गांव-गगारडी—

रे. क. २०००) रे. मी. १०००)
प. मेड़ता
५०००) ४०००)

पीढ़ियों:- १०. सुजाणसिंघ भगवानदासोत ११. धोपसिंघ १२. जोरावरसिंघ
१३. जसवतसिंघ १४. रतनसिंघ १५. जोधसिंघ ।

गांव-पीडीयो—

रे. क. २०००) रे. मी. २०००)
सिरकार नागोर

*पीढ़ियों:- ११. देवीसिंघ सुजाणसिंघोत^१ १२. हीदुसिंघ १३. गिरधरदास १४. भेरुसिंघ
१५. भोपालसिंघ १६. भूरसिंघ ।

१. ठि. माडवला के (११) ठा. जगराम का पुत्र ।
२. ठि. सिणली के (७) ठा. केसवदास का पुत्र ।
३. ठि. अेलाणा के (१०) ठा. सुजाणसिंघ का पुत्र ।

गांव-कलापुरो—

रे. क. १०००) रे. मी. ५००)

सिरकार जालोर

पीढियें:- ८. चांदसिघोत ९. लिखमीदास १०.

११. भावसिघ १२. १३. केसरीसिघ १४. नवलसिघ

१५. गुलाबसिघ १६. सादुलसिघ ।

गांव-बासगा—

रे. क. ६२५) रे. मी. ६२५)

सिरकार जालोर

पीढियें:- ८. प्रियीसिघ चांदसिघोत ९ फनेसिघ १०. अजबसिघ ११. दौलतसिघ

१२. लखवीरसिघ १३. जेतसिघ १४. हरदानसिघ ।

गांव-हठुजो—

रे. क. १०००) रे. मी. ५००)

सिरकार जालोर

पीढियें:- ७- किमनदास जेतसिघोत ८. मनोरदास ९. नाडो १०. प्रेमसिघ ११. रुध-

नार्थसिघ १२. रामसिघ १३. जवानसिघ १४. ।

गांव-देभावास— ..

सिरकार जालोर

गांव-गुढो सांवलदास रो—

पीढियें:- ५. बीदो भारमलोत ६. जेमल ७. भवानीदास ८. अमरसिघ ९. नरसिगदास

१०. जवानसिघ ११. दौलतसिघ १२. अमेसिघ १३. सुरतमिघ १४. जालम-

सिघ १५. अनाड़सिघ १६. सिवनाथसिघ ।

गांव-ओःवाडो—

रे. क. १०००) रे. मी. १०००)

सिरकार जालोर

पीढियें:- १०. डुंगरसिघ नरसिघदासोत ११. ओपसिघ १२. लालसिघ १३. भोम-

सिघ १४. अचलसिघ ।

गांव-कुहाडो—

रे. क. १०००) रे. मी. १०००)

सिरकार जालोर

पीढियें:- १०. जुगतसिघ नरसिगदासोत ११. सिरदारसिघ १२. हिंदुसिघ १३. थान-

सिघ ।

गांव-डाभली—

रे. क. ७५०) रे. मी. ७५०)

प. जोधपुर

१. ठि. वुगरडो (पाव पांती) के (७) ठाकुर चांदसिघ का पुत्र ।

२. ठि. सिणली के (६) ठाकुर जेतसिघ का पुत्र ।

३. ठि. देभावास के (६) ठाकुर नरसिगदास का पुत्र ।

४. ठि. देभावास के (६) ठा. नरसिघदास का पुत्र ।

पीढिये:- ८ गोपालदास राघवदामोत^१ ९. छतरसिघ १०. दोलतसिघ ११. भैरदास
१२. संभुसिघ १३. माधोसिघ ।

गांव-भेलावास—

प. सांचोर

पीढिये.- १०. लालसिघ भगवानदासोत^१ ११. कीरतसिघ १२. मानसिघ १३. अचलसिघ
१४. मेगराज ।

गांव-नीबलाणो—

रे. क. १०००)

रे. मी. १०००)

सिरकार जालोर

गांव-डांगरो—

रे. क. १०००)

रे. मी. १०००)

सिरकार जालोर

गांव-घानपड —

रे. क. १०००)

रे. मी. १०००)

सिरकार जालोर

गांव-रांमासनी—

रे. क. ५०००)

रे. मी. ४०००)

प. सोजत

गांव-सुखवासणी १ —

रे. क. ६६७)

रे. मी. ६६७)

प. सोजत

[खांप ऊदावतां रे ठिकाणा री विगत]

(राव जोधा का पुत्र सूजा और सूजा का पुत्र ऊदा जिसके ऊदावत कहलाये)

गांव रायपुर—३९४७५)

पट्टे की विगत —

गांव	रेख	गांव	रेख
रायपुर खास	६०००)	जुटी	१७००)
सवलपुरो	१०००)	वाधीपडो	७०००)
भीचरडी	१०००)	चडालियो	५००)
मालणी मालासणी	२००)	कालप	१५०)
मोडरियो	१५०)	देवली	४०)
घवलियो	४०)	देपावस	१५०)
पचाणपुरो	१५०)	कोलुजो	१५०)
जाजणडावास	४०००)	सारगपुरो	४०)

१. ठि. वधिणवाड़ा के (७) ठाकुर राघवदास का पुत्र ।

२. ठि. धुगरडो (पाती पाव) के (९) ठाकुर भगवानदास का पुत्र ।

गांव	रेख	गांव	रेख
नीवेड़ी	६७५)	गिररी	३७५०)
रामावास	५००)	वानणो	३५०)
चांग	५०)	चीनार	५०)
हाजीवस	५००)	सायपुरो	५००)
कारोचो	२५०)	कोटड़ी	५००)
चैनपुरो	२५०)	दवे	७५०)
सीपली पोकापड़ी	४०००)	२५०)
रामास खुर्द	२५००)	रहेलड़ी	७५०)
टोकलो	१२५०)		
परगने मेढ़ता रो गांव—		लूणियावास	३७५०)
परगने सोजत रा गांव—		-	
करमावास	४०००)	कालप	२५०)
कालकोट	१०००)	सीधपुरो	३२५)

गांव रामपुरो—

प्रीदियें:- ११. पिरथीसिध भाकरसिधोत १२. नाहरसिध १३. सबलसिध
१४. धीरतसिध १५. भोमसिध १६. सोनसिध १७.

गांव नीलावो—

रे. क. ६००) रे. मी. ०
५० जैतारण

प्रीदियें:- १०. हरनाथसिध हिरदैनारायणोत ११. किलाणसिध १२. ग्यानसिध
१३. चुतरसिध १४. बाघसिध १५. तेजसिध ।

गांव पालासणी—

रे क. ६०००) रे. मी. ६०००)
५० जोधपुर

भैरुंदो—

रे. क. १५०००) रे. मी. ५०००)
५० मेढ़तो
— — — — —
२४०००) १४०००)

प्रीदियें:- ६. प्रतापसिध राजसिधोत १०. जसकरण ११. भवानीसिध १२. जैतसिध
१३. अमरसिध १४. गजसिध १५. रिडमलसिध १६. सवाईसिध ।

गांव बांसियो—

रे. क. ६०००) रे. मी. ६०००)
५० जैतारण

पीढिये:- ११. भावसिंघ जसकरणोत^१ १२. सिंभूसिंघ १३. जोधसिंघ १४. सुरजण-
सिंघ १५. प्रीथीसिंघ १६. रतनसिंघ ।

गांव देवली—

रे. क. ११०००)

रे. मी. ११०००)

प जैतारण

गांव अभैपुरो—

रे. क. २०००)

रे. मी. २०००)

प जैतारण

१३०००)

१३०००)

पीढिये:- १०. उमेदसिंघ प्रतापसिंघोत^२ ११. सिवसिंघ १२. नवलसिंघ १३. जुहार-
सिंघ १४. बखतावरसिंघ १५. विजेसिंघ १६. रुघनाथसिंघ ।

गांव आकेलो—

रे. क. २५००)

रे. मी. २५००)

प० जैतारण

पीढिये:- १०. ' प्रतापसिंघोत^३ ११. उमेदसिंघ १२.
१३. स्यामसिंघ १४. विरदसिंघ १५. गोपालसिंघ १६. मूकनसिंघ ।

गांव नीबेड़ो बड़ो—

रे. क. ५०००)

रे. मी. ५०००)

प० जैतारण

पीढिये:- १०. उदैसिंघ प्रतापसिंघोत^४ ११. चैनसिंघ १२. ईंदसिंघ १३. बागसिंघ
१४. अनाड़सिंघ १५. समरथसिंघ ।

गांव बीकरलाई (आधो)—

रे. क. ६००)

रे. मी. ६००)

प० जैतारण

पीढिये:- ७. नरसिंघदास दयालदासोत ८. जुंभारसिंघ ९. ईंदरसिंघ १०. कीर्तसिंघ
११. जैतसिंघ १२. अमरसिंघ १३. सुरजमल १४. किसनसिंघ १५. जालम-
सिंघ १६. सेरसिंघ १७. कुमलसिंघ १८. १९. आईदान ।

गांव नीवाज—

रे. क. १३०००)

रे. मी. १३०००)

प० जैतारण

बरांटियो बड़ो	१५००)	१५०००)	"
बीसावास खुर्द	३००)	३००)	"
मांगावास	४०००)	४०००)	"
बीसावास बड़ो	५००)	५००)	"

१. ठि. पालासणी के (१०) ठाकुर जसकरण का पुत्र ।

२. " " " (२) ठाकुर प्रतापसिंह का पुत्र ।

३. " " " (६) " " "

४. " " " (६) " " "

बोगासणी	२००)	२००)	प्र. जैतारण
वीरमवासणी	२००)	२००)	"
पीपाड़ बडो	६१५०)	६१५०)	जोधपुर
खांगटो	६२५०)	६२५०)	"
	<hr/>	<hr/>	
	३५१००)	३५१००)	

पीढ़ियों—: ६. मुकनदास किल्लाणदासोत ७. विजैराम मुकनदासोत ८. जगरामसिंघ
 ९. कुसलसिंघ १०. अमरसिंघ ११. किलाँणसिंघ १२. दोलतसिंघ १३. सिंभूसिंघ
 १४. सुल्तानसिंघ १५. सांवतसिंघ १६. सवाईसिंघ १७. गुलाबसिंघ
 १८. छतरसिंघ

गाँव मोडरो— ४०००) ४०००) प्र. जैतारण

पीढ़ियों—: १६. सिवसिंघ सावतसिंघोत^१ १७.....

गाँव भुंभलियो— ३६००) ३६०० प्र मेड़तो

गाँव सेसड़ो— ७०००) ७००० प्र "

पीढ़ियों—: १३ सिरदारसिंघ दोलतसिंघोत^२ १४ समरथसिंघ १५ रणजीतसिंघ

गाँव रास—

पट्टे की विगत—:

रास बडो २	३६००)	३६००)	प्र जैतारण
वरडोटी	३००)	३००)	"
रेवारिया की वासणी	१००)	१००)	"
बलुपुरो	१०००)	१०००)	"
समोषी	१५००)	१५००)	"
राणीवाल	३०००)	३०००)	"
नीवेटी	३००)	३००)	"
पालीवास १	६००)	६००)	"
म्हाराजपुरो	१३००)	१३००)	"
पातुवास	१०००)	१०००)	"
फुलमाल	८०००)	६०००)	"
कनावस	२०००)	२०००)	"

१ नीवाज के (१५) ठाकुर सावतसिंघ का पुत्र ।

२ ठि नीवाज के (१२) ठाकुर दोलतसिंघ का पुत्र ।

जगतियो	६००)	६००)	प्र. जैतारण
	२४०००)	२२०००	
केकीदडो	६२५०)	६२५०)	प्र. मेडतो
लखमणियावास	५००)	०	
	६७५०)	६२५०)	

भाखरोद—

सिरकार नागोर री ।

पीढिये—: ९. सुभराम जगरामसिधोत^१ १० वखतसिध ११. केसरीसिध १२. बनेसिध
१३. जवानसिध १४. भोमसिध १५. भीवसिह १६. प्रतापसिध

गाँव हुनावस बडो— २५००) २५००) प्र जैतारण

पीढिये—: १५. हमीरसिध भोमसिधोत

गाँव गरणियो— ६०००) ६०००) प्र. जैतारण

पीढिये—: ११. सुखसिध वखतसिधोत^२ १२. जोरावरसिध १३. भैरुसिध १४ नाथूसिध
१५. उरजनसिध १६. मुकनदास

गाँव लांविद्यां— १२०००) ६०००) प्र. मेडतो

गाघलियो २५००) २५००) ”

अमरपुरो १०००) १०००) ”

ओडूवास २५००) १२५०) ”

१६०००) १२७५०)

पीपलियो बडो ३७५०) ३७५०) प्र. जैतारण

कुसलपुरो २०००) २०००) ”

५७५०) ५७५०)

पीढिये—: १०. पेमसिध सुभरामोत^३ ११. भारथमिध १२. चांदसिध १३ भवानीसिध
१४. अजीतसिध १५ वभूतसिध १६ गभीरसिह

गाँव पाटवो— ६०००) ६०००) प्र. जैतारण

गाव आगेवो ”

१. ठि नीवाज के (८) ठाकुर जगराममिध का पुत्र ।

२. ठि राम के (१०) ठाकुर वखतमिध का पुत्र ।

३. ठि राम के (९) ठाकुर सुभराम का पुत्र ।

पीढिये— १०. तेजसिंघ सुभरामोत^१ ११. वेरीसाल १२. म्हासिंघ १३. भोमसिंघ
१४. सूरमिंघ १५. सिवनार्थसिंघ १६. वखतावरसिंघ

गाँव गेमलियावास— (आधो) . २५००) २५००) प्र. मेड़तो

पीढिये— १०. चैनसिंघ सुभरामोत^२ ११. फतसिंघ १२. सिंभूसिंघ १३. गजसिंघ
१४. वखतावरसिंघ १५. जुभारसिंघ

गाँव नीबोल— ६०००) ६०००) प्र. जंतारण

पीढिये— ६ उर्दसिंघ जगरामोत^३ १०. जगतसिंघ ११. न्हारसिंघ १२. सरूपसिंघ
१३. सादूलसिंघ १४. वहादरसिंघ

गाँव बेहड़— ५०००) ५०००) प्र. जंतारण

पीढिये— ६ रूपराम जगरामोत^४ १०. रामसिंघ ११. सगतसिंघ १२. अर्भसिंघ
१३. विसनमिंघ १४. अनाडसिंघ १५. भगौतमिंघ

गाँव खीनावड़ी— २०००) २०००) प्र. जंतारण

पीढिये— ७. मनीराम मुकनदासोत ८. गोरधनदास ९. सुरतराम १०. राजसिंघ
११. गजसिंघ १२. सबलसिंघ १३. नवलसिंघ १४. देवीसिंघ

गाँव विरोल— प्र. जंतारण

गाव वलुदाम (आधो)

पीढिये— ८ सादूलमिंघ मनीरामोत^५ ९. अर्भमिंघ १०. हरीसिंघ ११. वनेसिंघ
१२. मोभासिंघ १३. सेरसिंह १४. मिवनार्थसिंघ

गाँव रामावास बडो— ३०००) ३०००) प्र. जंतारण

पीढिये— ९. सादूलसिंघोत^६ १०. जीवनदास ११. भवानीसिंघ १२. स्यामसिंघ
१३. हिंदूसिंघ १४. सावतसिंघ १५. समरथसिंघ १६. रेवतसिंघ

गाँव जालीवाडो— १०००) ०) प्र. जोधपुर

पीढिये— ७. नारायणदास मुकनदासोत ८. सावलदास ९. पूरणमल १०. सिरदारसिंघ

१ ठि रास के (९) ठाकुर सुभराम का पुत्र ।

२ ठि रास के (९) ठाकुर सुभराम का पुत्र ।

३ ठि नीवाज के (८) ठाकुर जगराम का पुत्र ।

४ " " " " " "

५ ठि खीनावड़ी के (७) ठाकुर मनीराम का पुत्र ।

६ ठि विरोल के (८) ठा. सादूलसिंघ का पुत्र ।

११. दुरजनसिंघ १२. मालमसिंघ १३. जसवतसिंघ १४. हरीसिंघ
१५. किसनसिंघ

गाँव वर—	६००)	६००)	प्र. जंतारण
खातीवास	१२५०)	१२५०)	"
माकड वाली	१६००)	१६००)	"
वली खुरद	५००)	५००)	"
	४२५०)	४२५०)	

पीढिये— (पाती आध मे) ६ जगनाथसिंघ किलाणदासोत ७. रूपसिंघ ८. सुभराम
९. अर्भसिंघ १०. संगरामसिंघ ११. चाँदसिंघ १२. प्रतापसिंघ १३. वखता-
वरसिंघ १४. सवाईसिंघ १५. संतानसिंघ

पाती आध में— १२. विसनसिंघ चाँदसिंघोत १३. किलिणसिंघ

गाँव डेह— सिरकार नागोर

पीढिये—: ६. भीव किलाणदासोत ७. दलपतसिंघ ८. भारमल ९. सवलसिंघ १०. सिव-
दानसिंघ ११. दलकरण १२. सूरजमल १३. रतनसिंघ १४. सेरसिंघ
१५. सिवनाथसिंघ

गाँव सांडीलो— ५०००) ४५००) सिरकार नागोर
गाँव गुढो १०००) १०००) "

पीढिये—: १०. संगरामसिंघ सवलसिंघोत^१ ११. देवीसिंघ १२. सरूपसिंघ
१३. माघोसिंघ १४. रणजीतसिंघ १५. हरनाथसिंघ १६. दौलतसिंघ

गाँव बेदावड़ी— (पाती दो) १०००) १०००) प्र. मेडतो :

पीढिये—: ९. देईदास भारमलोत^२ १०. सायबखान ११. पेमसिंघ १२. जसकरण
१३. विसनसिंघ १४. गुलाबसिंघ १५. गोरघनदास

गाँव करमावास— ५०००) ५०००) प्र. जंतारण

पीढिये—: ९. अजबसिंघ भारमलोत^३ १०. जोधसिंघ ११. सुभराम १२. सालमसिंघ
१३. अमरसिंघ १४. विड़दसिंघ १५. दौलतसिंघ

गाँव बोयल— २०००) २०००) प्र. सोजत

१ ठि डेह के (९) ठाकुर सवलमिह का पुत्र ।

२ ठि " (८) " भारमल का पुत्र ।

३ " " " "

गांव मडलो	२०००)	२०००)	प्र. सोजत
	४०००)	४०००)	

पीढियें— १४ जोरावरसिंघ विसनसिंघोत^१ १५ हिमतरसिंघ १६ लिछमणसिंघ

१ डाभली— ५००) ५००) गढ जोधपुर

पीढियें—: ८. मनोहरदास दलपतोत^२ ९ रामसिंघ १०करण ११ हिन्दूसिंघ
१२.....१३ उमेदसिंघ १४.....१५ भारथसिंघ

३ पीह ७०००) ७०००) प्र. परवतसर

पीढियें—: ७ रुघनाथसिंघ भीवसिंघोत^३ ८ बंदावनदास ९ कनीराम १०. मांनसिंघ
११ चादसिंघ १२ धीरतसिंघ १३ बखतावरसिंघ १४. रणजीतसिंघ
१५ रिड़मलसिंघ १६. गोपालसिंघ १७. चिमनसिंघ

४ कात्यारडो ७०००) ७०००) प्र. परवतसर

पीढियें—: १०. विजसिंघ कनीरामोत^४ ११. उमेदसिंघ १२. देवीसिंघ १३. प्रतापसिंघ
१४ अरजनसिंघ

५ मडोवरी ३०००) ३०००) प्र. परवतसर

पीढियें—: १० मिवसिंघ कनीरामोत ११. बदनसिंघ १२ स्यामसिंघ १३. सुरताणसिंघ

६ फूलियाणो— ३०००) ३०००) प्र. परवतसर

पीढियें—: ९ अमरदास बंदावनदासोत^५ १०. किसनदास ११. उदैभाण
१२. सालमसिंघ १३. मालमसिंघ १४. सगरामसिंघ १५. केसरीसिंघ

७ बंवाल— १०००) ७००) प्र. परवतसर

पीढियें—: (पाती आध मे) ८. गरीबदास रुघनाथसिंघोत^६ ९. जगमाल १०.....
११. सिरदारसिंघ १२..... १३ अमानीसिंघ १४.....
१५ हमीरसिंघ

पाती आध मे—११. सवाईसिंघ पदमसिंघोत १२. अजीतसिंघ १३. अमरसिंघ

१ ठि वेहड के (१३) ठाकुर विसनसिंह का पुत्र ।

२ ठि डेह के (७) ठा० दलपतसिंह का पुत्र ।

३ ठि डेह के (६) ठाकुर भीवसिंह का पुत्र ।

४ ठि पीह के (९) ठाकुर कनीराम का पुत्र ।

५ ठि पीह के (८) ठाकुर बंदावनदास का पुत्र ।

६ ठि पीह के (७) ठाकुर रुघनाथसिंह का पुत्र ।

१४. सिवनाथसिंघ

१५. मोतीसिंघ

गाँव रेवडा रौ वास

१०००)

१०००)

सिरकार नागौर

पीढिये —: ६. वेणीदास किलाणदासोत ७. सूरदास ८. सावलदास ९. कुसलसिंघ

१०. गुमानसिंघ ११. सिवसिंघ १२. खगारसिंह १३. केसरसिंघ १४. छतरसिंह

गाँव धोलियो—

२०००)

२०००)

कानावास

०)

०)

गाव बावड़ी

१०००)

१०००)

—————

—————

३०००)

३०००)

पीढिये—: ९. मोकमसिंघ सावलदासोत^१ १०. हरीदास ११. सवाईसिंघ १२. सुरताण-

सिंघ १३. चैनसिंघ १४. रतनसिंघ १५. लालसिंघ

गाँव रिङ्गमल रौ वास

२०००)

२०००)

सिरकार नागौर

पीढिये —: १३. भैरसिंघ सुरताणसिंघोत^२ १४. जुंभारसिंघ ।

गाँव सारड़ी

.....

.....

.....

सिरकार नागौर

पीढिये—: ८. तुलछीदास सुंदरदासोत ९. वखतावरसिंघ १०. दयाराम ११. वदनसिंघ

१२. डूंगरसिंघ १३. पहाडसिंघ १४. वभूतसिंघ १५. लिछमणसिंघ

१६. सिवनाथसिंघ

गाँव चांदवासणी

१५००)

१५००)

दरीवे डीडवाणे

पीढिये—: ८.सुंदरदासोत ९. रामसिंघ १०. सवाईसिंघ ११. सालमसिंघ

१२. अमानसिंघ १३. वखतावरसिंघ ।

गाँव कालाउना—

४२५०)

४२५०)

गढ जोधपुर

पीढिये—: ५. गोपालदास रतनदासोत ६. माधोदास ७. अण्णदराम ८. भावसिंघ

९. सिवदानसिंघ १०. चैनसिंघ ११. सोभासिंघ १२. इंदरसिंघ १३. सादूल-

सिंघ १४. करणसिंघ १५. तेजसिंघ १६. गुलाबसिंघ

गाँव खडालो—

३१२५)

२०००)

गढ जोधपुर

पीढिये —: ६. माधोदास गोपालदासोत^३ ७. कनैयादास ८. हिरदैराम ९. अभैराम

१०. हरनाथसिंघ ११. उदेसिंघ १२. पिरथीसिंघ १३. थानसिंघ

गाँव भुंढुवडी—

५००)

५००)

गढ जोधपुर

१ ठि रेवडा रौ वास के (८) ठाकुर सावलदास का पुत्र ।

२, ठि धोलिया के (१२) ठाकुर सुरताणसिंह का पुत्र ।

३ ठि कलाउना के (५) ठाकुर गोपालदास का पुत्र ।

पीढिये — : १२. म्होकमसिंघ उदैसिंघोत^१ १३. सोभासिंघ १४. रतनसिंघ
१५. तेजसिंघ १६. फतैसिंघ

गाँव मोडावली— ३७५) ३७५) गढ़ जोधपुर

पीढिये— : १२. सूरजमल उदैसिंघोत १३. रूपसिंघ

गाँव स्याह रौ वडौ— १३००) १३००) प्र. मेड़तो

पीढिये— : ५. रामसिंघ रतनसिंघोत ६. किसोरदास ७. मनोहरदास ८. मुथरादास
९. जगतसिंघ १०. सावतसिंघ ११. हिरदेराम १२. बनेसिंघ
१३. म्होवतसिंघ १४. भोमसिंघ

गाँव कापड़ोद— ३०००) ३०००) प्र. कोलिया

पीढिये— : ११. म्होकमसिंघ सावतसिंघोत^२ १२. घोरतसिंघ १३. मदमसिंघ
१४. बखतावरसिंघ १५. विड़दसिंघ १६. रामनाथसिंघ

गाँव ठाकुरवास— १५००) १२५०) प्र. जंतारण

पीढिये— ४ भवानीदास खीवकरणोत ५. बाघसिंघ ६. किसनदास ७. मोहणदास
८. हिरदेराम ९ नराणदास १०. सावतसिंघ ११. लखमीसिंघ
१२. केसरीसिंघ १३. नाथूसिंघ १४. अमरसिंघ १५. अखैसिंघ

गाँव वासड़ी भोजां रौ— ७००) ६२५) प्र. भीनमाल

पीढिये— : ११. हरीसिंघ सावतसिंघोत^३ १२. जालमसिंघ १३. सादूलसिंघ
१४. बभूतसिंघ १५. लादूसिंघ

गाँव बालेरां— १०००) ७५०) प्र. जालोर

पीढिये— : १०. भाखरसिंघ नारायणदासोत^४ ११. सेरसिंघ १२. तखतसिंघ

गाँव देवरियो— ८०००) ८०००)
गाव लु वडास १२००) १२००) प्र. जंतारण
६२००) ६२००)

पीढिये— : ३. झगरसिंघ ऊदावत ४. तेजसिंघ ५. सीधो ६. दुरजनसाल ७. फरसराम

१ ठि खडाला के (११) ठाकुर उदैसिंघ का पुत्र ।

२ ठि स्याहरो के (१०) ठाकुर सावतसिंघ का पुत्र ।

३ ठि. स्याहरो के (१०) ठाकुर सावतसिंघ का पुत्र ।

४. ठाकुर वास (६) ठाकुर नराणदास का पुत्र ।

८. गोरधनदास ६. गिरधन १०. विद्वंसि ११. गुमानसि १२. उमदसि १३. जालसि १४. सालमसि १५. माधोसि १६. गुमानसि

गर्व रज्जुहट्ट—

२५००)

२५००)

प्रीत्युः— १०. जेधसि गारुज्जो ११. अर्धसि १२. रामसि १३. देरीसि १४. सिरदारसि १५. कुसलसि १६. बलवारसि

गर्व लसणी—

३५००)

२५००)

प्रीत्युः— ६. हिरेदराम सि ७. गोरधन ८. उरजनसि ९. गुजालसि १०. जोराधरसि ११. मालमसि १२. धीरसि १३. देमीरसि

गर्व गुदवव —

६२५०)

६२५०)

पावरास

१००)

१००)

बहेव

१००)

१००)

देवलिया

१००)

१००)

मीमावास

४००)

४००)

गोदरला

६६५०)

६६५०)

प्रीत्युः— ५. कानसि देजसि ६. गोधददास ७. रामवद ८. कपसि

९. जीवणदास १०. देरनाथसि ११. सेरसि १२. देरसि

१३. माधोसि १४. कुसलसि १५. फरसि १६. रणजीवसि

गर्व रिखलिया (गुडी)

६००)

६००)

प्रीत्युः— ६. गारुणदास कानसि ७. बलराम ८. स्यामसि ९. पिरधीराज

१०. बलराज ११. अर्धराज १२. मारुसि १३. दीनसि

१४. हिमलसि १५. सुरलासि

गर्व सांसुजी —

२५००)

२५००)

प्रीत्युः— ६. भोजराज कानसि ७. मोधसि ८. मुरजमल ९. मूरसि

१०. जगलसि ११. देवीसि १२. जालसि १३. गुमानसि

१४. नवलसि

गर्व सुयोदी—

३०००)

१५४०)

म. जालीर

भदवासियो

पीढ़ियों— ७. बोरीदास भोजराजोत्^१ ८. रायसिंघ ९. किलाणसिंघ १०. उदैसिंघ
११. भवानीसिंघ १२. सगतसिंघ १३. कुसलसिंघ

गाँव गोपड़ी— १०००) १०००) प्र. सीवाणो

पीढ़ियों— ७. मोहणदास भोजराजोत्^२ ८. करणसिंघ ९. अण्णदसिंघ १०. सचाईसिंघ
११. सगरामसिंघ १२. बुदसिंघ १३. बेरीसाल

गाँव बरांटियो खुरद— २५००) २५००) प्र. जैतारण
जैतपुर ७००) ७००) "
३२००) ३२००)

पीढ़ियों— ५. किसनसिंघ तेजसिंघोत् ६. करणसिंघ ७. मनोहरदास ८. गोकलदास
९. महासिंघ १०. कीरतसिंघ ११. मदमसिंघ १२. स्यामसिंघ
१३. गुलाबसिंघ १४. फत्तिसिंघ १५. भारथसिंघ १६. रामसिंघ
१७. अभैसिंघ

गाँव महेसियो— २०००) २०००)
चावडियो ३००) ३००)
२३००) २३००)

पीढ़ियों— ११. खीवकरण कीरतसिंघोत्^३ १२. माधोसिंघ १३. सुखसिंघ
१४. अजीतसिंघ १५. रुघनाथसिंघ १६. विजैसिंघ

गाँव खीवावास— ६२५) ६२५) प्र. मेड़तो

पीढ़ियों— ९. हरीसिंघ गोकलदासोत्^४ १०. जीवणदास ११. अचलसिंघ
१२. भोमसिंघ १३. मोतीसिंघ १४. बखतावरसिंघ १५. सिवनाथसिंघ

गाँव धूलकोट— १४६०) १४६०)

पीढ़ियों— ८. गिरधरदास मनोहरदासोत्^५ ९. बखतसिंघ १०. बभूतसिंघ ११. अण्णदसिंघ

१. ठि सामूजो के (६) ठाकुर भोजराज का पुत्र ।

२. ठि. " " " " "

३. ठि बरांटियो खुरद के (१०) ठाकुर कीरतसिंह का पुत्र ।

४. ठि बरांटियो खुरद के (८) ठाकुर गोकुलदास का पुत्र ।

५. " " " (७) " मनोहरदास का पुत्र ।

१२. सुखसिंघ १३. संगरामसिंघ १४. केसरीसिंघ

गाँव पिरलीपुरी—

३०००)

३०००)

प्र. जैतारण

पीढिये—: (आध मे) ६. पचांगदासकिसनदासोत^१ ७. राजसिंघ ८. स्यामसिंघ

९. प्रतापसिंघ १०. सिरदारसिंघ ११. माघोसिंघ १२. रूपसिंघ १३. सिवसिंघ

१४. रतनसिंघ

पाती आध मे—९. हिमतसिंघ स्यामसिंघोत^२ १०. मांडण ११. अभैसिंघ

१२. रुधनाथसिंघ १३. बहादरसिंघ

गाँव पुनड़ाऊ—

५००)

५००)

सिरकार जालोर

पीढिये—: ४. परतापसिंघ रुधनाथसिंघोत ५. नरांगदास ६. स्यामदास ७. वीरमदे

८. अजवर्मि ९. अमरसिंघ १०. लालसिंघ ११. तिवसिंघ १२. सुरतसिंघ

१३. जीवराज १४. दीलतसिंघ

खांप मेड़तीयां री पीढीयां

१. राव जोधाजी तिण रा वेटा—१ बरसिंग १ दूदो ।

तिणां नै राव जोधे मेड़तो दीयो सु मेड़तो सैर सुनो पड़ीयो थो तिण नै इणां आवा-
दान कीयो ।

२. दूदो तिण रा बसरा मेड़तीया कहीजें ।

खांप रायमलोत मेड़तीयां

१. दूदो जोधावत, २. रायमल दूदावत

रायमलोतां रा ठिकाणां री विगत

रेख कदीम

रेख हमार भरे

परगना

गाँव रांयण—

१४०००)

१४०००)

प्र० मेड़तो

पीढिये—: ४. अचलदास रायमलोत ५. भगवानदास ६. ऊर्जसिंघ ७. रामसिंघ

८. अजवसिंघ ९. दलराम १०. मुकनसिंघ ११. लालसिंघ १२. मालमसिंघ

१३. स्यामसिंघ १४. मेहतावसिंघ १५. हमीरसिंघ १६. जोरावरसिंघ

(१) ठि बराटियो खुरद के (५) ठाकुर किमनसिंह का पुत ।

(२) ठि. पिरलीपुरी के (८) ठाकुर स्यामसिंह का पुत ।

†चित्तौड़ के रांगा सांगा रै वे पातसाह बावर के बीच सीकरी में युद्ध हुआ वह रांगा
की तरफ से काम आया ।

गाँव ढावो—	४०००)	४०००)	प्र. मेडतो
पीढियें—: १२ बुधसिंघ लालसिंघोत ^१	१३ भगोतसिंघ	१४. जुहारसिंघ	
गाँव जारोड़ो बड़ो— (पाती २ मे)	२०००)	२०००)	प्र. मेड़ता
१२. नारसिंघ लालसिंघोत	१३ बिडदसिंघ	१४ वेसीसाल	१५. रामनार्थसिंघ
१६. भीरसिंघ ।			
गाँव जाजू वासणी— (आधी)	३१२५)	१०००)	प्र. मेड़तो
पीढियें—: १२. सूरजमल लालसिंघोत ^२	१३. भवानीसिंघ	१४ अमानसिंघ	
१५. अमरसिंघ	१६. हरीसिंघ ।		
गाँव अग्यासणी—	१०००)	१०००)	प्र मेडतो
पीढियें— १०. पीरथीसिंघ दलरामोत ^३	११ प्रतापसिंघ	१२. भैरुसिंघ	१३. हणवतसिंघ
१४. सवलसिंघ ।			
गाँव बाबरलो—	३२००)	३२००)	प्र. मेडतो
पीढियें—: ८. विजैसिंघ*रामसिंघोत ^४	९. राजसिंघ	१० जोधसिंघ	११. फकीरदास
१२ बखसीराम	१३ फतेसिंघ	१४ बाघसिंघ	१५. मगलीसिंघ
१६ बहादरसिंघ ।			
गाँव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना
गाँव जेसावास—	५००)	५००)	प्र. मेड़तो
५. स्यामदास अचलदासोत ^५	६ आसकरण	७. हठीसिंघ	८. रतनसिंघ
९ हीदुसिंघ	१०. गुलाबसिंघ	११. करणसिंघ	१२. हुकमसिंघ
१३. सुरताणसिंघ ।			
गाँव देवलमासां—	१२५०)	१२५०)	प्र. मेडतो
४ उरजणसिंघ रायमलोत ^६	५ नरवदसिंघ	६. जसवतसिंघ	७. सूरजमल
८. नेतसी	९. हीदुसिंघ	१०. बखतसिंघ	११ अभैसिंघ
			१२ फतेसिंघ

*उज्जैन के युद्ध में काम आया, सवत् १७१५ में ।

- (१) डि. रायण के (११) ठाकुर लालसिंह का पुत्र ।
 (२) " " " " " " " "
 (३) डि. " " (९) ठाकुर दलराम का पुत्र ।
 (४) डि " " (७) " रामसिंह का पुत्र ।
 (५) डि रायण के (४) ठाकुर अचलदास का पुत्र ।
 (६) रायसल दूदावत का पुत्र ।

१३. मोतीसिंघ १४. भोपालसिंह ।

गाँव छींकरणा वास— १०००) १०००) प्र. मेड़तो

४. सुरजनसिंघ रायमल्लोत ५. नाहर खान ६. प्रीथीराज ७. ऊदेभाण

८. चद्रभाण ९. अखेसिंघ १०. अनाडसिंघ ११. खुमाणसिंघ ।

गाँव दुगोर अचलो— ५००) ५००) प्र. मेड़तो

गाव दुगोर दासा ६५०) ६२५) ”

— ११५०) ११२५)

५. आसकरण सुरजनसिंघोत ६. सीधो ७. डुंगरसिंघ ८. किसनसिंघ
९. सवाईसिंघ १०. जालमसिंघ ११. गुलाबसिंघ १२. भभुतसिंघ
१३. भैरुसिंघ ।

खाँप जगमालोत मेड़तियां

२. दुदो जोधावत ३. वीरम दूदावत

४. जगमाल वीरमोत रा वस रा जगमालोत कही जै ।

जगमालोत मेड़तियां रा ठिकाणां री विगत

गाँव रेखकदीम हमार भरे परगना विशेष

गाँव डसांगो वडो— २०००) २०००) प्र. परवतसर आसांमी २ रे

पाती आध में—

पीढिये.— ५. वाघसिंघ जगमालोत ६. सावतसिंघ ७. भोपतसिंघ ८. रामसिंघ

९. दीपसिंघ १०. पूरणसिंघ ११. मुकनसिंघ १२. विजैसिंघ ।

पाती आध मे—

पीढिये — ६. किसनसिंघ वाघसिंघोत ७. सुजाणसिंघ ८. ईसरदास ९. अमरसिंघ

१०. जोधसिंघ ११. धीरतसिंघ १२. सुजाणसिंघ १३. दलेलसिंघ

१४. वाघसिंघ १५. मोतीसिंघ ।

गाँव घिरडोदो जेसला— १०००) १०००) प्र. कोलियो

पीढिये:— ७. सुजाणसिंघ किसनदासोत ८. मोकमसिंघ ९. हिमतसिंघ

१०. किलाणसिंघ ११. मयासिंघ १२. मूथरादास १३. सिंभूसिंघ

१४. गरोससिंघ ।

(१) ठि छीकरणावास के (४) ठाकुर सुरजनसिंह का पुत्र ।

(२) ठि. डसांगो वडो के (६) ठाकुर किसनसिंह का पुत्र ।

गाँव कुडलि—	२०००)	२०००)	प्र. दोलतपुरो
पीढ़िये—	७. अचलदास किसनदासोत ^१	८. बिहारीदास	९. सिवरांम १०. जगतसिंघ
	११. मोकमसिंघ	१२. कनीराम	१३. बखतावरसिंघ १४. विजेशिंघ
गाव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना
गाँव छापरी बड़ी	२०००)	२०००)	प्र. दोलतपुरो
पीढ़िये—	९. इंदरभाण बिहारी दासोत ^२	१०. सावतसिंघ	११. किसोरसिंघ
	१२. सलेशिंघ	१३. चादसिंघ	१४. भूरसिंघ १५. केसरीसिंघ
गाँव राठील	२०००)	२०००)	प्र. कोलियो
पीढ़िये—	१०. पिरथीराज ईंदरभाणोत ^३	११. मुकनसिंघ	१२. सोभासिंघ
	१३. प्रतापसिंघ ।		
गाँव दाऊदसर—	२०००)	२०००)	प्र. दोलतपुरो
पीढ़िये—	९. घासीराम बिहारीदासोत ^४	१०. जोरावरसिंघ	११. खडगसिंघ
	१२. सुरतार्णसिंघा	१३. सुखसिंघ	१४. पाहाड़सिंघ १५. भोपालसिंघ
गाँव वनवासो	२०००)	२०००)	प्र. दोलतपुरो
पीढ़िये—	१०. जगतसिंघ घासीरामोत ^५	११. मोहणसिंघ	१२. लिच्छमणसिंघ
	१३. डुगरसिंघ	१४. चिमनसिंघ	
गाँव भांडासर—	१०००)	१०००)	प्र. दोलतपुरो
पीढ़िये—	७. सगतसिंघ किसनदासोत ^६	८. खगारसिंघ	९. सेखराज १०. जोरावरसिंघ
	११. भगोतसिंघ	१२. फकीरसिंघ	१३. रूपसिंघ १४. माघोसिंघ
गाव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना
गाँव घिरडोदो—	२०००)	११६२॥)	प्र. कोलियो
		घुंढो १०००)	लार ६३) भरे

†संवत् १८४७ रा माग मूढ २ मेडता मे मराहठो से युद्ध हुआ उसमे काम आया ।

- (१) ठि डसाणो बडो के (६) ठाकुर किसनसिंह का पुत्र ।
- (२) ठि० कुडली के (८) ठाकुर बिहारीदास का पुत्र ।
- (३) ठि० छापरी बडी के (९) ठाकुर इन्द्रमाण का पुत्र ।
- (४) ठि० कुडली के (८) ठाकुर बिहारीदास का पुत्र ।
- (५) ठि० दाऊदसर के (९) ठाकुर घासीराम का पुत्र ।
- (६) ठि० डसाणो बडो के (६) ठाकुर किसनसिंह का पुत्र ।

१—पांती आघ मे—

पीढिये:— ५. आसकरण जगमालोत ६. मानसिघ ७ ऊदेभाण ८. हरकरण
९. किसनसिघ १०. लालसिघ ११. अजीतसिघ १२ पुरणसिघ
१३. सालमसिघ

२—पाती आघ मे—

११. सरूपसिघ लालसिघोत १२. हाथीसिघ १३. बाहादरसिघ

गांव घिरडोदो डुंडी— २०००) १२८७॥) प्र. कोलियो

घुवो १०००) लार १०३) भरे

पीढिये:— १०. सायवसिघ किसनसिघोत^१ ११. हीदूसिघ १२ सिवसिघ १३. सिव-
दानसिघ १४. डुगरसिघ १५ विजसिघ ।

गांव मनारी ढाँगी— सिरकार नागोर

पीढिये:— ७. महासिघ मानसिघोत^२ ८. अमरसिघ ९. अमसिघ १० भगवतसिघ
११. नवलसिघ १२. चेनसिघ १३. भीवसिघ १४. पनसिघ

खाँप ईसरदासोत मेड़तीयां

२. दुदो ३. वीरमदेव ४. ईसरदास रा वस रा ईसरदासोत कहीजें ।

ईसरदासोतां रा ठिकाणां री विगत

गांव सुमेल— १४०००) १४०००) प्र मेड़ता

गाव ११ री रेख भेली भर । मेड़ता रा गांव १'—

१. सुमेल १. खेडो १. प्रतापगढ १. सोडपुरो १ करणपुरो १. नारसुवो
१. गाव मोडरी १. रामपुरो १ गाव गुढो १. रावणीयो १ करण
पुरो खुर्द ।

पीढिये:— ५. साईदास ईसरदासोत ६ जसवतसिघ ७ विंदरावन दास ८ नारसिघ
९. जगतसिघ १० पेमसिघ ११ सुखसिघ १२ थानसिघ १३ मुकनसिघ
१४. हुकमसिघ ।

गाव रेख कदीम हमार भरे परगना
गांव खरवो— १०००) १०००) प्र. मेड़ता

पीढिये:— ५. सकरदास ईसरदासोत ६ जगनाथ ७ हरीराम ८. सकतसिघ
९ मुकनसिघ १०. बाहादरसिघ ११. विसनसिघ १२ प्रभुदान
१३. चावडसिघ

(१) ठि० घिरडोदी के (९) ठाकुर किसनसिंह का पुत्र ।

(२) " " " (६) " मानसिंह का पुत्र ।

खांप चांदावत मेड़तीया

२. दुदो जोधावत ३ वीरम-दुदावत ४. चांदोजी वीरमोत
चांदोजी रा वस रा चादावत कहीजे ।

चांदोजी रा ठिकाँणा री विगत

गाँव बलूंदो—	५०००)	५०००)	प्र. जोधपुर
„ घोडावड	३१२५)	३१२५)	„
„ भेरुवासी	८७५)	८७५)	प्र. मेड़ता
„ केरीयो रावा	५०००)	५०००)	„
„ केरीयो माकडो	३७५०)	३७५०)	„
„ खारचीया	२५००)	२५००)	„

पीढियें— ५ रामदास चांदावत* ६ जगतसिंघ ७. मोकमसिंघ ८. हरीसिंघ
९. विजेंसिंघ १०. अमैसिंघ ११. स्यामसिंघ १२. फतेसिंघ १३. सीवसिंघ
१४. बागसिंघ १५ जीवणसिंघ

गांव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना
गाँव घनापो—	२०००)	२०००)	प्र. मेड़ता

पीढियें— १०. नरसिंगदास विजेंसिंघोत^१ ११. जगरूपसिंघ १२. अखेंसिंघ
१३. प्रीथीसिंघ १४ सुमेलसिंघ

गाँव दुदड़ास—	१२५०)	१२५०)	प्र. मेड़ता
---------------	-------	-------	-------------

पीढियें— ७ नाथूसिंघ जगतसिंघोत^२ ८. हीदुसिंघ ९. लालसिंघ १०. अमानसिंघ
११. बेरीसाल १२. चीमनसिंघ

गाँव सुंदरी—	१२५०)	१२५०)	प्र. मेड़ता
--------------	-------	-------	-------------

नागोर मे सुबायत हसनअली ने सवत् १६२१ मे चूक से मरवाया.

* मेड़ता के सुबायत के गाव नीबोद न दवाणा को पकड़ा तब भगड़ा हुआ, वहा गाँव काखडकी—मु गधडाके बीच मे काम आया ।

श्री महाराज श्रीरामसिंघजी व बखतसिंघजी के बीच संवत् १८०७ मे भगडा हुआ उसमे काँम आया ।

(१) ठि० बलू दा के (२) ठाकुर विजेंसिंह का पुत्र ।

(२) " " " (६) " जगतसिंह का पुत्र ।

पीढिये—: ६. जसवतसिंघ रांमदासोत^१ ७. जगरूपसिंघ ८. अमसिंघ ९. ऊदेसिंघ
१०. कोजूराम ११. दुलेसिंघ १२. ग्यानसिंघ १३. रावतसिंघ
१४. वभूतसिंघ १५. पाबुदान

गाँव तिगरो— २५००) २५००) प्र. मेडता

पीढिये—: ७. वेणीदास जसवतसिंघोत^२ ८. ऊदेसिंघ ९. रामसिंघ १०. सीवसिंघ
११. वनेसिंघ १२. जूजारसिंघ १३. सुरताणसिंघ

गाँव कुडकी खास— ८०००) ८०००) प्र. मेडता

„ मोठा कोटड़ी १२५०) १२५०) „

„ खीदावास ७५०) ७५०) „

„ आलसर १५००) १५००) प्र. दोलतपुरो

„ अलखपुर ३०००) ३०००) „

„ नादोली २०००) २०००) प्र. परवतसर

१६५००) १६५००)

पीढिये—: ५. गोपालदास चादावत ६. मुकनदास ७. सगतसिंघ ८. घासीराम
९. पाहाडसिंघ १०. देवसिंघ ११. बाहादरसिंघ १२. अमानसिंघ
१३. लिच्छमणसिंघ १४. रणजीतसिंघ १५. बखतावरसिंघ ।

गाव रेख कदीम हमार भरे परगना
गाँव डाभड़ो— ४०००) ३०००) प्र. दोलतपुरा

पीढिये—: १३. चिमनसिंघ अमानसिंघोत^३ ।

गाँव पालियास— ४५००) ४०००) प्र. मेडता

पीढिये—: ११. रामसिंघ देवीसिंघोत^४ १२. हणवतसिंघ १३. रणजीतसिंघ ।

गाँव खानड़ी— ४०००) ४०००) प्र. दोलतपुर

पीढिये—: १२. जोवसिंघ रांमसिंघोत^५ १३. अजीतसिंघ ।

गाँव बडवालो— ३०००) २०००) प्र. परवतसर

पांती आघ मे—

पीढिये—: ६. सुंदरदास गोपालदासोत^६ ७. ऊदेसिंघ ८. नराणदास ९. हठीमिंघ
१०. लछीराम ११. पाहाडसिंघ १२. मगलसिंघ १३. गुमानसिंघ ।

- (१) ठि बलूदा के (५) ठाकुर राममिह का पुत्र ।
(२) ठि० सुदरी के (६) „ जमवतमिह का पुत्र ।
(३) ठि कुडली के (१२) ठाकुर अमानसिह का पुत्र ।
(४) ठि कुटली के (१०) ठाकुर देवीमिह का पुत्र ।
(५) ठि पानियाम के (११) ठाकुर रामसिह का पुत्र ।
(६) ठि कुडली के (५) ठाकुर गोपालदाम का पुत्र ।

गांव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना
पांती आध मे			
पीढियें—:	८. प्रधीसिंघ-उदेसिंघोत ^१	९. प्रतापसिंघ १०. कुसलसिंघ ११. सलेसिंघ १२. कीलाणसिंघ १३. चतर साल १४. विजेसिंघ	
गांव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना
गांव सेवरीयो—	७०००)	७०००)	प्र. मेड़तो
„ देवरीयो रजपुता	१०००)	१०००)	„
„ बानसी	१०००)	१०००)	„
„ नेण पुरीयो	१८७५)	१८७५)	„
	१०८७५)	१०८७५)	

पीढियें—: ६. नारसिंघ-गोपालदासोत^२ ७. केसरखां ८. सांवलदास ९. अचलसिंघ १०. फतेसिंघ ११. भवानीसिंघ १२. दानसिंघ १३. रतनसिंघ १४. रुगनाथसिंघ १५. देवीसिंघ

गांव बनवाड़ी— ३७५०) ३७५०) प्र. मेड़तो
पांती आध मे —:

पीढियें —: ६. दलपत गोपालदासोत^३ ७. भीवराज ८. सेखराज ९. बाहादरसिंघ १०. ऊमेदसिंघ ११. रिड़मलसिंघ १२. छतरसिंघ

पांती आध मे—:

पीढियें—: ६. जैतसिंघ-गोपालदासोत^४ ७. जोरावरसिंघ ८. किलाणसिंघ ९. नाहरसिंघ १०. पनेसिंघ ११. छतरसिंघ १२. विसालसिंघ

गांव आजडोली— २०००) २०००) प्र. परबतसर

पीढियें—: ६. रूपसिंघ-गोपालदासोत^५ ७. इंदरभाण ८. नरहरदास ९. माघोसिंघ १०. जतनसिंघ ११. सुजाणसिंघ १२. नाथूसिंघ १३. अमानसिंघ १४. भगवतसिंघ १५. रामनाथ

गांव लाहपुरी— १०००) १०००) प्र. परबतसर

(१) ठि बडवालो (आध) के (७) ठाकुर उदैमिह का पुत्र ।

(२) ठि. कुडकी के (५) ठाकुर गोपालदास का पुत्र ।

(३) ठि. " " " " " " ।

(४) ठि. " " " " " " ।

(५) ठि. " " " " " " ।

गाव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
पीढिये—: ७. देवकीदास रूपसिंघोत ^१	८. कनीरांम	९. देवीसिंघ	१०. वदनसिंघ	
११. जोरावरसिंघ	१२. भेरुसिंघ	१३. वखतावरसिंघ	१४. खंगारसिंघ	
गाँव सूंथलि—	२०००)	२०००)	प्र. परवतसर	
पीढिये—: ७. बलराम रूपसिंघोत ^२	८. जसवतसिंघ	९. नरसिंघदास	१०. सावतसिंघ	
११. दानसिंघ	१२. किसनसिंघ	१३. रीडमलसिंघ	१४. फतेसिंघ	
गाँव हासियास—	१०००)	१०००)	प्र. मेडता	आसामी २ रे
पाती आध मे—.				
पीढिये—: ७. राजसिंघ रूपसिंघोत ^३	८. किलाणसिंघ	९. भोपतसिंघ	१०. तेजसिंघ	
११. जालसिंघ	१२. कीलाणसिंघ	१३. चुतरसिंघ	१४. पीरदान	
पाती आध मे—.	गोय ददास चांदावत रा वस रा—			
पीढिये—.	६. कीरतसिंघ गोयंद दासोत	७. भगोतसिंघ	८. ऊमेदसिंघ	९. सीरदारसिंघ
१०. रणजीतसिंघ	११. समनसिंघ	१२. खीवरण		
गाँव पूजीयास—	१२५०)	१२५०)	प्र. मेडता	
पीढिये—: ५. राघोदास चांदावत	६. भोजराज	७. आसकरण	८. चतरसाल-	
राजसिंघोत	९. मानसिंघ	१०. सोभासिंघ	११. बाहादरसिंघ	१२. हुकम-
सिंघ	१३. मगलसिंघ			
गाँव डीगराणो—	२५००)	०)	प्र. मेडता	रेख भरे नही
पीढिये—: गोय द दास चादावत रा वस रा—				
७. सुखमिंघ कीरतसिंघोत	८. दलेलसिंघ	९. सीभूसिंघ	१०. भेरुसिंघ	
११. चीमनमिंघ	१२. समर्थसिंघ			
गाँव ऊंचाखेड़ो—	२०००)	२०००)	सिरकार नागौर	
पीढिये—	७. पदमसिंघ-कीरतसिंघोत	८. देवीसिंघ	९. धीरनसिंघ	१०. मोहकमसिंघ
११. हणवतसिंघ	१२. कुसालसिंघ			
गाँव लाई—	३१२५)	३१२५)	प्र. मेडता	
„ कु पडास	२०००)	२०००)	„	खेडा २

(१) डि. अजडोली के (६) ठाकुर रूपसिंह का पुत्र ।

(२) डि. „ „ „ „ „ „ ।

(३) डि. „ „ „ „ „ „ ।

गांव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना
गांव ऊडास	७००)	७००)	खेडो १ सूनी
पीढ़ियें—: ६. मुरारदास-गोय ददासोत ७ ऊरजणसिंघ-मुरारदासोत ८. प्रतापसिंघ ९. सबलसिंघ १०. रतनसिंघ ११. लालसिंघ १२. देवीसिंघ १३. वखतावर सिंघ १४. ग्यानसिंघ			
गांव मुगाघड़ो—	३.००)	३०००)	प्र. मेडता
पीढ़ियें—: ११. जालमसिंघ-रतनसिंघोत १२. कीलाणसिंघ १३. सादूलसिंघ १४. मोहवतसिंघ			
गांव देसवाल—	४०००)	४०००)	सिरकार नागोर
पाती आघ मे—:			
पीढ़ियें—: १० बाहादरसिंघ-सबलसिंघोत ११. भोमसिंघ १२. माघोसिंघ १३. सीरदारसिंघ			
पाती आघ मे—: रणजीतसिंघ, फकीरदास, जैतसिंघ.			
गांव बाखलिया वास—	७००)	७००)	प्र. मेडतो
पीढ़ियें—: ७ ग्रायव खान-मुरारदासोत ८ अनोपसिंघ ९. कीसनसिंघ १०. ऊमेदसिंघ ११. सेगसिंघ १२ रणजीतसिंघ			
गांव रेवत —	२५००)	२५००)	प्र मेडतो
पीढ़ियें—: ७. बाघसिंघ-मुगारदासोत ८. दोलतसिंघ ९ ऊदेसिंघ १०. जसवतसिंघ ११. लिछमणसिंघ १२. ग्रमानसिंघ १३. विडदसिंघ			
गांव रोहल—	२०००)	२०००)	मिरकार नागोर
पीढ़ियें —: १२. चैनसिंघ-तेजसिंघोत १३. सगरामसिंघ १४. भवानीसिंघ १५ हरीसिंघ			
गांव नोखो —	२०००)	२०००)	सिरकार नागोर
„ चीताणी	१०००)	१०००)	„ „
„ घीगावास	५००)	५००)	„ „
पीढ़ियें— ६. रुगनाथसिंघ-गोय ददासोत ७ कीलाणसिंघ ८. भावसिंघ ९. ऊदेसिंघ-			

(१) ठि. लाई के (१०) ठाकुर रतनसिंह का पुत्र ।

(२) ठि „ (९) „ सबलसिंह का पुत्र ।

(३) ठि लाई के (६) ठाकुर मुरारदास का पुत्र ।

(४) ठि „ „ „ „ . ।

गांव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना
गगराणा री राड मे काम आया १०. जालसिंघ ११. वखसीराम १२. अमरसिंघ १३. फकीरसिंघ १४. हिमतसिंघ १५. प्रतापसिंघ १६. विजेंसिंघ			
गांव नीवड़ी—	६०००)	६०००)	सिरकार नागोर
पीढियें—: ६. हरीसिंघ भावसिंघोत † १०. सिरदारसिंघ ११. छतरसिंघ १२. रायसिंघ १३. नवलसिंघ १४. हुकमसिंघ			
गांव ओलादरा—	३०००)	३०००)	सिरकार नागोर
पीढियें—: ६. विजेराम-गोयनदासोत ७. बलराम ८. कनीराम ९. मोकमसिंघ १०. अर्भेसिंघ ११. समेलसिंघ १२. जेतसिंघ १३. हरीसिंघ			
गांव गागुरडो—	२०००)	१०००)	सिरकार नागोर
पीढिये—: ६. करमसेण-गोयंदासोत ७. जोर्दसिंघ ८. फतेसिंघ ९. अजबसिंघ १०. सीरदारसिंघ-काम आयो मेडते गनीमारी राड मे सवत १८११ मे ११. अर्भेसिंघ १२. किसनसिंघ १३. गुलाबसिंघ १४. सिवनाथसिंघ			
गांव छापर वडी—	१२५०)	१२५०)	प्र. मेड़तो
पीढियें—: ६. सिवदानसिंघ-फतेसिंघोत १०. सिरदारसिंघ ११. ईं दरसिंघ १२. मालमसिंघ १३. दानसिंघ १४. भोपालसिंघ			
गांव पीडियो (आघो)	२०००)	२०००)	सिरकार नागोर
पीढिये—: ६. अर्भेराज-गोयददासोत ७ मानसिंघ ८ जसकरण ९. ईं दर भाण १०. जू जारसिंघ ११. सायबसिंघ १२. हणवतसिंघ १३. रामसिंघ १४. चुतरसिंघ			
गांव रोहिणो— (आघो)	२०००)	२०००)	सि. नागोर
पीढियें—; १० भावसिंघ-ईं दरभाणोत ११. मदनसिंघ १२. गुलाबसिंघ १३. अजीतसिंघ			

† सवत १७८७ में महाराजा अभयसिंह ने अहमदाबाद पर चढ़ाई की उसमे काम आया । यह नौखा के (८) ठाकुर भावसिंह का पुत्र था ।

(१) गांव गागुरडो के (८) ठाकुर सिवदानसिंह का पुत्र ।

(२) ठि० पीडियो के (८) ठाकुर इन्द्र भाण का पुत्र ।

गांव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गांव बसी—	१०००)	१०००)		प्र. परवतसर
पीढ़ियें—: ७. ईसरदास अभैराजोत ^१ ८. देवीसिंघ ९. मोहरासिंघ १०. मोबतसिंघ ११. सुदरसिंघ १२. रूपसिंघ १३. नवलसिंघ १४. केसरीसिंघ				
गांव सीराधणो—:	१०००)	१०००)		सि. नागौर
पीढ़ियें—: ७. कनीराम-अभैराजोत ^२ ८. अमरसिंघ ९. ऊदेसिंघ १०. हीदुसिंघ ११. रायसिंघ १२. मालमसिंघ १३. सादुलसिंघ				
गांव मांगलियास—:	१०००)	१०००)		प्र. मेडतो
पीढ़ियें—: ६. हरीराम गोयनदासोत ७. भोजराज ८. बिहारीदास ९. छतरसिंघ सभासिंघ ११. भगवतसिंघ १२. जवानसिंह, १३. मदनसिंघ १४. लालसिंघ				
रीयां स्यामदास री—	२५००)	२५००)	मेड़ता	आसामीर
पाती आघ में—:				
पीढ़ियें—: ७. जू जारसिंघ-हरीरामोत ^३ ८. नाहरसिंघ ९. नाथुसिंघ १०. मालमसिंघ ११. केसरीसिंघ १२. अजीतसिंघ				
पाती आघ मे:—				
पीढ़ियें—: ८. दोलतसिंघ-जू जार सिंघोत ^४ ९. देवीसिंघ १०. सवेसिंघ ११. खीवकरण १२. रणजीतसिंघ				
गांव चिबली—	५००)	५००)		प्र. परवतसर
पीढ़ियें—: ५. हरिसिंघ चादावत ६. प्रागदास ७. आसकरण ८. सलेसिंघ ९. अजबसिंघ १०. प्रतापसिंघ ११. सरदारसिंघ १२. मेहताबसिंघ १३. रतनसिंघ				
गांव पुजीयास—	१२५०)	१२५०)		प्र. मेडतो
पीढ़ियें—: ५. राघोदास चादावत ६. भोजराज ७. आसकरण ८. महासिंघ ९. सभासिंघ १०. बहादरसिंघ ११. हुक्मसिंघ १२. मगलसिंघ				
खांप गोयनदासोत मेड़तिया—				
२. दूदो जोधावत ३. वीरम उदावत ४. जैलम वीरमोत ५. गोयनदास				

(१) ठि. पीढ़ियो के (६) ठाकुर अभैराज का पुत्र ।

(२) " " " " " "

(३) ठि मांगलियास के (६) ठाकुर हरीराम का पुत्र ।

(४) यह महाराजा रामसिंह और बखतसिंह के सवर्ष मे काम आया ।

गांव रेख कदीम हमार भरे परगना विशेष

पीढियें—: ६ सावलदास-गोयनदासोत ७. रघुनाथसिंघ (मारोठ पाई तिण रा वश रा रघुनाथ-सिंघोत है) ८. सबलसिंघ ९. इन्द्रसिंघ १०. छत्रसाल ११. सालमसिंघ १२. महेशदास १३. देविसिंघ १४. सघतसिंघ १५. सपतसिंघ (खोले) १६ सुलतानसिंघ

गांव भावतो—	१५८७)॥	१५००)	मारोठ	आघो
„ केसरपुरो	—	—	„	„
„ हरियाणो	७५०)	७००)	„	पाव
„ रामपुरो	—	—	„	„
„ छापरी	२६३)॥॥	२८१)।	„	„
„ बाजणो	३३७)॥	३३७)॥	„	„
„ बरजण	२००)	२००)	„	दो आने पाती
„ महाराज पुरो	३७५)	३७५)	„	आघो
„ सुखियो	३७५)	३७५)	„	तीन आने पाती
„ मोहाण्डो	५१२)॥	५१२)॥	„	पाव
„ हरिपुरो	२७५	२८१)।	„	„
„ भुजी	६६०)	६५६)।	„	„
„ इडोली	६३६)	६३७)॥	„	„

पीढियें — १०. वैरीसाल-इन्द्रसिंघोत ११. सरूपसिंघ १२. हुकमसिंघ काम आयो तुगारी रे राड सं. १८४४ मे १३ देविसिंघ १४. रिघसिंघ १५. अनाडसिंघ

„ खरेस ४०००) ४०००) परवतसर

पीढियें—: ११ जगतसिंघ-छत्रसिंघोत १२. रूदरदान १३ भेरुसिंघ

गांव घाटवो—	१५७५)	१५८१)।	मारोठ	पाव पाती
„ समरतपुरो	—	—	„	„
„ छापरी	२६३)॥	२८१)।	„	„
„ चितावो	८१२)॥	८१२)॥	„	„
„ तोडरी रूपपुरो	११०) १०६)	छ आने	„	दो आने पाती
„ गोयदी	७२५)	७००)	„	१-) पाती
„ सुखियो	५००)	३७५)	„	१) ,
„ हरिपुरो	२८१)	२८१)।	„	१) „
„ वरजण	२००)	२००)	„	दो आने „
„ महाराज पुरो	३७५)	३७५)	„	१) „
„ रामपुरो	—	—	„	१) „

गांव रेख कदीम हमार भरे परगना विशेष
 पीढियें—: ११. समरथसिघ-चैरीसालोत १२. दुरजण साल १३. सभा सिघ
 १४. अभैसिघ

मारोण पुरो—	१३२५)	१३५०)	मारोठ	
„ हरियोणी	१४००)	१४००)	„	
„ मुवाणो	१०२५)	१०२५)	„	आधी पांती
„ बाजणो	३३७)॥	३३७)॥	„	
„ घाटवो	३१५०)	३१६२)॥	„	
„ सिमरथपुरो	—	—	„	
„ वरजण	४००)	४००)	„	पाव पाती
„ तोडरी (रूपपुरो)	२२०)	२१८)॥	„	दो पाती
„ इडोली	१०४३)	१०४३)	„	साढे छ आने पाती
„ मोगलोदो	६७५)	६७५)	„	आघो
„ सिरसी	६३७)॥	६३७)॥	„	पाव पाती
„ डावली	१३२५)	१३५०)	„	
„ इन्द्रोखो	५६८)॥	५६८)॥	„	
„ काकरो रों वास	—	—	„	
„ जावली	२०००)	००)	मेड़तो	
„ पुडी	१५००)	००)	„	

पीढियें—: १०. हरिसिघ-इन्द्रसिघोत ११. अरजणसिघ १२. अजीतसिघ
 १३. श्यामसिघ १४. रतनसिघ १५. राजसिघ १६. रामसिघ
 १७. जुहारसिघ

गाँव नडवो	५०००)	५०००)	दोलत पुरो	
„ मागलोदो	३७५)	३३७)॥	मारोठ	। पाती
„ सिरसी	६५०)	६३७)॥	„	। „
„ गोयंदी	१०८७)॥	१०५०)	„	छ: आने „
„ माघा सुरतो	६५०)	६५०)	„	आघो
„ फरडोद	१००००)	—	नागोर	

पीढियें—: १०. जोषसिघ-इन्द्रसिघोत ११. मोतीसिघ १२. नोनदसिघ
 १३. दुरजण साल १४. सिवदानसिघ १५. प्रतापसिघ

गाँव वासां— ४०००) ४०००) दोलतपुरा

गाँव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गाँव वासां—	४०००)	४०००)	दोलतपुरा	
„ मुडीयो	४०००)	४०००)	„	
„ नोसर	१५००)	१५००)	„	
„ मागलोद	३२५)	३३७॥)	मारोठ	पाव पांती
„ सीरसी	६५०)	६३७॥)	„	„ „
„ गोयंदी	१०५०)	१०५०)	„ छः आने	„
„ माथा सुतो	६५०)	६५०)	„	आधी पाती

पीढियें—: ११. रणजीतसिंह जोधसिंघोत*

१२. सुरतानसिंघा

१३. बखतावरसिंह

१४. देवीसिंह १५. सुरजभाण

खंड अंक रे पेटे—

गाँव मंगलाणो गुढी—	४०००)	३६००)	मारोठ
„ भूणी	१३१२)	१३१२॥)	„
„ ईडोली	२६६)	२७०)	„
„ सीरसी	६४०)	६३७॥)	पाव, पाती
„ राजावास	१७५०)	१७५०)	„
„ वाजणो	३४०)	३३७॥)	„ पाव पाती
„ वरजण	४००)	४००)	„
„ चीतावो	१६२५)	१६२५)	„ आधी „
„ ईदोखो	५६२॥)	५६२॥)	„
„ सीडीयावास	१४००)	१४००)	„

पीढियें—: १०. बखतसिंह ईंदरसिंघोत

११. मुज्राणसिंह

१२. अमानसिंह

१३. फतेसिंह १४. सीरदारसिंह १५. भेरूसिंह

बंट हूजो—

पीढियें—: ११. जीवणसिंह* बखतसिंघोत*

१२. हणवतसिंह

१३. विसालसिंह

१४. मिलापसिंह १५. मंगलसिंह १६. भारथसिंह १७. हिमतसिंह

† यह मरहठों से हुई मुठभेड मे सवत् १८४४ मे आवण सुद १३ को काम आया ।

* मरहठा माधोराय से स १८४४ मे युद्ध हुआ उसमे काम आया ।

१ ठि नडवो के (१०) ठाकुर जोधसिंह का पुत्र ।

२. ठि. मंगलाणो गुढी के (१०) ठाकुर बखतसिंह का पुत्र ।

गाव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गांव झिलियो—	१३०५)	१३०५)	मारोठ	आसाभी ३ रे
„ आसापुरो	४००)	४००)	„	छः आने पांती
„ वाटलीयो	८५०)	८५०)	„	पाव पांती
„ हुडील	११२५)	११२५)	„	छः आने पांती
„ परवेडी	६५२)	६५३)	„	छः आने पांती
„ सीऊ	१३००)	१३००)	„	आधी पांती
„ अणदपुर	४१७)	४१७)	„	छः आने पांती
„ मुड घसोई	५८४।)	५०९।।)	„	तीन आने पांती
„ चारणवास	१८१।)	१८१)	„	छः आने पांती
„ भीलाल	३७५)	३१८)	„	छः आने पांती
„ खोसी (दलेलपुरो)	७६७।।।)	३२६।)	„	साढे पांच आने पांती
„ सवाईपुरो	१०००)	१०००)	„	—
„ अभेपुरीयो	१०००)	१०००)	„	—
„ फोगालो	३०००)	३०००)	नावा	

बंट श्रेक में—

पीढिये—: ८. विजैसिंघ-रूधनाथसिंघोत ९. सांवतसिंघ १०. जसवंतसिंघ ११. नवनदसिंघ
१२. दुरजणसाल १३. चांदसिंघ १४. भगवतसिंघ

गाव झिलियो	६५२।।)	०	मारोठ	तीन आने पांती
„ आसापुरो	२००)	०	„	दो आने पांती
„ वाटलियो	४२५)	०	„	दो आने पांती
„ हुडील	५६२।।)	०	„	तीन आने पांती
„ परवेडी	३२६।।)	०	„	तीन आने पांती
„ अणदपुरो	२०८।।)	०	„	तीन आने पांती
„ मुडगसोई	२५५)	०	„	छः पैसे पांती
„ चारणावास	९७।।)	९०।।)	„	तीन आने पांती
„ भीलाल	१८६)	१५९)	„	तीन आने पांती
„ खोसी (दलेलपुरो)	१९५) पांच आने	१६३।)	„	पांच पैसे पांती
„ सीऊ	६५०)	०	„	पाव पांती

बंट हुआ री—

पीढिये—: सूरसिंघ सावतसिंघोत ११. ईनरीसिंघ १२. ऊदेभाण १३. बलवतसिंघ
१४. सिवसिंघ

गांव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गांव झिलियो—	६५२॥)	०	मारोठ	तीन आने पाती
„ आसापुरो	२००)	०	„	दो आने पांती
„ बाटलियो	४२५)	०	„	दो आने पाती
„ हुडील	५६२॥)	०	„	तीन आने पाती
„ भीलाल	२२६॥)	१५६)	„	तीन आने पाती
„ सीऊ	६५०)	०	„	पाव „
„ अणद पुरो	२००॥)	२०८॥)	„	तीन आने पाती
„ मुड गसोई	२५५)	०	„	आधी पाती
„ चारणवास	६०॥)	६०॥)	„	तीन आने पाती
„ खोसी (दलेल पुरो)	०	१६३॥)	„	पाच पैसे पाती
„ परवेडी	३२६॥)	३२६॥)	„	तीन आने पाती

बंट तीजा री—

पीढ़ियें— भवानीसिंघ-सावतसिंघोत्^१ ११. डुगरसिंघ १२. रामप्रतापसिंघ
१३. मोहनसिंघ १४. सवाईसिंघ

गांव सरगोठ—	५०००)	०	दरीवे नावा	खेडां ३
„ मुड गसोई	१४००)	१४०६)	मारोठ	आधी
„ हुडील	३५०)	०	„	दो आने पाती
„ ढाणीया	२०००)	१५००)	„	
„ गुगर गवाड	३०००)	२६००)	„	
„ कुकडवाली	४७०)	०	„	
„ अडकसर	१५५०)	१५२५)	„	आधी पाती
„ बाटलीयो	१७५०)	१७००)	„	आधी पाती
„ खोसी (दलेल पुरो)	८५०)	६४५)	„	पाच आने पाती
„ विजेपुरो	१०००)	०	„	
„ नोलासीयो	२०००)	१६७५)	„	
„ कालोली	१२५०)	१२३८)	„	
„ रगनाथपुरो	६००)	६३७॥)	„	

पीढ़ियें— ६. पदमसिंघ-विजेसिंघोत्^२ १०. दौलतसिंघ ११. दीपसिंघ १२. माधोसिंघ

१ पहली पाती (झिलियो ठि.) के (६) ठाकुर सावतसिंह का पुत्र ।

२ ठि झिलियो (पहला बट) के (८) ठाकुर विजयसिंह का पुत्र ।

(कांम [आयो] भवर री राड़ मे संवत् १८४६ चैत सुद ६) १३. जोरावरसिंघ
१४. बखतावरसिंघ १५. प्रतापसिंघ १६. बेरीसाल

गाव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गांव कूकड़वाली—	६४०)	६४०)	मारोठ	
„ तोडरो (हपपुरो)	३२८)	३२८)	„	
„ रुगनाथपुरा	२६०)	२६०)	„	
„ अड़कसर	७६२)	७६२॥)	„	
„ तोडावास	१३००)	१३००)	„	

पीढिये—: ६. मोहनसिंघ-विजेसिंघोत* १०. हीदुसिंघ ११. नवलसिंघ १२. हरनाथसिंघ
१३. चतरसिंघ १४. पोपसिंघ

गांव लिचाणो—	१५००)	१४००)	मारोठ	आधो बंट
„ डुंगरपुरो	५५५)	४१२॥)	„	आधो बंट
„ खोसी (दलेल पुरो)	४३१)	३२६॥)	„	छ आने पाती
„ धोकलीयो	३५०)	३००)	„	छ आने पाती
„ गोगोर	७६०)	६७०॥)	„	साढे तीन आने पाती
„ गुढो	१०००)	०	नावा	—

बंट पेला में—

पीढिये—: ६. फतेसिंघ विजेसिंघोत* १०. नाहरसिंघ* ११. सुरतानसिंघ १२. जवानसिंघ
१३. सिवदानसिंघ १४. अमानसिंघ

गांव लीचाणो—	१५००)	१४००)	मारोठ	आधो
„ डुंगर पुरो	४००)	४१२॥)	„	सवा सात आने पाती
„ खोसी(दलेलपुरो	३४५)	३२६॥)	„	साढे सात आने पाती
„ धोकलीयो	३००)	३३७॥)	„	साढे पाच आने पाती
„ गोगोर	४६०)	४०७॥)	„	साढे तीन आने पाती
„ गुढो	१०००)	०	„	नावा

बंट दूजा में—

पीढिये—: १०. दुलेसिंघ फतेसिंघोत ११. जेतसिंघ १२. ऊमेदसिंघ १३. मेरुसिंघ
१४. भगोतसिंघ

* यह राजगढ मे संवत् १८२३ मे लड़कर काम आया ।

१ झिलियो (पहला बंट) के (८) ठाकुर विजयसिंह का पुत्र ।

२. ठि. झिलियां (पहला बंट) के (८) ठाकुर विजयसिंह का पुत्र ।

गांव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गांव हवसपुरो—	१०००)	०	दरीवे सांभर	आघो

पीढ़ियें—: १३. दीनसिंघ जवानसिंघोत^१ १४. पिरथीसिंघ १५. रिङ्गमलसिंघ

गांव नयावडी—	३०००)	३०००)	मेड़ता	पाती आघ में
--------------	-------	-------	--------	-------------

पांती आघ में—

पीढ़ियें—: ११. किसनसिंघ-नाहरसिंघोत^२ १२. वनेसिंघ १३. सोभासिंघ.

पांती आघ में—

पीढ़ियें—: १२. प्रतापसिंघ किसनसिंघोत १३. बलवतसिंघ

गांव जावदी नगर—	५००)	०	दरीवे नावा	पांती आघी
,, तोडरो रूपपुरो	१६५)	१६४।)	मारोठ	
,, कुकणवाल	४७०)	४७०)	"	
,, अरडकसर	३६१)	३८१।)	"	
,, रुगनाथपुरो	२६०)	२६०)	"	
,, कारोली	२७५)	२७५)	"	
,, तोडावास	६५०)	६५०)	"	

पांती आघ रो बंट (पहली)

पीढ़ियें—: ६. वाहादरसिंघ-विजेसिंघोत^३ १०. अरजनसिंघ ११. मगलसिंघ

१२. हणवतसिंघ १३. हीमतसिंघ १४. भेरूसिंघ १५. रामसिंघ

गांव जावदी नगर—	१५००)	०	नावा	पांती आघी
,, तोडरो (रूपपुरो)	१६५)	१६४।)	मारोठ	"
,, कुकणवाली	४७०)	४७०)	"	"
,, अरडकसर	३८०)	३८१।)	"	"
,, रुगनाथपुरो	२६०)	२६०)	"	"
,, कारोली	१३५)	१३७।।)	"	"
,, तोडावास	६५०)	६५०)	"	"

पांती दूसरी आघ रो—

पीढ़ियें—: १०. बक्सीराम-बहादुरसिंघोत^४ ११. कनीराम १२. शिवनाथसिंघ

१३. अमानसिंघ १४. केशुसिंघ

१. ठि लिचाणा (पहला बट) के (१२) ठाकुर जवानसिंह का पुत्र ।

२. ठि. लिचाण (बट पहला) के (१०) ठाकुर नाहरसिंह का पुत्र ।

३. ठि सिलियो (बट पहला) के (८) ठाकुर विजयसिंह का पुत्र ।

४. ठि. जावदी नगर (पात आघ पहली) के (६) ठाकुर बहादुरसिंह का पुत्र ।

गांव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
देवली—	३०००)	००)	नावा	

पीढियें—: १०. भारतसिंघ-बहादुरसिंघोत ११. तेजसिंघ १२. जीवणसिंघ
१३. सकरसिंघ

गांव देवली बडी—	६०००)	६०००)	मारोठ	आसामी दो रे
पांती आध में रेख —	३०००)			

पीढियें—: ८. अमरसिंघ-रघुनाथसिंघोत ९. रामसिंघ १०. रायसिंघ ११. सूरसिंघ
१२. दलेलसिंघ १३. दुलेहसिंघ - १४. लुणकरण १५. रिडमलसिंघ
१६. प्रतापसिंघ

पांती आध में रेख— ३०००)

पीढियें—: ८. किशोरसिंघ-रघुनाथसिंघोत ९. सेरसिंघ (काम आयो हिन्दोण री राड़ मे
सं. १८०७ रा) १०. सवाईसिंघ ११. नाहारसिंघ १२. सिरदारसिंघ
१३. उत्तमसिंघ १४. कितनसिंघ १५. दानसिंघ १६. बलवतसिंघ
-१७ सलावतसिंघ

गांव मीठड़ी	५५००)	००)	नावा	रेख भरे नही
„ कासेड़ो	१०००)	००)	„	„
„ उलाणो	१५००).	००)	„	„
„ बावली खेडो	२५००)	००)	„	„
„ पलाडो	११००)	११००)	मारोठ	„
„ बटाणो	१०००)	१०००)	„	„
„ गेलासर	३५००)	३०००)	परवतसर	„
„ इन्द्रोको	२०००)	२०००)	„	„
„ भुम्भडो	३०००)	३०००)	नागोर	आसामी दो रे
„ बासणो	३०००)	३०००)	„	„
„ खेडो लालीयो	८००)	८००)	मेडता	„
„ बोक्ली	२५००)	२५००)	„	„
„ सातलास	५०००)	५०००)	„	„
„ सेखपुरो	१५००)	१५००)	„	„
„ नीवोलो	३०००)	३०००)	„	„

पांती आध में—

पीढ़ियाँ—: ६. सघतसिंघ-किसोरसिंघोत^१ १०. रिडमलसिंघ ११. जवानसिंघ
१२. बेरीसाल १३. नाथूसिंघ १४. प्रतापसिंघ

पांती आध में—

पीढ़ियाँ—: १४. बहादुरसिंघ-नाथूसिंघोत^२

गांव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गांव केराप—	५०००)	५०००)	कोलीयो	
„ वसीर सलो	२५००)	२५००)	मेड़ता	
„ सिरदारपुर	१०००)	१०००)	दोलतपुर	
पीढ़ियाँ —: ११. फतेसिंघ-रिडमलसिंघोत ^३ १२. जोरावरसिंघ १३. उदयभाण				
गांव खारडीयो—	२०००)	००)	नावा	आसामी. ३ २
„ मोहनपुरो	८००)	००)	„	„

पांती आध में— रेख १४००)

पीढ़ियाँ—: १०. अगारसिंघ-सघतसिंघोत^४ ११. कनीरांम १२. विजयसिंघ

पांती चौथी मे रेख— ७००)

पीढ़ियाँ—: १०. नाहरसिंघ-सघतसिंघोत^५ ११. मोहवतसिंघ

पांती चौथी रेख में— ७००)

पीढ़ियाँ—: ६. बनेसिंघ-किसोरसिंघोत^६ १०. अभयसिंघ ११. दानसिंघ
१२. लिखमणसिंघ

गांव कुचामण —	५०००)	०	नावा	नादकार है
„ पालोडो	११००)	१०५०)	मारोठ	
„ पालडी	१४५०)	१४५०)	„	
„ भगवानपुरो	६०००)	२०००)	„	
„ मोलासर	६०००)	३०००)	दोलनपुरा	

१ ठि देवली बड़ी दूसरी पांती के (८) ठाकुर किसोरसिंह का पुत्र ।

२ ठि, मीठडी की पहली पांती के (१३) ठाकुर नाथूसिंह का पुत्र ।

३. „ „ „ „ (१०) „ रिडमलसिंह का पुत्र ।

४. „ „ „ „ (६) „ सघतसिंह का पुत्र ।

५ „ „ „ „ (६) „ „ „ ।

६ ठि, देवली बड़ी (दूसरी पांती) के (८) ठाकुर किसोरसिंह का पुत्र ।

गांव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गांगवो	१००००)	७०००)	परवतसर	
जुसरी	४०००)	४०००)	,	
भवाल	७५००)	३०००)	मेडता	
मोडी	५०००)	३०००)	"	
खेड़ी दुजी	१०००)	५००)	"	
सीतावट	४०००)	२०००)	,	
डेगाणो	६२५०)	६२५०)	"	
खेड़ी सीला	२०००)	२०००)	"	
ओटीयाणो	३०००)	१५००)	"	
खेडूली	३०००)	३०००)	"	
रीड	६०००)	३०००)	,	
<hr/>				
कुल रेख—	५०००)	०	दरीवे नावा	
	८५५०)	४५००)	परगना मारोठ रा गांव	
	६०००)	३०००)	परगना दौलतपुरो रा गांव	
	१४०००)	११०००)	परगना परवतसर रा गांव	
	३७७५०)	२४२५०)	परगना मेडता रा गांव	
<hr/>				
	७१३००)	४२७५०)		
पीढियेँ— ६ जालमसिंह१ किसोरसिंघोत* १०. सभासिंह* ११. सुरजमल†				
१२. सिवनाथसिंह १३. रणजीतसिंह १४. केसरीसिंह				
गांव चोलुखो—	३०००)	३०००)	दौलतपुरा	
आसावरी	१०००)	१०००)	नागौर सवा पांच आने पांती	
पीढियेँ—: १५. माघोसिंह-केसरीसिंघोत* १६. सवलसिंह				
गांव बुखवास—	१०००)	१०००)	कोलिया	
पीढियेँ—: १५. देवीसिंह-केसरीसिंघोत*				

§ जालमसिंह बुढावास नामक स्थान पर मवत् १८०७ मे आसोज सुद ६ को युद्ध मे काम आया इनके वणज जालिमसिंघोत कहलाते हैं ।

* सभासिंह मरहटा माघोराय से १८४४ श्रावण मे युद्ध हुआ उसमे मारा गया

† यह झवर मे संवत् १८४६ मे चैत्र ६ को काम आया ।

१. ठिकाना देवली बडी (दूसरी पाती) के (८) ठाकुर किमोरसिंह का पुत्र ।

२. ठि. कुचामन के (१४) ठाकुर केसरीसिंह का पुत्र ।

३. " " (१४) " " " ।

गांव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गांव आसावरी—	१० ०)	१०००)	नागौर सवा पाच आने पाती	
पीढ़ियें—: १४. केसरीसिंह-रणजीतसिंहोत् ^१		१५. बनेसिंह		
गांव आसावरी—	१०००)	१०००)	नागौर साढे पाच आने पाती	
पीढ़ियें—: १३. बलदेवसिंह-सिवनाथसिंहोत् ^२		१४. बाहादरसिंह १५. जसवतसिंह		
गांव फोगडी—	४०००)	२५००)	दौलतपुरा	
पीढ़ियें—: १२. अमानसिंह-सुरजसिंहोत् ^३		१३. सपतसिंह		
गांव लादडीयो—	४०००)	४०००)	दौलतपुरा	
पीढ़ियें—: १३. सवाईसिंह-अमानसिंहोत् ^४				
गांव पलाडो—	११००)	११००)	मारोठ	
पीढ़ियें—: १२. हरनाथसिंह-सुरजमलोत् ^५		१३. सगतीदान १४. दुरजणसाल		
गांव नीबी—	१५००)	१०००)	दौलतपुरा	
„ डीगाल	१५००)	१५००)	„	
„ चुगनी	२०००)	२०००)	„	
„ साहवास	१०००)	१०००)	„	
„ खुडी	२०००)	२०००)	„	
„ पाथी	३०००)	३०००)	नागौर	
पीढ़ियें—: १२. लिछमणसिंह-सुरजमलोत् ^६		१३. बिडदसिंह १४. सावतसिंह		
१५. मेगसिंह				
गांव अलतवो	६२५०)	६२५०)	मेडतो	
„ पालडी	८३००)	८३००)	„	
पीढ़ियें—: ११. जवानसिंह-सभासिंहोत् ^७		१२. हणवतसिंह १३. रामनाथसिंह		
१४. बखतावरसिंह		१५. सिवसिंह		

† सिधिया माधोराय से सवत् १८४७ मे मेडते मे युद्ध हुआ वहा काम आया ।

- १ ठि कुचामन के (१३) ठाकुर रणजीतसिंह का पुत्र ।
२. „ „ (१२) „ सिवनाथसिंह का पुत्र ।
३. „ „ (११) „ सुरजमल का पुत्र ।
४. „ फोगडी के (१२) „ अमानसिंह का पुत्र ।
५. „ कुचामन के (११) „ सुरजमल का पुत्र ।
६. ठि. कुचामन के (११) ठाकुर सुरजमल का पुत्र ।
- ७ „ „ „ (१०) „ सभासिंह का पुत्र ।

गाव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गाँव डोडीयांणो	८०००)	८०००)	मेड़तो	
„ लाडपुरो	६२५०)	६२५०)	„	
„ घांमाणीयो	१०००)	१०००)	„	
„ मु दीयाड	३०००)	३०००)	„	
„ जसवतपुरो	३०००)	३०००)	,	
„ मुडीयो	२५०)	२५०)	„	
	२१५००)	२१५००)		
गाँव पीपलाद—	२५००)	२५००)	परवतसर	
„ नीबोलो	५०००)	५०००)	„	
„ सामपुरो	२५००)	२५००)	„	
„ छीतरोली	५००)	५००)	„	
	१०५००)	१०५००)		
कुल रेख—	३२०००)	३२०००)		
पीढियें— १०. पाहाड़सिंघ-जालमसिंघोत ^१ ११. रतनसिंघ १२. सादुलसिंघ १३. विसनसिंघ				
गाँव कीडीयो—	१०००)	१०००)	मेड़ता	खवासवाल
पीढिये —: १४. रामसिंघ-विसनसिंघोत ^२ खवास रो				
गाँव लापोलाई—	७५००)	७५००)	मेड़ता	
„ मीडकीयो	२५००)	२५००)	परवतसर	
„ पीडवो	३०००)	३०००)	„	
पीढियें — ११. करणसिंघ-पहाड़सिंघोत ^३ १२. अमरसिंघ १३. चतरसिंघ १४. नाथूसिंघ				
गाँव रोहीसडो—	६२५)	६२५)	मेड़तो	

१. ठि. कुचामन के (६) ठाकुर जालिमसिंह का पुत्र ।

२. ठि. पीपलाद के (१३) ठाकुर विसनसिंह का पुत्र ।

३. ठि. „ „ (१०) ठाकुर पहाड़सिंह का पुत्र ।

पीढ़ियाँ—: ११. गोकलदास-पाहाड़सिंघोत^१ १२. जसवंतसिंघ

गांव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गांव भदलियो—	४०००)	३०००)	दौलतपुरा	
„ सारसंडो	३०००)	३०००)	मेड़ता	
„ मीडकीयो	२०००)	२०००)	परवतसर	
„ जवालियो	४०००)	४०००)	गोढवाड	
	१३०००)	१२०००)		

पीढ़ियाँ—: १०. सरूपसिंघ-जालमसिंघोत^२ ११. जोरावरसिंघ १२. धीरतसिंघ
१३. बेरीसाल

गांव जावो सीसोदीयो— ३२००) ३२००) मेड़ता

पीढ़ियाँ—: ११. फतेसिंघ-सरूपसिंघोत^३ १२. मगलसिंघ १३. मेघसिंघ
१४. सवाईसिंघ

गांव धराकोली— ७०००) ७०००) दौलतपुरा

पीढ़ियाँ—: १०. सुरताणसिंघ-जालमसिंघोत^४ ११. मालमसिंघ १२. सिवदानसिंघ
१३. हुकमसिंघ १४. पिरथीसिंघ १५. सगतीदात १६. पावुदान

गांव सुदरासरा— ६०००) ६०००) दौलतपुरा

पीढ़ियाँ—: १०. बँनसिंघ-जालमसिंघोत^५ ११. सालमसिंघ १२. जीवणसिंघ
१३. बखतावरसिंघ

गांव आछोजाई— ३०००) ३०००) मेड़ता

„ गीनरडो ४०००) ४०००) „
„ सिरदारपुरा २०००) २०००) „

पीढ़ियाँ—: १०. दलसिंघ-जालमसिंघोत^६ ११. सिरदारसिंघ १२. लखधीरसिंघ
१३. केसरीसिंघ

१ ठि पीपलाद के (१०) ठाकुर पहाड़सिंह का पुत्र ।

२ ठि कुचामन के (६) ठाकुर जालिमसिंह का पुत्र ।

३. ठि. भदलियो के (१०) ठाकुर सरूपसिंह का पुत्र ।

४. ठि कुचामन के (६) ठाकुर जालिमसिंह का पुत्र ।

५. ठि „ „ „ „ „ „ ।

६. ठि. „ „ (६) „ „ „ ।

पांती अंक—

गाव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गाँव लूणवो—	२६६०)	२६६०)	मारोठ	आसामी ५ रे I— पांती
„ पीपराली	१७६७)	१७६६)	„	II = II पांती
„ सुरतपुरो	७५०)	११२५)	„	
„ आभावास	२०००)	२१५०)	„	
„ काठीयो	१३५०)	१३५०)	„	
„ ठीकरीयो	१०८०)	१०८०)	„	II) III पांती
„ नानणो	१४५०)	१४५०)	„	
„ रावा	१५००)	१५००)	„	

पांती अंक—

- पीढिये—: ६. सेरसिंघ-किसोरसिंघोत^१ १०. सुरतसिंघ ११. भारथसिंघ
१२. मिलापसिंघ १३. देवीसिंघ १४. रणजीतसिंघ १५. जोरावरसिंघ
१६. वखतावरसिंघ

पांती दूजी—

गाँव लूणवो—	२१३४)	११२१)	मारोठ
„ चाँवडीयो	१०००)	५००)	„
„ घडवांणो	६००)	६००)	„
„ नगवाडो	१०००)	१०००)	„
„ पीपराली	१७६५)	१७६६)	„
„ ठीकरियो	४८०)	४८०)	„
„ सवाईपुरो	६७२)	६७२)	„
„ गोगोर	८००)	८००)	„

- पीढिये—: १०. सवाईसिंघ-सेरसिंघोत^२ ११. गजसिंघ १२. रिदसिंघ १३. संकरदांन
१४. सुरजभाण

पांती तीजी—

गाँव लूणवो—	६००)	६००)	मारोठ	= पांती
„ सुरतपुरो	३७५)	१८७II)	„	I) III „

१ ठि देवली वडी (दूसरी पांती) के (८) ठाकुर किसोरसिंह का पुत्र ।

२ ठि लूणवो की (पहली पांती) के (६) ठाकुर सेरसिंह का पुत्र ।

गाँव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
„ पीपराली	११७६)	११७६)	मारोठ	पाव पांती
„ लोहराणो	१४१०)	१४१०)	„	॥ = ॥॥ पांती
„ पोदी	२०००)	०)	सांभर	॥) „

पीढ़ियें—: १०. सिरदारसिंघ-सेरसिंघोत^१ ११. सुजाणसिंघ १२. भेरूसिंघ
१३. दोलतसिंघ १४. समरथसिंघ १५. किसनसिंघ

पांती चौथी—

गाँव लुणवो—	५६४)	५६७)	मारोठ	छः पैसे पांती
„ सुरतपुरो	३७५)	१८७॥)	„	॥)॥) „
„ पीपराली	५६०)	५६०)	„	≡) „
„ लोहराणो	६४०)	६४०)	„	॥)॥) „

पीढ़ियें—: ११. सोभागसिंघ-सिरदारसिंघोत^२ १२. जगरामसिंघ १३. किलयाणसिंघ
१४. पदमसिंघ १५. प्रभूदान १६. सिवनाथसिंघ

पांती पांचवी—

गाँव लुणवो—	११२१)	११२१)	मारोठ	पाव पांती
„ ठीकरियो	२४०)	२४०)	„	= ॥ पांती
„ सवाईपुरो	७५०)	६७५)	„	पाव पांती
„ घणवाली	६००)	६००)	„	आधी पांती
„ गोगोर	८०८)	८०८)	„	„ „
„ चावडीयो	५००)	५००)	„	„
„ नगवाडो	१०००)	१०००)	„	आधी „

गाँव कुणी—	३०००)	०)	दरीवे नावा	पाव पांती
„ मिसरीपुरो	३०००)	०)	„	„
„ बेरी बडी	५०००)	५०००)	दौलतपुरा	„
„ मोडीयाव	४०००)	४०००)	„	„
„ खाखलो	५०००)	५०००)	„	„
„ बेरी खुदं	२०००)	२०००)	„	„
„ पावली	२०००)	२०००)	„	„

१. ठि. लूणवो (पहली पांती) के (६) ठाकुर सेरसिंह का पुत्र ।

२. ठि. „ „ (तीसरी पांती) के (१०) ठाकुर सिरदारसिंह का पुत्र ।

विगत पटा रा गाँवां री परगना वार आसांमी ५ री—

गांव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
	३१०८७)	३१०८७)	परगना मारोठ रा गांव	
	०	०	दरीवे साभर रा गांव	
	६०००)	०	दरीवे नांवा रा गांव	
	१८०००)	१८०००)	अगना दोलतपुरा रा गांव	
	५५०८७)	४६०८७)	कुल	
गांव बावडी —	४०००)	४०००)	दोलतपुरा	

पीढिये—: ९. सेरसिध-किसोरसिधोत^१ १०. जगतसिध ११. सगतसिध १२. दलेलसिध
१३. जेसवतसिध १४. जोरावरसिध १५. हमीरसिध

गांव मांडल देवां— ३१५०) १०००) मेड़तो

पीढिये—: ११ संतोखसिध-जगतसिधोत^२ १२. सोभासिध १३. मोवतसिध
१४ अजीतसिध

गांव पांचोतो—	२४००)	२४००)	मारोठ	॥ = पाती
„ राणासर	३७५०)	३७५०)	„	
„ नालोट	२४००)	२४००)	„	
„ पनवाडी	६७५)	६७५)	„	
„ मडावरो	१५५०)	१५५८)	„	॥ ≡ ॥ पाती
„ सीरोई	२६५०)	२६५०)	„	२ आसामी
„ सिभूपुरा	१७००)	१७००)	„	
„ खोरडी	६५०)	६५०)	„	आधो
„ खोरडो	११३०)	०	„	„
„ काखडकी	६०००)	०	दरीवे नावा	„

पांती अंक में— (मारोठ रा पांच मेहलां में)

पीढिये—: ८. हठीसिध-ह्गनाथसिधोत ९. सिभुसिध १०. देवीसिध ११. बाघसिध
१२. बिसनसिध १३. स्यामसिध १४. फतेसिध १५. पनेसिध

गांव पांचोतो— २१५०) १८००) मारोठ ॥ = पाती

१ ठि देवली बडी (दूसरी पाती) के (८) ठाकुर किसोरसिंह का पुत्र ।

२ ठि. बावडी के (१०) ठाकुर जगतसिंह का पुत्र ।

गाव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना,	विशेष
„ जीजोट	१६७५)	१६७५)	मारोठ	
„ खोरडी	६५०)	६५०)	„	आधी पांती
„ रसाल	४०००)	४०००)	„	
„ मडावरो	११५०)	११४२)	„	- 1)॥ पांती
„ खोरडो	११६०)	११४२)		
„ कवरासो	१५००)	०)	दरीबे साभर	
„ रसुलपुरो		०)	„	
„ रिणगीयो	५००)	०)	„	

पांती हूजी रा—

पीढियें— ६. भिवसिंघ-हठीसिंघोत^१ १०. भावसिंघ ११. कायमसिंघ १२. मंगलसिंघ
१३. प्रतापसिंघ

गांव छूदियां— ४०००) २५००) मेड़ता

पीढियें— १०. भोपालसिंघ-सिवसिंघोत^२ ११. बुदसिंघ १२. मंगलसिंघ* १३. अखेसिंघ
१४. माघोसिंघ

गांव पांचवां— (खेडा ४ सु)	५०००)	०	मारोठ
„ करकेडी	२५००)	०	„
„ देवलीखुदं	२१००)	०	„
„ बापडी	२२५०)	०	„
„ सबलपुरो	५००)	०	„
„ मंगलपुरो	५००)	०	„
„ कोटडो	६००)	०	„
„ राजलीयो	११२५)	०	„
„ दांनपुरो	११२५)	०	„
„ ठीकरीयो	१२७५)	०	„
„ अखेपुरो	१२७५)	०	„
„ काकोट	६००)	०	„
„ पेमपुरो	६००)	०	„
„ रूणीजो	२०५०)	२०५०)	परबतसर

* काम आया गलीमो की राड मे स १८११ मे

१ ठि पाचोतो (पहली पांती) के (८) ठाकुर हठीसिंह का पुत्र ।

२. „ „ „ (दूसरी पांती) „ (६) „ सिवसिंह का पुत्र ।

पीढिये—: ८. अणदसिध-रुगनाथसिधोत ९. पेमसिध १०. राजसिध ११. सुजाणसिध
१२. भेरुसिध १३. भारथसिध १४. मोवणसिध १५. सिवदानसिध
१६. अगर्सिध

गांव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गाँव नीबोद—	६०००)	६०००)	दोलतपुरा	
,, खारीयो	३०००)	०	दरीवे नांवा	
,, सीरसी	—	—	मारोठ	
,, गोपदी	—	—	"	

पीढिये—: ९. मानसिध-अणदसिधोत^१ १०. दीपसिध ११. जू जारसिध
१२. मालमसिध १३. देवीसिध १४. सादुलसिध १५. रामसिध

गाँव भयो-वडो— ५०००) ५०००) मेड़तो

पीढिये—: ६. जगनाथ-गोयददासोत^२ ७. पिरागदास ८. भावसिध ९. गोपीनाथ
१०. सिवसिध ११. लखधीरसिध १२. हरदानसिध १३. सकरदान
१४. समदरसिध

गाँव गेडी—	२०००)	२०००)	मेड़ता
,, खेडो अखेराज	१०००)	१०००)	"
,, हिंगवाणीयो	५००)	५००)	"

पीढिये—: ११. लखधीरसिध-सिवसिधोत^३ १२. रतनसिध १३. सुखसिध
१४. सिवनाथसिध १५. हणवत्सिध

गाँव सरनावडो—	६०००)	•	नागोर
,, भयो	२०००)	२०००)	मेड़ता
,, नावद	२०००)	२०००)	परवत्सर
,, वडावरो	२५००)	२५००)	"
,, हरसांणी	१५००)	१०००)	"
,, गोठडां	२०००)	२०००)	"

पीढिये—: १२. सालमसिध-लखधीरसिधोत^४ १३. फतेसिध १४. सरूपसिध
१५. देवीसिध

१. ठि पाचवा के (८) ठा. अणदसिह का पुत्र।

२. इसके वंशज गोयददासोत कहलाते हैं।

३. ठि. भयो वडो के (१०) ठाकुर सिवसिह का पुत्र।

४. ठि गेडी के (१०) ठाकुर लखधीरसिह का पुत्र।

गाँव	रेख कदीम	हेमार भरे	परगना	विशेष
गाँव डोभड़ी मंडा—	४००)	४००)	मेडता	,
„ सावलदास	७००)	७००)	„	

पीढ़ियें—: १०. सायबसिंह-गोपीनाथोत् ११. चादसिंह १२. कनीराम १३. दानसिंह
१४. विड़दसिंह १५. दीपसिंह

गाँव ईटावों बिरामणां रो—	६२५)	६२५)	मेडता	आधी पाती
„ पडवालो	१५००)	१५००)	„	

पांती अक रो—

पीढ़ियें—: ६. जसकरण-भावसिंहोत् १०. अणदसिंह ११. जोदसिंह १२. बुधसिंह
१३. सुमेरसिंह १४. फतेसिंह १५. सिवनाथसिंह १६. सुरताणसिंह

पांती हूजी रा—

गाँव ईटावों बिरामणां—	६२५)	६२५)	मेडता	आधी पाती
-----------------------	------	------	-------	----------

पीढ़ियें—: १३. पाहाडसिंह-सुमेरसिंहोत् १४. रामनाथ

गाँव ईटावों लाखो—	३०००)	३०००)	मेडता	आसामी २ रे
-------------------	-------	-------	-------	------------

पांती पेली आध में—

पीढ़ियें—: ११. भारथसिंह-अणदसिंहोत् १२. पाहाडसिंह १३. सलेसिंह
१४. बखतावरसिंह

पांती हूजी आध में—

पीढ़ियें—: १३. सूरसिंह-पाहाडसिंह १४. नाथूसिंह १५. संपतसिंह

गाँव ईटावों खीचियां—	१०००)	१०००)	मेडता	आसामी २ रे
----------------------	-------	-------	-------	------------

पांती पेली आध में—

पीढ़ियें—: १०. दोलतसिंह-जसकरणोत् ११. कानकसिंह १२. तेजसिंह
१३. कनीराम १४. ईसरीसिंह

पांती हूजी आध में—

१. ठि. भयो वडो के (६) ठाकुर गोपीनाथ का पुत्र ।

२. „ „ „ „ (८) „ भावसिंह का पुत्र ।

३. ठि ईटावों (विरामणा) के (१०) ठाकुर अणदसिंह का पुत्र ।

४. ठि ईटावों (लाखों) की पहली पाती के (१२) ठाकुर पाहाडसिंह का पुत्र ।

५. ठि ईटावों विरामणा (पाती एक) के (६) ठाकुर जसकरण का पुत्र ।

पीढिये—: ७. रामसिंघ-जगनाथोत^१ ८. रूपसिंघ ९. दोलतसिंघ १०. कनकसिंघ
११. घोरतसिंघ १२. भारथसिंघ १३. रुगनाथसिंघ १४. भीवसिंघ
१५. सूरसिंघ

गांव रेख कदीम हमार भरे परगना

गाँव जसवंतपुरो २०००) २०००) नागोर

पीढिये—: १०. सुज्जाणसिंघ-जसकरणोत^२ ११. केसरीसिंघ १२. समरथसिंघ
१३. रामसिंघ १४. लिछमणसिंघ १५. लालसिंघ

गाँव दमोई बड़ी— १५००) १५००) मेड़ता

पीढिये—: ९. कुंभकरण-भारथसिंघोत १०. आईदान ११. किलाणसिंघ १२. मालमसिंघ
१३. वखतावरसिंघ १४. हमीरसिंघ

गाँव दमोई खुरद— १०००) १०००) मेड़ता

पीढिये—: ९. विजैसिंघ-भावसिंघोत^३ १०. पेमसिंघ ११. जोधसिंघ १२. समानसिंघ

गाँव पालड़ी राजा ५००) ० मेड़ता

„ भूतावो १४००) ० „

पीढिये—: ९. खीवकरण-भावसिंघोत^४ १०. केसरीसिंघ ११. भोपालसिंघ १२. सुरजमल
१३. मगलसिंघ

गाँव डोभड़ी खुरद— १०००) ५००) मेड़ता

पीढिये—: ९. भगवतसिंघ-भावसिंघोत^५ १०. सिंभूसिंघ ११. सांवतसिंघ
१२. मोतीसिंघ १३. जोरावरसिंघ १४. रुगनाथसिंघ

गाँव रामसीयो— २५००) २५००) परवतसर

पीढिये—: ९. छतरसाल-भावसिंघोत^६ १०. जोधसिंघ ११. ईदरसिंघ १२. पिरथीसिंघ
१३. रामसिंघ १४. रिडमलसिंघ १५. सूरजमल १६. चतरसिंघ
१७. सुरताणसिंघ

गाँव खूडी— १०००) १०००) नागोर

१. ठि. भयो बडो के (६) ठाकुर जगन्नाथसिंह का पुत्र ।

२. ठि ईटावो विरामणा (पाती एक) के (९) ठाकुर जसकरण का पुत्र ।

३. ठि. भयो बडो के (८) ठाकुर भावसिंह का पुत्र ।

४. „ „ (८) „ „ „ ।

५. ठि. भयो बडो के (८) ठाकुर भावसिंह का पुत्र ।

६. „ „ (८) „ „ „ ।

पीढ़ियों—: ८. गोरधनदास-प्रागदासोत्^१ ९. जगतसिंघ १०. जोगीदास ११. दानसिंघ
१२. सभासिंघ १३. लिच्छमणसिंघ १४. ईंदरसिंघ १५. मंगलसिंघ

गांव रेख कदीम हमार भरे परगना विशेष

गांव रांणीगांव— २०००) २०००) नागोर

पीढ़ियों—: ११. गुमानसिंघ-जोगीदासोत्^२ १२. दुलैसिंघ १३. बाघसिंघ
१४. मोहवतसिंघ

गांव भवाद— २५००) २५००) परवतसर

पीढ़ियों—: ७. किसोरदास-जगनाथोत् ८. रायसिंघ ९. हींदुसिंघ १०. किलाणसिंघ
११. दानसिंघ १२. हरीसिंघ १३. गोपालसिंघ

गांव नोरंगपुरो— २०००) २०००) डीडवाणो आसामी २२

पांती पेली आघ मे—

पीढ़ियों—: ६. नाथो-गोयददासोत् ७. विदरावनदास-नाथावत ८. राजसिंघ
९. सेखराज १०. अजवसिंघ ११. मोहनसिंघ १२. बुधसिंघ
१३. गुलाबसिंघ १४. भूरसिंघ

पांती हूजी आघ में—

पीढ़ियों—: ९. अमरसिंघ-राजसिंघोत्^३ १०. हरीसिंघ ११. सवाईसिंघ १२. भारथसिंघ
१३. किसनसिंघ १४. अनाडसिंघ १५. विजैसिंघ

गांव बेहड़वो— ४०००) ४०००) दौलतपुरो

पीढ़ियों—: ७. फतेसिंघ-नाथावत ८. हिमतसिंघ ९. सीसराम १०. सीवसिंघ
११. भोमसिंघ १२. प्रतापसिंघ १३. सलेसिंघ

गांव भ्लाड़ोद— १५००) ७५०) दौलतपुरो कुचामण
री भायप

पीढ़ियों—: १०. सरूपसिंघ-जालमसिंघोत्^४ ११. किलाणसिंघ १२. स्यामसिंघ
१३. जसवतसिंघ

खांय माघोदासोत् मेड़तीया—

२. दूदो-जोधावत ३. वीरमदेव-दुदावत ४. जैमल-वीरमोत् ५. माघोदास, तिण रा वस
रा माघोदासोत् मेड़तीया कहीजे ।

१. ठि भयो वजो के (७) ठाकुर प्रागदास का पुत्र ।

२. ठि. खुडी के (१०) ठाकुर जोगीदास का पुत्र ।

३. ठि नोरंगपुर (पहली पार्टी) के (८) ठाकुर राजसिंह का पुत्र ।

४. ठि कुचामन के (९) ठाकुर जालिमसिंह का पुत्र ।

माधोदासोत मेडतीयां रा ठिकाणां री विगत—

गांव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गांव रीयां खास—	११२५१)	११२५१)	मेडता	
„ अरनीयालो	६०००)	६०००)	„	
„ ऊपादीयावास	५००)	५००)	„	
„ वहडवास	१८७५)	१७७५)	„	
„ अखावास	२७२७)	२७२७)	„	
„ जडाऊखेडा २	६२५०)	६२५०)	„	
„ सीरासणो	४५००)	४५००)	„	
कुल रेख	३६१०३)	३६१०३)		

पीढिये— ६. सुंदरदास-माधोदासोत ७. गोपालदास ८. प्रतापसिंघ ९. अचलसिंघ
 १०. कुसलसिंघ ११. सीरदारसिंघ १२. सुरजमल † १३. जवानसिंघ
 १४. वखतावरसिंघ १५. वीड़दसिंघ १६. सीवनाथसिंघ १७. देवीसिंघ
 १८. गभीरसिंघ १९. विजेसिंघ

गांव मेडास—	५०००)	५०००)	मेडती
पीढिये—: १६. स्यामसिंघ-विडदसिंघोत ^१		१७. लिछमणसिंघ	
गांव बीजाथल—	४०००)	४०००)	मेडता
„ भेसडो खुरद	४०००)	४०००)	„
„ कालीयाठडो	२०००)	२०००)	„
कुल रेख	१००००)	१००००)	

पीढिये—: १४. ईंदरसिंघ-जवानसिंघोत^२ १५. समरथसिंघ १६. सूरसिंघ

गांव चीखरणीयो-वडो—	७५००)	७५००)	मेडता
„ चीखरणीयो-खुर्द	३२५०)	३२५०)	„
कुल रेख	१०७५०)	१०७५०)	

† सुरजमल महाराजा वखतसिंघ व रामसिंह के बीच मेडता मे सवत् १८०७ मे मिगसर

सुद ६ को युद्ध हुआ उसमे काम आया ।

१. ठि रीयाखास के (१५) ठाकुर विडदसिंह का पुत्र ।

२. ठि रीयाखास के (१३) ठाकुर जवानसिंह का पुत्र ।

पीढियें— १३. मालमसिंह-सुरजमलोट^१ १४. जेतसिंह १५. सिवदानसिंह
१६. सुरताणसिंह

गाव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गांव चांदा रुग	२५००)	२५००)	मेडता	
„ मेहरासी	२८००)	२८००)	„	
„ माणकीयावास	३०००)	३०००)	„	
„ काटीयो	१२५०)	१२५०)	„	
„ धोलीयो	३००)	३००)	„	
<hr/>				
कुल रेख	६८५०)	६८५०)		

पीढियें—: ११. सुरताणसिंह-कुसलसिंहोट^२ १२. कनीराम † १३. सीवसिंह
१४. विसनसिंह १५. रणजीतसिंह १६. देवीसिंह १७. रामसिंह

गांव ईडवो— ८७७५) ८७७५) मेडता

पीढियें—; १०. जू जारसिंह-अचलसिंहोट^३ ११. वनेसिंह १२. सगरामसिंह
१३. नरसिंहदास* १४. हणवतसिंह-खोळे १५. हरीसिंह १६. बखसीराम
१७. रामनार्थसिंह

गांव धोलेराव बडो— ४०००) ४०००) मेडता

पीढिये - : १२. फकीरदास-वनेसिंहोट^४ १३. जैसिंह १४. मोहवतसिंह

गांव पोलास गाडेतीयां— १०००) १०००) मेडता

पीढियें —: १३. बाघसिंह-फकीरदासोट^५ १४. धीरतसिंह

गांव आलणीयावास— ११२२५) ११२२५) मेडता

„ नाथु री वासणी १०००) १०००) „
„ कीलाणी वासणी ६२५) ६२५) „

† कनीराम मरहटो के साथ हुए मेडता के युद्ध में सवत् १८४७ में काम आया।

* काम आया सवत् १८४७ भादवा सुद २ मेडते दिखणीया री फोज सु भगडो हुवो तरे।

१. ठि. रीया खास के (१२) ठाकुर सुरजमल का पुत्र।

२. „ „ (१०) „, कुसलसिंह का पुत्र।

३. ठि. रीया चास के (६) ठाकुर अचलसिंह का पुत्र।

४. ठि ईडवो के (११) ठाकुर वनेसिंह का पुत्र।

५. ठि धोलेराव बडो के (१२) ठाकुर फकीरदास का पुत्र।

गांव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
॥ पीपलीयो	७५०)	७५०)	मेड़ता	
कुल रेख	१३६००)	१३६००)		
पीढिये—:	६. राजसिंघ † प्रतापसिंघोत ^१	१०. किलार्णसिंघ	११. रामसिंघ	
	१२. लखधीरसिंघ १३. फकीरसिंघ	१४. भारथसिंघ	१५. हणवतसिंघ	
	१६. अजीतसिंघ १७. ऊदेसिंघ			
गांव बालोली जाटां—	६२५०)	६२५०)	मेड़ता	
॥ बीजारूण	२०००)	२०००)	॥	
कुल रेख	८२५०)	८२५०)		
पीढिये—:	६. गोकलदास-प्रतापसिंघोत ^२	१०. हीदुसिंघ	११. जोधसिंघ	
	१२. नीरभेराम १३. मोहवतसिंघ	१४. दोलतसिंघ	१५. बभूतसिंघ	
	१६. दुरजणसिंघ १७. भवानीसिंघ	१८. सगतसिंघ		
गांव नैणीयो—	२५००)	२५००)	परवतसर	
पीढिये—:	१०. हठीसिंघ-गोकलदासोत ^३	११. दीपसिंघ १२. वल्लराज	१३. मालमसिंघ	
	१४. लखधीरसिंघ १५. खुमर्णसिंघ	१६. सिवनाथसिंघ		
गांव गोठड़ो—	५२५०)	५२५०)	मेड़ता	
पीढिये—:	६. रामचंदर-प्रतापसिंघोत ^४	१०. जसवतसिंघ ११. चांदसिंघ	१२. दानसिंघ	
	१३. फतेसिंघ १४. वखतावरसिंघ	१५. मनरूपसिंघ	१६. बीजेसिंघ	
गांव चानणी वड़ी—	३७५)	३७५)	मेड़ता	
॥ चानणी खुरद	३७५)	३७५)	॥	
पीढिये—:	६. रूपसिंघ-प्रतापसिंघोत ^५	१०. ईसरसिंघ ११. दोलतसिंघ	१२. चंदरभाण	

† संवत् १७६२ भादवा सुद ११ को यह तेवर के नवाब से युद्ध कर पुष्कर में काम आया ।
 § वुंदी श्री वाईजी साथे बंदगी मे थो सु ऊठे भगड़ो हुवो तरे काम आयो संवत् १८८६ में ।

१. ठि रीयां खास के (८) ठाकुर प्रतापसिंह का पुत्र ।
२. ठि. रीया खास के (८) ठाकुर प्रतापसिंह का पुत्र ।
३. ठि. बालोली जाटां के (६) ठाकुर गोकुलदास पुत्र ।
४. ठि. रीया खास के (८) ठाकुर प्रतापसिंह का पुत्र ।
५. " " (८) " " " "

१३. भारथसिंघ १४. निरभेसिंघ १५. अरजणसिंघ

गाँव रेख कदीम हमार भरे परगना विशेष
गाँव सुरियास— २५००) २५००) मेड़ता

पीढ़ियें—: ८. भाखरसिंघ-गोपालदासोत्^१ ९. भोजराज १०. जगरांसिंघ
११. झुगरसिंघ १२. नवलसिंघ १३. हणवतसिंघ १४. बलवंतसिंघ

गाँव भेसड़ो दडो— ३५००) ३५००) मेड़ता

पीढ़ियें—: ८. भीवसिंघ-गोपालदासोत्^२ ९. अणदसिंघ १०. भगवानसिंघ
११. रिणछोड़दास १२. वनेसिंघ १३. समर्थसिंघ १४. सरूपसिंघ
१५. रामनार्थसिंघ

गाँव कीतलसर— ३२००) ३२००) मेड़ता

पीढ़ियें—: ७. सगतसिंघ-सु दरदासोत्^३ ८. हीमतसिंघ ९. प्रीथीराज १०. मानसिंघ
११. नवलसिंघ १२. जुजारसिंघ १३. जोरावरसिंघ १४. हीरदेराम
१५. भवानीसिंघ १६. मगलसिंघ

गाँव कीरड— १८७५) १८७५) मेड़ता

„ पालडी सेस ६५०) ६२५) „

कुल रेख २५२५) २५२५)

पीढ़ियें—: ९. रतनसिंघ-हीमतसिंघोत्^४ १०. अरजनसिंघ ११. सगरांसिंघ
१२. मदनसिंघ १३. गुलाबसिंघ १४. गजसिंघ १५. मगलसिंघ

गाँव भाडली— १३५०) ६२५) मेड़तो

पीढ़ियें—: १०. पदमसिंघ-रतनसिंघोत्^५ ११. अमरसिंघ १२. बाहादरसिंघ
१३. किलाणसिंघ १४. कनीराम १५. हिट्टुसिंघ १६. अवेसिंघ
१७. ईदरसिंघ १८. डुगरसिंघ १९. दुरजनसिंघ २०. चिमनसिंघ
२१. रामनार्थसिंघ

गाँव कवाल— २०००) १०००) सि. नागौर

१. ठि. रोया खास के (७) ठाकुर गोपालदास का पुत्र ।

२. ठि. „ (७) „ „ „ ।

३. „ „ (६) सु दरदास का पुत्र ।

४. ठि. कीतलसर के (८) ठाकुर हिमतसिंह का पुत्र ।

५. ठि. कीरड के (९) ठाकुर रतनसिंह का पुत्र ।

पीढिये—: ११. दानसिंघ-पदमसिंघोत^१ १२. कनकसिंघ १३. सोभासिंघ
१४. चुतरसिंघ १५. ऊदेसिंघ १६. माघोसिंघ

गांव रेख कदीम हमार भरे परगना विशेष

गांव बुताटी— ४०००) ४०००) सि. नागोर

पीढिये—: ११. अमरसिंघ-पदमसिंघोत^२ १२. बाहादरसिंघ १३. वगसीराम
१४. अनाडसिंघ १५. सिवनाथसिंघ

गांव चुई— ३०००) ३०००) सि नागोर

पीढिये—: ११ सुदरसिंघ-पदमसिंघोत^३ १२. रुघनाथसिंघ १३. करणसिंघ
१४. अमानसिंघ

गांव डोभड़ी— २५००) २५००) प्र. मेड़तो

पीढिये—: ८. माहासिंघ-सगतसिंघोत^४ ९. जगरामसिंघ १०. बुधसिंघ
११ जालमसिंघ १२ जगरूपसिंघ १३. भेरूसिंघ १४. रामनाथ
१५. चादसिंघ

गांव वरसणु— २०००) २०००) स. नागोर आसामी २ रे
पांती अक आध में—

पीढिये—: ७. सबलसिंघ-सु दरदासोत^५ ८. जु जारसिंघ ९. विसनसिंघ १०. सीभुसिंघ
११. पेमसिंघ १२. भवानीसिंघ १३. पाहाडसिंघ १४. नाहरसिंघ
१५. मुकनसिंघ १६. लिछमणसिंघ

पांती दूजी आध में—

पीढिये—: १४. करणसिंघ-पाहाडसिंघोत^६ १५. अनाडसिंघ

गांव लंगोड— २०००) १६००) मेड़तो

पीढिये—: ६. मोहवणदास-माघोदासोत ७ दलपतसिंघ ८ मनसिंघ ९. पीरथीसिंघ
१०. हरीसिंघ ११. सांवतसिंघ १२. सालमसिंघ १३. दलेलसिंघ १४. जैतसिंघ

खांप-सुरतांगोत-मेड़तीया—

† काम आयो १८२४ मे नागोर री फोज मे जट-वाडा कानी ।

१. ठि. भडाला के (१०) ठाकुर पदमसिंह का पुत्र ।

२. " " (१०) " " " ।

३. " " (१०) " " " ।

४. ठि कीतलसर के (७) ठाकुर सगतसिंह का पुत्र ।

५. ठि. रीया खास के (६) ठाकुर सु दरदास का पुत्र ।

६. ठि. वरसणु (की पहली पांती) के (१३) ठाकुर पाहाडसिंह का पुत्र ।

२. दूदो-जोधावत ३. वीरमदेव-दूदावत ४. जैमल-वीरमोत ५. सुरताणसिंघ, तिण रा वस-रा सुरताणोत कहीजै ।

सुरताणोतां रा ठिकाणां री विगत

गाव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गाँव गुलर—	७०००)	७०००)	परवतसर	
„ नीवडी	१५००)	१५००)	„	
„ कुराडो	६०००)	६०००)	„	
„ साचोर	१५००)	१५००)	„	
„ अरठ	१०००)	१०००)	„	
	१७०००)	१७०००)		
गाँव ललाणो-वडो—	१२५०)	१२५०)	मेड़ता	
„ बीठवाल	५०००)	५०००)	„	
	६२५०)	६२५०)	„	
कुल रेख	२३२५०)	२३२५०)		

पीढियें—: ६. गोपालदास-सुरताणोत ७. हरनाथसिंघ ८. अचलदास §
 ९. रुघनाथसिंघ * १०. अरजनसिंघ ११. जगतसिंघ १२. हरीसिंघ
 १३. देवकरण १४. मालमसिंघ १५. बखतावरसिंघ १६. गोपालसिंघ
 १७. विसनसिंघ

गाँव रोहंडी—	६०००)	६०००)	परवतसर
„ छीतरो	५००)	५००)	„
„ पीपलाद	२५००)	२५००)	„
„ मेहगांव	१५००)	१५००)	„
कुल रेख	१०५००)	१०५००)	

§ अचलदास सेतुबंध रामेश्वर मे बादशाही सेवा मे काम आया ।

* चित्तोड़ मे काम आया सवत् १८२४ रा चेत सुदे ३ ।

१. जैमल के पुत्र सुरताण का पुत्र ।

पीढिये— १०. भीवसिंघ-रुघनाथसिंघोत^१ ११. किसोरसिंघ १२. प्रतापसिंघ
 १३. सिरदारसिंघ १४. सायवसिंघ १५. जेतसिंघ १६. रिङ्गमलसिंघ
 १७. जुहारसिंघ १८. बलदेवसिंघ

गांव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गाँव बाजुवास—	४०००)	४०००)	मेड़ता	
„ भेरुवास	८३३१-)	८३३१-)	परवतसर	

कुल रेख ४८३३१-)

पीढिये— : ११. किसनसिंघ-भावसिंघोत^२ १२. फतेसिंघ १३. जवानसिंघ
 १४. ईसरीसिंघ १५. जोधसिंघ १६. रूपसिंघ

गाँव जावलो—	७०००)	७०००)	मेड़ता
„ मेहराणो	५०००)	५०००)	„
„ आजरौली	३०००)	३०००)	„

परगना मेड़ता री रेख १५०००)

गाँव जालरो—	६०००)	६०००)	परवतसर
„ मुढानो	१५००)	१५००)	„ आधी
„ नादौली	१०००)	१०००)	„ आधी
„ ढाढोतो	५०००)	५०००)	„
„ कुराढो	६०००)	६०००)	„
„ घोलीयो	१५००)	१५००)	„
„ लखीयावास	२०००)	२०००)	„

रेख परवतसर रा गाँव री २३०००)

रेख मेड़ता रा गाँवा री १५०००)

कुल रेख ३८०००)

पीढिये—: ९. गोकलदास-अचलदासोत^३ १०. सावर्तसिंघ ११. सगरामसिंघ

१ ठि ललाणो वढो के (९) ठाकुर रुघनाथसिंह का पुत्र ।

२ ठि रोहंडी के (१०) ठाकुर भीवसिंह का पुत्र ।

३ ठि ललाणो वढो के (८) ठाकुर अचलदास का पुत्र ।

१२. समरथसिंघ १३ लखधीरसिंघ १४. दुरजणसिंघ १५. नोनदसिंघ
१६. बाधसिंघ १७ केसरीसिंघ १८. प्रतापसिंघ

गांव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गांव जभोलो—	५०००)	५०००)	परवतसर	

पीढ़ियें—: १०. सगतसिंघ-गोकलदासोत^१ ११ सभासिंघ १२. सेरसिंघ १३. सुमेरसिंघ
१४. जेतसिंघ १५. हरीसिंघ

गांव भखरी—	३०००)	३०००)	मेड़ता
„ मोलासर	३०००)	३०००)	„
„ नरमो	३०००)	३०००)	„
„ राजलोतो	७०००)	७०००)	„
„ भानीगांव	३५००)	३५००)	परवतसर

कुल रेख १६५००) १६५००)

पीढ़ियें—: ७. दलपत-गोपालदासोत^२ ८. गोरधनदास ९. सीभूसिंघ १०. भेरूसिंघ
११. केसरीसिंघ १२. नवलसिंघ १३. नाहरसिंघ १४. मंगलसिंघ
१५. हरीसिंघ

गांव सील भखरी — — — मेड़ता पाती दो
पांती ओक आध में—

पीढ़ियें—: ६. किसनदास-सुरताणोत^३ ७. बिहारीदास ८. बीठलदास ९. अमरसिंघ
१०. गजसिंघ ११. डुंगरसिंघ १२. प्रतापसिंघ १३. सेवादास १४. मगनीराम
१५. लालदास १६. चंद्रदास

पांती बूझी आध में—

पीढ़ियें - १२. फतेसिंघ-डुंगरसिंघोत १३ ललितसिंघ १४. भारथसिंघ १५. नदसिंघ
१६. नाहरसिंघ

सील भखरी (परगना मेड़ता, तिणने किसनपुरो केहे, रेख भरे नही, भखरी रा ऊकील)
खांप केसोदासोत मेड़तीया

१ ठि जालरो के (६) ठाकुर गोकलदास का पुत्र ।

२ ठि ललाणो बडो के (६) ठाकुर गोपालदास का पुत्र ।

३. सुरताण जैमलोत का पुत्र ।

२. दूदो-जोधावत ३. वीरमदेव-दूदावत ४. जैमल-वीरमोत ५. केसोदास * जैमलोत, तिण
रा वश रा केसोदासोत कहीजे ।

गाव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गाँव बड़ू—	७०००)	७०००)	परवतसर	
„ चीलु	३०००)	३०००)	„	
„ खानपुर	१५००)	१५००)	„	
„ हरनावो	६०००)	६०००)	„	
„ भावसी	५००)	५००)	„	
„ माणवो	५००)	५००)	„	
„ भादवो	३५००)	३५००)	„	
„ गीगोली	३५००)	३५००)	„	
„ मोरेड	१५००)	१५००)	„	
„ सीरसु	१५००)	१५००)	„	
„ दावडीयो	१२५०)	१२५०)	„	आघो
„ कणसरीयो	१०००)	१०००)	„	
„ डुरडाणी	२०००)	२०००)	„	

पीढिये—: ६. गिरधरदास § केसोदासोत ७. गदाधर ८. स्यामसिंघ ९. प्रीथीराज
१०. रामसिंघ ११. रतनसिंघ १२. वदनसिंघ १३. कनीराम
१४. सुरताणसिंघ १५. अजीतसिंघ १६. सीवनाथसिंघ १७. सवाईसिंघ
१८. सेरसिंघ १९. जीवणसिंघ

गाँव सबलपुर—	५०००)	५०००)	परवतसर
„ दुडीयो	२०००)	२०००)	„
„ माणवो	५००)	५००)	„
„ गीगोली	३५००)	३५००)	„
„ दावडीयो	१२५०)	१२५०)	„
„ वागोट	५०००)	५०००)	„
„ कवलाद	१०००)	१०००)	„
	१८२५०)	१८२५०)	

* केसोदाम सवत् १६५८ मे सेतुबन्ध रामेश्वर में जहाँगीर की फौज से युद्ध कर मारा गया ।

§ गिरधरदास लोद की घाटी मे वादगाह की फौज से युद्ध कर स. १६०७ में काम आया ।

पीढ़िये—: १० कसनसिंघ-प्रीथीराजोत^१ ११. मानसिंघ १२. लालसिंघ १३. मोखमसिंघ
१४. माघोसिंघ १५. तेजसिंघ-खोळे १६ मोहबतसिंघ १७. रणजीतसिंघ
१८. सबलसिंघ १९ स्यामसिंघ

गांव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गांव बरनेल—	५०००)	५०००)	परबतसर	

पीढ़िये—: ११. गुमानसिंघ-कसनमिघोत^२ १२. ऊमेदसिंघ १३. नवलसिंघ
१४. पाहाड़सिंघ १५. लिछिमणसिंघ १६ चिमनसिंघ

गांव बणांगणो—	६०००)	६०००)	दौलतपुरा
---------------	-------	-------	----------

पीढ़िये—: ११. सेरमिंघ-कसनदासोत^३ १२. कोजुराम १३. माघोसिंघ
१४. सिवनाथसिंघ १५. बाघसिंघ

गांव चीताघो—	१०००)	१०००)	परबतसर
--------------	-------	-------	--------

पीढ़िये—: १४ बिड़दसिंघ † माघोसिंघोत^४ १५. रतनसिंघ

गांव ऊचेरीयो—	२०००)	२०००)	परबतसर
---------------	-------	-------	--------

पीढ़िये—: ११ बखतावरसिंघ-कसनमिघोत^५ १२ सालमसिंघ १३. जोदसिंघ
१४. कनकसिंघ १५. रुडसिंघ

गांव बोडावड—	६०००)	६०००)	परबतसर
--------------	-------	-------	--------

„ खोखरो	२५००)	२५००)	„
---------	-------	-------	---

„ आजवो	३०००)	३०००)	„
--------	-------	-------	---

„ कुजा डुगरी	१५००)	५००)	„
--------------	-------	------	---

कुल रेख	१३०००)	१२०००)
---------	--------	--------

पीढ़िये—: १०. बाहादरसिंघ-प्रीथीसिंघोत^६ ११. जालमसिंघ १२. बखतावरसिंघ
१३. मगलसिंघ १४. कीलाणसिंघ १५. सादुलसिंघ

† बिड़दसिंह सन् १८८५ में जयपुर वालों की बाहर में आया ।

§ काम आयो दिखणी माघोराव सु भगडो हुवो जठे स १८४४ रा सावण सुद १३ ।

१. ठि बडू के (६) ठाकुर प्रीथीराज का पुत्र ।

२. ठि सबलपुर के (१०) ठाकुर कसनसिंह का पुत्र ।

३. „ „ (१०) „ „ ।

४. ठि. बणांगणो के (१३) ठाकुर माघोसिंह का पुत्र ।

५. ठि. सबलपुर के ठाकुर कसनसिंह का पुत्र ।

६. ठि. बडू के (६) ठाकुर पृथ्वीसिंह का पुत्र ।

गाव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गाँव लाडोली—	४०००)	२०००)	परवतसर	

पीढिये—: ११. देवीसिध-बाहादरसिधोत^१ १२. बखतसिध १३. बखसीराम
१४. भीवसिध १५. नोनदसिध १६. हगनाथसिध १७. किलाणसिध

गाँव कालवो— २५००) १८३३।—) परवतसर आसामी ३ रे

सवा पांच आने पांती एक तीजी में—

पीढिये—: ११. दानसिध-बाहादरसिधोत^२ १२. डुगरसिध १३. लखधीरसिध
१४. रणजीतसिध १५. गोपालसिध १६. रिड़मलसिध

सवा पांच आने पांती दूजी तीजी में—

पीढिये—: ११. माघोसिध-बाहादरसिधोत १२. सिभूसिध १३. जोरावरसिध
१४. मोतीमिध १५. मालमसिध १६. चैनसिध १७. अज्जीतमिध

सवा पांच आने पांती तीजी में—

पीढिये—: ११. समर्थसिध-बाहादरसिधोत १२. सगतसिध १३. चुतरभुज
१४. सायबसिध १५. खुमाणसिध १६. हरदानसिध १७. अनाडसिध

गाँव मांमड़ोली— २०००) २०००) परवतसर

„ कालवारी ढाणी ३५०) ३५०) „ १) पाती

पीढिये—: १०. हीदुमिध-प्रीथीराजोत^३ ११. बाघसिध १२. सुरताणसिध
१३. अमानसिध १४. हमीरसिध १५. प्रतापसिध १६. दोलतसिध

गाँव बुडसु— ६०००) ६०००) परवतसर

„ भीचावो ३०००) ३०००) „

„ लाडोली ५००) ५००) „

„ नगवाडो ५००) ५००) „

„ राजथलियो १३००) १३००) „

„ चडालियो ५००) ५००) „

„ कचोलीयो १२५०) १२५०) „

„ आकोदो ३०००) ३०००) „

„ वेगसर ५००) ५००) „

१. ठि. वेडावड के (१०) ठाकुर बाहादुरसिंह का पुत्र ।

२. „ „ (१०) „ „ ।

३. ठि. बहू के (६) ठाकुर प्रीथीराज का पुत्र ।

गाँव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
॥ थेवडी	१५००)	१५००)	॥	
कुल रेख	१२०५०)	१२०५०)		
गाँव खीदर पुरी—	३०००)	३०००)	परवतसर	
॥ गुणावती	२०००)	२०००)	॥	
॥ रामपुरी	१०००)	१०००)	॥	
॥ सुपेड	१२५०)	१२५०)	॥	
॥ हरनावो	५००)	५००)	॥	
॥ चावडीयो	१२५०)	१२५०)	॥	
॥ चाडी	५००)	५००)	॥	
॥ देवरी	१२५०)	१२५०)	॥	
॥ गावडी	१५००)	१५००)	॥	
॥ वडवाली	१२५०)	१२५०)	॥	
॥ घानोली	३०००)	३०००)	॥	
॥ मोडण	१०००)	१०००)	॥	
॥ दरडाणी	१०००)	१०००)	॥	
॥ देवली	१०००)	१०००)	॥	
कुल रेख	३७५५०)	३७५५०)		

पीढ़ियों— ९. अखेसिध-स्यामसिधोत^१ १०. सुरतसिध ११. गजसिध १२. बुदसिध
१३. अमानसिध १४. प्रतापसिध १५. सिरदारसिध १६. माघोसिध

गाँव कूकडदो— ३०००) ३०००) परवतसर

पीढ़ियों— १२. दानसिध-गजसिधोत^२ १३. केसरीसिध १४. हणवतसिध
१५. ग्यानसिध

गाँव मनाणो— १३५०) १३५०) परवतसर
॥ जवादीयो १५००) १५००) ॥
॥ हुडीयो २५००) २५००) ॥
॥ मनाणी १३५०) १३५०) ॥

१ ठि. वहू के (८) ठाकुर श्यामसिह का पुत्र ।

२ ठि खीदपुरी के (११) ठाकुर गजसिह का पुत्र ।

गांव	रेख कदीम	हमार भरे.	परगना	विशेष
„ सीरसलो	२५००)	२५००)	„	
„ विसरोली	४०००)	४०००)	„	
„ वडरूण	५०००)	३५००)	„	
<hr/>				
कुल रेख	१८२००)	१६७००)		

पीढिये—: १०. अमरसिंघ-अखैसिंघोत^१ ११. धीरतसिंघ १२. अभैसिंघ १३. दलेलसिंघ
१४. नाहरसिंघ १५. जुजारसिंघ १६. केसरीसिंघ १७ फतेसिंघ ।
१८. सिवदांसिंघ १९. जोरावरसिंघ

गांव डसांगो खुरद— २०००) २०००) परवतसर

पीढिये— १३. ऊमेदसिंघ-अभैसिंघोत^२ १४. रणजीतसिंघ १५. गुमानसिंघ
१६. भीरसिंघ १७. भेरूसिंघ

गांव रोडु विरडा—	३०००)	३०००)	नागोर
„ बांभुवास	३०००)	३०००)	„
„ पातुवास	१०००)	१०००)	„
„ पुनावास	१०००)	१०००)	„
„ मांकडवास	१०००)	१०००)	„
„ आसरवो	२०००)	२०००)	परवतसर,

कुल रेख ११०००) ११०००)

पीढिये—: ११. अणदसिंघ-अमरसिंघोत^३ १२. माहासिंघ १३. लिछमणसिंघ
१४. अगारसिंघ १५. जगतसिंघ १६. सवाईसिंघ

गांव टांगलो—	५०००)	४०००)	नागोर
„ खोखरीयो	३०००)	२५००)	परवतसर
<hr/>			
	८०००)	६०००)	

पीढिये—: १०. नवलसिंघ-अखैसिंघोत^४ ११. जालमसिंघ १२. दोलतसिंघ
१३. सादुलसिंघ १४. हुकमसिंघ १५. सिरदारसिंघ

-
- १- ठि. खीदपुरो के (६) ठाकुर अखैसिंह का पुत्र ।
२. ठि मनाणो के (१२) ठाकुर अभैसिंह का पुत्र
३. ठि मनाणो के (१०) ठाकुर अमरसिंह का पुत्र ।
४. ठि. खीदपुरो के (६) ठाकुर अखैसिंह का पुत्र ।

गांव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गांव खोजावास—	२०००)	२०००)	परबतसर	
पीढ़ीयें—:	१०. इद्रसिंह-अखेसिंहोत ^१ ११. चुतरभुज १२. बखसीराम १३. खुमांसिंह			
गांव विदीयाद—	७०००)	७०००)		
„ अडाणी	२०००)	२०००)		
— — — — —				
कुल रेख	६०००)	६०००)		
पीढ़ीयें—:	८ भोजराज-गदाधरोत ^२ ९. सुखसिंह † १०. किसोरसिंह ११. जोरावरसिंह १२. सीभुसिंह १३. किसनसिंह १४. रामनाथसिंह १५. हरीसिंह १६. सादूलसिंह १७. बेरीसाल			
गांव डोडवाडो—	१५००)	१५००)	परबतसर	
पीढ़ीयें—:	६. सुखरूपसिंह-भोजराजोत ^३ १०. केसरीसिंह ११. साहेबसिंह १२. सिवदानसिंह १३. रतनसिंह १४. अनाडसिंह			
गांव जूसरीयो—	३०००)	३०००)	परबतसर	
पीढ़ीयें—:	६. विजेसिंह-भोजराजोत ^४ १०. अजबसिंह ११. सवाईसिंह (मेड़ते काम आयो) १२. अचलसिंह १३. जवानसिंह १४. मंगलसिंह			
गांव तोसीणो—	६०००)	५५००)	परबतसर	
„ रोहा	२०००)	२०००)	„	
„ साधीया	१५००)	१५००)	„	
पीढ़ीयें—:	७. उदेभाण-गिरधरदासोत ^५ ८. कल्याणदास ९. मोकमसिंह * १०. भीवसिंह ११. सूरजभाण § १२. देवसिंह १३. अभेसिंह १४. रुघनाथसिंह १५. बखतावरसिंह			

† खडेला रा राजा रे मामा भुवा रो थो सु खडेला बाळां रे नवाव सु भगडो हुवो जठे काम आयो ।

* काम आयो मेड़ते पातसाह री फौज सु भगडो हुवो जठे सवत् १६६७ रा पौस वद ८ ने ।

§ काम आयो दिखणीया री राठ में सवत् १८२२ रा फागण सुद १५ ।

१. ठि खीदपुरो के (९) ठाकुर अखेसिंह का पुत्र ।

२. ठि. बडू के (७) ठाकुर गदाधर का पुत्र ।

३. ठि, विदीयाद के (८) ठाकुर भोजराज का पुत्र ।

४. ठि विदीयाद के (८) ठाकुर भोजराज का पुत्र ।

५. ठि बडू के (६) ठाकुर गिरधरदास का पुत्र ।

खांप विठलदासोत मेड़तीया

२. दूदो-जोधावत ३. वीरम-दूदावत ४. जैमल-वीरमोत ५. विठलदास रा वंश रा
वीठलदासोत कहीजै

विठलदासोत मेड़तीयां रा ठिकाणां री विगत—

गांव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गांव नीबी खास—	१५००)	१५००)	दौलतपुरो	
„ अेवाद	१५००)	१५००)	नागोर	- आघी

पीढिये—: ६. बिहारीदास-वीठलदासोत ७. वनमालीदास ८. आईदान ९. जगतसिंघ
१०. फतेसिंघ ११. सूरतसिंघ १२. लिछमणसिंघ १३. साहवसिंघ
१४. रणजीतसिंघ

गांव लुणसरो —	३०००)	३०००)	नागोर	आघी
---------------	-------	-------	-------	-----

पीढिये—: ११. विसनसिंघ-फतैसिंघोत^१ १२. सिवसिंघ १३. भेरूसिंघ १४. सावतसिंघ

गांव ईग्योर—	४०००)	४०००)	नागोर	
--------------	-------	-------	-------	--

पीढिये—: १०. अखसिंघ-जगतसिंघोत^२ ११. भीवसिंघ १२. सादुलसिंघ
१३. लूणकरण १४. कुसलसिंघ १५. नदसिंघ

खांप किलाणदासोत मेड़तीया—

२. दूदो-जोधावत ३. वीरम-दूदावत ४. जैमल-वीरमोत ५. किलाणदास रा वसरा
किलाणदासोत मेड़तीया कहीजै

गांव कला रौ वास—	१०००)	१०००)	मेड़ता तिणने पचरांडो कहै छै
------------------	-------	-------	-----------------------------

पीढिये—: ६. स्यामसिंघ-किलाणदासोत ७. गोकलदास ८. अणदसिंघ ९. हीदुसिंघ
१०. भवानीसिंघ ११. देवीसिंघ १२. जीवणसिंघ १३. नदसिंघ

खांप दुवारकादासोत मेड़तीया—

२. दूदो-जोधावत ३. वीरमदेव-दूदावत ४. जैमल-वीरमोत ५. दुवारकादास तिण रा
वंस रा दुवारकादासोत मेड़तीया कहीजै

दुवारकादासोत मेड़तीयां रा ठिकाणां री विगत—

गांव वछपारी—	३०००)	३०००)	नागोर आसामी २ रे
--------------	-------	-------	------------------

१. ठि नीबीखास के (१०) ठाकुर फतैसिंह का पुत्र ।

२. ठि. „ „ (९) „ जगतसिंह का पुत्र ।

पांती आध में—

पीढ़ियाँ—: ६. सुंदरदास-दुवारकादासोत ७. हिरदेरांम ८. जगतसिंघ ९. जोधसिंघ
१०. फतेसिंघ ११. लिच्छमणसिंघ १२. अरजनसिंघ

पांती आध में—

पीढ़ियाँ—: १०. सिवसिंघ-जोधसिंघोत^१ ११. देवीसिंघ १२. जवारसिंघ

खांघ विसनदासोत मेड़तीया—

२. दूदो-जोधावत ३. वीरमदेव-दूदावत ४. जैमल-वीरमोत ५. किलांणदास-जैमलोत
- ६. विसनदास-किलांणदासोत, विसनदास रा बस रा विसनदासोत मेड़तीया कहीजें ।

विसनदासोत मेड़तीयां की ठिकाणां की विगत—

गांव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गांव खोड़ खास—	६०००)	६०००)	गोढवाड	
„ पादरडी	४००)	४००)	„	
„ ठाकुरला	५००)	५००)	„	आधी
„ किलांणसिंघ की गुढो	६००)	६००)	„	
„ सोनगरां की गुढो				
<hr/>				
कुल रेख	१०५००)	१०५००)		

पीढ़ियाँ—: ७. राजसिंघ-विसनदासोत ८. माधोदास ९. किलांणसिंघ १०. सुरजमल
११. सेरसिंघ १२. ऊमेदसिंघ १३. बखतसिंघ १४. चैनसिंघ १५. जसवंतसिंघ
१६. जोरावरसिंघ १७. रणजीतसिंघ

गांव अमरपुरी	२०००)	२०००)	डीडवाणो
„ दागऊ	२०००)	२०००)	नागोर

पीढ़ियाँ—: ८. नारखान-राजसिंघोत^२ ९. किसनसिंघ † १०. बलराम ११. सिवसिंघ
१२. भोमसिंघ १३. पदमसिंघ १४. प्रभुराम १५. प्रतापसिंघ १६. ईंदरसिंघ

१ ठि. बछ्यारी के (पहली पांती) के (६) ठाकुर जोधसिंह का पुत्र ।

† काम आयो खड़वाटी की घाटी माहाराज श्री जसवंतसिंघजी की बखत में सवत् १७३५ की पौस वद ६ ।

२ ठि. खोड़ खास के (७) ठाकुर राजसिंह का पुत्र ।

गाव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गाँव बोरुंदो—	५०००)	५०००)	मेड़ता	
,, कछवाई री वासणी	१२५०)	१२५०)	,,	आधी
कुल रेख	६२५०)	६२५०)		

पीढिये—: ७. गोकलदास † वीसनदासोत ‡ ८. गोपीनाथ § ९. प्रतापसिंघ १०. सुरतसिंघ
११. जेतसिंघ १२. सायवसिंघ १३. वदनसिंघ* १४. गोपालसिंघ १५. जँसिंघ
१६. फतेसिंघ

गाँव तामडोली—	३२००)	३२००)	मेड़ता	आसामी २ रे
पांती अक आध में—				

पीढिये— ९. जसकरण-गोपीनाथोत^१ १०. रामचंदर ११. लालसिंघ १२. हीदुसिंघ
१३. अरजनसिंघ १४. भोपालसिंघ १५. केसरीसिंघ

पांती दूजी आध में—

पीढिये—: ८. लाडखान-गोकलदासोत^२ ९. सांवतसिंघ १०. सिरदारसिंघ
११. जालमसिंघ १२. फतेसिंघ १३. भवानीसिंघ १४. मेहतावसिंघ

गाँव वरणो—	२०००)	२०००)	मेड़ता
------------	-------	-------	--------

पीढिये—: १०. रामचंदर-जसरणोत^३ ११. जोरावरसिंघ १२. कनीराम
१३. गुलावसिंघ १४. सिवनाथसिंघ १५. हुकमसिंघ १६. वखतावरसिंघ

गाँव चौसली—	२०००)	२०००)	नागोर
-------------	-------	-------	-------

पीढिये—: ११. लालसिंघ-रामचंदोत^४ १२. जोधसिंघ १३. लखधीरसिंघ

† गोकुलदास को यह गाव संवत् १६८० मे मिला, तथा यह संवत् १६८४ में भगवानदास
वाघोत के शामिल गढी में काम आया ।

§ यह संवत् १७१४ मे उज्जैन के युद्ध मे काम आया ।

* वदनसिंह और काको सुरजमल संवत् १८४७ रा भादवा सुद २ भोम मेड़ते, सिंधिया
माधोराव रे भगडो हुवो तरे काम आया ।

† काम आयो संवत् १८१७ में वीलाडे चापा वता सुं भगडो हुवो जठे ।

१ ठि बोरु दा के (८) ठाकुर गोपीनाथ का पुत्र ।

२. ठि. ,, '७) ,, गोकुलदास का पुत्र ।

३ ठि तामडीली (पाती एक) के (९) ठाकुर जसकरण का पुत्र ।

४. ठि वरणो के (१०) ठाकुर रामचंदर का पुत्र ।

१४. पाहाडसिंघ १५. अमानसिंघ

गाव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गाँव जगडवास—	२५००)	२५००)	मेड़ता	

पीढियें—: ८. भीवराज-गोकलदासोत्^१ ९. अचलदास† १०. अनोपसिंघ
 ११. जेतसिंघ १२. सालमसिंघ १३. दुरजणसिंघ १४. बेरीसाल
 १५. चुतरसिंघ

गाँव तिलांगेस—	४०००)	४०००)	मेड़ता
----------------	-------	-------	--------

पीढियें—: ११. जोरावरसिंघ-अनोपसिंघोत्^२ १२. सीभुसिंघ १३. ग्यानसिंघ
 १४. सादुलसिंघ १५. अनाडसिंघ

गाँव मयापुर—	२५००)	२५००)	मेड़ता	आधो
--------------	-------	-------	--------	-----

पीढिये —: ११. सिग्दारसिंघ-अनोपसिंघोत्^३ १२. अभेसिंघ १३. अगरसिंघ
 १४. ऊगमसिंघ १५. भूरसिंघ

गाँव मोदीयान—	३२००)	३२००)	मेड़ता	आसामी २ रे
---------------	-------	-------	--------	------------

पांती अक आध में—

पीढियें —: ९. हरीसिंघ-भीवराजोत्^४ १०. ईनदरसिंघ ११. नवलसिंघ १२. सायबसिंघ
 १३. कोजूराम १४. भेरुसिंघ १५. सैतानसिंघ

पांती दूजी आध में—

पीढियें—: ९. बलराम-भीवराजोत्^५ १०. सिवसिंघ ११. बाहादरसिंघ
 १२. सवाईसिंघ १३. मोतीसिंघ १४. चुतरभुज १५. सावतसिंघ

गाँव चुवो—	४०००)	४०००)	नागोर
------------	-------	-------	-------

पीढियें—: १०. सिरदारसिंघ-हरीसिंघोत्^६ ११. तेजसिंघ १२. किसोरसिंघ
 १३. गुलाबसिंघ १४. मेहताबसिंघ

† काम आयो गढ कुंडारो १

१. ठि. वोहंदा के (७) ठाकुर गोकुलदास का पुत्र ।

२. ठि जगडवास के (१०) ठाकुर अनोपसिंह का पुत्र ।

३. ठि जगडवास के (१०) ठाकुर अनोपसिंह का पुत्र ।

४. " " (८) " भीवराज का पुत्र ।

५. " " (८) " " " " ।

६. ठि मिदीयान के (९) ठाकुर हरीसिंह का पुत्र ।

गांव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गांव राजलियावास—	१२५०)	१२५०)	मेड़ता	

पीढिये—: १०. वखतसिंघ-हरीसिंघोत^१ ११. मोहवतसिंघ १२. भावसिंघ
१३. भवानीसिंघ १४. सुमेलसिंघ

खांप गोपीनाथोत मेड़तीया—

२. दूदो-जोधावत ३. वीरमदेव-दूदावत ४. प्रतापसिंघ † ५. गोपालदास ६. किसनदास
७. दुरजणसाल ८. गोपीनाथ रा वस रा गोपीनाथोत मेड़तीया कहीजै

गोपीनाथोत मेड़तीयां रा ठिकाणां री विगत—

गांव घाणोराव खास—	७५००)	७५००)	गोढवाड
„ ईट दडो	१५००)	१५००)	„
„ किसनपुरो	१५००)	१५००)	„
„ नीयड	११००)	११००)	„
„ गुडो मेछनो	११००)	११००)	„
„ ढालोप	१५००)	१५००)	„
„ मांगलीयां रो गुडो	२१००)	२१००)	„
„ राजपुरो	४०००)	४०००)	„
„ विरमपुरो	१४००)	१४००)	„
„ मेघा रो गुडो	६००)	६००)	„
„ भगवानपुरो	३०००)	३०००)	„
„ कोटडी	१७००)	१७००)	„
„ रामा रो गुडो	१७००)	१७००)	„
„ छीडां	१५००)	१५००)	„
गांव नादाणो वडो—	१०००)	१०००)	„
„ जाटा रो गुडो	१०००)	१०००)	„
„ पदम पुरो	१५००)	१५००)	„
„ नालोलाई	१५००)	१५००)	„
„ कोटवालियां	२०००)	२०००)	„
„ करेलि	१०००)	१०००)	„

† यह चित्तौड़ के युद्ध मे सवत् १६२६ मे काम आया ।

१. ठि मिदीयान के (६) ठाकुर हरीसिंह का पुत्र ।

गाँव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
„ लाटाडो	१०००)	१०००)	गोदवाड	
„ दूदापुरो	५००)	५००)	„	
„ गुडो किलाणसिंघ रो	३००)	३००)	„	
„ सावलतो	१७५०)	१७५०)	„	
„ रूपसिंघ रो गुडो	७००)	७००)	„	
„ नवो गुडो	१५००)	१५००)	„	
„ नाडोल	४०००)	४०००)	„	
„ गोहाडो	१४००)	१४००)	„	
„ रखी	५००)	५००)	„	
„ डायलाणो	१०००)	१०००)	„	
„ पाटीयारो गुडो	७००)	७००)	„	
„ माहाराम को गुडो	१०००)	१०००)	„	
„ माडोकड़	२४००)	२४००)	„	
„ बडेल	५००)	५००)	„	
„ दुदोड	७५०)	७५०)	„	
„ पुनाडीयो	२०००)	२०००)	„	
„ चानाणा रो गुडो	३००)	३००)	„	
„ केसरीसिंघ रो गुडो	४५०)	४५०)	„	
„ अडसीपुरो	१०००)	१०००)	„	
„ पादरडी	३००)	३००)	„	

पीढ़ियें—: ६. सूरतसिंघ-गोपीनाथोत १०. प्रतापसिंघ ११. पदमसिंघ १२. किसनसिंघ
 १३. वीरमदेव १४. दुरजणसिंघ १५. अजीतसिंघ १६. नाहारसिंघ
 १७. हिम्मतसिंघ १८ जोधसिंघ

गाँव चांगोद खास—	६०००)	६०००)	गोदवाड
„ चागवो	१६००)	१६००)	„
„ ऊमारो गुडो	१६००)	१६००)	„
„ बालोलाई	२५००)	२५००)	„
„ भाचुदी	१४००)	१४००)	„
„ ऊदेलाव	१०००)	१०००)	„
„ डोलारो गाँव	६००)	६००)	„
„ बीठोरो	३२००)	३२००)	„
„ कीरवो	३२००)	३२००)	„

गाव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
„ नवो गाँव	२५००)	२५००)	गोढवाड	
„ लापोद	१२००)	१२००)	„	
„ साकदडो	७००)	७००)	„	
„ वड गाँव	३०००)	३०००)	„	
„ लीचावो	२२००)	२२००)	„	
„ खीमेल	६०००)	६०००)	„	
„ मुगवडो	५००)	५००)	„	
„ किसनपुरो	रेख नहीं	—	„	
„ अभेपुरो	रेख नहीं	—	„	
„ घुणी	२०००)	२०००)	„	
„ खारडो	१६००)	१६००)	„	
„ बावा गाँव	१६००)	१६००)	„	
„ डुंगलि	१०००)	१०००)	„	
गाँव कोसेलाव—	१०००)	१०००)	„	
„ विसनपुरो	रेख नहीं	रेख नहीं	„	
„ बाघणो	„	„	„	
„ दीलतपुरो	„	„	„	
„ भावनगर	„	„	„	

पीढियें—: ९. अनोपसिंघ-गोपीनाथोत १०. सिवसिंघ ११. विसनसिंघ १२. तेजसिंघ
१३. जसवंतसिंघ १४. लिछमणसिंघ १५. किसोरसिंघ

गाँव बरकाणो—	३५००)	३५००)
„ सादलवो	१७००)	१७००)
„ टीपरी	२००)	२००)
„ प्रीथीराज रो गुडो	३०००)	३०००)
„ खीवां रो गुडो	२५०)	२५०)
„ ओडवाडीयो	१०००)	१०००)
„ खांगडी	१०००)	१०००)
„ ओलाणी	१८५०)	१८५०)
„ भीवा रो गुडो	रेख नहीं	रेख नहीं

५ विमनसिंह मेड़ता में संवत् १८४७ भादवा सुद २ को मरहठों से लडकर काम आया ।

पीढ़ियें— ६. अर्भेसिंघ-गोपीनाथोत १०. हरीसिंघ ११. सुरजमल १२. सीभुसिंघ
१३. प्रीथीसिंघ १४. रणजीतसिंघ १५. ऊमेदासिंघ

गांव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गांव फालगो—	३७५०)		गोढवाड	
„ चावडेरी	१०००)	-	„	
„ चेनपुरो	०)	०)	„	रेख नही
„ बीलीयो	७००)		„	
„ राणी गांव खुरद	१०००)		„	
„ दातीवाड़ो	१७५०)		„	
„ वडली	७००)		„	
„ अलाणी	१८५०)		„	
„ अखेराज रो गुढो	३००)		„	
<hr/>				
५८००)				

पीढ़ियें—: १४. वखतावरसिंघ-प्रीथीसिंघोत^१ १५. वभूतसिंघ

गांव सीदरड़ी— २०००) २०००) गोढवाड

पीढ़ियें—: ६ हिमतसिंघ-गोपीनाथोत १०. सगरामसिंघ ११. जेतसिंघ
१२. मोहकमसिंघ १३. जीवराज १४. कुसलसिंघ

खांप चांपावत

१. रिडमल रौ चापी ।

२. चापी रिडमलोत तिण रा वंस रा चापावत कहीजै ।

खांप-सगतसिंघोत चांपावत

२. चापो ३. सगतसिंघ तिण रा वस रा सगतसिंघोत चापावत कहीजै ।

सगतसिंघोतां रां ठिकाणां री विगत

गांव दासांगीयो— ४५०) ४५०) गढ जोधपुर

पीढ़ियें—: ४. देईदास-सगतसिंघोत ५. भवानीदास ६. किलाणदास ७. आसकरण
८. वेणीदास ९. विजेसिंघ १०. गजसिंघ ११. लालसिंघ १२. जोरावरसिंघ
१३. दलसिंघ १४. चीमनसिंघ १५. ऊमेदासिंघ १६. केसरीसिंघ

१. ठि. वरकाणा के (१३) ठाकुर पृथ्वीसिंह का पुत्र ।

खांय रांमसिघोत चांपावत

२. चापो ३. भेरूदास चापावत ४. रांमसिघ तिण रा वप रा रामसिघोत कहीजै ।

रांमसिघोतां रा ठिकाणां री विगत

गाव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गाँव देवकी—	१०००)	१०००)	जालोर	आसामी २ रे
पांती आध में—				

पीढिये—: ५. छतरसाल-रामसिघोत ६. किलाणदास ७ नेतसी ८. गोयददास
९. गोकलदास १०. देवसिघ ११. जसकरण १२. आईदान (खोळ)
१३. धनराज १४. हीदुसिघ १५. रामकिसन १६. सादुलसिघ

पांती आध में—

पीढिये—: १०. अनोपसिघ-गोकलदासोत^१ ११. हरकिसन १२. जवानसिघ
१३. दुरजणसिघ

गाँव चोराऊ— १०००) १०००) जालोर

पीढिये—: ९. मोहकमसिघ-गोयददासोत^२ १०. अणदसिघ ११. सुरताणसिघ
१२. दलेलसिघ १३. गुमानसिघ १४. करणसिघ १५. वभूतसिघ

गाँव थलवाड— १२५०) ७५०) जालोर आधो

पीढिये—: १०. केसरीसिघ-मोकमसिघोत^३ ११. कचरदास १२. जोरावरसिघ
१३. गुमानसिघ १४. सगरामसिघ

गाँव मोदरां— १०००) १०००) जालोर आधी

पीढिये—: १२. वाघसिघ-कचरदासोत^४ १३. सिवनाथसिघ

गाँव मांकणी— ५००) ५००) जालोर जवत

पीढिये—: १०. खीवराज-मोकमसिघोत^५ ११. जवानसिघ १२. भगवतसिघ

१. ठि. देवकी (पहली पाती) के (९) ठाकुर गोकुलदास का पुत्र ।

२. ठि. " " (८) " गोयददास का पुत्र ।

३. ठि. चोराऊ के (९) ठाकुर मोकमसिह का पुत्र ।

४. ठि. थलवाड के (११) ठाकुर कचरदास का पुत्र ।

५. ठि. थलवाड के (९) ठाकुर मोकमसिह का पुत्र ।

गांव	रेख कदीम	हमार भरे	परगनां	वशेष
गांव लोदराऊ—	१०००)	१०००)	जालोर	
मोकमपुरी	१०००)	१०००)	गोढवाड	
पीढ़ियें—	१०. जू जारसिध-मोकमसिधोत ^१	११. हरीसिध	१२. हेमसिध	
	१३. मुकनसिध १४. जगतसिध			
गांव लुहर—	२०००)	१५००)	जालोर	जब्त हुकम नावा मे
पीढ़ियें—	११. वखतसिध-जू जारसिधोत ^२	१२. नाहरसिध	१३. अर्भेसिध	
	१४. प्रतापसिध १५. भगलसिध			
गांव सकराणो—	१५००)	१०००)	जालोर	
पीढ़ियें—	१०. अणदसिध-मोकमसिधोत	११. लाडखान	१२. फतेसिध	१३. नाथुसिध
	१४. बनेसिध १५. तेजसिध			
गांव तालियाणो—	१०००)	७००)	जालोर	
पीढ़ियें—	११. सूरतसिध-अणदसिधोत ^३	१२. ऊमेदसिध	१३. सेरसिध	
	१४. ओनाडसिध १५. प्रतापसिध	१६. लखसिध		
गांव जेरसीण—	२०००)	६००)	जालोर	
पीढ़ियें—	११. रिणछोडदास-अणदसिधोत ^४	१२. मेगराज	१३. पदमसिध	
	१४. भोमसिध १५. विजेसिध			
गांव खानपुर—	१०००)	६००)	जालोर	
पीढ़ियें—	६. भगवानदास-छतरसालोत ^५	७. हरदास	८. जसकरण	९. जगनाथ
	१०. सावतसिध ११. लालसिध	१२. गुमानसिध	१३. हणवतसिध	

खांप जगमालोत चांपावत

पीढ़ियें— २ चापो ३. भैरुदास ४ जेसो ५ जगमाल (जेपावत रा वस रा जगमालोत कहीजै)

जगमालोत— चांपावत रा ठिकाणों की विगत

१. थलवाड के (२) ठाकुर मोकमसिध का पुत्र ।
२. ठि. लोदराऊ के (१०) ठाकुर जू जारसिध का पुत्र ।
३. ठि. सकराणे के (१०) ठाकुर अणदसिध का पुत्र ।
४. ठि. सकराणे के (१०) ठाकुर अणदसिध का पुत्र ।
५. ठि. देवकी के (५) ठाकुर छतरसिध का पुत्र ।

गाव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गाँव डाहोली—	१०००)	१०००)	नागोर	आघी
पीढिये—:	६. सावलदास-जगमालोत	७. माघोसिंघ	८. हरीदास	९. कनीराम
	१०. लाडखान	११. सिवदानसिंघ	१२. भावसिंघ	१३. वनेसिंघ
	१४. जवानसिंघ	१५. जैतसिंघ		

गाँव टाटरवो—	१०००)	५००)	नागोर	
पीढिये—:	७. ऊदसिंघ-सावलदासोत ^१	८. मोहनदास	९. फतेसिंघ	१०. हीदुसिंघ
	११. दुरगदास	१२. गजसिंघ	१३. ईदरसिंघ	१४. सगतीदान

गाँव सुखवासणी—	३३३।-)	३३३।-)	मेडतो	तीजी पाती
पीढिये—:	८. घनराज-ऊदसिंघोत ^२	९. अखेराज	१०. केसरीसिंघ	११. हरनाथसिंघ
	१२. ऊमेदसिंघ	१३. अमानसिंघ	१४. सिवनाथसिंघ	१५. ऊरजणसिंघ

खांप गोयंददासोत चांपावत

पीढिये—: २. चांपो ३. भेरूदास ४. जेसो ५. गोयददास तिण रा वस रा गोयददासोत कहीजे ।

गोयंददासोत चांपावतां रा ठिकाणां री विगत

गाँव खुडालो—	४०००)	३०००)	गोढवाड	खेडा २
„ वासणी	५०००)	३०००)	सोजत	

कुल रेख ९०००) ६०००)

पीढिये—: ६. खीवकरण-गोयददासोत ७. लूणकरणा ८. महासिंघ ९. नारखान
१०. हठीसिंघ ११. अभेसिंघ १२. जालमसिंघ १३. खुमाणसिंघ
१४. सालमसिंघ १५. केसरीसिंघ

गाँव भेटवाडो—	१५००)	१५००)	गोढवाड	
„ सीरोल	३००)	२००)	„	

कुल रेख १८००) १७००)

पीढिये—: १५. कुसालसिंघ-सालमसिंघोत^३

१. ठि. डाहोली के (६) ठाकुर सावलदास का पुत्र ।

२. ठि. टाटरवो के (७) ठाकुर ऊदसिंघ का पुत्र ।

३. ठि. खुडालो के (१४) ठाकुर सालमसिंघ का पुत्र ।

खांप हरभाणोत चांपावत

पीढियें—: २. चापो ३ मेरूदास ४. जेसो ५. जैतमाल ६. हरभाण (हरभाण जैतमालोत रा वस रा हरभाणोत चांपावत कहीजै ।)

हरभाणोत चांपावतां रा ठिकाणां री विगत

गांव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गांव मालगढ—	२०००)	२०००)	जोधपुर	
„ ठीढस	३७५०)	३७५०)	„	
कुल रेख	५७५०)	५७५०)		

पीढियें—: ७. मनोहरदास-हरभाणोत ८. गिरधारीदास ९. हरनाथ १०. अचलदास
११. वखतावरसिंघ १२. सुलतानसिंघ १३. रुधनाथसिंघ १४. विसनसिंघ
१५. रामदानसिंघ १६. जीवराज

दुवारकादासोत मेड़तीयां रा ठिकाणां री विगत

गांव नवंध— २०००) २०००) मेड़ता खेडा ३

पीढियें—: ७. मोहणदास-हरभाणोत ८. केसरीसिंघ ९. महासिंघ १०. रतनसिंघ
११. रामसिंघ १२. जोधसिंघ १३. किसनसिंघ १४. चुतरभुज १५. अजीतसिंघ

गांव सोवणीयो— १८७११) १८७११) सोजत पाती चोथी

पीढियें—: ७. नरहरसिंघ-हरभाणोत ८. हरीदास ९. सरूपसिंघ १०. राजसिंघ
११. लालसिंघ १२. मानसिंघ १३. जीवनसिंघ १४. नाराणसिंघ
१५. कनौराम १६. भवानीसिंघ

खांप केसोदासोत चांपावत

पीढियें—: २. चापो ३ मेरूदास ४. जेसो ५. माडण ६. केसोदास माडणोत
रा वस रा केसोदासोत चांपावत कहीजै ।

केसोदासोत चांपावतां रा ठिकाणां री विगत

गांव कावतरां— २५००) १०००) जालोर

पीढियें—: ७. नाराणदास-केसोदासोत ८. आसकरण ९. प्रतापसिंघ १०. केसरीसिंघ
११. दौलतसिंघ १२. सिरदारसिंघ १३. वखतसिंघ १४. रतनसिंघ

गांव सांगढढ— १०००) १०००) जालोर

पीढिये— ९. मुकनदास-आसकरणोत^१ १०. ईसरीसिघ ११. सवाईसिघ
१२. जवानसिघ १३. वीरमदेव

खांप रायसिघोत चांपावत

पीढिये— २. चापो ३. भेरूदास ४. जेसो ५. माडण ६. रायसिघ माडणोत तिण
रा वस रा रायसिघोत चांपावत कहीजै ।

रायसिघोत चांपावतां रा ठिकाणां री विगत

गाव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गाँव धानरणी—	१०००)	१०००)	जालोर	

पीढिये—: ७. डुगरसिघ-रायसिघोत ८. हरीसिघ ९. सुरतसिघ १०. सिवदानसिघ
११. प्रतापसिघ १२. अखेसिघ १३. मालमसिघ १४. नवलसिघ १५. पेमसिघ

खांप रायमलोत चांपावत

पीढिये—: २. चापो ३. भेरूदास ४. भीवराज ५. महेसदास ६. जसुतसिघ ७. रायमल
जसुतसिघोत, रायमल तिण रा वस रा रायमलोत चांपावत कहीजै ।

रायमलोत चांपावतां रा ठिकाणां री विगत

गाँव सिणाली —	२५००)	२५००)	जोधपुर
---------------	-------	-------	--------

पीढिये—: ८. फतेसिघ-रायमलोत ९. हाथीसिघ १०. माहासिघ ११. जोरावरसिघ
१२. खूमाणसिघ १३. रतनसिघ १४. बलवंतसिघ

खांप बीठलदासोत चांपावत

पीढिये —: २. चापो-रिडमलोत ३. भेरूदास-चांपावत ४. जेसो-भेरूदासोत ५. माडण-
जेसावत ६. गोपालदास-माडणोत ७. बीठलदास-गोपालदासोत, बीठलदास तिणरा
वस रा बीठलदासोत चांपावत कहीजै ।

बीठलदासोत चांपावतां रा ठिकाणां री विगत

गाँव पोहकरणा —	१३६२५)	१३६२५)	जोधपुर	खेडा ७
„ वडली	१२५)	१२५)	„	
„ खारारा	३०००)	३०००)	„	खेडा ४
गाँव रोगघडो—	४४०)	४४०)	जोधपुर	

गांव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
॥ भीयां भोजारो	४५०)	४५०)	जोधपुर	
॥ चाचाविग	५००)	५००)	"	
॥ कोलंबो	१८८)	५०)	"	
॥ वामगुवाडो	१२५०)	१२५०)	"	
॥ साकडो	६२)	६२)	"	
॥ सीनावरी	१६३)	१६३)	"	
॥ बोडी	१२५)	१२५)	"	
॥ राखडा	५०)	५०)	"	
॥ भाखरी	६३)	६३)	"	
॥ छाथण	१२५०)	१२५०)	"	
॥ रोहवो	१८७)	१८७)	"	
॥ भावल	१८८)	१८८)	"	
॥ राठोडांवास	२००)	२००)	"	
॥ भाकी	६३)	६३)	"	
॥ बाधवो	६३)	६३)	"	
॥ गीडामणी	१२५)	१२५)	"	
॥ गोठ मेणा	१२५)	१२५)	"	
॥ दुदपीजो	२५०)	२५०)	"	
॥ ऊनावड	६२)	६२)	"	
॥ लावो	१३३)	१३३)	"	
॥ बुडीयावास	५०००)	५०००)	"	
॥ घाट सुलतान रो	१२५०)	१२५०)	"	
॥ भावो	५००)	५२५)	"	
॥ भाधवो	१२५)	१२५)	"	
॥ जैसिंग रो वास	१३१०)	१३१०)	"	
॥ जालर रो वास	१८७)	१८७)	"	
॥ गांव खेडी	२८०)	२८०)	"	
॥ खारडी	२८०)	२८०)	"	
॥ मोमट	१२५०)	१२५०)	"	
॥ भीलवो	२५०)	२५०)	"	
॥ वीलीयो	२५०)	२५०)	"	
॥ चानणी	१२५)	१२५)	"	
॥ रातडीयो	१२५)	१२५)	"	

खेडा ५

गांव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
„ जालेवाडो	१२५०)	१२५०)	जोधपुर	
„ चीकु	१२५)	१२५)	„	खेड़ा २
„ गुलरोई	३१३)	३१३)	„	
„ तीलावा	१२५)	१२५)	„	
„ सिरदारसिंघ री ढाणी	६२)	६२)	„	
„ भीखोडाई	१८०)	१८०)	„	
„ गोमठ दुजी	१२५)	३१३)	„	
„ सनावडो	२००)	२००)	„	
„ गुडो	१२५)	१२५)	„	
„ पचवदरीयो	६५०)	६५०)	„	
„ खातोलाई	६५०)	६५०)	„	
„ दांतल	६२)	६२)	„	
„ ढढुवामो	३१३)	३१३)	„	वास ५
„ गोडी	१७३)	१७३)	„	
„ टटारी	३१३)	३१३)	„	
„ देडीयो	७६)	७६)	„	
„ वामणाऊ	१०००)	१०००)	„	
„ कालर जुगारी	२५०)	२५०)	„	
„ वडली	८००)	११२५)	„	खेड़ा ३
„ सारसेण	२००)	२००)	„	
„ सदा रो वास	२००)	२००)	„	
„ गाँव माडवो	१२५)	१२५)	„	जोधपुर
„ होटडी	६३)	६३)	„	
„ करणीयो	१८६)	१८६)	„	
„ वागोडो	१८६)	१८६)	„	
„ सारवो	३००)	३००)	„	
„ जालरीयो	३००)	३००)	„	
„ ऊटडी	६२)	६२)	„	
„ वामणु	१०००)	१०००)	„	
„ नावो	१२५)	१२५)	„	
„ तोलावरो			„	
„ माही	८७५०)	८७५०)	„	मेहला २
„ भादवी			„	
„ माडवो (पटा रो)	१२५)	१२५)	„	

गाव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
„ भाडाला	१२५)	१२५)	जोधपुर	
„ घुडसर	१०००)	१०००)	„	
„ जालारीयो	१३१०)	१३१०)	„	
„ जसवत पुरो	६२५)	६२५)	„	
„ कालाईयो	१०००)	१०००)	„	
„ मडलो	१८५०)	१८५०)	„	
„ कीसमणी	६३)	६३)	„	
„ ओढण रो वास	१४३७)	१४३७)	„	
„ ओको	१२५०)	१२५०)	„	
„ बलाणो	१८८)	१८८)	„	
„ वरकाणो	३१२)	३१२)	„	
„ जावरो	६३)	६३)	„	
„ जालोडो			„	
„ रुदीयो	१६००)	१६००)	„	
„ लोहावो			„	
„ वारेणी वडी	५००)	५००)		
„ रातडीयो			„	
„ रतना रो वास	१५०)	१५०)	„	
„ पादडीयो	१२५)	१२५)	„	
„ भणीयाणो	१२५०)	१२५०)	„	
„ खेतपाली			„	
„ रामदेवरो	८७५०)	८७५०)	„	
„ मजल	५५४०)	७५००)	सिगाणो	
„ ठाकुरवास	१२५०)	—	„	
„ करमावास	५०००)	६५००)	„	
„ दूदारोवाडो	२५००)	३०००)	„	
„ पाता रो वाडो	२०००)	२०००)	„	
„ गरटीयो	४०००)	२५००)	„	
„ रोईचो वजे	१५००)	१५००)	„	
„ गनेई	१०००)	८००)	„	
„ रामपुरो	८००)	१२००)	„	
„ भलजं रो वाडो	३०००)	२१००)	„	
„ कमारो वाडो	१३००)	११००)	„	
„ टेरा रो वाडो	१००)	१००)	„	
„ पुनाडा	४१००)	४५००)	„	

गाव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
„ तीर जालियो	३७५)	५००)	जोधपुर	
„ चीरडीयो	४००)	४००)	„	
„ ऊतेसी	१०००)	६००)	„	
„ जेसावास	४००)	३००)	„	

पीढिये—: ८. जोगीदास-बीठलदासोत ९. भगवानदास १०. माहासिंघ ११. देवीसिंघ
१२. सबलसिंघ १३. सवाईसिंघ १४. सालमसिंघ १५. बभूतसिंघ (खोळ)
१६. गुमानसिंघ १७. मंगलसिंघ (खोळ)

गाँव दासपां—	५०००)	५०००)	जालोर
„ रुछीयाली	२०००)	२०००)	„
„ गजनीपुरो	१०००)	१०००)	„
„ रोहीपो	५००)	५००)	„
„ निरता	१०००)	१०००)	„
„ कुसालपुर	१०००)	१०००)	„
„ आसोवडी	१०००)	१०००)	„
„ कमालपुरीयो	१०००)	१०००)	„
„ कोडी	१०००)	१०००)	„
„ वागरो	६०००)	५०००)	„
„ कोरो	२०००)	२०००)	„
„ घडसी	६०००)	०)	साचौर
„ वड गाँव	५०००)	५०००)	मेडता

पीढिये—: १०. प्रतापसिंघ-भगवानदासोत^१ ११. अनोपसिंघ १२. दौलतसिंघ
१३. सिवदानसिंघ १४. ऊदेराज १५. सादुलसिंघ १६. अनाडसिंघ
१७. सिरदारसिंघ १८. भैरूसिंघ

गाँव साचीदर— १५००) ११००) जालोर

पीढिये—: १७. लालसिंघ-अनाडसिंघोत^२ १८. अचलसिंघ

गाँव आतांगो— ३०००) ३०००) जालोर

पीढिये—: १४. सुरतसिंघ-सिवदानसिंघोत^३ १५. सायबसिंघ १६. लखसिंघ १७. घुडसिंघ

१. ठि. पीकरण के (६) ठाकुर भगवानदास का पुत्र ।

२. ठि. दासपा के (१६) ठाकुर अनाडसिंह का पुत्र ।

३. „ „ „ (१३) „ „ „ „ ।

गाव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गाँव खीवाडो—	१००००)	७०००)	गोढवाड़	
„ वीरभाण रो गुडो	२००)	०)	„	
	१०२००)	७०००)		
„ गाँव वागडीयो	१६५०)	१६५०)	जोधपुर	
„ बालेलाव	७५०)	७५०)	„	
„ जवेडीया	११२५)	११२५)	„	
„ दयालपुरी	१५००)	१५००)	„	
„ भांगेसर	२०००)	२०००)	सोजत	
„ जवासर	२०००)	२०००)	„	
	१६२२५)	१६०२५)		

पीढ़ियाँ— ८ लखधीरसिंह-वीठलदासोत ९. अखैराज १०. राजसिंह ११. पेमसिंह
१२. जगतसिंह १३. नवलसिंह १४. ग्यानसिंह १५. गजसिंह १६. हुमीरसिंह
१७. अजीतसिंह १८. गुमानसिंह

गाँव दुदोड—	२०००)	२०००)	सोजत
„ रूपसिंह रो गुडो	२०००)	२०००)	„
„ रामावास	२०००)	२०००)	„
„ पातुवास	१०००)	१०००)	„

पीढ़ियाँ— १२. सगरामसिंह-पेमसिंहोत^१ १३. सिवनाथसिंह १४. दीपसिंह १५. सेरसिंह
१६. अमरसिंह १७. मेरुसिंह

गाँव वासणी मुह्तारी— २०००) २०००) सोजत

पीढ़ियाँ— १२. रतनसिंह-पेमसिंहोत^२ १३. रामसिंह १४. रुघनाथसिंह
१५. जवानसिंह १६. दुरजणसिंह

गाँव भालाली— ७००) ०) गोढवाड़ पोकरण ऊकील

पीढ़ियाँ— १३. ऊमेदसिंह-रतनसिंहोत^३ १४. ईन्दरसिंह

१. ठि. खीवाडा के (११) ठाकुर पेमसिंह का पुत्र ।

२. ठि. „ (११) „ „ „ ।

३. ठि. वासणी मुह्तारी के (११) ठाकुर रतनसिंह का पुत्र ।

गाँव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गाँव सांमुजो—	३१२५)	३१२५)	जोधपुर	
पीढिये—:	९. ऊर्देसिंघ-लखधीरसिंघोत ^१	१०. पदमसिंघ	११. रिणछोडदास	
	१२. तेजमाल १३. सेरसिंघ	१४. दौलतसिंघ	१५. सुरताणसिंघ	
गाँव गांधारा रा गुडो—	१४००)	१०००)	गोडवाड़	
पीढिये—:	१३. सुजाणसिंघ-तेजमालोत ^२	१४. विजैसिंघ १५. जालमसिंघ	१६. नाथुसिंघ	
	१७. हुकमसिंघ १८. लिछमणसिंघ			
गाँव मोदरां—	१०००)	१०००)	जालोर	आधी
पीढिये—:	१२. बखतावरसिंघ-रिणछोडदासोत ^३	१३. फतेसिंघ	१४. राजसिंघ	
	१५. पेमसिंघ			
गाँव बाकरो—	३०००)	३०००)	जालोर	
„ सोकडा	३०००)	३०००)	„	
„ आकेली	३०००)	३०००)	„	
„ रामपुरीयो	१२५०)	१२५०)	„	
„ बुरल	१०००)	१०००)	„	
„ जीवाणो	२०००)	२०००)	„	
	१३२५०)	१३२५०)		
गाँव नथावडो—	४०००)	४०००)	मेडतो	
	१७२५०)	१७२५०)		
पीढिये—:	८ अजवसिंघ-बीठलदासोत	९. सगतसिंघ १०. लालसिंघ	११. रामसिंघ	
	१२. बाहादरसिंघ १३. अमरसिंघ	१४. वभूतसिंघ १५. रूघनाथसिंघ		
गाँव खोडवो—	२०००)	२०००)	नागोर	
„ वोरटो	२०००)	१०००)	जालोर	
	४०००)	३०००)		

१. ठि. खीवाडा के (८) ठाकुर लखधीरसिंह का पुत्र ।

२. ठि. सामुजा के (१२) ठाकुर तेजमाल का पुत्र ।

३. „ „ „ ११) „ रिणछोडदास का पुत्र ।

पीढ़ियों—: ६. सगतसिंह-अजबसिंहोत^१ १०. कुसलसिंह ११ नाथुसिंह १२. मोखमसिंह
१३. फतेसिंह १४. पाहाडसिंह

गाँव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
------	----------	----------	-------	-------

गाँव पुनासो—	५०००)	५०००)	जालोर
--------------	-------	-------	-------

पीढ़ियों— १३. जवानसिंह-मोहकमसिंहोत^२

गाँव-रणसी—	७७००)	७७००)	जोधपुर
------------	-------	-------	--------

„ मूरकासणी	७५०)	७५०)	„
------------	------	------	---

„ देसणोक	५०००)	४५००)	फलोधी
----------	-------	-------	-------

„ लोड्या रो वास	५००)	५००)	„
-----------------	------	------	---

कुल रेख	१३२५०)	१२७५०)
---------	--------	--------

पीढ़ियों—: ८. पृथीराज-बीठलदासोत ९ घनराज १०. अमरसिंह ११. मोकमसिंह
१२. भवानीसिंह १३. सादुलसिंह १४. तेजसिंह १५. जवारसिंह
१६. सिबनाथसिंह

गाँव हरीयां डाणो—	७५००)	०)	जोधपुर पोहकरणा रो ऊकील
-------------------	-------	----	------------------------

„ भाखर वास	२०००)	०)	जेतारण
------------	-------	----	--------

६५००)

पीढ़ियों—: ११. सूरतसिंह-अमरसिंहोत^३ १२ बुदसिंह १३. जेतसिंह १४ भेरुसिंह
१५. पीरदांन १६. रणजीतसिंह १७. हणवतसिंह

गाँव नोसर—	२१००)	२१००)	जोधपुर
------------	-------	-------	--------

पीढ़ियों—: ११. सुरजमल-अमरसिंहोत^४ १२. रूघनाथसिंह १३. हीमतसिंह
१४. रणजीतसिंह १५. आसकरण

गाँव सवाडीयो—	३१५०)	३१२५)	जोधपुर
---------------	-------	-------	--------

पीढ़ियों—: ८. सिवदानसिंह-बीठलदासोत ९. कूपो १० जोरावरसिंह ११. पीरथीरोज
१२. भवानीसिंह १३. सादुलसिंह १४ अर्भेसिंह

१ डि. नथावडो के (८) ठाकुर अजबसिंह का पुत्र ।

२. डि. खोडवो के (१२) ठाकुर मोहकमसिंह का पुत्र ।

३. डि रणसीगाव के (१०), ठाकुर अमरसिंह का पुत्र ।

४. „ „ „ (१०) „ „ „ ।

गांव रेख कदीम हमार भरे परगना विशेष

गांव बाघावास— ४०००) ४०००) सोजत

पीढिये—: ६. फतेसिंघ-सिवदानसिंघोत^१ १०. वीजैसिंघ ११ कुसलसिंघ

१२. मोहणसिंघ १३. नाथूसिंघ १४. नवलसिंघ १५. जोरावरसिंघ

गांव बडो— १०००) १०००) सोजत १-)। पाती

पीढिये— ११. पेमसिंघ-विजैमिंघोत^२ १२. खुमाणसिंघ १३ धीरतसिंघ १४. रतनसिंघ

गांव पीलवो— १२००) १२००) जोधपुर पाती आधी

„ भोजाकोर २५०) २५०) „ „

„ लाखणकोर २५०) २५०) „ „

कुल रेख १७००) १७००) आध री रेख = ८५०)

पांती आध में—

पीढिये—: ८. देईदास-बीठलदासोत ९. ऊदेभाण १०. साहेवसिंघ ११. सूरसिंघ

१२. चैनसिंघ १३. नवलसिंघ १४. आसकरण १५. मेघसिंघ

पांती दूजी आध में—

पीढिये— १२ खीवकरण-सूरसिंघोत^३ १३. मदनसिंघ १४ जीवराज १५. अर्भेसिंघ

गांव पीलवो— भोजाकोर, लाखणकोर, तीन गांव री

कुल रेख १७००) आध रा ८५०) गढ जोधपुर

गांव सांवरेज— ७५००) २०००) फलोधी

६२००) २८५०)

गांव मेहरवास— ४०००) ४०००) नागोर

पीढिये—: १०. किसोरदास-ऊदेभाणोत^४ ११. सवाईसिंघ १२. वेरीसाल १३. मोतीसिंघ

१४. मेहताबसिंघ

गांव सरेचां— २०००) २०००) जोधपुर आसामी ?

१. ठि सवाडीयो के (८) ठाकुर सिवदानमिह का पुत्र ।

२ „ बाघावास के (१०) „ विजैसिंह का पुत्र ।

३. „ पीलवो (पहली पाती) के (११) ठाकुर सूरसिंह का पुत्र ।

४. „ „ „ „ (९) ऊदेभाण का पुत्र ।

पांती आध में—

पीढियें— ८. आसथान-बीठलदासोत ९ सावलदास १० रामसिंघ ११. जोरावरसिंघ
१२ छतरसिंघ १३. कनीराम (खोळ) १४. भोपालसिंघ १५. रतनसिंघ

पांती आध में—

पीढियें— १० माधोसिंघ-सावलदामोत^१ ११. रामसिंघ १२ ऊमेदसिंघ १३. सूरजमल
१४. रुघनाथसिंघ १५. बाहादरसिंघ (खोळ) १६. नवलसिंघ

खांप-बलोत चांपावत

पीढियें— २. चापो ३. भेरूदास, ४. जेसो, ५. माडण, ६ गोपालदास, ७ बलु-
गोपालदासोत, बलु रा वस रा बलोत कहीजै ।

बलोत-चांपावतां रा ठिकाणां री विगत

गाव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	दिशेष
गाँव हरसोलाव—	६०००)	६०००)	नागोर	खेडा ४

पीढियें— ८ दूदो-बलोत ९ जसवतसिंघ १०. हरीसिंघ ११ सूरतसिंघ १२ गिरधरदास
१३ जालमसिंघ १४ दौलतसिंघ १५. अजीतसिंघ १६. बखतावरसिंघ
१७ देवीसिंघ १८. प्रतापसिंघ

गाँव धामली—	४४००)	४४००)	जोधपुर	खेडा ४
-------------	-------	-------	--------	--------

पीढियें— ८. दवारकादास-बलोत ९ सुंदरसेण १०. अनोपसिंघ ११. पदमसिंघ
१२. मोहकमसिंघ १३. जालमसिंघ १४ सीभूसिंघ १५. सादुलसिंघ
१६. रणजीतसिंघ

गाँव बापोड़—	२०००)	२०००)	नागोर
--------------	-------	-------	-------

पीढियें—: १४. बाहादरसिंघ-जालमसिंघोत^२ १५ बभूतसिंघ

गाँव चवांधांधीयां—	३२००)	३२००)	जोधपुर
--------------------	-------	-------	--------

पीढियें—: ११. सूरजमल-हगीमिंघोत^३ १२ ऊदेसिंघ १३. सिवसिंघ १४. वनेसिंघ
१५. थानसिंघ १६. जूजारसिंघ १७ अजीतसिंघ (खोळ)

गाँव लोरोली-खुरद—	२०००)	२०००)	कोलिया
-------------------	-------	-------	--------

१. ठि सरेचा (पहली पाती) के (६) ठाकुर सावलदास का पुत्र ।

२. ठि. धामली के (१३) ठाकुर जालमसिंघ का पुत्र ।

३. ठि हरसोलाव के (१०) ठाकुर हरीमिंघ का पुत्र ।

पांती आध में—

पीढिये — : ९ सुजाणसिध-दवारकादासोत^१ १०. वाहादरसिध ११. बुदसिध
१२ रामसिध १३ बखतावरसिध १४. ग्यांसिध

पांती आध में—

पीढिये— १३. गुलाबसिध-रामसिधोत १४. मुकनसिध

गाव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
,, गाँव खोखरी	१०००)	१०००)	नागोर	आधी
,, लाहोटी	१०००)	१०००)	"	"
,, सीणीयो	५००)	५००)	"	आधी
कुल रेख	२५००)	२५००)		

पीढिये— ८. उदैभाण-बलोत ९. स्यामसिध १०. वीरभाण ११. नाथूसिध
१२. ऊमेदसिध १३. चीमनसिध १४. कुसालसिध

खांप- भोपतोत चांपावत

पीढिये— २. चापो ३. भेरूदास ४. जेसो ५. माडण ६ गोपालदास ७. भोपत-
गोपालदासोत, भोपत रा वस रा भोपतोत चांपावत कहीजै ।

भोपतोत चांपावतां रा ठिकाणां री विगत

गाँव खाहू बडी— ६०००) ६०००) नागोर खेडा ५

पीढिये —: ८. सायबखान-भोपतोत ९. सिवदास १०. रामसिध ११. रूपसिध
१२. कनकसिध १३. वाहादरसिध १४ धीरतसिध १५. हुकमसिध
१६ दुरजणसिध १७ जोधसिध १८. विसनसिध

गाँव चूटीसरो— २०००) २०००) नागोर

पीढिये—: १३. तेजसिध-कनकसिधोत^२ १४. चांदसिध १५. अमानसिध
१६ कुसालसिध

गाँव श्रेवाद— १५००) १५००) नागोर आधी

पीढिये—: १४. विजेसिध-तेजसिधोत^३ १५. बखतावरसिध १६. मगलसिध

१. ठि. घामली के (८) ठाकुर द्वारकादास का पुत्र ।

२. ठि. पाहू बडी के (१२) ठाकुर कनकसिंह का पुत्र ।

३. ठि. चूटीसरे के (१३) ठाकुर तेजसिंह का पुत्र ।

गांव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
------	----------	----------	-------	-------

गांव-डाभ गांव —	३०००)	३०००)	नागौर
-----------------	-------	-------	-------

पीढ़ियाँ—: १३ अभेसिंघ-कनकसिंघोत^१ १४. हीदुसिंघ १५ नाथूसिंघ १६. सुरजमल
१७. महेसदास

गांव पालोट—	३०००)	३०००)	नागौर
-------------	-------	-------	-------

पीढ़ियाँ—: १३. बखसोरांम-कनकसिंघोत^२ १४. सलेसिंघ १५. भोमसिंघ १६. सादुलसिंघ

गांव जाखेड़ो—	५०००)	५०००)	नागौर
---------------	-------	-------	-------

पीढ़ियाँ—: १३ दुर्घसिंघ-कनकसिंघोत १४. दीपसिंघ १५. मोतीसिंघ १६. अजीतसिंघ
१७. मेघसिंघ

गांव अडवड—	५०००)	५०००)	नागौर
------------	-------	-------	-------

पीढ़ियाँ—: १२. गुमानसिंघ-रूपसिंघोत^३ १३. दलुकरेण १४. मोहनदास १५. देवीसिंघ
१६. रुघनाथसिंघ

गांव आगूतो—	४०००)	४०००)	कोलियो	खालसे
-------------	-------	-------	--------	-------

पीढ़ियाँ—: १२. सावतसिंघ-रूपसिंघोत^४ १३. अमरसिंघ १४. भेरूसिंघ १५. जोगीदास
१६. रिडमलसिंघ

गांव सुनारी—	२०००)	२०००)	नागौर
--------------	-------	-------	-------

„ गांव मडागणो	१०००)	१०००)	„
---------------	-------	-------	---

कुल रेख	३०००)	३०००)
---------	-------	-------

पीढ़ियाँ—: ९. सकरदास-सायबखानोत^५ १०. जगतसिंघ ११. बदरीदास १२. सुरतसिंघ
१३. जालमसिंघ १४. सेरसिंघ १५. बदरसिंघ १६. रुघनाथसिंघ
१७. बलवंतसिंघ १८. भूरसिंघ

गांव वाटेलो—	१०००)	१०००)	नागौर
--------------	-------	-------	-------

१. ठि. खाद वडी के (१२) ठाकुर कनकसिंह का पुत्र ।

२. „ „ (१२) „ „ „ ।

३. ठि. खाद वडी के (११) ठाकुर रूपसिंह का पुत्र ।

४. ठि. „ „ (११) „ „ „ „ ।

५. „ „ „ (८) „ „ सायबखान का पुत्र ।

पीढिये — : १०. जगतसिंघ-सकरदासोत^१ ११. रुगनार्थसिंघ १२. सिरदारसिंघ
१३. अमरसिंघ १४. किसनसिंघ १५. पदमसिंघ १६. डूंगरसिंघ १७. लालसिंघ

गाव रेख कदीम हमार भरे परगना विशेष

गाँव ओरीठ— ४०००) ४०००) नागोर

पीढिये — : ९. माघोसिंघ-सायबखानोत^२ १०. मुकनदास ११. भीमसिंघ
१२. सगरामसिंघ १३. लालसिंघ १४. हणवतसिंघ १५. गोपालसिंघ

गाँव बरहोल— ४०००) ४०००) नागोर

पीढिये— : ११. लखधीरसिंघ-मुकनदासोत^३ १२. अणदसिंघ १३. अखेसिंघ
१४. अमानसिंघ १५. सिरदारसिंघ

गाँव चाऊ— ३०००) ३०००) नागोर

पीढिये — : ११. हीमनसिंघ-मुकनदासोत^४ १२. रामसिंघ १३. गुलाबसिंघ १४. बाघसिंघ

गाँव रामड़ावास खुरद— १०००) १०००) जोधपुर

पीढिये — : ८. करणसिंघ-भोपतोत ९. सगतसिंघ १०. वीरमदेव ११. जूजारसिंघ
१२. सिंभुसिंघ १३. स्यामसिंघ १४. ईंदरसिंघ १५. बेरीसाल १६. सादुलसिंघ

गाँव दुजार— १०००) १०००) नागोर

पीढिये — : ९. जगमालसिंघ-करणसिंघोत^५ १०. बाघसिंघ ११. दीलतसिंघ
१२. धीरतसिंघ १३. लालसिंघ १४. जसकरण १५. जगतसिंघ

गाँव पीरोजपुरो— ३०००) ३०००) नागोर

पीढिये — : ९. भगवानदास-करणसिंघोत १०. गोयददास ११. गजसिंघ १२. सिंभुसिंघ
१३. हणवतसिंघ १४. सगतीदान

गाँव कोन्याडो— १०००) १०००) नागोर

पीढिये — : ९. भागमल-करणसिंघोत १०. किसनसिंघ ११. अणदसिंघ १२. सिरदारसिंघ
१३. जोरावरसिंघ १४. चैनसिंघ १५. वखतावरसिंघ १६. चिमनसिंघ
१७. मुकनसिंघ

खांप खेतसिंघोत चांपावत

१ ठि सुनारी के (९) ठाकुर संकरदास का पुत्र ।

२. ठि खादू बड़ी के (८) ठाकुर सायबखान का पुत्र ।

३ ठि बोरीठ के (१०) ठाकुर मुकनदास का पुत्र ।

४ „ „ „ (१०) „ „ „ ।

५ ठि. रामड़ावास के (८) ठाकुर करणसिंघ का पुत्र ।

गाँव रेख कदीम हमार भरे परगना विशेष
पीढ़ियों—: २. चापो ३. भेरूदास ४. जेसो ५. माडण ६. गोपालदास ७. खेतसिंघ-
गोपालदासोत खेतसिंघ रा वंस रा खेतसिंघोत कहीजै ।

खेतसिंघोत चांपावतां रा ठिकाणों की विगत

गाँव हबतसर— ३०००) ३०००) नागोर

पीढ़ियों—: ८. बाहादरसिंघ-खेतसिंघोत ९. गोपीनाथ १०. कीरतसिंघ ११. मदनसिंघ
१२. चादसिंघ १३. वखतसिंघ १४. सिवनार्थसिंघ १५. चिमनसिंघ

गाँव सरासणी— २०००) २०००) नागोर

पीढ़ियों—: ८. नाहरखान-खेतसिंघोत ९. तेजसिंघ १०. हिंदूसिंघ ११. पदमसिंघ
१२. चंद्रभाण १३. जवानसिंघ १४. गुलाबसिंघ १५. केसरीसिंघ

गाँव खीदावास— १२५०) १२५०) मेड़तो

पीढ़ियों—: ११. भारथसिंघ-हिंदूसिंघोत १२. दुलेहसिंघ १३. नरसिंघदास
१४. बभूतसिंघ

खांप हरीदासोत चांपावत

पीढ़ियों—: २. चापो ३. भेरूदास ४. जेसो ५. माडण ६. गोपालदास ७. हरीदास-
गोपालदासोत, हरीदास रा वंस रा हरीदासोत कहीजै ।

हरीदासोत चांपावतां रा ठिकाणों की विगत

गाँव गठीयो— ५०००) २५००) मेड़तो

पीढ़ियों—: ८. विजेराज-हरीदासोत ९. वीरमदेत १०. सवाईसिंघ ११. ग्यानसिंघ
१२. रामसिंघ (खोळ) १३. चादसिंघ १४. अमानसिंघ १५. पीरदान
१६. छतरसिंघ

खांप आईदांनोत चांपावत

पीढ़ियों—: २. चापो ३. भेरूदास ४. जेसो ५. माडण ६. गोपालदास ७. दलपत
८. आईदान-दलपतोत, आईदांन तिण रा वंस रा आईदांनोत चांपावत कहीजै ।

आईदांनोत चांपावतां रा ठिकाणों की विगत

गाँव आऊवो खास— ३०००) ३०००) सोजत

गांव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
,, कारोलिघो	५००)	५००)	सोजत	
,, नरसिंगपुरो	५००)	५००)	,,	
,, काऊ	५००)	५००)	,,	
,, केसरीसिंघ रो गुडो	५००)	५००)	,,	
,, विठोरो खुरद	१०००)	१०००)	,,	
,, राकोणो	५००)	५००)	,,	
,, रामसिंघ रो गुडो	५००)	५००)	,,	
,, राजकियावास	१०००)	१०००)	,,	
,, देवली	४०००)	४०००)	,,	खेडा ३
,, कराडी	१५००)	१५००)	,,	
,, नवो खेडो	१०००)	१०००)	,,	
,, गाघाणो	१५००)	१५००)	,,	रेख नही
,, जेतपुरो	०)	०)	,,	
कुल रेख	१६०००)	१६०००)		

पीढिये—: ९. तेजसिंघ-आईदानोत १०. हरनाथसिंघ ११. कुसलसिंघ १२. जैतसिंघ
 १३. सिवसिंघ १४. माधोसिंघ १५. बखतावरसिंघ १६. कुसलसिंघ
 १७. देवीसिंघ १८. सिंभूसिंघ

गांव बांडसां— २५००) २५००) सोजत
 पीढिये—: १३. कीलाणसिंघ-जैतसिंघोत^१ १४. नाथसिंघ १५. साहुलसिंघ
 १६. रणजीतसिंघ

गांव लांबीयां— ३०००) ३०००) सोजत
 पीढिये—: १२. बुधसिंघ-कुसलसिंघोत^२ १३. भीवसिंघ १४. भवानीसिंघ
 १५. पीरथीराज १६. गिरधारीसिंघ

गांव वीठोरो वडो— ४०००) ४०००) सोजत
 ,, भगवानपुरो ३०००) ३०००) ,,
 कुल रेख ७०००) ७०००)

१. ठि. आउवा के (१२) ठाकुर जैतसिंह का पुत्र ।

२. ठि. ,, (११) ,, कुसलसिंह का पुत्र ।

पीढ़ियें— १२. सेरसिंघ-कुमलसिंघोत^१ १३. भोमसिंघ १४. अमरसिंघ १५. कांसिंघ
१६. ऊमेदसिंघ

गांव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
------	----------	----------	-------	-------

गांव बांमसीण—	३०००)	३०००)	सिवाणा	
---------------	-------	-------	--------	--

„ नेहली	१०००)	१०००)	„	
---------	-------	-------	---	--

पीढ़ियें—: १०. रूपसिंघ-तेजसिंघोत^२ ११. रामसिंघ १२. जेतमाल १३. हटीसिंघ
१४. सोनसिंघ १५. नवलसिंघ १६. वभूतसिंघ १७. रुगनाथसिंघ

गांव हरजी—	३२००)	३२००)	जालोर	
------------	-------	-------	-------	--

पीढ़ियें—: १२. जवानसिंघ-रामसिंघोत^३ १३. लालसिंघ १४. अचलसिंघ १५. हेमसिंघ
१६. दौलतसिंघ १७. रतनसिंघ (खोळी)

गांव जाणोवाणो—	२५००)	२५००)	सिवाणा	
----------------	-------	-------	--------	--

„ पटाऊ	४००)	४००)	„	
--------	------	------	---	--

„ बोरनडी	५००)	५००)	जोधपुर	
----------	------	------	--------	--

कुल रेख	३४००)	३४००)		
---------	-------	-------	--	--

पीढ़ियें—: १०. रतनसिंघ-रूपसिंघोत^४ १२. अखेसिंघ १३. अमरसिंघ १४. नाथूसिंघ
१५. प्रतापसिंघ

गांव दीवाणदी—	५५००)	५५००)	जोधपुर	
---------------	-------	-------	--------	--

पीढ़ियें—: १०. अनोपसिंघ-तेजसिंघोत^५ ११. मुलतानसिंघ १२. गजसिंघ
१३. नाथूसिंघ १४. वीरमदेव १५. अजीतसिंघ

गांव बांतो—	३५००)	२७००)	सोजत	आधो
-------------	-------	-------	------	-----

पीढ़ियें—: १३. उरजणसिंघ-गजसिंघोत^६ १४. सरूपसिंघ १५. पेमसिंघ
१६. गुमानसिंघ

गांव भीवालियो—	१५००)	१५००)	सोजत	आधो
----------------	-------	-------	------	-----

१. ठि. आडवा के (१२) ठाकुर जेतसिंह का पुत्र ।

२. „ „ „ (६) ठाकुर तेजसिंह का पुत्र ।

३. ठि. वामसीण के (११) ठाकुर रामसिंह का पुत्र ।

४. „ „ „ (१०) „ रूपसिंह का पुत्र ।

५. ठि. आडवा के (६) „ तेजसिंह का पुत्र ।

६. ठि. दीवाणदी के (१२) ठाकुर गजसिंह का पुत्र ।

पीढिये—: ११. मोहणसिंघ-अनोपसिंघोत १२. जालमसिंघ
१४. चैनसिंघ

१३. नवलसिंघ

गांव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गांव रोयट—	५०००)	३०००)	जोधपुर	
„ तीगरो	१०००)	१०००)	„	
„ नीवली-विरामणांरी	६२५)	६५५)	„	
„ कलाली	१२५०)	१२५०)	„	
„ टुटली	६२५)	६२५)	„	
„ लालकी	१२५०)	१२५०)	„	
„ अरठीयो	१२५०)	१२५०)	„	
„ दुदली	६००)	६००)	„	
„ सुगलो	१०००)	१०००)	„	
„ जेसावास	२५००)	२५००)	मेडतो	
„ भोरणीया	३१२५)	३१२५)	सोजत	
कुल रेख	१८५२५)	१६५२५)		

पीढिये—: ६. सगतसिंघ-आईदांनोत १०. भगवतसिंघ ११. किलार्णसिंघ १२. ईंदरसिंघ
१३. अचलसिंघ १४. सुलतानसिंघ

गांव आहोर—	४०००)	२०००)	जालोर	
„ गुढो	३०००)	१५००)	„	
„ पादली	१०००)	१०००)	„	
„ वागोतरा	१२५०)	६२५)	„	
„ खेजडीयो	५००)	५००)	„	
„ सीरली	१०००)	५००)	„	आधी
कुल रेख	१०७५०)	६१२५)	परगना जालोर री	
गांव सथलांगो—	७०००)	७०००)	जोधपुर	
„ मांडावास	५०००)	५०००)	„	
कुल रेख	१२०००)	१२०००)		

गांव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गांव हारी —	३०००)	३०००)	नागोर	
„ जुजाणी	३०००)	१५००)	भीनमाल	
	—————	—————		
	६०००)	४५००)		
	—————	—————		
कुल रेख	२८७५०)	२२६२५)	(गांव आहोर से जुजाणी तक)	

पीढ़ियें—: १ जगननाथ-आईदांनोत १०. रिणछोड़दास ११. विहारीदास १२. राजसिंघ
१३. अनाईसिंघ १४. सगतीदांन १५. असवंतसिंघ १६. लालसिंघ
१७. भवानीसिंघ (खोळ)

गांव भैंसवाडो—	३०००)	३०००)	जालोर
„ भागल-बिरामणांरी	६२५)	६२५)	„
„ आका रो पादर	५००)	५००)	„
„ चादराई	१०००)	१०००)	„
„ बीठोहो	१०००)	१०००)	„
„ ऊकरडा रो पादर	१०००)	१०००)	„
	—————	—————	
	७१२५)	७१२५)	
„ चाचोडीयो	६०००)	६०००)	गोढवाड़
„ खवासपुरो	३७५०)	३५००)	मेढतो
	—————	—————	
कुल रेख	१६८७५)	१६६२५)	

पीढ़ियें— १२. जगतसिंघ-विहारीदासोत^१ १३. गुलाबसिंघ १४. नवलसिंघ
१५. सिवनाथसिंघ

गांव चवरचां—	२०००)	२०००)	जालोर
पीढ़ियें —:	१२. केसरीसिंघ-विहारीदासोत १३. भैरुसिंघ १४. जीवराज		
गांव बरवां—	१५००)	१५००)	जोधपुर

पीढ़ियें—: १०. नरहरदास-जगनाथोत^२ ११. ईंदरभाण १२. पदमसिंघ १३. पीरथीराज
१४. कुसालसिंघ (खोळ) २५. सिरदारसिंघ

१ ठि हारी के (११) ठाकुर विहारीदास का पुत्र ।

२. ठि हारी के (१) ठाकुर जगनाथ का पुत्र ।

गाव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गाँव काकाणी—	३१२५)	३१२५)	जोधपुर	

पीढिये—: १०. भोकमसिध-जगनाथोत^१ ११. वखतसिध १२. खुमाणसिध
१३. सरूपसिध १४. सादुलसिध १५. गिरधरदास १६. पनेसिध

गाँव चीपर वाड़ो—	३०००)	३०००)	जालोर
------------------	-------	-------	-------

पीढिये—: १२. नाथूसिध-वखतसिधोत^२ १३. वनेसिध १४. दीलतसिध

गाँव गोधरा—	४०००)	४०००)	जालोर
-------------	-------	-------	-------

„ बुडतरो	३०००)	३०००)	„
----------	-------	-------	---

पीढिये—: १०. गीरधरदास-जगनाथोत^३ ११. सिवदानसिध १२. सूरजमल
१३. ग्यानसिध १४. वभूतसिध

दो गाँव कुल रेख	७०००)	७०००)	भरे
-----------------	-------	-------	-----

गाँव खारडो—	५०००)	५०००)	जोधपुर
-------------	-------	-------	--------

पीढिये—: ६. सुजाणसिध-भाईदानोत १०. रुघनाथसिध ११. किसनसिध
१२. स्यामसिध १३. सिभूसिध १४. रामसिध १५. पेमसिध १६. पहाड़सिध
१७. भारथसिध १८. भेरूसिध ;

गाँव सोरांगो—	४१००)	४१००)	सिवाणा
---------------	-------	-------	--------

पीढिये—: १४. ईन्दरसिध-सिभूसिधोत^४ १५. हीरसिध १६. मानसिध

गाँव खेजडली-वडो—	३०००)	३०००)	जोधपुर
------------------	-------	-------	--------

पीढिये—: ११. सूरतसिध-रुगनाथसिधोत^५ १२. सगरामसिध १३. जालमसिध
१४. सालमसिध १५. सादुलसिध १६. तेजसिध १७. रतनसिध

गाँव राजोद—	२०००)	२०००)	नागोर
-------------	-------	-------	-------

पीढिये—: ११. वीसनदास-रुगनाथसिधोत^६ १२. मनोरदास १३. विजसिध
१४. सेरसिध १५. नवलसिध

खांप किलांगदासोत- चांपावत

-
१. ठि. ढारी के (६) ठाकुर जगनाथ का पुत्र ।
 २. ठि. काकाणी के (११) ठाकुर वखतसिह का पुत्र ।
 ३. ठि. ढारी के (६) ठाकुर जगनाथ का पुत्र ।
 ४. ठि. खारडो के (१३) ठाकुर शंभूसिह का पुत्र ।
 ५. ठि. „ „ (१०) ठाकुर रुघनाथसिह का पुत्र ।
 ६. „ „ „ (१०) „ „ „ ।

पीढिये—: २ चापो-रिडमलोत ३. भेरूदास-चापावत ४. जेसो-भेरूदासोत ५. माडण-जेसावत ६ गोपालदास-माडणोत ७. दलपत-गोपालदासोत ८. किलाणदास-दलपतोत किलाणदास रा वस रा किलाणदासोत चापावत कहीजै)

किलाणदासोत चापावतां रा ठिकाणां री विगत

गाव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गांव भालेलाव—	१०००)	१०००)	जोधपुर	

पीढिये—: ६. गोरघन-किलाणदासोत १०. अनोपसिध ११. ई दरभाण १२. किसनसिध १३. रूपसिध १४. सालमसिध

खांप करणोत-रूपावत, पुनावत, भीमोत

पीढिये—: १. राव रिडमल २. करण रिडमल री तिण रा करणोत कहीजै ।

करणोतां रा ठिकाणां री विगत

गांव काणाणो—	१२००)	१२००)	सिवाणो	खेडा ३
--------------	-------	-------	--------	--------

पीढिये—: ३. लूणकरण-करणोत ४ बीदो ५. नीवो ६ आसकरण ७. दुरगादास ८. अभैकरण ९. सिधकरण १०. फतेकरण ११. करणीदान १२. स्यामकरण १३. केसरीकरण १४. नथकरण १५. ऊमेदकरण १६. रतनकरण १७. घनकरण

गांव मढली—	६२५)	६२५)	जोधपुर
------------	------	------	--------

पीढिये—: १३. ऊमेदकरण-स्यामकरणोत^१ १४. सुमेरकरण

गांव करनियाली—	४०००)	४०००)	जोधपुर
----------------	-------	-------	--------

पीढिये—: ११. लालकरण-फतेकरणोत^२ १२. सिवकरण १३. हमीरकरण १४. अजीतसिध १५. मूलराज

गांव भंवर—	३५००)	३५००)	जोधपुर	आधी
------------	-------	-------	--------	-----

पीढिये—: ८ तेजकरण-दुरगादासोत^३ ९ विसनसिध १०. सेरसिध ११. किलाणसिध १२. सालमसिध ३. माधोसिध

गांव बाधावास—	२८५०)	२८५०)	जोधपुर	खेडा ३
„ बालाऊ	८२५)	८२५)	„	
„ सबरखीयो	३२५)	३२५)	„	

१. ठि. काणाणा के (१२) ठाकुर स्यामकरण का पुत्र ।

२. „ „ „ (११) „ फतेकरण का पुत्र ।

३. „ „ „ (७) „ दुरगादास का पुत्र ।

गाव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
„ रोडवो	५२५)	५२५)	जोधपुर	खेडा ४
	४५२५)	४५२५)		
„ गाँव पतासर वगना	७५०)	७५०)	जोधपुर	
„ आकेलडी	२५०)	२५०)	„	
„ वडनावो	८५०)	८५०)	„	
„ जाणादेसर	२५००)	२५००)	„	
„ डोहलो खुरद	२५०)	२५०)	„	
„ मेगला वास	२५०)	०)	„	
कुल रेख	६३७५)	६१२५)		
पीढिये—: ८. मेहकरण-दुरगदासोत ^१ ९. जेतकरण १०. घनस्यामकरण ११. पेमकरण १२. जैकरण १३. खुमाणकरण १४. सेसकरण				
गाँव पाडर गाँव—	५००)	२५०)	जालोर	
पीढिये—: १२. तेजसिंघ-पेमकरणोत ^२ १३. डुंगरसिंघ १४. सिरदारसिंघ				
गाँव राजन वाडी—	५००)	५००)	जालोर	
पीढिये—: १२. देवकरण-विमलकरणोत १३. घनसिंघ १४. सेरसिंघ				
गाँव समदडी—	३०००)	३०००)	सिवाणा	
„ रनीयोद	३०००)	३०००)	जोधपुर	
„ गागुरडो	६४००)	६४००)	सोजत	
„ वागास-खेडो	१०००)	१०००)	„	
„ दईपुडो	३०००)	३०००)	जोधपुर	
	१६४००)	१६४००)		
पीढिये—: ८. चैनकरण-दुरगदासोत ९. गुमानकरण १०. ईंदरकरण ११. सालमकरण १२. आईदान १३. देवकरण				
गाँव सूरपुरो—	२०००)	२०००)	सिवांगो	
„ पालडी	४०००)	३०००)	नागोर	
„ तखतपुरो	५००)	५००)	„	
कुल रेख	६५००)	५५००)		

१. ठि. काकाणा के (७) ठाकुर दुर्गादास का पुत्र ।

२. ठि. बाघावास के (११) ठाकुर पेमकरण का पुत्र ।

पीढियें—: ६ बखतसिंघ-चैनकरणोत^१ १०. ऊर्देसिंघ ११. जगतसिंघ १२. करणसिंघ

गांव रेख कदीम हमार भरे परगना विशेष

गांव तिरगटी— ४००) ४००) सिवाणा

पीढियें—: १० सिरदारसिंघ-बखतसिंघोत^२ ११. भोमसिंघ १२ किलाणसिंघ
१३. रुघनाथसिंघ

गांव जाजोलाई— १५००) १५००) फलोधी

(सु भाखरी-कहीजे)

पीढियें—: ७ जसकरण-आसकरणोत^३ ८. देवकरण ९. सूरजमल १०. सिरदारसिंघ
११. रतनसिंघ १२ .डूगरसिंघ

गांव चांदसमो— २०००) ०) जोधपुर- रेख माफ

पीढियें—: ६. नथकरण-देवकरणोत^४ १०. लालकरण ११. सिवकरण १२. गोयनदास

गांव मुडाडो— ५०००) ५०००) गोढवाड

पीढियें—: ५. कांघल-वीदारो^५ ६. मनोहरदास ७. देईदास ८. जगतसिंघ ९. सूरसिंघ
१० सुजाणसिंघ ११. खुमाणसिंघ १२. ईंदरसिंघ १३. रुघनाथसिंघ
१४ पिरथीराज १५. किलाणसिंघ

गांव कीटणोद— ५०००) ५०००) सिवाणा

„ वाली २५००) २५००) जालोर

कुल रेख ७५००) ७५००)

पीढिये—: ३. जाभूण-करणा रो ४. खेतसी ५. मानसिंघ ६. सादूलसिंघ ७. अमरसिंघ
८. राजसिंघ ९. सुदरसैण १०. नाहरखान ११. जालमसिंघ १२. मूलराज
१३ कनीराम १४. बभूतसिंघ १५. परतापसिंघ

गांव रातडीयो— १३५०) १३५०) जोधपुर

पीढियें— ६. केसरीसिंघ-राजसिंघोत^६ १०. बखतसिंघ ११. फतेसिंघ १२. भारथसिंघ
१३. ऊंदेराज १४. सादूलसिंघ १५. भोपालसिंघ १६. लिछमणसिंघ

—

१. ठि. समदडी के (८) ठाकुर चैनकरण का पुत्र ।

२. ठि सूरपुरा के (९) ठाकुर बखतसिंह का पुत्र ।

३. ठि. काणाणा के (६) ठाकुर आसकरण का पुत्र ।

४. ठि जाजोलाई के (८) ठाकुर देवकरण का पुत्र ।

५. ठि काणाणा के (४) ठाकुर वीदा का पुत्र ।

६. ठि. कीटणोद के (८) ठाकुर राजसिंह का पुत्र ।

गाव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गांव मोडी—	१५००)	१०००)	जालोर	
३, ईसरोल	१०००)	५००)	साचोर	आधी
	-----	-----		
कुल रेख	२५००)	१५००)		

पीढिये—: ३. माणकराव-करणा रो ४. सारंग-माणक रो ५. जालप-सारंग रो
 ६. भोपत-जालप रो ७. पीरथीराज ८. जोगीदाम ९. दयालदास
 १०. वखतसिध ११. लखधीरसिध १२. दलकरण १३. कनीराम
 १४. जेठकरण

खांप रूपावत

पीढिये—: १. राव रिड़मल २. रूपो-रिड़मल रो, रूपा रा वस रा रूपावत कहीजै

रूपावतां रा ठिकाणां री विगत

गांव कलवांगी— १०००) १०००) कोलीयो पाती आध
 पांती आध में—

पीढिये—: ३. सादो रूपा रो ४. भोजराज ५. भाण ६. पूरणमल ७. डूगरसिध
 ८. जेतसिध ९. नाथूसिध १०. माहासिध ११. तेजसिध १२. ऊमेदसिध
 १३. वाघमिध १४. रुधनाथसिध १५. मगलसिध

पांती जवत—

पीढिये—: १२. सिरदारसिध-तेजसिधोत १३. अगरसिध

पांती जवत—

पीढिये—: १२. सालमसिध-तेजसिधोत १३. छतरसिध

गांव ढाकोरीयो— २०००) १०००) नागोर

पीढिये—: ६. जेमल-भाणोत ७. खेतसी ८. भगवानदास ९. अमरसिध
 १०. गिरधारीसिध ११. जोरावरसिध १२. विसनसिध १३. बुधसिध
 १४. मुकनसिध

गांव ऊदट— २०००) १०००) फलोधी

पांती आध में—

पीढिये—: ६. केसोदास-भाणोत ७. गोपालदास ८. जगनाथ ९. दुर्गदास
 १०. अणदराम ११. वखतसिध १२. नगराज १३. भोमसिध १४. प्रतापसिध
 १५. देवीसिध

प्रांती आध में—

पीढियें—: ५. राणो-भोजराजोत ६. दयालदास ७. भीवसिंघ ८. करमसिंघ ९. फतेसिंघ
१०. वखतसिंघ ११. सवाईसिंघ १२. धनराज १३. रावतसिंघ
१४. सावतसिंघ †

गांव रेख कदीम हमार भरे परगना विशेष

गांव मुंजासर— २०००) २०००) फलोधी

पांती आध में—

पीढियें—: ३. तोगो-रूपावत ४. वेरसल ५. हिंगोलदास ६. जगमाल ७. वेणीदास
८. गोयनदास ९. जगतसिंघ १०. जोधसिंघ ११. करणसिंघ १२. सूरजमल
१३. भोपालसिंघ

पांती आध में—

पीढियें—: १३. मदनसिंघ-सूरजमलोत १४. लूणकरण

गांव चाखु— २०००) २०००) फलोधी

पीढियें—: ३. सादो रूपावत ४. भोजराज ५. राणो ६. दुरगदास ७. रिणछोडदास
८. राजकरण ९. जसकरणा १०. आईदान ११. मोकमसिंघ १२. भेरूदास
१३. जूजारसिंघ १४. मूलराज

गांव भेड़— १०००) १०००) फलोधी

पीढियें—: ४. भोजराज-सादारो ५. राणो ६. दुरगदास ७. कल्याणदास ८. रामचंद्र
९. पदमसिंघ १०. अनोपसिंघ ११. दीलतसिंघ १२. खेतसिंघ १३. ईसरीसिंघ
१४. राजसिंघ

गांव जाजीवाल (राजघरी) १५०) १५०) जोधपुर

पीढियें—: १. वीजेसिंघ २. हीदुसिंघ ३. रतनसिंघ ४. सुमेलसिंघ

खांप- पुनावत

पीढियें— १. राव चुडो २. पुनपाल-चुडावत तिण रा वंस रा पुनावत कहीजै ।

गांव खुदीयास ३०००) ५००) परबतसर

पीढियें—: ३. डुंगरसिंघ-पुनावत ४. ओनाडसिंघ ५. अजीतसिंघ ६. रूपसिंघ

७. दुरजणसिंघ ८. ऊर्देसिंघ ९. मानसिंघ १०. देवीसिंघ ११. विर्जेसिंघ
१२. रुघनाथसिंघ १३. रामसिंघ १४. सादुलसिंघ १५. सुजाणसिंघ

खांप- भीयोतां रा

पीढिये—: १. राव चूडो २. भीयो-चुडावत, भीयो चुडावत, तिण रा वस रा भीयोत
कहीजै ।

गांव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गांव खारा बेरा—	१३००)	१३००)	जोधपुर	

पांती आध में—

पीढिये—: ३. रुघनाथसिंघ ४. माहासिंघ ५. जसकरण ६. कुसालसिंघ ७. कानसिंघ
८. हुकमसिंघ ९. रावतसिंघ

पांती आध में—

पीढिये—: १०. बिहारीदास ११. किलाणदास १२. जीवणदास १३. रिणछोडदास
१४. छतरसिंघ १५. सिरदारसिंघ १६. पीरदान

खांप देवराजोत

पीढिये—: १. राव बीरम २. देवराज-बीरमदेवोत, देवराज रा वस रा देवराजोत
कहीजै ।

गांव सेतरावो—	८०५०)	०	जोधपुर	रेख भरे नहीं
„ जेठाणीयो	६००)	०	„	
„ कालाऊ	२००)	०	„	निजराणो भरे
„ केळो	२००)	०	„	
„ देवड़ो	२००)	०	„	
„ खीपासर	१००)	०	„	
„ दुरजण साल रो वास	१००)	०	„	
„ सुगालीयो	१००)	०	„	
„ बुडकीयो	रेख नहीं	०	„	
„ वारणो	„	०	„	
„ लोडतो	१०००)	०	„	बेडा ४
„ बाकरो	६००)	०	„	
„ नाथडाऊ	३२५०)	०	„	
„ देवराणीयो	४००)	०	„	

गांव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
„ लोरलो	३००)	०	जोधपुर	
„ केलड़ी	२००)	०	„	
„ सोलखीया तला	२००)	०	„	
„ देवीसर	२००)	०	„	
„ कानोडीयो	१००)	०	„	
„ मोडीयो	रेख नहीं	—		

विगत गावा री, रेख भरे नहीं निजराणो भरे खेडा २३ री रेख १४८२५)

पीढियें—: ६. राजी-देवराजोत ४. लूणकरण ५. रणीण ६. राघव ७. भीवड ८. बीहड
९. बनो १०. भाखरसी ११. वरसल १२. जगमाल १३. भारमल
१४. विहारीदास १५. ऊरजरासिध १६. दोलतसिध १७. सूरजमल
१८. मोकमसिध १९. बखतावरसिध

गांव सुवालियो— १०००) ५००) जोधपुर

पीढियें—: १७. जालमसिध-दोलतसिधोत १८ छतरसिध ने माहाराज श्री.....
पटो इनायत कियो १९ मेघसिध २०. मुकनसिध

खांप-चाडदे (चाडदेवोत)

पीढिये— १. राव-वीरम २. देवराज ३. चाडदे-देवराजोत (देवराज री) चाडदे रा
वस रा चाडदेवोत कहीज ।

विगत गांवां री रेख भरे नहीं निजरांणो भरे

गांव देखु—	०	०	जोधपुर	
„ मडलो	०	०	„	
„ कोलु	०	०	„	आदी
„ ठाडीयो	०	०	„	
„ सगरा	०	०	„	
„ ईंदारी ढाणी	०	०	„	
„ रोटिड	०	०	„	

पीढियें—: ४. चापो चाडदे री ५. बणबीर ६. रामदास ७. मांडण ८. हाजी
९. खेतसी १०. तेजमाल ११. बलु १२. हरजी १३. सिरदारसिध
१४. दानसिध १५. बाहादरसिध १६. नवलसिध

गांव गोलाकोर— ४५०) ४५०) जोधपुर

पांती आध में— (रेख-२२५)

पीढिये—: ४. कुपो—चाडदे रो ५. कानडदे ६. वाघो ७. पीपो ८. सादो
 ९. सुरताणसिध १०. खुमाणसिध ११. जोगीदास १२. विजेसिध
 १३. रामसिध १४. ईंदरसिध † १५. भारथसिध १६. पीरदान

गाँव रेख कदीम हमार भरे परगना विशेष

पांती आध में—रेख २२५)

पीढिये—: ७ पंचायण-वाघा रो ८. सायर ९. महेस १०. नेतसी ११. रासो १२. सुंदर
 १३. देदो १४. नरो १५. रायमल १६. भेरुसिध * १७. भोमसिध

खांप-गोगादे

१. राव-बीरम २. गोगादे-बीरमोत, गोगादे-बीरमोत रा वस रा गोगादे कहीजे ।

गाँव केतु— ३८२६) ० जोधपुर खेडा ४

खेडा ४-बडोवास १

जेतावतां रो वास १

भला रो वास १

नीबा रो वास १

गाँव सेखाला—	२०००)	०	जोधपुर	खेडा ४
„ भुगरी	२५०)	०	„	{ १-सेखालो वास १-करणा रो वाम १-देवडा रो वास १-साखला रो वास
„ पनासरियो	२५०)	०	„	
„ तेनो	५००)	०	„	
„ वामडीयोवास	५००)	०	„	
„ गुडो	५००)	०	„	{ १-तोलीसर १-कोलावास १-राजदारो वास
„ चोराकुवो	५००)	०	„	
„ रामसीसर	५००)	०	„	
„ नीमडी	२५०)	०	„	
„ रनीयो	१५०)	०	„	{ १-तोलीसर १-कोलावास १-राजदारो वास
„ निवाणो	रेख नही	०	„	
„ महेग रो वास	„	०	„	
„ जेसा रो वाम	„	०	„	
„ सावडास	„	०	„	

† नवम् १८६३ रा तेरा मे हाजर थो तिण बंदगी म् पटो पायो ।

* सप्तम् १८६३ मे तेरे मे हाजर ग्हा जिससे गाव पाया ।

गाँव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
नाथा रो वास	रेख नहीं	जोधपुर		

पीढ़ियें—: ३. करमसी-गोगादेवोत ४. खेतसी ५. बीसो ६. दासो ७. भीमसिंघ ८. सूजो
९. रतनसिंघ १०. रासो ११. भगवानदास १२. राजसिंघ १३. नाहारखान
१४. नाथुसिंघ १५. सबलसिंघ १६. रामसिंघ

गाँव खिरजां— २३००) ० जोधपुर

रावास-४ १-ओजास १-भोजा रो वास १-जेता रो वास १-सामलाई (निजराणो भरे)

पीढ़ियें—: १३. लाडखान-राजसिंघोत १४. जसकरण १५. जालमसिंघ १६. नेवसी
१७. हिमनसिंघ १८. लालसिंघ

खांप महेचा

१. रावल-सलखो २. रावल-मलीनाथ

महेचां रा ठिकाणां री विगत

गाँव थोव —	२०००)	२०००)	जोधपुर
नरसिंघ रो वास	३२५)	३२५)	„
तिरसी गढी	२५०)	२५०)	„
जेतावता रो वास	२५०)	२५०)	„
माडलवास	१७५)	१७५)	„
काना रो गुडो	१६३)	१६३)	„

कुल रेख ३१६३) ३१६३)

पीढ़ियें—: ३. जगमाल-मलीनाथ री ४. मडलीक ५. भोजराज ६. बीदो ७. नीसल
८. वरसिंघ ९. हापो १०. मेघराज ११. कलियाणमल १२. बीरमदे
१३. केसवदास † १४. मनोरदास § १५. विजेंसिंघ (थोव रो पटो पायो)
१६. करणसिंघ १७. सिरदारसिंघ १८. जेंसिंघ १९. मुकनसिंघ
२०. ऊर्देसिंघ २१. किलाणसिंघ २२. कुसालसिंघ

गाँव देहुरियो— ५००) ५००) जोधपुर

पीढ़ियें—: १७. सरूपसिंघ-करणसिंघोत १८. चुतरसिंघ १९. जालमसिंघ
२०. अणदसिंघ २१. बीडदसिंघ २२. बभूतसिंघ

गाँव पादरडी—(खुरद) २००) २००) सिवांणो

पीढ़ियें—: ११. दूदो मेगराजोत १२. जगमाल १३. भारमल १४. जैतमाल
१५. किलाणसिंघ १६. प्रतापसिंघ १७. स्यामसिंघ १८. गोपालसिंघ
१९. गजसिंघ

गाँव नोहरो— ३०००) ३०००) जालोर

† उज्जैन के युद्ध में महाराजा जसबतसिंह की सेना में काम आया ।

§ केसवदास के शामिल उज्जैन में काम आया ।

पीढिये —: १७. वखतसिंघ-प्रतापसिंघोत १८. सत्रसिंघ १९. रामसिंघ २०. मूलसिंघ
२१. छतरसिंघ

खांप जुजांणीयांरी

जुजांणीयां रा ठिकांणां री विगत

गाव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गांव थापरा—	४००)	४००)	सिवांणा	
पांती आध में—				

पीढियें —. देवीसिंघ, सवलसिंघ, हरनार्थसिंघ, सुजाणसिंघ, अमरसिंघ, अनाडसिंघ

पांती आध में—

पीढियें—: स्यामसिंघ, हरराम, ओपो, ऊदेराज, मालदान, चुतरसिंघ

खांप मंडला (मंडलावत)

१. राव रिङ्गमल २ मडलो-रिङ्गमलोत, तिरण रा वस रा (मंडला) मडलावत कहीजें ।

मडलावतां रा ठिकांणां री विगत

गांव भवराणी—	३७५०)	३७५०)	जालोर
„ गुडो (डुंगरपुर)	५००)	०	„
„ पालडी	२६००)	१०००)	मेड़ता
	-----	-----	
कुल रेख	७१५०)	४७५०)	

पीढियें—: ३. साईदास मडला रो ४. भाडो ५. हेमराज ६. ठाकुरसी ७. सु दूरदास
८. राजसिंघ ९. भावसिंघ १०. चद्रभाण ११. डूंगरसिंघ १२. सिवदानसिंघ
१३. किलाणसिंघ १४. सरूपसिंघ १५. नवलसिंघ १६. लालसिंघ

गांव चोढा—	३०००)	३०००)	जोधपुर
„ धाणसां	३०००)	३०००)	जालोर
	-----	-----	
	६०००)	६०००)	

पीढियें—: १३. सेरसिंघ-सिवदानसिंघोत १४. गुमानसिंघ १५. भोपालसिंघ

गांव	रेख कदीम	हमार भरे	परमना	विशेष
गांव सिरांणो—	१२५०)	१२५०)	जालोर	
पीढ़ियें—:	१२. मानसिंघ-झूगरसिंघोत ^१ १३ जेतसिंघ १४. हिमतसिंघ			
गांव पाणवो—	१०००)	१०००)	जालोर	
„ वसवांणो	१०००)	१०००)	नागोर	
कुल रेख	२०००)	२०००)		
पीढ़ियें—:	११. केसरीसिंघ-चंद्रभांणोत ^२ १२. जोधसिंघ १३. भोमसिंघ १४. नाराणसिंघ			
गांव बीसरोठ—	१५००)	१५००)	जालोर	
पीढ़ियें—:	७. दलपत-ठाकुरसी रो ^३ ८ अमरसिंघ ९ लाडखान १०. जुंजारसिंघ ११. विसनसिंघ १२. मालमसिंघ १३ जवानसिंघ १४. कुसालसिंघ			
गांव वसवांणी—	१०००)	१०००)	नागोर	आधी
पीढ़ियें -:	१२. तोगसिंघ-विसनदासोत ^४ १३. मोकमसिंघ १४. देवीसिंघ			
गांव चांबडीयाक—	२०००)	२०००)	सोजत	
पीढ़ियें—:	७ नरहरदास-ठाकुरसी रो ^५ ८. देईदास ९ उदेसिंघ १०. रामसिंघ ११. पदमसिंघ १२. रुघनार्थसिंघ १३. तेजसिंघ १४. रतनसिंघ १५. सादुलसिंघ			
गांव खुडो-वडी -	१५००)	१५००)	मेड़ता	आधी
पीढ़ियें—:	५. बीदो-भाडा रो ^६ ६. रायमल ७. नार्थो ८. चुतरभुज ९. भगवानदास १०. जगराम ११. लालसिंघ १२. अजीतसिंघ			
गांव नेणीयास—	२५०)	२५०)	जालोर	
„ सावलीयावास	१२५)	१२५)		

१. ठि „ (११) झूगरसिंह का पुत्र ।
२. ठि भवराणी के (१०) ठाकुर चंद्रभाण का पुत्र ।
३. ठि „ (६) „ ठाकुरसी का पुत्र ।
४. ठि. बीसरोठ के (११) „ विसनदास का पुत्र ।
५. ठि भवराणी के (६) „ ठाकुरसी का पुत्र ।
६. ठि „ (४) „ भाडा का पुत्र ।

पीढिये—: ७. रूपसिंघ-रायमलोत^१ ८. नथराम ९. लिखमीदास १०. वागदास
 ११ गिरधरदास १२. हूंगरसिंघ १३. मानसिंघ १४. सूरतसिंघ
 १५. मंगलसिंघ

खांप-पातावत

१. राव-रिडमल २. पातो रिडमलोत, तिण रा वंस रा पातावत कहीजे ।

पातावतां रा ठिकाणां री विगत

गाव	रेख कदीम	हमार भरे	परंगना	विशेष
गांव आऊ—	५०००)	५०००)	फलोधी	
,, भीयासर	४५००)	४५००)	,,	
,, वालासर	५००)	५००)	,,	
,, नोखडो	५००)	५००)	,,	
कुल रेख	१०५००)	१०५००)		

पीढिये—: ३. हमीरसिंघ ४. रतनसिंघ ५. किलाणदास ६. रामसिंघ ७. ईसरदास
 ८ राजसिंघ ९ रिणछोडदास १०. सावलदाम ११. खीवकरण १२. पिरथी-
 राज १३ सरूपसिंघ १४. हरीसिंघ

गांव पलीणो— २५००) २५००) ,,

पीढिये—: ११ सु दरदास-सावलदासोत^२ १२. छतरसिंघ १३. मूलसिंघ १४. सिवनाथ-
 सिंघ

गांव वरजांगसर—	२०००)	२०००)	फलोधी
,, जेरीयो	१०००)	५००)	,,
कुल रेख	३०००)	२५००)	

पीढिये—: १० अचलदास-रिणछोडदासोत^३ ११. पेमसिंघ १२. रायभाण १३. फते-
 सिंघ १४. रावतसिंघ १५. पीरदान

गांव घटीयाली— ४०००) ४०००) फलोधी

१. ठि. खुडी वडी के (६) ठाकुर रायमल का पुत्र ।

२. ठि. आऊ के (१०) ठाकुर सावलदास का पुत्र ।

३. ठि. ,, , (६) ,, रिणछोडदास का पुत्र ।

पीढ़ियाँ—: ६. सूरतसिंह-राजसिंहोत^१ १०. सिवदानसिंह ११. सगरामसिंह
१२. चाकीदास १३. रामसिंह १४. हरनाथसिंह १५. गुमानसिंह

गांव रोहीणो— रेख कदीम हुमार भरे परगना विशेष
३०००) ३०००) जोषपुर पाती ॥ =)॥॥

पांती दोय मे—

पीढ़ियाँ—: ११ गोरखदान-सिवदानसिंहोत^२ १२. जोषसिंह १३. भोपालसिंह
१४. बभूतसिंह १५ ऊर्देसिंह

पांती तीजी में— गांव पड़ीयाल मे मिले है ।

पीढ़ियाँ—: ६ अजबसिंह-मुकनसिंहोत १०. पदमसिंह ११. सेरसिंह १२. अभेसिंह
१३ दलपतसिंह

गांव गोदरड़ी — १०००) १०००) फलोधी

, गागरडी ० ० सूतो

पीढ़ियाँ—: १४. जसवतसिंह-भोपालसिंहोत^३ १५. रिणछोडदास

गांव आमलो— २०००) २०००) फलोधी

पीढ़ियाँ—: १०. हिमतसिंहोत-सूरतसिंहोत^४ ११. जसकरण १२. रूपसिंह १३. रावतसिंह

गांव ऊनावडो— ५००) ५००) फलोधी

पीढ़ियाँ—: ११ जसकरण-हिमतसिंहोत^५ १२ अभेसिंह १३. गोर्यनदास
१४. समरथसिंह

गांव मोठडीयो— ६२५) ६२५) फलोधी

पीढ़ियाँ—: ८ भवानीदास-ईसरदासोत^६ ९ वेणीदास १०. हिरदेराम ११ दानसिंह
१२. सिभूसिंह १३ लालसिंह १४ बनेसिंह १५. कुसलसिंह

गांव केरलो— २५०) २५०) फलोधी

पीढ़ियाँ—: ७ मनोहरदाम-रामसिंहोत^७ ८. आसकरण ९. दलपत १०. जीवणसिंह
११. विजेराम १२. करणसिंह १३ मदनसिंह

१. ठि आऊ के (७) ठाकुर राजसिंह का पुत्र ।

२ ठि घटियाली के (१०) ठाकुर सिवदानसिंह का पुत्र ।

३ ठि. रोहीणो (पांती दो) के (१३) ठाकुर भोपालसिंह का पुत्र ।

४. ठि. घटियाली के (६) ठाकुर सूरतसिंह का पुत्र ।

५. ठि आमलो के (१०) ठाकुर हिमतसिंह का पुत्र ।

६ ठि. आऊ के (७) ठाकुर ईसरदास का पुत्र ।

७. ठि. आऊ के (६) ठाकुर रामसिंह का पुत्र ।

पीढियें—: ८. किसनदास-चादसिंघोत^१ ९. मेघराज १०. पेमसिंघ ११. सुरताणसिंघ
१२. सिंभूसिंघ १३. भीवसिंघ १४. मोतीसिंघ १५. मंगलसिंघ

गाँव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गाँव करणु—	१२५०)	१२५०)	जोधपुर	
“ लुभावसीयो	१०००)	१०००)	“	
“ बाभुवास	१०००)	१०००)	“	
कुल रेख	३२५०)	३२५०)		

पीढियें—: १०. रूपसिंघ-मेघराजोत^२ ११. मोहकमसिंघ १२. ऊमेदसिंघ १३. उदेसिंघ
१४. पीरदांन

गाँव खारीयो वडो— १५००) १५००) मेडतो आधो

पीढियें—: १०. कुसलसिंघ-मेघराजोत^३ ११. बखतसिंघ १२. भीवसिंघ १३. पीरदांन

गाँव चोटीली— २५००) २५००) जोधपुर

पीढियें—: ५. मालमसिंघ-रतनसिंघोत ६. राणो ७. माडण ८. भगवानदास
९. पिरथीराज १०. सूरजमल ११. तेजमल १२. सुरताणसिंघ
१३. जसवतसिंघ १४. भवानीदास १५. अचलसिंघ १६. अमरसिंघ

गाँव अजासर— ६२५) ६२५) जोधपुर

पीढियें : ७. देईदास-राणोत^४ ८. रामदास ९. दयालदास १०. केसरीसिंघ
११. फतेसिंघ १२. हरीमिंघ १३. गुमानसिंघ १४. रतनसिंघ १५. बिसनसिंघ

गाँव केलणसर— २५००) २५००) फलोधी आसामी २ रे

पांती आध मे—

पीढियें—: ५. जेमल-रतनसिंघोत^५ ६. गोपालदास ७. रामचंदर ८. मयामल
९. विजेसिंघ १०. जोरावरसिंघ ११. खीवकरण १२. चतरसिंघ
१३. रावतसिंघ

पांती आध में—

पीढियें—: १२. मदनसिंघ-खीवकरणोत^६ १३. किलाणसिंघ

१. ठि लाडियो के (७) ठाकुर चादसिंघ का पुत्र ।

२. ठि भगु के (९) ठाकुर मेघराज का पुत्र ।

३. “ “ (९) “ “ “

४. ठि चोटीला के (६) ठाकुर राणा का पुत्र ।

५. ठि आऊ के (४) ठाकुर रतनसिंघ का पुत्र ।

६. ठि. केलणसर (पहली पांती) के (११) ठाकुर खीवकरण का पुत्र ।

गाँव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गाँव मोटेई—	१५००)	१५००)	फलोधी	
„ चिडी	४५०)	४५०)	„	
	————	————		
कुल रेख	१९५०)	१९५०)		

पीढिये—: ११. मूलसिध-जोरावरसिधोत^१ १२. कुसालसिध १३. खुमाणसिध
१४. लखसिध

गाँव पड़ीयाल—	४४००)	४४००)	फलोधी
„ देगावडी	६००)	६००)	„
	————	————	
कुल रेख	५०००)	५०००)	

पांती आध में—

पीढिये—: ८. मुकनदास-रामचदोत^२ ९. जोगीदास १०. हठीसिध ११. सुद्धमिध
१२. भोमसिध १३. चेनसिध १४. रणजीतसिध

पांती आध में—

पीढिये—: ७. मनोहरदास-गोपालदासोत^३ ८. जोगीदाम ९. रायसिध १०. मेघराज †
११. वीरभाण १२. रिधसिध १३. रावतमिध १४. अजीतसिध

गाँव घोलासर—	४०००)	४०००)	फलोधी
--------------	-------	-------	-------

पीढिये—: १३. लालमिध-भोमसिधोत^४ १४. घनसिध

गाँव रणसीसर—	१०००)	१०००)	फलोधी
--------------	-------	-------	-------

पीढिये—: ९. तिलोकसिध-मुकनदामोत^५ १०. जोरावरमिध ११. भोपालसिध
१२. वन्तावरसिध १३. दोलतसिध

गाँव मेहाकोर —	६२५)	६२५)	फलोधी
----------------	------	------	-------

† यह सचत् १८४७ मे मेडता के युद्ध मे काम आया ।

१. डि. केनगमर (पहली पांती) के (१०) ठाकुर जोगवरमिध का पुत्र ।

२. डि. केनगमर (पहली पांती) के (७) ठाकुर रामचंद्र का पुत्र ।

३. डि. „ „ (६) „ गोपालदाम का पुत्र ।

४. डि. पटियाग „ (१२) „ भोमसिध का पुत्र ।

५. डि. „ „ (८) „ मुकनदाम का पुत्र ।

पीढियें—: ६. भोपत-जैमलोत ७ नरहरदास ८. आसकरण ९ ऊदेसिंघ
१०. जीवणदास ११. रामसिंघ १२. करणसिंघ १३. खुमाणसिंघ
१४. सादुलसिंघ

गाव	रेख कदीम	हमार भरे	पेरगना	विशेष
गाँव लूणो—	६२५)	६२५)	फलोधी	

पांती आध में—

पीढियें —: ८. गोयनदास-नरहरदासोत^१ ९. चादसिंघ १०. करमसिंघ ११. धीरतसिंघ
१२. हिंदुसिंघ १३. मेघराज १४. रावतसिंघ १५. जोगराज

पांती आध में—

पीढियें—: ११. मूलसिंघ-करमसिंघोत^२ १२. भवानीसिंघ १३. विसनसिंघ
१४. विडदसिंघ

गाँव लुं बावसीयो—	६२५)	६२५)	फलोधी
-------------------	------	------	-------

पीढियें—: ११. केसरीसिंघ हरकिसनोत १२. बाघसिंघ १३. मेघराज १४. भोजराज
१५. भोपालसिंघ १६. वभूतसिंघ

गाँव बुंगडी—	७००)	७००)	फलोधी	आसामी ३ रे
--------------	------	------	-------	------------

„ हरबुसर	८००)	८००)	„
----------	------	------	---

कुल रेख	१५००)	१५००)
---------	-------	-------

पांती तीजी में— । -)॥ (पहली)

पीढियें —: ७. दयालदास-भोपतोत ८. केसरीसिंघ ९. तेजमाल १०. जेतसिंघ
११. वाकीदास १२. अनाडसिंघ १३. सुखसिंघ

पांती तीजी में— । -)। (दुजी)

पीढियें —: १२. नाराणदास-जेतसिंघोत १३. दुरजणसिंघ १४. नाथुसिंघ १५. राजसिंघ

पांती तीजी में— । -)। (तीजी)

पीढियें—: ८. भागसिंघ-दयालदासोत^३ ९. करणसिंघ १०. जू जारसिंघ ११. सरूपसिंघ
१२. ऊमेदसिंघ १३. मोहवतसिंघ १४. सिवनाथसिंघ

१. ठि. मेहाकोर के (७) ठाकुर नरहरदास का पुत्र ।

२. ठि लूणो के (१०) ठाकुर करमसिंह का पुत्र ।

३. ठि बुंगडी के (७) ठाकुर दयालदाम का पुत्र ।

गाव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गाँव जोधियासी—	२०००)	२०००)	नागोर	
(गाव जोधियासी सेवड़ी आधी मे मिले है ।)				
पीढियाँ ४ परबतसिंघ-हमीरसिंघोत मे मिले हैं ।				
पीढिये—: १० बनेसिंघ-किसनदासोत ^१ ११. वाकीदास १२. सगरामसिंघ १३. अनाडसिंघ १४ सादुलसिंघ				
गाँव माडवली—	५००)	५००)	नागोर	
पीढिये—: ११ दुरजणसिंघ-बनेसिंघोत ^२ १२. सेरसिंघ १३. चादसिंघ १४. विसनसिंघ				
गाँव मूडासर—	२०००)	२०००)	नागोर	
पीढिये—: ४. गगादास-हमीरसिंघोत ^३ ५. नेतसी ६. हिंगोलदास ७. दुरजणसाल ८. सेखराज ९. रामदास १०. गणेशदास ११. बदरीदास १२. कीरतसिंघ १३. सभासिंघ १४. सूरजमल १५. खीवराज १६. लिछमणसिंघ				
गाँव चीमणवो—	१५००)	१५००)	फलोधी	
पीढिये—: ८. खेतसिंघ-दुरजनसालोत ^४ ९. सगतसिंघ १०. भगवतसिंघ ११. जोधसिंघ १२. ईंदरसिंघ १३. सगरामसिंघ १४. वाघसिंघ १५ मोहकमसिंघ १६. करणसिंघ १७. सूरसिंघ				
गाँव रिडमलसर—	१६२५)	१६२५)	जोधपुर	आसामी २ रे
„ पचाणसर	३७५)	३७५)	„	
कुल रेख	२०००)	२०००)		
पांती आध में—				
पीढिये —: ३. लूभो-पातावत ४. पिरथीराज ५. सेसमल ६. कनीराम ७. करमसिंघ ८. सादुलसिंघ ९. आसकरणा १०. तेजमाल ११. सुंदरसिंघ १२. सवाईसिंघ १३. सुमेलसिंघ १४. गुलाबसिंघ				
पांती हूजी आध री—				

१ ठि नेवटी (पाती दो) के (९) ठाकुर किसनदाम का पुत्र ।

२ ठि, जोधियासी के (१०) ठाकुर बनेसिंह का पुत्र ।

३ आड के (३) ठाकुर हमीरसिंह का पुत्र ।

४. ठि. मूडानर के (७) ठाकुर दुरजनमाल का पुत्र ।

पीढियें—: १४. जोधसिंघ-सुमेलसिंघोत^१ १५. गिरधरसिंघ

खांप कूंपावत

पीढियें—: १. राव-रिडमल २. अखेराज ३. मेहेराज ४. कूपो, तिण रा कूंपावत कही जै।

खांप मांडणोत कूंपावत

पीढियें—: ४. कूंपो ५. मांडण-कूपावत, तिण रा मांडणोत-कूपावत कहीजै ।

मांडणोत कूंपावतां रा ठिकाणां री विगत

गांव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गांव आसोप—	१८७५०)	१८७५०)	जोधपुर	
,, कुकडदो	२०००)	२०००)	,,	
,, रामपुरो	२७५०)	२७५०)	,,	
,, रडोद	४५००)	४५००)	,,	आधी
,, ककडाय	३०००)	३०००)	नागोर	
कुल रेख	३१०००)	३१०००)		

पीढियें—: ६. खीवकरण-मांडणोत ७. किसनदास ८. मुकनदास ९. जेतसिंघ १०. राम-सिंघ ११. कनीराम १२. दलपत १३. महेसदास १४. रतनसिंघ १५. केसरी-सिंघ १६. बखतावरसिंघ १७. सिवनाथसिंघ (खोळ) १८. चैनसिंघ (खोळ)

गांव गजसिंघपुरो— ७५००) ७५००) जोधपुर

पीढियें—: ११. छतरसिंघ-रामसिंघोत^२ १२. जगरामसिंघ १३. भारथसिंघ १४. बाघ-सिंघ १५. माघोसिंघ १६. अचलसिंघ

गांव रडोद— ४५००) ४५००) जोधपुर आधी
आसामी ३ रे

पांती = III रेख २०००)

पीढियें—: १३. सालमसिंघ-जगरामसिंघोत^३ १४. गुलावसिंघ

पांती =)III छठी रेख १५००)

१. ठि. रिडमलसर (पहली पांती) के (१३) ठाकुर सुमेलसिंह का पुत्र ।

२. ठि. आसोप के (१०) ठाकुर रामसिंह का पुत्र ।

३. ठि. गजसिंघपुरो के (१३) ठाकुर जगरामसिंह का पुत्र ।

पीढिये— १३. सायबसिंघ-जगरामसिंघोत^१ १४. खुमाणसिंघ १५. सिवनाथसिंघ
गाव रेख कदीम हमार भरे परगना विशेष
पांती —)॥ री रेख— १०००)

पीढिये—: १३. पेमसिंघ-जगरामसिंघोत^२ १४. अजीतसिंघ १५. भोमसिंघ (खोळ)
गांव गारासणी— २५००) २५००) जोधपुर
„ जबरखीयो १०००) १०००) „
कुल रेख ३५००) ३५००)

पीढिये—: ११. सिरदारसिंघ-रामसिंघोत^३ १२. जोधसिंघ १३. अणदसिंघ १४. ईसरी-
सिंघ १५. अभेकरण १६. जसवतसिंघ १७. सिवनाथसिंघ
गांव नेतडीयां— ४०००) ४०००) मेड़ता
पीढिये—: १२. पिरथीराज-सिरदारसिंघोत^४ १३. अनोपसिंघ १४. नराणदास
१५. जीवनदास १६. गुमानसिंघ
गांव वासणी— ३०००) ० नागोर आसोप रा कामेती

पीढिये—: १२. जोदसिंघ-सिरदारसिंघोत^५ १३. अणदसिंघ १४. हरीसिंघ १५. करण-
सिंघ १६. मालमसिंघ
गांव सारंगवासणी— १०००) १०००) मेड़ता
पीढिये—: ११. विसनसिंघ-रामसिंघोत^६ १२. नाहरसिंघ १३. खुमाणसिंघ
१४. सोभसिंघ
गांव गोयंदपुरो— ७५०) ७५०) जोधपुर

पीढिये—: ९. मनोहरदास-मुकनदासोत १०. सुभकरण ११. दलकरण १२. जवानसिंघ
१३. गुलाबसिंघ १४. मूलसिंघ
गांव खारीयारी वासणी— १२५०) १२५०) मेड़ता
पीढिये—: ८. दुवारकादास-किसनदासोत^७ ९. भोकमसिंघ १०. चद्रभाण ११. आईदान

१. ठि. गजसिंहपुरो के (१३) ठाकुर जगरामसिंह का पुत्र ।

२. „ „ (१३) „ „ „ ।

३. ठि आसोप के (१०) ठाकुर रामसिंह का पुत्र ।

४. ठि गारासणी के (११) ठाकुर सिरदारसिंह का पुत्र ।

५. ठि गारासणी के (११) ठाकुर सिरदारसिंह का पुत्र ।

६. ठि. आसोप के (१०) ठाकुर रामसिंह का पुत्र ।

७. ठि. आसोप के (७) ठाकुर किसनदास का पुत्र ।

१२. सवाईसिंघ १३. नवलसिंघ १४. सेरसिंघ १५. पेमसिंघ
१६. लिच्छमणसिंघ

गाव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गाँव नाडसर—	५०००)	५०००)	जोधपुर	आसामी २ रे
पांती आध में—				

पीढियें—: ७. राजसिंघ-खीवकरणोत^१ ८. नाहरखान ९. सूरजमल १०. कीरतसिंघ
११. बाहादरसिंघ १२. बगसीराम १३. ऊर्देसिंघ १४. करणसिंघ १५. जवान-
सिंघ १६. ई दरसिंघ १७. रुघनाथसिंघ

पांती आध में—

पीढियें—: १३. सूरतसिंघ-बगसीरामोत^२ १४. मोतीसिंघ १५. पाहाडसिंघ

गाँव. राजोद— ४०००) ४००० मेड़ता

पीढियें—: १४. अनोपसिंघ-सुरताणसिंघोत^३ १५. हरीसिंघ

गाँव पीराऊ— १०००) ५००) नागोर

पीढियें—: जैसिंघ-राजसिंघोत^४ ९ विजेसिंघ १०. सायबसिंघ ११. ऊर्देसिंघ
१२. मोकमसिंघ १३. नाथुसिंघ १४. मदनसिंघ १५. गुमानसिंघ
१६. नाराणदास

गाँव सरगीयो वडो— ८००) ८००) जोधपुर

॥ सरगीयो तीजो ८००) ८००) ॥

कुल रेख १६००) १६००)

पीढियें— ७. कानसिंघ-खीवकरणोत^५ ८. भावसिंघ ९. फतिसिंघ १०. अणदसिंघ
११. बाहादरसिंघ १२. उमेदसिंघ १३. सूरतसिंघ १४. समरथसिंघ
१५. भोमसिंघ

गाँव भानावास— २०००) २०००) मेड़ता

१. ठि आसोप के (६) ठाकुर खीवकरण का पुत्र ।

२. ठि नाडसर (पहली पांती) के (११) ठाकुर बगसीराम का पुत्र ।

३. ठि " " (१३) ,, सूरतसिंह का पुत्र ।

४. ठि " " (७) ,, राजसिंह का पुत्र ।

५. ठि आसोप के (६) ठाकुर खीवकरण का पुत्र ।

पीढियें— १०. चतरसिंघ-फतैसिंघोत^१ ११. जसकरण १२. मोहनसिंघ १३. फोजसिंघ
१४ लिछमणसिंघ १५. जू जारसिंघ

गाव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गाँव चांदेलाव -	३२८०)	३२८०)	जोधपुर	
,, रूपाथल	५०००)	५०००)	नागोर	
	— — —	— — —		
कुल रेख	८२८०)	८२८०)		

पीढियें - : ६. पूरणमल-माँडणोत ७. वेणीदास ८. स्यामसिंघ ९. हिमतसिंघ १०. छतर-
सिंघ ११. मोहनसिंघ १२. धीरतसिंघ १३ देवसिंघ १४. किलाणसिंघ
१५. ईंदरसिंघ १६ जवारसिंघ

गाँव खेराट— १५००) १५००) नागोर

पीढिये—: ९. सूरजमल-स्यामसिंघोत^२ १० जीवणसिंघ ११ सिरदारसिंघ १२. जेसिंघ
१३ सगरामसिंघ १४. प्रतापसिंघ १५. सगतीदान

गाँव चांमां— ४०००) ४०००) कोलिया

पीढियें—: १०. हरनाथ-सूरजमलोत ११. केसरीसिंघ १२ हीदुसिंघ १३. अमरसिंघ
१४. दुलेसिंघ १५. अरजनसिंघ

गाँव सांडावास— १०००) १०००) मेड़ता आसामी २ रे
पांती आध में—

पीढियें—: ११ जगरामसिंघ-हरनाथसिंघोत^३ १२ पाहाडसिंघ १३. दलेलसिंघ
१४. भेरूसिंघ १५. सबलसिंघ

पांती आध में—

पीढियें—: १३. अजीतसिंघ-पाहाडसिंघ १४ भगवतसिंघ

गाँव सागू बडी— २०००) २०००) नागोर

पीढियें—: १०. दीपसिंघ-सूरजमलोत^४ ११. कनीराम १२. मिभुसिंघ १३. रामसिंघ
१४. वभूतसिंघ १५ चिमनसिंघ

गाँव ऊण— २०००) २०००) नागोर

१. ठि- सरगियो बडो के (९) ठाकुर फतैसिंह का पुत्र ।

२. ठि. चांदेलाव के (८) ठाकुर स्यामसिंह का पुत्र ।

३. ठि चामा के (१०) ठाकुर हरनाथसिंह का पुत्र ।

४. ठि नाडसर के (९) ठाकुर सूरजमल का पुत्र ।

पीढ़ियाँ — : ११. भोजराज-हरनाथसिंघोत^१ १२. नाथूसिंघ १३. रतनसिंघ १४. दुरजण-
सिंघ १५. सगतीदान

गाँव रेख कदीम हमार भरे परगना विशेष

गाँव नदवांण — ५००) ० नागौर

पीढ़ियाँ — : ११. तेजसिंघ-दीपसिंघोत^२ १२. भेरूसिंघ १३. बनेसिंघ १४. चिमनसिंघ
१५. अगारसिंघ

गाँव बोडी-बडी — २०००) २०००) नागौर

पीढ़ियाँ — : ९. सावलदास-स्यामसिंघोत^३ १०. जीवणसिंघ ११. सिरदारसिंघ
१२. रुघनाथसिंघ १३. भारथसिंघ १४. दुरजणसिंघ १५. पीरदान
१६. मूलसिंघ

गाँव सेदरीयो — ५००) ५००) नागौर

पीढ़ियाँ — : ९. चतरसाल-स्यामसिंघोत^४ १०. सुजाणसिंघ ११. सूरजमल १२. सायब-
सिंघ १३. बखतावरसिंघ १४. स्यामसिंघ

गाँव मीठड़ी — १२५.) १०००) जालोर २५०) रेख माफ

„ रावणीयांणी १५६२॥) १५६२॥) जोधपुर पाती ।)

कुल रेख २८१२॥) २५६२॥)

पीढ़ियाँ — : ८. सबलसिंघ-वेणीदासोत^५ ९. ईसरदास १०. आसकरण ११. अनोपसिंघ
१२. केसरीसिंघ १३. भोमालसिंघ १४. ग्यानसिंघ

गाँव जैतीवास — ७००) ७००) जोधपुर

पीढ़ियाँ — : ६. दलपत-माडणोत ७. सबलसिंघ ८. रामसिंघ ९. रुगनाथसिंघ १०. चदर-
भाण ११. मुकनसिंघ १२. रतनसिंघ

गाँव रांमासणी — ६२५०) ६२५०) जोधपुर

पीढ़ियाँ — : ९. मदनसिंघ-रांमसिंघोत^६ १०. भावसिंघ ११. सुजाणसिंघ १२. जेतसिंघ
१३. भवानीसिंघ १४. अर्भेसिंघ १५. चादसिंघ

१. ठि चामा के (१०) ठाकुर हरनाथसिंह का पुत्र ।

२. ठि सागूवडी के (१०) ठाकुर दीपसिंह का पुत्र ।

३. ठि चादेलाव के (८) ठाकुर स्यामसिंह का पुत्र ।

४. ठि. „ (८) „ „ ।

५. ठि. „ (७) वेणीदास का पुत्र ।

६. ठि. जैतीवास के (८) ठाकुर रामसिंह का पुत्र ।

गांव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गांव पारासरो—	३०००)	३०००)	नागोर	

पीढिये—: ६. विसनसिंघ-रामसिंघोत^१ १०. जालमसिंघ ११ अजबसिंघ १२. भारथ-सिंघ १३. सिवनाथसिंघ १४. जोरावरसिंघ

गांव सुहांणो—	२०००)	२०००)	नागोर	
---------------	-------	-------	-------	--

पीढिये—: ८. केसरीसिंघ-सवलसिंघोत^२ ९. अमरसिंघ १०. सगरामसिंघ ११. सरूप-सिंघ १२. राजसिंघ १३. स्यामसिंघ १४. घनसिंघ १५. वागसिंघ

गांव खारियो वडो—	१५००)	१५००)	मेडता	आधो
------------------	-------	-------	-------	-----

पीढिये—: ६. लूणकरण-केसरीसिंघोत^३ १०. सिवकरण ११. चैनकरण १२. नाथुसिंघ १३. अरजनसिंघ

खांप महेसदासोत कूंपावत

पीढिये—: ४. कू पो ५ महेसदास-कू पावत रा वस रा महेसदासोत कूंपावत कहीजै ।

महेसदासोत कूंपावतां रा ठिकाणां री विगत

गांव कटालीया—	७५००)	७५००)	सोजत	खेडा ७
„ बोरनडी	१३००)	१३००)	„	
„ बोपारी	४०००)	४०००)	„	
„ सीचीयाक	८००)	८००)	„	
„ नीबली	७००)	७००)	„	
„ मसाजण मगरा मे है रेख नही				

पीढिये—: ६. सादुलसिंघ-महेसदासोत ७ जसवतसिंघ ८. किसनसिंघ ९. सवलसिंघ १०. भावसिंघ ११. वखतसिंघ १२. सगरामसिंघ १३. कुमलसिंघ १४. मिभू-सिंघ १५. गोरघनदास

गांव डोरनडी—	३०००)	३०००)	सोजत	आसामी ३ ३
पांती आध में— ॥) रेख	१५००)			

पीढिये—: ६. सवलसिंघ-किमनसिंघोत^४ ११. जगतसिंघ १२. बनेसिंघ १३. गुलाब-सिंघ १४. समरथसिंघ

१ ठि. जैतीवाग के (८) ठाकुर रामसिंह का पुत्र ।
 २ ठि. १, (७) „ नवलसिंह का पुत्र ।
 ३. ठि. मुगलों के (८) ठाकुर केमरीसिंह का पुत्र ।
 ४ ठि. कटालीया के (८) ठाकुर सिंगनसिंह का पुत्र ।

गांव रेख कदीम हमार भरे परगना विशेष
पांती चौथी में— १) रेख ७५०)

पीढ़ियें— १३ लालसिंह-बनेसिंहोत^१ १४ अमरसिंह

पांती चौथी में— १) रेख ७५०)

पीढ़ियें —: १२. सिवसिंह-जगतसिंहोत^२ १३. भेरूसिंह १४. रामसिंह (खोळ^३)
१५. रूपसिंह

गांव भोजावास— ७००) ७००) सोजत

पीढ़ियें —: ७. किलाणदास-सादूलसिंहोत^३ ८. राघोदास ९. गोकलदास १०. हिमत-
सिंह ११. सूरतसिंह १२. धनराज १३. ऊर्देसिंह १४. चनणसिंह
१५. विजसिंह

गांव सीरीयारी बड़ी—	१८५०)	१८५०)	सोजत
„ सीरीयारी खुरद	१८५०)	१८५०)	„
„ फुलाद	४००)	४००)	„
„ कोसवारो	२००)	२००)	„ खेडो सून
„ डीगोर	३००)	३००)	„
कुल रेख	४६००)	४६००)	

पीढ़ियें—: ६. आसकरण-महेसदासोत ७. अमरसिंह ८. केसरीसिंह ९. रूपसिंह
१०. हठीसिंह ११. सूरजमल १२. सगरांसिंह १३. जोधसिंह १४. दोलत-
सिंह १५. मालमसिंह १६. रतनसिंह (खोळ^४) १७. सिवनाथसिंह

गांव रांवलणीयांलो— ३१२५) ३१२५) जोधपुर आधो तिरु मे
पाती दोय

पांती आध में— ॥)

पीढ़ियें—: ११. रायसिंह-हठीसिंहोत^५ १२. नरसिंहदास १३. भोमसिंह
१४. धीरत्तसिंह

पांती आध में— ॥)

१. ठि डोरनडी के (आधी) के (१२) ठाकुर बनेसिंह का पुत्र ।

२. ठि. „ „ (११) „ जगतसिंह का पुत्र ।

३. ठि. कटालिया के (६) ठाकुर सादूलसिंह का पुत्र ।

४. ठि. सिरियारी के (१०) ठाकुर हठीसिंह का पुत्र ।

पीढिये—: ७. अमोऽसिध-आसकरणोत्^१ ८ नारसिध ९. सिरदारसिध १०. माहासिध
११. गाडसिध १२ सूरसिध

गांव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गांव मेहलाप—	१५००)	१५००)	सोजत	

पीढिये—: ९. चतरसिध-कैसरीसिधोत्^२ १०. सुंदरदास ११. तेजसिध १२. ग्यानसिध
१३. कायमसिध १४. अमरसिध १५. लिछमणसिध

गांव सूरसिध रो गुडो—	१०००)	१०००)	सोजत
----------------------	-------	-------	------

पीढिये—: ८. दयालदास-अमरसिधोत्^३ ९. सिभूसिध १०. लालसिध ११. जगरामसिध
१२. जसवंतसिध १३. गुलाबसिध १४. माधोसिध १५. अमरसिध

खांप ऊदेसिधोत-कूपावत

पीढिये—: ४. कूपो ५. ऊदेसिध-कूपावत तिण रा वस रा ऊदेसिधोत कूपावत कहीजे ।

ऊदेसिधोत कूपावत रा ठिकाणां री विगत

गांव चेलावास—	४५००)	४५००)	सोजत
„ गोपावास	१०००)	०	
	—————	—————	
कुल रेख	५५००)	४५००)	

पीढिये—: ६. नराणदास-ऊदेसिधोत ७. लिछमणदास ८ मेधराज ९. किलाणदास
१०. भीवसिध ११. रतनसिध १२. जूजारसिध १३. मुकनसिध १४. गुमान-
सिध १५. सगतसिध १६. मोहवतसिध

गांव मलसा वावडी—	४३००)	४३००)	सोजत	खेड़ा २
„ वाणीयामाली	७००)	७००)	„	
	—————	—————		
कुल रेख	५०००)	५०००)		

पीढिये—: ८. रतनसिध-लिछमणदासोत्^४ ९. जुजारसिध १० ईंदरसिध ११ सरूप-
सिध १२. हरीसिध

१. ठि. मीरीयारी के (६) ठाकुर वामकरण का पुत्र ।

२. ठि. सिरियारी बडो के (८) ठाकुर कैसरीसिंह का पुत्र ।

३. ठि „ „ (७) „ अमरसिंह का पुत्र ।

४. ठि. चेलावाम के (७) ठाकुर लिछमणसिंह का पुत्र ।

गांव	रेख कदीम	हमार अरे	परगना	विशेष
गांव हापत—	१२५०)	१२५०)	सोजत	

पीढियें—: ८. कु भकरण ९. लिछमणदासोत^१ ९. भारमल १०. चंदरभाण ११. अंभेरांम
१२. किलाणसिंघ १३. रुघनार्थसिंघ १४. आईदांन १५. अनाड़सिंघ

गांव सोहावास—	४०००)	४०००)	गोढवाड़
---------------	-------	-------	---------

पीढियें—: ६. सावलदास-ऊर्देसिंघोत ७. दुगरसिंघ ८. मेहकरण ९. सिरदारसिंघ
१०. वीरमदेव ११. सिंभूसिंघ १२. कुमेरसिंघ १३. फतेसिंघ १४. हरनाथ-
सिंघ १५. रणजीतसिंघ

गांव बुसी—	१००००)	१००००)	गोढवाड़
„ परतापगढ	१०००)	१०००)	„
„ मिरघरदास रो गुडो	१०००)	१०००)	„
कुल रेख	१२०००)	१२०००)	

पीढियें—: ६. वेरीसाल-ऊर्देसिंघोत ७. भोपतसिंघ ८. पचाणदास ९. मुकनसिंघ
१०. जसवंतसिंघ ११. सिवदानसिंघ १२. प्रतापसिंघ १३. छतरसिंघ
१४. बखतावरसिंघ १५. दुरजणसिंघ (खोळी) १६. वभूतसिंघ

खांप ईसरदासोत-कूपावत

पीढियें—: ४ कूपा ५. ईसरदास कूपावत तिण रा वस रा ईसरदासोत कूपावत कहीजै ।

ईसरदासोत कूपावतां रा ठिकाणां रो विगत

गांव चंडावल—	६२५०)	६२५०)	सोजत
„ छीतरीयो	२५००)	२५००)	„
„ राणावास	५०००)	५०००)	„
„ चवाडिया	२०००)	२०००)	„
„ पाचनडो वडो	८७५)	८७५)	„
„ पाचनडो खुरद	८७५)	८७५)	„
„ खारचीया	१२५०)	१२५०)	„
„ बछराज रो गुडो	१२५०)	१२५०)	„
कुल रेख	२००००)	२००००)	

१. ठि. चेलावास के (७) ठाकुर लिछमणसिंह का पुत्र ।

पीढिये—: ६. चांदसिंघ-ईसरदासोत ७. गोरधनदास ८. विजैसिंघ ९. फतेसिंघ
१०. पिरथीराज ११. सेरसिंघ १२. हरीसिंघ १३. विसनसिंघ १४. सावत-
सिंघ १५. लिछमणसिंघ १६. प्रतापसिंघ १७. सगतीदान

गाव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गाँव राजोलो खुरद—	६२५)	६२५)	सोजत	आघो

पीढिये—: १०. ऊर्देसिंघ-फतैसिंघोत^१ ११. सवाईसिंघ १२. सिंभूसिंघ १३. जैतसिंघ
१४. घनसिंघ. १५. सादुलसिंघ

गाँव माटो—	८७५०)	९७५०)	सोजत
------------	-------	-------	------

पीढिये—: १०. सिरदारसिंघ-फतैसिंघोत^२ ११. कुसलसिंघोत १२. सिवसिंघ
१३. चेनसिंघ १४. कुसलसिंघ १५. करणसिंघ (खोळै) १६. मालमसिंघ
१७. छतरसिंघ

गाँव सुकेलाव—	३०००)	३०००)	सोजत
---------------	-------	-------	------

पीढिये—: ८. जगनाथ-गोरधनदासोत^३ ९. भगवानदास १०. हरभाण ११. विहारी-
दास १२. दुरगदास १३. वभूतसिंघ १४. हठीसिंघ १५. सवाईसिंघ

खांप-तिलोकदासोत-कूंपावत

पीढिये—: ४. कूपो ५. तिलोकदासोत-कूंपावत तिण रा वंस रा तिलोकदासोत कू पावत
कहीजे ।

तिलोकदासोत कूंपावतां रा ठिकाणां री विगत

गाँव घणालो—	३०००)	३०००)	सोजत
„ दुरगा रो गुडो	१०००)	१०००)	„
„ भोजा रो गुडो	१०००)	१०००)	„
„ गुमानपुरो	५००)	०	„
कुल रेख	५५००)	५०००)	

पीढिये—: ६. भीवसिंघ-तिलोकदासोत ७. दयालसिंघ ८. माधोसिंघ ९. फतेमिंघ
१०. खीवकरण ११. कुंभकरण १२. केसरीसिंघ १३. ऊर्देसिंघ
१४. विडदसिंघ १५. बाघसिंघ १६. बाहादरसिंघ

१. ठि. चटावल के (६) ठाकुर फतैमिह का पुत्र ।

२. ठि. चडावल के (६) ठाकुर फतैमिह का पुत्र ।

३. ठि. „ (७) „ गोरधनदास का पुत्र ।

खांप-नरावत

१. राव सूजो २. नरो-सूजावत तिण रा वस रा नरावत कहीजे ।

नरावतों रा ठिकाणों की विगत

गाव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गाँव भडाणो—	६०००)	६०००)	नागोर	

पीढियें—: ३ गोयनदास-नरावत ४. राजसिंघ ५. मानसिंघ ६. प्रागदास ७ सबल-
सिंघ ८. चंदरसेण ९ पदमसिंघ १०. सूरतसिंघ ११. धीरतसिंघ†
१२ सिरदारसिंघ १३. फतेसिंघ १४. विसनसिंघ १५. लिछमणसिंघ

गाँव बेलिम रा वासणी १५००)	१५००)	नागोर	आधी
---------------------------	-------	-------	-----

पीढियें—: ११. संगरामसिंघ-सूरतसिंघोत¹ (सवत् १८०२ मे वासणी पाई) १२. देव-
सिंघ १३ सरूपसिंघ १४. आसकरण

गाँव बुहु—	३०००)	३०००)	नागोर
------------	-------	-------	-------

पीढियें—: ८ कुसलसिंघ-सबलसिंघोत² ९. सिरदारसिंघ १०. रतनसिंघ ११. सेरसिंघ
१२. बभूतसिंघ १३. सिवनाथसिंघ

गाँव कसूबी पादडां—	१०००)	१०००)	नागोर
--------------------	-------	-------	-------

पीढियें—: ६. जसवतसिंघ-मानसिंघोत³ ७ जगतसिंघ ८ बलुसिंघ ९. लालसिंघ
१०. सवाईसिंघ ११. अखेसिंघ १२ चादसिंघ १३. अजीतसिंघ
१४ सिवनाथसिंघ

गाँव बाघरासर—	३०००)	३०००)	नागोर	आसामी २ रे
---------------	-------	-------	-------	------------

पांती दोय में— ॥ =) ॥ रेख २०००)

पीढियें :: ४ पिरथीराज-गोयनदासोत⁴ ५ किसनदास ६. स्यामसिंघ ७. रुघनाथसिंघ
८. वीरमदेव ९. मोहकमसिंघ १०. जगरामसिंघ ११. विजेशिंघ १२. खडग-
सिंघ १३. किसनसिंघ

विगत पांती तीजी में रेख—१०००)

† भडाणो पायो सवत् १७८६ मा सुद ७ महाराज श्री अभेशिंघजी रे समे ।

१ ठि भडाणो के (१०) ठाकुर सूरतसिंह का पुत्र ।

२ ठि भडाणो के (७) ठाकुर सबलसिंह का पुत्र ।

३ ठि. „ (५) „ मानसिंह का पुत्र ।

४ ठि. „ (३) „ गोयददाम का पुत्र ।

पीढिये—: ६. विगतसिंघ-वीरमदेव रो^१ १०. बाघसिंघ ११. नाथुसिंघ १२. दलेलसिंघ

खांप-नारणोत

१. राव रिड़मल २. नारण-रिड़मलोत

नारणोतां रा ठिकाणां री विगत

गांव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गांव बोसुरी—	१०००)	१०००)	नागोर	आधी

पीढिये—: १. रुघनार्थसिंघ-नारण रो २. जोरावरसिंघ ३. बाकीदास ४. हिंदूसिंघ
५. करणसिंघ ६. सगतीदान

खांप-कांधलोत

१. राव रिड़मल २. काधल-रिड़मल रो तिण रा वस रा काधलोत है ।

कांधलोतां रा ठिकाणां री विगत

गांव लांबो जटां—	६२५०)	६२५०)	मेडता
------------------	-------	-------	-------

पीढिये—: १. अमानसिंघ २. करणसिंघ ३. रुघनार्थसिंघ

खांप-बीदावत

१. राव-जोधो २. बीदो-जोधवात तिण रा वस रा बीदावत कहीजै ।

बीदावतां रा ठिकाणां री विगत

गांव सांगु खुरद—	१०००)	१०००)	नागोर
------------------	-------	-------	-------

पीढिये—: १. मुथरादास २. मुकनदास ३. खगारसिंघ ४. नाथुसिंघ ५. अजीतसिंघ
६. लालसिंघ

गांव कुसियो—	१०००)	१०००)	नागोर
--------------	-------	-------	-------

पीढिये—: १. रुघनार्थसिंघ २. गुमानसिंघ ३. भोपालसिंघ ४. चादसिंघ

खांप-ऊदावत-वेडवासीया

१. रावल-तीडो २. कानडदे-रावल तीडा रो ३. रावल-कानडदे रो ४. त्रिभांणसी-
रावल रो ५. ऊदो-तिण रा वस रा ऊदावत कहीजै । (सु बीकानेर रे गांव सहुवे
था सु ऊदा सुं तीजी वीरम हुवो मु राव जोधा रा राज मे गांव में वेडवासीये आय
वसीया, जठा पछै वेडवासीया ऊदावत कहीजै ।)

ऊदावत-वेडवासीयां रा ठिकाणां री विगत

गांव बेड वासीयो— गढ जोधपुर रेख २६००) मे बाद पांती आना -)।।। री रेख २००)
री गाव बेगडीया वाला रे सु ऊठे लिखीजसी बाकी आना ।।। =)। री रेख २४००) री
आसांमी ६ रे तिण री विगत—

गाव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गांव बेड वासीयो—	१४००)	२४००)	जोधपुर	आसांमी ६ रे
।-)।। पांती	रेख— ६५०)	री		

पीढिये—: ६. विजेराम-ऊदावत ७. वीरम गाव सहुवा सु राव-जोधाजी रा राज मे
गाव बेड वासीये आयो) ८. पिरथीराज ९. ससारचंद १०. मालमसिंघ
११. रायसिंघ १२. पुरणसिंघ १३. मानसिंघ १४ सीयो १५. बिहारी-
दास १६. बखतसिंघ १७. हिंदूसिंघ १८. करणसिंघ १९. सादुलसिंघ

—)।।। पांती रेख— ३००)

पीढिये—: १५. हीरदेराम-सीयावत^१ १६. अजबसिंघ १७. आसकरणा १८. छतर-
सिंघ १९. जुंजारसिंघ

—)।।। पांती रेख— ३००)

पीढिये—: १०. भाण-ससारचंद रो^२ ११ माधोसिंघ १२ देईदास १३. ऊगरसिंघ
१४. हरीसिंघ १५. मयाजल १६. बिसनसिंघ १७. प्रतापसिंघ

—)।।। पांती रेख— २५०)

पीढिये— १५. जगतसिंघ-हरीसिंघोत^३ १६. मांघोसिंघ १७. वनेसिंघ १८. खुमाणसिंघ
१९. जसवतसिंघ

—)।।। पांती रेख— ३००)

पीढिये—: ११. बाघसिंघ-भाणोत^४ १२ नेतसी १३. चांदसिंघ १४. सिवदानसिंघ
१५. सेरसिंघ १६. नवलसिंघ

—)।।। पांती रेख— ३००)

पीढिये —: मेहो-संसारचंद रो^५ ११. सावलदास १२. अमरसिंघ १३. रूपसिंघ

१. ठि. बेडवासियो के (१४) ठाकुर सीया का पुत्र ।

२ ठि. " (९) " ससारचंद का पुत्र ।

३ ठि बेडवासियो (दो पांती) के (१४) ठाकुर हरीसिंह का पुत्र ।

४. ठि. " " (१०) " भाण का पुत्र ।

५ ठि. " " (९) " ससारचंद का पुत्र ।

१४. बिहारीदास १५ देईदास १६. जोरवारसिध १७. सोलमसिध
१८. कुतरभुज

गाव	देख कदीम	देमार भरे	परगना	विशेष
गांव बेगडीयां—	५५०)	५५०)	जोधपुर	देस—(III)
कुल देख	७५०)	७५०)		

पीछे—: १२. रामसिध-माधोसिधोत १३. गोदी १४. रतनसिध १५. सवाईसिध
१६. देवीसिध १७. मनाईसिध १८ आसकरण

गांव खुनाईयां— ५००) ५००) जोधपुर

पीछे—: ११. रिहमलसिध-मालमसिधोत १२ आसकरण १३. देरवास
१४. सोपनसिध १५. जोसिध १६. भैरवसिध १७. आनसिध

खान-जानवानां की

१. राम रिहमल-भुवैराज पवायण २. जोगी-पवायणीस दिण या वस या जवान

कहीज।

फिरथीराजोत जवान

४ जोगी ५. फिरथीराज-जवानन निण या वस या फिरथीराजोत-जवानन कहीज।

फिरथीराजोत या ठिकानां की विवर

गांव बारां—	१२०००)	१२०००)	सोजव
बनप्रा	१५००)	१५००)	१५००)
उरगा या वास	४००)	४००)	४००)
होसयावास	३००)	३००)	३००)
जोडीया	३००)	३००)	३००)
फिरथीपुरी	३००)	३००)	३००)
खिरणी खेडी	२००)	२००)	२००)
कुल देख	१५०००)	१५०००)	

पीढियें— ६. बाघसिंघ-पिरथीराजोत ७. कुंभकरण ८. देवकरण ९. प्रतापसिंघ
१०. दुरजणसिंघ ११. पाहाडसिंघ १२. जोरावरसिंघ १३. हिंदूसिंघ
१४. केसरीसिंघ १५. सिवनाथसिंघ १६. नाहारसिंघ

गाँव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गाँव नुन—	३०००)	३०००)	नागोर	

पीढियें—: ८. कासीराम-कुंभकरणोत^१ ९. मुकनदास १०. जालमसिंघ ११. ऊदेसिंघ
१२. करणसिंघ १३. सुमेलसिंघ

गाँव सेरणो—	२०००)	२०००)	जालोर
-------------	-------	-------	-------

पीढियें—: ८. सूरजमल-कुंभकरणोत^२ ९. किलयाणसिंघ १०. तखतसिंघ ११. जैत-
सिंघ १२. गजसिंघ

गाँव खोखरो—	६०००)	५०००)	सोजत	खेड़ा ५
-------------	-------	-------	------	---------

पीढियें—: ७. भगवानदास-बाघसिंघोत^३ ८. सुजाणसिंघ ९. बीको १०. रूपसिंघ
११. रुघनार्थसिंघ १२. रतनसिंघ १३. जोधसिंघ १४. भवानीसिंघ
१५. सालमसिंघ १६. ग्यानसिंघ १७. गजसिंघ १८. भेरूसिंघ

गाँव वाली—	१०००)	१०००)	सोजत	पैदास २०००)
------------	-------	-------	------	-------------

पीढियें—: ८. ऊदेभाण-भगवानदासोत ९. प्रतापसिंघ १०. हठीसिंघ ११. सेरसिंघ
१२. सरूपसिंघ १३. बनेसिंघ १४. बभूतसिंघ

खाँप-आसकरणोत जैतावत

४. जेती ५. देईदास ६. आसकरण-देईदासोत रा वस रा आसकरणोत जैतावत कहीजै ।

आसकरणोत जैतावतां रा ठिकाणां री विगत

गाँव थाँवलो—	४०००)	४०००)	जालोर
--------------	-------	-------	-------

पीढियें—: ७. केसोदास-आसकरणोत ८. मोहणदास ९. हेवतसिंघ १०. कुंभकरण
११. हिरदेराम १२. सूरतसिंघ १३. मोहकमसिंघ १४. लालसिंघ १५. ईंदर-
सिंघ १६. वेरीसाल

गाँव आलासण—	१०००)	१०००)	जालोर	आधो
-------------	-------	-------	-------	-----

१. ठि. वगडी के (७) ठाकुर कुंभकरण का पुत्र ।

२. ठि. , (७) ,, ,, ,, ।

३. ठि. ,, (६) , बाघसिंह का पुत्र ।

पीढियें—: ११. रतनसिंघ-हिरदेरांमोत^१ १२. सबलसिंघ १३. नाहरसिंघ

गांव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गांव-रायरो बड़ो—	६००)	६००)	जालोर	
„ रायरो खुरद	४००)	४००)	„	
कुल रेख	१०००)	१०००)		

पीढियें—: ११. ऊमेदसिंघ-हिरदेरांमोत^२ १२. सगरामसिंघ १३. सुखसिंघ १४. सिव-
सिंघ १५. जुहारसिंघ १६. दोलतसिंघ

गांव समदांणी— ४००) ४००) भीनमाल

पीढियें—: १०. सूरजमल-कुंभकरणोत^३ ११. दलसिंघ १२. नगराज १३. हिंदूसिंघ
१४. कुसालसिंघ

गांव लांबोड़ी—	५००)	५००)	सोजत
„ सावलदास रो गुढो	५००)	५००)	„
„ सोभा रो गुढो	१०००)	१०००)	„
कुल रेख	२०००)	२०००)	

पीढियें—: ७. किलाणदास-आसकरणोत ८. किसनदास ९. करमसेण १०. जगरूप-
सिंघ ११. नाहरखान १२. सिवदान १३. गजसिंघ १४. ग्यानसिंघ
१५. भोमसिंघ

गांव मुरढावो— ६२५) ६२५) सोजत

पीढियें—: ७. दलपत-आसकरणोत ८. जैतसिंघ ९. ईंदरसिंघ १०. सगरामसिंघ
११. अमरसिंघ १२. नाहरसिंघ १३. देवीसिंघ

खांप-भोपतोत-जैतावत

पीढियें—: ४. जेतो ५. देईदास ६. भोपत-देईदासोत तिण रा बस रा भोपतोत-जैतावत
कहीजै ।

१. ठि. थावलो के (११) ठाकुर हिरदेराम का पुत्र ।

२. ठि. „ (११) „ „ „ ।

३. ठि. „ के (१०) ठाकुर कुंभकरण का पुत्र ।

भोपतोत जंतावताँ रा ठिकाणां री विगत

गाव रेख कदीम हमार भरे परगना विशेष

पाँव खांडो देवल— १२५०) १२५०) भीनमाल

पीढियें—: ७ माधोसिंघ-भोपतोत ८. स्यामसिंघ ९. गोरधनसिंघ १०. फतेसिंघ
११. सुरताणसिंघ १२. विसनसिंघ १३. विजेसिंघ १४. चैनसिंघ
१५. नवलसिंघ

गाँव रामसिंघ रो गुडो— २०००) २०००) सोजत हेस ३

पीढियें—: ७. रामसिंघ-भोपतोत ८. भाखरसिंघ ९. करणसिंघ १०. हिंदूसिंघ
११. जालमसिंघ १२. समरथसिंघ १३. सूरजमल १४. दुरगदास

खाँप-कलावताँ री

पीढियें—: १. राव-रिडमल २. अखेराज ३. पंचाण ४. कलो, तिए रा बस रा कलावत
कहीजै ।

कलावताँ रा ठिकाणां री विगत

पाँव हूण— १०००) १०००) सोजत

पीढियें—: १. मनोरदास २. नाहरखान ३. सिरदारसिंघ ४. ग्यानसिंघ ५. जालमसिंघ
६. कायमसिंघ ७. अजीतसिंघ

गाँव जाढण— १५००) १५००) सोजत

पीढियें—: ५. जसकरण-कलावत ६. पूरणमल ७. हरीसिंघ ८. सुजाणसिंघ ९. सायब-
खान १०. सिरदारसिंघ ११. पेमसिंघ १२. हरनाथसिंघ १३. छतरसिंघ
१४. भोमसिंघ १५. सिवनाथसिंघ १६. रुधनाथसिंघ

खाँप-गोयंददासोत जोधा

पीढियें—: १. मोटा राजा श्री ऊर्देसिंघजी २. भगवानदास ३. गोयंददास तिए रा बस
रा गोयंददासोत कहीजै ।

गोयंददासोत जोधाँ रा ठिकाणां री विगत

गाँव खेरवो— १००००) १००००) जोधपुर

„ आयेची ११२५) ११२५) „

„ बुधवाड़ी १८७५) १८७५) „

„ वापुनी १२५०) १२५०) „

गांव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
„ सुगालीयो	७५०)	७५०)	जोधपुर	
„ आकड़ावास	५००)	५००)	„	
„ नीवल्लो	२५०)	२५०)	सोजत	
„ घनेरीयो	३०००)	३०००)	मेड़ता	
„ धनड़ी	१५००)	१५००)	„	
„ बडायलि	७५००)	७५००)	„	

कुल रेख २७७५०) २७७५०)

गांव बलाडो—	१०५०)	१२५०)	जैतारण	आय
„ हीगवाणियो	१२५०)	१२५०)	„	„
कुल रेख	२५००)	२५००)		

पीढिये—: ५. सिवदानसिंघ-रिणद्धोड़दासोत ६. जोधसिंघ ७. सायवसिंघ ८. दलेलसिंघ
९. जालमसिंघ १०. नाहारसिंघ ११. सादुलसिंघ १२. सालमसिंघ
१३. विड़दसिंघ

गांव खारड़ी— ३१२५) ३१२५) सोजत

पीढिये—: ७. मोहकमसिंघ-जोधसिंघोत^१ ८. भवानीसिंघ ९. मालमसिंघ १०. नवलसिंघ
११. दुरजणसिंघ

गांव वूटीयास— २५००) २५००) जैतारण

पीढिये—: ६. फतेसिंघ-सिवदानसिंघोत^२ ७. दोलतसिंघ ८. स्यामसिंघ ९. बनेसिंघ
१०. दानसिंघ ११. मालमसिंघ १२. माघोसिंघ

गांव बाबरो— रेख ५०००) सु माफ है जैतारण

„ कुसलपुरो	„
„ सेजपुरो	„
„ रातडीयो	„
„ देवगढ	„

१. ठि. बलाडो के (६) ठाकुर जोधसिंह का पुत्र ।

२. ठि. „ (५) „ शिवदानसिंह का पुत्र ।

गांव रेख कदीम हमार भरे परगना विशेष
 „ पाच फेर वसे है

कुल रेख ५०००) माफ है

पीढ़ियें—: ४ हिरदेनारायण-गोयददासोत ५ अखेराज ६. रुघनाथसिंघ ७. प्रतापसिंघ
 ८. दोलतसिंघ ९. रामसिंघ १०. करणसिंघ ११. हिमतसिंघ १२. माधोसिंघ

गांव रोईचो— ६०००) ६०००) मेड़ता

„ डऊकीयो ३०००) ३०००) „

कुल रेख १२०००) १२०००)

पीढ़ियें—: ६. हरनाथसिंघ-अखैसिंघोत^१ ७ सगतसिंघ ८. ऊमेदसिंघ ९. दुलेहसिंघ
 १०. बखतावरसिंघ ११. केसरीसिंघ

गांव अलचपुरो— १०००) १०००) डीडवाणो

पीढ़ियें—: ६. देवसिंघ-अखैसिंघोत^२ ७. सिवसिंघ ८. अमानसिंघ ९. तखतसिंघ
 १०. मूलसिंघ

गांव आंतरोली-वडी— ४०००) ४०००) मेड़ता

पीढ़िये—: ४. जगरूपसिंघ-गोयददासोत ५. रायसिंघ ६. जैसिंघ ७ सुरताणसिंघ
 ८. बाहादरसिंघ ९. सेरसिंघ १०. पिरथीसिंघ ११. नहुसिंघ
 १२. सिवनाथसिंघ

खांप-गोपालदासोत जोधा

पीढ़ियें—: १. मोटा राजा ऊदेसिंघजी २ भगवानदास ३. गोपालदास † जोधा, तिण रा
 वस रा गोपालदासोत जोधा कहीजै ।

गोपालदासोत जोधा रा ठिकाणां री विगत

गांव तोलासर — १५००) १५००) दोलतपुरा

† गोपालदास काम आयो सवत् १६६४ मे महाराज श्री गजसिंघजी से भगड़ो कवरपदे
 गांव वीलीया मे हुवो ।

१. ठि. बावरा के (५) ठाकुर अखैराज का पुत्र ।

२. ठि „ (५) „ „ „ ।

पीढिये—: ४. किसोरदास-गोपालदासोत ५. नाहरसिंघ ६. माहार्सिंघ ७. सवाईसिंघ
८. जालमसिंघ ९. रामसिंघ १०. रुवनाथसिंघ

गांव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गांव मालावासणी—	५००)	५००)	डीडवाणो	

पीढिये—: ८. सालमसिंघ-सवाईसिंघोत^१ ९. सुरतांगसिंघ § १०. विसालसिंघ

गांव खातोलाई—	१०००)	१०००)	मेड़ता
---------------	-------	-------	--------

पीढिये—: ६. केसरीसिंघ-नाहरसिंघोत^२ ७. रूपसिंघ ८. दुरजणसिंघ ९. सालमसिंघ
१०. भीवसिंघ ११. प्रभूदान

खांप-जगनाथोत जोधा

पीढिये—: १. महाराजा श्री ऊर्देसिंघजी २. नरहरदास ३. जगनाथ तिण रा वंस रा
जगनाथोत जोधा कहीजै ।

जगनाथोत जोधा रा ठिकाणां री विगत

गांव मोडरो—	२५००)	२५००)	मेड़ता
-------------	-------	-------	--------

पीढिये—: ४. जसकरण-जगनाथोत ५. विजेसिंघ ६. सूरसिंघ ७. ग्रमरसिंघ ८. वनेसिंघ
९. देवीसिंघ १०. वखतावरसिंघ ११. मुकनसिंघ

खांप-रतनोत-जोधा

पीढिये—: १. महाराज श्री मोटा राजा उदैसिंघजी २. जेतसिंघ ३. हरीसिंघ *
४. रतन सिंघ, तिण रा वंस रा रतनोत जोधा कहीजै ।

रतनोत जोधा रा ठिकाणां री विगत

गांव दुगोलि खास—	२०००)	२०००)	मेड़ता
„ गुलर	३०००)	३०००)	„ }
„ गुमेर	२०००)	२०००)	„
„ तुवरो	३०००)	३०००)	„

§ काम आयो डीडवाणा सवत् १८६५ मे ।

* यह गांव जेठारो मे खरवा के प्रतापसिंघ से लड़कर स. १६५७ में काम आया ।

१ ठि तोलासर के (७) ठाकुर सवाईसिंह का पुत्र ।

२ ठि „ (५) „ नाहरसिंह का पुत्र ।

गांव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
„ माजरो मीठी	१०००)	१०००)	मेड़ता	
„ अडसी गांव	३०००)	३०००)	„	
	— — —	— — —		
कुल रेख	१४०००)	१४०००)		

पीढियें—: ५. किसनसिंघ-रतनसिंघोत ६. सावतसिंघ ७. सिरदारसिंघ ८. राघोदास
९. ग्यानसिंघ १०. सिवनाथसिंघ ११. बखतावरसिंघ १२. बीजेसिंघ

गांव कवेडीयो— ३०००) ३०००) नागोर

पीढियें—: ८. विसनसिंघ-सिरदारसिंघोत^१ ९. बदनसिंघ १०. हणवतसिंघ
११. जसवतसिंघ

गांव दुदोलि— ५०००) ५०००) नागोर

पीढियें—: ६. ईसरीसिंघ-किसनसिंघोत^२ ७. जू जारसिंघ ८. बेरीसाल ९. हुकमसिंघ
१०. अमरसिंघ ११. जालमसिंघ

गांव भाडेली — ५०००) ५०००) नागोर

पीढियें—: ७. घोरतसिंघ-केसरीसिंघोत ८. चतरसिंघ ९. केसरीसिंघ १०. महेसदास
११. रणजीतसिंघ १२. सिवदानसिंघ

गांव नीवेड़ो— २०००) २०००) नागोर

पीढियें—: ६. जगतसिंघ-किसनसिंघोत ७. जसकरण ८. मानसिंघ ९. ऊमेदसिंघ
१०. अमरसिंघ ११. हरनाथसिंघ.

गांव लोटोती— ५०००) ५०००) जेतारण

„ बाकलीयो २०००) २०००) नागोर

„ ढाकावास २०००) २०००) „

कुल रेख ६०००) ६०००)

पीढियें—: ५. रामसिंघ-रतनसिंघोत ६. जोधसिंघ ७. सिवसिंघ ८. जालमसिंघ ९. सेर-
सिंघ १०. ऊदेसिंघ ११. ईंदरसिंघ १२. प्रतापसिंघ

गांव रावडीयाक— ४०००) ४०००) जेतारण आधी

१. ठि दुगोली के (७) ठाकुर सिरदारसिंह का पुत्र ।

२. ठि „ (५) „ किसनसिंह का पुत्र ।

पीढिये—: ७. अर्भेसिंघ-जोधसिंघोत^१ ८. राजसिंघ ९. मानसिंघ १०. बखतावरसिंघ
११. अजीतसिंघ

गांव	रेख कदोम	हमार भरे	परगना	विशेष
गांव बांजाकुडी—	२०००)	२०००)	जेतारण	आधी

पीढिये—: ७. सिवसिंघ-जोधसिंघोत^२ ८. बखसीराम-सिवसिंघोत ९. चुतरभुज
१०. कुसालसिंघ ११. रणजीतसिंघ १२. मुकनसिंघ

गांव नोखो—	३०००)	३०००)	नागोर
------------	-------	-------	-------

पीढिये—: ५. अणदसिंघ-रतनसिंघोत ६. सूरजमल ७. भीवसिंघ ८. नाहारसिंघ
९. हुकमसिंघ १०. मोतीसिंघ ११. दोलतसिंघ

गांव पठाणां रो वास—	५००)	५००)	डीडवाणो	आसामी २ रे
„ बाभुवासी	१०००)	१०००)	नागोर	„
कुल रेख	१५००)	१५००)		

। पांती आब में— ॥)

पीढिये—: ६. पदमसिंघ-अणदसिंघोत^३ ७. मोहकमसिंघ ८. लालसिंघ ९. सिवसिंघ
१०. परभूदान ११. रणजीतसिंघ

। पांती आध में— ॥)

पीढिये—: ७. राजसिंघ-पदमसिंघोत^४ ८. छतरसिंघ ९. अगरसिंघ १०. देवीसिंघ

गांव आमलवासी—	५००)	५००)	नागोर
---------------	------	------	-------

पीढिये—: ६. सूरतसिंघ-अणदसिंघोत^५ ७. हिमतसिंघ ८. समेलसिंघ ९. जोरावरसिंघ

गांव रोजो—	५०००)	५०००)	नागोर
------------	-------	-------	-------

पीढिये—: ५. करणसिंघ-रतनसिंघोत ६. बखतसिंघ ७. जगरामसिंघ ८. अनाईसिंघ
९. रुघनाथसिंघ १०. रणजीतसिंघ ११. हमीरसिंघ

१. ठि. लोटोती के (६) ठाकुर जोधसिंह का पुत्र ।

२. ठि. „ (६) „ „ „ ।

३. ठि. नोखी के (५) ठाकुर अणदसिंह का पुत्र ।

४. ठि. पठाणा री वास के (६) ठाकुर पदमसिंह का पुत्र ।

५. ठि. नोखी के (५) ठाकुर अणदसिंह का पुत्र ।

गाव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गांव गुढो रोयलो—	२०००)	२०००)	नागोर	आसामी २ रे

पांती आध मे— ॥)

पीढिये—: ६. मालमसिंघ-करणसिंघोत^१ ७. अजबसिंघ ८. जैतसिंघ ९. गुलाबसिंघ
१०. राजसिंघ ११. चिमनसिंघ

पांती आध में— ॥)

पीढिये—: ६. जीवणसिंघ-जैतसिंघोत^२ १०. भूरसिंघ ११. हमीरसिंघ
गांव चावली १०००) १०००) नागोर

पीढिये—: ६. कुसलसिंघ-करणसिंघोत^३ ७. फतेसिंघ ८. मालमसिंघ ९. जीवणसिंघ
१०. अमानसिंघ ११. बेरीसाल १२. सरूपसिंघ

गांव खारी— २०००) २०००) नागोर

पीढिये—: ६. वखतसिंघ-करणसिंघोत^४ ७. सुजाणसिंघ ८. कनीराम ९. भेरुसिंघ
१०. स्यामसिंघ ११. ऊर्देसिंघ १२. डूगरसिंघ

गांव खांभीवाद— ५०००) ५०००) नागोर

पीढिये—: ५. सवाईसिंघ-रतनसिंघोत ६. ऊर्देसिंघ ७. अखैसिंघ ८. वनेसिंघ ९. रूपसिंघ
१०. हणवतसिंघ ११. विइर्दसिंघ

गांव खेवर— ३०००) ३०००) नागोर

पीढिये—: ८. रिडमल-अखैसिंघोत^५ ९. चिमनसिंघ १०. दोलतसिंघ
११. हरनाथसिंघ

गांव डाभड़ी— २०००) २०००) नागोर

पीढिये—: ५. बाघसिंघ-रतनसिंघोत ६. दुरजणसिंघ ७. जसकरणा ८. सिंभूसिंघ
९. जालमसिंघ १०. पाहाडसिंघ ११. रणजीतसिंघ

खांप-किलाणदासोत-जोधा

१ ठि रोजो के (५) ठाकुर करणसिंह का पुत्र ।

२ ठि „ (दुजी पाती) के (८) ठाकुर जैतसिंह का पुत्र ।

३ ठि. „ (५) ठाकुर करणसिंह का पुत्र ।

४. ठि. „ (५) „ „ „ ।

५. ठि. खांभीवाद के (७) ठाकुर अखैसिंह का पुत्र ।

पीढिये—: १. माहाराज श्री ऊदेसिंघजीजी २. जैतसिंघ ३. हरीसिंघ ४. किलाण-
दास, तिण रा वस रा किलाणदासोत जोधा कहीजै ।

किलाणदासोत जोधां रा ठिकाणां री विगत

गांव	रेख कदोम	हमार भरे	परगना	विशेष
गांव जालणीयासर—	२०००)	२०००)	नागोर	

पीढिये—: ५. रूपसिंघ-किलाणदासोत ६. भीवसिंघ ७. मानसिंघ ८. वदरीदास
९. पेमसिंघ १०. विड़दासिंघ

गांव आकोडो—	२०००)	२०००)	नागोर
-------------	-------	-------	-------

पीढिये—: ५. हरनाथसिंघ-किलाणदासोत ६. जगरामसिंघ ७. पाहाड़सिंघ ८. चांदसिंघ
९. बलदेवसिंघ

गांव जांणेवो—	२०००)	२०००)	नागोर	आसांमी ३ रे
---------------	-------	-------	-------	-------------

पांती आध में— ॥)

पीढिये—: ५. कुसालसिंघ-किलाणदासोत ६. अनोपसिंघ ७. सूरजमल ८. छेतसिंघ
९. जसकरण १०. भेरुसिंघ ११. अमानसिंघ

पांती पाव में— १)

पीढिये— १०. भोपालसिंघ-जसकरणोत^१ ११. जुहारसिंघ

पांती पाव में— १)

पीढिये—: १०. सिवसिंघ-जसकरणोत^२ ११. चैनसिंघ

खांप-अमरसिंघोत जोधा

पीढिये—: १. माहाराज श्री गजसिंघजी २. अमरसिंघ-गजसिंघोत (नागोर राज कियो)
अमरसिंघ रा वंस रा अमरसिंघोत जोधा कहीजै ।

अमरसिंघोत जोधां रा ठिकाणां री विगत

गांव सेवो—	४०००)	०	दोलतपुरा	खेड़ा २
				आसांमी ३

१. ठि. जाणेवो (पहली पांती) के (६) ठाकुर जसकरण का पुत्र ।

२. ठि. " " (६) " " " " ।

पांती आध में— ॥)

पीढियें—: ३. ईसरसिंघ-अमरसिंघोत ४ अनोपसिंघ ५. अणदसिंघ ६. करणसिंघ
७. बखतावरसिंघ ८. नाथूसिंघ

पांती पाव में— ।)

पीढिये — ७. बनेसिंघ-करणसिंघोत ८. सिवसिंघ ९. फकीरसिंघ

पांती पाव में— ।)

पीढियें—: ८. सेरसिंघ-अनैसिंघोत

गाँव सेवो— परगनां दोलतपुरा रो, रेख भरे नही, राजवी तिण सू ।

खाँप-किसोरसिंघोत जोधां रा ठिकाणां री विगत

पीढियें—: १. महाराज श्री अजीतसिंघजी २. किसोरसिंघजी † तिण री खवास रा
किसोरसिंघोत कहीजै ।

गाव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गाँव जलवाणो—	५०००)	५०००)	मेड़ता	

पीढियें—: ३. जंतसिंघ-किसोरसिंघोत ४. भैरूसिंघ § ५. बखतावरसिंघ
६. बलवतसिंघ

खाँप-जोधां रा ठिकाणां री विगत

राव जोधो सवत् १४७२ रा बैसाख सुद ४ रो जनम संवत् १५१५ जोधाजी जोधपुर सैर
बसायौ ने गढ करायो । सवत् १५४५ रा माहा सुद ११ रा अंतकाळ हुवो तिण रा बंस
रा जोधा कहीजै ।

खाँप-खंगारोत जोधां रा ठिकाणां री विगत

१. राव जोधो २. जोगो ३. खंगार, तिण रा बंस रा खंगारोत कहीजै ।

गाँव खारीयो—	१२५०)	६२५)	जोधपुर
„ पुनास	६००)	६००)	
कुल रेख	२१५०)	१५२५)	

† किसोरसिंघजी काम आया गाव नरासर मे खेजड़ला वाळा रे भगड़ो हुवो जठे रास
वाळा केसरीसिंघजी रा हाथ सू सवत् १८०६ रा काती वद १४ नै ।

§ काम आयो अजमेर दिखणिया सू भगड़ो हुवो जठे ।

पीढिये—: ४. गगो-खगारोत ५. मानसिध ६. आसकरण ७. दवारकादास ८. राघो-
दास ९ जसकरण १०. फरसराम ११. जीवणसिध* १२. फतसिध
१३. रतनसिध १४. गोपीनाथ

गांव	रेख कद्रीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गांव जालसू-बड़ी—	४०००)	४०००)	मेडना	

पांती आध में—

पीढिये—: ९. विहारीदास-गोयंददासोत १०. पदमसिध ११. जंतसिध १२. सूरजमल
१३. पेमसिध १४. जवानसिध

पांती आध में—

पीढिये—: १०. गुमानसिध-विहारीदासोत^१ ११. अभैसिध १२. पहाड़सिध
१३. कुसलसिध १४. सिवसिध १५. भीवसिध

गांव डाहोली (खारी)	२०००)	२०००)	नागोर
--------------------	-------	-------	-------

पीढिये—: ८. चद्रभाण-दवारकादासोत^२ ९. हरनाथसिध १०. अनोपसिध ११. केसरी-
सिध १२. नाहरसिध १३. हुकमसिध १४. सावतसिध^३ १५. जेतसिध

गांव छापली—	१२५०)	१२५०)	जोवपुर
-------------	-------	-------	--------

पीढिये—: ६. पूरणमल-मानसिधोत^४ ७. कीरतसिध ८. कुभकरण ९. नाथूसिध
१०. मालसिध ११. भवानीसिध १२. धीरतसिध १३. रूपसिध
१४. तखतसिध

खांप-बाधावत जोधां रा ठांकरां री विगत

१. राव बाघो सवत् १५१४ रो जनम ने सवत् १५७१ अंतकाळ हुवो कवरपदे, तिण
रा वंस रा बाधावत ओधा कहीजे ।

गांव पहाड़पुरो—	२०००)	२०००)	जालोर
„ नीवावस	१५००)	१०००)	„
„ भागल	१०००)	१०००)	„

* यह सवत् १८५३ मे खीवसर मे काम आया ।

१. गाव जालसू बड़ी की (पहली पांती) के (९) ठाकुर विहारीदास का पुत्र ।

२. गाव खारियो के (७) ठाकुर द्वारकादास का पुत्र ।

३. युद्ध मे काम आयो संवत् १८४७ में ।

४. गाव खारियो के (५) ठाकुर मानसिंह का पुत्र ।

गाँव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
„ खानपुर	५००)	५००)	जालोर	
„ नीबली सु डारी	२५००)	२५००)	सोजत	
कुल रेख	७५००)	७०००)		
गाँव आंटण—	७७५)	७७५)	जोधपुर	
„ मोकलावास	४००)	४००)	सोजत	
कुल रेख	११७५)	११७५)		

पीढ़िये —: ७ जैसिंध-माघोसिंधोत ८. ऊदेभाण ९. दोलतसिंध १०. सेरसिंध
११. सिवसिंध १२. स्यामसिंध १३. अमानसिंध १४. जूंजारसिंध

गाँव सिकारपुरो—	२०००)	२०००)	जोधपुर
„ कुकडनाडो	१५००)	१५००)	
कुल रेख	३५००)	३५००)	

पीढ़िये —: ९. सुभकरण-ऊदेभाणोत १०. भगवतसिंध ११. जीवराज १२. पिरथीसिंध
१३. छतरसिंध १४. बभूतसिंध

खाँप-गाँगावत जोधाँ रा ठिकाँणाँ री विगत

१. राव सूजा २. बागा ३. गागा, राव गागो सवत् १५४० रौ जनम नै सवत् १५८८
अतकाळ हुवौ, तिण रा वस रा गागावत-जोधा कहीजै ।

गाँव कालिजाड—	१२५०)	१२००)	जोधपुर
---------------	-------	-------	--------

पीढ़िये—: २. किसनसिंध-गागावत ३. राघोदास ४. अचलदास ५. किरतसिंध
६ सूजाणसिंध ७. बिहारीदास ८. बखतसिंध ९. हरीसिंध * १०. सांवल-
दास ११. विजैसिंध

गाँव हंजावास—	१८७॥)	१८७॥)	जोधपुर
---------------	-------	-------	--------

§ काम आयो पाटण री राड मे संवत् १८४६ ।

* तुगा से भगडे मे घाव लाग़ा सु सांभर आया फ़ीत हुवो, संवत् १८३१ में ।

पीढिये—: ६. अजवसिध-वखतसिबोत १०. रांसिध ११ अमरसिध १२. अखसिध

गांव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गांव साली—	६२५)	६२५)	जोधपुर	

पीढिये—: २. मानसिध-गागावत ३. नरहरदास ४. राघोदास ५. मोहरदास
६. कुसलसिध ७. केसोदास ८. जगरूपसिध ९. सूरतसिध १०. नगराज
११. सेरसिध १२. जसवतसिध १३. रतनसिध

खांप-रांसोत जोधां रा ठिकाणां री विगत

राव, सूजा, वागा, गागा

१. राव मालदेव सवत् १५६८ रो जनम ने सवत् १६१९ में अक्काळ हुवो २. रांसिध मालदेवोत तिण रा वस रा रांसोत कहीजे ।

गांव पावो—	५०००)	५०००)	गोढवाड
„ हीगोलो	२०००)	५००)	„
„ ईंदरापुरीयो,	२०००)	५००)	„
„ गोवडी	०	०	„ रेख नहीं
„ चेनपुरो	०	०	„ रेख नहीं
कुल रेख	६०००)	६०००)	

पीढिये—: ३. करणसिध-रांसोत ४. भीरसिध ५. कानसिध ६. रिणछोडदास
७. रूपसिध ८. छतरसिध ९. जसवतसिध १०. बुधसिध ११. वीरमदेव
१२. जालमसिध १३. रुघनाथसिध १४. सिवनाथसिध १५. जूहारसिध

खांप-चंद्रसेणोत जोधां रा ठिकाणां री विगत

सूजा-वागा-गागा १ राव मालदेव २. राव चंद्रसेण सवत् १५६८ रो जनम ने सवत् १६१९ मे राव मालदेवजी री गादी बैठा जोधपुर मे, ने चंद्रसेण पातसाही चाकर नहीं हुवो । तिण रा वम रा चंद्रसेणोत जोधा कहीजे ।

गांव पालडी—	३०००)	२५००)	नागोर
„ बुटाणो	३०००)	२५००)	„
कुल रेख	६०००)	५०००)	

पीढियें—: १. ऊगरसेण-चद्रसेणोत् ४. करमसेण ५. स्यामसिंघ ६. अखेराज
७. नरसिंघद स ८. रूपसिंघ ९. सुरतारसिंघ १०. फतैसिंघ ११. रतनसिंघ
१२. सूरजभाण १३. विजैसिंघ

गाँव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गाँव नीबड़ी-कोठारीयां—	५०००)	५०००)	मेड़ता	जब्त है

पीढियें—: ८. दोलतसिंघ-नरसिंघदासोत्^१ ९. सेरसिंघ १०. गुलाबसिंघ ११. मुकनसिंघ
१२. मरजादसिंघ १३. नभूतसिंघ

गाँव छापड़ा—	६०००)	६०००)	नागोर
--------------	-------	-------	-------

पीढियें—: ५. मोहणदास-करमसेणोत्^२ ६. रामचदर ७. सुजाणसिंघ ८. भोपतसिंघ
९. जसकरण १०. रामसिंघ ११. भैरुसिंघ १२. बाहादरसिंघ १३. हणवतसिंघ

गाँव डीकावो—	३०००)	३०००)	दीलतपुरा
--------------	-------	-------	----------

पीढियें—: ८. जगमाल-सुजाणसिंघोत्^३ ९. रिडमल १०. लखधीर ११. रामदास
१२. सिवदास १३. रुघनार्थसिंघ

गाँव पावटो—	२०००)	२०००)	दीलतपुरी
-------------	-------	-------	----------

पीढियें—: ७. सबळसिंघ-रामचदरोत्^४ ८. सिंभूसिंघ ९. कुसलसिंघ १०. किसनसिंघ
११. मगलसिंघ १२. गाढसिंघ

खाँप-रतनसिंघोत् जोधा रा ठिकाणों की विगत

सूजा-वागा-नागा-रतनसिंघ

गाँव भादराजरा—	२५००)	२५००)	जोधपुर
„ राहणी	३७५०)	३७५०)	„
„ वायद	१८७५)	१८७५)	„
„ पाती	६२५)	६२५)	„

१. काम आयो सवत् १९९७ बखतसिंह अर सवाई जयसिंह रँ भगडी हुवो गगवागो जठे ।

२. गाव पालडी के (७) ठाकुर नरसिंहदास का पुत्र ।

३. „ „ (४) „ करमसेण का पुत्र ।

४. गाव छापडा के (७) ठाकुर सुजाणसिंह का पुत्र ।

५. गाव „ (६) „ रामचन्द्र का पुत्र ।

गाव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
„ सिंघाणो	६२५)	६२५)	जोधपुर	
„ वाकली	५००)	५००)	„	
„ घुमरियो	२००)	२००)	„	
„ सेलडी	२५०)	२५०)	„	
„ जेठाणी	२५०)	खेड़ी सूनो	„	
„ भाडला	२५०)	२५०)	„	
„ राखणो	५००)	५००)	„	
„ सुगालीयो	३७५)	३७५)	„	
गाँव भाडेलाल—	४०००)	४०००)	„	
„ खाडी	२५००)	२५००)	„	
„ महेलडी	१००)	१००)	„	
„ ऊदरा	५००)	५००)	„	
„ जैतपुरो	२५००)	२५००)	„	
„ गोयंदलाव	१५००)	१५००)	„	
„ मुझीयावास	१०००)	१०००)	„	
„ नीवलो	५००)	५००)	„	
„ गिरवरियो	२५०)	२५०)	„	
„ चुडो	५०)	५०)	„	
„ गुवड़ो	५०)	५०)	„	
„ चेडां	१०००)	१०००)	„	
„ घाणो	१७००)	१७००)	„	
„ सीघला	१७००)	१७००)	„	
„ मोडी	५०)	सूनो	„	
„ मायलोवास	३५०)	३५०)	„	
„ हेमलीयास	४००)	४००)	„	
„ पादरला	५००)	५००)	„	
„ सीसलोर	४००)	४००)	„	
„ कावो	२०००)	२०००)	जालोर	
कुल रेख	३२७५०)	३१६५०)		

पीढिये—: ३. सादुलसिध-रतनसिधोत ४. मुकनदास ५. ऊदेभांण ६ विहारीदास
 ७. वाघसिध ८. ऊदेराज ९. ऊमेदसिध १०. जालमसिध ११. बसतावरसिध
 १२. ईंदरभांण १३. सगरामसिध

गांव	रेख कदीम	हमार भरे	परखना	विशेष
गांव रांमो—	२०००)	२०००)	जोधपुर	
„ रेवड़ा बडी	२५०)	२५०)	„	
कुल रेख	२२५०)	२२५०)		
पीढियें—: १०. जगतसिंह-ऊमेदसिंहोत्त ^१		११. अजीतसिंह	१२. जोरावरसिंह	
	१३. सिवनार्थसिंह			
गांव सीरांगो—	१२५०)	१२५०)	जोधपुर	
पीढियें—: ६. केसरीसिंह-ऊदेराजोत्त ^२		१०. भवानीसिंह	११. अचलसिंह	
	१२. चिमनसिंह			
गांव जलेली बडी—	१२५०)	१२५०)	जोधपुर	
पीढियें—: ८. अभैराज-बाघसिंहोत्त ^३		६. किलांगसिंह	१०. देवसिंह	११. बभूतसिंह
	१२. लालसिंह			
गांव भंवरी—	२५००)	२५००)	जोधपुर	
„ पचपदरीयो	१५००)	१५००)	„	
„ जादरी	२०००)	१०००)	गोढवाड	
„ प्रतापसिंह रो गुडो	२००)	२००)	जोधपुर	
कुल रेख	६२००)	५२००)		
पीढियें—: ६. मोवणदास-ऊदेभाणोत्त ^४		७. प्रतापसिंह	८. भीमसिंह	९. कुसालसिंह
	१०. सेरसिंह	११. देवीसिंह	१२. माधोसिंह	१३. बेरीसाल
गांव बीजली—	५००)	५००)	जोधपुर	
„ गोदावसीयो	३००)	३००)	„	
„ कुडली	३२५)	३२५)	„	
कुल रेख	११२५)	११२५)		

१. ठि. भाडेलाल के (६) ठाकुर उमेदसिंह का पुत्र ।

२. „ „ (८) „ उदैराज का पुत्र ।

३. „ „ (७) „ बाघसिंह का पुत्र ।

४. „ „ (५) „ उदैभाण का पुत्र ।

पीढियें—: ६. देईदास-ऊदेभाणोत^१ ७. सिवदानसिंघ ८. नराणदास ९. वीरमदेव
१०. जोरावरसिंघ

गांव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गाँव डीरी—	२५०)	२५०)	जोधपुर	
„ वीजा	२५००)	२५००)	„	
कुल रेख	२७५०)	२७५०)		

पीढियें—: ५. जोगीदास मुकनदासोत^२ ६. लालसिंघ ७. ऊदेसिंघ ८. जैतसिंघ
९. रुघनाथसिंघ १०. सादूळसिंघ ११. पिरथीसिंघ १२. सिवनाथसिंघ

गाँव धवलेरीयो— १२५०) १२५०) जोधपुर

पीढियें—: ७. जीवराज-लालसिंघोत^३ ८. स्यामसिंघ ९. चैनसिंघ १०. भोमसिंघ
११. अमरसिंघ

गाँव देवासण—	१०००)	१०००)	जोधपुर
„ जोलणो	५००)	५००)	„
कुल रेख	१५००)	१५००)	

पीढियें—: ५. चंद्रभाण-मुकनदासोत^४ ६. आसकरण ७. वीरभाण ८. जगभाण
९. रतनसिंघ १०. भवानीसिंघ

गाँव सदावास— १२५) ० जोधपुर

पीढियें—: ९. कनीराम-जगभाणोत^५ १०. जैतसिंघ ११. वनेसिंघ

गाँव बालो—	३५००)	३५००)	जोधपुर
„ नीलकठ	२०००)	२०००)	„
„ कुलथाणो	१२५०)	१२५०)	„
कुल रेख	६७५०)	६७५०)	

१. ठि भाडेलाव के (५) ठाकुर उदेभाण का पुत्र ।

२. ठि. „ (४) „, मुकनदास का पुत्र ।

३. गांव डीरी के (६) „, लालसिंह का पुत्र ।

४. „, भाडेलाव के (४) ठाकुर मुकनदास का पुत्र ।

५. गांव जोलणो के (८) ठाकुर जगभाण का पुत्र ।

पीढ़ियों —: ४ लिच्छमणसिंघ-सादूलसिंघोत् ५ हिमतसिंघ ६ सगतसिंघ ७ अभैसिंघ
८. मानसिंघ ९. अखेसिंघ १०. नाहारसिंघ ११. बभूतसिंघ

गांव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गांव भोडर—	६००)	६००)	जोधपुर	
„ ऊमकली	५००)	५००)	„	
कुल रेख	१४००)	१४००)		

पीढ़ियों—: ७ लालसिंघ-सगतसिंघोत् ८. रुघनाथसिंघ ९. रतनसिंघ १०. तेजसिंघ
११. हिमतसिंघ

गांव तोडवी—	५००)	५००)	जोधपुर
-------------	------	------	--------

पीढ़ियों—: ५ हरीसिंघ-लिच्छमणसिंघोत् ६ अणुदसिंघ ७. जसवंतसिंघ ८. किलांण-
सिंघ ९ कुसालसिंघ १०. बभूतसिंघ

गांव मोरढंड—	५००)	५००)	जोधपुर
--------------	------	------	--------

पीढ़ियों—: ८. गुमानसिंघ-जसवंतसिंघोत् ९. तेजसिंघ १०. अजीतसिंघ

गांव बांणण—	८००)	८००)	जोधपुर
-------------	------	------	--------

पीढ़ियों—: ४. रामसिंघ-सादूलसिंघोत् ५. भगवानदास ६. हिमतसिंघ ७. सगतसिंघ
८. अभैसिंघ ९. सुजाणसिंघ १०. जैतसिंघ ११. सगतीदान

गांव कोरांणो—	५००)	५००)	जोधपुर
---------------	------	------	--------

पीढ़ियों—: ६. सेरसिंघ-भगवानदासोत् ७. अखेसिंघ ८. नवलसिंघ ९. तेजसिंघ

खांप-महेसदासोत जोधां रा ठिकाणां की विगत

१. राव मालदेव २. महेसदास-तिण रा बंस रा महेसदासोत जोधा कहीजै ।

§ काम आयो घोरीमने सराया सून भगडो हुवो उण मे संवत् १८७७ मे ।

१. गांव भाडेली के (३) ठाकुर सादूलसिंह का पुत्र ।
२. गांव वालो के (६) „ सगतसिंह का पुत्र ।
३. „ „ (४) „ लिच्छमणसिंह का पुत्र ।
४. गांव तोडवी के (७) ठाकुर जसवंतसिंह का पुत्र ।
५. „ भाडेली के (३) „ सादूलसिंह का पुत्र ।
६. „ बाणण के (४) „ भगवानदास का पुत्र ।

गाव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गांव पाटोदी—	१०००)	१०००)	सीवाणो	
„ आरव रो खेड़ो	१०००)	५००)	„	
„ घड़सी रो खेड़ो	१०००)	५००)	सेरगढ	
	—————	—————		
कुल रेख	३०००)	२०००)		

पीढिये—: ३. रामदास-महेसदासोत ४. गोयददास ५. सवलसिंह ६. दुरजणसिंह
 ७. सूरजमल ८. जालमसिंह ९. जवानसिंह १०. भारथसिंह ११. रामसिंह
 १२. कुसालसिंह

गांव केसवाणो—	५०००)	५०००)	जालोर
„ जोरवाड़ो	२०००)	२०००)	„
	—————	—————	
कुल रेख	७०००)	७०००)	

पीढिये—: ७. जोरावरसिंह-दुरजणसिंहोत^१ ८. बाहादरसिंह ९. वाघसिंह १०. बभूत-
 सिंह ११. वेरोसाल

गांव सिरथलो—	१०००)	१०००)	भीनमाल
--------------	-------	-------	--------

पीढिये—: ८. केसरीसिंह-जोरावरसिंहोत^२ ९. दौलतसिंह १०. सगतीदांन

गांव फलसूंड—	१०००)	१०००)	जोधपुर	आसांमी ४ रे
पांती चौथी में— (१)				

पीढिये—: ७. ऊदेसिंह-दुरजणसिंहोत^३ ८. भीवसिंह ९. प्रतापसिंह १०. नाहरसिंह
 ११. मोड़सिंह १२. बभूतसिंह

पांती चौथी में— (२)

पीढिये—: ६. दौलतसिंह-सवलसिंहोत^४ ७. सुजाणसिंह ८. सेरसिंह ९. तेजमाल
 १०. मेघराज ११. ऊमेदसिंह

-
१. गांव पाटोदी के (६) ठाकुर दुर्जनसिंह का पुत्र ।
 २. गांव केसवाणो के (७) „ जोरावरसिंह का पुत्र ।
 ३. गांव पाटोदी के (६) „ दुर्जनसिंह का पुत्र ।
 ४. गांव पाटोदी के (५) ठाकुर सवलसिंह का पुत्र ।

पांती चौथी में— ३)

पीढ़ियों—: ७. सिवदांसिंघ-दौलतसिंघोत^१ ८. चैनसिंघ ९. रिणछोड़दास १०. जू जार-सिंघ ११. केसोदास १२. रणजीतसिंघ

पांती चौथी में—(४)

पीढ़ियों—: ७ हिंदूसिंघ-दौलतसिंघोत^२ ८. ऊमेदसिंघ ९. खेतसिंघ १०. भोजराज

टिप्पणी—गांव फलसूड गढ जोधपुर रौ, इण गांव री सीव में खेडा ५६ मडै, तिण में खेडो १ बसै, ईणा रै बाकी ५५ सूना । तिणा रौ नाव नही ।

गांव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
------	----------	----------	-------	-------

गांव नांगांणो—	५००)	५००)	जोधपुर
----------------	------	------	--------

पीढ़ियों—: ९. पिरथीराज-भीवसिंघोत^३ १०. बभ्रूतसिंघ ११. जसवतसिंघ

गांव नेहवाई—	२०००)	२०००)	सिवाणो
--------------	-------	-------	--------

पीढ़ियों—: ८ धीरतसिंघ-ऊदेसिंघोत^४ ९. छतरसिंघ १०. भोमसिंघ ११. सगतसिंघ १२. गोपालसिंघ

गांव नेवरी—	१७००)	१७००)	जोधपुर
-------------	-------	-------	--------

„ बाकीवाडो	२५०)	२५०)	„
------------	------	------	---

कुल रेख	१९५०)	१९५०)	
---------	-------	-------	--

पीढ़ियों—: ९. मानसिंघ-धीरतसिंघोत^५ १०. किलाणसिंघ ।—। पांती सिवसिंघ-मानसिंघोत ना ओलाद ११. देवीसिंघ ॥ = ॥। किलाणसिंघ री पांती सो हमे सारी गांव देवीसिंघ रै नावे ।

गांव साई—	२०००)	२०००)	जोधपुर	आसामी २ रे
-----------	-------	-------	--------	------------

पांती आघ में—

पीढ़ियों—: ७. अनोपसिंघ-दुरजणसिंघोत^६ ८. सवाईसिंघ ९. विजैसिंघ १०. देवीसिंघ ११. बखतसिंघ १२. ऊदेसिंघ

१ गांव फलसूड की (दूसरी पांती) के (६) ठाकुर दौलतसिंह का पुत्र ।

२. गांव फलसूड की (दूसरी पांती) के (६) ठाकुर दौलतसिंह का पुत्र ।

३. „ „ (पहली पांती) (८) „ भीवसिंह का पुत्र ।

४. „ „ „ „ (७) उदैसिंह का पुत्र ।

५. गांव नेहवाई के (८) ठाकुर धीरतसिंह का पुत्र ।

६. „ पाटोदी के (६) „ दुरजणसिंह का पुत्र ।

पांती आध में—

पीढियें—: ८. अनाड़सिंघ-सवाईसिंघोत^१ ९ सगतसिंघ १०. गोपालसिंघ ११. धनसिंघ
गांव रेख कदीम हमार भरे परगना विशेष

गांव सीरत— १०००) १०००) जालोर

पीढियें—: ३. दूदो-महेसदासोत ४. वेणीदास ५. गिरधरदास ६. विजैसिंघ ७. जीवन-
दास ८. माहार्सिंघ ९. वनेसिंघ १०. दौलतसिंघ

खाँप-भोजराजोत जोधां रा ठिकांणां री विगत

१. राव मालदेव २. भोजराज-मालदेवोत रा वस रा भोजराजोत जोधा कहीजें ।

गांव भागासणी— २०००) २०००) जोधपुर

पीढियें—: ३. करमसेण-भोजराजोत ४. स्यामसिंघ ५. रामसिंघ ६. जोधसिंघ
७. सूरजमल ८. दौलतसिंघ ९. जोरावरसिंघ १०. गोपालदास ११. मूलसिंघ
१२. सगतीदान

खाँप-अभैराजोत जोधां रा ठिकांणां री विगत

पीढियें—: १. राव मालदेव २. रायमल ३. कनीरांम ४. अभैराज रा वस रा अभै-
राजोत जोधा कहीजें ।

गांव नीबो खास—	२२००)	२२००)	नागोर	खेड़ा २
„ कीतलसर	५००)	५००)	„	सूनो
„ पीरावास	२५०)	२५०)	„	
„ बीरावास	२५०)	२५०)	„	
„ वेहडो	२०००)	२०००)	„	
„ बीजपुड	५००)	५००)	„	
„ खार }	१०००)	१०००)	„	
„ नोखो }	—	—	„	
„ चांदराई	५००)	५००)	„	
„ भूरडीयो	२०००)	२०००)	„	
„ वागरासर	१०००)	१०००)	„	
कुल रेख	१०२००)	१०२००)		

१. गांव साई (पहली पाती) के (८) ठाकुर सवाईसिंह का पुत्र ।

पीढ़ियें - ५. कीरतसिंघ-अभैराजतोत ६. जैतसिंघ ७. हठीसिंघ ८. लालसिंघ
९. धीरतसिंह १०. अमरसिंघ ११. ई. दरसिंघ १२. लिछमणसिंघ
१३. हणवतसिंघ

गाव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गांव खारडीयो—	२०००)	२०००)	नागोर	

पीढ़ियें— ७. दुरजणसिंघ-जैतसिंघतोत^१ ८. सोभासिंघ ९. बाघसिंघ १०. हणवतसिंघ
११. रणजीतसिंघ १२. जूँजारसिंघ १३. बभूतसिंघ

गांव बासणी —	१०००)	१०००)	नागोर	आसामी २ रे
,, खानपुर माजरो	१०००)	१०००)	,,	
कुल रेख	२०००)	२०००)		

पांती आध में— ॥)

पीढ़ियें —: ८. सगरांसिंघ-दुरजणसिंघतोत^२ ९. चतरभुज १०. भैरुसिंघ ११. मोहणसिंघ

पांती आध में— ॥)

पीढ़ियें —: ९. विगतसिंघ-सगरामसिंघ^३ १०. करनसिंघ ११. अरजणसिंघ

गांव हुडाव स—	३०००)	३०००)	नागोर
,, भलनावो	२०००)	२०००)	,,
कुल रेख	५०००)	५०००)	

पीढ़ियें—: ८. सुरताणसिंघ-हठीसिंघतोत^४ ९. सखरूपसिंघ १०. सूरजमल ११. अनोप-
सिंघ १२. पिरथीसिंघ १३. किसनसिंघ

गांव दताऊ—	२०००)	२०००)	नागोर	आसामी २ रे
------------	-------	-------	-------	------------

पांती आध में— ॥)

पीढ़ियें—: ५. हीरदेरांसिंघ-अभैराजतोत ६. फतसिंघ ७. भोमसिंघ ८. सिरदारसिंघ
९. मोहबतसिंघ १०. अगारसिंघ

१. ठि नीवी खास के (६) ठाकुर जैतसिंह का पुत्र ।

२. ठि खारडीयो के (७) ठाकुर दुरजनसिंह का पुत्र ।

३. ठि बासणी पहली पाती के (८) ठाकुर सगरामसिंह का पुत्र ।

४. ठि. नीवी खास के (७) ठाकुर हठीसिंह का पुत्र ।

पांती आध में— ॥)

पीढियें—: ७. लखधीरसिंघ-फतैसिंघोत^१ ८. जगरामसिंघ ९. ऊमेदसिंघ १०. लालसिंघ
गांव रेख कदीम हमार भरे परगना विशेष

गांव चक्र— १५००) १५००) डीडवाणो

पीढियें—: ७. मोहरासिंघ-फतैसिंघोत^२ ८. गजसिंघ ९. सादुळसिंघ १०. सावतसिंघ
११. जवानसिंघ

गांव देवड़ाटी— २०००) २०००) कोळियो आसामी २ रे

पांती आध में— पहली

पीढियें—: ६ जसकरण-हिरदेरांभोत^३ ७. किसोरसिंघ ८. रामसिंघ ९. हठीसिंघ
१०. पाहाड़सिंघ ११. मोहवतसिंघ १२. सुजाणसिंघ १३. डूंगरसिंघ

पांती आध में— दूसरी

पीढियें—: ८. पदमसिंघ-किसोरसिंघोत^४ ९. जालमसिंघ १०. जोरावरसिंघ
११. भारथसिंघ

गांव डावरीयांगी— २५००) २५००) मेडतो बडी

„ डेभावास ३०००) ३०००) „

कुल रेख ५५००) ५५००)

पीढियें—: ५. अमरसिंघ-अभैराजोत ६ फतैसिंघ ७. किसोरसिंघ ८. सवाईसिंघ
९. रूपसिंघ १०. लखधीरसिंघ ११. दौलतसिंघ १२. मोतीसिंघ

केसरीसिंघोत जोधां रा ठिकाणां री विगत

१. राव मालदेव १. रायमल ३. किलाणदास ४. नरसिंघदास ५. केसरीसिंघ रा वंस रा
केसरीसिंघोत जोधा कहीजै ।

गांव लाडगा— ५०००) ५०००) नागोर खेड़ा २

„ कसुवी १०००) १०००)

„ अलीपुरो १०००) १०००)

„ रोड्डु ३०००) ३०००)

१. ठि. दत्ताऊ (पहली पाती) के (६) ठाकुर फतहसिंह का पुत्र ।

२. ठि. दत्ताऊ (पहली पाती) के (६) ठाकुर फतहसिंह का पुत्र ।

३. ठि. „ „ (५) ठाकुर हिरदेराम का पुत्र ।

४ ठि देवड़ाटी (पहली पाती) के (७) ठाकुर किसोरसिंह का पुत्र ।

गांव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
„ सीलनवाद	७०००)	७०००)		
„ करवासी	३०००)	३०००)		
	————	————		
कुल रेख	२००००)	२००००)		

पीढ़ियाँ—: ६. चंदरभाण-केसरीसिंघोत ७ जूंजारसिंघ ८. लखधीरसिंघ ९. भारथसिंघ
१०. सिवदांसिंघ ११. पदमसिंघ १२. मंगलसिंघ १३. बाहादरसिंघ

गांव सींगरावट-खुरद	१०००)	१०००)	कोलियो
„ तुवरो बडो	७५०)	४००)	
„ तुवरो छोटी	७५०)	३५०)	
	————	————	
कुल रेख	३५००)	१७५०)	

पीढ़ियाँ—: १२. लिछमणसिंघ-पदमसिंघोत १३. मेघसिंघ

गांव खीवताणो— ३०००) ३०००) नागोर

पीढ़ियाँ—: १२. चांदसिंघ-पदमसिंघोत १३. बखतावरसिंघ

गांव लेहडी—	५००)	५००)	
„ दोलतपुरो	५००)	५००)	
„ सुवादियो	३०००)	३०००)	
„ माथासुख	६०००)	६०००)	
„ बांघड़	३०००)	३०००)	
	————	————	
कुल रेख	१३०००)	१३०००)	

पीढ़ियाँ—: १०. गोपाळदास-भारथसिंघोत ११. प्रतापसिंघ १२. माघोसिंघ १३. पेमसिंघ

गांव गोरारु—	६०००)	४०००)	
„ भावलो	४०००)	३५००)	
„ अमदपुरीयो	१०००)	१०००)	
	————	————	
कुल रेख	११०००)	८५००)	

पीढ़ियाँ—: १०. मालमसिंघ-भारथसिंघोत ११. रणजीतसिंघ १२. भैरुसिंघ

गांव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
------	----------	----------	-------	-------

गांव बालसमंद—	३०००)	३०००)	नागोर	
---------------	-------	-------	-------	--

पांती दोय में—रेख	२०००)		पांती ॥ =)॥	
-------------------	-------	--	--------------	--

पीढियें—: ६. हरीसिंघ-लखधीरसिंघोत १०. समरथसिंघ ११. लिछमणसिंघ
१२. दांसिंघ

पांती तीजी की रेख— १०००)

पीढियें—: ६. रामसिंघ-लखधीरसिंघोत १०. सूरसिंघ ११. स्यामसिंघ १२. अनाईसिंघ

गांव गोदरावास—	२०००)	२०००)	कोलिया	
----------------	-------	-------	--------	--

पीढियें—: ६. हीमतसिंघ-लखधीरसिंघोत १०. फकीरसिंघ ११. सिवनाथसिंघ

गांव मांमड़ोदो—	२०००)	२०००)	नागोर	
-----------------	-------	-------	-------	--

„ तीतरी	२०००)	२०००)	„	
---------	-------	-------	---	--

कुल रेख	४०००)	४०००)		
---------	-------	-------	--	--

पीढियें—: ६. ईसरीसिंघ-लखधीरसिंघोत १०. भोपतसिंघ ११. जालमसिंघ
१२. गाढसिंघ

गांव डोबरां रौ वास —	५००)	२५०)	नागोर	आघो
----------------------	------	------	-------	-----

पीढियें—: ६. सादूळसिंघ-लखधीरसिंघोत १०. मनरूपसिंघ ११. सिंभूसिंघ
१२. वदनसिंघ

गांव तुवरो बडो—	७५०)	७५०)	नागोर	
-----------------	------	------	-------	--

„ तुवरो छोटी	७५०)	७५०)	„	
--------------	------	------	---	--

कुल रेख	१५००)	१५००)		
---------	-------	-------	--	--

पीढियें—: १०. गुलावसिंघ-सादूळसिंघोत ११. किसनसिंघ १२. रामनाथसिंघ

गांव धानणी—	३०००)	३०००)	नागोर	
-------------	-------	-------	-------	--

पांती छठी में—रेख	५००) री			
-------------------	---------	--	--	--

पीढियें—: ६. गुमानसिंघ-जूंजारसिंघोत १०. सिवसिंघ ११. स्यामसिंघ
१२. दीलतसिंघ

पांती छठी में—रेख	५००) री			
-------------------	---------	--	--	--

पीढियें—: ८. हिंदूसिंघ-जूंजारसिंघोत ९. बुधसिंघ १०. मोहबतसिंघ ११. भगवतसिंघ
१२. सावतसिंघ १३. गुलाबसिंघ

गाँव रेख कदीम हमार भरे परगना विशेष
पांती दोय में—रेख २०००)

पीढियें—: ८. ऊमेदसिंघ-जूंजारसिंघोत ९. जसकरण १०. विसनसिंघ ११. हणवतसिंघ

गाँव छपारो— १०००) १०००) नागोर

पीढियें—: ९. सुखसिंघ-हिंदूसिंघोत १०. कुसालसिंघ ११. गोकलसिंघ १२. भैरूसिंघ
१३. भूरसिंघ

गाँव धुडीयो— ५०००) ५०००) नागोर

पीढियें—: ८. लालसिंघ-जूंजारसिंघोत ९. बनेसिंघ १०. ऊदेभाण ११. मंगलसिंघ
१२. सबलसिंघ

गाँव बाठडी— ३०००) ३०००) नागोर

पीढियें—: १०. सूरजभाण-बनेसिंघोत ११. अखैसिंघ १२. पिरथीसिंघ

गाँव खगार— २०००) २०००) नागोर आसांमी २ रे

पांती आध में— ॥)

पीढियें—: ११. झगरसिंघ-सूरजभाणोत १२. कायमसिंघ १३. रामसिंघ

पांती आध में—

पीढियें—: ८. ईंदरसिंघ-जूंजारसिंघोत ९. जालमसिंघ १०. खुमाणसिंघ ११. भोपत-
सिंघ १२. भारथसिंघ

गाँव तिपनी— १०००) १०००) नागोर

पीढियें—: ८. राजसिंघ-जूंजारसिंघोत ९. मुकनसिंघ १०. हरनाथसिंघ
११. सिवनाथसिंघ

गाँव मडाम— २०००) २०००) नागोर

पीढियें—: ८. धीरजसिंघ-जूंजारसिंघोत ९. कनकसिंघ १०. रामसिंघ ११. पूरणसिंघ
१२. किसनसिंघ

गाँव बीठडवो— २०००) २०००) नागोर

पीढियें—: ९. सुरताणसिंघ-धीरजसिंघोत १०. हठीसिंघ ११. नाथूसिंघ

गाँव नदवाण— ५००) ५००) नागोर आधो

पीढियें—: ८. जैतसिंघ-जूंजारसिंघोत ९. दानसिंघ १०. सांवतसिंघ ११. विजैराज

गांव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गांव रणसीसर—	१०००)	१०००)	नागोर	आधो

पीढिये—: ८. मनरूपसिंघ-जूंजारसिंघोत ९. सलेहसिंघ १०. जसवतसिंघ ११. सिरदार-सिंघ १२. रामनाथसिंघ १३. हरदानसिंघ

गांव छाजोली—	३०००)	३०००)	नागोर
--------------	-------	-------	-------

पीढिये —: ७. डूंगरसिंघ-चंद्रभाणोत ८. अणदसिंघ ९. मोहकमसिंघ १०. कीरतसिंघ ११. रामसिंघ १२. मानसिंघ १३. फूलसिंघ १४. सोभासिंघ

गांव बांभणवो—	२०००)	२०००)	नागोर	आसामी २ रे
---------------	-------	-------	-------	------------

पांती आध में— ॥)

पीढिये—: ११. भोमसिंघ-कीरतसिंघोत १२. उगमसिंघ १३. रुघनाथसिंघ १४. प्रभूदान १५. नोनदसिंघ

पांती आध री विगत—

पीढिये—: ११. सूरसिंघ-किरतसिंघोत १२. गुलाबसिंघ १३. सिवमिंघ

गांव भेणवाड—	२०००)	१०००)	नागोर
--------------	-------	-------	-------

पीढिये—: ९. विसनसिंघ-अणदसिंघोत १०. रूपसिंघ ११. अजीतसिंघ १२. राजसिंघ

गांव आसोटो—	१०००)	१०००)	नागोर
-------------	-------	-------	-------

पीढिये—: ९. अभैसिंघ-अणदसिंघोत १०. जुगभाण ११. अजीतसिंघ १२. अनाड़सिंघ १३. पेमसिंघ

गांव पाटण—	१०००)	१०००)	कोलियो
------------	-------	-------	--------

पीढिये—: ८. अमरसिंघ-ऊगरसिंघोत ९. भोजराज १०. सालमसिंघ ११. देवीसिंघ १२. माधोसिंघ १३. रामनाथसिंघ

गांव पड़ीहारौ—	१०००)	१०००)	नागोर
----------------	-------	-------	-------

पीढिये—: ८. किसोरसिंघ-ऊगरसिंघोत ९. रुघनाथसिंघ १०. सिवसिंघ ११. ग्यानसिंघ

गांव भवादीयो—	२०००)	२०००)	कोलियो
---------------	-------	-------	--------

पीढिये—: ८. सिरदारसिंघ-ऊगरसिंघोत ९. मोहणसिंघ १०. वखतसिंघ ११. भोपतसिंघ १२. बागसिंघ १३. विजैसिंघ

गांव कसूबी जाखडां—	१५००)	१५००)	नागोर
--------------------	-------	-------	-------

गांव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
,, कसूबी मेहलां	१५००)	१५००)	,,	
कुल रेख	३०००)	३०००)		

पीढ़ियें — ६. अरजनसिंघ-केसरीसिंघोत ७ सूरजमल ८. वनेसिंघ ९. नरीणदास
१०. अखेसिंघ ११. मंगलसिंघ १२ रुघनाथसिंघ

गांव टालणाऊ— ३०००) ३०००) नागोर

पीढ़ियें—: ९ ऊमेदसिंघ-वनेसिंघोत १०. सेवसिंघ ११. बाघसिंघ १२. राजसिंघ
१३. मूलसिंघ १४. मेहताबसिंघ

गांव कांगसीयो— १०००) १०००) नागोर

पीढ़ियें—: ९. दानसिंघ-वनेसिंघोत १०. दुलेहसिंघ ११ रतनसिंघ

गांव लाछडी — २०००) २०००) कोलियो

पीढ़ियें—: ८. सबळसिंघ-सूरजमलोत ९ जैसिंघ § १० कनीराम ११. हणवतसिंघ
१२. सिवनाथसिंघ

गांव कुभावसीयो— १०००) ५००) नागोर

पीढ़ियें—: ८. भोजराज-सूरजमोलत ९. नथराज १० देवीसिंघ १२. जसकरण
१२. अमानसिंघ

गांव भडारी— २०००) २०००) नागोर आसामी २

पांती आध री विगत—

पीढ़ियें—: ११. चिमनसिंघ-देवीसिंघोत १२. रूपसिंघ

पांती आध में— ॥)

पीढ़ियें—: ७ भगवतसिंघ-गोपीनाथोत (गोपीनाथ-केसरीसिंघोत) ९. सायबसिंघ
१०. भैरुसिंघ ११. कनीराम १२. चिमनसिंघ

गांव रायघणो— ३०००) ३०००) नागोर आसामी २

पांती आध मे—

पीढ़ियें—: १०. जगरामसिंघ-नथराजोत ११ ई दरसिंघ १२. जुहारसिंघ

§ जैसिंघ अमरकोट में तालपुरों से युद्ध हुआ वहां काम आया ।

पांती आध में—

पीढियें —: ७. सुजाणसिंघ-अरजणसिंघोत ८. सुखरूपसिंघ ९. सिवसिंघ १०. मोहकमसिंघ
११. जिंदूसिंघ १२. रतनसिंघ १३. सुजाणसिंघ ७

गांव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गांव सेवो—	५ ००)	५०००)	कोलियो	
,, रसीदपुरो	३०००)	३०००)	दोलतपुरो	
	—————	—————		
कुल रेख	८०००)	८०००)		

पीढियें—: ९. कनकसिंघ-सुखरूपसिंघोत १०. अर्भसिंघ ११. मालमसिंघ १२ जालम-
सिंघ १३. जगतसिंघ १४. चुतरसिंघ

गांव सींगरावट—	३०००)	३०००)	कोलियो
,, सावराद	२०००)	२०००)	नागोर
	—————	—————	
कुल रेख	५०००)	५०००)	

पीढियें —: १० विसनसिंघ-कनकसिंघोत ११. मोतीसिंघ १२ मोहणसिंघ १३ नाथूसिंघ

गांव गिरधारीपुरो—	१०००)	१०००)	कोलियो
-------------------	-------	-------	--------

पीढियें—: १२. गायडसिंघ-मोतीसिंघोत

गांव भींडीयासरी—	२०००)	२०००)	नागोर
------------------	-------	-------	-------

पीढियें—: १०. जवानसिंघ-कनकसिंघोत ११. चादसिंघ १२. भावसिंघ १३. चौकलसिंघ

गांव लोटसर—	२०००)	२०००)	नागोर
-------------	-------	-------	-------

पीढियें—: ७. रतनसिंघ-अरजणसिंघोत ८ नवलसिंघ ९. दलेलसिंघ १० अमानसिंघ
११. पाहाडसिंघ १२. घनसिंघ

गांव खारडीयो—	२५००)	२५००)	नागोर	आसामी २
,, मगलपुरो	२५००)	२५००)	,,	,,
	—————	—————		
कुल रेख	५०००)	५०००)		

पांती आध में—

पीढियें—: ८. रूपसिंघ-रतनसिंघोत ९. जालमसिंघ १०. लालसिंघ * ११. मगलसिंघ
१२. अजीतसिंघ १३. सिवनार्थसिंघ

पांती आध में— (अे घनाली रो पाती मे भिळै है ।)

पीढियें—: ६. बखतसिंघ-हिंदूसिंघोत १०. मोतीसिंघ ११. जवारसिंघ १२. बलवतसिंघ
गांव रेख कदीम हमार भरे परगना विशेष
गांव खुणखुणो— ३०००) ३०००) कोलियो

पीढियें—: ६. गोपीनाथ-केसरीसिंघोत ७ हरनार्थसिंघ ८. खीवकरण ९ जगतसिंघ
१०. बेरीसाल ११. सिरदारसिंघ १२. भीवसिंघ १३. विसनसिंघ

गांव होरावती — १०००) १०००) नागोर

पीढियें—: १०. अजीतसिंघ-जगतसिंघोत ११. सूरजमल १२. रूपसिंघ १३. सवाईसिंघ
गांव बुढोद— २०००) २०००) कोलियो

पीढियें—: ६. बखतसिंघ-खीवकरणोत १०. दुलेहसिंह ११. लिछमणसिंघ १२. मोती-
सिंघ १३. नाहारसिंघ १४. सूरसिंघ

गांव जांगी— २०००) २०००) नागोर

पीढिये—: ८. करणसिंघ-हरनार्थसिंघोत ९. हिमतसिंघ १०. जोरावरसिंघ
११. अनाडसिंघ १२. बाघसिंघ १३. विजैसिंघ १४. मेहताबसिंघ

गांव बीचावो— ३०००) ३०००) नागोर

पीढियें—: ६. ऊमेदसिंघ-करणसिंघोत १०. गुमानसिंघ ११. नवलसिंघ
१२. चिमनसिंघ

गांव थांगू— ३०००) ३०००) नागोर

पांती आध में—

पीढिये—: ८. प्रीथीसिंघ-हरनार्थसिंघोत ९. सरूपसिंघ १०. अमानसिंघ ११. नवल-
सिंघ १२. मुकनसिंघ

पांती आध में—

पीढियें—: १०. गुमानसिंघ-सरूपसिंघोत ११. रणजीतसिंघ १२. डुंगरसिंघ
१३. रामसिंघ

गांव हुसेनपुरी— २०००) २०००) नागोर

पीढियें—: ६. माहासिंघ-पिरथीसिंघोत १०. खड्गसिंघ ११. रिडमलसिंघ १२. अमर-
सिंघ १३. गूदड़सिंघ

* लालसिंह रायपुर पर फौज आई तब सं. १८३४ मे काम आया ।

गांव	रेख कदीम	हमार भरे	परगना	विशेष
गांव अंगरोटीयो—	१०००)	१०००)	कोलियो	
, सीकराली	२०००)	२०००)	नागोर	
	—————	—————		
कुल रेख	३०००)	३०००)		

पीढियें—: ७. चतरभुज-अरजनसिधोत ८. भोजराज ९. वखतसिध १०. अमानसिध
११. हणवंतसिध १२. लिछमणसिध

गांव चीतावो— १०००) १०००) नागोर आसामी २ रे
पांती आच में—

पीढियें—: ९. भवानीसिध-भोजराजोत १० वदनसिध ११. रुघनार्थसिध

पांती आध में—

पीढियें—: ९. सिभूसिध-भोजराजोत १०. जीवणसिध ११. जंतसिध १२. केसरीसिध

गांव खादू-खुरद— ७०००) ६०००) नागोर आसामी ३ रे

पांती तीजी में— (१)

पीढियें—: ६. किसनसिध-केसरीसिधोत ७. दौलतसिध ८. ग्यानसिध ९. चांदसिध
१०. रामसिध ११. समरथसिध १२. ईदरसिध

पांती तीजी में— (२)

पीढियें—: १०. प्रभूदान-चांदसिधोत ११. नोनदसिध १२. सूरसिध १३. रूपसिध

पांती तीजी में— (३)

पीढियें—: ९. जालमसिध-ग्यानसिधोत १०. जोगीदास ११. मंगलसिध १२. विड़दसिध

गांव रायसिधपुरो २०००) २०००) कोलियो रेख घटी ७५०)

पीढियें—: ८. विर्जसिध-दौलतसिधोत ९. चैनसिध १०. सूरजमल ११. रणजीतसिध
१२. भवानीसिध १६. मेहतावसिध

खांप-बिहारीदासोत जोधाँ रा ठिकाँणाँ री विगत

पीढियें—: १. राव मालदेव २. रायमल ३. किलाणदास ४. ईसरदास ५. बिहारीदास,
तिण रा वंस रा बिहारीदासोत जोधा कहीजै ।

गांव रोहीसी — ४०००) ४०००) मेड़ता

पीढियें—: ६. बिठलदास-बिहारीदासोत ७. किसोरसिध ८. हठीसिध ९. गजसिध
१०. प्रतापसिध ११. दलेलसिध १२. कुसालसिध १३. जीवणसिध
१४. अमरसिध १५. बलवंतसिध

गांव मुडियासरी— १०००) १०००) नागोर

पीढियें—: ८. माहासिध-किसोरसिधोत ९. गुमानसिध १०. बाहादरसिध ११. गुलाव-
सिध १२. वखतावरसिध

विगत में प्राये हुए

चारण, भाट व ब्राह्मणों

के

सांसण आदि की सारिणी

प्राप्तकर्ता	गांव का नाम	परगना	दाता
अखई सोदावत चारण	माडवो, वास	पोकरण	राव हमीर जगमालोत माला का पोता
अचळा चदरीया बारठ	आकोघणी	जोधपुर	रावळ जगमाल
अचळा घणपालोत बारठ	भापरी	पोकरण	राव गोइंद नरावत
अमरा दूदावत बारठ	वडी रा वास	जोधपुर	राव श्री रिडमलजी
अमरा दूदावत रोहीड़ा	मथाणीयो	जोधपुर	राव श्री जोधाजी
आलु बाबट रोहड़ीया	भांडु री वास	जोधपुर	राव चौडा
आवा तेजावत बीठु	अचला रा खेत	मेड़ता	अचळा रायमलोत
ऊरजन माचावड़ा महीया	रोहड़ा रो वास	सीवाणा	रांगा देईदास
कनीया बीका	बुटेळाव	सोजत	राव श्री जोधाजी
करमसीयोत लाखा कनीया चारण	सोवाणीयो	फलोधी	राजा रायसिंघ किलांणमलोत
करमा पुनावत रोहड़ा	वणलीयी	जोधपुर	राव श्री जोधाजी
मुगळ लषणीयां			
करमसीहोत जीवण	म्हेडू जीवण री वास	पोकरण	पोकरण रा. माला करण हदी रतनसीयोत, कान्हा- वत, गोदी मेघराजोत लूका, राव कवरो, माणकराव, जीवण भोजावत सगतो घरावत, भूणीयांणी पोकरणां
काछेला सुर दुबड़ी	कुवडो	जोधपुर	मीघल चापा मैणावत
कान्हा उत्तमसीयोत लालस	चंचळाव	जोधपुर	राव जोधाजी
कान्हा उत्तमसीयोत लालस	सुवेरी	जोधपुर	राव जोधाजी
किसना दुरसावत आढा	हीगोलो खुरद	जोधपुर	राजा श्री गजसिंघजी
केसा जीवाउत रोहड़ीय बारठ	ऊदळीया वाम	जोधपुर	राजा उदैसिंघजी
केसोदास सांडुवोत गाढण	सोभडा वास	सोभत	गजसिंघजी
खगार मेहडु	गुडली	जोधपुर	रावळ हापा
खीवा बेणीदासोत जगहट	वांगा	मेड़ता	राव कानीदास

वर्तमान भोक्ता	पृष्ठ व भाग	विशेष/संवत्
गोपाळ	३५१ (भा० २)	
ठ हेमराज खीवा, माली समुरथा का	३६६ (भा० १)	
ताण जालप का	३५० (भा० २)	राव गागे के समय मे दिया ।
रंग जैतमालोत रामचंद गोपाळोत	२५८ (भा० १)	
डदास मेहराजोत	२३६ (भा० १)	
नो राईमल	३१८ (भा० १)	
पो पचाइणोत	१६५ (भा० २)	
रण रूपा साकर का, ऊदी रामा का, सावत	२७३ (भा० २)	बाद मे राव मालदेजी ने चारण अचळा
का		लालावत को और दिया । कहा जाता
		है कि एक बार राजा उदयसिंहजी ने
		हस्तक्षेप किया था ।
नियी रूपसी ठाकुरसी चतरावत	४८८ (भा० १)	
री, चतरभुज, देवी मेहाजळ री घनी, लाला	२८ (भा० २)	
राज भारमलोत करमा का पोता	२४२ (भा० १)	
मीदास मेघराजोत मुगल का पोता		
मीदास जीवन री	३५१ (भा० २)	आपस मे बैर था, बैर समाप्त करने के
		उपलक्ष मे खेत दिया गया ।/१६६२
मेजरज	२८६ (भा० १)	
मीली सिवदास	३११ (भा० १)	
	३११ (भा० १)	
हेसदास	२६२ (भा० १)	चाचलवा को साथ दिया ।
केलाणदास-रूपसोत	२५८ (भा० १)	
गाडण उदैकरण, भोजराज, भीव, केसोदास	४८६ (भा० १)	लाख रु. का पुरस्कार/१६८३जेठ सुदि १३
माईदान-जगा का पुत्र	३६७ (भा० १)	
	१८५ (भा० २)	

प्राप्तकर्ता	गाँव का नाम	परगना	दाता
खीवा अणदोत चारण	म्हेडू खीदा री वास	पोकरण	भाटी रावळ मनोहरदास कल्याणदासोत
खीवराज जैमलोत दधवाड़िया	राजगीया वास बडो	सोभत	महाराजा गजसिंहजी
खेतसी परवतलाल	भाटेलाई बड़ी	जोधपुर	महाराजा गजसिंहजी
गेई रतनावत खड़ीयौ	गेहावास	जैतारण	राव रतनसी खीवावत
गेहलाणद देवादत	सादुवा री वास	जोधपुर	राव वैरसल प्रीथीराज जैतावत
गोकळचंद द्वारकानाथोत	घोळीयो	मेड़ता	महाराजा जसवतसिंहजी
गोपाल रामदासोत बरसड़ा	बरबड़ा री वासणी	जोधपुर	राजा श्री उदैसिंहजी
गोयद संढायच	आखा री वास	जोधपुर	कड़वड़ री रा. पचाईण अखैराजोत
चकोर अमरावत थेहड़	चगावडो तीजौ	जोधपुर	राव गागा
चडीदास	मोडी बड़ी	जोधपुर	उदैसिंहजी
चाकर रूपसी कवरावत	रतनू रूपसी री वास	पोकरण	भाटी रावळ, भीव हरराजोत
चादण लुणावत खिड़ीया	साषीडो	जोधपुर	राव श्री जोधाजी
चाडा माडणोत धधवाड़िया	जारोडो वेणा	मेड़ता	राव अचळा रायमलोत
चुवंडदास कलावत, देवीदास	अ गदवास	सोभत	राजा उदैसिंह
रामदासोत			
चोसध बीजावत संढाईच	वास सढ़ाईचा री	सीवाणा	रा. कूपा जोगावत
चोला मेहावत	मीठोली	जोधपुर	मोटा राजा
जगहथ पोटल काला राव के	खानपुरो	मेड़ता	दूदा जोधावत
लड़के			
जीमो हरावत बसड़ी	ढांढणीयो खुरद	जोधपुर	राव चूंडा
जीवा नेतावत मीसण	तीघरीयौ	जोधपुर	राजा श्री सूरजसिंहजी
जोधा सारंगोत मेहडु	जोधावास	जैतारण	दू गरसी उदावत
झुठा बीकावत	झुठा री वासणी	जोधपुर	श्रीमालदेजी
टीकम गीथावत	वेराही वास ३	जोधपुर	राव चूंडाजी
ठाकुरसी वारठ	सेवी	जोधपुर	रावळ जगमाल
भट्ट तिलंग का लड़का नाराइण	नाथल कु डी	सोभत	राजा उदैसिंहजी
तीकम सढ़ायचा	बही काभड़ी री	जोधपुर	राजा सूरजसिंहजी
तेजसी बीसलोत रोहड़िया	मुळीयावास	सोभत	श्री गागाजी
वारठ			

वर्तमान भोक्ता	पृष्ठ व भाग	विशेष/संवत्
मैहड़ हरदास खीदावत	३५२ (भा० २)	१६८८ सावण वद १३
दधवाड़ियो आसकरण, प्रीथीराज खीवराजोत	४८६ (भा० १)	१६९४ काती सुद ९
—	३०४ (भा० १)	
खेडी आसो पीथावत बीको देईदान को	५४९ (भा० १)	
बुढो दली सेहसा का लड़का	२५५ (भा० १)	
—	१९८ (भा० २)	१७७१
मनोहर पीथावत	२४० (भा० १)	
सुंदर गुणोस	२४३ (भा० १)	
नगराज, खेतसी	२४१ (भा० १)	
भानीदास चडीदास री, नेहरराम भगवान	२६७ (भा० १)	
सीरग रा		
रतनू, किसनो, पीथो, रूपा सीहीत, जगो,	३५२ (भा० २)	मेघराज नराइण कामदार था, इसको
खेतसी		हुकम मिलने पर गांव दिया ।
भैरवदास	२६२ (भा० १)	
सुंदरदास मोहणदास माघोदासोत	१६५ (भा० २)	
—	४८३ (भा० १)	
चारण बेणो माडण, नगो गोपळ, रूपी राजा	२७६ (भा० २)	
जगहट सोढो	३५० (भा० १)	
अमरो पुंजावत, दुरगो नादावत	१७६ (भा० १)	
घरमो लाला री	३०३ (भा० १)	
पूरण जीवावत	२४१ (भा० १)	
मेहडु वाघो सुरताण हरीदास लुणावत	५५० (भा० १)	
नाथी दासावत	२४२ (भा० १)	
चवंडे मेघराजोत मोटोला ईसरोत	३१२ (भा० १)	
गगादास	३६७ (भा० १)	
भाट गोपाळ वालमुकंदोत	४८३ (भा० १)	
खीवराज, खगार	३३५ (भा० १)	
बारठ चावडदास किलाणदासोत	४८८ (भा० १)	१६६४

प्राप्तकर्ता	गाँव का नाम	परगना	दाता
तेजा करमसीयोत आसीया थीरा दूदावत रोहड़ीया थीरा वरसंघोत चारण दमान रूपसीयोत दसीधी	तेजा री वासणी खारी थीरावास खारी खुरद मोगावास	जैतारण जोधपुर जोधपुर मेड़ता	दलपत उदैसीयोत राव श्री जोधाजी राव सूजाजी राव सूरजसिंघजी
दला चोभावत आसीया दांना मोकळ रा रतनु दाना हरराजोत रतनु दामौ हरखावत रोहड़ीया दुदा बीदावत बीठु दुदुवत सादु दुरसा मेहावत आढा दुरसा मेहावत आढा	लखाण छु म लेलावासणी गेमावास सासण गाव बीजा रौ वास छीड़ियो लूगीयो दागलो	जोधपुर जोधपुर मेड़ता जोधपुर जोधपुर जोधपुर मेड़ता जैतारण	रा. पता नगावत राजा सूरजसिंघजी राजा सूरजसिंघजी रा. पता घडसीयोत रा. महेस घडसीयोत राजा सूरसिंघजी सुरताण जैमलोत राजा सगतसिंघजी ऊदैसिंघोत
दुरसा मेहावत, कीसन दुरसावत	पचेटीयो	सोभत	महाराजा गजसिंहजी
दूदा अमरावत आसीया देवलिंग आढी वेरा करमसीयोत की पत्ति	खीनवडो बीजळीयावस	जोधपुर सोभत	उहड़ जैमल नेतसोत सूरजसिंघ
देवीदांन गुणावत देवीदास भेरवोत वारठ धरमो चादणोत खड़ीया	वास वारेट रोहड़ीया रेपडावास तीजी कावळीयाँ	सीवांणा सोभत मेड़ता	राव चदरसेन मालदेवोत प्रथीराज कु पावत वरसिंघ जोधावत
धारावत चारण	रतनू भारमल रौ वास	पोकरण	भाटी रावळ कीलांणदास हरराजोत
नरसिंघ मंडाडच नाथा रतनमियोत रोहड़िया नाल्हा वछावत चारण नीवा करमावत चारण, पीथो टोहावत काका भतीज	मोगढो खुरद मोरटहुको केलावी आधो छडोई कलाण रौ वास	जोधपुर सोभत पोकरण सीवाणा	नाहड़राव पड़ीहार महाराजा जसवंतसिंघ राव गोयंद नरावत राणा देवीदास बीजावत

वर्तमान भोक्ता	पृष्ठ व भाग	विशेष/संवत्
आसीया हाथी मोटी तेजावत	५५१ (भा० १)	१६२२
चवडदास कलावत अर दईदास रामदामोत	२४० (भा० १)	
भादो कलौ लाषा	३५० (भा० १)	
रिणछोड विहारीदास, चुतरभुज विहारी- दासोत हर राम मदमन की	१६८ (भा० २)	
जोगी सेसमलोत	२६३ (भा० १)	
लिखमीदास मेघराजोत	२६३ (भा० १)	
सांवळदास दानावत लिखमीदास जसावत	१६४ (भा० २)	
जसौ रूपी	२७२ (भा० १)	
गोयल चोला	२५५ (भा० १)	
माधोदास	३४६ (भा० १)	
झूगरसी सादुलोत देईदान जगमालोत	२१२ (भा० २)	
आढा रतनसी झूगरसीयोत, रामा सारदुलोत	५५० (भा० १)	गिररी गाग पट्टे में था तब यह गाव दिया गया ।
—	२८३ (भा० १)	संवत् १६७७ की काती सुद ७ की वा मे आढो महेसदास किसनावत है ।
सादूल रूपा	३०३ (भा० १)	
आसीयी नरसिंघदास नरहरदास जगावत	४८७ (भा० १)	पहले गाव लोळवस दुधवड को दिया १४ वर्ष बाद बदल कर बीजळीयावस दिया/१६६४ महा वद ११
बारठ समुरती, रामचद गोयद,	२७६ (भा० २)	
—	४५८ (भा० १)	
किसनदास केसौदास सांवळ भाभणोत	१२८ (भा० २)	
भेरुदास		
रतनू रांणो भारमलोत	३५३ (भा० २)	
किसनदास देदावत	२४१ (भा० १)	
—	४८४ (भा० १)	१७१५ फागुन सुद ७
चारण ऊदौ हमीर का भानौ भारमल	३५५ (भा० २)	
चारण दाना किसनावत नराइण खेता, ईसर मेहजळ, भारमल माना का	२७७ (भा० २)	

ग्रामिकर्ता	गांव का नाम	परगना	दाता
नीला खेतावत चारण	गोहा बासणी	जौहारण	रा. खीवा ऊदावत
पत्ता देवादत वारठ	बाजाली चारण री	मेड़वा	हैदा खेतावत
पत्ता बरसावत चारण	बोहणीयो (ओहणीयो)	पोकरण	भाटी रावत कीलाणुदास
परतारपसिब मंदणीत वारठ	मीलावास	मेड़वा	राजा श्री सुरजसिंघजी
पाला ऊदावत रतन	परबतसर रा खेत	मेड़वा	रा. हँदाखीधावत
पीया भागावत गाहण	छुवली (मुवली)	जोधपुर	रा. जतमाल खेताव
पुनराव ने वेवही भासीया	खोहावास	जोधपुर	रा. श्री जीवाजी
बावट आलावत री लावा	मुंडरी बास	जोधपुर	रा. चूँडा
बोकसी सांकर मरावत नरबोत	सरबही सीधला री	जोधपुर	रणधीर कोआवत
(चारण)			
बोहणीण मालावत खडिया	बोहणीण री बासणी	जौहारण	रा. मानोदास खीधावत
मरमा कपावत रतन	रमलावास	मेड़वा	रा. जेसा सीहावत
मीवा बरसलीत	रतु	जोधपुर	राबल महेसदास
मंद वीवावत रीहंडीया वारठ	रेमडावास खुरद	जोधपुर	राव श्री गंगाजी
मंद हंडलावर खोहिया	चारणा री बासणी	जोधपुर	राजा चढेसिंघजी
मीवा जेसावत मीसण	जुणावस लीजी	जोधपुर	राव. सलल जोधावत
मनी कपसीत भाट	बुजही	जोधपुर	भाटी राजाजी
महेस देवावत रीहंडीया वारठ	खारीबास	जोधपुर	बडोवास राव सेने चूँडावत
महेसदास मेघराज किसानावत	गीधावास	जोधपुर	खसवतसिंघजी
आहं			
माधवदास चूँडावत दधवाहंडीया	नापावस	सोअल	राजा श्री सुरजसिंघजी
माला ऊदावत साहु	खोहाली	जोधपुर	भाटी राजा
माला उदावत साहु	गुदीसर खुरद	मेड़वा	राजा श्री सुरजसिंघजी
माला कचरावत चारण	कराणी	जोधपुर	चहेड माहण गोपाळदासीत
माला वेजावत बीरु	जोधडावास खुरद	मेड़वा	रा. जमल बीरमदेवीत
माना रामावत भासीया	बसी	जोधपुर	राजा श्री सुरजसिंघजी

वर्तमान भोक्ता	पृष्ठ व भाग	विशेष/संवत्
कविया रामदास मांडण, चांवडादास देईदास महेस चुतरावत खेतसी वेणावत	५४६ (भा० १) १८४ (भा० २) ३५० (भा० २)	पोकरण के आ. मेघराज मु. नराइण और कलु कामदार को हुकम मिला जब गाव दिया ।
परतापमलोत, किलाणदास कानड राजसीहोत	१५२ (भा० २)	
तेजसी, नाथो सांकर के पुत्र वीरम कमी	१६५ (भा० २) ३०४ (भा० १) २४० (भा० १)	
हुदो डूगरोत कलौ रामदासोत	३०४ (भा० १) २६३ (भा० १)	
खिडीयाँ खेतसी पहराजोत सावळदास कानावत रामसिंघ-सादूळोत	५५१ (भा० १) १४१ (भा० २) ३६६ (भा० १)	१६६५
खेतसी भीवावत गजसी नरावत, माघी मेवाहरोत	४८५ (भा० १) २४१ (भा० १)	
चदो खगारोत साजण भीव	२४३ (भा० १)	
भाट रिणछोड़ विहारीदासोत नाथी रजनसिंघोत	२५५ (भा० १) २३६ (भा० १)	१६५१
महेसदास किसनावत	४८४ (भा० १)	१७०२
दधवाडीयाँ सूरदास मोवणदास माघोदासोत विसनदास सांमदासोत	४८७ (भा० १)	१६५४
आसो सावतसी माला रा वेटा कुंभो ईसरदासोत	३४६ (भा० १)	१६४०
सावतसी आसकरणीत कुंभो ईसरदासोत	१६७ (भा० २) ३०३ (भा० १)	
पीथी नरसंघ का, खेमो ईसर का	१६४ (भा० २) २८७ (भा० १)	

ग्रामिकर्ता	गांव का नाम	परगना	दाता
माना रामावत	छाहली	जोधपुर	जंतसी उदसिधोल
माहाण खीवसुरा खिड़ीया	भावली चारणी री	मेड़ला	वीरमदेव देवावत
मुहंठ ठाकुर सोनावत चारणी	कार	जोधपुर	रावल मेहराज
मेहराज मेहोवत रतन	चापावसणी	जोधपुर	रा. भीवा बाधावत
भेली गोगरठराव भासीया	बेसही	जोधपुर	सीवल बीसलदे बीरावत
मेहेका सोलावत सिवाइव	सिवाइव मेहेका रा बास	जोधपुर	रा. प्रथीराज गोई दोत नरावत
मेहा दुसळोल	खेड़ी	जोधपुर	राव मालदेवी
मेहा रोहड़ीया बारठ	सावरी	जोधपुर	रावल मालजी
मोका मोहळोल	डामसुरीया	मेड़ला	रा. बलभदर सुरलाणील
मोटल मांढणील खिड़ीया	रळीयावली खुरद	मेड़ला	जंसल बीरमदेवोल
मोटस सांरणील सीसण	लांबडीया खुरद	जोधपुर	राजा ऊदसिधजी
रतना बाबावत सढ़ म च	कानाबास	जोधपुर	रा. काना बीजा सिवरालोल
रतना डाहोवत सीसण	रतनाबास	मेड़ला	रा. रतनसी डेवावत
रत्ना गोगदोल जगहट	रत्नावसे	जोधपुर	श्रीमालदेवजी
राजसी अलावत	दुपाबास	जोधपुर	राजा राजसिधजी
राजसी परलापलील वारहठ	जालीवाही खुरद	जोधपुर	राजा श्रीगजसिधजी
राजसी भीभीमलील वारठ	पुआबास	मेड़ला	राजा श्रीगजसिधजी
रामा घरमसीपील साई	रामा री बासणी	सोअल	राजा उदसिधजी
रेप बाहैहील रोहड़ीया	रेपडाबास बही	सोअल	राव श्रीजोधाजी
लखामादणील वारठ	ऊचीहैही	मेड़ला	राजा सुरजसिधजी
लखामादणील रोहड़ीया	रहैनही	सोअल	राजा सुरजसिधजी

वर्तमान भोक्ता	पृष्ठ व भाग	विशेष/संवत्
जसी मानावत	२४३ (भा० १)	
भगवान जसावत नराईण अखावत	१६८ (भा० २)	
जगमाल अखावत	३६७ (भा० १)	
करम सुन्दर	२४२ (भा० १)	
	२८६ (भा० १)	
चारण करमसी महेसुर चदो अमरा	३५३ (भा० २)	राव गोईंद की वार मे भलारियौ पहुँ था, तब खेत दिया गया ।
मेघराज हू गरसी	२४२ (भा० १)	
	३६६ (भा० १)	
पिरथीराज सुंदरदासोत और जगनाथ	१४० (भा० २)	
मनोहरदासोत		
लिखमीदास मरवदासोत नहर, सूजावत नहर	१६७ (भा० २)	
भोजराजोत		
महेस मोटलोत	२३६ (भा० १)	
नाथी रूपावत	२५४ (भा० १)	
	१८५ (भा० २)	बाद मे सुरतांग जैमलोत ने मीसण से छुड़ा कर चुतरा जैमलोत को प्रदान किया । चुतरे ने आघा गाव अपनी बहिन जिसने कि मीसण दान के साथ शादी की थी उसकी दे दिया और आघा खुद ने रखा ।
नादे करनोत	२४२ (भा० १)	
भैरु भीवराज राजप्रोत	२६८ (भा० १)	१६८६
कल्याणदास कानु राजसिघोत	२५५ (भा० १)	
किलाणदास काना राजसी का पुत्र	१४१ (भा० २)	
साहू गोयददास राधावत रतनसी देदु कुंभी	४८७ (भा० १)	राव मालदेवजी की वार में दिया ।
मनोहरदास नाथी अखावत		
वारठ चू डौ अखावत	४८५ (भा० १)	
गिरधरदास लखावत के बेटे आसकरण	१४० (भा० २)	
प्रीथीराज		
वारठ आसकरण प्रीथीराज गिरधरदासोत	४८५ (भा० १)	स० १६७२ मिगसर सुदि ७

ग्रामकर्ता	गाँव का नाम	परगना	दाता
बाला पुनसरीत वारठ	बडौवास	सीवाणा	१. पचाईयु वरसिधोत महेववा राजा श्रीपूरजसिधवा रा. रतनसी बीवावत
बाबा नांदणीत रोहड़ीया	सीधला नही	बौदरग	राजा श्रीपूरजसिधवा
बाबा दासावत वारग	बाबा दासणी	बौदरग	रा. रतनसी बीवावत
बुं. भा बादणीत खिड्या	खारही	मंडला	बगसिध बीवावत
बुं. भा सादा मेवावत	नांदणहोई री बास	पीकरग	राव भूँजी, सागी बमल
बीबी नोखावत वारग	उजळा	पीकरग	राव गोईंद नरावत
बसल भाखरीत वारठ	मालवी	बीधपुर	रावळ भारमल
सकर वेजसोहीत	बीधवास	मंडला	पूरजसिधवा
सकर मूरवत रतनु	हैरलाई	बीधपुर	राजा मूरजसिधवा
साखणु मूरवत वारठ	खिनावडौ वारणा री बास	बौदरग	सुरलाण ब्रवसीधोत
सांकर नेतसीधोत	बाहैयु हैडी	सीमल	राव रिमल
सांकर हैगीळावत रतनु	नैवे री बासणी	मंडला	रा. सुरलाण ब्रमलोत
साई नाथ अखावत	पळासली रामा री	सीमल	महेराजा अखवतसिहवा कृ.
सारंग सीनावत वारग	काडुळा	सीवाणा	रा. वरसल पिरसीराबोत
सिबदास सोमावत वसुसूर	मोरीसीरी	बीधपुर	राजा श्रीवहंसिधवा
सीयो वदरावत	मोहरीया	मंडला	रा. सीहो वरसिधोत
सुजावत सुरलाण	जुडिया	बीधपुर	ई दा राणा टोई
सूरु अचलावत खिड्या	मोहलावास	मंडला	मालदेजी
हैमीर पुनावत	वाळा	बीधपुर	उहेड नैवसी काजावत
हैमी बीमावत वारठ	रीखीली	सीवाणा	राव मालदेजी

वर्तमान भोक्ता	पृष्ठ व भाग	विशेष/संवत्
चारण वीरा नरबंद गोपाळ मनावत	२७५ (भा० २)	बाद में माळदेवजी ने बारठ जसा गोईंदोत को दिया ।
बारठ नरहरदास लाखावत	५४८ (भा० १)	
कछेला गोदा गेला का, खेमौ सेखा का, माघौ तेजा का	५५१ (भा० १)	
भगवान ईसर	१२६ (भा० २)	
	३५४ (भा० २)	
चारण रामदासोत जगमाल सूजावत	३५४ (भा० २)	जोघाजी गयाजी गये जब यह गाव दान दिया ।
देईदान हापावत	३६६ (भा० १)	
देईदास रामदासोत	१६४ (भा० २)	
महेसा नाथोत	३३५ (भा० १)	
बारठ गोरणदास मेघराज का गरबदास	५४८ (भा० १)	
हूदा का		
चावडदास किलाणदासोत	४८४ (भा० १)	
रामसिंघ सादुळोत सूरौ कलावत	१६५ (भा० २)	
	४८७ (भा० १)	गगा के ऊपर दिया गया ।/१७१५ पौस सुद २
सोहड राजौ भानौ सहसौ महेस अखावत	२७४ (भा० २)	गगा के पुत्र पत्ता ने राव मालदेजी से विनती करके दिलवाया था ।
	२८७ (भा० १)	
भगवान जसावत कमो सुंदर रौ नाराण अखावत	१७६ (भा० २)	वाद मे जैमल वीरमदेवोत ने खड़ीया मांडणोत को दिया ।
समुरसौ राजौ	३११ (भा० १)	
किसनदास केसौदासोत	१२६ (भा० २)	
राघौदास	३०४ (भा० १)	
चारण आखौ गोई द चतरौ जेता रौ रामदास पीथा ।	२७५ (भा० २)	रा. गगावत ने गांव देने की सिफारिश की ।

ग्रामकर्ता	गाँव का नाम	परगना	दाता
अखैराज दलपतीत प्रोहल	भैसेर	जोधपुर	राव मालदेवी
अनंत रीखावल श्रीमाली	भरमावासी (अनंत री वासी)	सीअल	राव श्री गंगाजी
आसली हरदेवरीत श्रीमाली	खुदावास	सीअल	राव श्रीजोधाजी
आसा देदावल	दावडी बास	फलोधी	राव जोधाजी
आवी खीवावल वामण	महिजावाड़ खुरद	जोधपुर	राव मालदेवी
अवास अास	असलवस	जोधपुर	राव श्री मालदेवी
ऊदा दामावल	छोम	जोधपुर	राव जोधाजी
कवल मोजावल	देहरीया	जैतारण	रतनसी खीवावल
कान्हो बाहेवल	सातोसीणी	सीवाणी	रीणा देवीदास बीजावल
काना जगावल त्रिवाही	रीवा री वासीणी	सीअल	महाराजा श्रीजसवंतसिंहजी
काना उदारयात	पाँचोहीली बास	मेड़ता	वरसिध जोधावल
काना रंगावल देरासरी	कानाबास	सीअल	राव श्रीमालदेवी
काना रंगावल देरासरी	कानाबास	सीअल	राव श्रीमालदेवी
किसन प्रोहल	कवलली	जोधपुर	रावळ पता
कूँपा रंगावल देरासरी	मालपुरीया	सीअल	राव श्रीमालदेवी
केलण	दावडीयाणी खुरद	मेड़ता	जैमल बीरमदेवीत
केसा कूँपावल	घटीयाली	जोधपुर	राव गांगी
खगार वापावल राय भुर	आकेलडी	जोधपुर	सोनगरा अखैराज
खीदा कान्होवल	नीवहेली गंगादास	मेड़ता	राईमल दुदावल
खीवळ देईदास साधु पलीवाल	कालीया वासीणी	सीवाणी	राव मालदेवी

वर्तमान भोक्ता	पृष्ठ व भाग	विशेष/संवत्
बास जीवण सांवळ, हरदास राघोदास	३३४ (भा० १) ४८१ (भा० १)	बोहड़ानडी और घरमावासणी दिया गया फिर राजा ने बोहड़ानडी को जन्त कर लिया ।
गोपीनाथ रामचंदोत, मनोहर अणदोत रामजी हरनाथोत हरजी किसनोत	४७६ (भा० १)	
बास २ भाई बेटा	२६ (भा० २) २८६ (भा० १)	
हेंसा ३ सासण	२५७ (भा० १)	सं० १५८०
राजौ उदावत	३३४ (भा० १)	
हरीदास नरा रामी अचळदासोत	५४३ (भा० १)	
जीवो तीकम का, ईसर कांना का खगार	२६८ (भा० २)	
रामदास रोहीदास बीदा का		
त्रिवाडी कांना जगा	४७६ (भा० १)	यह गाव राजकुमार के जन्म की बघाई पर दिया गया ।/सं० १७०६
	१३६ (भा० २)	भाईयो मे बंटवारा हो गया और अलग अलग बस गये ।
जसवत अखैराज नीलकंठ किसनदासोत	२३६ (भा० १)	
ब्राह्मण जीवण जसावत और मनोहर रामावत	४८१ (भा० १)	
	३६५ (भा० १)	
ब्राह्मण पीतावर पीराजोत हरवंस दमा	४८२ (भा० २)	
गिरधर तुलछीदासोत रामचंद डावरोत	१६३ (भा० २)	
जगनाथ ठाकुर गोपी	३१० (भा० १)	
महैराज टोकरी	२६७ (भा० १)	
राईचंद सुरताणोत करन तारावत	१६३ (भा० २)	
प्रो. कली गगादास माडण वसती अणुंदा का	२६६ (भा० २)	बाद में रावल मेघराज हापावत ने नर-सिंघोत को दिया फिर बाद मे राव चदरसेन मालदेवोत ने गाव छीन लिया प्रो० खीवड़ ने पेश होकर नमस्कार किया ।

ग्रामिकता	गांव का नाम	परगना	दाता
खीवा देवाकर री आचारज	बडा खुरद	जोधपुर	रा. श्रीमालदेवी
सीवडं			
खेता खीटावत आचारज सीवडं	खारा बेरा	जोधपुर	राव श्री गंगाजी
खेता बीलावत	सुकरलाई	जोधपुर	सीधल बीर
गादावर जीवावत	बुलुकरण री बासणी	मेहता	राठीह सहसा नेजसीहीन
गीखावत	बगावडा आड	जोधपुर	सासण पहीहीरा
गीतम म्थनसर	देरु री बासणी	मेहता	जमल बीरमदेवीन
गीदा कोहावत बीस देसावत	डोहली खुरद	जोधपुर	राणा देवीदास बीजावत
गीपाल लखावत पाटीख	सयाणी सरगवास	मेहता	
गीलवाळ	भरत नही	जोधपुर	राव चडसेन
गीपाल केला कानावत	केलण कांड	सीवाणा	राणा देवीदास बीजावत
चोहोपी सीवतल	भरी वावडां	जोतारण	जलसी उदावत
जगनाथ सदाफळीत	जगनाथपुरी	मेहता	जगमाल बीरमदेवीन
जगदे रीमदेव	सावळीयावास खुरद	मेहता	बीरमदेव डूदावत
जगदेठ बाखळ चादणीत	सीहा री बासणी	मेहता	वरसिध जोधावत
बागोसर किसनदासीत व्यास	गोलावास खुरद	जोधपुर	राजा सुंदरसिधवणी
जना रामावत व्यास	जना बासणी	जोतारण	डूंगरसी उदावत
टीला काजावत	खीचवध	जोधा	राव देवीर नरीवत
टीहा खेतावत	बोरही खुरद	जोधपुर	राव मालदेवी
डूंगर नाथावत विसनी	तालकीपी	सीमल	राव गंगाजी
डूंगर पदमावत	धमपुरी	जोतारण	जलसी उदावत
राटाईत माडा सीहावत	भाटेळाई खुरद	जोधपुर	राव चूडाजी
लेजा राहवत पावलीहा	चवडवा	जोधपुर	राव श्रीचूडाजी
अचारज			
लेजा खीवा	भसेरवास बीजी	जोधपुर	राव चूडा
भाटा मुदवच	नहेरवा बही	जोधपुर	राव श्रीमालदेवी
दामा डेरपालीत	माडाहाई	जोधपुर	राव जोधाजी
दामा डेरपालीत	लिवरी	जोधपुर	राव जोधाजी

वर्तमान भोक्ता	पृष्ठ व भाग	विशेष/संवत्
फचरी देईद सोत	२५६ (भा० १)	राजा सूरजसिंघजी ने व्यास सादुल को संवत् १६७६ में फिर दिया ।
	२३८ (भा० १)	
	२८६ (भा० १)	
स्यामो जगावत बीको नरावत	२१२ (भा० २)	
मेणराज चंड	३११ (भा० १)	
	१३६ (भा० १)	
	३०१ (भा० १)	
रेखी पीतांबर का, वलु गोरधन का, भूधर गौईंद का	३११ (भा० २)	
	२६२ (भा० १)	
	२७३ (भा० २)	
ऊदेसी कैसा का, पीथी नरा का	(५४३ भा० १)	द्वारकाजी में दिया गया ।
अचलदास ठाकुरसी राईसलोत कचरी नेतसीयोत	२१२ (भा० २)	
मोहण तुलसी किसनदासोत	१६४ (भा० २)	
रामेश्वर कचरावत फरस्राम कचरावत सारंग		
रामजी हरराम रुघनाथ	१५२ (भा० २)	
लखौ उदैसी	२६२ (भा० १)	
रिणछोड़ नीलकंठ	५४७ (भा० १)	
व्यास रामचंद सांवळोत हरजी जनावत	३० (भा० २)	
राम गढावत	३०३ (भा० १)	
हुपी जसपाळ	२८२ (भा० १)	
गगादास तीकम	५४४ (भा० १)	
वीरौ खेतसी घनी पीतावत पीराग ईसर का	३०१ (भा० १)	
	२३७ (भा० १)	
ऊरजो माना	३५५ (भा० १)	
चंवडीया नेता मानावत	२८५ (भा० १)	
जंतमाल	२३६ (भा० १)	
अखैराज दळपतोत	२३६ (भा० १)	गयाजी में दिया, तिहरी ग्राम भी ।

प्रसिक्तरी	गांव का नाम	परगना	दाता
दामा हरपाली	नारसुवा री बास	जोधपुर	राव जोधाली
देव बीथी	होडीयाळ	जोधपुर	महाराजा श्रीजसवंतसिंहजी
देवा केलण राजार	बाकी बाहो खुरद	जोधपुर	राणा देवीदास
देवा नागा बीजावा	कमरळाई खुरद	बीजाणा	फिसना रायमल्ल देवीदासी
वरपत साकरीत श्रीमाली	बीडा बासणी	जोधपुर	राव श्रीमालदेवजी
वरसिध बीथी	पाचवी	सीकल	बीरमदे बाबावल
बाडा दामावल	भासरावी	जोधपुर	भारमल जोधवल
जाना रीहोडीयात	सीलोर रा बास	बीजाणा	रावल हणु जलमल
नाराईण निजावल आचारज	मोडी खुरद	जोधपुर	राजा श्रीचंद्रसिधजी
सोथडा	अपाबीया री बासणी	जोधपुर	राव श्रीजोधाली
पदमा पोकरणा	सीहथळी	जोधपुर	राव श्रीजोधाली
परवल सदावल	बडली	जोधपुर	राव चूडाली
प्रीजल बीवल	सूरजमल री बास	जोधपुर	राव श्रीमालदेवी
प्रीतावर बागदे रा	सीडा बासणी री बास	जोधपुर	रा. ईंदेह
प्रीथड	लिसीगाडी बली री बास	जोधपुर	सुहृद आसथानी
प्रीथाड सोढावल	थीस री	बनारण	चैतनी अदावल
पूना अखाल रायगुर	मोटरवी खुरद	जोधपुर	रिहमलजी
प्रीथावल राजगुरु	पुनाईला	जोधपुर	श्री मोटा राजाली
वरसल सांवलत	लोळाबास	सीबाणा	रांणा देवीदास बीजावल
बीजा गदाधर थ्यास	कारोलीया	बनारण	जसवंत ई.गरसियात
अवणू रामावल	सेपाडवा की बासनी	जोधपुर	राव जोधा
अवानीदास निजसीहोत	बावडीया भावी	मेडला	बीरमदे का पुत्र जगमल
भावर नरहरत	भावर बासणी	बनारण	उदा सुजावल
भारमल फिसनावल	विषई कुवी	जोधपुर	राव मालदेवी

वर्तमान भोक्ता	पृष्ठ व भाग	विशेष/संवत्
गोदो नेतलोत	३४० (भा० १)	
	३४१ (भा० १)	
तेजसी पोमा	३०३ (भा० १)	
लखो नरा कूंपो केसव जसौ करमसी	२७१ (भा० २)	
नीलकंठ गिरधर	२३७ (भा० १)	सं० १५६५
लाघो उदावत मोणदास जैतसीयोत धनराज	४८० (भा० १)	बाद मे राजा चोलण की तरह पुरोहित
तिलोकसी		सीहे पीथावत रायसल राजावत ने
		आधा गांव स्वीकार करना मंजूर कर
		लिया ।
माडण हरदासोत	३०२ (भा० १)	
हेमदास लिखमीदास, देवीदास हेमराज	२६६ (भा० २)	
खेती सूर, रतनी रावतोत		
गोयददास सामदासोत	२३७ (भा० १)	सं० १६४०
हरजी कलावत	२३६ (भा० १)	
भानो माडण का, सूजा घना का	२७३ (भा० २)	राव मालदेजी ने प्रो. सादूल हमीर को
		और दिया था ।
भगवानदास दयाल मानसिधोत	२३६ (भा० १)	
सारगधर द्वारकेसर	२३८ (भा० १)	
	३०२ (भा० १)	पडीहारो की बार में दिया ।
किसना द्वारकादास केसा	२६८ (भा० २)	
लिखमीदास बीठलोत झुपर दयाल	५४४ (भा० १)	
ठाकुरसी बीठल	२६७ (भा० १)	
सावलदास	२६० (भा० १)	
खगार रामदासोत	२७० (भा० २)	
व्यास नरी बाछा का, हरराम गवाल का	५४७ (भा० १)	सूर्यग्रहण में दान दिया ।
किसनी	३१० (भा० १)	
जोगीदास गुणेमोत राजसी सादूल	१३८ (भा० २)	
चन्नभुज भगवान का, विजेराम पिराण का	५२८ (भा० १)	
दानो सादुलोत	३३४ (भा० १)	

प्राप्तकर्ता	गांव का नाम	परगना	दाता
भोजा कं'पावत सीवड़	ठावूकीया	जौनारग	अदा सूजावत
महेराज सीहावत	हीगोली खुरद	जौधपुर	राव चूं'डा
महेव राधगुर	रावळवास	जौधपुर	सोनगरा मानसिध
सुरार खेलावत आटी	नरसिध री वासणी	सोअल	राव श्री जौधाली
मूठा कं'पावत	खेड़ापी	जौधपुर	राव मालदेवी
मूठा कं'पावत सीवड़	धुहंडीया वासणी	सोअल	राव श्रीगंगाजी
मूठा कं'पावत सीवड़	वीकरलाई	जौनारग	राव श्रीमालदेवी
मूठा कं'पावत	ठठरीसीया	जौधपुर	राव मालदेवी
मूठा कं'पावत सीवड़	बाहेडवास	सोअल	राव श्रीमालदेवी
भोकळ कचरोल	महैकर री वास	सीवाया	हूं'गरसी करमसीहील जोगाडल
रणमल अणदील पुण्णियवा	नागाणी री वास	जौधपुर	देवीदासील
राजा चौहणील	कपावास	सोअल	आरमल जौधाल
राजा चौहरी सीवड़	राजावासणी	जौधपुर	राठेई श्रीव बाबाव सुजावत
रांमा हीलावत गुजरगीड़	वासणवास	महंदा	हैदे जौधाल
रांम दासावत बीरा असरावत	महेबाटी	सीवाया	केशोदास भाबरसीपील
रांम हुगावत भागरवाळी	खेडी चण	महंदा	बीरमहै हैदावत
रांमा सुरार	खेडवी	जौधपुर	राव श्रीगंगाजी
राइमल खेलावत	धुवेलीरिया	जौधपुर	राव मालदे
राइसल राजावत	कैलरिया री वासणी	जौधपुर	राव मालदेवी

वर्तमान भोक्ता	पृष्ठ व भाग	विशेष/संवत्
हरीदास	५४३ (भा० १)	भोजा जब जोधपुर आया तब दिया गया ।
दमोदर	३०१ (भा० १)	
जीवी किसनावत	२६८ (भा० १)	
जोसी कचरो दामोदर और वीसनदास मथुरादासोत	४८१ (भा० १)	वाद मे राजा श्रीऊर्दसिंघजी ने संवत् १६४२ आसोज सुद ४ मे पट्टे कर दिया ।
माधोदास मोहणदासोत	३४६ (भा० १)	
गोरघन जगनाथ सादूळ का लड़का	४७६ (भा० १)	धुहड़ीया वासणी चाहड़वास भी दिया गया ।
रामसिंघ गोपाळदासोत नरसिंघदास रामदासोत	५४६ (भा० १)	
दवारकादास गोयंददासोत	३४६ (भा० १)	
राधोदास धनी किसनावत और रूपा सावलदासोत	४८० (भा० १)	धुहड़ीया वासणी ग्राम साथ में दिया ।
	२७२ (भा० २)	वाद मे राव मालदेव ने तेजसी मोकळोत को दिया ।
नाथी टीकम	३०२ (भा० १)	
चांदावत नै थळी उदावत नै मोणदास जैतसीयोत	४७८ (भा० १)	वाद मे रावरांम मालदेओत ने संवत् १६६१ कात्ती सुद ६ राजावत को फिर दिया । १५८८ जेठ सुद ७ (को प्रथम दान)
कचरी नेतसी रो	२३८ (भा० १)	
संकर गोपाळ	१५२ (भा० २)	
सूरी, माधो, रामावत, सादूळ आसवत हेमो माहव रो,	२६८ (भा० २)	रा. कीलांण रायपाळोत घुडडोत का महेवा से अपना निवासस्थान छोड़ कर एक भाखरी के पास घर बना कर बस गये ।
जगनाथ चांपावत जीवी सुरताणोत	१७५ (भा० २)	
कचरी दामोदर	२५४ (भा० १)	
	२८५ (भा० १)	
कली जेसावत हरीदासोत	३१० (भा० १)	

प्रतिकर्ता	गाँव का नाम	परगना	दाता
राजसल राजावत राजा जगनाराज	बडीयाळी बोलासर कानुडीया पडासली बासरी	सोअल जोधपुर जोधपुर सोअल	मालदेवजी रावल मेहराज वीरम बलवत राज गामाजी
सहेरा सीनल कलब साकर देहरी रायपुर सामा देवावल	कंवारडी मादडी आसरारी	जोधपुर जोधपुर सीवाणा	पती गांधवल राज कानडदे सोनगरी राणा देवीदास बीजावल
सीधप जोसी	पाटीवी री बास	सीवाणा	राणा देवीदास
सीवदे राज रू सिवराज देहदास देवराजोत सोमाडेल गहेला री गुर सोमी मदन जाल सोमडी लोधा	हंवारबास २ हंलणा काळ बडी सुराणी खुरद नगा री बास मेवाबस तानाणा री बास पटाऊ री बास मनणा री सरवडी	जोधपुर जोधपुर जोधपुर जोधपुर जोधपुर जोधपुर जोधपुर जोधपुर जोधपुर जोधपुर	राज कानड दे राजा श्री उदेसिधजी रावल जगमाल मालावल राज गामाजी राजोळपना होला जलमलोत कीलाण रायपालोत राणा देहदास बीजावल सोम जलमलोत सलजावल राणा देवीदास बीजावल राज श्रीरिडमलजी
देरमा माला लखमणोत काका भलीज हरे वंदेहीत श्रीदा पाहेरीत	लोदाकुवा कीटणोद री बास परमदेवारी	जोधपुर सीवाणा जोधपुर	राज जोधाली महेरा महेरा महेरा राजा जसवंतसिधजी महेरा राजा जसवंतसिधजी
आसायच भोगा जुजमहेम पीरबादा जिजाम व नीजरवली खरखान जोगी नीरमल धन के बेले की	साठी की बडी खालोळई हरीबास	जोधपुर महेरा सोअल	राज जोधाली महेरा राजा जसवंतसिधजी महेरा राजा जसवंतसिधजी
आन राजल जोगी देवसी राठीर भोगा प्रीतली पुंवर आखर सोहेहा का कीला बाबा- वत पावुजी के भोगे की सांखला देरम पीर	भीलिळाव आसरवा री बास कोळ बोहोणाटी बास २	जोधपुर जोधपुर जोधपुर कलोधी	मेर राजल देवा मेहेरील आरमल जोधवल पुंवर रामदे अजीसिहेल राज गामा राज जोधाली

अन्य

वर्तमान भोक्ता	पृष्ठ व भाग	विशेष/संवत्
लघै उदावत और मोवणदास जेतसीयोत साजन माघी रामदासोत बास श्रीराम, कलौ माघोदासोत	४७८ (भा० १) ३६५ (भा० १) ३१६ (भा० १) ४८१ (भा० १)	राव श्रीमालदेजी ने संवत् १५६४ महा वद ७ मे ताबा पत्र करा दिया ।/स० १५८५
जेतो जसावत मेहो रूपा मनोहर जैमल नाढ़ो चादा का भादौ कांता हू गरसी नेतावत, तिलोकसी हरखो गागावत	२८५ (भा० १) २६६ (भा० १) २६७ (भा० २) २७२ (भा० २)	
सिवराज के पुत्र भानो नारण और बरसल	२६७ (भा० १) ३१ (भा० २)	१६७५ में पाटोदी पर जैसलमेर की फौज आई थी ।
करमाणद लिखमीदास	३६५ (भा० १)	
कानी अखैं तोगी	३१० (भा० १)	
हमीर	३६६ (भा० १)	
दुपौ जीवावत	३०२ (भा० १)	
	३०५ (भा० १)	
डाहो खीवा सूजी माघा कलु अणदा का प्रो मोहणदास सूजावत जगनाथ लिखमी-दासोत राघो नारणोत	२७१ (भा० २) २७१ (भा० २)	
सुरताण देवीदास जेतमल नाराईण भली चादा का	२७० (भा० २)	
माली दिदावत	२६८ (भा० १)	

अन्य

भोपा घाघल करमसी	३३५ (भा० १) १६६ (भा० २)	श्री माताजी के पुजारी । सं० १७०६
जोगी हरखवन खेचरवन	४८६ (भा० १)	पहले यह गांव सुजाणसिंह भगवान-दासोत के द्वारा खेचरखान को दिया गया बाद मे सुजाणसिंह की मृत्यु के पश्चात् महाराजा ने ताम्रपत्र पर दान के रूप मे गांव लिख दिया ।/स० १७०३ रतनसी खीवावत की चार में दिया गया ।
	५५२ (भा० १)	
	३०४ (भा० १)	
	३४८ (भा० २)	
	२६ (भा० २)	
जगी हूदावत जैतमालोत	३० (भा० २)	

भाग १

पृष्ठ सं०

८

३१

३२

५६

५६

६७

११६

१३२

१३६

१६५

१८६

१८९

पंक्ति सं०

८

अंतिम

२

१०

१५

प्रथम

२०

१२

१२

५

३

१४

अशुद्धि-शोधन

आय के स्थान पर आप पढ़ें ।

काहु नी के स्थान पर काहुनी (ग्राम) पढ़ें,
तदनुसार अर्थभेद भी ग्रहण करें ।

" " " "

पैरा नं० ८८ के स्थान पर ८९ पढ़ें ।

मोजावाद के स्थान पर मोजावाद पढ़ें ।

६६८ के स्थान पर १६६८ पढ़ें ।

१६६४ के स्थान पर १६६४ पढ़ें ।

वेजयां के स्थान पर वेजपां पढ़ें ।

भार के स्थान पर मार पढ़ें, तदनुसार फुट नोट
में अर्थ 'पेट में कटारी मार कर मरा',
ग्रहण करें ।

पाली के स्थान पर पाली पढ़ें ।

पैरा नं० १४६ के स्थान पर २४६ पढ़ें ।

पैरा नं० १४७ के स्थान पर २४७ पढ़ें ।

भाग २

५१

६२

५०१

८

१५

१५

मंडोवर के स्थान पर मांडव पढ़ें ।

१८१४ के स्थान पर १७१४ पढ़ें ।

मांहिम है सर भोज दे के स्थान पर "माहि
महेसर भोजदे" पढ़ें ।

भाग ३

६६

अन्य आसामियों के शीर्षक के अन्तर्गत दिये गये
नाम सन योद्धाओं के हैं जो धवलपुर के युद्ध में
काम आये (मू'दियाड़ की ख्यात पृ० १४८)

